तूफान में एक पत्ता

लिन युतांग

शहरों, रेलवे और नदियों को दर्शाने वाला रेखाचित्र मानचित्र

कहानी के दौरान संदर्भित

तूफान में एक पत्ता

युद्धग्रस्त चीन पर आधारित एक उपन्यास

लिन युतांग

विलियम हेनेमैन लिमिटेड

लंदन टोरंटो

पहली बार मई 1942 में प्रकाशित

केबीपीएसआईएनटीबीडी मई, अगस्त, अक्टूबर, दिसंबर 194

वीटीआर स्कोहोमी

यह पुस्तक पूर्ण रूप से प्रकाशित है।

अधिकृत के साथ अनुरूपता

अर्थव्यवस्था मानक

ग्रेट ब्रिटेन में विंडमिल प्रेस में मुद्रित।

किंग्सवुड, सरे

अध्याय 1

पोटा ने राजकुमार के बगीचे को छोड़ दिया, जो उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित था।

शहर के एक हिस्से में, वह लंबे, इत्मीनान भरे कदमों से टहलते हुए, पाइप बजा रहा था।

अपने दोस्त से मिलने जाते समय, उसका मुंह और हाथ पतलून की जेबों में थे।

लाओ पेंग के साथ रात के खाने पर, जैसा कि उनकी आदत थी। चूंकि यह एक आम बात थी...

अपेक्षाकृत सुनसान जिले में, उसे कई तरह की बाधाओं से गुजरना पड़ा।

ढलान वाली जमीन के कम पैच।

यह एक शानदार दिन था, जैसा कि पेइपिंग में अक्टूबर के सभी दिन होते हैं।

धूप खिली हुई थी और मौसम सुहावना था, शाम की हवा सुखद रूप से ताज़ी थी।

कठोर, ठीक वैसे ही जैसे युद्ध शुरू होने से पहले था। शरद ऋतु

सूरज की रोशनी ने बारीक धूल को सुखाकर भूरे रंग का बना दिया था, और अब शाम के समय,

घरों की स्लेट-नीली दीवारें और टाइल वाली छतें नंगे परिवेश के साथ घुलमिल गईं।

धुंधली गोधूलि बेला के दृश्य में जमीन, धुंधली रूपरेखाओं के साथ

तेजी से अंधेरा होते दूर के वातावरण में वस्तुएँ समाहित हो गईं। कुछ ही वस्तुएँ दिखाई दीं।

अभी तक स्ट्रीट लाइटें नहीं जली थीं, और ऊपर सन्नाटा छाया हुआ था।

आस-पास के पेड़ों में कुछ कौवों की कांव-कांव की आवाज ही सुनाई दे रही थी, जिससे शांति भंग हो रही थी।

यदि कोई ध्यान से सुनता, तो एक हल्की, सूक्ष्म ध्वनि सुनाई देती।

शांत और सामंजस्यपूर्ण, एक ऐसे शहर की खामोश ध्वनि जो सोने के लिए तैयार हो रहा है।

पोया उस धुंधली रोशनी में एक चौथाई मील चली और वहाँ उसकी मुलाकात हुई।

केवल दो या तीन गरीब लोग चुपचाप घर लौट रहे थे, बिल्कुल उसी की तरह।

उनके सिर झुके हुए थे, वे अपने हाथों में तेल के बर्तन और छोटी-छोटी चीजें लिए हुए थे।

कमल के पत्तों में लिपटे रात के खाने के पैकेट। एक थका हुआ सा दिखने वाला

एक कोने पर खड़ा काली वर्दी पहने पुलिसकर्मी उससे बात कर रहा था।

परिचित सी। सन्नाटा डरावना था। फिर भी उसे ऐसा लगा, जैसे

वह हमेशा ऐसा करता था, दिन के इस समय टहलने में उसे आनंद आता था, जब

हवा तीखी और ठंडी थी, और शहरी जीवन का रहस्य और गहराता जा रहा था।

उसके चारों ओर।

नानसियाओचियेह में प्रवेश करने पर ही उसे जीवन के संकेत दिखाई दिए।

सड़कों पर लगी लंबी कतारों में रोशनदानों और छोटे-छोटे घरों के तेल के दीयों के साथ

चारों ओर फैले अंधेरे में गरीब लोगों के खाने-पीने की जगहें चमक रही थीं।

यह एक लंबी, संकरी और कच्ची गली थी, जिसकी लंबाई मुश्किल से दस से बारह फीट थी।

चौड़ी, उत्तर और दक्षिण दिशा में फैली हुई, हाटामेन स्ट्रीट के समानांतर। लाओ

पेंग का घर इस गली के पास, थोड़ी दूरी पर दक्षिण दिशा में था।

ईस्ट-फोर फैलू, बड़े आवासीय क्षेत्रों की सड़कों तक पहुँचने से ठीक पहले-

दक्षिण की ओर स्थित बस्तियों पर अब मुख्यतः जापानियों का कब्जा है।

1

और वहाँ कुछ पैदल चलने वाले रिक्शा थे, और कुछ अन्य खड़े थे।

सड़क के किनारे रोशनी नहीं थी, क्योंकि खींचने वाले अपने छोटे वाहनों

में रोशनी जलाते थे।

सवारी के लिए किराए पर लेने के बाद ही तेल के लैंप जलाएं, ताकि

तेल बचाने के लिए।

वह लाओ पेंग के घर जाने के लिए बाईं ओर मुड़ा, जो स्थित था।

एक इतनी संकरी गली में कि एक रिक्शा भी मुश्किल से निकल पाता था।

उस अंधेरे में, वह लगभग एक दरवाजे की चौखट पर ठोकर खाने ही वाला था कि वह

उसे एहसास हुआ कि वह आ गया है।

उसने बंद गेट के लोहे के खूंटों पर कुछ बार खटखटाया और

कुछ ही देर में एक आदमी के खांसने की आवाज सुनाई दी, जो पास आ रहा था, जिसे उसने

वह लाओ पेंग का पुराना नौकर माना जाता था।

“यह कौन है?” उस आदमी ने पूछा।

"यह मैं हूं।"

“क्या यह याओ शतेम है?’*

"हाँ।"

दरवाजे की कुंडी धीरे-धीरे खींची गई, साथ ही एक संगीत की आवाज भी सुनाई दी।

खांसी का तीव्र दौरा।

“क्या लाओयेब अंदर है?” पोया ने पूछा।

“वह आज सुबह चला गया था और अभी तक लौटा नहीं है। अंदर आ जाओ।

शरद ऋतु की इन शामों में ठंड है। वह रात के खाने के लिए वापस आ जाएगा।

पोया आंगन पार करके परबुर में चली गई। यह एक विशिष्ट दृश्य था।

बेहद खाली कमरा, जिसमें सबसे साधारण फर्नीचर और एक सस्ता सा सामान है।

वार्निश की हुई चौकोर लकड़ी की मेज, कुछ बेंत की कुर्सियाँ जिन पर कपड़ा लगा हुआ है

गहरे नीले कपड़े के सख्त तकिये, और एक जर्जर पुरानी कुर्सी जो

तुंगन बार में सेकंड-हैंड खरीदने पर इसकी कीमत शायद सिर्फ दस डॉलर ही रही होगी।

जब भी पोया उस पर बैठती, तो टहनियाँ चटकती और एक तरफ झुक जाती थीं।

एक तरफ। कपड़े के कवर में सिगरेट से जले हुए छेद थे, और वह

वह अपनी स्थिति बदलने पर स्टील के कुंडलियों को हिलते हुए देख

सकता था।

लाओ पेंग आराम करने के लिए इसी पर बैठते थे।

खुली किताबों की अलमारियाँ, "आँसू के दाग वाले बांस" का व्यापार, पन्नी के ढेर

किताबें ^ पत्रिकाएँ और ग्रामोफोन रिकॉर्ड सबसे अधिक

अव्यवस्थित फैशन, उत्तरी दीवार का हिस्सा। किताबें

बी ^ विभिन्न प्रकार के उत्पाद, जिनमें मुर्गी पालन और मधुमक्खी पालन शामिल हैं।

बी`डटॉम. पोया ने एक बार एक पुरानी, खूब पढ़ी-लिखी किताब देखी थी।

दुश्मन बुडटे स्मपचर, स्ट्रैंगम, और जानता था कि लाओ पेंग था

वे बौद्ध थे, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने इस बारे में कभी चर्चा नहीं की थी।

बौद्ध धर्म। चमकीले लाल रंग की वार्निश से रंगा एक ग्रामोफोन कंसोल खड़ा था।

m ^mer, अजीब तरह से बाकी प्रकृति के साथ सामंजस्य से बाहर है।

लकड़ी की मेज पर दो लोगों के लिए कटोरे और चॉपस्टिक रखे हुए थे।

छोटी चाय के कप और एक पीतल के शराब के जार और तीन इंच के छोटे बर्तनों के साथ

2

अचार और अदरक से बने व्यंजन थे, लेकिन खाना अभी तक तैयार नहीं था।

मेज। पोया जानता था कि उससे इस समय diofiftfj की अपेक्षा की जा रही थी।

कई रातों तक पोया इन्हीं चाय के प्यालों में बैठकर चाय पीता था।

हम दोस्त थे और युद्ध और राजनीति पर तब तक चर्चा करते रहे जब तक कि दोनों थक नहीं गए।

काफी शराब पी ली और एक दूसरे के सामने बैठकर रोने लगे। फिर वे

उन्होंने बात करना बंद कर दिया और चुपचाप पीते रहे। जितना अधिक वे

जैसे-जैसे वे पीते गए, उनके आंसू और अधिक बहने लगे, और फिर वे

आधे घंटे तक एक-दूसरे को बिना कुछ बोले देखते रहे।

अपनी आंखों को आराम से पोंछते हुए और एक-दूसरे की सांसों को सुनते हुए।

ऐसा कहा जाता था कि रोना और आंसू बहाना

दुःख में डूबे व्यक्ति के लिए शराब का प्रभाव अच्छा था, और वे दोनों

इसका आनंद लिया था, इसकी जरूरत थी, खासकर उस पहले सप्ताह के दौरान जब

उनतीसवीं सेना पीछे हट गई और लोगों को छोड़ दिया।

पेइपिंग को उसके अपहरणकर्ताओं को सौंप दिया गया। प्राचीन काल में इस प्रकार की वस्तु का एक नाम था।

शराब पीने का; वे इसे "दुःख में शराब पीना" कहते थे, लेकिन पोया

और लाओ पेंग ने इसमें 'आउ' शब्द जोड़ा और इसे "पीना" कहा।

दुःख पैदा करना।" अगले दिन, उनमें से एक ने कहा...

दूसरे ने कहा, “क्या हमने कल रात शोक मनाने के लिए खूब शराब नहीं पी?

दुःख ही दुख था, और जब मैंने तुम्हारा चेहरा देखा, तो मैं बस कुछ कह ही नहीं सका।

आंसू रोक लो। मुझे बहुत अच्छा लगा और गहरी नींद आई।

हाल ही में यह आदत बंद हो गई थी, लेकिन फिर भी उनके पास हमेशा एक आदत रहती थी।

जब वे साथ में भोजन कर रहे थे तो उन्होंने एक-एक घूंट ली।

बूढ़ा नौकर गर्म चाय का बर्तन लेकर आया, और एक कप मुंह बनाकर रख दिया।

और कहा, "अब लाओयेब के लौटने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।"

पोया चरमराती कुर्सी पर बैठ गई और समाचार पढ़ने लगी।

वह कागज़ पढ़ने के इरादे से उस पर रखा हुआ था। लेकिन जल्द ही उसने उन पन्नों को छोड़ दिया।

उसका हाथ फिसल गया और वह ज़मीन पर गिर गया। वह बैठकर सोचने लगा।

उनके लिए रहस्य, युद्ध की खबरों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। तब से

उन्हें लाओ पेंग के बारे में कुछ साल पहले पता चला था, वह व्यक्ति उन्हें बहुत आकर्षित करता था।

उसे। यह अविश्वसनीय लग रहा था कि इस खाली कमरे में एक महान व्यक्ति रहता था।

गुमनामी में रहने वाला वह व्यक्ति, एकमात्र ऐसा व्यक्ति जिसे वह जानता था जो पूरी तरह से खुश था।

बिना पत्नी और बच्चों के। उसने अपने जैसा कोई नहीं देखा था।

पहले। एक ऐसा आदमी जिसने खुद को पाया था, 'बिना डर के और बिना'

"चिंता," जैसा कि कन्फ्यूशियस ने शत्रु सज्जन का वर्णन किया था।

पेइपिंग लाओ पेंग को नहीं जानती थी। एते ने कुछ भी अतिरिक्त नहीं किया था।

साधारण। उसका बाहरी जीवन एक के बाद एक धोखे से भरा था।

अति उत्साह ने हमेशा उसे बर्बाद कर दिया था और उससे उसका आधा हिस्सा छीन लिया था।

अपनी संपत्ति का। दस साल से भी पहले, उन्होंने दुश्मन का विचार बनाया था।

पेइपिंग में टमाटर उगाना। क्योंकि किसी और ने ऐसा सोचा ही नहीं था।

उसे लगा कि यह एक निश्चित रूप से पैसा कमाने का जरिया है। उसका तर्क था कि...

3

बात सीधी-सादी थी: पेइपिंग, जिसे पेज॔जी भी कहा जाता था, के पास इडसियस था।

पेफसिमन्स; टमाटरों को "विदेशी पर्सिमोन" के नाम से जाना जाता था;

बीजिंग में स्वादिष्ट टमाटर उगने चाहिए* (तस्वीर को अनदेखा किया गया)

परसिमन पेड़ पर उगते हैं जबकि टमाटर जमीन पर उगते हैं।

झाड़ियाँ: पेकिंग ने कम से कम अपनी ज़मीन पर टमाटर उगाने से इनकार कर दिया, और

टमाटर के कारोबार में उसे कई हजार डॉलर का नुकसान हुआ।

निवेश आयातित लेगहॉर्न मुर्गियों में किया गया था, जिन्हें कॉड-लिवर खिलाया जाता था।

तेल तो ठीक था, लेकिन अंडे इतने महंगे थे कि वे स्थानीय अंडों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते थे।

जिसकी कीमत पचास के लिए केवल एक डॉलर थी, और गर्मियों में एक डॉलर

लगभग सौ। उसे परिवहन और बिक्री का कोई ज्ञान नहीं था।

लागत। अगला हवाई किला शहद उत्पादन के लिए मधुमक्खियों का एक झुंड था।

एक और विचार जिसके बारे में बीजिंग में किसी ने नहीं सोचा था। इनके बाद

दुर्भाग्यपूर्ण प्रयासों के बाद, उन्होंने बुद्धिमानी से अपनी शेष संपत्ति को इसमें लगा दिया।

बैंकों में मौजूद था और निराशा से परे उस सुखद स्थिति में था।

पोया उन्हें लाओ पेंग या ओल्ड पेंग कहकर पुकारती थी, क्योंकि वे उनके करीबी थे।

दोस्त एक दूसरे को फोन करते हैं।

दस साल पहले, पैंतीस वर्ष की आयु में, लाओ पेंग की पत्नी का निधन हो गया।

उसने साहसपूर्वक, लेकिन व्यर्थ ही, उसे आधिकारिक तीस-चार की शिक्षा देने का प्रयास किया था।

स्कूलों में इस्तेमाल होने वाले वर्णमाला के नौ अक्षर। उनकी वीरता थी

बहुत खूब; उसने दीवार पर टांगने के लिए स्कूल के चार्ट खरीदे और खुद भी

उन्होंने वर्णमाला लेखन के साथ-साथ चित्र भी बनाए, और पत्नी ने

उन नौ अक्षरों से बहादुरी से जूझने के बावजूद वह उन्हें स्वीकार नहीं कर सका।

उन्हें अंदर डालो। वर्तनी के लिए कल्पना और थोड़ी अमूर्तता की आवश्यकता थी।

thirildng. अक्षरों की ध्वनियाँ सीखने के बाद भी,

आने वाले शब्दों के sotmds□ अक्षर M-I-N (pro-

iV > unced MIN नहीं बन सका, और वहाँ था

इसके बारे में कुछ नहीं किया जा सकता। पेंग को इस तरह देखना बहुत दुखद था।

अपनी धर्मपरायण और निष्ठावान पुराने जमाने की पत्नी को सिखाने में बहुत परेशानी हुई, और

उसके लंबे समय बाद भी उसे perˆpW पर धोखा देते देखना और भी मार्मिक है।

विद्यालय युग।

“क्या बनाता है?” उसकी पत्नी पूछती।

“Mtrˆe-em MEN,” वह पचासवीं बार कहता।

"क्यों?"

“J3»-«जीत . . .”

"क्यों?"

इसलिए पुरुषों में।

“ये विदेशी चीज़ क्या है? मुझे समझ नहीं आ रहा। मुझे पसंद है कन्फ्यूशियस के अक्षर बेहतर हैं। तिएन स्वर्ग है, और एच पृथ्वी है, और जब आप इसे सीख लेते हैं, तो आप इसे सीख लेते हैं।"

लेकिन फेर-एन की वर्तनी #’«« है।

4

मुझे भ्रमित करने की कोशिश मत करो। मैं नहीं सीखूंगा।

“लेकिन आपको ऐसा करना ही होगा। यही तो शिक्षा है।”

“मुझे अपनी असफलताओं में गिन लो, मेरे भले आदमी। मैंने कभी नहीं

मैंने आपके टमाटर फार्म और डिकन फार्म चलाने का विरोध किया।

अब मुझे छोड़ दो। इसके बाद उसने उसे पढ़ाना छोड़ दिया। 'कभी नहीं-'

फिर भी, उन्होंने कहा कि उन्हें अपने निरक्षर साथियों के साथ उन पाठों का आनंद आया था।

जब उनकी पत्नी की मृत्यु हुई, तो उन्होंने उन्हें विधिवत दफनाया और कभी भी

दोबारा शादी करने का सोचा।

उसके बाद उन्होंने वर्णमाला लेखन को सुधारने का प्रयास किया ताकि यह

किसानों के दिमाग में पैठ बनाना काफी आसान था और उसने फिर से गलती की।

आनंद से।

तो बाहरी तौर पर वह असफल हो चुका था, और बीजिंग उसे नहीं जानता था।

राजनीतिक हलकों में मेरे कुछ दोस्त थे और मैं कुछ स्नातकों को जानता

था।

वह "^ampoa अकादमी" में थे और जनरल के निजी मित्र थे।

पाई, मूल रूप से फटा हुआ। लिउचो, क्वांगसी, और इस प्रकार एक सह-

ऐ क्वांगसी प्रांत के जनरल। लेकिन वह कभी नहीं चाहता था

उन्होंने राजनीति में कदम रखा, जो उनकी ओर से एक बुद्धिमानी भरा कदम था। अगर ऐसा न होता तो...

इस वर्तमान युद्ध के लिए, वह गुमनाम ही मर जाता, और यह कहानी

शायद इसे लिखा ही नहीं गया होता।

सात बज चुके थे और बूढ़ा पेंग अभी तक नहीं आया था।

पोया को बूढ़े पेंग से बात करने की बहुत तीव्र इच्छा थी, कभी-कभी तो असहनीय भी।

सक्षम। पेइपिंग के पतन और उसके रिश्तेदारों के चले जाने के बाद से

दक्षिण में, पोया के पास रहने के लिए कोई और नहीं था। वह आमतौर पर वहीं रहता था।

दिन के समय घर के अंदर रहना, अपने ही बगीचे में कैदी जैसा महसूस करना

घर। वह केवल शाम को ही घर से बाहर निकलता था, और

पेंग से मिलने आया, अपने मित्र की उपस्थिति में, उसे लगा कि वह कह सकता है ^

वह कहना चाहता था और समझा जाना चाहता था, सवाल पूछ सकता था और

उन्हें पक्के जवाब मिले। उनकी दोस्ती Ws के साथ शुरू हुई थी।

अकेलापन था, और वह मुडी से अपने विचार साझा करना चाहता था।

पेंग से उनकी राय सुनने और उनकी सलाह लेने के लिए।

कई लोग पोया को एक दिखावटी, अमीर घरों के एक विशिष्ट सबक़येब के रूप में समझते थे।

संगीत बजाने वाली युवतियों से घिरा और उनके पीछे-पीछे चल रहा था,' और वह

वह जानता था कि उसने उस प्रतिष्ठा के योग्य होने के लिए बहुत कुछ किया था। उसे लगा कि...

आज दोपहर मालिन के साथ उनकी मुलाकात के बारे में। उनके पास मछली पकड़ने की चटाई थी।

पिछले कुछ दिनों से उसे उससे प्यार हो रहा था।

मुझे आश्चर्य हुआ कि पेंग, मेलिन के बारे में क्या सोचेगा। उनका जीवन इतना अलग था।

(वह युवा और लंबा था और उसे सुंदर कहा जाता था, उसका पालन-पोषण हुआ था)

एक समृद्ध परिवार के सभी विलासितापूर्ण जीवन में, परिष्कृत रुचियों के साथ

कला और उमेत्म और जीवन के सुख, जबकि ओल्ड पेंग था

एक तपस्वी, जो दिखने में मैला-कुचैला और भौतिक जगत की हर चीज की परवाह न करने वाला था।

5

कंफोट्स, पैंतालीस वर्ष की आयु में ब्रह्मचारी, सभी महिलाओं से अलग रहता है।

फिर भी उन्होंने अपने मित्र में एक महान और उदार आत्मा को देखा,

एक दूरदर्शी मानसिकता और एक बच्चे के समान कोमल हृदय।

पोया की सभी जन्मजात प्रतिभाओं, शिष्टाचार, जीवन-प्रबंधन और सांसारिकता के साथ

महिलाओं के प्रति उनके लगाव में रहस्यवाद का भी पुट था।

अपने दादाजी, बूढ़े याओ से। इससे वह पेंग के समान हो गया, और

इससे उन्हें विभिन्न चीजों को तुरंत समझने और उनकी सराहना करने में मदद मिली।

अपने दोस्त की प्रतिभा के चरित्र को दर्शाते हुए, बूढ़े पेंग ने लगभग उसकी जान बचा ली थी।

निराशावादी बनने से, जो कि तार्किक होता

एक युवक का विकास उसकी बुद्धि और परिस्थितियों के अनुरूप होता है।

एक बार ओल्ड पेंग ने चार-पांच विद्यार्थियों को इकट्ठा किया था।

आस-पड़ोस के लोग, जिनमें कुछ प्रशिक्षु भी शामिल थे, ने मिलकर काम शुरू कर दिया था।

उन्होंने अपने ही घर में एक निःशुल्क विद्यालय खोला, जिससे उन्हें अनगिनत अवसर प्राप्त हुए।

परेशानीं। उसने फिर से वर्णमाला लेखन सिखाने की कोशिश की, लेकिन कुछ

उस्तादों ने शिकायत की कि उनके प्रशिक्षुओं को रोका जा रहा था

काम के लिए जल्दी उठने वाले, और दूसरों ने पाया कि वे ऐसा नहीं कर रहे थे।

कन्फ्यूशियस के नियमित अक्षरों को सीखना। एक-एक करके वे

धीरे-धीरे सब कम होता गया, जब तक कि केवल एक 23 वर्षीय मूर्ख युवक ही नहीं रह गया।

पोया ने उसे हर रात बैठे हुए, अपने कंप्यूटर पर कुछ ठूंसे हुए देखा था।

पाठ के दौरान, ओल्ड पेंग ने असीम धैर्य के साथ कुछ लाने की कोशिश की।

उसके हठी मन में प्रकाश डालो। क्योंकि अब वह एकमात्र छात्र था।

और उसने एक हजार नियमित अक्षरों को सिखाने के लिए कहा। बूढ़ा

पेंग ने उन्हें कोचिंग देने का कठिन कार्य अपने हाथ में लिया, जो कि

उसे लगा कि अगर उसकी किस्मत अच्छी रही तो छह महीने लगेंगे। युवक

वह अक्षरों को लिखना सीख रहा था, ब्रश को ऐसे पकड़े हुए जैसे वह

उसका वजन सौ किलो था, उसके माथे पर पसीना आ रहा था।

l^pUght.

“इसका क्या फायदा,” पोया ने कहा, “अपना सबसे अच्छा हिस्सा बर्बाद करने का।”

हर शाम एक ऐसे निरर्थक दिमाग के साथ जो कभी कुछ सीख नहीं सकता

वैसे भी? एक और ऐसा आदमी जो पढ़ सकता हो, उससे क्या फायदा होगा?

क्या यह समाज पर समग्र रूप से प्रभाव डालता है?

"मेरी राय में, आपको बात समझ नहीं आ रही, लेकिन मुझे समझ आ रही है," पेंग ने कहा था।

भरोसा किया। “आप नहीं देख रहे हैं कि इस आदमी के दिमाग में क्या चल रहा है।

उसका दिमाग भटक रहा है। उसके लिए उसका जीवन कम मूल्यवान क्यों होना चाहिए?

तुम्हारा है या मेरा? क्या तुम मुझे अंतर बता सकते हो? वह बेवकूफ है।

वह बिल्कुल निकम्मा है। पिछली रात मेरा धैर्य उससे टूट गया और

अगर वह अब भी अंत तक जाने का इरादा रखता था, तो वह ऐसा दिख रहा था।

उसने तनाव में आकर मुझसे विनती की कि मैं उसका इलाज बंद न करूं और मैंने उसकी आँखों में आंसू देखे।

एम फुफकारता है। उसने कहा कि वह स्कूल की फीस नहीं दे सकता और यह बहुत बड़ी बात है।

महज संयोग। ‘क्या बात है?’ मैंने पूछा। और फिर उसने कबूल कर लिया।

6

मुझे लगता है कि वह एक पड़ोसी की बेटी से प्यार करता था जो शादी नहीं करना चाहती थी।

जब तक वह पढ़ना-लिखना नहीं सीख गया, तब तक उसे उसके साथ रहना पड़ा। क्या आप जानते हैं कि

इसका उसके लिए क्या मतलब है, उसके भविष्य के लिए इसका क्या मतलब है, अगर मेरे माध्यम से

वह ऐसी लड़की से शादी करने के लिए क्या प्रयास करता है? आप अमीर लोग कभी-कभी खर्च करते हैं

किसी लड़की से शादी करने के लिए हजारों और लाखों डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। क्यों?

क्या यह चिंता उसके लिए हममें से किसी के मुकाबले कम महत्वपूर्ण होनी चाहिए? क्या आप बता सकते हैं?

अंतर क्या है? कुछ पुरुष प्यार के लिए आत्महत्या करने को भी तैयार रहते हैं।

"क्या आपको लगता है कि अगर आप इसे बंद कर दें तो वह आत्महत्या कर लेगा?"

उसे?"

“शायद नहीं। लेकिन इससे उसका भविष्य बदल सकता है — शायद वो लड़की...”

उससे शादी नहीं करूंगी।

और इस तरह ओल्ड पेंग ने उसके साथ छह महीने बिताए,

सर्दी से वसंत तक, सिर्फ एक ईमानदार लेकिन मूर्ख युवक को सक्षम

बनाने के लिए

पेंग ने जिस लड़की को कभी नहीं देखा था, उससे शादी कर ली। सर्दियों के महीनों के दौरान, लाओ

पेंग ने उसके लिए एक टोपी भी खरीदी और उसे भेंट की, जो उसके पास एकमात्र टोपी थी।

उसके पास जीवन भर एम था। शादी के दिन, बूढ़े पेंग ने अपना पहनावा पहना।

सबसे अच्छी पोशाक पहनकर वह शादी की दावत में गया। उसका परिचय कराया गया।

दुल्हन को "शिक्षक" के रूप में संबोधित किया गया और दुल्हन ने उन्हें धन्यवाद दिया और फिर लाओ ने

पेंग को पता चला कि उसके शरीर पर चेचक के निशान थे, हालांकि अन्यथा वह ठीक थी।

अच्छी तरह से गठित। वह कुछ हद तक निराश था, लेकिन उसने खुद से कहा,

“इसमें क्या है? चेचक के निशान वाला व्यक्ति आमतौर पर चतुर होता है। यह एक

महत्वाकांक्षी लड़की भी।" लड़की के पास कुछ सौ डॉलर थे, जो

इसी वजह से वह अपना पति खुद चुन सकती थी, और शादी के बाद-

उसने उसके लिए एक दुकान खोली। उस आदमी ने वह टोपी पहनी हुई थी।

शादी के दिन और बाद में केवल महत्वपूर्ण अवसरों पर, और कभी नहीं

उसने अपने शिक्षक की दयालुता की याद में दूसरी टोपी खरीदी।

ओल्ड पेंग ने अटूट कृतज्ञता और वफादारी अर्जित कर ली थी।

दंपति, और सोचा कि उसकी बहन महीनों तक रात में पढ़ाने का काम करती है।

अच्छा प्रतिफल मिला।

कुछ करने को न होने के कारण, पोया की नज़र सुरंगमा पर पड़ी।

शेल्फ पर रखा सूत्र, एक रहस्यमय अनुभूति

ल्सलो पेंग के चरित्र ने उन्हें किताब खोलने और खोजने के लिए प्रेरित किया।

बौद्ध धर्म में ऐसी कौन सी बात थी जिसने उनके मित्र के चरित्र को प्रभावित किया था।

उसने पन्ने पलटे और देखा कि यह सब जन्म के बारे में था।

और मृत्यु, शोक और इंद्रिय बोध की त्रुटियाँ। लेकिन

कई संस्कृत नामों और तकनीकी शब्दों ने उनके लिए कठिनाई पैदा कर दी।

किसी भी अंश को पूरा पढ़ने के लिए। यह यूके था जो एक टेलीग्राम पढ़ रहा था।

सांकेतिक भाषा में वाक्यांश, या एक चीनी व्यक्ति द्वारा जापानी अखबार पढ़ना,

जैसे ही वह किताब बंद करके उसे वापस उसकी जगह पर रखने ही वाला था, तभी उसने

पहले भाग में ही उसकी नज़र "वेश्या" शब्द पर पड़ी। वह रुककर देखने लगा।

7

यह मूल भाषा में लिखा गया एक सरल पाठ था और पढ़ने में आसान था, इसलिए उसने नीचे की ओर सरसरी नजर डाली।

पृष्ठ: यह ज्ञान प्राप्त करने वालों की महान सभा के बारे में था।

स्वयं बुद्ध के समक्ष, और बुद्ध के प्रिय शिष्य आनंद के समक्ष,

एक चमकीला युवा जीव अभी तक प्रकट नहीं हुआ था, लेकिन वह आगे बढ़ चुका था।

शहर में भीख मांगना:

तिएन आनंद, हमेशा की तरह, अपना भिक्षापात्र लेकर अंदर चले गए।

शहर में घर-घर नियमित क्रम में भोजन पहुंचाया जाता है, बस यही एक विचार था।

सभी दानदाताओं से समान रूप से भेंट प्राप्त करने के लिए, यहाँ तक कि अंतिम दानपति से भी।

आनंद के लिए यह मायने नहीं रखता था कि भेंट छोटी थी या बड़ी।

आकर्षक हो या अप्रिय, चाहे वह क्षत्रिय जाति का हो या किसी अन्य जाति का।

चंद्र जाति; उनके लिए सर्वोपरि बात दयालुता का अभ्यास करना था और

बिना किसी भेदभाव के सभी के प्रति समान करुणा।

जब अनमदा क्रमबद्ध तरीके से भीख मांग रहा था, तब वह घर आया।

मौडेन्का नाम की एक वेश्या की कहानी, जिसकी एक खूबसूरत बेटी थी।

पीसीबिटी. टीयू के युवा छात्र आनंद्ड्सयूथएफटीडी और हैंड से आकर्षित हुए थे।

किसी व्यक्ति से विनती की और अपनी माँ से उस युवा को बुलाने के लिए आग्रह किया।

ब्राह्मण्यिका के एमएएफसी मंत्र द्वारा भिक्षु। यह माँ डीएफडी हूँ

इसके जादू के वश में आकर आनंद मोहित हो गया।

उनके आकर्षण से ओनर्गमेउडेना घर और उसके कमरे में प्रवेश कर गई।

भगवान बुद्ध को शुरू से ही पता था कि आनंद के साथ क्या हो रहा है।

और अब उसे मस्गुस्ती कहा गया और उसे महान दबरानी को दोहराने के लिए कहा गया।

वह स्थान जहाँ आनंद प्रलोभन के आगे झुक रहे थे। जैसे ही मनुश्री

घर पहुँचने पर, MAFFC SPM टूट गया और Aiumda ने Ins को पुनः प्राप्त कर लिया।

आत्म-नियंत्रण। मतगुसरी ने अमांडा और पीसीबीटीआई को प्रोत्साहित किया और वे वापस लौट आए।

उसके साथ लार्ड बम्धा से मिलने जाना।

उसने किताब को वापस उसकी जगह पर रख दिया। बाद में उसे एक अवसर मिला।

मुझे लाओ पेंग की कहानी याद है और मैंने उन्हें मंजुश्री के रूप में याद किया।

• . *

विचारों में डूबी पोया को समय बीतने का पता ही नहीं चला।

जब पेंग वापस लौटा तब लगभग आठ बज रहे थे।

"माफ़ कीजिए, मुझे इतनी देर हो गई," पेंग ने एक अजीबोगरीब ऊँची आवाज़ में कहा।

स्त्री की आवाज जो उसके कद और कद से मेल नहीं खाती थी।

आईबी की आवाज सामान्यतः धीमी होती है, लेकिन उत्तेजित होने पर यह तेज हो जाती है।

बच्चे की आवाज का स्वर, अत्यंत तनावपूर्ण, और कुछ वाक्य बोले गए।

ऊँची पिच में और एक सप्तक नीचे समाप्त होने वाला; साथ ही रिमा भी थे

जब उसकी आवाज में एक दरार सी आ गई, मानो स्वर रज्जु टूट गए हों।

एक ही समय में उच्च और निम्न सप्तक दोनों पर कार्य करना।

8

अधिक भावुक क्षण, उच्च से निम्न स्वर में परिवर्तन

यह अधिक बार होता, और फिर वह हाई जीटीआई पर हकलाने लगता।

पिच धीमी है, लेकिन मुझ पर नहीं। मैंने एक फीकी पुरानी रजाईदार

जैकेट पहनी हुई है।

गाउन, जो थोड़ा फटा हुआ था और पूरे मौसम की धूल से सना हुआ था।

दोनों तरफ से, उसकी उपस्थिति आकर्षक नहीं थी, इसके अलावा उसकी

असामान्य कद और आकार। उसने चांदी के फ्रेम वाला चश्मा पहना हुआ था।

निकट दृष्टि दोष के चश्मे पहने हुए, व्हिडी ने उसे गंभीरता से देखा।

उसके ऊंचे माथे पर क्षैतिज लकीरों से और भी बढ़ गया। थोड़ा सा

सामने से गंजा, उसके पतले, भूरे बाल पीछे से लंबे थे और

बिना अलग किए बालों को पीछे की ओर संवारा गया था, जिससे उनका भव्य माथा दिखाई दे रहा था।

लाभप्रद रूप से। बालों को बांधने का यह सबसे व्यावहारिक तरीका था।

क्योंकि इसमें एयू पर कंघी करने की आवश्यकता नहीं थी; या यूं कहें कि उसने इसे कंघी किया।

वह आदत के तौर पर दिन में सौ बार उसमें उंगलियां फेरता था।

बातचीत करते समय। यह एक चौकोर, मुक्त, सुघू मांसल, क्यूक्सीट के साथ था।

गंभीर चेहरा और सहज मुस्कान, ऊँची गाल की हड्डियों के साथ, तुलनात्मक रूप से-

गहरी धंसी हुई आंखें, चौड़ी नाक और बेहद आकर्षक आकार का चेहरा

मुख, जो केंद्र में उभरा हुआ है और नीचे तथा किनारों की ओर मुड़ा हुआ है-

तरीके, कार्प मछली की तरह चुभते हुए, और एक व्यापक द्वारा अच्छी तरह से समर्थित

निचले जबड़े। उसकी स्वतंत्र मांसपेशियों ने खुद को रेखाओं में समूहित

कर लिया।

और जानी-पहचानी और सौम्य घुमावदार आकृतियाँ। उसकी त्वचा

अपनी उम्र के हिसाब से वह अजीब तरह से चिकना और सफेद था, और चूंकि उसने ऐसा नहीं किया

स्वाभाविक रूप से उसकी दाढ़ी काफी घनी थी, उसने मूंछें बढ़ा लीं और

यह बिना ज्यादा काट-छांट के अपना ही पैटर्न अपना लेता है, ताकि दोनों

पतली मूंछों के किनारे मध्य भाग को कोष्ठक की तरह घेरे हुए थे।

जब वह हँसा तो उसके होंठ पीछे हट गए और गुलाबी रंग के होंठ दिखाई दिए।

मसूड़े और दांतों की एक पंक्ति, जो एस्सेसिये द्वारा थोड़ी तारकोल से ढकी हुई है

धूम्रपान। फिर भी फ्रांसीसियों के चेहरे पर हमेशा एक दयालु भाव रहता था।

^mpatbuptf को कॉल करेगा और जिसने उसे मुफ्त दिया, साथ में

ऊँचा माथा और भूरे, बिखरे बाल, एक आध्यात्मिक सुंदरता।

कभी-कभी, जब वह अपनी पसंदीदा चीज़ों के बारे में बात कर रहा होता था, या

जिस बात से उसे हंसी आती थी, वह यह थी कि उसका मोबाइल यूपीएस एक गोलाकार सुरंग का आकार ले लेता था।

उनके पहनावे में विदेशी प्रभाव के रूप में एक जोड़ी बेहद ही आकर्षक थी।

चौड़े और बड़े चमड़े के जूते, जिन्हें उन्होंने स्थानीय स्तर पर ऑर्डर पर बनवाया था।

इस बात पर जोर देते हुए कि उसके पैर की उंगलियों के लिए पर्याप्त

जगह होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "जूते पैरों के आकार के अनुसार होने चाहिए, न कि जूते पैरों के आकार के अनुसार।"

उसने कहा कि चूंकि उसे कभी अपने जूतों के फीते कसकर बांधना नहीं आया, इसलिए उसने

अक्सर सड़क के बीच में रुककर उन्हें बांधते थे, और वास्तव में

जूते के फीते पकड़कर धीरे-धीरे और आराम से चलना सीखा।

बिना फीते के। एक समय पोया ने उसे बिना किसी चीज़ के घूमते हुए देखा था।

एक जूते में लेस टूट गई थी, इसलिए मैंने उसे बांध दिया।

9

मुझे कभी नया खरीदना याद नहीं रहता था, जब तक कि पोया ने नया नहीं खरीद लिया।

मैंने उन्हें एक जोड़ी के रूप में उसे उपहार में दे दिया।

बूढ़े नौकर ने गर्म पानी का एक बर्तन लाकर उसे रख दिया।

कमरे के एक कोने में, ग्रेजिओफोन के पास, बेसिन रैक पर।

जब पेंग खुद को बड़े जोश और शोर के साथ धो रहा था, तभी...

नौकर खाना लाने में व्यस्त था।

“क्या तुम सफल हुए?” पोया ने पूछा।

"हाँ। मुझे दो हजार डॉलर दे दो," उसके दोस्त ने जवाब दिया।

वह अपना तौलिया निचोड़ रहा था। उससे ज्यादा कुछ न कहना उसकी आदत थी।

"किसलिए?"

उसे आमनिफ़ियान चाहिए। उसे इसे पश्चिम की ओर भेजना होगा।

पहाड़ियाँ।"

पोया पहले बैठ गई और लाओ पेंग मेज पर आया, उसका चेहरा

साफ-सुथरा, ताजा और भोजन के लिए उत्सुक।

वह कहती हैं कि उत्तर के कई युवा छात्र और शिक्षक-

पूर्वी विश्वविद्यालय के छात्र उसके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके पास कोई हथियार नहीं हैं।

नौकर ने शराब डाली। पोया ने पेंग की ओर देखा और फिर

नौकर के पास।

"कोई बात नहीं। दुनिया में कोई भी धोखेबाज नौकर नहीं है," पेंग ने कहा।

और आगे बोला, “मुझे यह हत्या करना पसंद नहीं है। लेकिन अगर आप बाहर जाते हैं तो...”

मेरे देश में जो कुछ हो रहा है, उसे देखें, भयानक नरसंहार।

और घरों के नुकसान को देखते हुए, आप देखेंगे कि हमारे लोगों को सक्षम होना चाहिए

अपना बचाव करने के लिए। मुझे केवल लोगों में दिलचस्पी है - क्या

उनके साथ यही हो रहा है। यह दो सेनाओं के बीच का युद्ध नहीं है।

यह सरासर डकैती है। निहत्थे लोग मारे जा रहे हैं। पूरे गाँव तबाह हो गए हैं।

जलकर राख हो गया।

उन्होंने अपने प्याले उठाए और कुछ पल चुपचाप पीते रहे।

“तुम्हारी क्या भावनाएँ होंगी?” पेंग ने अपने उत्तर का अनुसरण करते हुए पूछा।

मेरे अपने विचार, "अगर आपको सड़क पर लड़कों के क्षत-विक्षत शव दिखाई दें-"

एक तरफ, और मैं दुबली-पतली, अकड़ी हुई किसान महिलाओं के शरीर, एक लेटा हुआ चेहरा

नीचे, फिर ऊपर एक और मल? इन्होंने ऐसा क्या किया है कि इन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए?

और बच्चे, महिलाएं, बूढ़े पुरुष, जवान पुरुष, लोग

पूरे गाँव घर बनाकर सड़कों पर भटकते रहे, नहीं

यह जानते हुए कि वे कहाँ जा रहे हैं, आप खुद से कहते हैं, क्या हुआ है?

इन बेचारे, शांतिपूर्ण लोगों का क्या हुआ? और आप नहीं कर सकते

^wcr. तुम सोचना बंद कर दो। इसीलिए मैं वापस आया हूँ। कुछ-

उनके लिए कुछ न कुछ करना ही होगा।

"आप क्या करने जा रहे हैं?"

थोड़ा-बहुत। मुझे डर है कि बहुत थोड़ा। मैं अपनी पूरी क्षमता से कुछ लोगों की मदद कर सकता हूँ।

शक्ति। यह समस्या किसी एक व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी है। अगर मैं होता तो...

लो

क्या लाखों शरणार्थी आंतरिक क्षेत्रों की ओर प्रस्थान करके वहाँ रहने जा रहे हैं? लेकिन

इससे कुछ व्यक्तियों की मदद हो सकती है, उन्हें जीने में मदद मिल सकती है और कुछ गलतियों को सुधारा जा सकता है।

इंसान ने इंसान के साथ जो गलत किया है। मैं अपना सारा पैसा ले लूंगा।

और मैं अंदरूनी इलाके में जाकर देखूंगा कि मैं क्या कर सकता हूँ। ध्यान रहे, ये सभी पुरुष हैं।

भाई, बहन, पति, पत्नियाँ, दादी माँ— सभी चाहते हैं कि

जीना ही मेरा काम है। तुम्हारे विपरीत, मैं स्वतंत्र हूँ; मैं जहाँ चाहूँ वहाँ

जाऊँगा।

और जहां भी मेरी जरूरत होगी, मैं रुक जाऊंगा।"

पोया स्तब्ध रह गया। उसने युद्ध को इस नजरिए से पहले कभी नहीं देखा था।

मानवीय और व्यक्तिगत दृष्टिकोण। उन्होंने इसकी प्रगति का अनुसरण किया था।

विश्लेषणात्मक रूप से; मानचित्रों का अध्ययन किया था, संख्या और शक्ति का आकलन किया था।

युद्ध में शामिल बलों के बारे में, कियांग काइशेक के बयानों का विश्लेषण किया गया।

संभावित घटनाक्रमों का पूर्वानुमान लगाया और अपनी योजना विकसित की।

पूरे युद्ध की रणनीति। एक भी विवरण नहीं, एक भी लड़ाई नहीं, न ही एक भी व्यवस्था।

सैनिकों की तैनाती उसकी नजर से बच गई थी। वह वहाँ पहुँच गया था।

यह निष्कर्ष कि शंघाई में चीनी मोर्चे को बनाए रखना एक

यह एक सामरिक गलती थी और इसे ज्यादा देर तक जारी नहीं रखा जा सका।

युद्ध के व्यापक परिप्रेक्ष्य में, उन्होंने अनिश्चितताओं को भी शामिल किया था।

जनता के मनोबल की मजबूती और शत्रु सैनिकों का आचरण

पेइपिंग और अन्य जगहों पर। इसी वजह से उनमें आशावादी सोच विकसित हुई थी।

निष्कर्ष यह था कि यदि जापान की रणनीति सही होती तो वह चीन को कभी जीत नहीं पाता।

उनका पीछा किया गया। उन्हें इस बात से काफी राहत मिली कि

क्वांग्सी के सेनापति ली और पाई, जो जनरलिसिमो के पूर्व शत्रु थे।

चियांग काइशेक ने न केवल एकजुट लड़ाई का वादा किया था बल्कि

उन्होंने अपनी सारी क्वांगसी सेना को युद्ध में झोंक दिया, और वह सहमत हो गया-

जनरल चांग त्सेचुंग को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह एक

जब उसने सेना की वापसी के बाद पेइपिंग का नियंत्रण स्वीकार किया तो वह गद्दार कहलाया।

उनतीसवीं सेना भेष बदलकर तियानजिन की ओर भाग गई थी।

शोक संतप्त बेटे को साइकिल भेंट की गई। इसने उसे साहस और दृढ़ता प्रदान की।

उनकी रणनीति यही थी कि केवल पूरी जनता के समर्थन से ही कोई सफलता प्राप्त की जा सकती है।

इस तरह की रणनीति सफल रही। यह एक दार्शनिक और विशुद्ध रणनीति थी।

युद्ध का रणनीतिक दृष्टिकोण, लेकिन तथ्य यह है कि उनकी रणनीति लंबी थी

इस युद्ध में शहरों को जलाया गया और लाखों लोगों को असहनीय पीड़ा सहनी पड़ी।

बेघर हुए लोगों के बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था।

विशुद्ध मानवीय शब्दों में, जैसा कि ओल्ड पेंग कर रहा था। उसका मन, अपने

रहस्यवादी झुकाव, केवल जनसमूह को देखता था, व्यक्तियों को नहीं, एक बिखरी हुई भीड़ में।

दो राष्ट्रीय इच्छाएँ, और जबकि उन्होंने लाखों लोगों के पलायन को देखा

एक पारंपरिक नाटक होने के बावजूद, उन्होंने इसे कभी मानवीय नाटक के रूप में नहीं देखा था।

■ˆवां "भाई, बहन, पति, पत्नियां, दादी।"

जैसे ही पोया ने लाओ पेंग को ये शब्द कहते हुए सुना, युद्ध

अचानक यह व्यक्तिगत और जीवंत हो उठा, यह कोई ऐसी चीज़ नहीं रही जिसे ठंडेपन से देखा जाए।

द्वितीय

विश्लेषण किया। उसने अचानक देखा कि एक गहन मानवीय नाटक चल रहा है।

इन लाखों शरणार्थियों द्वारा व्यक्तिगत जीवन को साकार किया जा रहा था।

लगातार आगे बढ़ते रहना, संघर्ष करते रहना, जीते रहना, हंसते रहना, आशा बनाए रखना और

मृत्यु, कठिनाइयों और आत्म-बलिदानों का सामना करना, बिछड़ने और

प्रेमियों और रिश्तेदारों का पुनर्मिलन और अजीबोगरीब खुशियाँ और विरह-

युद्धकाल के बिंदु। ऐसा प्रतीत होता था कि उसका सारा तर्क, उसके चार्ट

और नक्शे, और रणनीतियाँ, एक प्रकार की अवैयक्तिक देशभक्ति थीं।

बुद्धि से उत्पन्न यह पूर्वाग्रह, एक आवरण के रूप में कार्य करता था जो उसे रोके रखता था।

किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत कार्रवाई। उसकी भ्रमित बुद्धि जो करने में विफल रही थी।

यह देखकर, लाओ पेंग ने अपने दिल से महसूस किया था और अब इसे व्यक्त कर रहा था।

उसके प्रति सरल, स्नेहपूर्ण और स्वाभाविक रूप से। वह इसमें शामिल होना चाहता था।

टिंटनाटर नाटक और रोमांच से भरपूर था। वह सहज रूप से इससे प्रसन्न होता था।

एकडॉन की संभावना, जो उसकी आंतरिक आवश्यकता को पूरा करेगी

लंबा कद। उसकी आँखें चमक रही थीं।

मुझे बताओ तुम क्या करने वाले हो? कैसे और कहाँ?*

मैं अंदरूनी इलाके की ओर जा रहा हूँ, जहाँ सबसे ज्यादा परेशानी है। वहीं पर

सबसे अधिक भलाई वहीं की जा सकती है, जहाँ सबसे अधिक लोगों की जान बचाई जा सके।

“युद्ध का मार्ग?”

"हां, युद्ध का मार्ग।"

“और आपके पास कोई योजना नहीं है, कोई संगठन नहीं है?”

^‘कोई नहीं। मैं संगठनों में विश्वास नहीं करता। किसी भी समिति में नहीं।

मुझे, जहां बैठकर दूसरों के लिए योजनाएं बनाई जाती हैं। कैसे?

क्या पहले से यह बताया जा सकता है कि सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता कहाँ और किस प्रकार है?

जब तक कोई जाकर लोगों के साथ न रहने लगे? मैं जा रहा हूँ

किसी से भी आदेश न दें।

इससे देश को कितना फायदा होगा?

मुझे नहीं पता। लेकिन एक बच्चे की जान बचाना बहुत बड़ा नेक काम है।

"क्या किसी व्यक्ति का जीवन इतना महत्वपूर्ण होता है?"

"हाँ।"

जिन बातों को सामान्यीकृत किया जाता है और जिन पर बहस की जाती है उनका कोई अर्थ नहीं होता, लेकिन

किसी दिए गए क्षण में ईमानदारी से कही गई बात, और जिस पर अमल किया जाना है,

इसमें व्यक्ति की आवाज और अभिव्यक्ति की सारी शक्ति और वास्तविकता समाहित है।

जो इसे बोलता है।

"आप कब छोड़ रहे हैं?"

जैसे ही मुझे पैसे मिल जाएं। बैंकिंग व्यवस्था ठप्प है।

केवल शंघाई को ही पैसे भेजें।"

इसके बाद पोया ने अपनी पाइप जलाई और सोचने लगा। लाओ पेंग खड़ा रहा।

कमरे के कोने में बैठकर अखबार पढ़ते हुए।

प्रकाश के करीब। पढ़ने के लिए ज़्यादा खबरें नहीं थीं।

डोमेई ने जापानी विजयों की खबरें भेजीं। उसने कागज़ फेंक दिया।

मेज के पास जाकर वह कमरे में इधर-उधर घूमने लगा, फिर उसने चींटी के पत्ते जलाए।

सिगरेट पीते हुए वह बेंत की कुर्सियों में से एक पर बैठ गया, उसकी आँखें देखती रहीं।

पोया अपने बड़े चश्मे के माध्यम से।

“आप जानते हैं कि श्रीमती चाओ एक बहुत ही अद्भुत महिला हैं।

वह एक बूढ़ी महिला है, जिसकी उम्र पचास या साठ के बीच होगी, और जैसा कि उसने मुझे बताया, वह पूरी तरह से अनपढ़ है।

वह इस शहर में छिपी हुई है। मैं उसके साहस की प्रशंसा करता हूँ। उसने कुछ नहीं माँगा।

जब मैं उससे मिलने गई तो उसने मुझसे मदद मांगी। उसने बस मदद की मांग की, और

कोई भी उसे मना नहीं कर सकता था।

आपने कितने पैसे देने का वादा किया था?

मैंने आपसे वादा किया था कि मैं उसके लिए दो हजार डॉलर जुटाऊंगा।

मन में।" -

“ये तो बहुत मुश्किल है... वो इसे कहाँ से खरीदेगी?”

गोला-बारूद?

शहर के ठीक बीचोंबीच। ऐसी बहुत सी जगह है, जिसे छोड़ दिया गया है।

सत्ताईसवीं सेना और कठपुतली पुलिस द्वारा एकत्रित। आप कर सकते हैं

अगर आप सही तरीके से आगे बढ़ें और कीमत चुकाएं तो आपको यह मिल जाएगा। और वह

वह इसे खुद ही पहाड़ों में स्थित अपने बैंड के लिए तस्करी करके ले जाएगी।"

“वह कैसी है? क्या वह हमारी महिलाओं की तरह बहुत मजबूत है?

डाकू?

“आप पूरी तरह से गलत हैं। वह बिल्कुल प्यारी सी दिखती है,

आदरणीय दादी, स्थिर कदमों से चलती हुई।

“अतिरिक्त आयु वर्ग”

वह मंचूरिया की रहने वाली हैं और वह हमेशा से यही करती आ रही हैं।

1932 से। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लोगों ने इसका स्वाद चखा है।

मैं जापानी शासन को जानता हूँ और उनके अधीन रहने का अनुभव भी जानता हूँ। मैंने बात की।

मैंने उसे त्सोहसिएन में जो कुछ देखा, हत्या और बलात्कार के बारे में बताया।

और लूटपाट। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में यह सब एक पुरानी कहानी है।

और चीन में यह अभी शुरू ही हो रहा है। वह जानती है।

जापानी सेना भी... एक मज़ेदार बात हुई।

उसने कहा, ‘ये जापानी लोग हमारे डाकुओं से भी बदतर हैं!’ अगर वहाँ

अगर युद्ध न होता, तो हम उनसे बस ऐसे ही प्यार करते -फिटोम

सुनी-सुनाई बातें। लेकिन जब आप उन्हें हत्या, लूटपाट और गुंडागर्दी करते देखते हैं।

महिलाओं और बुजुर्गों, सिर्फ असभ्य व्यवहार करने से ही आप सब कुछ खो देते हैं।

उनका कारनामा। तुम उनसे घृणा करते हो। स्वर्ग ने हमें दिया है।

इस युद्ध में, हमारे लोगों और उनके सैनिकों को कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा करना है।

एक तरफ, यह दिखाने के लिए कि मनुष्य के रूप में कौन श्रेष्ठ है। तुम भी खींचो,'

उसने कहा, 'कोई भी उस जनता को नहीं जीत सकता जो घृणा करती है।'

विजेता।

“यह मेरे सिद्धांत में पूरी तरह से फिट बैठता है,” पोया ने कहा, और फिर से उसी पुरानी आदत में पड़ गया।

अपने दार्शनिक मूड में, पाइप से कश लेते हुए, "यह बिल्कुल सही है।"

13

स्पष्ट है। और अगर हम सही रणनीति अपनाते हैं, तो हम जीतेंगे। यह

यही एक तरीका है जिससे हम जीत सकते हैं।

"मुझे अपनी रणनीति फिर से बताओ," लाओ पेंग ने कहा।

“हमें इस युद्ध के स्वरूप को समझना होगा,” पोया ने कहा।

युवा “यह शब्द के सामान्य अर्थों में युद्ध नहीं है, एक

दो सेनाओं के बीच, जो युद्ध के मैदान में बराबर की टक्कर पर हैं। यह gt > ing है

एक पूरी जनता के खिलाफ विश्वासघात करना। जापानी लोग ऐसा करने जा रहे हैं।

वे स्टियांग तियाई पर कब्जा कर लेंगे, और उसके बाद वे नानजिंग पर कब्जा कर लेंगे, और

वे समुद्र तट की नाकाबंदी करने जा रहे हैं। यह बात बिलकुल स्पष्ट है।

प्रकाश। और फिर क्या होता है। अगर चीनी मनोबल टूट जाता है, तो

गैंडे का खेल खत्म हो गया है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो युद्ध पूरी तरह से बदल जाएगा।

समस्या। पूरे तट को छोड़ना होगा।

तटीय शहरों पर दुश्मन कब्जा कर लेंगे और उन लाखों लोगों को

लोगों को या तो गुलामी स्वीकार करनी होगी या फिर आंतरिक क्षेत्रों में भाग जाना होगा।

तब युद्ध आम लोगों पर पड़ेगा, और आम लोग

लोगों को इसे सहने में सक्षम होना चाहिए, उन्हें भयानक कठिनाइयों का सामना करना होगा।

और अभावों का सामना करने का मनोबल बनाए रखने के लिए। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद डटे रहने के लिए

इन परिस्थितियों के कारण, हर चीनी को जापानियों से नफरत करनी चाहिए। इसलिए,

जापानी सैनिकों को पहले की तरह ही क्रूर और बर्बर बने रहना चाहिए।

अब ऐसा ही है। शहरों को जलाना होगा, पुराने घरों को नष्ट करना होगा।

परित्यक्त, किसानों को अपने खेत और मवेशी छोड़ने होंगे। कोई राष्ट्र

नहीं

क्या किसी ने कभी जानबूझकर, स्वेच्छा से ऐसा किया है? आपने युद्ध पढ़ा है।

और शांति; रूसियों ने जानबूझकर योजना बनाकर मॉस्को पर कब्जा नहीं किया था और

उद्देश्य। आप लोगों को उनके घर छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकते जब तक कि

दुश्मन बेहद क्रूर है। केवल हत्या और क्रूरता ही नहीं,

जो कि सभी युद्धों में सच है; लोगों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए।

किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी के साथ काम कर रहा हो या उसके विरुद्ध, कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की जानी चाहिए।

दुश्मन; यह किसानों और व्यापारियों के लिए असुरक्षित होना चाहिए।

बेटियाँ, माताएँ और बहनें। फिर भी आप उन्हें मजबूर नहीं कर सकते।

सभी लोगों को अपने घर छोड़कर अपने शहर जलाने के लिए मजबूर होना पड़ा;

जिस व्यक्ति को भागने के लिए मजबूर किया जाता है, उसे निश्चित रूप से व्यक्तिगत अनुभव हुआ होगा।

इतना अपमानजनक, इतना अमानवीय कि उसके पास आगे के बीच कोई विकल्प ही नहीं है।

अपमान और एक भटकते शरणार्थी का जीवन। यहाँ तक कि वह भी पर्याप्त नहीं है।

बस बहुत हो गया; लोगों ने कुछ ऐसा घिनौना जरूर देखा होगा कि

यह पारिवारिक संबंधों के बारे में उनकी आम धारणाओं और उनके

नैतिक अंतरात्मा।" पोया ने अपने ठंडे, विश्लेषणात्मक अंदाज में बोलना जारी रखा।

और मेरा मतलब यह है कि पत्नियों का उनके पतियों द्वारा बलात्कार किया जाना चाहिए।

पिता की उपस्थिति में बेटियों की उपस्थिति, फीबीज़ अवश्य होनी चाहिए

शरीर में संगीन से छेदे गए युद्धबंदियों को जला देना चाहिए।

या तो वे जिंदा ही मर जाएंगे या अपनी कब्र खोदकर एक दूसरे को जिंदा दफना देंगे।

14

खुले में मैथुन होना चाहिए। शानदार, आप कहेंगे; यह चुनौतीपूर्ण भी है।

जापानी सेना से बहुत कुछ, कि वे आम लोगों की तरह व्यवहार नहीं करते।

सवाल पूछने वाले सैनिक, लेकिन क्रूर लोगों की तरह। लेकिन यह सब हो रहा है। और

यह महत्वपूर्ण है कि वर्गों के बीच कोई भेदभाव न हो;

शत्रु को न केवल किसानों की बेटियों का बलात्कार करना होगा, बल्कि उन्हें लूटना भी होगा।

अमीरों को भी; बड़ी कंपनियों को जब्त किया जाना चाहिए और दुकानों को भी;

तोड़-फोड़ की गई; संपत्ति को जलाया या तोड़ा जाना चाहिए; दुश्मन को

सबसे नीच डाकुओं की तरह चोरी करो। फिर सारी सैन्य कार्रवाई करो!

महत्व खो देते हैं।"

“तुम्हें पता नहीं है कि तुम क्या बोल रहे हो,” लाओ पेंग ने कहा।

मैं आपको वही बताता हूँ जो त्सोहसिएन के किसानों ने मुझे बताया। जापानियों ने एक खेत को काट डाला।

एक गाय को उसने जिंदा ही खा लिया। सोचिए उस किसान को कैसा लगा होगा जब उसने यह सब देखा होगा।

एक व्यक्ति अपनी गाय को लेता है, उसे एक खंभे पर उल्टा लटकाता है, और उसे काटता है।

ऊपर, प्रत्येक सैनिक अपनी संगीन को उसके जोड़ों में घुसाकर काट रहा था।

सफलता और इसे कच्चा खाना, और गाय का पीड़ा से कराहना और

सैनिक हंसते-खेलते और उसके पास जिउ-जित्सु खेलते हुए नजर आ रहे थे।

ओर!"

“मुझे जापानियों से इन सब की उम्मीद नहीं थी,” पोया ने कहा। “क्यों?

भगवान के नाम पर, क्या जापानी लोग अपने सैनिकों को ऐसा करने की अनुमति देते हैं?

क्या वे चीन पर विजय प्राप्त करने के लिए खुद को शर्मिंदा करेंगे? जापानी

ऐरे वास्तव में जितना सब सोचते थे उससे कहीं ज्यादा खराब है। इसीलिए मैंने

मुझे हमारी जीत का इतना यकीन नहीं था, लेकिन अब है। युद्ध के बाद, मैं आश्वस्त हूँ।

मैं जापान जाऊंगा और उस देश के बारे में अध्ययन करूंगा।

पोया रुक गया, उसकी पाइप बुझ गई थी। लाओ पेंग ने सुन लिया था।

ध्यान से सुनते हुए, उसने गौर किया कि उसके दोस्त की आवाज अजीब तरह से शांत थी।

उनके भाषण की उग्रता के विपरीत।

"आप मानवीय पीड़ाओं को हल्के में लेते हैं, भाई पोया। आप तो बस यूं ही बातें करते हैं।"

मानो आप हमारे ऊपर ये क्रूरताएँ और पीड़ाएँ थोपना चाहते हों।

मैं अपने लोगों के साथ ऐसा होने की कामना नहीं कर रहा हूँ; मैं बस इतना कह रहा हूँ कि...

इस युद्ध के स्वरूप और इसमें शामिल पहलुओं का वर्णन करें।

यह स्वीकार करें कि यह एक संपूर्ण जनसमुदाय के विरुद्ध युद्ध है, और रहेगा।

लाओ पेंग की भौंहों पर शिकन और गहरी हो गई। "हाँ, हाँ। एक युद्ध।"

एक पूरी जनता के खिलाफ। आपको पता नहीं आप क्या बोल रहे हैं।

जब तक आप बाहर देश में जाकर इसे नहीं देख लेते... लेकिन यह

जातीय घृणा— यह कब तक चलेगी? मुझे लगता है कि यह कब तक चलेगी?

पचास साल बाद भी हमारे लोग वो सब नहीं भूलेंगे जो उन्होंने देखा और सहा।

के माध्यम से। यह जापानी लोगों के लिए अच्छा नहीं है, आप जानते हैं। पेटमल

समुद्र पार के उन पड़ोसियों के बारे में उनकी राय अच्छी नहीं होगी, इसके बाद

उन्होंने उनके बारे में जो कुछ देखा है। और यह मत भूलो: नफरत हो सकती है

*5

भुला दिया गया, लेकिन तिरस्कार नहीं। एक बार जब आप अपने लिए सम्मान खो देते हैं

दुश्मन, तुम उसे हमेशा के लिए खो दोगे। श्रीमती चाओ सही कह रही हैं। तुम उसे जीत नहीं सकते।

एक ऐसी जनता जो विजेताओं से घृणा करती है।

पोया ने कहा, "जापानियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

इसीलिए वे सम्मान को लेकर इतने संवेदनशील हैं।

शाही सेना और लोगों से अपने संतरियों को सलाम करने पर जोर देना।

ताकि वे अपना कुछ आत्मसम्मान वापस पा सकें।"

लेकिन आपकी रणनीति का क्या?

मैंने तो आधी ही कहानी बताई है — कि हमारे लोगों को अवश्य होना चाहिए

मैं इसे सहन कर सकता हूँ। इस बात का मुझे पूरा यकीन है। लेकिन दूसरी बात के बारे में मुझे इतना यकीन नहीं है।

आधा। जैसा कि मैंने कहा, यह एक अनोखा युद्ध है। इतिहास हमें इसका कोई उदाहरण नहीं देगा।

दूसरा उदाहरण। मान लीजिए जापान तट पर कब्जा कर लेता है और हमारा

लोग अंतर्देशीय क्षेत्रों में पलायन कर जाते हैं, और पीछे केवल झुलसी हुई धरती छोड़ जाते हैं। मान लीजिए

हम अपने ही शहरों को बर्बाद करने को तैयार हैं और लाखों लोगों की उम्मीद करते हैं।

लोग अपने घरों को छोड़ने को तैयार होते हैं या उन्हें अपने घरों से दूर भगा दिया जाता है

घर। और मान लीजिए कि हमारा मनोबल नहीं टूटता, तो सैनिक

जापानियों ने अपनी सारी ताकत खो दी है और जनता एकजुट होकर उनसे लड़ रही है।

अंत तक। फिर भी सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है।

जापानी सेना तट की नाकाबंदी करेगी और साथ ही एक महाद्वीप पर आक्रमण करने का प्रयास करेगी।

हम इसमें और भी गहराई तक उतरते जा रहे हैं। हमारे पास पूरा है।

पीछे हटने के लिए महाद्वीप; हमारे पास ज़मीन है, और इसका मतलब है कि हमारे पास है

समय। हमें कुछ भूमि का त्याग करना होगा और समय हासिल करने के लिए संघर्ष करना होगा। हम

भूमि और संख्या के प्राकृतिक लाभों का उपयोग करना चाहिए और सूत्र बनाना चाहिए।

देर से ही सही, दीर्घकालिक प्रतिरोध की रणनीति अपनानी होगी, वरना हम हार जाएंगे। तट

और यांग्त्से नदी, पूरा यांग्त्से बेसिन, खतरे में है।

लेकिन बाकी का इलाका पहाड़ी है।

दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाकर, उनकी बढ़त को धीमा करने के लिए, हम

हमें अपनी मुख्य सेना को बरकरार रखना होगा और उसे प्रशिक्षित सैनिकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी।

नए रंगरूट। लेकिन अगर हमारा प्रतिरोध जारी रहना है—और हमारी एकमात्र आशा

इसका मतलब है एक लंबा युद्ध छेड़ना— हमें एक पूरा राज्य खड़ा करना होगा

आंतरिक भाग। इसका मतलब है कि हमें एक ही समय में दो काम करने होंगे।

आक्रमणकारी से लड़ते और उसे रोकते समय, हमें सक्षम होना चाहिए

आंतरिक सज्जा को बेहतर बनाएं और दीर्घकालिक उपयोग के लिए एक भौतिक आधार तैयार करें।

प्रतिरोध। क्या इससे पहले कभी ऐसा युद्ध लड़ा गया था? कल्पना कीजिए...

बहुत से काम करने बाकी हैं। सड़कें खोलनी होंगी।

नदियों की खुदाई की गई, संचार व्यवस्था का विस्तार किया गया, नए

औद्योगिक केंद्र स्थापित किए गए

स्थापित करना होगा; रंगरूटों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, लोगों को संगठित किया जाना चाहिए।

स्कूलों और विश्वविद्यालयों को आंतरिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करना होगा, महामारियों को रोकना होगा।

साथ ही, गुरिल्ला और पर्याप्त नियमित सैनिकों की आवश्यकता है।

कब्जे वाले क्षेत्रों के पास दुश्मन को परेशान करने और रोकने के लिए छोड़ दिया गया।

प्राप्त लाभों का समेकन। इसके लिए दुश्मन को भी

वे कब्जे वाले क्षेत्रों में डाकुओं की तरह व्यवहार करना जारी रखते हैं, क्योंकि वे

कर रहे हैं। और हमारे जनरलों द्वारा कोई विश्वासघात नहीं होना चाहिए। ये सभी

यह सब केवल एक अत्यंत महत्वपूर्ण धारणा पर ही संभव होगा।

मजबूत और साहसी नेतृत्व द्वारा उच्च मनोबल बनाए रखा गया। यदि

अगर लोगों को जरा सा भी संदेह हो, तो वे अपने नेताओं के बारे में सोच सकते हैं।

या तो वे अपने वादे को पूरा नहीं करने वाले हैं या अपने संकल्प में डगमगा रहे हैं।

अगर ऐसा हुआ तो वे सारे बलिदान देने को तैयार नहीं होंगे। तभी संभव है

रिफिया की जीत। हमारे लोग अच्छे होने चाहिए, बहुत अच्छे होने चाहिए, और

यह सब होने से पहले जापानी सेना का बहुत बुरा होना जरूरी है, बेहद बुरा।

अगर हम ये सब कर लेते हैं, तो ये इतिहास का सबसे बड़ा चमत्कार होगा।

"पोया, मेरे साथ आओ," लाओ पेंग ने कहा। "हम कुछ कर सकते हैं।"

एक साथ। यह जगह आपको घुटन महसूस करा रही है। आप कभी यहाँ नहीं आए हैं।

आंतरिक भाग। आप एक कुशल रणनीतिकार हैं, लेकिन इस सब बातों का क्या फायदा?

वहाँ सब कुछ बिल्कुल अलग है। आपको यात्रा करके बेहतर महसूस होगा और

लोगों से मिलना और काम करना... और मुझे आपकी संगति की आवश्यकता है।

लाओ पेंग ने आगे कहा, "यह बेवकूफी थी, हम कैसे पीते और रोते थे।"

हम शाम को साथ में शराब पिएंगे, लेकिन अब और रोना नहीं होगा।

“मैं सोच रही थी,” पोफा ने धीरे से कहा।

मुझे पता है तुम्हारी समस्या क्या है। तुम बहुत अमीर हो— तुम

और आपकी पत्नी और आपके जीने का तरीका।"

"यह बात महत्वपूर्ण नहीं है।"

"तुम्हारे पैरों में पहने ये जूते दो अनाथ बच्चों की जान बचाएंगे।"

मेरा मतलब है, वेस। अपनी पत्नी को भी साथ ले आओ। वह मजबूत इरादों वाली लगती है।

और वह कॉलेज ग्रेजुएट है। हमें इस तरह की महिला की जरूरत है...

मैं जो काम करने जा रहा हूँ।

“तुमने मुझे गलत समझा है,” पोया ने कहा। “मैं उतना ही मजबूत हूँ जितना तुम हो।”

मैं आपके साथ शामिल हो सकता हूँ, लेकिन मेरी पत्नी के लिए इसकी कोई संभावना नहीं है।

वो बहुत अमीर है, मैं नहीं। मैं उससे इस बारे में बात भी नहीं कर सकती। मैंने

मैं इन सब चीजों के बारे में अकेले ही सोचता रहा हूँ, जब तक कि मैं बीमार नहीं हो गया।

"क्या बात क्या बात?"

"शादी एक अजीब मामला है। मैंने सोचा था कि मैं एक से शादी करने जा रही हूँ..."

खूबसूरत शरीर और मुझे भी वैसा ही शरीर मिल गया। वह बास्केटबॉल खिलाड़ी थी।

कॉलेज— खूबसूरत जांघें और आकर्षक फिगर। खैर, शादी ने सब कुछ

बदल दिया है।

उसे। शायद मैंने स्तर बदल दिया है। लेकिन सब खत्म हो गया है। मैं रहा हूँ।

मुझे पता है, मैंने उसके साथ क्रूरता की। लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकती थी। तुम जानते हो कि मैंने ऐसा नहीं किया है।

वह एक आदर्श पति रहा है, और वह यह जानती है। अब, मालिन है।"

"मालिन कौन है?"

वह मेरी चाची लोला की दोस्त है। वह यहाँ रह रही है।

वह पिछले तीन हफ्तों से घर से बाहर है। वह सिंघाई जाना चाहती है।

*7

लेकिन उसके साथ जाने वाला कोई नहीं है, और वह हमारे भरोसे रह गई है।

या फिर किसी के हाथों में नहीं, जैसा कि उसकी पत्नी को शायद शक है।"

“ओह, अब समझ में आया। नौजवान की परेशानियां।”

मुझे लगता है कि पिछले कुछ दिनों से मुझे उससे प्यार हो रहा है। वह

बहुत ही प्यारी है।

यह कितना सुंदर है कि मुझे अपनी किसी भी इंद्रिय पर भरोसा नहीं है... भ्रम का यह एहसास।

और उसके बारे में रहस्य— मैं उसके बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानता —

कभी-कभी मुझे डर लग जाता है, और मैं खुद से कहती हूँ, 'वह ऐसी नहीं हो सकती।'

'वास्तविक।' फिर जब मैं उसे देखती हूँ तो वह बहुत वास्तविक होती है। कभी-कभी वह

सरल और बचकाना, और कभी-कभी वह बहुत समझदार और पेशेवर होती है।

मिल गई। उसकी आँखें उदास हैं, लेकिन उसके होंठ चंचल हैं, और मुझे दोनों पसंद हैं।

उसकी खुशी और उसका दुख, और मैं सोच नहीं पा रहा हूँ, बस खुश महसूस कर रहा हूँ।

उसकी मौजूदगी में। अगर यही प्यार है, तो मैं प्यार में हूँ।

लाओ पेंग ने अपने युवा मित्र को गहरी चिंता भरी निगाहों से देखा।

"क्या आप उसे शंघाई ले जा रहे हैं?"

“शायद मैं यही करने वाला हूँ। मेरी पत्नी वापस जाना चाहती है।”

वह शंघाई में अपने माता-पिता के पास जा रही है, और मुझसे उसे ले जाने के लिए कह रही है।

फिर मालिन भी हमारे साथ जाएगी। मुस्कुराओ मत। मैं अपनी पत्नी को भेज दूंगा।

उसके माता-पिता को, और फिर मैं मुक्त हो जाऊंगा।"

"क्या तुमने उसे अकेला नहीं छोड़ा?"

शायद यही बात है। कभी-कभी मैं खुद को दोषी ठहराता हूँ। एक घटना हुई थी।

वह दौर जब हम खुश थे। और जब मैं

मैं हेरोइन की लत का इलाज करवा रहा था। लेकिन अब सब खत्म हो गया है। मैंने कहा है

उसके लिए कठोर शब्द। उसे बहुत दुख हुआ होगा। लेकिन

एक साल पहले की बात है। तब से मैंने उसे आनंद लेते हुए देखा है।

खुद को, अपनी पार्टियों को और अपनी उस दौलत को - मेरी दौलत को - महिमामंडित कर रही है।"

• “और आपको लगता है कि यह गलत है?”

हे भगवान, वह अपनी दौलत से कितनी संतुष्ट है! वह तो...

बड़ी पार्टी और अपने सभी दोस्तों को आमंत्रित करती है — यह सब दिखावा है — और

तब वह उनसे बात नहीं करेगी, बल्कि वह भयानक घमंडी मुस्कान देगी।

वह मुस्कुराती है और अपने मेहमानों को बातें करते हुए देखती है। मैं आपको बता दूं कि वह बस...

बेवकूफ, इतनी बेवकूफ कि मिलनसार भी नहीं। उसे अपने जीवन में आनंद आता था।

खेलकूद, लेकिन अब जब उसने मैनीक्योरिंग के लिए खेलकूद छोड़ दिया

है,

पार्टियों और गपशप के अलावा उसकी कोई रुचि नहीं है और वह भ्रमित है

गहने। मैं उससे किस बारे में बात करूँ? तुम तो कभी गहने नहीं पहने हो।

"इनमें से किसी एक चयनित लड़की से शादी कर ली है," उन्होंने इस शब्द पर जोर दिया।

“शिक्षित” शब्द तिरस्कारपूर्ण था। “विवाह किसलिए है? दो-

और-लेना, है ना ii? एक समय था जब बड़े समाज में विवाह का कोई उद्देश्य होता था।

बच्चों को जन्म देना और अपने रिश्तेदारों की सेवा करना। या यदि

आप एक रखैल रख लें, वह आपको खुश करने की पूरी कोशिश करेगी, और आपको मिल जाएगा।

बदले में कुछ। मालकिन आपकी सेवा करने के लिए कड़ी मेहनत करती है और

एल8

आपको खुशी दे। वैसे भी, वह यह रवैया नहीं अपनाती कि एक

पत्नी का मानना है कि क्योंकि उसके पास विवाह प्रमाण पत्र है, इसलिए वह

आपको बिना कुछ लौटाए, अपनी हर चीज का आनंद लेने का पूरा अधिकार है।

पत्नी को बहुत ज्यादा सुरक्षा दी गई है। वह अपने आप पर बहुत ज्यादा आश्वस्त है।

यही उसकी परेशानी है।

"यह सच हो सकता है। वह मूर्ख हो सकती है। लेकिन एक गरीब को दोष मत दो।"

आपकी पत्नी से शादी होने पर थोड़ा चकित होने के लिए लड़की को धन्यवाद।

आलीशान घर।"

किसी भी गरीब लड़की की शादी किसी आलीशान घर में नहीं होनी चाहिए। वह ऐसा कर ही नहीं सकती।

इसे सहन करो। पोया के चेहरे पर पीड़ा के भाव थे।

"खैर, आपके दोस्त के तौर पर, मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ। आपकी पत्नी

वह शायद एक अनमोल रत्न हो या फिर एकदम बेकार। मैंने उसे सिर्फ एक बार देखा है। लेकिन

माल्टा के बारे में क्या? आप उसके बारे में क्या करने वाले हैं?

"ओह, मालिन, मैं फैसला नहीं कर पा रही हूँ।"

आपको क्या परेशान कर रहा है?

“हो सकता है यह मेरी कल्पना हो। वह लोला की सहेली है, जिसे उसने आमंत्रित किया है।”

हमारे साथ रहने के लिए। वह अपने परिवार के बारे में कभी बात नहीं करेगी। शायद यही कारण है।

लोला का सुझाव था कि उसकी शादी मुझसे कर दी जाए। आप लोला को जानते ही हैं।

"क्या आपका मतलब यह है कि आपकी चाची आपकी पत्नी के खिलाफ साजिश रच रही हैं?"

"अगर वह ऐसा करती है तो मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए।"

"क्या आप अमीर होने की वजह से कुछ ज्यादा ही शंकालु नहीं हो जाते?"

"शायद मैं हूँ। लेकिन वह छोटी और आकर्षक है, नाजुक सी।"

दक्षिणी महिलाएं, आप जानते हैं। कभी-कभी वह एक जैसी दिखती है।

मासूम लड़की— ओह, मैं उसका वर्णन नहीं कर सकता।

"क्या आपको लगता है कि आप अपनी युद्ध रणनीति जारी रख सकते हैं और

किसी महिला के साथ उलझ जाना?

अगर वो सही किस्म की है, तो हाँ। लेकिन ये सब मेरी कल्पना है—

मैंने उससे शारीरिक संबंध भी नहीं बनाए हैं। मैं उन दोनों को शंघाई ले

जाऊंगा।

मुझे अपने चाचा अफेई के साथ कुछ व्यावसायिक मामले निपटाने हैं, जो वहीं हैं।

अगर सब ठीक रहा तो मैं भी आपके साथ आ जाऊँगा। क्या आप मेरे साथ शंघाई नहीं आ सकते?

मुझे?"

मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मैं युद्ध का रास्ता अपनाऊंगा।

पोया ने अपनी घड़ी देखी और जाने के लिए उठ खड़ा हुआ। वह ऐसा नहीं कर पाएगा।

घर पहुँचने के लिए वह रात दस बजे के बाद तक रुका रहा। जब वह पास में खड़ा था

दरवाजे पर, लाओ पे ने उसके कंधों पर हाथ रखकर पूछा, "कैसे?"

मालिन कैसी दिखती है?

"आपका क्या मतलब है?"

“मेरा मतलब है कि वह किस तरह की है? आपने कहा था कि वह छोटी है?”

“हाँ,” पोया ने आश्चर्य से उत्तर दिया। “जैसे कोई छोटा पक्षी दाना चुग रहा हो।”

किसी के हाथ से।"

*9

"इसका कुछ मतलब तो है। मुझे और बताओ।"

मैं क्या कहूँ? उसके चेहरे पर हमेशा प्यारी सी मुस्कान रहती है और वो काटती भी है।

उसके नाखून।

"अच्छा," लाओ पेंग ने कुछ देर रुकने के बाद कहा, मानो वह कोशिश कर रहा हो...

उस लड़की की कल्पना करो जिसे उसने नहीं देखा था, "जब तक तुम उसे ढूंढ न लो, तब तक उसके बारे में अच्छा सोचो"

आपको इसके विपरीत सोचना चाहिए।

"क्या तुम मल-मूत्र पढ़ते हो?"

"नहीं, बस कुछ गिने-चुने इंसानी दिल।"

"लेकिन आपने उसे नहीं देखा है।"

आपने जो कहा है, वह काफी है। वह शायद आपका मन बदल ले।

नियति। मैं तुम्हें पहले से ही जानता हूँ, और मुझे लगता है कि मैं तुम्हारे भाग्य का आधा हिस्सा जानता हूँ।

मालिन। तो मुझे पता है कि तुमने जो खाया है उसका तीन-चौथाई हिस्सा क्या करने वाला है।

"क्या आप उससे मिलना और उसे देखना चाहते हैं? मुझे आपकी सलाह चाहिए।"

“इसकी कोई ज़रूरत नहीं है। बस मुझे बता दीजिए कि उसकी आवाज़ कैसी है?”

"यह एक तरह की गड़गड़ाहट है।"

लाओ पेंग ने अचानक ऊपर की ओर देखा, मानो उसने कुछ पकड़ लिया हो।

महत्वपूर्ण।

"उसके कान के नीचे एक लाल जन्मचिह्न है," पोया ने आगे कहा।

बाद में सोचा गया।

लाओ पेंग को ऐसा नहीं लगता था कि इससे कोई फर्क पड़ेगा।

जो कुछ वह पहले ही सीख चुका था, उसने बस इतना कहा, "ठीक है, अच्छे से सोचो।"

उसके बारे में। आप कभी नहीं बता सकते कि एक औरत के मन में क्या चल रहा है।

अध्याय II

अंधेरी गली में, पोया उलझन और बेचैनी से अपने घर की ओर चल पड़ी।

वह स्वभाव से ही मजबूत शरीर का था और उसे किसी चीज की जरूरत नहीं थी।

उस अक्टूबर की शाम को एक ओवरकोट पहने हुए। थोड़ी दूरी पर जाकर वह...

फिर से नांसियाओचीह के लिए। सड़क की बत्तियाँ इतनी दूर-दूर थीं कि

कुछ जगहों पर उसे सड़क साफ दिखाई नहीं दे रही थी, जो किसी भी तरह से

वह विचारों में इतना डूबा हुआ था कि वह दौड़ता हुआ सा लग रहा था।

धीमी, लंबी-लंबी चालों में, बिना टॉर्च जलाए, आसपास की चीजों से बेखबर।

खच्चरों की गाड़ियों द्वारा कीचड़ में बनाए गए ऊबड़-खाबड़ और तीखे गड्ढे और

रिक्शा। यहाँ-वहाँ रिक्शा चालकों के लिए खाने-पीने की जगहें।

वे अभी भी खुले थे, उनके मंद तेल के दीपक काले धुएं की धाराएँ बिखेर रहे थे।

उस घने अंधेरे में पचास गज की दूरी से धुआं दिखाई दे रहा था।

लाओ पेंग ने विदाई के समय जो कहा था, उससे वह बहुत हैरान रह गया।

लाओ पेंग एक अजीब आदमी था। उसने कहा था कि मा लिन शायद अपना रवैया बदल ले।

नियति। बेशक, लाओ पेंग उसे अच्छी तरह से जानता था।

लेकिन उसने मालिन को देखा नहीं था और उसके बारे में केवल वही सुना था जो किसी और ने कहा था।

लाओ पेंग ने बड़ी मोहब्बत से बात की थी। क्या नाखून चबाना

क्या उसे इससे कोई फर्क पड़ता है? पोया तो उससे सलाह लेने ही आई थी।

फिर वह इसके बारे में भूल गया और युद्ध के बारे में बात करने लगा, और केवल तभी

विदाई के समय उसने मालिन के बारे में वे कुछ शब्द कहे थे। इसके अलावा, लाओ

पेंग को उसके अपने परिवार को छोड़ने के इरादे पर ज़रा भी आपत्ति नहीं थी।

पत्नी। उसने कहा था कि कैनान शायद एक रत्न था, या शायद

संभवतः लाओ पेंग की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी।

बिना कहे। एक अजीब आदमी, लाओ पेंगल

जिस कोने पर उसने नानसियाओदियेह को छोड़ा था, वहाँ उसने पुलिसकर्मी को देखा।

फिर से, एक खंभे के सहारे झुकते हुए, उसकी लाठी उसके कंधे से लटक रही थी।

कमर तक। वह ठंड से कांप रहा था और लगभग सो रहा था।

“रात कैसी रही, मेरे भाई?”

पुलिसकर्मी चौंक गया और सलाम किया, फिर पहचान कर

उसने उसे एक दोस्ताना मुस्कान दी।

“घर जा रहा हूँ, याओ सबाक्येब्ल'*

"हाँ।"

पोया ने उसके हाथ में एक डॉलर का नोट थमा दिया और पुलिसकर्मी ने उसे ले लिया।

कृतज्ञता और अयोग्यता के दावों के साथ।

सबक़येह, आप बहुत दयालु हैं। मुझे हमेशा आपसे आशीर्वाद मिलता रहता है।

“तुम। पाँच सदस्यों का परिवार, मिफात्से!” पुलिसवाले ने कहा।

लज्जापूर्वक। "क्या हमारे गुरिल्ला सैनिक अभी भी मेंटौकोउ में हैं?"

“हाँ, मैंने यही सुना है। शुभ रात्रि।”

अंधेरे में सावधान रहें।

मेरे पास टॉर्च है।

पोया कीचड़ भरी गलियों और खाली मैदानों को पार करते हुए आगे बढ़ती रही।

जिसे वह अच्छी तरह जानता था। रात सन्नाटे में डूबी हुई थी। फेरीवाले

आधी रात के खाने के शौकीन जो अलग-अलग तरह के बटर खाते थे, वे अब नहीं रहे।

रात में कर्फ्यू लागू होने के कारण आसमान साफ था।

पीपिंग शरद ऋतु का आकाश हमेशा ऐसा ही था, और पोया उसके नीचे चलती रही।

वह टॉर्च का इस्तेमाल किए बिना तारों की रोशनी देखना चाहता था, क्योंकि वह ऐसा नहीं करना चाहता था।

ध्यान आकर्षित करना। उसने ऐसा क्यों कहा कि मालिन अपने नाखून चबाती थी, जबकि वह

क्या उसे उसका वर्णन करने के लिए कहा गया था? क्या इससे कुछ संकेत मिलता है?

क्या यह उसकी परवरिश, उसका स्वभाव, उसकी मनमानी या उसका बचपना है?

या फिर ये उसकी चामा थी? हाँ, मालिन हमेशा अपने नाखून चबाती थी, और

उसने धीमी, हल्की हंसी हंसी। अब उसे यकीन हो गया था कि वह यही चाहता है।

अंदरूनी इलाकों में जाओ— लाओ पेंग के कुछ शब्दों ने उसे मना लिया था— और लाओ

पेंग ने पूछा था कि क्या वह युद्ध के बारे में अपने विचारों को जारी रख सकता है।

रणनीति और रोमांस एक ही समय में। उसे यकीन था कि

21

कैफ्लिफी, उसकी पत्नी, उसके साथ क्लैंड नहीं जाना चाहेगी।

मालिन?

जब वह अपने घर पहुंचा तभी वह अपने कमरे से बाहर आया।

ध्यानमग्न। द्वारपाल, लाओ लिन, उसके लौटने का इंतजार कर रहा था।

अपने नियमित समय पर, वह दरवाजा खोलने आया, शांत उद्यान

और उपयुक्तता, या जिसे स्थानीय रूप से राजकुमार का उद्यान कहा जाता था,

इसमें दस से अधिक छोटे-बड़े आंगन थे, जो एक दूसरे से अलग थे।

घुमावदार गलियारे और चांद के आकार के दरवाजे और कंकड़ के रास्ते और छिपे हुए

आंगन इतने एकांत में थे कि कोई खुद को दुनिया से अलग-थलग महसूस कर सकता था।

पूरी दुनिया। आधी अदालतें तब से वीरान पड़ी थीं।

उसके रिश्तेदारों का दक्षिण की ओर प्रस्थान। खालीपन की गूँज।

अदालतें और उसकी टॉर्च की रोशनी से पड़ने वाली अद्भुत परछाइयाँ

मैंने एक अजनबी को डरा दिया था। वह जानता था कि दादाजी फेंग ऐसा ही करेंगे।

उसके लौटने का इंतज़ार कर रही थी। काइआन को सबसे ज़्यादा दुखी करने वाली बात यह थी कि...

पैरों से कहा गया था कि पेइपिंग के पतन के बाद से, उन्हें ग्रैंड द्वारा बताया गया था-

परिवार के वरिष्ठ मुखिया, अंकल फेंग ने आगे कुछ भी न देने का फैसला किया।

पार्टियाँ, आम आगंतुकों को प्रवेश नहीं देंगी, न ही बाहर जाएँगी। मुख्य

द्वार आमतौर पर दिन के समय बंद रहता था, अंदर रहने वाले और नौकर-चाकर अंदर ही रहते थे।

पीछे के बगीचे में एक तरफ के दरवाजे का उपयोग करते हुए, जिसे पीच-क्लाउड्स के नाम से जाना जाता है।

छोटा विश्राम स्थल। केवल नौ लोग और कुछ नौकर ही थे।

अब इस विशाल, सुनसान हवेली में कोई नहीं रह रहा था, और वहाँ कोई नहीं था

चिएन की आवाजें। वहाँ दादाजी फेंग और उनकी पत्नी थे।

उनके बेटे टैन और त्सिएन, जिनमें से टैन की शादी लोला से हुई है, और बूढ़ा

मांचू दंपति, श्रीमान और श्रीमती तुंग, उनके सास-ससुर।

चाचा अफेई, और स्वयं पोया और उनकी पत्नी कैनान। दादाजी-

चाचा, साठ वर्ष से अधिक आयु के एक व्यवसायी होने के नाते, और बेहद

सतर्क होने के कारण

स्वभाव और प्रशिक्षण के बारे में भी उन्हें चेतावनी दी गई थी, यहाँ तक कि उन्होंने उन्हें खनन के खिलाफ भी आगाह किया था।

केवल व्यावसायिक अवसरों को छोड़कर, टेलीफोन का उपयोग न करें।

"टेलीविजन पर कोई राजनीति नहीं और न ही मौजूदा खबरों पर कोई चर्चा।"

“फोन, तुम नौजवान लोग,” सफ़ेद बालों वाले दादाजी ने कहा।

एनमिनेट ने अपने शब्दों से कहीं अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता का सुझाव दिया।

अगर अमेरिकी झंडा न होता तो हम जीवित नहीं रह पाते

pwce में। इसे अधिकारियों द्वारा अपने कब्जे में लिया जा सकता है या इसका उपयोग किया जा सकता है।

सैनिकों के रहने के लिए और फिर शौचालय कहाँ होगा? पोया, और

टीएम और त्सिएन, तुम नौजवानों, मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ। और तुम महिलाओं-

लोगों, याद रखें कि हम किस दौर में जी रहे हैं। "अधिकार" शब्द

'संबंध' दादाजी द्वारा अक्सर 'संबंधों' का जिक्र करने का तरीका था।

जापानी या कठपुतली युग, क्योंकि वह कभी भी खुद को इसकी अनुमति नहीं देगा।

^शत्रु शब्द का प्रयोग करें," जापान का प्रत्यक्ष उल्लेख तो दूर की बात है।

बूढ़े व्यक्ति को अपने बेटे की सुरक्षा की चिंता थी।

बहुओं की हालत दयनीय थी। हालाँकि यह बगीचा मेरा था।

याओ परिवार को, जिसके पोया सबसे बड़े पोते थे, दादा-

पोया की मृत दादी के भाई, चाचा फेंग, कानूनी तौर पर उत्तराधिकारी थे।

उसकी उम्र परिवार के वास्तविक मुखिया की उम्र है। लेकिन यह सारी सलाह विवेकपूर्ण है।

बूढ़े आदमी की बातों ने उनकी कैद की भावना को और बढ़ा दिया,

अपने ही घर में कैद और घोर ऊब की स्थिति

उन युवतियों में से किसी की भी कोई संतान नहीं थी। पोया की

लाओ पेंग से उनकी रात की मुलाकातें ही उनका एकमात्र संबंध थीं, और भव्य-

चाचा, याओ परिवार के पोते के प्रति अधिक सम्मानजनक व्यवहार करें

अपने बेटों की तुलना में उसने हस्तक्षेप नहीं किया था, हालाँकि वह मन ही मन

अस्वीकृत।

अपने कमरों की ओर पूर्व दिशा की ओर मुड़ने से पहले, उसने खड़खड़ाहट सुनी।

दूर के आंगन से महजोंग खेलते हुए, और वह जानता था कि महिलाएं

हम रात भर समय बिताने के लिए ये खेल खेलते थे। ये खेल पहले...

यह सिलसिला सुबह के शुरुआती घंटों तक चला, लेकिन पोया इसमें शामिल नहीं हुई।

हाल तक, मालिन केन के बाद तक, यह उनमें से एक था।

इससे उसकी पत्नी चिढ़ जाती थी। वह देर रात तक पढ़ता रहता था।

कियांग लिशेक की महान शिक्षा पर टिप्पणी और

गौएट मेकम, जबकि उनकी पत्नी या तो सो रही थीं या महजोंग खेल रही थीं।

आंटी लोला और उंडे टैन। उनकी पत्नी को उनका पढ़ना पसंद नहीं था।

हालांकि गिआंग काइशेक अपनी पत्नी के लेखन से असहमत थे, लेकिन वे उनके लेखन का समर्थन करते थे।

वह महजोंग खेलती थी और अक्सर खेल में शामिल होने से इनकार कर देती थी। लेकिन मालिन के बाद से...

लोला के साथ रहने के लिए आते हुए, वह कई बार उनके साथ शामिल हो चुका था और ऐसा लगता था

इसका आनंद लेने के लिए, और उसने इस बदलाव को समझाने की जहमत तक नहीं उठाई।

महजोंग के बारे में उनकी राय। और वे हमेशा जीतते थे।

जैसे ही वह कोर्ट के पास पहुंचा, महजोंग की खड़खड़ाहट तेज होती चली गई।

और वह लोला और उनकी पतली, तीखी हंसी सुन सकता था।

ह्लिन की आवाज की अजीब सी गर्म गड़गड़ाहट। महिलाएं इतनी

वे इतने मजे में थे कि उन्हें पोया के कदमों की आहट तब तक सुनाई नहीं दी जब तक कि...

वह उनके सामने खड़ा था। माल्म ने उसका अभिवादन किया। "पोयाल, क्या तुम शामिल होगे?"

हम?" ; •

“बूढ़े आदमी ने कई बार पूछा कि क्या तुम घर पर हो।”

लोला ने मुड़ते हुए कहा, “तुम्हें पता है, वह हमेशा पूछता है। मैंने उसे मना किया था।”

चिंता।"

पोया ने दल का जायजा लेते हुए केवल "ओह्ह" कहा। उसकी पत्नी

उसने बिट्न को नजरअंदाज कर दिया था क्योंकि एक पत्नी को पति को नजरअंदाज करने का अधिकार होता है, और

उसने खेल पर अपनी निगाहें जमा लीं। पॉप को हमेशा आश्चर्य होता था कि कैनान कैसे...

जो सबसे बुनियादी अंकगणित में भी भ्रमित हो जाता है, वह कर सकता है

रोआहजोंग में स्कोर गिनो। त्सिएन, छोटा भाई, एक'

बाईस साल का एक युवक उनके साथ खेल रहा था। मालिन ने देखा।

»5

उत्साह और हार्दिक प्रशंसा से भरी मुस्कान के साथ पोया तक।

उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था, और लंबे घुंघराले बालों के नीचे...

पोया के कंधे झुकते ही उसे अपने नीचे लाल जन्मचिह्न दिखाई दिया।

वह कान जिसने उसे शुरू से ही मोहित कर लिया था। यह एक का चेहरा था।

एक परिपक्व युवती जिसे लोगों द्वारा देखे जाने पर शर्म नहीं आती थी।

गहन जांच। यह एक ऐसा चेहरा था जिसे निमंत्रण कहा जा सकता है।

प्यार करने के लिए।

“एक कुर्सी ढूंढो और बैठ जाओ,” लोला ने सौहार्दपूर्वक कहा। “इसके बाद

आप मेरी जगह ले सकते हैं, या जिमी की जगह।

"नहीं, धन्यवाद, मैं आज रात खेलना नहीं चाहता।"

लोला की उम्र केवल पच्चीस वर्ष थी और उसमें एक युवती का आभास था।

युवा पुरुषों के समाज में पूरी तरह सहज, समलैंगिक और मिलनसार

और एक महिला की तरह मदद लेने के लिए तैयार। हाई स्कूल से स्नातक।

कॉलेज न जाने के बावजूद, उसके पास एक तरह की बौद्धिक अक्षमता थी।

एक परिपूर्ण व्यक्तित्व, जिसमें कोई संघर्ष, वर्जनाएँ, जटिलताएँ या

संकोच। आधुनिक महिलाओं के लिए दुनिया - उसके लिए अच्छी थी

दुनिया। वह पश्चिम और आधुनिक हर चीज की दीवानी थी। ऐसा नहीं कि

वह एक नारीवादी थीं। उन्हें पश्चिम से बेहद प्यार था और उनका मानना था कि

पश्चिमी देशों में महिलाओं के लिए बनी दवा पहले ही आ चुकी थी।

यह धारणा कि पश्चिमी पुरुषों में सज्जनों के सभी गुण होते हैं और

उन्हें पश्चिमी महिलाओं के प्रति गहरी प्रशंसा थी, जो प्रतीत होती थीं कि...

वह शारीरिक रूप से मजबूत, बलवान और स्वतंत्र महिलाओं की एक नस्ल है। यह सब

इससे वह बेहद खुशमिजाज और आत्मविश्वासी बन गई। यह असंभव होगा

कल्पना कीजिए कि लोला नारीत्व की समस्याओं से त्रस्त है, चाहे वे प्राचीन हों या कुछ और।

आधुनिक युग, महिलाओं के लिए मतदान का अधिकार, व्यावसायिकता, यहाँ तक कि तलाक का भी।

और "नैतिकता का दोहरा मापदंड।" हर समस्या

पश्चिम द्वारा पहले ही बसा लिया गया था; लोगों को यह बात पता चल चुकी थी कि वे

महिलाओं का दमन करना गलत था; इस पर कोई बहस नहीं थी; बस इतना ही।

चीनी महिलाओं को बस इतना करना था कि वे इस बात पर विश्वास रखें कि सहस्राब्दी

पश्चिमी प्रभाव के कारण महिलाएं आगे बढ़ चुकी थीं, और उन्हें इस पर अमल करना था।

वह विश्वास। लेकिन यह सब कुछ सरल चीजों में सिमट गया, जैसे

पहले कार में बैठने में मदद की जा रही हो, ओवरकोट पहनने में मदद की जा रही हो,

किसी व्यक्ति के कमरे में प्रवेश करने पर बैठे रहना और पेशकश करना या न करना

हाथ मिलाने के लिए हाथ आगे बढ़ाना, यह इस बात पर निर्भर करता है कि युवा कौन है।

मनुष्य का डर या उसकी कमजोरी, और उस पर कड़ी नज़र रखना

पति की गतिविधियों और माफ़ाई-गिनिफ़िग को खोलने का अधिकार

पति के पत्र तो खोले जा सकते हैं, लेकिन अपने स्वयं के पत्र नहीं खोले जा सकते।

पश्चिमी सभ्यता में महारत हासिल करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।

उसका नाम, लोला, विदेशी नामों की याद दिलाता था।

जिसका युइनीज़ भाषा में कोई अर्थ नहीं है, और जब उसने टैन से शादी की, तो उसकी

*4

पति शर्त लगाने के लिए डैन बन गया। उसी स्त्रीत्वपूर्ण कुशलता के साथ,

उसने अपने पति के लिए एक अंग्रेजी नाम, "जेम्स" के बारे में सोचा।

भाई त्सिएन; यह एक जीत के समान था, क्योंकि यह आश्चर्यजनक था।

चीनी और अंग्रेजी नाम कितने मिलते-जुलते थे।

“जेम्स” बदलकर “जिमी” हो गया, और त्सिएन को यह पसंद आया क्योंकि लोला के पास

वह हमेशा उनके प्रति दयालु और उदार रहे हैं। यह एक सुखद चुनाव है।

त्सीन का अंग्रेजी नाम लोला की सादगी का प्रतीक था।

सोच और तरीका। उन कई आधुनिक महिलाओं की तरह जो आगे बढ़ चुकी हैं।

तटीय क्षेत्र के एक मिशनरी हाई स्कूल के माध्यम से, उसका उच्चारण

अंग्रेजी में उनका ज्ञान आश्चर्यजनक रूप से सही था, हालांकि उनके ज्ञान में कुछ कमियां थीं।

अंग्रेजी भाषा सख्ती से "बोलचाल की अंग्रेजी" तक ही सीमित थी।

"मैनुअल" स्तर। लोला को अपने &ther-in- का जिक्र करते हुए सुनना मजेदार था।

कानून को वह “पापा” कहती थी, जिसका उच्चारण “प’पॉ” होता था। वह इसके बारे में बहुत बात करती थी।

“पश्चिमी सभ्यता” जिसे अक्सर संक्षेप में “सभ्यता2” कहा जाता था।

{पेनमिन^, और वेनमिंग की समस्याएं, या "सभ्य और

"आधुनिक" शब्द भी सरल थे। इस शब्द का प्रयोग मुख्य रूप से किया जाता था।

जिस अर्थ में महिलाएं, चाहे अंकारा में हों या ब्यूनस आयर्स में,

आधुनिकता की घोषणा करें। ब्यूटी शॉप के कुछ चक्कर ही काफी हो सकते हैं।

आध्यात्मिक रूपांतरण को पूर्ण करें, साथ ही प्रकट होने का साहस भी प्राप्त करें।

सार्वजनिक रूप से पुरुषों की बाहों में, और अपने पतियों को उन्हें पकड़ने देने के लिए

बदलाव के तौर पर शिशुओं के बारे में, और विटामिनों के बारे में कुछ

जानकारी। अब जब

लोला माँ बनने वाली थी, इसलिए वह इस बारे में पूरी लगन से पढ़ रही थी।

आधुनिक मोलियरहुड की तकनीक और संतरे का रस पीना

मैं इसे नियमित रूप से हर सुबह लेता था, क्योंकि इसमें विटामिन डी होता था।

लोला ने एक नौकरानी को परदादा को यह सूचित करने के लिए भेजा कि पोया आ गई है।

घर। पोया बैठ गई और खेल देखने लगी। सभी महिलाएं*

पोया की उपस्थिति से महिलाएं वाकिफ थीं, क्योंकि वह उसी तरह का व्यक्ति था जिसे महिलाएं पसंद करती थीं।

इसका संज्ञान लिया। मान ने पूछा कि क्या वह सहज महसूस कर रहा है, और लोला

उन्होंने पूछा कि क्या वे आगे की बातचीत के दौरान चाय और फल लेंगे।

खेल। कैनान हैरान था, सोच रहा था कि वह क्यों रुका रहा जबकि वह

वह नहीं खेल रही थी। लाओ पेंग की वापसी के बाद से वह खुश थी।

वह शहर में शामें घर के बाहर बिताने लगा था।

पोया मालिन से अपनी निगाहें नहीं हटा पा रहा था। मालिन और दोनों

लोला ऊँची साइड से फटी हुई गाउन पहनती थी, और लोला के पास लाल मखमली कपड़ा था।

चप्पलें। लोला का मल, वैसे तो खास सुंदर नहीं था, लेकिन पतला था।

और चिकना और सुगठित, जैसे कि लिपस्टिक और एक

आइब्रो पेंसिल किसी भी युवा लड़की को सुंदर बना सकती है, और हालांकि

जब वे घर पर थे, लोला ने अपने मेकअप को नज़रअंदाज़ नहीं किया था। लेकिन

मालिन का खूबसूरत काला हक और मुलायम, सफेद जेगेस और निरंतर

इमिल में कुछ ऐसा खास था, जो पूरी तरह खिले हुए फूल में दिखाई देता है या

25

बाईस की एक लड़की में, जिसे हम उमंग कहते हैं। सतह

उसकी त्वचा से एक कोमल प्रकाश निकलता हुआ प्रतीत हो रहा था, जो किसी अन्य त्वचा से बिल्कुल अलग था।

क्रीम और पाउडर पर निर्भर करते हुए, क्योंकि प्राकृतिक दांत नकली दांतों से भिन्न होते हैं।

उसके होठों पर रूज का हल्का सा स्पर्श और उसके होंठों पर बना छोटा सा लाल निशान...

उसके कान ने काले रंग से घिरे सफेद मल पर जोर दिया।

उसके लहराते हुए बाल। उसकी आँखों में हल्का सा दोष था।

जिसे अगर और अधिक होता तो भेंगापन कहा जा सकता था, लेकिन जो कि...

उसका मामला इतना मामूली था कि इसने उसके चेहरे को एक अद्वितीय

पहचान दी।

वैयक्तिकता, मानो वह दुनिया को एक विशेष दृष्टिकोण से देख रही हो।

वास्तव में उसने भी अपने ही दृष्टिकोण से ऐसा किया।

“पेंग!” काइनान ने अपने ऊंचे स्वर में प्रतिशोध की भावना से कहा।

गूंजती हुई आवाज।

“हो!” मालिन ने पीछे-पीछे आकर अपने मोहरे नीचे रख दिए, एक कोमल आवाज के साथ।

आनंदमय गड़गड़ाहट।

जब वे मोहरों को फेरबदल कर रहे थे, मालिन ने कहा: 'खिलौने

bsimg, मैं रेडजादक द्वारा बनाया गया सियाट का चित्र देखना चाहता हूँ।

“क्या तुमने इसे अभी तक नहीं देखा?” पोया ने पूछा।

“नहीं, किउंगमिंटांग में ताला लगा हुआ है,” लोला ने कहा।

मालिन खेलना बंद करके बात करना चाहती थी। उसकी युवा आवाज़

इसे आसानी से कमरे के उस पार ले जाया जा सकता था। "मैं एल्बम देख रहा था और

मैंने एक बहुत खूबसूरत लड़की की तस्वीर देखी। क्या वह रेडजाडक थी?

“मुझे नहीं पता कि तुम किसकी बात कर रही हो,” लोला ने कहा। “ये रहा।”

पोया, इजोटॉम शेल्फ पर।"

“क्या हम आगे बढ़ेंगे या नहीं?” कैनान ने पूछा।

चिड़चिड़ाते हुए।

"चलिए, थोड़ा परीक्षण कर लेते हैं," मालिन ने उत्तर दिया।

पोया उठी और काले कवर वाली एक बड़ी किताब निकाली।

वह मुस्कुराते हुए पन्ने पलटने लगा।

“मुझे इसे फिर से देखना होगा,” एमडब्ल्यूएसएन ने कहा और अपनी जगह छोड़कर चली गई;

पोया के बगल में नरम जगह पर बैठने के लिए। उसने एक काली साडो पहनी हुई थी!

पोया को गाउन पहने हुए एक मुलायम मखमली स्पर्श का एहसास हुआ जो गर्म और आरामदायक था।

ठीक है। "मुझे इसे ढूंढने दो," इस्फ़ालिन ने कहा। जैसे ही वह दौड़ी,

तस्वीर ढूंढने के लिए पन्ने पलटते हुए, पोया ने उसके कोमल, सफेद बाल देखे।

जिसकी सुंदरता एक बुरी तरह से कटे हुए नाखून से धूमिल हो गई थी <»‘

तर्जनी उंगली। मालिन के चेहरे पर उत्साह और खुशी झलक रही थी।

जिज्ञासा और मनोरंजन की फुसफुसाहटें जीवन के साथ बारी-बारी से सुनाई देती रहीं।

हंसी की आवाज के बीच, पोया को एक हल्की सी खुशबू महसूस हुई जिसने उसके मन में हलचल मचा दी।

इंद्रियां।

"क्या वह रेडजेड है?" मालिन ने धीमी आवाज में कहा।

*‘नहीं, ये मौसी मुलान हैं, जब वो बच्ची थीं।’

जेड6

वे जल्द ही गहन मौन में खो गए और

हंसी की हल्की सी आवाज।

पोया बहुत बातूनी थी, और बुजुर्ग की तस्वीरें...

‘पुरानी वेशभूषा वाली पीढ़ी ने उन्हें बहुत कुछ प्रदान किया’

मनोरंजन। रेडजेड और उसके भाइयों की तस्वीरें थीं।

टैन और त्सिएन, जब वे छोटे बच्चे थे, और पोया के चाचा और चाची,

■मुलान, मोचो, कोरल और मन्निया तथा त्सेंग परिवार के अन्य सदस्यों के बारे में।

मालिन ने उन सभी में और पोया के बारे में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

उसे बताते हुए, खासकर रेडजेड के बारे में, जिसने आत्महत्या कर ली थी जब वह

वह उन्नीस साल की लड़की थी, अपने चचेरे भाई अफेई के प्यार के कारण।

वे रेडजेड की तस्वीर के पास आए, वह उसे काफी देर तक देखती रही।

समय।

"रेडजादे में तुम्हारी इतनी दिलचस्पी क्यों है?" पोया ने पूछा।

"क्योंकि उसका जीवन इतना रोमांटिक और इतना दुखद था। लोला ने मुझे बताया था।

उसके बारे में सब कुछ। क्या मैं उसका चित्र देख सकता हूँ?

"बेशक। कल, अगर आप चाहें तो। लेकिन मैंने बीच में दखल दिया है।"

आपका खेल।"

मान अपने फुर्तीले कदमों से मेज की ओर लौटी। कुछ देर के लिए

कुछ क्षणों के लिए पोया फिर से चुपचाप खड़ी देखती रही। मालिन ने नाटक किया...

वह अपने खेल में मग्न थी, लेकिन उसकी आँखों से पता चल रहा था कि वह सचेत है।

वह उसे देख रहा था, और उसके होंठों पर एक मुस्कान थी, रोमांच से भरी हुई। उसने कहा।

शुभ रात्रि कहकर वह अपने कमरे में चला गया, यह सोचते हुए कि उसे अभी भी ऐसा ही महसूस हो रहा है।

उसके शरीर के दाहिने हिस्से के संपर्क में आने पर एक कोमल गर्माहट महसूस होती है।

*

अगले दिन दोपहर के भोजन के बाद, पोया लोला के आंगन में गई*

मालिन के साथ तय समय पर मुलाकात करें। लोला और उसके पति को ढूंढें।

और मालिन दोपहर के भोजन के समय भी वहीं था, वह टैन के दरबार में चला गया।

माता-पिता को दिन की शुभकामनाएं देने और किसी भी खबर के बारे में जानने के लिए।

व्यवसाय जिस।

हालांकि अब साठ वर्ष से अधिक आयु के हो चुके थे, फिर भी वृद्ध फेंग उपस्थित होने में सक्षम थे।

वह अपने व्यवसाय के लिए जाता था और आमतौर पर सुबह अपनी दुकान पर जाता था।

इस नियमित आदतों से शायद उसके स्वास्थ्य को लाभ हुआ होगा, क्योंकि उसके पास

मुझे अपनी दुकान पर देर से आने की आदत बहुत कम रही है, तीन में से एक बार।

साल के एक सौ पैंसठ दिन। यह अजीब बात थी कि,

हालांकि वह स्वयं इतना अनुशासित था, फिर भी उसने अपने बेटों को अव्यवस्थित आचरण करने की अनुमति दी।

जीवन, लेकिन इसकी व्याख्या उनके अत्यधिक ठोस प्रेम से की जानी थी

उनके बच्चे, जो वृद्धावस्था में भी उनके जीवन का प्रमुख प्रेरणा स्रोत थे।

उन्होंने अपना जीवन। उन्होंने दोनों बेटों को कॉलेज की पढ़ाई पूरी करवाई, लेकिन खुद नहीं।

उन्हें उम्मीद है कि वे उनका कारोबार संभाल लेंगे। हालाँकि वह ऐसा नहीं करेंगे।

*7

मान लीजिए, वह वास्तव में अपने बेटों से डरता था, जिनके पास एक मॉडेम था।

शिक्षा तो उसके पास थी ही नहीं, जबकि उसने पुराने जमाने की आरसीजीएक्सजेएलआर भी नहीं ली थी।

प्रशिक्षण। टैन कई विषयों पर चर्चा करने में सक्षम प्रतीत होता था।

उसका दिमाग; जाहिर तौर पर वह कॉलेज में सफल रहा था, उसने कई पुरस्कार जीते थे।

पुरस्कार। लेकिन यह सब उस युवक के लिए दुर्भाग्यपूर्ण साबित हुआ।

ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने इस प्रकार साइडर बनाने वालों का उचित मार्गदर्शन खो दिया था।

घर, जैसा कि आजकल के कई युवाओं के साथ होता है।

बड़ों और छोटों के ज्ञान में अचानक अंतर

इस पीढ़ी के कारण युवाओं पर माता-पिता के प्रभाव में कमी आई।

जो यह सोचते थे कि उन्होंने अपनी कॉलेज की शिक्षा से बहुत कुछ सीख लिया है,

लेकिन उनका व्यवहार असभ्य और बुनियादी बातों से अनभिज्ञ बना रहा।

जीवन के नियम। टैन में अहंकार और एक दिखावटी परिपक्वता विकसित हो गई थी।

उनकी सभी बातों में एक व्यंग्यात्मक लहजा होता था, और न तो उनके पिता और न ही उनकी माँ।

उसकी जाँच करने में सक्षम था। इसलिए, भले ही बूढ़े फेंग ने अपना पूरा जीवन गुलामी में बिताया हो।

वह अपने बेटों के लिए चिंतित थे, और इस उम्र में भी उन्हें केवल उनकी ही चिंता थी।

वेलफेयर, यह कहना उतना ही सटीक होगा कि वह अपने बेटों से डरता था जितना कि यह कहना कि

कि वह उन पर बहुत प्यार लुटाता था। जब टैन ने लोला से शादी की, जो पूरी तरह से

आधुनिक लड़की के प्रति उसका रवैया उनसे बचने का हो गया, बजाय इसके कि वह उनका सामना करे।

उनका नियंत्रण करना। जब वह उनके आलसी जीवन से क्रोधित हो गया,

उनका महजोंग, और देर से उठना, यही उनका एकमात्र तरीका था।

अपना गुस्सा निकालने का उसका तरीका अपनी भोली-भाली, डरपोक बूढ़ी पत्नी को डांटना था।

लोला का समानता और स्वतंत्रता के प्रति सहज दृष्टिकोण था।

उसके सास-ससुर। उसका जीवन दर्शन बिल्कुल सरल था।

"जो भी उसके प्रति वफादार रहा हो, उसके प्रति वफादार रहना," जैसा कि वह अक्सर जोर से कहती थी।

अपने माता-पिता की उपस्थिति में भी। हालाँकि वह शांति से रहती थी।

उसके सास-ससुर के अनुसार, यह संपादन उसकी सास के रैटल्टर के कारण हुआ था।

खुद से भी ज्यादा। उसकी आवाज में एक रूखापन था और जे डब्ल्यू

वह गुस्सा जिसने बूढ़े आदमी को डरा दिया, क्योंकि जब लोक gtumblc^^

बुदबुदाहट की आवाज बूढ़ी श्रीमती आई^वी के कानों में स्पष्ट रूप से सुनाई दे रही थी।

अदालत। निष्पक्ष होने और हर किसी को समान अवसर देने के बारे में यही उसका विचार था।

स्पष्ट रूप से, और माँ, जो सभी ni|K»

वह हमेशा झुकने और आज्ञा मानने का आदी था, आमतौर पर चुप रहता था।

फेंग ने अपनी पत्नी की उपस्थिति में उनके व्यवहार के बारे में शिकायत की।

युवा जोड़ा, लेकिन टैन और विशेष रूप से लोला की उपस्थिति में,

वह अपने कोमल और सौम्य स्वभाव में लौट आया। इस प्रकार तन और लोक

जब बूढ़े माता-पिता रहते थे, तब उनके मामले काफी हद तक उनके अपने तरीके से चल रहे थे।

उनकी अपनी एक बिलकुल अलग जिंदगी थी। पोया के लिए, ओल्ड फेंग एक अलग ही शख्सियत थे।

हमेशा बहुत विनम्र।

“टोया,” उसने बड़े ही विनम्र लहजे में कहा, “तुम

बहुत सावधान रहें। रात में बाहर निकलना असुरक्षित है।

जेड8

मैं सावधान हूं। दादाजी। मैं हर समय घर के अंदर नहीं रह सकता, और

बात करने के लिए किसी न किसी की जरूरत होती है। मैं तो सिर्फ लाओ पेंग से मिलने जाता हूँ।

लेकिन नाइट क्लबों में मत जाओ और झगड़ों में मत उलझो।

शराब के नशे में धुत 'अधिकारियों' के सैनिकों के साथ।

आप इस बात को लेकर निश्चिंत रह सकते हैं।

बूढ़ा फेंग पास आया और उसके कान में फुसफुसाते हुए बोला, मानो...

गोपनीयता; “आप जानते हैं। टैन और त्सिएन युवा हैं, और मैं गोपनीयता बनाए रख रहा हूँ।

उन्हें घर के अंदर ही रखो। लेकिन घर में इतनी सारी युवतियां हैं,

मुझे डर है कि वे बाहर निकलेंगे और लोगों द्वारा देखे जाएंगे।

'अधिकारियों'। आपको उन्हें घर के अंदर रखने में मदद करनी चाहिए। उन्हें

महजोंग खेलें या कुछ भी करें, बशर्ते वे वहां रहने को तैयार हों।

घर।" उसने और भी धीमी आवाज़ में कहा। "वहाँ वो जवान है।"

वह महिला लोला की सहेली है। वह अन्य लोगों की रिश्तेदार नहीं है। वह कब है?

क्या तुम जा रहे हो? अगर तुम लोला से पूछोगे तो?

"खैर," पोया ने मुस्कुराते हुए कहा, "वह तो इंतज़ार कर ही रही थी।"

कोई ऐसा व्यक्ति जो उसे शहर से बाहर निकाल सके और शंघाई तक उसके साथ जा सके।

मेरी पत्नी अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए दक्षिण जाना चाहती है।

और मैं उन दोनों को नीचे गिरा सकता हूँ।"

"इन्हें यहाँ से जल्दी निकालो, जितना जल्दी हो उतना अच्छा। इससे मुझे राहत मिलेगी।"

चिंताएँ।

श्रीमती फेंग ने अपने पति से कहा, "अगर तुमने ऐसा किया तो तुम मुसीबत में पड़ जाओगे।"

लोला ने तुम्हारी ये बात सुनी। पोया, तुम जानती हो कि इसे कैसे कहना

है, और करो।

यह मत कहना कि तुम्हारे दादाजी ने ऐसा कहा था।

लोला के दरबार में उन्होंने दोपहर का भोजन कर लिया था और वे चर्चा कर रहे थे।

सिरार समाचार। लोटियन शहर सबसे भीषण घटना का स्थल था।

एक महीने से अधिक समय से तलाश जारी है, दो-तीन बार हाथ बदल चुके हैं।

डीएमई पहले से ही मौजूद हैं।

"हमारे सैनिक लड़ सकते हैं," मालिन ने कहा।

"चीन कैसे लड़ सकता है?" टैन ने अपने हमेशा के लहजे में कहा।

छद्म परिपक्व निंदकवाद, जो कि स्वाभाविक और आदतन दोनों था

उसके साथ। एक सहज हंसी से उसके सफेद दांत दिखाई दिए; "यह है

यह सरासर मूर्खता है। आप चीनी वायु सेना की बात करते हैं। ऐसा क्यों नहीं होता?

जापानी फ्लैगशिप इज़ुमो पर हमला करें, जो ठीक किनारे पर लंगर डाले हुए है।

जे(7हैंपू? वह जहाज दो महीने से वहीं है।)

"लेकिन क्या हमारे आदमियों ने एक रात उसमें बारूदी सुरंग बिछाने की कोशिश नहीं की थी?" मालिन ने पूछा।

“हाँ,” टैन ने नाक सिकोड़ते हुए जवाब दिया, “और फिर जापानी लोग।”

नदी के बीच में स्थित नाव में सवार लोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इससे पहले कि वे खदान बिछाने के लिए पर्याप्त करीब पहुँच पाते। और जब बाहर

सामने वाले किनारे पर मौजूद लोगों ने इसे देखा, वे हताश हो गए और मुड़ गए।

उसने स्विच किया, और खदान ईक्विलोड^ हमारे आदमियों को तैयार कर रहा था। यह था

जेड9

बचकाना।" मालिन चुप रही। टैन ने आगे कहा, "हमारे आदमियों ने नहीं खाया।"

संभवत: प्राप्त किया। हमारे लोग इतने अज्ञानी हैं। उनमें से कितने लोग

क्या सैनिकों ने माध्यमिक शिक्षा भी प्राप्त की है? कितने सैनिकों ने

क्या उन्होंने कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की है? वे मॉडेम के बारे में क्या जानते हैं?

युद्ध कुल्हाड़ी? अगर मैं जापानी जनरल होता, तो मैं शंघाई छोड़ देता।

"अकेले उस क्षेत्र पर कब्जा करो और यांग्त्से नदी में आगे बढ़ते हुए पीछे से उस पर हमला करो।"

कहानी में मोड़ तब आया जब पोया वापस लौट आई। टैन अचानक रुक

गई।

अचानक, क्योंकि वह बातचीत करने से कतराता था।

पोया, हालांकि वह उसका भतीजा था। न ही पोया ने ऐसा चाहा था।

टैन के साथ युद्ध पर चर्चा करने के लिए। अपने चेहरे को ठीक करते हुए, मालिन ने देखा।

पोया की ओर एक पूरी, मनमोहक मुस्कान के साथ।

“ओह, हम युद्ध के बारे में बात कर रहे थे। हमें बताइए कि आप क्या सोचते हैं।”

उसके लहजे और हावभाव से ऐसा लग रहा था कि वह पो3रा'8 के बारे में बहुत अच्छी राय रखती है।

राय।

“तुम लोग किस बारे में बात कर रहे थे?” पोया ने पूछा। उसने देखा कि टैन का

मल को बहा दिया गया, जिससे उनकी वाणी का प्रवाह दुर्भाग्यवश बीच में ही रुक गया।

“टैन कह रहा था कि हमारे लोग अशिक्षित हैं और हमारे

सैनिक आधुनिक युद्ध तकनीकों से अनभिज्ञ हैं।

"क्या यह बिल्कुल आदर्श नहीं है?" पोया ने अधिकारपूर्ण स्वर में उत्तर दिया।

वे अज्ञानी हैं और शत्रु की शक्ति से अनभिज्ञ हैं।

तोपखाना और विमान। इसीलिए उन्हें कभी पता नहीं चलेगा कि वे कब

हार गए हैं, उन्होंने ट्वएफ) मोंटलिस के खिलाफ मोर्चा क्यों संभाले रखा है?

तीखी, जमीनी और नौसैनिक बमबारी का संयोजन। वे ऐसा नहीं करते।

वे इसे जानते भी हैं और कभी नहीं जान पाएंगे, और इसीलिए वे इसे जारी रखेंगे।

।लड़ाई करना।"

इस टिप्पणी से उत्तेजित और उत्साहित होकर, टैन ने अपने डर पर काबू पा लिया।

पोया ने टिप्पणी की: "तो फिर चियांग काइशेक मुझे इसकी अनुमति क्यों देते हैं?"

सैनिकों की इस दर से हत्याएं हो रही थीं, एक के बाद एक डिवीजन नष्ट हो रही थीं।

कुछ दिनों में?”

पोया ड का इरादा तर्क देना नहीं था। उनका स्वयं मानना था कि

कियांगवम में स्थित रेखा अस्थिर थी, क्योंकि वह टीबी की सीमा के भीतर थी।

नौसैनिक तोपें, और इस मोर्चे को बनाए रखना संभवतः एक सामरिक कदम था।

उस व्यंग्यात्मक लहजे में टिप्पणी करना;«n»

उसके हाओ ने उसे बहुत चिढ़ाया, और अब वह चाहता था कि

उसकी रणनीति का बचाव करना।

क्यों, चियांग काइशेक के अपने कारण हैं। राजनीतिक कारण।

अंतर्राष्ट्रीय कारण। और यहाँ तक कि सैन्य कारण भी। मनोबल...

हम पुरुषों में जो खो रहे हैं, भिक्षुओं में वही पा रहे हैं।

असाधारण साहस और लड़ने की क्षमता का भंडार

सैनिकों। यह एक लंबा युद्ध होगा, और इस लंबे युद्ध को जारी रखने के लिए...

30

जनता और सेना का विश्वास सर्वप्रथम स्थापित किया जाना चाहिए,

इससे मनोबल को बहुत ही प्रारंभिक प्रोत्साहन मिला।"

टैन का चेहरा तनावपूर्ण था, लेकिन उसने इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा।

“आओ,” पोया ने मालिन से कहा। “तुम चिंग देखना चाहती हो-

“मिंटांग। क्या तुम भी आना चाहती हो, आंटी लोला?”

“नहीं। हमने वह चित्र कई बार देखा है।”

तो मालिन पोया के साथ चली गई। उसने एक सुंदर काले रंग की पोशाक पहनी हुई थी।

मॉरिसन स्ट्रीट की एक दुकान से खरीदा गया फ्रेंच एरिपे डे चाइन।

गाउन में रेशमी ऊन की पतली गद्दी लगी हुई थी, और उसने उसे पहना हुआ था।

पन्ना रंग का बाजूबंद उसकी सफेद बांह पर बहुत ही आकर्षक लग रहा था।

वह तेज़ कदमों से चल रहा था, जो पोया की धीमी चाल से बिलकुल अलग था।

चाल। पोया ने स्पोर्ट्स जैकेट और ढीली फलालैन पतलून पहनी हुई थी।

और ऑक्सफोर्ड लोफर्स, जो उनकी लंबी, इठलाती हुई कद-काठी पर जंचते प्रतीत होते थे।

वह अपने साथी से पूरे एक सिर लंबा था। उसने कपड़े पहनना सीख लिया था।

अंग्रेजी शैली उनके अंग्रेजी-शिक्षित शिष्य अफेई से मिली।

उन्हें गलियारों और बगल के दरवाजों से होकर अपना रास्ता बनाना पड़ा।

खुले में आने से पहले वे कई अदालतों से गुजरे।

ऊँचे-ऊँचे एल्म और सरू के पेड़ों से घिरी पगडंडी। चुंगमिंटांग नदी के किनारे बसा हुआ था।

पैदल यात्रा में शामिल लोगों से लगभग पचास गज की दूरी पर।

टैन को अपनी बातों के बारे में बताते हुए सुनकर मेरा खून खौल उठा।

अगर वह जापानी जनरल होता तो वह ऐसा ही करता। यह पहली बार था जब

मालिन ने टैन के बारे में कोई राय व्यक्त की थी, और ऐसा लग रहा था कि इससे कुछ गड़बड़ हो गई थी।

उन्हें अंतरंगता के एक अलग स्तर तक ले गया। लेकिन मालिन ने देखा था कि

Po3ˆ को स्पष्ट रूप से टैन के लिए कभी ज्यादा सम्मान नहीं था।

“उसने क्या कहा?” पोया ने बेपरवाही से पूछा।

उन्होंने कहा कि अगर उनमें जापानी जीन होता, तो वे चले जाते।

अकेले शंघाई क्षेत्र में ही, ऐ यांग्त्स्क नदी के किनारे-किनारे आगे बढ़ते हुए, हमारी सेना को नष्ट कर दो।

फिकॉम पीछे की ओर।"

"क्या आपको लगता है कि यह सब इतना ही सरल है?"

“नहीं। लेकिन मुझे जो बात पसंद नहीं आई, वह है जिस लहजे में उन्होंने यह बात कही।”

“तुम्हें वो पसंद नहीं है, है ना?”

नहीं। ऐसा लगता है जैसे उसे बहुत कुछ पता है, या कम से कम वह ऐसा

सोचता है।

आपको उसका भाई कैसा लगा?

"तुम्हारा मतलब जिमी से है?"

“हां। उसे त्सिएन कहो।”

मालिन हंस पड़ी और थोड़ा शरमा गई। उनकी नज़रें मिलीं।

मुझे लगता है कि उसे रू से प्यार हो गया है।

"आपके ऐसा सोचने की वजह क्या है?"

"ओह, एक लड़की हमेशा समझ जाती है। वह शर्मिंदा है और वह कुछ करना चाहता है।"

मेरे लिए सब कुछ।

5 *

“क्या आपको कोई आपत्ति है?” उनकी निगाहें फिर मिलीं और मालिन हंस पड़ी।

"ओह, वह कितना बचकाना है, कितना भावुक है - वह लड़कियों की तरह शरमाता है।"

पोयाद्रे-वासिग। “वह बुरा आदमी नहीं है। उससे कहीं बेहतर है।”

उनका भाई।"

मालिन ने एक बार फिर धीमी, कोमल हंसी हंसी। “द ■wsj

जिम्मी — ˆत्सीन, जैसा आप उसे बुलाना चाहें — अपने बालों को ढँक लेता है

पोमेड लगाने से मुझे उल्टी आने लगती है।

विचारों के इस आदान-प्रदान से उनमें से एक के प्रति पसंद बढ़ गई।

एक और। तीसरे पक्ष की आम बदनामी आमतौर पर होती है।

दो वक्ताओं के बीच पारस्परिक प्रशंसा के रूप में अभिप्रेत है, और यह है

महिलाओं की सारी गपशप का आधार। यह ज़ाहिर करना कि आप दोनों एक-दूसरे को नापसंद करते हैं।

एक ही व्यक्ति को पसंद करने का भाव दिखाने का यह एक सस्ता तरीका है।

एक और। मालिन इतनी ज्यादा संकोची थी कि उसने काइउन का जिक्र नहीं किया। उसके पास

पोया को उसके व्यवहार और उसके दृढ़ और स्पष्ट रवैये के लिए दिल से

पसंद करने लगा।

उसके विचारों को सुनकर उसकी प्रशंसा और भी बढ़ गई थी।

पियानो पर, जहाँ उसे आश्चर्य हुआ कि उसने बिना किसी मदद के कई धुनें बजाईं।

संगीत। और पोया को मालिन ने पाला-पोसा था। वह उनमें से एक थी।

छोटी, स्त्री जैसी दिखने वाली प्राणी जो पूरी तरह से इससे लाभ उठाती प्रतीत होती हैं।

छोटापन। छोटापन सेवा का प्रतीक था; साथ खड़े रहना

एक लंबे आदमी के बगल में यह मधुर भक्ति का संकेत देता था, जो उस लंबे आदमी में थी।

ऐसा माना जाता था कि यह मन और शरीर की फुर्ती से भी जुड़ा हुआ था।

और मालिन के मामले में, उसकी चमकदार आँखें और सहज मुस्कान।

कुछ शरारती स्वभाव बुद्धिमत्ता का संकेत देते थे। वह उन्हीं में से एक थी।

बुद्धिमान आँखों वाले नाजुक, कोमल जीव, जिनसे अक्सर लोग मिलते हैं।

दक्षिण में कियांगसू और चेकियांग में देखा जाता है।

क्या वह छायादार पगडंडी, शरद ऋतु के सरू की खुशबू से महकती हुई है?

घास से ढके एक छोटे रास्ते पर पूर्व दिशा की ओर चलते हुए।

thc Mte,Poyapwhedit पर खोलें और मालिन को पत्थर के आंगन में जाने दें

जो देखने में ऐसा लग रहा था मानो सदियों से वीरान पड़ा हो।

चुंगमिंटांग पहले भोज कक्ष हुआ करता था।

ManAu pnnee जिसने यह बगीचा बनवाया था, उसे Poya’ ने खरीद लिया!

शहर के अन्य हिस्सों में आवास। दरवाजे, अब सूखे हैं।

hscoWd गुलाबी &om एक्सपोजर और उम्र, बंद थे, जिससे पता चला

ऊपरी पैनलों में बनी जाली के कारण केवल भीतर अंधेरा ही दिखाई देता है।

+ 1, लंबा और खुला हुआ

ताला। जब वह टीबीएस पर भारी दरवाजे खोल रहा था

^ Malm%tumbfc7 o«t

उच्च सीमा। इस वास्तुकला का हर हिस्सा ऐसा प्रतीत होता था जैसे...

5 *

इसका निर्माण दिग्गजों की एक जाति के लिए किया गया था। पोया उसे पकड़ने के लिए तेजी से आगे बढ़ा।

"क्या तुम्हे चोट लगी?"

“नहीं, धन्यवाद।” मालिन ने उसकी ओर मुस्कुराते हुए कहा।

पोया के दिल की धड़कन तेज हो गई, क्योंकि अब पहली बार ऐसा हो रहा था।

उस अंधेरे हॉल में मैं अकेला था। वहां टाइलों और प्लास्टर की गंध आ रही थी।

फर्नीचर पुरानी लकड़ी का बना था और उस पर धूल की मोटी परत जमी हुई थी।

मालिन ने मोटे भूरे रंग की टाइलों से बने फर्श पर धीरे से कदम रखा।

डेढ़ वर्ग, और लगभग विस्मय का अनुभव हुआ। एक भारी मेज

बीस फीट लंबा एक व्यक्ति गेंद के केंद्र में पीछे की ओर खड़ा था, जिसके साथ

एक क्लोइज़न धूप तिपाई, ढाई फीट बड़ी, और एक जोड़ी

जड़ाऊ पीतल के मोमबत्ती स्टैंड, आधी जली लाल मोमबत्तियों के साथ, पूरी तरह से दो

इंच मोटा। पिछली दीवार के सहारे लकड़ी का anrpsMˆjl खड़ा था।

गोलियां, जिन पर पूर्वजों के नाम उभरे हुए सुनहरे अक्षरों में अंकित हैं (rbarartfrg)

हरे रंग की पृष्ठभूमि के सामने। तीस फीट ऊँची दीवार पर एक टंगा हुआ था।

पोया के दादा का चित्र, एक बूढ़ा व्यक्ति जिसके सफेद घने बाल हैं

तेज, चमकदार आंखों के नीचे भौहें और थैले, और एक लंबा

सफेद दाढ़ी। यह चित्र दो अन्य बड़े चित्रों के ऊपर लटका हुआ था।

पोया के माता-पिता, तिजेन और सिल्वरस्क्रीन की तस्वीरें। एक स्क्रॉल

बगल में एक युवती की तस्वीर टंगी हुई थी।

चित्र में दिख रहे बूढ़े व्यक्ति की आँखों को देखकर मदीन ने कहा: "क्या यह तुम्हारा है?"

ग्रैंडफेदर?

“हाँ,” पोया ने बड़े गर्व से उत्तर दिया। “पड़ोसी ऐसा करते थे।”

उन्हें 'लाओसिएटगेन', 'बूढ़ा परी-पुरुष' कहो। वे एक महान व्यक्ति थे।

जब मैं बच्चा था तब वह गायब हो गया और तीर्थयात्रा पर चला गया। अगर आप

उसकी लंबी दाढ़ी के नीचे देखो, तुम्हें पता चलेगा कि उसने एक

भिक्षु का वस्त्र। उसने परिवार से कहा कि वे उसकी तलाश न करें, बल्कि...

वह दस साल बाद लौट आएगा। और वह लौट भी आया। जब मैं बीस साल का था,

और हम मेरी माँ की बीसवीं पुण्यतिथि मना रहे थे।

मृत्यु के बाद, वह अचानक एक भिक्षु के वेश में लौट आया।

आश्चर्य और हमारी खुशी! उनमें कुछ ऐसा था जो हमें

समझ नहीं पाया—कम से कम मैं तो तब तक नहीं समझ पाया जब तक मैं बड़ा नहीं हो गया।

वह मेरे प्रति दयालु था, फिर भी दूर-दूर रहता था। आप जानते हैं कि आप क्या नहीं जानते।

यह बात आपको रात भर जगाए रखती है। वह एक महान व्यक्ति थे।

मालिन आश्चर्य से सुन रही थी। फिर उसने वह हस्तलेख देखा और चली गई।

जल्दी से उस ओर।

“यह रेडजैडेल है,” उसने हैरानी से कहा। कमरे में अभी भी हल्की रोशनी थी।

ऊँची छत वाला हॉल, और स्क्रॉल चित्र जलरंग में बनाया गया था।

और बारीक रेखाएं। इसके बहुत करीब जाकर, मालिन ने एक लड़की को देखा,

प्राचीन मिंग पोशाक पहने और ऊँची मिंग टोपी लगाए हुए,

लाल रेलिंग वाले पुल पर खड़े होकर नीचे की ओर देखते हुए

?3

लाल और काले रंग की कुछ सुनहरी मछलियाँ पानी से भरे तालाब में तैर रही हैं।

फूल। उसके ऊपर एक रोता हुआ विलो वृक्ष था, जबकि पृष्ठभूमि में

वह धुंध के आभास के साथ एक सफेद खाली जगह थी, चौड़ाई दो या

दूर की पहाड़ियों की चोटियों को दर्शाने वाली स्याही की हल्की-हल्की बूंदें। लड़की इयाद

अंडाकार चेहरा, थोड़ी सिकुड़ी हुई भौहें, झुका हुआ सिर लिए हुए देख रहा है।

उसके एक हाथ में पतली लुढ़की हुई किताब थी, जबकि दूसरा हाथ था।

उसने अपने बाल छूने के लिए हाथ बढ़ाया। मौन खड़ी रही और काफी देर तक उसे देखती रही।

समय। जानबूझकर या अनजाने में वह पीछे की ओर झुक गई।

पोया ने कहा, “वह कितनी सुंदर है! उन्होंने एक स्क्रॉल क्यों चित्रित किया?”

उनकी तस्वीर को बड़ा करके इस्तेमाल करने के बजाय, उनका पोर्ट्रेट क्यों नहीं बनाया गया?

"वह मिंग राजवंश की ग्रंथों की बहुत बड़ी पाठक थीं," पोजा ने कहा।

मुझे याद है कि आंटी कोरल ने मुझे बताया था कि वह iii beds पढ़ा करती थीं।

जब वह बीमार थी, तब उसने बहुत कुछ सहा। जब उसकी मृत्यु हुई, तो मेरी चाची मुलान ने...

मोचो, कोरल और खुद अफेई, सभी इस बात पर सहमत थे कि एक सच्चा

चीनी स्क्रॉल अधिक उपयुक्त होगा। इसलिए हमने aa से पूछा।

कलाकार को उस प्राचीन वेशभूषा और पृष्ठभूमि के साथ इसे चित्रित

करना होगा।"

"वह टैन की बहन थी," मालिन ने कहा।

*‘हां, यह अविश्वसनीय है। वह मुझसे लगभग दस साल बड़ी थी।’

उसमें और उसके भाइयों में कितना फर्क है!

आप उनकी बहुत प्रशंसा करते हैं, है ना?

‘मैं करती हूँ। मुझे लगता है उसने रोमांस के लिए आत्महत्या की होगी।

बहुत चालाक।

"आप एक रोमांटिक परिवार हैं। इसीलिए रेडजाडक आपको आकर्षित करता है।"

लेकिन उसने और अफसी ने शादी क्यों नहीं की? उनके बीच प्यार था।

चचेरे भाई-बहन थे, है ना?” मालिन के बोलने का तरीका सीधा-सादा और बचकाना था।

पारिवारिक इतिहास में झांकना।

“एक गलतफहमी हो गई थी। पाओइफ़ान, जो अब मेरी चाची हैं, कैओई”

उनके बीच। लेकिन बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। जब यह सब हुआ तब मैं बहुत छोटी थी।

ऐसा हुआ। जब मैंने उसकी आत्महत्या के बारे में सुना तब मैं केवल नौ

साल की थी और यह

मुझे डर लग गया। तब से मैं इसे समझने की कोशिश कर रहा हूँ।

मैं खुद। मेरा परिवार मेरे लिए पहेलियों से भरा है। आंटी ग्रैल ने मुझे बताया।

मुझे उनके रोमांस के कुछ अंश याद थे, लेकिन जैसे-जैसे मैं बड़ी हुई, मैंने चीजों को पहले सोच-समझकर समझना शुरू कर दिया।

मुझे लगता है कि मेरे दादाजी को यह पसंद नहीं था, मुझे हमेशा से ऐसा ही लगता रहा है।

मुझे ऐसा महसूस होता था कि मेरे दादाजी किसी प्रकार की आत्मा के नियंत्रण में थे।

वह घर में बिना कुछ किए ही बैठा रहता था। वह बस यूं ही रहता था।

इस अदालत में विचार-विमर्श किया और चीजों को अपने आप घटित होने दिया।

तरीका। क्या यह अजीब नहीं है?

"आपकी दादी की कोई तस्वीर क्यों नहीं है?"

पोया के चेहरे के भाव बदल गए। "तुम्हें इसमें इतनी दिलचस्पी क्यों है?"

और पारिवारिक इतिहास?”

मुझे नहीं पता। मेरे लिए एक krge परिवार का होना बहुत ही दिलचस्प है।

काश मुझे आपके सभी चाचा-चाची और मामा-मामी की आधी कहानियां भी पता होतीं। ...

प्रेम कहानियां... विशेषकर पिछली पीढ़ियों की कहानियां जो

वे मर चुके हैं और चले गए हैं। हमारा युग इतनी तेजी से बदल रहा है।

मालिन की आवाज में उत्साह का स्वर था।

पोया ने मन ही मन तुलना करने से खुद को नहीं रोका।

मालिन और काइओन, जो वर्तमान में इतना अधिक जीते थे और

इससे संतुष्ट। “मुझे खुद भी पूरी कहानी नहीं पता। मेरा जन्म हुआ था...”

बहुत देर हो चुकी थी।" वह कुछ देर के लिए शांत हो गया और खुद को भूलकर जोर-जोर से बड़बड़ाने लगा।

"आपने मुझसे मेरी दादी के बारे में पूछा था। यह मेरे लिए एक दुखद घटना थी।"

मालिन ने हैरानी से पूछा, "एक त्रासदी?"

“आप वहां मेरी बेचारी मां की तस्वीर देख रहे हैं। उन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

आत्महत्या भी। मैं अनाथ थी; मेरी माँ की मृत्यु कुछ महीनों बाद हो गई।

मेरा जन्म हुआ था और मेरी माँ का निधन चार साल की उम्र में हो गया था। चाची क्यूटल

उन्होंने ही मेरा पालन-पोषण किया। मुझे नहीं लगता कि मैंने अपनी दादी का चेहरा इससे ज़्यादा कभी देखा हो।

अपनी मृत्यु से पहले के दस वर्षों में तीन से अधिक बार — उसी वर्ष

आंटी रेडजेड की मृत्यु हो गई। वह ज़रूर एक भयानक महिला रही होंगी।

मेरे पूरे बचपन में मैंने अपनी माँ को एक

भूत।"

"लोला ने मुझे यह बात कभी नहीं बताई," मालिन ने और भी उत्साहित होकर कहा।

पोया का चेहरा एकदम गंभीर हो गया था। “उसे ऐसा क्यों करना चाहिए? यह सब

यह बहुत पहले हुआ था। उसे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था, और मुझे भी नहीं।

मुझे संदेह है कि टैन को पता है या नहीं। ... मुझे खुद भी संदेह है कि मुझे पता है या नहीं।

जब मैं बड़ी हुई और मैंने आंटी कोरल से इसके बारे में पूछा, तो उन्होंने मुझे इसके कुछ अंश ही बताए थे।

मेरी माँ के बारे में... देखिए, मेरी माँ एक निजी व्यक्ति थीं।

मेरी नौकरानी मेरे पंख की सेवा कर रही थी, और वे एक दूसरे से प्यार करते थे... यह क्या है?

इसमें क्या गलत है? जब मेरे दादाजी दूर थे, तब या तो मेरा

दादी ने उसे भगा दिया, या वह गायब हो गई, जो भी हो।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता... जब मैं आया, और मेरी दादी

मुझे जबरन अगवा करके इस घर में लाया गया, जबकि

मैंने अपनी माँ को घर में प्रवेश करने से मना कर दिया. . . . फिर मेरा

मां ने फांसी लगा ली। हालांकि यह घटना काफी समय पहले घटी थी।

कुछ समय पहले तक, पोया के अपने बारे में बात करते समय गहरी भावनाओं के क्षण अभी भी मौजूद थे।

"तब वह बूढ़ा मूर्ख मेरी माँ के भूत से डरने लगा।"

उसे अंधेरे से डर लगता था और किसी को उसका साथ देना जरूरी था।

हर रात। ऐसा कहा जाता था कि मेरी माँ ने इस घर को श्राप दिया था और

उसने धमकी दी कि उसकी आत्मा मेरी दादी का पीछा करते हुए उनके घर तक आ जाएगी।

उसके जीवन का अंत। एक दिन वह एक जादूगरनी के पास गई और उसने सोचा कि वह

मैंने अपनी माँ की आत्मा से बात की थी। उसके बाद उसने अपनी शक्ति खो दी।

मुझे बोलने में डर लगता था और अंधेरे से भी डर लगता था। मुझे आने से मना किया गया था।

मेरी माँ के प्रति उसके भय और घृणा के कारण, वह अपनी दृष्टि के दायरे में कहीं भी आ सकती थी।

वह प्रभाव मुझ तक भी फैल गया था, मानो मैं भी एक भूत हूँ। कल्पना कीजिए कि वह

मेरे बचपन के साथ क्या हुआ...! लेकिन उस बूढ़ी औरत को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी।

मेरी माँ पर उसका अत्याचार। एक दिन— यह उसके सामने ही हुआ था।

रेडजेड के अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही थीं और चाची

कोरल दादी के कमरे में व्यस्त थी - मैं बिल्कुल अकेली रह गई थी और

अकेलापन महसूस हुआ और वह चाची दादी को ढूंढने चली गई।

उसने मुझे देखा और चिल्लाई: 'पोया मेरा दावा करने आई है'

आत्मा। इसे ले जाओ!' मुझे अपने पूरे बचपन में इतना बुरा कभी नहीं लगा था।

उस पल की तरह। मुझे उससे कितनी नफरत थी! खैर, उसने अपनी स्थिति सुधार ली।

मेरी उससे हुई लड़ाई के कारण उसकी बोलने की शक्ति चली गई, और फिर उसकी मृत्यु हो गई।

मुझे कितनी खुशी हुई जब उसकी मृत्यु हुई! उसके बाद ही, मेरे नौवें वर्ष में,

क्या मेरा जीवन सामान्य था? मैंने कसम खाई थी कि मैं अपने दादा-दादी की पूजा नहीं करूँगा।

मेरी माँ की आत्मा मुझमें है, और मुझमें नहीं। और मैंने कसम खाई थी कि मैं अपनी माँ की आत्मा को वापस लाऊँगी।

पूर्वजों के बीच माता का स्थान सुरक्षित रखें और उनका चित्र ऊँचा लटकाएँ।

बाकियों से ऊपर... वो रही।

पोया ने संयमित भावों के साथ बात की, और मालिन भी ऐसा ही प्रतीत हो रही थी।

उन्होंने उनकी कहानी की भावना और उनके प्रति उनकी गहरी श्रद्धा को पूरी तरह से व्यक्त किया।

माता-पिता। उसने सिल्वरस्क्रेकन की तस्वीर की ओर देखा, जो एक महिला थी।

बड़ी-बड़ी आँखों और चौड़े, बल्कि कामुक होंठों वाली, साटन की पोशाक में...

ऊँचा कॉलर। पोया चित्रों के सामने सीधे खड़ी हुई और झुक गई।

तीन बार, और उसने सहज रूप से अनुसरण किया। जब उसने ऐसा किया,

उसने पोया और उसके पिता के बीच जबरदस्त समानता देखी।

मेरे पिता, तिजेन का चित्र एक युवा व्यक्ति का था।

सुंदर, महत्वाकांक्षी चेहरा और ऊंची, सीधी नाक।

दोनों में काफी समानता थी, सिवाय इसके कि पिता ने एक छोटी सी पोशाक पहनी हुई थी।

मूंछें। चित्र में तिजेन भी विदेशी पोशाक में था, और अगर

अगर पोया ने मुस्तधे पहनी होती, तो उनकी शक्ल लगभग हूबहू होती।

पूरा।

“क्या तुम्हारा पंख सुंदर नहीं था?” मालिन ने कहा। “वह तो बहुत सुंदर दिखता है।”

बिल्कुल तुम्हारी तरह।

पोया ने उसकी ओर नीचे देखा और मुस्कुराते हुए कहा: "धन्यवाद।"

वह एक नेक और बहादुर युवक रहा होगा।

“उनकी मृत्यु कैसे हुई?”

“घोड़े पर सवार होकर गिरते हुए उसकी मृत्यु हो गई।”

“वह रोमांटिक था, है ना?”

“हां, मुझे लगता है कि वह था। आंटी ग्रैल ने मुझे कुछ नहीं बताया।”

मेरे पिता और मेरे बीच एक गहरा प्रेम संबंध रहा होगा।

माँ।"

मालिन अजीब तरह से भावुक हो गई। जब वे बाहर गए, तो वह खड़ी हो गई।

36

पोर्च पर, सोचते हुए, उसने अपने नाखून से इशारा किया, जबकि पोया ने ध्यान से ताला लगा दिया।

दरवाजा। उसके मल पर हलचल थी।

"अच्छा, अब आपको मेरे परिवार का इतिहास पता चल गया है, सब कुछ उसमें दर्ज है।"

बाहर की हवा और शरद ऋतु की साफ धूप ने उन्हें राहत की सांस लेने में मदद की।

वर्तमान विश्व का वातावरण पुनः।

“क्या आपको रेडजेड का चित्र पसंद आया?” उन्होंने आते ही पूछा।

संगमरमर की सीढ़ियों से नीचे।

“ओह, हाँ,” मालिन ने अपनी हमेशा वाली मुस्कान के साथ जवाब दिया।

तुम्हारे पिता और तुम्हारी माता के बारे में सोच रहा हूँ...

मुझे खेद है कि मैंने अपनी कहानी सुनाकर आपको परेशान किया। चलिए बदलाव लाते हैं।

"इस विषय पर चर्चा करो और यहाँ बैठ जाओ," पोया ने कहा।

उसने अपनी जेब से एक रुमाल निकाला और उसे फैला दिया।

प्लास्टर से बनी ऊँची फूलों की क्यारी।

मुझे बताओ तुम अपने नाखून क्यों चबाते हो?

मालिन मुस्कुराई। "ओह, मुझे नहीं पता। मैं बस हमेशा ऐसा ही करती हूँ।"

क्या इससे आपको सोचने में मदद मिलती है?

"शायद ऐसा होता है। यह मेरी एक आदत है।"

तुम किस बारे में सोच रहे हो?

“आपके परिवार के बारे में। आपका परिवार कितना सुंदर है, आपके लक्ष्य कितने खूबसूरत हैं।”

ऐसा बगीचा... रोमांस... आत्महत्या... बिल्कुल वैसा ही जैसा होना चाहिए

"सुदी में एक बड़ा, पुराना परिवार हो।" माल्म की आँखें नम थीं, जिसे पोया ने देखा।

मुझे बहुत बाद में समझ आया।

“समय बदल गया है,” पोया ने आह भरते हुए कहा। “मैं ही हूँ...”

सबसे बड़ा पोता। यह बगीचा अब लगभग वीरान पड़ा है। मेरा

मेरे चाचा-चाची सब दक्षिण चले गए हैं। ... मैं रहूंगा

हालात भी बिगड़ रहे हैं... युद्ध चल रहा है। आगे क्या होगा?

यह बगीचा?

मफ्टलिन सोच में डूबी हुई लग रही थी। उसकी उपस्थिति ने पोया को असमंजस में डाल दिया।

उन चीजों के बारे में बात करने का मूड जिनके बारे में वह बात नहीं करता था -

अपनी पत्नी या लोला की उपस्थिति के बारे में मालिन को समझ आ गया था।

“शांति के वे दिन कभी वापस नहीं आएंगे। *एक खूबसूरत सुबह।”

"एक सुंदर जगह और दिन बिताने के लिए एक अच्छा समय," उन्होंने कहा,

दोपहर।

अनदेखे पेओनी फूलों से सजी क्यारी की ओर देखते हुए, मालिन

कहा: *ऐसा लगता है जैसे हम ‘सफेद बालों वाले महल’ का एक समूह थे

नौकरानियाँ, ह्सुआनचुंग के अच्छे पुराने दिनों के बारे में बातें कर रही थीं।

यह कवि युआन चेन का एक उद्धरण था, और पोया थी।

हालांकि यह पंक्ति काफी प्रसिद्ध थी, फिर भी मुझे आश्चर्य हुआ।

“ठीक है, आप युआन का हवाला देते हैं, और मैं तुनप का हवाला देता हूँ,” पोया ने कहा।

शरद ऋतु की धूप मालिन के सुंदर बालों पर पड़ रही थी। वे दोनों अकेले थे।

पत्थर के आंगन में। वह इस विचार को अपने मन से नहीं निकाल पा रहा था।

मालिन का छिपा हुआ रहस्य, फिर भी, यहाँ बैठी हुई, उसकी जवानी और ताजगी

वे बातें वास्तविक और आश्वस्त करने वाली थीं। लगभग अनजाने में ही, उन्होंने दोहराया:

“पुराने देश की नदियाँ और पहाड़ियाँ अभी भी मौजूद हैं; यह वसंत ऋतु का अंतिम चरण है।”

और वनस्पति गहरे हरे रंग की है।’ . . . पुरानी पीढ़ी है

चले गए... युवा पीढ़ी हैं।" पोया ने गलती से कहा।

उन्होंने "हम" शब्द का प्रयोग किया, जो उनके बोलने के तरीके से प्रतीत होता था कि

मदीन को शामिल करो। उसने ऊपर देखा। यह किसी दृश्य की शुरुआत जैसा था।

इश्क़ वाला।

“हम ही क्यों?” उसने खुशी से पूछा।

पोया ने खुद को थोड़ा संयमित रखा। वह माहौल खराब नहीं करना चाहता था।

क्षण भर के लिए। फिर भी उन्होंने कहा: "हम जवान हैं, जैसे मेरे चाचा-चाची और मामा-मामी।"

हम भी कभी जवान थे। क्या आपको विश्वास नहीं होता कि हमारे बीच प्यार और रोमांस भी था?

सौ साल पहले इसी बगीचे में, मैनचट के बीच

राजकुमार और राजकुमारियाँ? समय से कोई फर्क नहीं पड़ता... मैलिन

वह चुपचाप सुनता रहा और वह बोलता रहा। “हर पीढ़ी की अपनी-अपनी पीढ़ी होती है।”

कहानी, उसका प्यार, उसका रोमांस और उसके झगड़े... केवल

बगीचा, पेड़ और पक्षी नहीं बदलते... मैलिन, टी!^

बगीचा प्यार के लिए बना है. . . . क्या आपको ऐसा नहीं लगता. . . ? VC'Iiy ate

हम दोनों यहाँ हैं?

वह रुका और हिलिन की आँखों में गहराई से देखा, और अपना

एटीएम एयरडीएमसीएल उसके छोटे-छोटे कांप रहे थे। उसका शरीर कांप रहा था।

“तुम्हारी पत्नी के बारे में क्या?” उसने अत्यंत कोमल स्वर में पूछा।

"उसके बारे में बात क्यों करें?"

"वह तुम्हारी पत्नी है।"

- “मुझे उसकी कभी परवाह नहीं रही।” उसके बगल में बैठे हुए, वह झुक गया।

उसने उसके मल को छुआ और उसके गालों की सुगंध सूंघी, और वह

उसने उसे अनुमति दी। यह अजीब था, फिर भी प्रकृति का नियम था कि स्त्री

उन्हें प्रलोभक की भूमिका निभाते हुए प्रलोभित व्यक्ति का रूप धारण करना चाहिए।

चाहे मालिन ने शर्म के मारे या किसी और कारण से खुद को ढँक लिया हो।

नारी सहज प्रवृत्ति के कारण, उसके छोटे शरीर ने हावभाव से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

या उसके ऊपर झुकते समय कोई हलचल हुई, लेकिन वह स्थिर बैठा रहा, पालतू जानवरों की तरह।

वह इस तरह से खुश थी जिससे पता चलता था कि वह प्यार पाना चाहती थी।

"अपने बारे में कुछ बताओ," पोया ने फुसफुसाते हुए कहा।

मेरे अंदर तुम्हारे जैसी उग्रता नहीं है। यह किसी के लिए भी दिलचस्प नहीं है, सिवाय

खुद।"

"आप अद्भुत हैं। शायद आपका परिवार इतना दिलचस्प नहीं है।"

लेकिन मुझे आपमें दिलचस्पी है। मुझे कुछ बताइए।

“वास्तव में बताने लायक कुछ नहीं है,” मालिन ने जवाब दिया। उसने

देखा

ध्यान से पोया के शब्दों में। "तुम नाराज़ तो नहीं हो?"

38

"नहीं, ऐसा नहीं है। मुझे आपको वैसे ही जानकर खुशी है जैसे आप हैं।"

“क्या हम चलें?” उसने अपनी सीट से उठते हुए कहा।

पोया उसे आंगन से बाहर ले गई और उनके पीछे गेट बंद कर दिया।

वह उसे उसके दरबार तक वापस ले गया और अपने कमरे में लौट गया।

अध्याय m

कैनान सुबह साढ़े बजे अपनी ड्रेसर पर बैठी अपने बालों को कर्ल कर रही थी।

दोपहर के दो बज रहे थे। किसी न किसी तरह वह अपने बालों से नाराज़ थी।

समस्या यह थी कि उसका चेहरा लंबा और चेहरे की बनावट चौड़ी थी,

प्यारी, काली भौहें और बड़ी-बड़ी आंखें। उसने अपने बाल छोटे रखे हुए थे।

अपने बालों को सीधा पीछे की ओर कंघी करते हुए, हफ़ाइन ने अपने बालों को लंबे घुंघराले स्टाइल में नीचे की ओर रखा था।

कंधे मर जाते हैं, और, मालिन के छोटे, गोल फुटसी के विपरीत, यह था

काइओन ने अपने बालों को सिर के पीछे फैलाने की कोशिश की लेकिन वह प्रभावी नहीं थी।

ऐसा प्रतीत होता था कि इससे उसके मल का आकार ही स्पष्ट हो जाता था। अगर पोया ने ध्यान दिया होता तो...

उन्होंने उसे सलाह दी थी और उसे कुछ चुनिंदा चीजों से ही इसे व्यवस्थित करना सिखाया था।

अगर उसके कानों के पीछे घुंघराले बाल होते, तो यह उपयुक्त होता। लेकिन पोया

उसे परवाह नहीं थी, और वह शिष्टाचार से परिचित नहीं थी।

लोला और मालिन जैसी स्त्री-सुलभ आकृतियों वाली लड़कियों को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें।

वह पूरे आकार के दर्पण के सामने खड़ी हुई और अपनी सामान्य लंबाई से अधिक लंबी प्रतीत हुई।

कभी।

पोया वापस लौटी, अभी भी मालिन के बारे में सोच रही थी और सोच रही थी कि क्या करे।

उसका क्या करें। उसे अपनी पत्नी के प्रति एक अजीब तरह का अपराधबोध था।

जो उनके पास तब नहीं था जब वे एक यात्रा से लौट रहे थे।

पाटा हुतुंग जिले की महिलाओं के प्रति यह एक अजीब सी भावना थी।

उसने मालिन को पैतृक वस्तु दिखाने के अलावा और कोई अपराध नहीं किया था।

हॉल में और एचएफटी के साथ हल्के-फुल्के अंदाज़ में छेड़छाड़ करने के लिए; फिर भी उसने अपने विचारों में यह तय कर लिया था

उसके प्रति उसका प्रेम, और ऐसा लग रहा था मानो उसने सचमुच प्रेम किया हो।

मालिन के प्रति उनका मोह स्वयं उनके लिए भी आश्चर्य का कारण था।

“तुम लौट आए हो,” कैनान ने कहा, जिसमें एक संकेत छिपा था।

खुशी से भरी मुस्कान।

“हां, मालिन रेडजाडक का चित्र देखना चाहती थी। वह

काफी प्रभावित हुआ।

कैनान ने अपनी कंघी नीचे फेंक दी और एक (बालों को लेते हुए) की ओर चली गई।

पत्रिका को न पढ़ने के लिए उसे ढक देना। क्या आपको लगता है कि वह सचमुच

हमारी फैमिली में इतनी दिलचस्पी क्यों? वह न तो आंतरिक है और न ही

बाह्य रिश्तेदार।"

§9

मुझे कैसे पता? मुझे लगता है आंटी लोला ने उसे रेडजाडक के बारे में बताया था।

वह रोमांस चाहती थी और खुद देखना चाहती थी।

"आखिर वो है कौन?"

मुझे नहीं पता। वह लोला की मेहमान है। मुझे बस उसका नाम पता है और...

उपनाम।"

वह यहां कितने दिन तक रहेगी?

मुझे नहीं पता। वह शंघाई जाने का इंतजार कर रही है।

वे हमारे साथ आ सकते हैं।

कैनान ने पोया की ओर देखा। "क्या तुम्हें लगता है कि वह उतनी ही असहाय है जितनी...?"

इतना सब? एक लड़की जिसका कोई परिवार नहीं होता, वह आमतौर पर अपना ख्याल रख सकती है।

खुद को।

"आपको कैसे पता कि उसका कोई परिवार नहीं है?"

"उसका परिवार है या नहीं, इससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है," उसने कहा।

कुछ दबी हुई भावनाओं के साथ कैनान ने कहा, "लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है।"

किसी का आतिथ्य सत्कार। हम दक्षिण की ओर जा रहे हैं, और खाना खाने के बाद वह चली गई।

लोला जब तक चाहे इस बगीचे में उसके साथ रह सकती है। लेकिन मैं नहीं रहूँगा।

उस महिला के साथ एक ही कंपनी में यात्रा न करें।

पोया भड़क उठी। "तुम नहीं करोगे? हम करोगे, मैं करूँगी।"

पोया एक सख्त पति था। कैनान आसानी से उसके सामने झुकने वाला नहीं था।

कोई और व्यक्ति, लेकिन पोया ने उसके साथ सस्ता व्यवहार किया था और वह ऐसा लग रहा था

वह उसके सामने बेबस थी। वह चाहती थी कि वह उसे मारे, ताकि

वह उस पर आरोप लगा सकती थी, लेकिन उसने अविचलित रुख बनाए रखा।

वह शीतलता जो और भी ज्यादा परेशान करने वाली थी।

कैनान उठा और स्पष्ट घृणा के साथ कमरे से बाहर चला गया। पोआ के पास

वह दयालुता दिखाने के इरादे से लौटा, क्योंकि उसे स्वयं अपराधबोध था और

उसे विश्वास था कि वह जल्द ही मुक्त हो जाएगा। लेकिन कैनान के शब्दों ने उसे चिढ़ा दिया था।

उसने अपने रूखे और वरिष्ठ अधिकारी से बात की थी।

कैनान एक युवा पत्नी के मूड में थी, जो तीन या

शादी के चार साल बाद, उसे पता चलता है कि उसकी शादी नाकाम हो गई है।

पोया के साथ विवाह को एक बड़ी जीत के रूप में स्वीकार किया गया था।

पेकिंग नेशनल यूनिवर्सिटी में उसकी सहेलियाँ, जहाँ पोया पढ़ती थी

और उसने पढ़ाई की थी। पोप ने अपने क्षेत्र में कोई उत्कृष्ट प्रदर्शन नहीं किया था।

कक्षा कार्य। उन्होंने पहले दो साल त्सिंगवा में पढ़ाई की थी।

पश्चिमी उपनगरों में स्थित उमवर्सिटी ने बाद में अपना मन बदल लिया और

पेकिंग नेशनल यूनिवर्सिटी, जिसे पीसीटा भी कहा जाता था, से अपनी पढ़ाई पूरी की।

पेइता के छात्र अपेक्षाकृत गरीब थे और आम तौर पर

उनमें से कुछ पहले से ही शिक्षक या प्रधानाचार्य रह चुके थे, इसलिए वे उम्र में बड़े थे।

देश के स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं ने शादी कर ली थी और उनके बच्चे भी थे।

राजकुमार के बगीचे की मालकिन का पोता, युवा और

सुंदर और सहज आत्मविश्वास से भरपूर, पोया बाकी लोगों से अलग दिखता था।

40

छात्रों ने इसे एक पुरस्कार माना और लड़कियों ने इसे एक इनाम समझा। कैनान के पास था।

वह बास्केटबॉल टीम में थी, और उसके आकर्षक शरीर ने कई लोगों को आकर्षित किया था।

पोया। संक्षिप्त प्रेम प्रसंग के बाद उन्होंने शादी कर ली थी।

सेमेस्टर। पोया कई कारणों से उसकी ओर आकर्षित हुई: पहला,

क्योंकि उस समय उनका आदर्श एक लंबी, स्वस्थ महिला थी।

वह स्वयं लंबा था; दूसरा, क्योंकि कैनान बिल्कुल भी प्रतिभाशाली नहीं था।

वह अपनी कक्षा में अच्छा काम करती थी, समलैंगिक और मिलनसार थी और कई गतिविधियों में भाग लेती थी।

गतिविधियाँ; तीसरा कारण यह था कि उनके नाम 'टीकैनन' का अर्थ "शीर्षक" था।

एनएमएलई सेक्स, जिसमें एक नारीवादी चुनौती शामिल थी, और इसमें

पोया को यह बात अच्छी लगी। वह ऐसी पत्नी चाहता था जो उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर सके।

उसके कंधे पर हाथ रखकर चलना; यह उसके युवावस्था के आदर्शवाद का

हिस्सा था, और

सही मनोवैज्ञानिक क्षण में आकर, कैनान ने उसे मूर्त रूप दिया।

उसके लिए आदर्श। अंततः, मुख्य कारण यह था कि कैनान, उसके साथ

व्यावहारिक प्रवृत्ति के कारण, उसने पोया को उतना ही रिझाया जितना कि उसे।

प्रेम प्रसंग के दौरान, वह जोशीली और निडर थी, जिसे उसने एक सकारात्मक पहलू के रूप में लिया।

यह उसकी सच्ची आधुनिकता का प्रतीक था। और इसलिए उसने उसे शादी का प्रस्ताव दिया और उसने

उन्होंने कई अन्य दूल्हों के बजाय उन्हें स्वीकार कर लिया। यह एक आसान फैसला था।

उसकी सहेलियाँ कह रही थीं कि उसे "सोने की खान मिल गई है।"

उस समय, पोया के दादा, बूढ़े याओ, अभी भी जीवित थे, और जब

पोया ने उससे पूछा, उसने कहा: 'मैं सहमत नहीं हूँ। वह एक मजबूत महिला है।'

स्वस्थ लड़की। बड़े कूल्हे मतलब कई बच्चे - मजबूत, स्वस्थ

बच्चों। हमारी नस्ल मजबूत होनी चाहिए। आप पश्चिमी क्षेत्र को देखते हैं।

इन देशों की महिलाएं कितनी मजबूत, स्वस्थ और जोशीली हैं?

ओल्ड याओ की भविष्यवाणियों के बावजूद, कोई संतान नहीं हुई।

कुछ महीनों बाद, पति-पत्नी दोनों को पता चला कि दूसरा व्यक्ति

वह बहुत गुस्सैल स्वभाव की थी, और हमेशा की तरह उस महिला ने अपने से अधिक समर्पण दिखाया।

अपने महामहिम की मृत्यु के बाद, पोया जापानी सेना का शिकार हो गया।

हेरोइन के सेवन से वह बहुत दुबला हो गया था। कैनान ने उसकी अच्छी देखभाल की, और

कुछ समय के लिए पोया फिर से अपनी पत्नी के प्रति कोमल भाव दिखाने लगा। लगभग

अदृश्य रूप से, जब वह ठीक हो गया तो वह फिर से शांत हो गया। कैनान ऐसा नहीं कर सका।

वह क्यों असंतुष्ट था, यह समझना मुश्किल था। उसने और अधिक भुगतान करने की कोशिश की।

उसके पहनावे पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पोया और भी अधिक दूर प्रतीत होने लगा।

वह अपने कई दोस्तों के साथ बाहर गया और उसने शराब पी और

उन्हें एक मशहूर अभिनेत्री ओयुन से प्यार हो गया। काईनान ने यह बात कही।

इसे एक अमीर आदमी के बेटे का स्वाभाविक तरीका माना जाता है। आमतौर पर जब वह

जब वह लौटा, तो उसके मुंह से शराब की गंध आ रही थी। वह ताश, जोंग और खेल का माहिर था।

उंगली से अनुमान लगाने वाले खेल की तुलना में, उसके पास अधिक रोमांटिक रोमांच थे।

उसने अपनी पत्नी को बताने की परवाह की। उसने महिलाओं के जिले का दौरा किया।

वह पुराने विद्वानों की संगति में रहता था, और जब उसे सम्मान मिलता था, तो वह बात नहीं करता था।

बहुत कुछ, लेकिन उनकी दादी की कला, कविता और एकत्रित रचनाएँ।

41

फेतेई के पुस्तकालय में, सुबह के छोटे घंटों तक। अपनी उग्रता में

घंटों तक वह कु येनवु की उत्कृष्ट कृति में लीन रहा।

ऐतिहासिक भूगोल (Tienhsh Chunkm UpingSbu) 1 20 खंडों में।

यह पेकिंग भूवैज्ञानिक परिषद के प्रमुख के प्रभाव के कारण था।

सरे, जिसके साथ वह अपने कार्यकाल के बाद दो साल तक जुड़े रहे।

स्नातक समारोह। प्रधानाध्यापक एक अंग्रेजी-शिक्षित भूविज्ञानी थे और एक

प्रतिभाशाली विद्वान, और उन्होंने आधुनिक हथियारों को आश्चर्यजनक रूप से बनाया था।

वॉरक्राफ्ट उसका शौक था। उसके प्रभाव में, पोया एक कुशल योद्धा के रूप में विकसित हुआ।

उन्होंने स्वयं को "रणनीतिज्ञ" कहा और ऐतिहासिक अध्ययन किया।

चुनाव प्रचार में भाग लिया, लेकिन आर्थिक रूप से संपन्न होने के कारण कभी प्रकाशन की आवश्यकता नहीं पड़ी।

पत्रिकाओं में उनके लेख। बहुमुखी प्रतिभा के धनी होने के कारण, उन्होंने अभिनय भी किया।

मैंने पियानो बजाना सीखा और कई धुनें कंठस्थ कर लीं।

कैनान ने समाज की संभ्रांत महिला का जीवन अपना लिया था,

अपने पति के स्नेह की हानि की भरपाई करने के लिए वह अपनी ओर से पार्टियाँ आयोजित करती थी।

और उसने अपनी शादी से मिली संपत्ति का आनंद लेना जारी रखा।

धनी याओ परिवार ने उसे यह दिया था। लगभग इसी समय की बात है।

पोया बेहद निर्दयी और निराशावादी हो गई और उसने अपनी सहेलियों से कई कठोर बातें कहीं।

“तुम और तुम्हारे ये घिनौने गहने और तुम्हारे ये घमंडी दोस्त।”

आपके नारीवाद और महिलाओं के अधिकारों के बारे में क्या?

पुरुष यौन संबंध” लेकिन कैनान उस बिंदु पर पहुँच चुकी थी जहाँ वह ऐसा कर सकती थी

उसने उसके ताने-बाज़ियों की ज़्यादा परवाह नहीं की और मुस्कुराती रही।

धनी महिला मित्रों के प्रति सचेत रहते हुए, उसने त्याग दिया था।

वह मैनीक्योर के लिए खेलकूद करती थी, और अपने दांतों को सफेद करने में बहुत रुचि रखती थी।

अपनी त्वचा का रंग निखारने और उसे मुलायम बनाने में वह सफल रही।

बीजिंग के पतन के बाद ही, हाल ही में, उसे यह महसूस होने लगा था कि

कैद की उदासी और ऊब। अब और कुछ नहीं बचा था।

पार्टियाँ और उसके अधिकांश दोस्त शहर छोड़कर चले गए थे। Tlxeit बिल्ली के पास

दादाजी फेंग के गुस्से भरे लहजे में कहा गया कि उन्हें "अधिकारियों" द्वारा ले जाया गया है।

इसीलिए वह पोया से उसे ले जाने के लिए कह रही थी।

शंघाई।

लेकिन पोया अच्छी तरह समझ सकती थी कि वह अपने काम से असंतुष्ट क्यों था।

पत्नी। उसने पाया कि, पहली बार, उसके बुद्धिमान दादा इक्सद

गलत। कैनान ने न केवल कोई संतान पैदा नहीं की, बल्कि उसका पूरा

मजबूत व्यक्तित्व वाली महिला से विवाह करने की वांछनीयता का सिद्धांत

शारीरिक संरचना बिखर गई। उसने पाया कि एक महिला एथलीट जो

कॉलेज के खेल के मैदान में जिसने उसे आकर्षित किया, वह एक अच्छी पत्नी नहीं साबित हुई।

और साथी। वह अच्छी रसोइया या गृहस्थी भी नहीं थी।

क्योंकि उनकी कॉलेज शिक्षा में इसकी व्यवस्था नहीं थी। पोया एक्सएम

punctUbus ने अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति और अपने छात्र होने के बारे में बात की, लेकिन

कैनान अव्यवस्थित थी और अपना सामान इधर-उधर फेंकती रहती थी; वह कोई ध्यान नहीं देती थी।

4 ए

प्राचीन वस्तुओं और कला खजानों के प्रति उसके मन में जरा सी भी

भावना नहीं थी।

उन्हें बहुत स्नेह था। जब उन्होंने अन्य महिलाओं को जानना शुरू किया

पाटा हुतुंग जिला अपने सौम्य, शांत और सुसंस्कृत आकर्षण के लिए जाना जाता है।

उसने अपने नारीवादी आदर्श को बदलना शुरू कर दिया। कैनान का मांसल शरीर

अब उसे खेल से घृणा होने लगी। अब वह मानता था कि खेल उसके लिए हानिकारक है।

महिलाओं के लिए, क्योंकि इससे उनसे स्त्रीत्व का कुछ अंश छीन लिया गया था।

शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से। इसने महिला की मांसपेशियों को मजबूत किया।

उसकी आवाज कर्कश हो गई, और उसे ऐसा लगा जैसे उसकी सारी हिम्मत खत्म हो गई हो।

अंत ने उसके दिमाग को सुन्न कर दिया। दिमाग और शरीर दोनों ही प्रतीत होते थे।

इन्हें एक साथ आकार दिया जाना था, और एक नाजुक मन इसमें नहीं रह सकता था।

अभद्र शरीर। यह धारणा उनके व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित थी।

पाटा हुतुंग में निम्न वर्ग की महिलाओं के साथ अनुभव

यह जिला, जहां आतिथ्य सत्कार और प्रेम-प्रसंग के सुस्थापित नियम प्रचलित हैं।

उन्होंने परिष्कार और शालीनता को सर्वोपरि नियम बना दिया। अपनी घृणा में

अपनी पत्नी के प्रति घृणा के कारण, वह सभी लंबी महिलाओं से नफरत

करने लगा और छोटी महिलाओं को पसंद करने लगा।

नाजुक जीव।

पाटा हुतुंग जिले में अक्सर इसकी आवश्यकता नहीं होती थी।

पति-पत्नी के बीच झगड़े की संभावना तो बढ़ गई, लेकिन इससे यह भी अनावश्यक हो गया कि...

उन्हें सुलह करने के लिए। पोया ने वहां उनकी यात्राओं का समर्थन नहीं किया और न ही उन्हें माफ किया।

उसने स्वयं ही स्वीकार कर लिया कि वह और उसकी पत्नी विद्रोह कर रहे थे।

वे एक दूसरे के लिए ही बने थे। उनके उत्तम स्वभाव और उनकी संस्कृति ने उन्हें ऐसा बनाया।

एक आदर्श स्त्री और तन-मन के मिलन की मांग। यह इसके लिए था।

उसे सहज ज्ञान से प्रेरित किया। वह अच्छे लोगों की श्रेणी में नहीं आता था।

पति ■ घटिया चीज़ों को स्वीकार करने और सहन करने के लिए तैयार रहते हैं

किसी महिला से सिर्फ इसलिए शादी न करना क्योंकि उसने पहले ही उससे शादी कर ली थी।

उसके बाहरी मामलों ने अनिवार्य रूप से शुद्ध स्रोत को दूषित कर दिया।

वैवाहिक प्रेम, क्योंकि उन्होंने स्त्री के प्रति उसके प्रेम को समाप्त कर दिया था — ^

ऊर्जा का भंडार जो निरंतर एक खुशहाल जीवन को पोषित करता है

विवाह। _ _ . ^

इसके साथ ही (नारीत्व के उनके आदर्श में आए बदलाव के साथ) एक परिवर्तन भी आया।

उसकी पत्नी का चरित्र। जैसे ही कैनान ने नई व्यवस्था को स्वीकार किया,

तलाक का जोखिम न उठाने की अनिच्छा के कारण, पोया ने एक परिवर्तन भी देखा।

उसके चरित्र ने उसकी कॉलेज शिक्षा को झूठा साबित कर दिया।

शादी के पहले साल में उसने किसी का पीछा करने का नाटक किया था।

उनकी किताबों और राजनीति पर होने वाली चर्चाओं के बारे में। अब उसने सब कुछ त्याग दिया।

मैं कुछ सचित्र और फिल्मी पत्रिकाएँ पढ़ रहा था, और था

वह अपने सामाजिक जीवन से निडर और पूरी तरह संतुष्ट थी।

अपनी स्थिति और अपने गहनों को प्रदर्शित करने का मौका पाने के लिए, और अपने बगीचे को दिखाने के लिए।

उसके मेहमानों के बारे में, '^एन पोया ने उसके नारीवादी नाम के बारे में सोचा, वह हँस पड़ा

और उनकी नापसंदगी तिरस्कार में बदल गई। बहुत संतुलित व्यक्ति होने के कारण

हिंसा का प्रयोग करते हुए, उन्होंने सामान्यतः एक निंदक और असभ्य रवैया बनाए रखा, जो कि

उनकी टिप्पणियों में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई और जो और भी ज्यादा परेशान करने वाली थी।

अपनी बेचैनी में, उन्हें एक और आश्रय भी मिल गया। प्रभाव

पेइता की छाप उन पर अमिट रूप से अंकित थी और इसका उनसे बहुत कुछ लेना-देना था।

उसका मानसिक विकास। उसने चीनी साहित्य का अध्ययन किया था।

सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसरों में से एक। पीटा में अभी भी राष्ट्रीय स्तर के कुछ प्रतिभाशाली प्रोफेसर मौजूद थे।

इसके संकाय में जाने-माने विद्वान हैं और यहाँ का पुस्तकालय सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है। लेकिन

यह उदारवाद का व्यापक, अवर्णनीय वातावरण था और

शैक्षणिक स्वतंत्रता जिसने उनके मस्तिष्क को विकसित होने और अपनी इच्छाओं का अनुसरण करने की अनुमति दी

अपनी रुचि के अनुसार। छात्र कुछ छात्रावासों में और कुछ अन्य स्थानों पर रहते थे।

उन्होंने सार्वजनिक छात्रावासों में रहकर एक समृद्ध, विविध और स्वतंत्र जीवन व्यतीत किया।

कई संगठन थे, जिनमें से कुछ साहित्यिक थे और कुछ हास्यप्रद।

राजनीतिक, और कई प्रकाशन जिनमें छात्र और दोनों शामिल हैं

प्रोफेसरों ने अपने लेख प्रकाशित किए। इन चर्चाओं में

कभी-कभी पत्रिकाएँ कक्षा में ले जाई जाती थीं।

मोम से पहले के वर्षों में, जब पेइपिंग एक के अधीन रह रही थी

लगातार बढ़ते जापानी अतिक्रमणों की छाया और

ओहार-होपेई राजनीतिक परिषद की स्थापना एक अर्ध-

जापान और के बीच सीधे संघर्ष को रोकने के लिए स्वायत्त शासन

केंद्र सरकार के अलावा, राष्ट्रीय राजनीति ने स्वाभाविक रूप से अधिक स्थान ले लिया था।

छात्रों के मन में सबसे ऊपर पोया को जाना बहुत पसंद था।

कोल हिल के पूर्व में स्थित माशेनमियाओ परिसर में गरमागरम वातावरण की आवाजें सुनाई देती हैं।

राजनीति पर चर्चा; इसमें रूढ़िवादी और कट्टरपंथी दोनों शामिल थे।

प्रमुखों में वे लोग शामिल थे जो तत्काल युद्ध के पक्षधर थे और वे लोग जो

समय लेकर खेलने की नीति का स्वागत किया गया, जबकि कुछ लोगों को इस पर संदेह था।

चियांग काइशेक युद्ध की तैयारी कर रहा था और कुछ लोग जो...

उन्हें पूरा विश्वास था कि च्यांग ही एकमात्र ऐसे नेता थे जो चीन का नेतृत्व कर सकते थे।

इन कठिन समयों के दौरान। एक और भी बड़ा मुद्दा था।

कुओमिन्तांग और कम्युनिस्टों के बीच, और उनके बीच

कुओमिन्तांग समर्थकों के लिए मुद्दा फिर से उन लोगों के बीच था जो

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण में विश्वास रखने वाले और जो लोग इसमें विश्वास रखते थे

मजबूत केंद्रीकरण में। बाद वाले को वामपंथियों द्वारा इस प्रकार नाम दिया गया था:

“फासीवादी।” दक्षिणपंथी और

युद्ध से पहले वामपंथी छात्रों का मानना था कि ‘*जली हुई धरती की नीति*’

पोया की अपनी युद्ध रणनीति का सावधानीपूर्वक परीक्षण और विश्लेषण किया गया।

सबसे पहले इसने आकार लिया।

Po3ˆ किसी भी पार्टी में शामिल नहीं हुआ, लेकिन उसने एक तीव्र भावना को जन्म दिया।

जैसे-जैसे युद्ध आगे बढ़ा, चियांग काइशेक के प्रति प्रशंसा बढ़ती गई।

मूर्तिपूजा में बदल गया। उसकी आध्यात्मिक शक्तियों ने उसे यह देखने में सक्षम बनाया।

कई चीजें वर्षों आगे की होती हैं और उन विवरणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है जो पहले से ही मौजूद थे।

sfflallet tninds. उन्होंने कियांग के बारे में सारी जानकारी एकत्र की।

कैशेक ने उसका अवलोकन, अध्ययन और विश्लेषण किया। उसने उसका अनुसरण किया।

चियांग की उपलब्धियाँ गृहयुद्धों के काल से संबंधित हैं, जिनमें उन्होंने भाग लिया था।

उन्होंने अच्छी तरह से स्थापित लोगों को तितर-बितर कर दिया, उन्हें मात दी और उनसे बेहतर लड़ाई लड़ी।

सैन्यवादियों से लेकर राष्ट्रीय एकीकरण और पुनर्निर्माण के काल तक,

और विदेशी आक्रमण के खिलाफ इस युद्ध तक। और उसने शुरुआत की।

पुरानी संस्कृति और शास्त्रीय परंपरा के प्रभाव को देखने के लिए

चियांग। पोया मूलतः एक विश्लेषणात्मक और ऐतिहासिक मानसिकता वाले व्यक्ति थे।

और वह, कई इतिहासकारों की तरह, एक महान नायक से मोहित थे।

विकास के एक पूरे कालखंड पर प्रभुत्व जमाते हुए। इसलिए उन्होंने हर चीज पढ़ी-

चियांग ने अब तक जो कुछ भी प्रकाशित किया था, और जितना अधिक उन्होंने इसका अध्ययन किया,

समकालीन इतिहास का निर्माण हो रहा है, कद जितना ऊंचा होगा

उसके मन में रियांग का विचार पनपने लगा। उसने कभी कुओमिन्तांग में शामिल नहीं हुआ।

किसी भी तरह की गतिविधि से अरुचि होना — या यूं कहें कि उसकी कोई आवश्यकता न होना

पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उसने यह कदम उठाया — लेकिन उसने अपना मन नहीं बदला।

जैसे दर्पण में बढ़ती कद-काठी और गतिविधियों को प्रतिबिंबित करना।

उनका हीरो। और चूंकि वह एक कलात्मक दिमाग वाले व्यक्ति भी थे, इसलिए उन्होंने अपनी रचनाओं में रंग भरे।

व्याख्यात्मक टिप्पणी के साथ अवलोकन, और उनके पास एक दृष्टि थी

चियांग (जिसे उसने कभी नहीं देखा था) जो सुंदरता में बढ़ती गई और

दृढ़ता, लगभग उसी तरह जैसे मिट्टी की प्रतिमा शक्ति और सुंदरता में बढ़ती जाती है।

एक महान मूर्तिकार की उंगलियां।

इस प्रकार प्रेम और राजनीति के बीच, पोया को व्यस्त रखने के लिए बहुत कुछ मिल गया।

अपना समय, अपनी पत्नी से पूरी तरह अलग। उसका बेचैन मन डोलता रहता था।

महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता और एक ठंडे, विशुद्ध बौद्धिक दृष्टिकोण के बीच

राजनीति में रुचि रखते थे, और दोनों एक दूसरे के पूरक प्रतीत होते थे।

एक और। उसे व्यवस्था पसंद थी और उसने अपने जीवन में सुखी विवाह देखे थे।

घर, उसके चाचा अफेई का घर पाओफेन के साथ, और उसकी चाची के घर

मुलान और मोचो, और ये छापें हमेशा बनी रहीं

उसके मन के भीतर। मालिन के प्रति उसका मोह उसके मन में घर कर गया था।

असाधारण, और वह सोच रहा था कि वहाँ होना कैसा होगा।

अपनी पत्नी से प्रेम करना।

आज दोपहर मालिन के साथ हुई मुलाकात से वह खुश हो गया था।

वह जानता था कि अपने परिवार को छोड़ने के बारे में गंभीरता से सोचना स्वार्थपूर्ण था।

पत्नी, लेकिन उसके संशयवाद ने उसे यह विश्वास दिला दिया कि स्वार्थ ही सबसे बड़ा कारण है।

सभी हतुनान कार्यों की प्रेरक शक्ति यही है।

उस रात वह अपने वादे के मुताबिक मालिन से मिलने गया और

त्सिएन के साथ उसकी दोस्ताना व्यवहार देखकर उसे हंसी आ रही थी। उसका गर्व

उसने उसे ईर्ष्या महसूस करने से रोक दिया, क्योंकि उसने उसे अपनी बात बता दी थी।

त्सिएन की राय और क्योंकि वह चोरी-छिपे उसकी ओर देखती रहती थी

वह बात कर रहा था। महजोंग टेबल पर उनके पास बैठे हुए।

45

इमालिन ने सस्ती छेड़छाड़ नहीं की। पोया ने मालियू को छुआ।

मैंने उसे छुआ, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन उसके चेहरे पर उदासी छा जाती थी।

उसके बनाए हुए चित्रों को देखने के लिए, और धीरे-धीरे उसे ऊपर-नीचे करने के लिए।

अपनी पलकों को चुपचाप अपने आसपास हो रही हर चीज का अवलोकन करते हुए।

जब कंपनी हंस रही थी, तो वह भी हंसने लगी मानो किसी बात को

छुपाने की कोशिश कर रही हो।

विचार। कभी-कभी सन्नाटा छा जाता था।

पोया के लिए चूहे की हर हरकत और हर चुप्पी किसी न किसी संकेत की ओर इशारा करती प्रतीत होती थी।

मुझे वह समझ नहीं आ रही थी जो वे आपस में साझा करते थे।

चुंगमिंटांग की यात्रा और मालिन की बातचीत का

पोया मोहित हो गई। उसने उससे प्रेम करने का फैसला कर लिया था।

अगली दोपहर, पोया फिर से मालिन के पास गई और उससे पूछा कि

वे टहलने के लिए बाहर गए और लोला से भी साथ चलने को कहा, क्योंकि

उससे न पूछना अनुचित होता। उसने सहमति दे दी और वे चले गए।

पश्चिम दिशा में स्थित चंद्र द्वार से बाहर निकलकर हम चट्टानी क्षेत्र में पहुँच गए।

पेध बाग की ओर जाने वाला रास्ता। शरद ऋतु की हवा ठंडी होती जा रही थी।

और आड़ू के पेड़ पहले ही अपने पत्ते गिरा रहे थे। मालिन ने कहा।

उसे ठंड लग रही थी और उसे लगा कि बेहतर होगा कि वह वापस जाकर एक स्वेटर ले आए।

“मैं जाकर तुम्हारे लिए ले आती हूँ,” लोला ने मुस्कुराते हुए कहा। “तुम इंतज़ार करो।”

"ये सब मेरे लिए हैं," उसने पोया और मालिन से खुश होकर कहा।

मालिन और पोया वहीं रहीं। जब पोया ने उसकी तरफ देखा, तो उसने

जैसे शर्मिंदा होकर उसने अपना सिर एक तरफ घुमा लिया। उसने चीनी भाषा में लिखा हुआ था।

कम हील वाली रेशमी चप्पलें। वह चुपचाप खड़ी रही, जबकि पोया चलती रही।

वह आंतरिक बेचैनी में इधर-उधर घूम रहा था, उसके विदेशी जूतों की ही आवाज़ आ रही थी।

ज्वार के कंकड़ पर। थोड़ी देर बाद एक नौकरानी स्वेटर लेकर आई।

मालिन के लिए और उसने कहा कि मालकिन को कुछ कढ़ाई का काम करना है।

मैंने उनसे अकेले जाने को कहा।

“ये क्या है?” मालिन ने शर्मिंदा होकर कहा। “चलें?”

में?"

“हम जल्द ही वापस लौटेंगे,” पोया ने कहा।

नौकरानी। उसने मालिन की ओर मुड़कर उसे स्वेटर पहनने में मदद की;

यह एक भूरे रंग का कपड़ा था जिसमें बड़े-बड़े टांके लगे थे और यह केवल नीचे तक ही आता था।

ऊपरी कमर। मालिन ने निचले हिस्से का बटन बंद किया और अपने कंधे हिलाए।

हल्की हवा के विपरीत। उसकी नज़र ने उसे आत्म-सचेत कर दिया।

तनाव ने उसकी आँखों में मामूली विकृति को बढ़ा दिया, फिर भी ऐसा नहीं हुआ

असंगत प्रतीत होता है और उसने अपने फा रे में केवल एक विदेशी चामी को जोड़ा है।

उसके स्वर में हल्के दक्षिणी लहजे ने और भी आकर्षण जोड़ दिया।

भूरे रंग का यह स्वेटर, जो अपने सरल रंग के कारण बेहद आकर्षक लग रहा था, उसकी सुंदरता को और भी निखार रहा था।

उनकी पतली कमर पर जोर देकर उनकी आकृति को आकर्षक बनाया गया है।

“तो?” पोया ने कहा, क्योंकि उसके पास कहने के लिए और कुछ बेहतर नहीं था, और

वह मुड़ा और उसे बगीचे से होते हुए ले गया। वह यही चाहता था।

उसे उससे अकेले में बात करने का मौका मिला, और उसे यकीन था कि लोला जा चुकी है।

उन्हें जानबूझकर।

“पोया,” मालिन ने कहा, “तुम्हारी यहाँ मुलाकात होना अजीब बात है।”

इस युद्ध के दौरान... मुझे बस यही अफसोस है कि हमारी मुलाकात बहुत देर से हुई।"

नए दोस्तों के लिए यह एक विनम्र वाक्यांश था, फिर भी, इन परिस्थितियों में-

रुख, शायद कहा नहीं गया होगा, और इसलिए इसका एक विशेष महत्व था।

अर्थ।

"हाँ, यह बहुत बुरा हुआ कि हम एक दूसरे को पहले से नहीं जानते थे। शायद

अभी भी देर नहीं हुई है।" उसकी निगाहें उससे मिलीं।

वे सहज गति में आ गए थे। शर्मिंदगी के मारे मालिन...

वह रास्ते में पड़े पत्तों और फूलों को तोड़ने लगा।

आप फूलों और पत्तियों को इस तरह क्यों नष्ट करते हैं? इससे उनकी उम्र कम हो जाती है।

किसी का जीवन।"

"मुझे बस अच्छा लगता है। क्या इससे वाकई उम्र कम हो जाती है?" मालिन ने पूछा।

मज़ाकिया अंदाज़ में।

नहीं, यह सिर्फ एक विचार है। आप जितनी चाहें उतनी शाखाएँ तोड़ सकते हैं, जहाँ तक संभव हो।

मुझे।"

कुछ ही कदम की दूरी पर एक विशाल मैगनोलिया का पेड़ खिला हुआ था, और

मैलिन ने शरारती आवेग में आकर आगे बढ़कर ओएस श्री को तोड़ दिया।

चार छोटी शाखाएँ, एक के बाद एक, ज़ोर से हँसती हुई जैसे वह

लकड़ी के टूटने की आवाज सुनाई दी। पोया भी हंसने लगी।

“थेरेल,” उसने कहा और उसे निदान प्रस्तुत किया। “कैसे?”

क्या इससे मेरी उम्र कई साल कम हो गई है?

^Tऐसा मत कहो- मैं तो बस मजाक कर रहा था। एक पंक्ति उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा:

“फूलों को तब तोड़ना चाहिए जब वे तोड़ने के लिए अच्छे हों;

फूल मुरझा जाने पर भी सूखी शाखा को तोड़ने में देर मत करो।

युवावस्था और प्रेम के इस संदर्भ को तुरंत समझ लिया गया

मालिन ने होंठ फुलाते हुए पूछा, "मैं इनका क्या करूँ?"

कहा।

'टीयू उन्हें आपके लिए संभाल कर रखेगा।'

“मुझे लगता है कि मैं सचमुच गलत हूँ,” मालिन ने पछतावे भरे स्वर में कहा।

अचानक मुड़ते हुए। "मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए... किसी ने मुझे सिखाया नहीं है।"

मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए... औरत जो भी करती है, वो गलत ही होती है," उसने उदास होकर कहा।

वह चंचल मनोदशा से तुरंत गंभीर मनोदशा में बदल गई।

“तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?” पोया ने हैरानी से पूछा।

क्या आपको नहीं लगता कि अब समय आ गया है कि एक लड़की जो कुछ भी करती है वह सब कुछ

हमेशा गलत?

"क्यों?"

उदाहरण के लिए, मेरा आपसे यहां मिलना। मुझे लगता है कि यह गलत है।

लोग हमेशा लड़की को ही दोषी ठहराते हैं।

"मुझे इस पर विश्वास नहीं है," पोया ने गुस्से से इनकार किया।

"तुम कभी लड़की नहीं रही हो।"

क्षणिक रूप से दिखी चोटिल अभिव्यक्ति गायब हो गई और वह सामान्य हो गई

फिर से जीवंत हो उठे। वे पक्के आंगन से आगे बढ़कर अंदर चले गए।

डिमफिआग्टेंस स्टूडियो, तालाब को पानी देना, फिर उसका अनुसरण करना

बंद गलियारे में वे एक वांछित मार्ग पर पहुँचे। पोया ने इशारा किया

कि यहाँ से काइउद दक्षिण की ओर मुड़ गया और वे वास्तव में खड़े थे

पानी के ऊपर बने एक ढके हुए पुल पर, मालिन ने अपने पैर पटके।

लकड़ी के तख्तों पर खड़े होकर चरमराहट की आवाज पर हँसे, और

पानी की ओर झुककर, उसने अपनी जीभ बाहर निकाली- उसकी बचकानी

पोया की खुशी और चंचल मुस्कान उसे बहुत भाती है। उसकी आँखें

उसकी मुस्कान पहले से कहीं अधिक हार्दिक थी, उसकी आवाज पहले से कहीं अधिक मधुर और परिपूर्ण थी।

पोया ने उसे खुश देखा था और उसका चेहरा एक आवरण से ढका हुआ देखा था।

क्षणिक उदासी, लेकिन उसने उसे पहले कभी इतना खुश नहीं देखा था।

बेदाग आनंद।

पुरुष ढके हुए पुल से बाहर आए, मालिन हल्के कदमों से ऊपर की ओर दौड़ी।

छोटी सी टीले की सीढ़ियों पर। पोया उसके पीछे-पीछे गई और उसे हांफते हुए देखा।

धीरे-धीरे, उसने अपनी आँखों में समलैंगिक चुनौती लिए हुए उसकी ओर

देखा।

पास आकर उसने उसके हाथ देखे और कहा: "मैंने तुम्हें पकड़ लिया है।"

लेकिन मैं भाग नहीं रहा था। तुम मेरा पीछा नहीं कर रहे थे,

आप?"

"हाँ ..."

इससे पहले कि वह अपना वाक्य पूरा कर पाता, उसने अपने हाथ उससे छुड़ा लिए।

उसने अपनी पकड़ ढीली की और टीले के उत्तरी किनारे से नीचे भाग गया। पत्थर

सीढ़ियाँ संकरी और घुमावदार थीं, जिनमें कई मोड़ थे, और एक

जैसे ही वह नज़र से ओझल हुई, पोया धीरे-धीरे नीचे उतरी।

वह बिंदु जहाँ से एक रास्ता दो भागों में बँटकर एक गुफा की ओर जाता था।

वह रुका, सुना और सीढ़ियों से नीचे उतर गया। वह पहुँच गया था।

नीचे जमीन पर अचानक माउन जोर से हंस पड़ा

उसे ढूंढो, अंधेरे मार्ग के अंत में आओ। पोया तुमरा और

वह झट से गायब हो गई। गुफा का मार्ग केवल दस या

बारह फुट लंबी, और पोया ने उसे रोकने के लिए उसके कदमों का अनुसरण किया।

दूसरे छोर पर। जैसे ही वह उसके पास पहुँचा, अचानक उसने उसे तेजी से

बाहर भागते हुए देखा।

चीखते हुए वह सीढ़ियों पर चढ़ गई। वह लड़खड़ा गई और उसकी एक चप्पल गिर गई।

चप्पल उतर गई, लेकिन वह फिर भी दौड़ती रही। - पोया ने अपनी रेशमी चप्पल उठाई और

ट्रॉफी को हाथ में लिए हुए, वह विजेता की तरह मिस्टर के पास पहुंचा।

वह एक पैर पर खड़ी थी, आधा एक चट्टान पर टिकी हुई थी।

“अब जुर्माना क्या है?” पोया ने कहा।

“कृपया,” एचएफसीलिन ने विनती की, “मुझे मेरी चप्पल दे दो।”

"केवल मेरी शर्त पर।"

48

"यह क्या है?"

"मुझे अपना पैर दो, मैं इसे तुम्हारे लिए लगा दूंगा।"

“लो!” मालिन ने अपना पतला और लयबद्ध पैर आगे बढ़ाते हुए कहा।

पूरी तरह से भरा हुआ। पोया अपना पैर पकड़ने के लिए घुटनों के बल बैठ गई। जैसे ही वह इसे रख रहा था

तभी किसी के गुजरने की आवाज आई। "चुप रहो!" मालिन ने कहा।

और वह नीचे झुक गई। "अगर कोई हमें देख ले तो," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

एक शरारती मुस्कान के साथ, वह नीचे झुक गई, उसकी पीठ फिसलती चली गई।

चट्टान के सहारे। उस विचित्र स्थिति में, वे तब तक चुप रहे जब तक

उन्होंने टीले के पार से कदमों की आहट सुनी। वहाँ एक

मालिन के छोटे से बच्चे जैसे डर और स्वस्थ आनंद की अभिव्यक्ति

चेहरा। जब कदमों की आहट बंद हो गई, तो पोया ने कहा: "जमीन पर बैठ जाओ।"

यह तो काफी साफ है। आज तुम इतने चिड़चिड़े क्यों हो?

दोपहर की धूप उसके चेहरे पर पूरी तरह पड़ रही थी, जब उसने अपना सिर टिकाया।

उसके पीछे एक चट्टान पर। मैं अपने जीवन में कभी इतना खुश नहीं रहा।

उसने कहा।

मुझे खुशी है।

प्यार करो, हंसो और जियो। जीवन में ऐसा अक्सर नहीं होता कि कोई व्यक्ति ऐसा कर सके।

सचमुच खुश।

कुछ क्षण पहले, पोया मालिन के आकर्षण से पूरी तरह मुग्ध हो गई थी।

बहुत हंसी। अब पल भर में ही उसका रूप बदल गया था।

उसके चेहरे पर एक सुस्त भाव आ गया जो उसकी चंचलता को झुठला रहा था।

“मालिन, क्या तुम मेरे साथ अच्छा व्यवहार करोगी? मैं आज तक किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिली हूँ जो...

तुम्हारे जैसी लड़की। तुम्हारे अंदर कुछ ऐसा है जिसे मैं समझ नहीं पाता।

आपने ऐसा क्यों कहा कि लड़की जो कुछ भी करती है वह हमेशा गलत ही होता है?

"यही है ना?"

मुझे नहीं पता। आपने ऐसा क्यों कहा?

“मेरा अनुभव,” मालिन ने धीरे से उत्तर दिया।

“किस तरह का अनुभव?”

उसकी घनी पलकें उठीं और उसकी आँखें पोया की नज़र से मिलीं।

सीधी चुनौती। फिर उसने धीरे-धीरे अपनी आँखें खोलीं और चुप हो गई।

दोपहर की हल्की धूप उसके नाजुक चेहरे पर पड़ रही थी जिससे वह बेहद आकर्षक लग रही थी।

और कोमल।

"मालिन, मुझे अपने बारे में कुछ बताओ। मैं तुम्हें बेहतर तरीके से जानना चाहता हूँ।"

"खुद के बारे में?"

“तुम्हें किसने खाया? तुम्हारे माता-पिता कहाँ हैं?”

"ठीक है, मेरा नाम मालिन है और मेरा उपनाम त्सुई है।"

मुझे पता है। मेरा मतलब है, आपके बारे में कुछ।

“बताने के लिए कुछ नहीं है। मैं बस एक आम लड़की हूँ।”

“इतना रहस्यमयी मत बनो। तुम्हारे माता-पिता कौन हैं?”

मेरे माता-पिता नहीं हैं।

"तुम लोला को कैसे जानते थे? क्या वह तुम्हारी सहपाठी थी?"

"नहीं, मैं थोड़े समय के लिए छोड़कर कभी स्कूल नहीं गया।"

“तुम मुझे नहीं बताओगे और लोला भी मुझे नहीं बताएगी। मैंने तुम्हें बता दिया है।”

मेरी फैमिली, या लगभग पूरी फैमिली के बारे में एक AU, और तुम मुझे इसके बारे में नहीं बताओगे।

तुम्हारा।

"क्या आपको इस बात से कोई खास फर्क पड़ता है कि मैं कौन हूं?"

'*हाँ, बिल्कुल... बहुत हद तक। मालिन, उम्मीद है हम अच्छे रहें।

दोस्त — सच्चे दोस्त?

मालिन फूलों की झाड़ी की ओर सिर करके बैठी थी और

उसकी उंगलियाँ एक-एक करके सूखे पत्तों को खींच रही थीं। फिर जैसे ही पोया

उत्तर की प्रतीक्षा करते हुए, उसने अपने घुंघराले बालों को पीछे की ओर झटका दिया और

वह अपनी ईआईआईएफ को ठीक करने में व्यस्त लग रही थी, जिससे

यह पता चलता है कि...

fmriine पीएफ शर्त घंटा ^^s अधिक cieatJLy वें एक से पहले। 'एल^एचसी~सी लीइइर्मलिंग'

इस इशारे ने पोया की इस महिला को खाने की इच्छा को और भी तीव्र कर दिया।

रहस्यमय। पक्षियों की कभी-कभार चहचहाहट को छोड़कर, कृपया...

वह चुप थी। उसके चेहरे पर लाली छाई हुई थी और वह उलझन में दिख रही थी।

और शर्मिंदगी। उसने जल्दी से उसकी ओर देखा और

'तुम, क्या?' प्यार पाने के लिए तैयार एक महिला की मुस्कुराती हुई मुस्कान को सूंघते हुए।

"मुझमें ऐसी क्या बात है जो आप जानना चाहते हैं?"

^ आपको बेहतर जानना चाहिए। आपके माता-पिता थे। आपने पढ़ाई नहीं छोड़ी।

क्या तुम किसी परी की तरह आकाश से उतरे थे?

मजालिन ने एक सूखी शाखा तोड़ी। वह थोड़ी कांपती हुई आवाज़ में बोली।

उसकी आवाज और उसके चेहरे पर झिझक का भाव ऐसा था मानो वह

एक से<क्सेट प्रकट करते हुए। "खैर, मेरे पिता एक सैन्यवादी थे। ... मैं

मैं आपको उसका नाम नहीं बता सकती... त्सुई मेरी माँ का नाम है।"

"क्या तुम कोई परी कथा सुना रहे हो?"

इसे जैसे चाहो वैसे समझ लो। मेरे पंख ने मेरी माँ को त्याग दिया और हम बड़े हो गए।

मैं गरीबी में पली-बढ़ी। मेरी माँ का निधन तब हुआ जब मैं सत्रह साल की थी...

अचानक रुक गया।

"अच्छा, गुंडा।"

"लगभग इसी समय मेरे पिता की हत्या कर दी गई थी।"

“हत्या! किसने की?”

मैं आपको यह नहीं बता सकता। आपको बहुत कुछ पता चल जाएगा।

लोग उससे नफरत करते थे। उसने बहुतों को मार डाला था।

"ऐसा लगता है कि तुम्हें अपने पिता के लिए कोई भावना नहीं है।"

“बिल्कुल नहीं। मुझे ऐसा क्यों करना चाहिए? ... क्या इतना काफी है?”

"नहीं, फिर से।" ®

मैं अकेली चली गई, और किसी को मुझसे प्यार हो गया. . . .

ओह, जो कुछ मैंने अनुभव किया, वह अद्भुत था। आप विश्वास नहीं करेंगे।

50

मुझे विश्वास नहीं होता कि तुम्हारे जैसी एक छोटी सी लड़की को अकेले छोड़ दिया जाए।

दुनिया रोमांचों से भर जाएगी।

"पोया बीएमएनजी, क्या आपको लगता है कि मैं किसी भी तरह की परेशानी से गुज़रा हूँ?"

कष्ट?

^*1 मैं तुम्हें देखकर ऐसा नहीं करूंगा। तुम्हारी उम्र कितनी है?

'मैं पच्चीस साल का हूँ।' हफ़्टलिन उसे ध्यान से देखने के लिए रुक गया और

फिर उसने कहा: अगर मैं तुमसे कहूँ कि मैं शादीशुदा हूँ तो?

पोया ने एक पल रुककर कहा: "इसका मतलब है कि आप ही हैं..."

अधिक आकर्षक। मुझे आश्चर्य नहीं है कि कोई ऐसा चाहता था।

तुमसे शादी कर लूंगा।

उन्होंने मुझे स्कूल की पढ़ाई कराने की पेशकश की और वे लगातार आते रहते थे।

मुझे देखने के लिए, जब तक मुझ पर जादू नहीं किया गया। क्या यह आपको मजेदार लगता है?

“गुंडा। फिर क्या?”

फिर युद्ध छिड़ गया। उसका पंख हमारे बीच आ गया। मैंने उससे शादी कर ली।

अपने पिता की सहमति के बिना। पहले तो हम खुश थे — कुछ समय के लिए।

महीने... वह एक स्टीमशिप के दलाल का बेटा था।

कंपनी में, और उसके पिता को पता चल गया कि मैं कौन हूँ। वह मेरे पिता से नफरत करता था।

क्योंकि उसने कहा था कि मेरे पिता ने उसे जेल में डाला था और उसने उसे बचा लिया था।

उसने खुद को केवल एक लाख डॉलर का भुगतान करके 3 डीएनजी किया। वह चाहता था

उन्होंने बदला लिया और मुझ पर अपना गुस्सा निकाला। लेकिन मैं क्या करता?

इस दुनिया में अकेली एक युवती क्या कर सकती है? बूढ़े आदमी ने कभी नहीं पूछा

मैं मान गया। मैं मूर्ख था, बस इतना ही।

"क्या उसी ने तुम्हारे पंख की हत्या की थी?"

“नहीं, कोई और था। मेरे पंख ने कई दुश्मन बना लिए थे।”

क्या उस हत्यारे पर कभी अदालत में मुकदमा चलाया गया था?

नहीं। जनमत उनके पक्ष में था। आपको विश्वास नहीं होगा कि मेरा

फेदर ने जापानियों के साथ काम किया था, क्या आपने भी किया था?

लेकिन तुमने मुझे यह नहीं बताया कि तुम्हारा पंख कौन है।

"हाँ, मुझे लगता है मैं पागल हूँ... लेकिन ऐसा नहीं हुआ।"

मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। यह बहुत जटिल था। मुझे अपनी पत्नी से कभी कोई लगाव नहीं था।

मेरी माँ उससे नफरत करती थी। लेकिन मेरे ससुर उसे फेंक देते थे।

मेरे मल को देखकर मुझे 'देशद्रोही की संतान' कहा जाता है। क्या मुझे अपने पंख की रक्षा करनी चाहिए?

या नहीं? पहले तो वह अपने बेटे से नाराज़ था, क्योंकि वह मुझसे नफरत करता था।

फिर उसने अपना इरादा बदल लिया और धमकी दी कि अगर वह ऐसा नहीं करेगा तो वह अपने बेटे से संबंध तोड़ लेगा।

उसने मुझे अस्पताल में भर्ती कराया, और मैं वहाँ हफ्तों तक बंद रहा।

मेरे पति के घर। मुझे यकीन है कि उसका मकसद मुझे अपराध करने के लिए मजबूर करना था।

आत्महत्या। मैं अपने पति को नहीं देख पाई और रोते-रोते सो गई।

...तब तक उसकी माँ को मुझ पर दया आ गई और उसने बूढ़े आदमी से कहा:

अगर उसके पिता गलत थे, तो अब तो वे वैसे भी मर चुके हैं।

क्या वह इसे अपनी बेटी पर लागू करेगा? अगर आपको लियन-एरह पसंद नहीं है, तो सही तरीका अपनाएं।

51

एक विकल्प यह होगा कि हम उसे घर से निकाल दें और अपने बेटे से किसी और से शादी करने के लिए कहें।

एक । ।

“लियन-एरह?”

"ओह, वो मेरा नाम था। मैंने बाद में इसे बदल दिया था।"

"वह बूढ़ी औरत नेक दिल थी।"

“हां, वह बौद्ध थीं। उन्होंने अपने पति से कहा: 'अच्छा

अच्छे कर्मों का अच्छा फल मिलता है; बुरे कर्मों का बुरा परिणाम मिलता है। बेहतर यही है कि

ऐसे गुप्त पाप कम करो—देवता इसके बारे में जानते हैं।

"तब क्या?"

"खैर, उसके पिता ने उसे दूसरी पत्नी लाने के लिए प्रोत्साहित किया, और उसने

किया। मैं कहाँ था? — न गाय, न घोड़ा, न पत्नी।

रखैल... और यह नई औरत बहुत ईर्ष्यालु थी। मेरे पास था

उस समय तक मेरे मन में अपने पति के लिए सम्मान की भावना समाप्त हो चुकी थी और मुझे कोई परवाह नहीं थी। लेकिन

स्वर्ग कभी भी किसी व्यक्ति को बिना किसी बचाव के नहीं छोड़ता। इसलिए एक दिन, मेरा

शाम ढलते ही मेरी सास मेरे कमरे में आईं और मुझे एक कागज थमा दिया।

पैकेज, और कहा: 'लीन-एरह, जब से तुम हमारे घर में आई हो, मैंने

मुझे कभी एक पल के लिए भी मन की शांति नहीं मिली। लेकिन पुरुषों के दिल तो...

दुष्ट। उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। ये लो, छह खा गए।

इसमें सौ डोल्टे हैं, और अपने लिए कुछ करने को ढूंढो। छोड़ दो।

मैं शहर छोड़कर कहीं और चला जाऊंगा। मैं उनसे बात कर लूंगा, पिताजी।

बेटे, ध्यान रखना कि वे तुम्हें परेशान न करें...

मालिन की आवाज़ यहीं रुक गई। फिर उसने बहुत धीरे-धीरे कहा...

अपना रुमाल मरोड़ते हुए बोली: “दुनिया में अच्छे दिल वाले लोग भी हैं।”

इस दुनिया में। अगर वह बूढ़ी औरत न होती तो शायद मैं मर गया होता।"

उसके युवा चेहरे पर शांति का भाव छा गया था, सारे निशान मिट गए थे।

मुकदमा करने की प्रवृत्ति गायब हो गई थी।

पोया ने देखा और आश्चर्यचकित रह गई। "तुम्हें देखकर, कोई कभी भी

मुझे लगता है आपने बहुत कुछ झेला है। तब आपने क्या किया?

मैंने तुम्हें काफी कुछ बता दिया है। अब और मत पूछो।

पोया उसके करीब आई और उसका हाथ पकड़ लिया, जिसके जवाब में उसने भी...

दबाव जिससे उसकी नसें झनझना उठीं।

“किसी को मत बताना,” हललिन ने कहा।

पोया और करीब आ गई और उनके हाथ एक दूसरे से जुड़े रहे।

माल्म एकदम शांत थी। फिर पोया अपने बालों से खेलने लगी और अभी भी

वह कुछ नहीं बोली, उसकी आँखें ज़मीन पर टिकी हुई थीं और उसकी

उसने धीरे से उसकी छाती को सहलाया। उसने अपने दोनों हाथों से

उसका चेहरा पकड़ लिया और

मैंने उसे एमएम के सामने उठाया और देखा कि उसकी आँखों में एक तीव्र जुनून भर गया।

“मैम, यही हमारा प्यार है,” उन्होंने कहा।

उसने उसे चूमा, और उसने भी बदले में एक जोशीला और भावुक चुंबन दिया।

उसे उसके हाथों की गर्माहट महसूस हुई।

जे*

उन्होंने कहा, "मैं हमेशा से प्यार चाहता था, यही प्यार। चाहे..."

शादी के अंदर हो या बाहर, यह मायने नहीं रखता। इसे शादी कहिए।

विवाह वह स्थान है जहाँ दो व्यक्ति तन और मन से एक हो जाते हैं — ^आप

समझ रहे हो ना... वो आपस में घुलते-मिलते लगते हैं और तुम्हें पता भी नहीं चलता।

जान लो कि कौन सा क्या है। बस यही है।

मालिन ने कोई हरकत नहीं की।

“क्या तुम कुछ नहीं कहोगे?”

मैं बस खुश हूँ... मैं कुछ कहना नहीं चाहता।

मैं भी खुश हूँ।

वे दो-तीन मिनट तक इसी तरह लेटे रहे, तभी पोया ने कहा:

“लीन-एरह...लीन-एरह— ये नाम मुझे पसंद है।”

मुझे उस नाम से मत बुलाओ।

"क्यों नहीं?"

"यह मेरा बचपन का नाम है... या—आप मुझे इस नाम से बुला सकते हैं, लेकिन

केवल आपस में, जब कोई आसपास न हो। यह मुझे मेरे पुराने दिनों की याद दिलाता है।

माँ।"

"जी हाँ, लियन-एरह।" और वे दोनों एक साथ हँस पड़े।

"मैं तुम्हें क्या कहकर पुकारूँ?" माजिन ने पूछा।

"मुझे पोया कहो, मेरे प्यारे दोस्त**"

"मुझे ऐसा क्यों कहते हो?"

"मुझे नहीं पता। हम बीजिंग में ऐसा कहते हैं।" यातोऊ का मतलब गुलाम होता है।

पोया उस लड़की को "मेरी खूबसूरत दासी" कहकर पुकार रही थी।

"ओह्ह," मालिन ने बचकाने अंदाज़ में सिर हिलाते हुए कहा, जो उसकी खासियत थी।

उसमें एक खास तरह की सादगी थी। "एक ही शब्द का प्रयोग क्यों किया जाता है?"

दुर्व्यवहार और स्नेह के लिए?

बात कुछ इस तरह है: अगर आप किसी से प्यार करते हैं, तो आप उसे किसी भी नाम से पुकार सकते हैं और

यह सुनने में मधुर लगेगा।

हम cbmˆ क्यों कहते हैं, meiˆjatouVˆ क्यों नहीं?

इसका सीधा सा मतलब है 'सुंदर।' लेकिन cbm का मतलब ˆसुंदर होता है।

बुद्धिमान।' मुझे नहीं पता कि नौकरानी को सुंदर क्यों होना चाहिए और

एक पत्नी से ज्यादा एक बुद्धिमान महिला, लेकिन यही सच्चाई है।"

"पत्नी" शब्द सुनते ही मालिन के चेहरे का भाव बदल गया और वह चुप हो गई।

"तुम क्या सोच रहे हो?" पोया ने पूछा।

मालिन ने उदास होकर कहना शुरू किया, "समाज हमेशा पत्नी का पक्ष लेता है।"

बुद्धिमान महिला हमेशा गलत होती है। लेकिन एक बुद्धिमान महिला क्या कर सकती है?

महिला अपनी बुद्धिमत्ता का क्या करती है? समाज कभी पुरुष को दोष नहीं देता।

जो एक के बाद एक कई प्रेम प्रसंगों में उलझी रहती है। इसे वे सुख की तलाश कहते हैं।

लेकिन उस लड़की का क्या जो अफेयर करती है? शादी तो और भी ज्यादा

यह एक महिला के लिए पुरुष की तुलना में अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उसका जीवन इससे प्रभावित होता है।

वह तो सुख की तलाश भी नहीं कर रही है। मान लीजिए कि वह खुश नहीं है।

मैटिकड— वह इसके बारे में क्या कर सकती है? क्या उसे चुप रहना चाहिए?

क्या वह इसे बर्दाश्त करेगी? और अगर उसका कोई निजी यौन संबंध है, तो समाज क्या कहेगा?

मान लीजिए कि कोई हमें यहाँ खोज ले— कौन जाने क्या होगा

क्या तुम मुझसे प्रेम कर रहे हो या मैं तुमसे प्रेम कर रही हूँ? लेकिन लोग

वह मुझे दोषी ठहराएगा, आपको नहीं, और मैं फिर से गलत साबित होऊंगा।"

पोया की निगाहें उसका पीछा करती रहीं जब उसने यह कुछ हद तक अस्पष्ट बात कही-

यह अपेक्षित राय थी, जिससे उन्हें जरा भी आपत्ति नहीं थी।

“तुम फिर से गलत क्यों कह रहे हो? क्या तुमने कभी कोई गलत काम किया है?”

पहले?” ^ ^

“इसका तुमसे कोई लेना-देना नहीं है,” मालिन ने उत्तर दिया। “यहाँ तक कि

उस शादी के बारे में लोगों ने कहा कि मैंने ही उस जवान बेटे को बहकाया था।

और वह नहीं जिसने मुझे बहकाया। उसके अपने लोगों ने ही मुझे ताना मारा।

मेरे पिता के शत्रु के परिवार में विवाह करने के साथ— ˆजो ˆरास

‘बेशर्म’ — या फिर, जैसा कि उसके पिता ने कहा, मैं एक विद्रोही की संतान थी

वह बूढ़ा आदमी कहा करता था कि उसके परिवार पर मेरे परिवार का कर्ज है।

पिछला जन्म। क्या आप मानते हैं कि मनुष्य के पाप उसे खा जाते हैं?

क्या यह विवशता उसके बच्चों पर आई?

मुझे नहीं पता। शायद हमारे खून की वजह से हम सबने खाया।

अपने पूर्वजों के कार्यों के लिए संघर्ष करना।"

पोया ने मालिन का हाथ पकड़ा और उसकी कोमल नसों और

दोपहर के समय उसके एटीएम पर लगभग अदृश्य बाल थे।

"मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ, मालिन," पोया ने कहा।

“उएन-^ह,” मालिन ने खुशी से सुधार करते हुए कहा। “क्या तुमने कभी किसी और से प्यार किया है?”

क्या आप पहले भी इस तरह से थे?

नहीं। हमेशा से कुछ न कुछ कमी रही है।

बहुत सारे सुंदर मल थे, लेकिन कुछ समय बाद वे बहुत उबाऊ लगने लगे।

मुझे पता है कि मेरी यह धारणा है कि खूबसूरत महिलाएं स्वाभाविक रूप से मूर्ख होती हैं, और

प्रतिभाशाली महिलाएं शारीरिक रूप से भद्दी, बहुत चतुर, बहुत दुबली-पतली होती हैं।

असहज। इससे पुरुष बेचैन हो जाते हैं।

मालिन ने महिलाओं पर उनके भाषण को ध्यानपूर्वक सुना। "क्या मैं

"क्या मैं मानसिक रूप से मूर्ख हूँ या शारीरिक रूप से बदसूरत हूँ, इनमें से कौन सा?" उसने कहा।

उसकी खिलखिलाती हंसी।

“मालिन—लिएन-एरह—दूसरी महिलाओं के बारे में बात कर रही थी,” पोया

हँसा।

मुझे तारीफें नहीं चाहिए। कृपया मुझे साफ-साफ बता दीजिए, बिल्कुल साफ-साफ।

साफ़-साफ़। मुझमें आपको क्या पसंद है? मैं पहले ही जानना चाहता हूँ।

हमेशा के लिए। मैं तुम्हें खुश करने के लिए सब कुछ करना चाहता हूँ। मुझे बताओ।

मैं क्या हूँ— मूर्ख या घृणित?

मैं तुम्हारा विश्लेषण नहीं कर सकता। तुम बहुत युवा और तरोताजा दिखते हो, फिर भी...

आपने बहुत कुछ सहा है। आप बिल्कुल भी घृणित नहीं हैं।

जे4

"धन्यवाद।"

और तुम बेवकूफ नहीं हो सकते।

“आपको कैसे पता?”

क्या आप जानते हैं कि एक प्रतिभाशाली लड़की को नापसंद करने का कारण क्या होता है?

“क्या?” मालिन ने कहा।

“एक प्रतिभाशाली लड़की बहुत ज्यादा बोलती है। उसकी प्रतिभा चमकती है और दूसरों को प्रभावित करती है।

और इससे आदमी असहज महसूस करता है।

“किसी पुरुष को खुश करने के लिए लड़की होना बहुत मुश्किल काम होगा,”

माल्म, मानो डर से कांप रहा हो।

लेकिन एक आदर्श महिला भी होती है। उसकी बुद्धिमत्ता भी उतनी ही

अद्भुत होती है।

समय चमकता है और सुकून देता है। आप वही हैं। आप रोमांचक भी हैं और

सुखदायक।

“ओह, पोयाल,” मालिन ने धीरे से कहा। **मुझे आपको निराश नहीं करना चाहिए।

मुझे ऐसा लगता है। क्या आपको खुश करना बहुत मुश्किल है? मैं सब कुछ करूँगा-

मैं तुम्हें खुश करने के लिए कुछ भी कर सकती हूँ। अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हारी रखैल बन जाऊँगी।

उसका चेहरा निहारते हुए, जो आनंद का पात्र था, पोया ने कहा:

"क्या आपको लगता है कि एक ही महिला में पत्नी और रखैल दोनों हो सकती हैं?"

"कैसे?"

“पत्नी तो पत्नी होती है। विवाह प्रमाण पत्र उसी के पास होता है।

सिर। वह सुरक्षित है और उसे परवाह नहीं है। वह श्रीमती यह या यह है।

वो श्रीमती याओ हैं। काइनान जैसी। सामाजिक तौर पर वो श्रीमती याओ हैं। बस इतना ही।

एक रखैल को यह लाभ नहीं मिलता। इसलिए वह

वह अपने पति को खुश करने के लिए हर संभव कोशिश करती है। क्या

आप कल्पना कर सकते हैं कि एक पत्नी के साथ ऐसा हो?

क्या आप किसी प्रेमिका की तरह प्यार करना और प्यार पाना चाहते हैं? आपने यह सुना ही होगा।

कहावत है, 'पत्नी रखैल के बराबर अच्छी नहीं होती, रखैल उतनी अच्छी नहीं होती।'

यह चोरी के बराबर है, और चोरी करना असफल चोरी करने जितना अच्छा नहीं है।

मालिन हंस पड़ी, "मैं इसे याद रखूंगी। क्या मैं तुम्हें चुरा रही हूँ?"

"तुम जानती हो कि मुझे कैनान की परवाह नहीं है। वो मुझसे बेहतर जानती है।"

आप कर।"

"क्या मैंने सचमुच तुम्हें चुरा लिया है...? अगर मैंने चुरा लिया है, तो मैं खुश हूँ। क्या?"

आप क्या करने वाले हैं?

आपको पता है कि वह शंघाई जाना चाहती है।

"क्या आप मुझे ले जा सकते हैं? क्या वह आपत्ति करेगी?"

क्या उसे आपके यहाँ रहने पर पहले से ही आपत्ति नहीं है? यह ठीक नहीं है।

बात यह है।"

‘^enwhat?’

“वह अपने पेटेंट अपने पास रखना चाहती है। यह भी ठीक है।”

वह बहुत दुखी और उदास है। मैं उसके प्रति उदासीन और निर्दयी रहा हूँ।

उसकी।"

मालिन, पूरी एकाग्रता से सुनते हुए, खुद की कल्पना कर रही थी।

55

उवियोग ■उसके साथ। "क्या तुम मुझे अपने साथ ले जाओगे? चोरी, मालकिन"

पत्नी, जब तक तुम मेरे साथ हो, मेरे लिए सब कुछ एक समान है।"

पोया का मल धुंधला था और उसने कोई जवाब नहीं दिया।

“पोया, मैं स्वतंत्र और बिल्कुल अकेला हूँ, और मैं तुम्हारा अनुसरण करूँगा जहाँ भी तुम चाहोगी।”

तुम जाओ, बस तुमसे प्यार करने के लिए।"

"क्या तुम करोगे? यह युद्ध है, तुम्हें पता है।"

मैं तुम्हारे साथ हर जगह चलूंगा।

"क्या तुम सचमुच ऐसा करोगी?" पोया ने उसे तीखे स्वर में देखा मानो वह...

उस लड़की को समझने के लिए, जिसका जीवन अभी भी रहस्य में डूबा हुआ था।

उसके लिए। "मुझे अपने बारे में सब कुछ बताओ।"

"मुझे तुम्हें सब कुछ क्यों बताना चाहिए?"

"क्योंकि मुझे तुमसे प्यार है।"

मैंने तुम्हें जितना बताया है, उतना मैंने किसी और को कभी नहीं बताया।

माई के चेहरे पर भी एक धब्बा था।

"अच्छा, ठीक है। मुझे लगता है इतना काफी है। मुझे तुम वैसे ही पसंद हो जैसे तुम खाना खा रहे थे।"

मालिन ने कहा, 'तुमने नौकरानी से कहा था कि हम जल्द ही अंदर आ जाएंगे।'

और अब सूरज डूब रहा है।

पोया ने उसे ऊपर उठाया। "आओ," उसने कहा।

वह उसे बगीचे से होते हुए उसके दरबार तक ले गया, अपने एटीएम के साथ।

उसकी कमर के चारों ओर। चांद के द्वार को पार करने से पहले वे इधर-उधर भटक रहे थे।

उसे अजीब सी अनुभूति हो रही थी कि यह सब कुछ बहुत अचानक हो गया था।

और फिर भी वह जानता था कि वह द्वेषपूर्ण प्रेम के उद्देश्य से आया था।

वह आज उससे मिलने गया और उसकी आसान जीत के अहसास से वह खुशी से झूम उठी।

“क्या आप आज रात हमारी अदालत में आ रहे हैं?” मालिन ने पूछा।

बहुत रैलिन।

मैं तुम्हें देखने के लिए ऐसा करूँगा। लेकिन अगर हम दक्षिण की ओर जाने की उम्मीद करते हैं

हम सबको मिलकर प्रकृति का हिस्सा बनना होगा।

"यह चोरी करने जैसा होगा। ओह, मुझे तुम्हें चुराने का एहसास बहुत पसंद है।"

और किसी को पता भी नहीं चलेगा,” उसने उसके करीब फुसफुसाते हुए

कहा।

"क्या तुम लोला को बताओगे?" पोया ने पूछा।

“नहीं,” मालिन ने दृढ़ता से कहा।

"तुम बेवकूफ नहीं हो," पोया ने कहा।

मैं किसी को नहीं बताऊँगा। यह पूरी तरह से गुप्त रहना चाहिए, हमारा अपना गुप्त रहस्य।

जब तक हमने शंघाई में खाना नहीं खाया।"

पोया को उसी क्षण यह एहसास हुआ कि वह मालिन को "चुराना" चाहता है। फिर भी

वह महिलाओं के बारे में अपने ज्ञान से सतर्क था। यह और भी बेहतर होता।

चोरी करने की कोशिश नाकाम हो गई। वह ऐसा ही चाहता था। और वह

एक जादुई दौर की प्रतीक्षा कर रहे थे।

अध्याय IV

शरद ऋतु की हवा तेज थी, और हवा ठंडी और सर्द थी।

मालिन ने कल रात अपनी खिड़की पर कागज लपेटकर रख दिया था।

और सुबह-सुबह जब वह उठी तो उसे ठंड लग रही थी। उसने खुद को कंबल में लपेट लिया।

उसने अपना बिस्तर ठीक किया और फिर से सोने की कोशिश की। लेकिन उस याद ने उसे जकड़ लिया।

कल रात पोया से हुई मुलाकात, कितनी खूबसूरत और कितनी अप्रत्याशित थी।

यह बात उसके मन में बनी रही और वह इसे अपने दिमाग से निकाल नहीं सकी। उसका दिल

उसके होंठ धीरे-धीरे मुस्कुराने लगे और उसने चित्र बनाया।

वह तकिए में और नीचे धंसने लगी। उसे सामने से कुछ आवाज़ें सुनाई देने लगीं।

अदालत में सब कुछ शांत था, लेकिन उसके आंगन में सब कुछ स्थिर था। वह जानती थी या महसूस करती थी कि

कुछ महत्वपूर्ण, कुछ बहुत ही खुशी देने वाला और शायद मूर्खतापूर्ण,

हुई थी।

उसने पोया को अपने साथ प्रेम करने की अनुमति क्यों दी थी? फिर भी वह चाहती थी

उसने मन ही मन स्वीकार किया। क्या उसके जीवन में एक नया अध्याय

खुल रहा था?

उसका मन विरोधाभासी भावनाओं से भरा हुआ था—उत्साह और

रोमांस और उलझन। ये उसे कहाँ ले जाएगा?

पिछले अनुभव बेहद उलझन भरे रहे थे। जैसे-जैसे वह सीखती गई...

उसे ऐसा लगता था कि अपने अतीत में, जब वह युवा और अपरिपक्व थी, तब उसने

यह एक परित्यक्त जहाज की तरह रहा है, जो परिस्थितियों और उनके द्वारा इधर-उधर धक्के खा रहा है।

पुरुषों की इच्छाएँ। पोया पहला पुरुष था जिसका उसने कभी सम्मान किया था और

देखभाल की गई, और उनका प्यार सच्चा प्रतीत होता था। यह घर एक

शांति का प्रतीक, विश्राम का आश्रय स्थल। भविष्य अनिश्चित था।

वह ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी। निश्चित रूप से कुछ जटिलताएं पैदा हो जाएंगी।

क्या वह फिर से कुछ गलत कर रही थी? अगर उसकी माँ होती*

जीवन या यदि उसे शुरुआत में ही सही व्यक्ति मिल जाता, तो उसका पूरा जीवन

हालात अलग होते। वह पेशकश कर पाती।

एक शुद्ध, असीम प्रेम, जिसमें कुछ भी छिपाना नहीं है।

क्या वह समझ पाएगा अगर वह उसे अपने अतीत के बारे में सब कुछ बता दे? लेकिन क्या उसे ऐसा करना चाहिए?

सौभाग्यवश, उसने उसे सब कुछ नहीं बताया था। यह जानकर अच्छा लगा।

उसने कहा, "मैं तुम्हें जैसी हो वैसी ही प्यार करता हूँ।" वह जानती थी कि

उसने किसी के साथ कोई अन्याय नहीं किया था।

फिर भी, उसके मन में हमेशा एक तरह का पछतावा और आशंका बनी रहती थी।

वह शायद अयोग्य हो। आखिरकार उसे वह आदमी मिल ही गया था जिससे वह प्यार कर सकती थी।

ऊपर देखते हुए, और कांपते हुए कि कहीं कल का प्रेम प्रसंग केवल अधूरा न रह जाए।

एक मामूली दुर्घटना, जिसका उसके लिए कोई महत्व नहीं था। हालाँकि, यह इतनी महत्वपूर्ण थी।

यह महत्वपूर्ण है कि वह अभी उसे अपनी पूरी बात बताकर जोखिम न उठाए।

इतिहास। वह तब तक इंतजार करेगी जब तक वह उसे बेहतर तरीके से जान न ले और यह प्यार

परिपक्व हो गई थी। फिर उसने यह सोचकर खुद को दिलासा दिया कि अगर पोया

अगर उसने उससे शादी की होती, तो यह उसकी दूसरी शादी भी होती। वह नहीं थी

57

वह उसके बिल्कुल भी लायक नहीं थी... वह क्या सोच रही थी?

क्या वह पोया को ले जा रही थी? क्या वह पागल हो गई थी...? और अब वहाँ था...

युद्ध। पोया की पत्नी बनने पर भी वह यह अनुमान नहीं लगा सकती थी कि क्या होगा।

आगे क्या होने वाला है? वह उत्सुकता और असमंजस में थी कि काश उसे पता होता कि क्या होने वाला है।

आने वाले कुछ दिनों में कुछ नया सामने आ सकता है।

इस उलझन भरी मनःस्थिति में वह फिर से सो गई। जब वह

सुबह साढ़े आठ बजे जागने पर, उसे आश्चर्य हुआ जब उसने पोया की आवाज सुनी।

कदमों की आहट। उसने खिड़की से उसे ग्रैंड में जाते हुए देखा।

अंकल फेंग का दरबार। बैठक के पार लोला के कमरे में सब कुछ अभी भी शांत था।

क्यूमेट। वह खिड़की के कागज को और ऊपर खींचने के लिए उठी, ताकि वह

हो सकता है कि पोया फिर से बाहर आए, शायद इससे भी बेहतर!

उससे अभिवादन का आदान-प्रदान किया। उसने जल्दी से कपड़े पहने। XSiˆenPoya

जब वह बाहर आया, तो उसने उसे अपनी खिड़की पर खड़े देखा, वह मुस्कुरा रही थी और हाथ हिला रही थी।

उसकी ओर। वह मुड़ा और पोर्शियो के नीचे उसकी ओर आया।

“तुम इतनी जल्दी उठ गए?” उसने मुस्कुराते हुए पूछा।

“अंदर आओ,” उसने इशारा किया।

वह दबे पांव बैठक में दाखिल हुआ, और वह अपने शयनकक्ष के दरवाजे पर खड़ी थी।

उसका अभिवादन करने के लिए। उसने रजाईदार काली नाइटगाउन पहनी हुई थी, और उसकी

उसके बाल आधे ही संवारे हुए थे, सामने की तरफ घुंघराले बाल थे। उसने अभी तक

उसने अपना चेहरा सजाया था, लेकिन उसमें यौवन की चमक थी, और...

उसकी आँखें भरी हुई और चिकनी थीं। उसने फुसफुसाते हुए कहा कि लोला और

उसके पति अभी भी सो रहे थे और उन्होंने उसे अंदर आने के लिए कहा।

कमरा। वे धीमी आवाज़ में बात कर रहे थे, फिर भी उसकी आवाज़ में गहराई थी।

गहरी नींद के बाद जागने पर उत्पन्न होने वाली प्रतिध्वनि।

जब पोया झुकी और उसे चूमा, तो उसे ऐसा लगा जैसे कई

उसके मन में मौजूद संदेह दूर हो गए थे।

**1 tsxa& दादाजी के बाहर जाने से पहले उनसे बात करने के लिए गया था," उसने

एसडीडी। “मैं अपने प्रस्थान की योजना बनाना चाहता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।”

मैं सुबह जल्दी उठ गया था और किसी तरह मेरे पैर मुझे वहाँ तक ले गए।

तुम अकेले ही। तुम्हारे मल से पता चलता है कि तुम अच्छे से सोए थे।"

"पोया, मैं चाहता हूँ कि यह हमेशा के लिए रहे। मेरे दिल की बस यही इच्छा है।"

लेकिन हम इस तरह नहीं मिल सकते। हमें शंघाई जाना होगा।

जल्द से जल्द।"

“मैं दादाजी से इसी बारे में बात करने आया था।” स्टीमेट

तियानजिन से बेट्टो (एक प्रकार का व्यंजन) प्राप्त करना कठिन है, और इसके लिए क्रेडिट की व्यवस्था करनी होगी।

और का^ कुछ चीजें खरीदना चाहती है। मैंने उससे कहा कि वह ले सकती है।

शंघाई में erorythmg slw की तलाश थी, लेकिन उसने कहा कि उसे ऐसा करना होगा।

उसके रिश्तेदारों के लिए उपहार खरीदो। मैं उसके दोस्तों के साथ डेट पर जा रहा हूँ।

क्या आप, लोला और बाकी लोग सोमवार को आ सकते हैं?

टीज़।"

जे8

"क्या आप सब यात्रा के लिए तैयार हैं? क्या मैं आपके लिए कुछ खरीद सकता हूँ?"

मुझे कुछ भी नहीं चाहिए। लेकिन मेरे लिए कुछ ताओसियांगचुन मिठाई खरीद दो।

और नमकीन गिज़र्ड और फूचो जैतून।"

"क्या आपको गिज़र्ड पसंद हैं?"

मुझे वे बहुत पसंद हैं—कोई भी ऐसी चीज़ जिसे चबाना पड़े। क्या आप यूके के बारे में जानते हैं?

उन्हें भी?

मैं इन्हें अपने बिस्तर के पास एक जार में रखता हूँ और रात को सोते समय इन्हें चबाता हूँ।

मैंने पढ़ा है।"

"कितना अद्भुत! मैं भी ऐसा ही करता हूँ"

पोया चली गई। आज सुबह की बैठक से उसे काफी तसल्ली मिली।

कल रात उसने प्रेम के बारे में जो कुछ भी कहा था, वह केवल इतना ही नहीं था...

संयोगवश हुई परिस्थिति का परिणाम, क्षणिक आवेग का परिणाम।

अभिव्यक्ति से यह स्पष्ट हो गया।

जब लोला उठी तो उसने देखा कि मालिन का पैर पहले से कहीं ज्यादा चमक रहा था।

सामान्य से अधिक। मालिन ने उसे बताया कि पोया उससे बात करने आई थी।

दादाजी ने प्रस्थान की व्यवस्थाओं के बारे में बताया, और उनके पास जो भी जानकारी थी।

मुझे दोपहर के भोजन के लिए बुलाया गया है।

“मुझे लगा कि मैंने तुम्हें फुसफुसाते हुए सुना,” लोला ने कहा।

“हमें आपको परेशान करने में डर लग रहा था,” मालिन ने जवाब दिया।

बीजिंग की शरद ऋतु के उन उत्तम दिनों में से एक था, सूखा और

आंगन में धूप खिली हुई है, ताजगी है और शांति का माहौल है।

पिछली रात की मुलाकात का रोमांस अभी भी मालिन के मन में ताजा था।

किसी अज्ञात चीज़ का वादा लिए हुए, और आज सुबह का

अनौपचारिक, संक्षिप्त मुलाकात — वो चुंबन, उसके हाथों का स्पर्श

कंधों पर — ˆउसके कमरे में एक मनमोहक सुगंध रह गई थी।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह हल्की, मुश्किल से पहचानी जाने वाली सुगंध कहाँ से आ रही थी।

उसने जो मैग्नोलिया के फूल तोड़े थे, वे अब फूलदान में रखे हुए थे।

वातावरण में एक अजीब सी उत्तेजना थी। सामने बैठे हुए

अपने बालों को संवारते हुए, दर्पण में देखते हुए, वह सोचने लगी कि उसे क्या पहनना चाहिए।

आज के दिन के लिए। वह हर दिन ध्यान से कपड़े पहनती थी, लेकिन आज का दिन अलग था।

अलग। सुंदर कपड़े पहनना आत्मसम्मान का मामला था;

महिला उचित कपड़े पहनती है, भले ही वह केवल कुछ दिनों के लिए ही जा रही हो।

पार्क में, इस उम्मीद से कि मुझे केवल अजनबी ही देखेंगे। लेकिन कपड़े बदलने के बाद

जिस खास आदमी से वह प्यार करती थी, उसकी स्वीकृति पाना उसके लिए बहुत मायने रखता था।

और भी बहुत कुछ। यह तो घर पर दोपहर का भोजन था, और उसे सादे कपड़े पहनने ही थे।

उसकी केश-सज्जा, कला की अन्य कृतियों की तरह, बहुत अधिक संकेत नहीं देनी चाहिए।

ejSbrt. यह उसके मल के अनुकूल होना चाहिए, प्राकृतिक और सहज होना चाहिए। वह

मुझे पता था कि पोया के शरीर के नीचे लाल जन्मचिह्न था।

दायाँ कान। उसके कान कोमल थे, काफी पतले और नीचे की ओर नुकीले थे।

और एक ज्योतिषी ने उसे बताया था कि यह एक बुरा संकेत है; सभी दीर्घायु हों।

भाग्यशाली व्यक्तियों के कान के निचले हिस्से लंबे और भारी होते हैं ताकि उनका भाग्य उनके साथ बना रहे।

इसलिए वह अक्सर अपने बालों को फैलाकर अपने मुंह को ढक लेती थी।

आंशिक रूप से। उसे एक प्रेरणा मिली कि आज सुबह वह

उसने अपने बालों को एक बड़ी क्लिप से पीछे की ओर बांध लिया। उसका मल छोटा था।

और इससे वह लगभग एक स्कूली छात्रा जैसी दिखने लगी। नवीनता

उसे यह बात अच्छी लगी, और इसके परिणामस्वरूप उसके शरीर पर बना लाल निशान स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा।

जन्मचिह्न उस चमकीले सिंदूरी रंग का था जो

कुछ छोटी पहाड़ी छिपकलियों में देखा जाता है। इसका क्या संबंध है?

लाखों महिलाओं की कौमार्यता के बारे में कोई नहीं जानता; लेकिन परंपरा के अनुसार एक

एक महिला की पवित्रता की परीक्षा छिपकली के रक्त से की जा सकती है। एक छिपकली को भोजन दिया जाता है।

सात किलो वेमिलियन सिनाबार, या मरक्यूरिक सल्फाइड पर, और

इसका खून एक महिला की बांह पर लगाया जाता है, जहां कहा जाता है कि यह एक

स्थायी सिंदूरी दाग, लेकिन जैसे ही महिला को

किसी पुरुष के साथ संबंध होने पर, stˆ का रंग बदल जाता है। इसीलिए

चीनी शास्त्रीय ग्रंथों में छिपकली को “dbamber guard” {sboukmˆ कहा जाता है।

मालिन का निशान उसी चमकीले रंग का था, और यह ज्ञात था

इसे "सिंदूरी जन्मचिह्न" कहा जाता है, जिसे सुंदरता का एक दुर्लभ लक्षण माना जाता है।

माल्म को यह भी याद आया कि वह पोया के कमरे में जा रही थी।

दोपहर। उसने उसका अध्ययन कक्ष देखा था और उसे पियानो बजाते हुए भी देखा था।

वहाँ। क्योंकि वह यह तय नहीं कर पा रही थी कि उसे कौन सी पोशाक सबसे ज्यादा पसंद आएगी,

उसे एकमात्र सुराग मिल गया, कि उसे ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जैसे कि वह

वह वहीं की थी, ताकि उसे उसे देखकर खुशी हो।

अपने घर के परिवेश में। उसे सादे कपड़े पहनने चाहिए ताकि...

परिचित प्रभाव, पन्ना कंगन के अलावा कोई और गहना नहीं।

यह जीवन भर उसकी बांह पर रहना चाहिए, क्योंकि इसे हटाया नहीं जा सकता।

उतार दिया। बहुत सोच-विचार के बाद, उसने अपने पुराने हल्के रंग के कपड़े पहन लिए।

गहरे नीले रंग के साथ मेल खाने वाला नीले रंग का छोटी आस्तीन वाला गाउन।

उनके अध्ययन कक्ष में कालीन।

लगभग बारह बजे, वह लोला, टैन और त्सिएन के साथ वहाँ गई।

क्योंकि उसने कहा कि वह पोया की पढ़ाई देखना चाहती है और उनके पास

और कुछ करने को नहीं था। पोया और कैनान इमड वापस नहीं लौटे।

अदालत पूर्वी छोर पर स्थित थी, और असामान्य रूप से बड़ी थी।

बीजिंग के घर के हिसाब से काफी गहरा। कमरे मोटे कालीनों से ढके हुए थे और

पश्चिमी और मध्य कक्ष बैठक कक्ष के रूप में उपयोग किए जाते थे।

किनारों पर केवल संकीर्ण विभाजनों द्वारा अलग किया गया। पश्चिमी छोर

इसमें बायडवुड के क्यूरियो स्टैंड लगे हुए थे, जिनमें रखा हुआ था

विभिन्न प्रकार के फूलदान और छोटे सफेद सुंग चीनी मिट्टी के बर्तनों का संग्रह

और कटोरे, और कुयुएह्सियन बर्तन अपने नाजुक रंगीन तामचीनी के साथ।

डिजाइन।

हफालिन अकेले ही पश्चिम में स्थित अलग घर में चली गई।

60

कोइउट, जिसे पोया ने एक विद्वान के स्टूडियो के रूप में तैयार किया था। दीवार पर

दो बड़े हान कांस्य दर्पण, कुछ सुलेख स्क्रॉल, और

एक ब्रांडेड कपड़े पर स्याही से बनी एक तस्वीर जिसमें एक सांप से मोहित व्यक्ति को दर्शाया गया है।

चाय की मेज पर देहाती इशिंग मिट्टी के बर्तनों का एक चाय सेट रखा था, और उसके ऊपरी हिस्से...

किताबों की अलमारियां अजीबोगरीब सजावटी सामानों से भरी हुई थीं - खस्ताहाल

तलवारें, हरे रंग की एक छोटी घंटी और धनुषाकार आकार का हाथीदांत का एक पुराना टुकड़ा

■ताओ युआनिंग की संपूर्ण गद्य कविता "सेवानिवृत्ति पर" उत्कीर्ण है

एक इंच ऊँचा और दो इंच चौड़ा स्थान — इससे भी अधिक प्राचीन चीज़ क्या हो सकती है?

और सुंदर से अधिक जिज्ञासु। कमरे का दक्षिणी छोर बना।

एक अलग खंड जिसमें आधुनिक शैली का स्टूडियो सोफा, एक पियानो है,

और एक आधुनिक फ्लोर लैंप। दोनों हिस्सों के बीच का अंतर।

यह आकर्षक था; जबकि कमरे का मुख्य भाग सादगीपूर्ण शैली में बना रहा।

एक क्यूइनीज़ आंतरिक भाग की कठोरता, दक्षिणी छोर आधुनिक था और

अधिक आरामदायक और अंतरंग। यह पोया के लिए एक सुनहरा अवसर था।

पढ़ना और आराम करना। सोफे पर तकिए बेतरतीब ढंग से पड़े थे।

और उस पर अखबार फैले हुए थे। सोफे के नीचे एक

तेंदुए की खाल पर पोया की चप्पलें थीं। क्योंकि कोई और नहीं था

कमरे में जाकर उसने चप्पलें उठाईं और उन्हें धीरे से छुआ।

अपराधबोध महसूस करते हुए, उन्हें सावधानीपूर्वक उनके मूल स्थान पर रख दें।

वह पियानो की कुर्सी पर बैठ गई और संगीत को निहारने लगी।

उसने उसे पियानो बजाते हुए सुना था। • पियानो पर उसने खिलौनों की एक जोड़ी देखी।

झांझ और एक छोटी तांबे की घंटी थी, और वह देखकर खुश हुई और सोचने लगी।

वह इन खिलौनों से क्या कर रहा होगा? पास ही में एक

सुनहरे पिंजरे में एक छोटी चिड़िया के आकार की अनोखी घड़ी, चिड़िया

हर पल अपना सिर हिलाते हुए। पोया को ऐसे छोटे-छोटे पल बहुत पसंद थे।

चीज़ें। वह ज़ोर से हँसी। उसकी नज़र एक कांच के जार पर पड़ी।

एक नीची मेज पर खड़े होकर नमकीन और सूखे बत्तख के गिज़र्ड को तैफी करना।

सोफे के सिरहाने पर। "आह, ये रहा!" उसने खुद से कहा।

वह जार से एक टुकड़ा निकालकर चबाने से खुद को रोक नहीं पाई।

■संतोष के साथ।

कंपनी धीरे-धीरे निष्क्रियता से अध्ययन कक्ष की ओर चली गई। मालिया थी।

कमरे के बीच में पोया की मेज पर, एक कागज के टुकड़े को छूते हुए।

एक फुट लंबी जीवाश्म छाल। वह अभी भी चबा रही थी, क्योंकि एक

ठीक से सूखने और सख्त होने पर यह बीस मिनट तक टिक सकता है।

और उसे बहुत धीरे-धीरे चबाना पसंद था, वह एक बार में छोटे-छोटे रेशे काटती थी।

“तुम क्या खा रहे हो?” लोला ने हैरानी से पूछा।

मालिन ने उसे अपने हाथ में जो कुछ था वह दिखाया और मुस्कुराई।

एक बूढ़ी नौकरानी चाय लाते हुए अंदर आई। यह देखकर कि...

हफालिन जो कर रही थी, उसने कहा, **सियाओकबीह, यही तो मालिक को पसंद है।

सबसे ज़्यादा। किसी को भी इसे छूने की इजाज़त नहीं है।"

6i

मालिन जाट के पास गई और उसे पास कर लिया, हालांकि केवल त्सिएन ने ही उसे पास किया।

गिज़्ज़तद। उसने नौकर को घड़ा भी दिया, लेकिन उसने कहा,

हम ऐसा करने की हिम्मत नहीं करते... इस घर में केवल मालिक ही उसे छू सकता है।

जार... मालकिन भी ऐसा करने की हिम्मत नहीं करती।"

मालिन* ने जार को वापस उसकी जगह पर रखते हुए हंस दिया।

नौकरानी का चेहरा खिल उठा और उसने कहा, "अगर मालिक पूछे तो कहना कि मैं उसकी जगह ले लूंगी।"

उनमें से बहुत सारे उपलब्ध हैं।

कुछ ही देर में पोया और कमान लौट आए और पोया उनके पास आ गई।

वह अपने हाथ में पैकेट लिए हुए अध्ययन कर रहा था। उसे आश्चर्य हुआ जब उसने मालिन को वहाँ पाया।

वह अपनी ऊंची लकड़ी की कुर्सी पर बैठा था और डेस्क पर झुक रहा था।

वह जेड के बर्तन, सिपी, या 'टज्रुश स्नान' का उपयोग कर रही थी।

ऊँची पर्वत चोटियों के रूप में खूबसूरती से तराशा गया, जिसमें एक

नीचे एक छोटा सा कुंड था जिसमें पानी भरा हुआ था। मालिन उसमें खेल रही थी।

उसमें लिखने का ब्रश था। पोया के प्रवेश करने पर भी वह अपनी सीट पर ही बैठी रही।

और मुस्कुराते हुए उस पर एक नज़र डाली। संयोगवश, चमकीला

उसके पन्ना के कंगन का हरा रंग तिब्बती टोपी के रंग से बिल्कुल मेल खाता था।

जेड का पानी का पात्र। उसका नया हेयरस्टाइल, इकट्ठा किया हुआ और क्लिप से बंधा हुआ।

उसकी गर्दन पर कुछ घुंघराले बाल उसके माथे के चारों ओर फैले हुए थे, और

उसका छोटा सा शरीर ऊँची कुर्सी पर असामान्य रूप से धंसा हुआ था।

ऊँची काली लकड़ी की मेज, एक साथ मिलकर एक बेहद बचकाना सा लुक देती है।

प्रभाव। पोया अवाक खड़ी थी। मालिन, अभी भी ब्रश से नहा रही थी,

उसने अपनी घनी पलकें उठाए बिना फिर से मुस्कुरा दी। यह शरारती मुस्कान थी।

उसे मुस्कुराना नहीं चाहिए था, और अगर वह मुस्कुराई भी तो उसे देखना चाहिए था।

उसकी नज़रें उसकी बर्फ पर टिकी थीं; वैसे तो उसकी मुस्कान किसी रहस्य का संकेत दे रही थी।

विचार। बड़ी पुरानी स्याही की पटिया पर कुछ अक्षर उकेरते हुए,

बिना सिर उठाए ही उसने कहा, 'टोया, किसी ने...'

मैंने तुम्हारे पेट के अंदरूनी अंग जार से चुरा लिए हैं। बेहतर होगा कि तुम जाकर गिन लो।

उन्हें।" फिर उसने बचे हुए छोटे से हिस्से को उठा लिया।

वह डेस्क पर पड़ा था और उसने शरारत से उसे काट लिया।

पोया ने कांच के जार की ओर देखा और हंस पड़ी।

“वह एक बीवर है,” लोला ने कहा। “वह अपने शरीर को हिलाती रहती है।”

पिछले आधे घंटे से उसके जबड़े ऊपर-नीचे हो रहे हैं। अगर आप उसे यहीं चुप करा दें तो...

एक हफ्ते तक वह पूरे घर का फर्नीचर चबाती रहती थी।

और बीम, सोफा, कुशन और सब कुछ।"

वे सब हंस पड़े, और पोया को अपने पार्सल याद आए और उसने कहा,

"देखो मैं क्या लाया हूँ। तुम्हारे चबाने के लिए यहाँ काफी कुछ है।"

पूरे एक सप्ताह के लिए।"

पैकेजों में सूखे गिज़र्ड और बड़े-बड़े धूप में सुखाए हुए सेम थे।

और मसालेदार खरबूजे के बीज और "गाय की चमड़ी की कैंडी" — ^आखिरी वाला

क्योंकि यह गाय की खाल की तरह सख्त और लचीला था।

<में

“क्या संयोग है!” लोला ने कहा।

मालिन ने एक पैकेट से दो गिज़र्ड निकाले और जाकर उन्हें रख दिया।

उन्हें जार में डाल दें।

“मैंने दो चुरा लिए,” उसने पोया से कहा, “और नौकरानी इतनी भोली थी कि

मैंने उससे कहा था कि अगर मालिक चाहे तो मैं उन्हें बदल दूंगी।

अब कोइनान अंदर आई। खरीदारी के बाद वह खुश लग रही थी।

और एक खास अवसर की तैयारी के एहसास से थोड़ा सा लाल हो गया था।

मालिन ने उसे मेज पर फैली हुई मिठाइयाँ भेंट कीं।

मेज़बान-मेहमान के रिश्ते का उलटफेर और खुरदुरा आवरण

कागजों से कैनान के मातृत्वपूर्ण स्वाभिमान को ठेस पहुंची; और वह

मुस्कुराते हुए।

जब खाना परोसा गया और वे भोजन कक्ष में गए

पूर्व की ओर, कैनान ने मालिन से त्सिएन के बगल में बैठने के लिए कहा, जिससे वह प्रसन्न हुई।

उसे। केन ने लोला से कहा था कि त्सिएन एक अच्छा साथी साबित होगा।

मालिन के लिए, और वह खुद भी ऐसा ही सोचता था, क्योंकि वह अकेला था

अविवाहित युवक। और मालिन उससे दोस्ताना व्यवहार करती प्रतीत होती थी।

उसे। कैनान ने पोया को मौन के साथ इश्कबाजी करते देखा था, लेकिन उसने देखा था

वह दूसरी महिलाओं के साथ भी इश्कबाजी करता था, और वह सहज महसूस करती थी।

पत्नी जैसी और आश्वस्त।

जब पोया ने अपनी पत्नी की जानकारी के बिना, एक आश्चर्यजनक आदेश दिया-

किनारे पर, नौकरानी ने गिज़र्ड सूप परोसा, उसके बाद कठोर मांस का एक व्यंजन परोसा।

तले हुए गिज़र्ड्स को देखकर मालिन पर खूब हंसी-मजाक हुआ।

उसने पोया की ओर देखा और चुपचाप मुस्कुराया।

जब दुश्मन यात्रा की तैयारियों के बारे में बात कर रहा था, तो लोला ने आह भरी।

और उसने कहा कि काश वह उनके साथ दक्षिण जा पाती।

“क्या तुमने कल रात खाने के समय के आसपास गोलियों की आवाज सुनी?” उसने पूछा।

कैनान। "तुंगन बाज़ार के लोग कह रहे थे कि..."

कल रात एक जेल तोड़कर भाग निकले।

"हमारे आदमियों ने, हमारे गुएकैलास ने," पोया ने कहा। "यह एक जेल है।"

युंगटिंगमेन के ठीक बाहर।"

कुछ लोगों का कहना है कि पांच सौ कैदियों को रिहा कर दिया गया और वे सेना में शामिल हो गए।

"गुरिल्ला। कुछ लोग कहते हैं कि एक हजार हैं। किसी को नहीं पता," कैनान ने आगे कहा।

कुछ देर बाद पोया ने कहा, 'मुझे खुशी है कि हम जा रहे हैं।'

"तुम्हें महसूस हो रहा है?" उसने अपनी पत्नी की ओर देखते हुए कहा।

"क्या लग रहा है?"

विनाश का आभास। इतने सारे जापानियों को देखकर। कम से कम आधे

ईस्ट-वन और ईस्ट- के बीच एक दर्जन "अस्पताल" खुल गए हैं।

चार पैलू। वे वातावरण को प्रदूषित करते हैं। मेरा मतलब सिर्फ इतना ही नहीं है।

“होस^एल^’’ हेरोइन बेच रहा है। मेरा मतलब है लोगों का मल, उदासी

चीनी मल और जापानी मल पर। ये दोनों कैसे हो सकते हैं?

लोग साथ रहने लगे हैं? आपको लगता है कि कोई भी समायोजन संभव ही नहीं है।

पेइपिंग अब जापान का एक शहर है। तो फिर उन्हें विजेता बनने दो और

वे अपनी भूमिका निभाते हुए दिखें। लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते। वे गरिमापूर्ण नहीं हो सकते और

आत्मविश्वासी। अगर वे आत्मविश्वासी और सहज दिख सकें, तो आप भी ऐसा कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, "ठीक है, उन्होंने पेइपिंग पर कब्जा कर लिया है और वे जा रहे हैं।"

इसे अपने पास रखने के लिए। इससे एक तरह की अंतिम परिणति का आभास होगा, किसी बात का।

स्थिर तो हैं। लेकिन वे आत्मविश्वासी, आत्म-आश्वस्त और विनम्र नहीं हो सकते।

वे आपके डर पर काबू नहीं पा सकते और न ही आपकी सद्भावना जीत सकते हैं। आखिर क्या है?

उनमें क्या समस्या है?

जब बाकी लोग खाना खा रहे थे, पोया बोलती रही, "मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।"

जापानी दुकानदारों की तरह मूक प्राणी, जो देखने में बिल्कुल बेजान लगते हैं-

प्यारे जानवर। मेरे रिक्शा चालक ने कहा: 'पूर्वी महासागर के लोग'

वे बिलकुल हमारे जैसे ही हैं, बस फर्क इतना है कि वे हंस नहीं सकते।' उन्होंने कहा

कि वह एक जापानी व्यक्ति और एक कुत्ते को खींच रहा था जो किसी के साथ भाग गया था।

लकड़ी की चप्पल चीख रही थी और उससे शरारत कर रही थी।

सड़क पर खड़े सभी लोग जोर-जोर से हंसने लगे, सिवाय उस व्यक्ति के।

एक जापानी व्यक्ति जिसने अपनी चप्पल खो दी थी और वह आदमी जिसे मैं खींच रहा था।

कुत्ता उसे नुकसान नहीं पहुँचाने वाला था। लेकिन मेरे पीछे खड़ा जापानी उसे नुकसान नहीं पहुँचा सकता था।

त्सोउ! त्सोल! कल्पना कीजिए कि वे एक कुत्ते से डरते हैं! मैंने पूछा

पुलर ने पूछा कि वह श्वेत लोगों के बारे में क्या सोचता है, और उसने कहा, 'वे

वे अजीब और डरे हुए लोग हैं। उनसे बदबू आती है। मक्खन की गंध आती है।

भले ही आप उनके आगे दौड़ रहे हों। फिर भी, वे

वे हमारी तरह हंस सकते हैं, लेकिन ये पूर्वी महासागर के लोग नहीं हंस सकते।

रात के खाने के बाद, वे अध्ययन कक्ष में गए। पोया ने दो नए पन्ने निकाले।

जापानी फेडरल रिजर्व बैंक का बैंक-नॉटˆ, एक येन का एक नोट

जिस पर ग्जन्फुडस की तस्वीर है, और एक दस येन का नोट जिस पर एक '

उस पर वेन तिएनसिआंग की तस्वीर है।

उन्होंने कहा, "सभी लोगों में से, उन्होंने वेन तिएनसियांग को चुना!

यह सौ येन में से एक है, जिस पर पीले रंग की तस्वीर बनी हुई है।

हालांकि मैंने इसे देखा नहीं है। कठपुतलियों को यह कैसा लगेगा?

तिएवियांग को कुबलई खान ने वर्षों तक कैद में रखा था।

उन्हें पकड़े जाने के बाद बीजिंग में उनके साथ पूरा सम्मानपूर्वक व्यवहार किया गया।

और उन्हें हर तरह का सम्मान दिया गया, लेकिन उन्होंने मंगोलों की सेवा करने के लिए त्यागपत्र दे दिया।

विजेता और स्वेच्छा से मृत्यु। इस बारे में आपकी क्या राय है?

जापानी विचार यह है कि इस कठपुतली सरकार को इस प्रकार प्रदर्शित किया जाए

जनता से पहले सचमुच चीनी। यह हास्यास्पद होगा।

मालिन नोट पर छपी वेन की तस्वीर को घूर रही थी।

उसका हाथ। वेन तिएनसिआंग और योफेई को संभवतः माना जाता है।

चीन के संपूर्ण इतिहास के दो सबसे प्रसिद्ध देशभक्त। "क्या उसने

क्या वे सचमुच ऐसे दिखते हैं?

काल्पनिक। वह चियांग के वंशजों में से एक है।

ˆ T „ . ® J®IˆQ®se को यह विचार सियामित में से किसी एक से मिला होगा

वे सभी सुशोभनीय चीनी भाषा की किताबें पढ़ते हैं।

Pˆes, hke coˆtence’ और "सह-समृद्धि" और "कांग्स

ncˆ ˆ ईमानदारी* और ‘सहयोग’, और इनका उपयोग करें और अपेक्षा करें

उन्हें निगल जाओ। झूठ के मुहावरे किसने ईजाद किए? कोशिश क्यों

करें?

तिएनसियांग के गीत पर

थोड़ा शर्मिंदा होते हुए, "बेशक मैंने सुना है।"

कविता का।"

एआईटी का मतलब है— ईमानदारी की भावना।

® क्यूइनी इतिहास के देशभक्त जिन्होंने झुकने से इनकार कर दिया

विदेशी सेना में कार्यरत और अपनी बहादुरी और ईमानदारी के लिए जाने जाते थे।

गाने में उल्लेख किया गया है। जनरल येन का सिर, और येन चांग-

® च^ग लियांग का लोहे का संदेश जो फेंका गया था

अत्याचारी सम्राट है, उसकी हत्या करने के लिए — ^गीत में सभी ने खाया

सत्यनिष्ठा की भावना के प्रतीक या अभिव्यक्तियाँ। कियांग टी.के.फिग

एस“®ट्रिउआ। क्या होगा अगर सभी क्यूहडनेसियों को उसकी याद दिला दी जाए?

anc^ieoms assMsination methods? क्या होगा अगर हमें याद दिलाया जाए

° ^.'■^^gshan की जीभ जो निंदा करती रही और

फांसी के मैदान में सुश्री बंदी बनाने वालों पर, क्योंकि वह ऐसा नहीं करेगा

क्या वे आत्मसमर्पण करेंगे? जापानी शायद सोचते हैं कि अगर वे ऐसा करते हैं तो

नहीं^ कन्फ्यूशियस और वेन तियानसिआंग की तस्वीरें और

पीले सम्राट, हम उन्हें अपमानजनक शब्दों से नहीं लपेटेंगे

टिप्पणियाँ।" ^

पेइपिंग की आबादी के पास अपनी बात कहने का एक अप्रत्यक्ष तरीका था।

कठपुतली शासन की निराशा। पिछले कई कठपुतली

नोट्स पर कठपुतली के नाम लिख दिए गए थे।

शासक, और "गद्दार," "इज्जत नहीं चाहिए," "बेचना" जैसे शब्द।

"दासता," "बर्बर लोगों के सामने झुकना," और भी बहुत कुछ

भयंकर अपमान। यह पता नहीं था कि इस चाल की शुरुआत किसने की थी, लेकिन

यह बहुत जल्दी लोकप्रिय हो गया। इसमें इतने सारे स्वर थे कि

उपयोगकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें ये जानकारी दूसरों से मिली थी।

पप ने जापानी जनरल से शिकायत की, और एक आदेश जारी किया गया।

अपमानजनक संदेश वाले नोट कानूनी रूप से स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हालांकि, यह व्यापारियों के लिए केवल एक बहाना साबित हुआ।

इन नोटों को अस्वीकार करने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं थी, और वे ऐसा करने में बहुत खुश थे, क्योंकि

ये नोट जापानी येन में भी बदले नहीं जा सकते थे।

65

हमेशा निम्न स्तर पर ही स्वीकार करना पड़ता था, और व्यापारी यही पसंद करते थे।

ग्वाइनीज़ सेंट्रल बैंकों के नोट। इसलिए आदेश में यह बात शामिल थी।

पुराने नोटों को रद्द कर दिया गया था, और अब नए नोट प्रचलन में लाए जा रहे थे।

उन पर चीनी ऐतिहासिक नायकों के चित्र बने हुए थे। ऐसा लग रहा था मानो

इटली पर विजय प्राप्त करने के बाद हिटलर ने ऐसे नोट जारी किए जिन पर आकृति छपी हुई थी।

Ma22ini के, या वे जीते हुए स्विट्जरलैंड को बैंक- के साथ बाढ़ से भर रहे थे।

विलियम टेल की तस्वीर वाले नोट। लेकिन जापानी

मुझे इसमें हास्य की कोई झलक नहीं दिखी।

आमतौर पर घर पर दोपहर का भोजन करने के बाद लोग अपने-अपने घर

लौट जाते थे।

कमरे। लेकिन अक्टूबर की दोपहर की धूप एकदम सही थी, और

उस पल का आकर्षण उन पर हावी था। एक अनुभूति थी...

ऐसा लग रहा था मानो कुछ टूटकर बिखरने वाला हो, मानो कोई चीज टूट ही जाने वाली हो।

कौन जानता था कि उन्हें ऐसे और कितने ऑटोरॉन दिन देखने को मिलेंगे।

क्या हम साथ में समय बिता सकते हैं? दोपहर के भोजन से पहले मालिन की चपलता ने

उन्हें अच्छे मूड में ले आओ, और अब उत्तले का आंगन भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

दोपहर की तेज धूप में एक अलग ही मनमोह था। कैनव खुश था।

उसके जल्द ही चले जाने के कारण, मालिन के पास कामना करने का कोई कारण नहीं था।

जाने के लिए, और लोला के मन में कुछ चल रहा था। पुरुष, जैसे

आम तौर पर, वे घर पर गिनती नहीं करते थे; जब वे ऊब जाते थे या जब

वे सचमुच महत्वपूर्ण बनना चाहते थे, वे हमेशा अपनी पहचान छोड़ सकते थे।

घरों में। इसलिए कंपनी ने अपने आप को तिपाई के चारों ओर व्यवस्थित किया।

दक्षिणी छोर पर, जबकि माउन ऐ बुककेस के पास टहल रहा था,

किताबों की जांच करते हुए और अपने बीच तरबूज के बीज तोड़ते हुए

अपने दांत साफ करते हुए, वह अंत में पोया की ऊंची डेस्क कुर्सी पर फिर से बैठ गई।

तभी उन्हें दूर से गोलियों की आवाज सुनाई दी। लोला, जो

आमतौर पर शांत रहने वाला वह व्यक्ति डर गया था। गुरिल्लाओं ने

शहर में लड़ाई जारी थी, और पिछले दो महीनों में वे अक्सर

दूर से तोपों की गड़गड़ाहट सुनाई दी, लेकिन फिर भी इससे वह विचलित हो गई।

“आपके जाने के बाद हमारा क्या होगा?” उसने पोया से पूछा।

जो एक आरामकुर्सी पर बैठकर पाइप पी रहा था। "क्या है?"

पेइपिंग का क्या होगा? यह युद्ध कब तक चलेगा?

सोचना?"

“एक या दो साल, शायद तीन, कौन जानता है?” उसने जवाब दिया।

"दो या तीन साल!" लोला ने हैरानी से कहा। "क्या आपको लगता है कि हम ऐसा कर सकते हैं?"

इतनी देर तक लड़ना?

“बेशक हम कर सकते हैं,” उन्होंने कहा, जो उनके अपने कथन से कहीं अधिक भविष्यवाणीय था।

गणनाएँ उचित थीं।

लेकिन हमारा क्या होगा? तुम कब आ रहे हो?

पीछे?

कौन जानता है? यह सिर्फ एक और छोटी सी घटना नहीं होने वाली है।

66

यह 1932 के शंघाई वाट जैसा है। आपको इसकी आदत डाल लेनी चाहिए।

इस विचार के लिए।"

"आपका मतलब यह तो नहीं है कि हमें यहाँ बंद करके गर्मी में रखा जाएगा?"

दो या तीन साल तक बंदूकें?

अगर आप चाहते हैं कि किना जीते, तो आपको यही उम्मीद रखनी चाहिए।

गुरिल्ला उन्हें चैन से नहीं बैठने देंगे।

■ “अगर यह इतने लंबे समय तक चलने वाला है, तो शंघाई एक बेहतर जगह होगी।”

हमारे रहने के लिए जगह। हम इंटेई-नारिनल बस्ती में रह सकते हैं।

टिप्पणी।"

"शंघाई में इस समय और भी भीषण लड़ाई और बमबारी हो रही है।"

पोया ने हल्की हंसी के साथ कहा।

“अब हम क्या करेंगे?” लोला ने घबराकर पूछा।

“इसमें कोई शक नहीं कि यह एक लंबा युद्ध होने वाला है। 1932 में,

उन्नीसवीं रूट आर्मी लड़ रही थी; अब पूरा देश लड़ रहा है

लड़ाई। यह शंघाई या पेइपिंग का सवाल नहीं है, न ही यह कि कौन सा है।

कहीं भी पूरी सुरक्षा नहीं होगी। कौन जाने क्या होगा।

शंघाई का क्या होगा? युद्ध आंतरिक क्षेत्रों तक जारी रहेगा।

हम सब शरणार्थी बन जाएंगे। हमारा और इसका क्या होगा?

बगीचे के बारे में हम अनुमान नहीं लगा सकते। पेइपिंग में भी उतनी ही सुरक्षा होगी।

जैसे कि बुचुरिया में। इसे 'फील एरिया' कहा जाता है। आपको बनाना होगा।

इस दुनिया में जीने के लिए, या यूं कहें कि केवल अस्तित्व बनाए रखने के लिए, अपना मन बनाओ।

कब्जे वाले शहर का असहनीय वातावरण, या शरणार्थी बन जाना

अंतर्देशीय क्षेत्र।"

“मुझे नहीं लगा था कि यह इतना बुरा होगा,” लोला ने कुछ नाराज़गी से कहा।

हौसला मिला। 'हमें शंघाई जाना चाहिए। मुझे लगा था कि मालिन थी।

मैं एक शरणार्थी था और मुझे यहाँ आना पड़ा। क्या अब हमें भी शरणार्थी बनना पड़ेगा?

हम स्वयं?"

“माल्म एक शरणार्थी है?” पोया ने पूछा।

"वह हमारे घर में शरण लिए हुए है," लोला ने झूठ बोला।

अकेली बैठी मालिन ने लोला की ओर देखा और मुस्कुराई, फिर भी

तरबूज के बीजों को आसानी से फोड़ना।

"मैं भी स्लिघाई जाना चाहती हूँ," त्सिएन ने मालिन के बारे में सोचते हुए कहा।

वहाँ जा रहा हूँ।

“यह आपके लिए बेहतर हो सकता है,” पोया ने गंभीरता से कहा। “पीपिंग

हमारी आँखों के सामने सड़ रहा है। मुझे लगता है कि कोई इसे तब तक सहन कर सकता है जब तक कि...

यह निरर्थक हो जाता है। लेकिन यह ज्यादा देर तक नहीं चल सकता। हमारे लोग उदास हैं।

और दुश्मन भी उदास हैं। और हमारे लोग ऐसा ही महसूस करते रहेंगे।

अजेय होने के बारे में कट्टरपंथी सोच रखते हुए, जापानी लोग आगे बढ़ते

रहेंगे।

हमें जीतने के बारे में भाग्यवादी महसूस करते हुए, खुद को यह समझाते हुए कि वे

स्पष्टतः उन्होंने शहर पर कब्जा कर लिया है और अपने वरिष्ठों के बल पर इसे अपने पास रख सकते हैं।

67 सी*

बंदूकें, और इस बात से बहुत दुखी महसूस कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि वे ऐसा क्यों करते हैं?

क्या वे नाखुश हैं? वे डरे हुए हैं, ठीक वैसे ही जैसे कोई भी व्यक्ति जो निर्भर करता है

बंदूकों की सुरक्षा से डर लगता है। यह डरावना है...

पिस्तौल, लेकिन हाथ में पिस्तौल पकड़ना भी उतना ही डरावना होता है।

आराम नहीं कर पा रहा हूँ।

टैन ने बीच में ही बात काटते हुए कहा, “लेकिन अंग्रेजों ने भारत को अपनी तोपों के बल पर ही अपने कब्जे में रखा है।”

सौ साल से भी अधिक समय से।"

"तुम गलतफहमी में हो," पोया ने कहा। "ब्रिटिश भारत को दबाकर रखते हैं।"

उनके आकर्षण से।

"कैसा आकर्षण?" टैन ने आश्चर्य से घबराते हुए कहा।

"सुंदर बनकर," पोरा ने उसे उकसाने के लिए कहा।

“तुम तथ्यों को तोड़-मरोड़ रहे हो,” टैन ने कहा। “हिंदुओं का क्या मतलब है?”

क्या आपको ब्रिटिश लोगों की खूबसूरती पसंद है? वे अंग्रेजों से मिट्टी के बर्तनों की तरह नफरत करते हैं।

क्योंकि कोरियाई लोग जापानियों से नफरत करते हैं।"

“हाँ, वे उनसे नफरत भी करते हैं और उनका सम्मान भी करते हैं—या उनसे डरते भी हैं, मैं यही कहूंगा।”

बल्कि यह कहना चाहिए। यही उनका आकर्षण है, प्रकट होने का आकर्षण।

जैसे प्राकृतिक उस्ताद। अगर आप चाहें तो इसे सांप का आकर्षण कह सकते हैं।

आत्मविश्वास और आचरण का आकर्षण और अपने तरीके से आगे बढ़ना

वेशभूषा पहनना, अपना खाना खाना और अपनी बातें करना

अपनी भाषा बोलना और दूसरों से भी अपनी भाषा बोलने की उम्मीद करना, ये सब गलत है।

भूल जाओ: ब्रिटिश पूरे देश में लगभग उतने ही सैनिक रखते हैं।

जापानियों को लगभग बाद में छोटे से कोरिया में भारत को रखना पड़ा

चार दशकों की विजय। आपको क्या लगता है कि मुट्ठी भर लोग

अंग्रेज पुरुष और महिलाएं कुछ भारतीय चौकी क्षेत्रों में रहने में सक्षम हैं।

क्या वे गांव में रहकर खुद को स्थानीय लोगों द्वारा मारे जाने से बचा सकते हैं?

बंदूकों और हवाई जहाजों से नहीं, बल्कि उनके ब्रिटिश धूप से बचाव वाले हेलमेटों से।

शॉर्ट्स और उनके असंभव ऊनी मोज़े, और उनकी महिलाओं के

मलमल की पोशाकें और क्रोकेट पार्टियां, और उनसे बात करके

नौकरों से उनके मालिकों के स्वाभाविक आत्मविश्वासपूर्ण लहजे में बात करना। एक आकर्षक लहजा

मैं कहता हूँ, साँप। कल्पना कीजिए कि जापानी लोग चीनी नौकरों को ताना मार रहे हैं।

स्वाभाविक आदेशात्मक लहजा। वे इसके बजाय अकड़ दिखाते हैं, या आपको थप्पड़ मारते हैं।

मुफ़्त। और जब वे नशे में धुत हो जाते हैं, तो वे खुद को शर्मिंदा करते हैं।

दूसरे लोग खुद को बदनाम करते हैं। मैं तुमसे कहता हूँ कि उन सभी का जीवन

वे भय में जी रहे हैं, अपनी ही पुलिस से, अपनी ही सेना से।

और आप उन्हें किसी दूसरे देश में रख देते हैं और अचानक उनसे पूछते हैं कि...

अपने स्वामियों की तरह व्यवहार करो। वे ऐसा कर ही नहीं सकते। जब वे नशे में होते हैं।

जब भयंकर दबे हुए डर बाहर आते हैं। जापानियों को अभी तक यह समझ नहीं आया है।

^Sl^^ अनुग्रहपूर्ण नहीं हो सकता, और इसीलिए वे

"क्या आपको शंघाई में सख्त ब्रिटिश लोग पसंद हैं?" टैन ने उत्सुकता से पूछा।

“हाँ,” पोया ने कहा। “मैं एक राष्ट्र के रूप में उनका सम्मान करता हूँ। मैं उनसे नफरत करता हूँ।

मुझे उनकी विदेश नीति पसंद है, लेकिन व्यक्तिगत रूप से वे मुझे अच्छे लगते हैं।

"शंघाई में इन्हें सिर्फ दलाल ही पसंद करते हैं।"

लेकिन क्या शंघाई के दलालों को जापानी पसंद हैं? बस इतना ही।

अंतर, अपने सहयोगियों के बीच खुद को लोकप्रिय बनाने की कला।

लेकिन मैं आम तौर पर अंग्रेजों की बात कर रहा हूँ। पो वास्तव में एक था।

अपने शिष्य अफेई के प्रभाव से अंग्रेजी का प्रशंसक।

जो बांग्लादेश में शिक्षित हुए थे। सभी अंग्रेज़-वापस लौटे लोगों की तरह

छात्रों के प्रति, अफ़ेई अंग्रेजों के प्रति अत्यंत वफादार था और उसने बात की थी

पोया को उनके साहस और मानवता, उनकी वफादारी के बारे में।

दोस्तों और उनके आत्मविश्वास के बीच का संबंध। यह आत्मविश्वास ही

था जो...

पोया जैसे व्यक्ति को यह बात अच्छी लगी। उन्होंने आगे कहा, "शंघाई जाओ और

अंग्रेजों को देखो और समझो कि आम लोग उनके प्रति कैसा महसूस करते हैं।

उन्हें। वे उनका सम्मान करते हैं और उनसे डरते भी हैं, है ना? ब्रिटिश

वह एक बूढ़ी औरत और कुत्ते दोनों के प्रति समान रूप से दयालुता दिखाएगा।

या किसी बच्चे के प्रति। एक जापानी व्यक्ति कुत्ते या किसी अन्य जानवर के प्रति दयालु होने की हद तक नहीं झुक सकता।

बच्चे को इसलिए डर लगता है क्योंकि उसे अपनी गरिमा खोने का डर रहता है।

जब वे सुनते रहे, पोया ने आगे कहा, “मैं कभी-कभी उन्हें खाना खिलाती थी।”

उन जापानी छोटे दुकानदारों के लिए मुझे खेद है। वे बहुत विनम्र हैं।

और शांत और आज्ञाकारी। वे बस अपनी जीविका कमाना चाहते हैं।

लेकिन सेना और पुलिस को उनके साथ हर जगह जाना होगा।

जाओ। फिर रोनिन हैं, जो जापानी समाज के सबसे निचले तबके हैं।

सेना के अधिकारी सैनिकों को धमकाते हैं, लेकिन उनका शोषण करते हैं और उन्हें प्रताड़ित करते हैं।

अफीम के मुनाफे पर निर्भर रहना—यह सेना प्रणाली का हिस्सा है।

रोमन लोग सेना से उनकी दादागिरी, नौकरशाही की बाधाओं और जबरन वसूली के कारण नफरत करते हैं।

अफीम लाइसेंस जारी करने में, लेकिन उत्पादन के लिए उन पर निर्भर महसूस करते हैं।

सुरक्षा। और वह शांत व्यवसायी, जो केवल एक

अपनी पत्नी और बच्चों के लिए जीता है, लेकिन उन दोनों से नफरत करता है क्योंकि कोई भी

चीनी लोग उसकी दुकान में आएंगे। एक छोटी सी दुकान का जापानी मालिक।

ईस्ट सिटी में एक स्कूल के पास स्थित स्टेशनरी की दुकान चीनी लोगों के पास चली गई।

स्कूल के ई रिंदपाल ने उनसे विनती की कि वे विद्यार्थियों से खरीदारी करने के लिए कहें।

अपनी दुकान से। वह जानता है कि वह अपने भयानक कृत्यों के लिए भुगत रहा है।

उनकी सेना और उनके समर्थकों की उपद्रविता। चीनी

प्रधानाचार्य ने मुझे बताया कि उन्होंने छात्रों से बात करने का वादा किया था, लेकिन

अगर बच्चे अंदर नहीं जाएंगे तो इससे क्या फायदा होगा?

दुकान?"

“लेकिन ब्रिटिश साम्राज्यवाद तो साम्राज्यवाद ही है,” जवाब दिया गया।

टैन। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद पर अपनी स्नातक थीसिस लिखी थी।

पूर्वी तट पर, और वह बातचीत को अपने पसंदीदा विषय की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहा था।

विषय। “सिंगापुर को देखो, हांगकांग को देखो। कितना अंतर है!

69

ईस्ट इंडिया कंपनी और दक्षिण के बीच कोई बाधा थी।

मंचूरियन रेलवे? और इसे अंग्रेजों ने बनाया था?

अपने सुदूर पूर्वी हितों की रक्षा के लिए जापान के साथ गठबंधन।

“बिल्कुल,” पोया ने कहा, “ब्रिटिश साम्राज्यवाद कहीं अधिक है।”

भयानक इसलिए क्योंकि उनमें सफल होने की कला है। ब्रिटिश

वे सोलहवीं शताब्दी से ऐसा करते आ रहे हैं। जापानी लोग नए हैं।

खेल में। एक या दो सौ वर्षों में, वे शायद सक्षम हो सकें।

किसी उपनिवेश पर शासन करो और लोगों को पसंद आना सीखो। बंदूकें नहीं।

साम्राज्यवाद के लिए इतना ही काफी है, और उनके पास बस यही है। साम्राज्यवाद

यह एक मानवीय कला है।

“मुझे इस पर विश्वास नहीं होता,” टैन ने जवाब दिया। “यह सब अर्थशास्त्र है। यह सब एक धोखा है।”

आपूर्ति और मांग का सवाल, और कच्चे माल और बाजारों का सवाल।"

“कॉलेजों में तो यही कहते हैं,” पोया ने कहा। “यह एक तरह से खोलने जैसा है।”

स्टोर। बेशक आपको बहीखाता और उसके बारे में जानकारी होनी चाहिए।

शेयरों की खरीद और लाभ और मूल्यह्रास और पूंजी और

लेकिन अंततः यह आपके ग्राहकों को संतुष्ट करने की कला है।

आप जैसे ग्राहक यहाँ आते हैं और फिर लौटते हैं। साम्राज्यवाद एक सूक्ष्म व्यवस्था है।

मानव कला, शासकों की कला, विशेषकर विदेशी नस्लों के शासकों की कला

और क्री<ह, और आपको मानव स्वभाव को समझना होगा।

जापानियों ने साम्राज्यवाद की शिक्षा सेना की पाठ्यपुस्तकों से ली प्रतीत होती है।

किताबें।"

टैन दिल से उतना ही जापानी-विरोधी था जितना कोई और, लेकिन, एक कॉलेज के रूप में

स्नातक होने के नाते, वह शांत, वस्तुनिष्ठ और अकादमिक दृष्टिकोण अपनाने का दिखावा करना पसंद करता था।

आधुनिक बुद्धिजीवियों की जन्मजात कमजोरी, एक प्रकार की शैतानी प्रवृत्ति, को एक दृष्टिकोण के रूप में देखा जाता है।

ई राइड अमानवीय होने के बारे में है। "जापानी इतने मूर्ख नहीं हैं।"

उन्होंने कहा, “आखिरकार, वे चीनी मित्रता विकसित करने की कोशिश

कर रहे हैं।”

इस पूर्वी एशियाई सांस्कृतिक संघ और इस विचार के साथ जहाज

पीले लोगों को एकजुट करके श्वेत लोगों को भगाना। वे शायद

फिलहाल वे सफल नहीं हो पाएंगे, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टिकोण से, वे

मई।"

“हां, वे ऐसा कर सकते हैं।” पोया की आदत थी कि वह किसी भी तर्क को स्वीकार कर लेती थी।

और इसे धीरे-धीरे कमजोर कर दें। "वे चैंपियन के रूप में सफल हो सकते हैं

अगर पूर्वी संस्कृति महिलाओं और बच्चों को संगीनों से मारना बंद कर दे तो...

इस शहर के ठीक बाहर की सड़कों पर। वे इसमें बेहद अनाड़ी हैं।

आपने एशिया सांस्कृतिक संघ की तस्वीर देखी।

कुछ दिन पहले अखबारों में खबर आई थी। चीनी गद्दार थे।

ऐसा लग रहा था मानो वे खोई हुई आत्माएं हों, इतने शांत, दार्शनिक और अन-

शर्मिंदा। वर्दीधारी जापानी सैनिक सतर्क और प्रगतिशील दिखते हैं।

ईओइहारा हंसमुख और गंभीर दिखते हैं, और तुंग कांग आकर्षक लगते हैं।

और लंबा और उदासीन। लेकिन आप इस धारणा से बच नहीं सकते कि

इस पूरे खेल में जापानी लोग ही मूर्ख बन रहे हैं, न कि कोई और।

चीनी हास्य कलाकार जानते हैं कि यह एक ताकत है, लेकिन

जापानी हास्य कलाकार ऐसा नहीं करते, और इसी के परिणामस्वरूप एक अधिक गहन हास्य का निर्माण होता है।

वे क्वुने लोगों के साथ इस तरह का प्रचार नहीं कर सकते। यह

जैसे आसमान से गिराए गए जापानी लोगों के बारे में पर्चे।

चीनियों से प्रेम करना। यह जापानी सेना की मानसिकता का परिणाम है।

जो एक अमानवीय भ्रम है। और यहाँ तक कि चीनी रिक्शा भी।

कुली का दिमाग इतना भोला नहीं है। तो...

टैन बेहद शर्मिंदा था। वह और भी कुछ कहना चाहता था, लेकिन वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सका।

जापान समर्थक समझे जाने के डर से वह चुप रही। पोया ने देखा।

मालिन। उसने खरबूजे के बीज खा लिए थे और कुछ लिख रही थी।

प्राचीन स्याही की पटिया पर अंकित अक्षर, उसका पन्ना का कंगन खनक रहा था।

डेस्क के सहारे।

“तुम क्या कर रहे हो?” लोला पूछ रही थी।

मैं काउग्राफी का अभ्यास कर रहा हूँ।

"इतने आकर्षक मत बनो," लोला ने कहा।

"ब्रिटिश लोगों के पास आकर्षण है, जो जापानियों के पास नहीं है।"

मुझे मिल गया... देखो, मैंने हर एक शब्द सुना जो कहा गया था।" उसने अपना चेहरा झुकाया।

उसका सिर, जाहिर तौर पर एक शक्तिशाली घुमावदार स्ट्रोक लगाने की कोशिश कर रहा था।

और ऐसा करते हुए उसने अपना मुंह चौड़ा खोल दिया।

"तुम बहुत सहज और आत्मविश्वासी दिख रही हो," पोया ने कहा।

“ब्रिटिश लोगों की तरह,” मालिन ने कहा। उसने ब्रश नीचे रख दिया और

उसने मेज की छोटी-छोटी दराजों को एक-एक करके बाहर निकालना शुरू कर दिया।

वे मजे से उनकी सामग्री की जांच कर रहे थे।

“धत् तेरे की! धत् तेरे की!” उसने कहा।

आप क्या कह रहे हैं? क्या आप कुछ ढूंढ रहे हैं?

मैं अंग्रेजों की नकल कर रहा हूँ।

“क्या तुम उस शब्द का अर्थ जानते हो?” पोया ने पूछा।

मुझे पता है। यह एक प्यारा शब्द है।

"मैं आपको चेतावनी देता हूं कि यह शब्द प्रयोग करने के लिए अच्छा नहीं है।"

“लेकिन शंघाई और तियानजिन में मुझे यही सब सुनने को मिलता है। यह कुछ ऐसा लगता है जैसे...

कितने श्रेष्ठ और गरिमामय! क्या आपको नहीं लगता कि अंग्रेज ऐसा ही सोचते हैं?

हर जगह "धिक्कार है! धिक्कार है!" कहकर और एक एयू में "उनके साम्राज्य" का निर्माण करके।

समय?

“ऐसा नहीं हो सकता,” पोया ने कहा।

"धत् तेरे की! धत् तेरे की!" माल्म ने दोहराया। "क्या मैं श्रेष्ठ लग रहा हूँ?"

अब?"

"एक साम्राज्यवादी के लिए आपकी बातें बहुत मीठी लगती हैं।"

"धिक्कार है!" मालिनमोट ने गुस्से से कहा और हंस पड़ी।

“आप जानते हैं, मैं हमेशा एक अमेरिकी को एक ब्रिटिश से पहचान सकता हूँ।

71

अंग्रेज कहता है My Gamd! और अमेरिकी कहता है My Guardiˆ

मालिन ने लहजे की हूबहू नकल की, और कंपनी हंस पड़ी।

उसके साथ।

‘यह तुमने कहाँ से सीखा?’ˆ

“ओह, ये तो हर जगह सुनने को मिलता है। एक अंग्रेज ने मुझे डांटा था।”

क्योंकि मैं उसकी नकल कर रहा था। उसने कहा कि दाफ्ज्जमिट ठीक था, हुई

(धिक्कार है) यह एक बुरा शब्द था जिसका प्रयोग केवल तभी किया जाना चाहिए जब आप वास्तव में

गुस्से में। इसका इस्तेमाल तभी किया जाता है जब आप लड़ाई में पड़ना चाहते हों।

एक और मुहावरा जिसका इस्तेमाल अमेरिकी लोग बहुत पसंद करते हैं, वह है "ओह बोजी"।

या ओब बेली। जब वे सैक्सोफोन बजाते हैं तो ऐसा लगता है मानो वे सचमुच लड़ सकते हैं।

'वह।"

"आप इन सभी अमेरिकियों से कहाँ मिलते हैं?"

“ओह, हर जगह — शंघाई में कैफे, नाइट क्लब और

सड़कें। पोया बिसमिंग जो कह रही थी वह बिल्कुल सही है। हम सम्मान करते हैं।

शंघाई में ब्रिटिश लोग इसलिए हैं क्योंकि वे हमारा खाना नहीं खाएंगे।

मैंने कभी किसी अंग्रेज को चीनी रेस्टोरेंट में जाते नहीं देखा। इससे मुझे अजीब लगता है।

हमें ऐसा महसूस होता है जैसे हम सिर्फ मिट्टी खा रहे हों, और हम बेहद शर्मिंदा और विनम्र हो जाते हैं।

और इससे वे श्रेष्ठ प्रतीत होते हैं। अब आप जापानी सैनिकों को देखिए।

और पर्यटक हमारे रेस्तरां में उमड़ पड़ते हैं और ऐसे खाते हैं मानो वे

उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी चिकन का स्वाद नहीं चखा था। यह जापानियों के लिए बुरी बात है।

साम्राज्यवाद।"

लेकिन ऐसा इसलिए है क्योंकि चीनी खाना जापानी कच्चे खाने से बेहतर है।

"मछली," त्सिएन ने कहा।

उन्होंने कहा, “उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। अगर दोनों राष्ट्र

अगर युद्ध न हो तो सब ठीक रहेगा। लेकिन अगर वे हमें जीतना चाहते हैं,

उन्हें हमारे रेस्तरां में नहीं आना चाहिए। उन्हें अपने तक ही सीमित रहना चाहिए।

कच्ची मछली खाओ और खुश दिखो और फिर Dmmitl कहो।

अंग्रेज।" तरबूज का बीज उठाते हुए उसने कहा, "क्या तुमने

क्या आपने कभी किसी अंग्रेज को तरबूज का बीज तोड़ते देखा है? जब अंग्रेज-

एक आदमी ने मडोन के बीज तोड़े, सुदूर पूर्व में उसका पूरा साम्राज्य नष्ट हो जाएगा।

गिर जाना।"

पोया खिलखिलाकर हंस पड़ी। “मैं भी यही कहती हूँ। अगर तुम धोखेबाज़ बनना चाहते हो तो...”

हे प्रश्नकर्ता, तुम्हें स्वयं पर विश्वास रखना होगा। तुम अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं कर सकते।

हर समय अपनी बंदूकें लहराते रहो। जापानी अपनी बंदूकें लहरा रहे हैं।

क्योंकि उन्हें खुद पर भरोसा नहीं है। मैंने कभी नहीं देखा।

इस शहर में जापानी सैनिकों की तरह घबराए हुए सैनिक। मुझे याद है

मैंने एक अमेरिकी फिल्म देखी। एक आदमी एक कमरे में था,

और एक डाकू अपनी पिस्तौल लेकर अंदर आया। वह आदमी शांति से चला गया।

आगे बढ़ते हुए, खाली हाथ, सीधे डाकू के पास

बंदूक उसकी छाती पर तनी हुई थी। और यह वही लैंडिट था जिसे गोली लगी।

घबराया हुआ। मेरा मतलब यही है कि आप खुद पर भरोसा रखें।

दूर से फिर से तोपों की गड़गड़ाहट सुनाई दी।

क्रॉम्ब की आवाज़ दूर की गड़गड़ाहट की तरह गूंज रही थी। “वे यहाँ हैं

“फिर से वही बात,” पोया ने कहा। “बाहर कुछ तो गड़बड़ चल रही है।”

पश्चिमी उपनगरों में गोलीबारी हुई। फिर उन्हें हवाई-

आकाश में विमान, शहर के ऊपर से वेस्टन हिल्स की ओर उड़ रहे हैं।

अध्याय V

युद्धकाल में घटनाएँ इतनी अचानक घटित होती हैं कि सबसे सावधानीपूर्वक

बनाई गई योजनाओं में अक्सर बदलाव करना पड़ता है। पिछली रात, गुरिल्लाओं ने

बूढ़ी दादी चाओ, जिन्हें "गुरिल्लाओं की माँ" कहा जाता था, के मार्गदर्शन में यह सब संभव हुआ था।

पेइपिंग शहर की दीवार के बाहर स्थित एक जेल पर एक साहसिक छापा मारा गया, जिससे

पच्चीस सौ कैदी। इनमें से कुछ देशभक्तों सहित कुछ

नॉर्थ-ईस्टर्न यूनिवर्सिटी के छात्रों को पकड़ लिया गया था।

कठपुतली पुलिस की मदद से, श्रीमती चाओ ने योजना बनाई थी

बचाव। शाम ढलते ही करीब एक दर्जन लोग जेल गए, उनमें से कुछ

जापानी अधिकारियों के वेश में, उन्होंने जेल के पहरेदारों को काबू में कर लिया।

और चाबियां ले लीं। कैदियों को उनकी आजादी का वादा किया गया था।

और उनसे पूछा कि क्या वे गुरिल्लाओं में शामिल होंगे। सभी ने एक साथ चिल्लाकर जवाब दिया।

वे लोग शामिल होना चाहते थे, जिनमें कुछ चीनी गार्ड भी शामिल थे।

और वे अपने साथ कई लोगों को लेकर नेता के पीछे-पीछे पहाड़ियों की ओर चले गए।

एक दर्जन पिस्तौलें, कुछ स्वचालित राइफलें और गोला-बारूद।

गुरिल्लाओं की नवीनतम गतिविधि शहर के इतने करीब हो रही है।

पेइपिंग ने उनकी संख्या बढ़ा दी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह थी कि

इससे जापानियों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और गुरिल्लाओं का रुतबा बढ़ गया।

और ऐसा आभास दिया कि दुश्मन जीत हासिल करने से बहुत दूर था।

शहर।

आज तोपों की सलामी वास्तविक कार्रवाई से अधिक शक्ति प्रदर्शन थी।

युद्ध। कोई युद्ध नहीं हुआ, क्योंकि गुरिल्ला लड़ाके ऐसा नहीं कर सके।

पता लगाया गया।^ विमानों को टोह लेने और एक योजना बनाने के लिए भेजा गया था।

पर्वतीय लड़ाकों पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने पास में एक बम गिराया।

एक मंदिर के पास से गुजरा और आकाश में व्यर्थ चक्कर लगाने के बाद वापस उड़ गया।

एक घंटा।

^ यह समझते हुए कि असहाय स्थिति में कुछ करना ही होगा

हालात बिगड़ने पर, जापानियों ने वहां से गुजरने वाले नागरिकों की तलाशी तेज कर दी।

शहर के फाटकों से होते हुए, पुलिस ने कई घरों में छापेमारी शुरू कर दी।

छिपे हुए गुरिल्ला।

चौथे दिन की सुबह चार चीनी पुलिसकर्मी दिखाई दिए।

पोया के घर पर, एक जापानी जूनियर अधिकारी के नेतृत्व में। उनमें से

वह एक मंचूरियाई दुभाषिया था। लगभग ग्यारह बज रहे थे, और ग्रैंड-

चाचा फेंग बाहर गए हुए थे। बूढ़ी श्रीमती फेंग, बुरी तरह डरकर, छिप गईं।

वह अपने कमरे में थी। पुलिस को पोया की अदालत ले जाया गया, जहाँ

उन्हें एक फॉर्म भरने के लिए कहा गया, जिसमें सभी कर्मचारियों के नाम देने थे।

पैंट और नौकर, उनकी उम्र, स्थिति, पद और व्यवसाय

संबंध। जापानी लोग असमंजस में पड़ गए और उन्होंने पूछा:

"यहाँ अमेरिकी झंडा क्यों फहरा रहा है?"

"मालकिन एक अमेरिकी महिला हैं।"

उसका नाम क्या है?

"मिस डोनह्यू।"

"वह कहाँ है?"

वह त्सिंगताओ में है।

पोया से उसकी उम्र और वंश के बारे में सवाल पूछे गए।

जब उसने घर का पट्टा दिखाया, तो जापानी अधिकारी ने

उसने भौंहें चढ़ाकर काफी देर तक उसका निरीक्षण किया, जब तक कि पोया ने आखिरकार इसका जिक्र नहीं किया।

अमेरिकी दूतावास पर हमला।

वह अधिकारी, जो कद में छोटा और भारी-भरकम था, अपनी टोपी और वर्दी में था।

ऊँचे सैन्य बूट पहने, काफी देर तक कलाकृतियों और चित्रों को निहारता रहा।

और घर का फर्नीचर, जाहिर तौर पर उस दृश्य को देखकर काफी हैरान थे।

और अदालतों की संख्या। अपनी पैंट की जेबों में अपने एचएमडी के साथ,

वह चारों ओर देखता रहा, बहुत सतर्क, ठुड्डी आगे निकली हुई और सिर झुका हुआ।

ऊपर की ओर, मानो सब कुछ उसके लिए बहुत ऊंचा हो, उसका सिर हिलता हुआ।

हर कदम पर ऊपर की ओर झुककर, वह आदतन खुद को लंबा दिखाने की कोशिश करता रहता था।

उसके कदम सामान्य से ऊंचे थे। लंबा मंचूरियाई दुभाषिया

उसके पीछे-पीछे चलते रहे, जबकि स्थानीय कठपुतली पुलिस बस सुस्त पड़ी रही।

पीछे।

जब तक वे लोला के दरबार में पहुँचे, जापानी सेना वहाँ पहुँच चुकी थी।

किसी ऐसे व्यक्ति का मूड जिसने एक मनोरम उद्यान की खोज की हो और उसका सर्वेक्षण कर रहा हो...

कमरे किसी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी की बजाय एक पर्यटक की तरह लग रहे थे।

कोयर्ट में चेतावनी दी गई थी, और लोला, उसके पति और त्सिएन

वे बैठक में बैठे थे। मंचूरियन ने उनके नाम पूछे।

और उन्होंने सूची में उन पर निशान लगा दिया। अधिकारी ने काफी समय व्यतीत किया।

दीवार पर लगी पेंटिंग्स और शोपीस स्टैंड को निहारते हुए।

वह अपने पैर से कालीन की मोटाई के बराबर जगह घेरते हुए मुस्कुरा रहा था।

स्वयं को देखे जाने के प्रति सचेत रखते हुए, संतुलन बनाए रखना।

आधिकारिक गरिमा और अस्पष्ट स्वीकृति के बीच। फिर वह

वह लोला के बेडरूम में दाखिल हुआ और वहाँ उसने उसके परफ्यूम की खुशबू को निहारा।

बोतलें और टेड चप्पलें। कॉनंग वापस बैठक में आया और उसने ले लीं।

मेज से एक सिगरेट उठाई। मंचूरियन उसे बुझाने के लिए जल्दी से आगे बढ़ा।

उसके लिए। अब भी वह भारी कालीन पर खुशी से पैर पटक रहा था।

उसने मंचूरियाई से रोशनी ली। उसकी आँखें ऊपर की ओर उठीं।

एक तिरछी सी दरार, जिसके मुंह में सिगरेट थी।

उन्होंने मालिन के नाम की ओर इशारा किया, जिसे अभी तक दंडित नहीं किया गया था।

मंचूरियाई ने कहा, "अभी भी एक त्सुई मालिन है।"

“वह अंदर है,” पोया ने सामने वाले दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा।

मालिन बिस्तर पर थी, उसकी गर्दन में एक ग्रंथि सूजी हुई थी।

जापानी अधिकारी तेज़ी से अंदर आया और उसने सुंदर दृश्य देखा।

एक लड़की बिस्तर पर बैठी है, तकिए के सहारे।

उसने पोया से कहा, जो उसके पीछे-पीछे आ रही थी:

"उसके साथ समस्या क्या है?"

माउन ने धीमी आवाज़ में जवाब दिया कि उसकी गर्दन में दर्द हो रहा है।

“उसका आपसे क्या रिश्ता है?”

“उसका मुझसे कोई रिश्ता नहीं है,” पोया ने जवाब दिया।

वह यहां क्या कर रही है?

"कुछ नहीं।"

चाहे उसके दिमाग में कोई विचार था या नहीं, जापानी

सोचने का इशारा करते हुए, और बीच-बीच में कुछ फुसफुसाहट भरी आवाज़ें निकालते हुए।

अपने दांतों के बारे में, उसने मचूरियन से दोबारा पूछने को कहा।

कोई व्यक्ति घर में रहते हुए रिश्तेदार कैसे नहीं हो सकता?

कुछ नहीं?" यह एक जापानी व्यक्ति के लिए समझ से परे स्थिति थी।

"वह मेरी औक्त की मेहमान है," पोया ने लोला की ओर इशारा करते हुए उत्तर दिया।

दरवाजे पर। लोला ने Ma nrˆnr jq-n ˆ की पुष्टि में सिर हिलाया।

जो नोट्स ले रहा था।

यह भी अब तक असंतोषजनक प्रतीत हो रहा था।

"उसका जन्म कहाँ हुआ था?"

मालिन अब सचमुच घबरा गई थी। पोया के कहने पर उसने जवाब दिया,

उसने कहा, "शंघाई में।"

"तो फिर वह यहाँ क्यों है?" यह एक और भी अधिक समझ से परे सवाल था।

हेंसिबल मायटेरी.

“वह अपनी सहेली से मिलने जा रही है,” पोया ने थोड़ी अधीरता से दोहराया।

वह किस स्कूल में पढ़ती थी?

मालिन ने झिझकते हुए उत्तर दिया, "मैं कभी स्कूल नहीं गई।"

जापानी व्यक्ति ने अपना सिर हिलाया, मानो उसे पूरा यकीन हो कि कुछ गड़बड़ है।

यह सही नहीं था। यह अनावश्यक रूप से लंबा कष्टदायक अनुभव प्रतीत हुआ।

क्या उसके पंख का नाम यही है?

“मुझे कोई परवाह नहीं है,” उसने कहा।

"मोतीहेट का नाम क्या है?"

जब मालिन ने जवाब देने से इनकार कर दिया, तो मंचूरियाई ने बताया

यह एक नियमित प्रक्रिया थी। "जब पूर्वी महासागर के लोग पूछते हैं, तो आप

आपको जवाब देना ही होगा। आप जो भी कहें, कोई फर्क नहीं पड़ता।

"पिछले दस साल से तुम कहाँ रह रहे थे?" उसने आगे पूछा।

"शंघाई और तियानजिन में।"

"क्या आपकी शादी हो चुकी है?"

"नहीं," माल्म ने सीधे और थोड़े तीखे अंदाज में जवाब दिया।

जब दुभाषिया उसके उत्तर रिकॉर्ड कर रही थी, तब जापानी भाषा में

ओफसेर की निगाहें मालिन पर टिकी हुई थीं, वह उसे ध्यान से देख रहा था।

बनावटी उलझन का भाव। उसकी सफेद बांह के साथ

नरम रजाई पर रखा पन्ना का कंगन, उसका लाल चेहरा और

काले घुंघराले बाल, उसे बेहद खूबसूरत बना रहे थे। उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था।

एक तरफ, उसने अधिकारी की ओर रक्षात्मक, भयभीत अवस्था में देखा।

पोया की तस्वीर में मौजूद सांप को मोहित पक्षी देख रहा था।

पुस्तकालय — ˆसीधे तौर पर नहीं, बल्कि उसकी आँखों के कोनों से, और नहीं

उसे देखकर या कोई आभास प्राप्त करके, बल्कि उससे बाहर निकलकर

उन आँखों में घृणा, भय और आश्चर्य की एक चमकती हुई झलक थी।

पूछताछ पूरी हो गई, अधिकारी ने आंख मारते हुए कहा।

मंचूरियन ने कहा, "वह सुंदर है।" फिर उसकी ओर मुड़कर उसने कहा, "हंडली।"

अपनी टूटी-फूटी चीनी भाषा में उसने कहा, "आपको जापानी अस्पताल जाना चाहिए।"

जापानी डॉक्टर अच्छे हैं। जर्मन डॉक्टरों जितने ही अच्छे।

मालिन चुप रही, लेकिन अधिकारी ने चौड़ी मुस्कान के साथ कहा, "तुम

जापानी लोगों की तरह, है ना? चीनी और जापानी लोगों को एक जैसा होना चाहिए।

दोस्त। हाल”

अटपटी, अप्राकृतिक, बनावटी हंसी सिखाना

जब जापानी लोग किसी चुटकुले का आनंद लेना चाहते हैं, तो वे...

मालिन के ऊपर झुककर उसने उसका गाल चुटकी से दबाया। मालिन सहम गई और

वह चीख पड़ी और उसकी आँखों में आक्रोश की आग भड़क उठी।

जापानी; उसने अपनी सैन्य मुद्रा को सीधा किया और चिल्लाया

मंचूरियन को देखकर वह कमरे से बाहर निकल गया।

तलाशी सामने के आंगन तक जारी रही। बूढ़ी श्रीमती फेंग ने ऐसा नहीं किया।

बाहर आकर पोया को जापानी लोगों को कमरों से होकर रास्ता दिखाने के लिए छोड़ दिया गया।

अधिकारी एक उत्कृष्ट चौकोर सफेद जेड पत्थर के बर्तन के सामने रुक

गया।

दस इंच ऊँचा, जो मंधुओं के संग्रह का हिस्सा था

बैरन जो इस घर का पिछला मालिक था। उसने अपना रुख बदल दिया।

और पूछा: "चिएनलुंग?" पोया ने सिर हिलाया।

चूंकि वे केवल आधे ही रहने के कमरे से गुजरे थे, इसलिए

उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ा और टीले और चबूतरे पर पहुँचा।

लाल रंग की रेलिंग वाली इमारत के सामने तालाब का घूमता हुआ पानी।

पुल और उसके आगे का इलाका। खोज *प्रति-

जापानी कंपनी functoryj अन्य चीजों के बारे में सोच रही थी।

उसके मन में चल रही बातें।

उस तरफ जाने में कितना समय लगेगा?

"आधा घंटा।"

हम वापस लौटेंगे।

या तो मंचूरियाई ने अधिकारी के मन की बात पढ़ ली थी, या

चाहे अधिकारी ने उससे निजी तौर पर कुछ कहा हो,

दुभाषिया पोया के करीब आया और फुसफुसाते हुए कहा कि ऐसा होगा

अधिकारी की सद्भावना प्राप्त करने के लिए उसे निम्नलिखित प्रस्तुत करना बुद्धिमानी है:

वह सफेद जेड का पात्र जिसकी उसने प्रशंसा की थी। इसलिए मुझमें आत्म-परीक्षण

हॉल में, पोया ने एक सेवक को संदेश के साथ भेजा, और प्रवेश द्वार पर

एक नौकर ने सावधानीपूर्वक लपेटे हुए बक्से के साथ उनका स्वागत किया, जो

पोया ने अपना सामान दुभाषिए को सौंप दिया। दुभाषिए ने उससे कुछ कहा।

अधिकारी, जो मुस्कुराया और केवल एक अक्षर बोला, "आहल"। उसने

पोया की ओर हाथ बढ़ाते हुए उसने बड़े आदर के साथ कहा, “ए

बहुत बड़ा घर,” कहकर वह चला गया।

जब दादाजी फेंग दोपहर के भोजन के लिए लौटे और उन्हें पता चला कि क्या हुआ था

जो कुछ हुआ था, उससे वह निराश था। रिश्तेदार इकट्ठा हो गए थे।

वह अपनी अदालत में तलाशी को लेकर जोशपूर्वक चर्चा कर रहे थे।

“वे हमारे घर की तलाशी क्यों लेंगे?”

“यह गुरिल्लाओं की वजह से ही हुआ होगा,” पोया ने कहा। “मैं

मुझे उम्मीद है कि सफेद जेड का बर्तन पेश करना सही था।

“बिल्कुल,” बूढ़े आदमी ने कहा। “लेकिन हमें उन्हें जाने नहीं देना चाहिए।”

क्या उन्होंने हमारे खजाने देखे? क्या उन्होंने उन युवतियों को देखा?

"सूची की जांच करने के लिए उन्हें उन्हें देखना आवश्यक था।"

“यह बुरा है,” बूढ़े आदमी ने कहा। ‘मैं उन्हें देखने से रोकना चाहता था।’

इस घर का अंदरूनी हिस्सा अमेरिकी झंडे पर निर्भर करता है। अब

उन्होंने इसे देख लिया है। अगर वे एक बार आ चुके हैं, तो दूसरी बार भी आ सकते हैं।

वे घर पर कब्जा नहीं कर सकते, लेकिन महिलाओं का अपहरण किया जा चुका है।

रात में अपने घरों से। सुआ टाइम्स जैसे ये भी नहीं, और न ही हमारी जिज्ञासाएँ

सुरक्षित रहें। छिपाने में असफल होना चोर को आमंत्रित करने के समान है,” उन्होंने उद्धृत करते हुए कहा।

कहावत है, "हमें अपनी पुरानी और अनोखी चीजों को समेटकर छिपा देना चाहिए।"

पहले से ही हालात काफी मुश्किल हैं, ऐसे में और मुसीबत मोल लेना ठीक नहीं है।

बूढ़ा आदमी हुक्का पीते हुए बैठा था और चिंतित दिख रहा था।

जैसे उसके घर में चोरी हुई हो।

“यह सब का अंत है,” बूढ़े फेंग ने कहा और आह भरी। “पोया,”

आपके दादाजी ने यह बगीचा खरीदा था, और मैंने इसे बनाए रखने की कोशिश की है।

खैर, लेकिन मेरे भतीजे और भतीजियां जा चुके हैं, और यह एक एकांत स्थान है।

अब मैं यहीं मार डालूंगा। इस उम्र में मैं इधर-उधर घूमना नहीं चाहता।

77

हमें इस बगीचे को संरक्षित रखना चाहिए। याओ परिवार की पैतृक पट्टिकाएँ।

यहां हैं। जब युद्ध समाप्त हो जाएगा, तो यहां सभी के लिए एक केंद्र होगा।

व्यापार तो बर्बाद हो चुका है, लेकिन मैं इसे जारी रखने की कोशिश करूंगा।

इसे जीवित रखो। जहाँ तक तुम नौजवानों की बात है, मैं इस बारे में सोचूंगा।” उसने फूँक मारी।

उसने अपनी पाइप में पानी भरा और उसे मेज पर सीधा रख दिया। शारीरिक रूप से वह ऐसा लग रहा था

अभी भी बहुत मजबूत है।

जब पोया मालिन के कमरे में लौटा, तो उसने उसे पीला पड़ा हुआ पाया और

हिल गया।

“मैं अब यहाँ और नहीं रह सकती,” उसने उत्तेजित चेहरे के साथ कहा।

“मैं अफ़िकेड हूँ, पोया। क्या मेरे लिए कहीं और जाने की जगह नहीं है?

रात?"

“मूर्ख मत बनो,” उसने कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि वे जाएंगे?”

क्या हम आपको जापानी अस्पताल ले जाने की परेशानी उठाएंगे? हम ऐसा करेंगे।

मैं जल्द ही रवाना हो रहा हूँ।

“कितनी जल्दी?”

"पांच दिनों में, या शायद चार दिनों में।"

“क्या हम अभी नहीं जा सकते? या मैं आगे जा सकता हूँ?”

“अकेले जाना? यह तो अकल्पनीय है, तुम्हें इतनी जल्दी क्यों है?”

लेकिन वे मेरा नाम जानते हैं।

इसमें क्या हर्ज है?

‘टोया, तुम्हें पता नहीं था, लेकिन तुम्हें मेरा सामान नहीं देना चाहिए था’

असली नाम। ओह, पोया, मुझे आज रात कहीं ले चलो।

आपको किस बात का डर है? क्या आपको लगता है कि वे आपका अपहरण कर लेंगे?

रात में? वह जापानी अस्पताल के बारे में सिर्फ मजाक कर रहा था।

मालिन-व्रास एक पल के लिए चुप रही और फिर बोली, "मुझे पसंद नहीं आया।"

देखो। उसने मुझसे विशेष रूप से पूछताछ की। मैं यहाँ सो नहीं सकता।

आज रात मुझे नहीं जाना चाहिए। क्या मैं आपके दोस्त के घर नहीं जा सकती?

“दो लाओ पेंग?”

"हाँ। मैं वहाँ कुछ दिनों के लिए रुक सकता हूँ जब तक आप तैयार न हो जाएँ। क्या?"

वह किस तरह का इंसान है?

“ओह, वह अविवाहित है, अकेले रहता है। आपको चिंता करने की ज़रूरत

नहीं है।”

afiaid. वह एक पूर्ण सज्जन व्यक्ति हैं। लेकिन क्या आप इतने स्वस्थ हैं कि...?

बाहर चलें?

"अरे, यह तो कुछ भी नहीं है।"

“तुम्हारे सामान का क्या हुआ?”

मैं इन्हें एक मिनट में तैयार कर सकता हूँ।

“ठीक है, अगर तुम ज़िद करते हो तो। शाम होने तक इंतज़ार करो, मैं तुम्हें ले चलूँगा।”

लाओ पेंग। मैं चाहता हूं कि आप उन्हें अच्छी तरह जान लें।

अब और अधिक जिज्ञासा से प्रेरित होकर, पोया उस दोपहर आई।

और उसने जोर देकर कहा कि माई उसे अपने अतीत के बारे में बताए।

मैं कहां से शुरू करूं?

“अपने बचपन से लेकर अब तक सब कुछ बताओ।”

"यात्रा के दौरान हमारे पास काफी समय होगा।"

“लेकिन मुझे अभी बता दो। इससे मुझे तुम्हारे करीब होने का एहसास होगा।”

तो जब वह अकेली थी, मालिन ने उसे अपने जीवन के बारे में बताना शुरू किया।

उसकी माँ हुचो के रेशम उद्योग जिले से आई थी,

शंघाई। पति को छोड़ने के बाद, वह चारों के साथ चली गई।

एक साल की बच्ची शंघाई चली गई। वहाँ उसने चापेई में एक स्कूल में पढ़ाया।

जिले में, प्रति माह पचास डॉलर का वेतन कमाती है। मालिन की मासिक आय...

उसे तब तक स्कूल ले जाया गया जब तक उसने हाई स्कूल में पढ़ाना शुरू नहीं कर दिया।

लड़कों के लिए, जब उसे उसे घर पर छोड़ना पड़ता था। छोटी उम्र से ही,

इसलिए, जब मालिन की माँ विदेश में होती थी, तो वह घर के काम-काज सीख लेती थी।

स्कूल से घर आने पर दोपहर का भोजन तैयार रखना और उसे स्कूल से घर लाना।

दोपहर का अवकाश। • फिर माँ, जिसने बहुत उम्मीदें पाल रखी थीं

उसकी बेटी उसे रात में पढ़ाती थी।

मालिन एक जंगली स्वभाव की बच्ची थी। उन दिनों जब वह

अपनी माँ के साथ स्कूल जाने वाली वह अपने बच्चों से ही शिक्षा प्राप्त करती थी।

दूसरे बच्चे उसे “शिक्षिका की बच्ची” कहकर पुकारते थे। उसके बाल गर्म थे।

उनसे बहस करते हुए, उसने अपनी मां के हुचो उच्चारण का बचाव किया।

उस समय शिक्षकों के लिए पहले से ही पढ़ाना अनिवार्य था।

राष्ट्रीय मंदारिन बोली, लेकिन अधिकांश दक्षिणी लोगों की तरह, मालिन की

मां ने पाया कि उनकी अपनी बोली का प्रभाव उनकी भाषा पर बहुत मजबूती से बना हुआ था:

वह लगातार अंतिम अक्षर «’j’ को छोड़ती रही, ताकि वह आगे न बढ़ सके-

वह पैन जैसे शब्द का सही उच्चारण करती थी। वह पैट ऐड कहती थी।

कल्पना कीजिए कि वह पैन कह रही थी। मालिन जानती थी कि उसका लॉन घास काटने वाला यंत्र

गलत, क्योंकि उसे खुद पैन कहने में कोई कठिनाई नहीं थी, लेकिन वह

वह हमेशा इस बात पर ज़ोर देती थी कि उसकी माँ 'पान' कहती थी। वह एक आवाज़ निकालती थी।

मटर और पैन के बीचोंबीच ताकि rtwas अभी भी कुछ हद तक छिपा रहे।

और वह अंत तक अपनी मां का बचाव करती रहेगी।

लेकिन घर आकर बच्ची ने अपनी माँ से कहा कि वह गलत थी, और कोशिश की

उसे 'पैन' ध्वनि का सही उच्चारण सिखाना था। माँ ने कहा।

स्नेहपूर्वक, "मेरी प्यारी, मेरी बूढ़ी जीभ अकड़ी हुई और बेजान है। मुझे पता है..."

आवाज तो ठीक है, लेकिन मैं इसे नहीं कर पा रहा हूँ। मुझे इस तरह बोलने की आदत नहीं है।

मेरी जिंदगी। लेकिन मैं क्या कर सकता हूँ? मुझे तो अपने जीवनयापन के लिए पढ़ाना ही पड़ेगा।

अगले दिन मां माउन को उद्देश्यपूर्वक पढ़ते हुए सुनकर भावुक हो गई।

कक्षा में जोर से उसने अपनी नई तरह की पैट की आवाज निकाली जिसमें छिपा हुआ 0 था,

अपनी मां को न्याय दिलाने के लिए।

जब मालिन बड़ी हो गई और उसने स्कूल जाना छोड़ दिया, तो उसने

वे रात में अपने एक शयनकक्ष वाले भोजन कक्ष में मेज पर बैठते थे।

वह खुद पढ़ा रही थी और छात्रों की नोटबुक देख रही थी।

और वे रचनाएँ जिन्हें उसकी माँ सुधार रही थी।

सुधारों को देखते हुए, उसने अपनी माँ से कहीं अधिक सीखा।

स्कूल में छात्रों को। उसने शब्दकोश में अर्थ ढूंढने में मदद की।

संदिग्ध वर्तनी के समकक्षों के लिए मूलाक्षर। वह करेगी

जब किसी छात्र की रचना को देखकर उसकी माँ का चेहरा खुशी से चमक उठता है, तो उसे देखना अच्छा लगता है।

इससे वह प्रसन्न हो जाती थी, और फिर वे अच्छे अंशों को दोहराते थे।

साथ मिलकर। मालिन जल्द ही इस ज्ञान में इतनी निपुण हो गई कि

एक दिन, जब मैंने देखा कि रचनाओं का ढेर लगा हुआ है, तो मुझे लगा कि...

डेस्क पर बैठे-बैठे उसने ब्रश उठाया और कुछ सुधार करने की कोशिश की।

अपनी माँ की अनुपस्थिति में, उसने प्रश्नपत्रों की जाँच की और कुछ लेख भी लिखे।

अंत में, उसने अपनी माँ की लिखावट की नकल करते हुए आलोचनात्मक टिप्पणियाँ कीं।

जब उसकी माँ घर लौटी और उसने कुछ ऐसा देखा तो उसे आश्चर्य हुआ

रचनाओं में सुधार किए जाने पर वह बहुत क्रोधित हुई।

बेटी की धृष्टता। फिर जब उसने आलोचनात्मक टिप्पणियों का अध्ययन किया।

उसने सिर हिलाया और मुस्कुराई। मालिन की लिखावट काफी हद तक बनावटी लग सकती थी।

सिवाय इसके कि यह पूरी तरह से परिपक्व नहीं था।

“यह टिप्पणी बुरी नहीं है। आपने यह कैसे किया?”

“ओह, माँ,” बेटी ने उत्तर दिया, “यह आसान है। आपको इसका उपयोग

नहीं करना है।”

बीस से अधिक टिप्पणियाँ। आप इन्हें चाहे जैसे भी बदलें, ये वही रहेंगी।

हमेशा एक ही तरह के वाक्यांश — जैसे ‘कलम विचारों का अनुसरण करती है’

आसानी से,’ ‘अव्यवस्थित विचार,’ ‘स्पष्ट शैली,’ या ‘बाघ का सिर — ˆचूहे का

पूंछ — 'मैं उन सभी को जानता हूँ।'

एक बार जब उसकी माँ बहुत थकी हुई थी, तो उसने मालिन को कुछ दिया।

उसके लिए रचनाओं की समीक्षा करने और उसे चेतावनी देने के लिए भेजा गया था कि वह ऐसा न करे।

बहुत सारी गलतियाँ सुधारीं। इस कमीशन पर गर्व है, मालिन।

उसने अपनी पूरी कोशिश की। उसकी माँ बिस्तर पर लेटी रही और उसे काम करते हुए देखती रही।

उसने देखा कि मालिन कितनी दिलचस्पी ले रही थी, वह बार-बार उस बिंदु को रेखांकित और घेर रही थी।

वास्तविक आनंद के साथ अच्छी पंक्तियाँ, और एक बार तीन-त्रिकोण देना

एक बेहतरीन रचना के लिए अंक। उसकी माँ ने उसके सुधारों की समीक्षा की।

कुछ संशोधन करना और आवश्यकतानुसार अन्य सुधार करना।

छात्रों को यह नहीं पता था कि उनकी ही उम्र की एक लड़की ने यह काम किया था।

सुधार किए गए, और जब कुछ लोगों ने देखा कि लेखन में कुछ गड़बड़ी है-

यह असामान्य था, माँ ने बताया कि वह अस्वस्थ थी और

उसने बिस्तर पर ही सुधार कर लिए थे।

दिन के समय मालिन घर पर रहती थी और घर के कामों में मदद करती थी।

कपड़े धोना, खाना बनाना और सफाई करना। उनका कमरा एक गली में था।

इसे "टेरेस" के नाम से जाना जाता है, जिसमें लाल ईंटों से बनी भीड़भाड़ वाली इमारतें हैं।

जहां हर कोई सामने वाले की खिड़कियों से देख सकता था

गली के उस पार एक घर था, जहाँ चाय की दुकान थी। उनकी खिड़की से ऐसा ही कुछ दिखाई देता था।

एक कॉफी शॉप में। ऊंचे खंभे उठे हुए सिरों के साथ और

बड़े-बड़े पैनल एक छोटे बच्चे के लिए देखने में भद्दे थे, लेकिन

ऐसी चीजों में भी परिचितता से ही अवमानना उत्पन्न होती है।

लेकिन फिर भी वह किसी बच्चे का कॉफ़लफ़ेई या किसी हंट्र'कू को

देखना बर्दाश्त नहीं कर सकती थी।

एक महिला अपने बच्चे के लिए एक खरीद रही थी। उसने पोया से कहा, "तुम्हें पता है ना?"

मृत्यु में भी अमीर और गरीब के बीच अंतर होता है।

अपने परिजनों को खोने वाले गरीबों के बीच शोक का गहरा प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी मैंने धनी भाइयों को रेशमी वस्त्र पहने हुए, कुछ खरीदने आते देखा।

अपने माता-पिता के लिए महंगे कॉफ़िन के लिए, वे इतनी मज़ाकिया ढंग से मोलभाव कर रहे थे मानो वे

वे एक लकड़ी का टुकड़ा खरीद रहे थे।

इन परिस्थितियों में पली-बढ़ी मालिन स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ी।

वह खुद ही काफी कुछ करती थी, बाजार और दुकानों से खरीदारी करती थी, और

इस तरह उसने कम उम्र में ही अपने पैसे की देखभाल करना सीख लिया।

चापेई जिले में महिलाएं और लड़कियां, जो ज्यादातर वहीं से हैं

दुकानदारों के परिवार या छोटे-मोटे कामगारों के परिवार, विक्ट्रीज़, मैडफ्ट नहीं

अमीर लोगों की बेटियों की तरह एकांत में रहने का दिखावा।

नहाती थीं, गपशप करती थीं, अपने बच्चों को स्तनपान कराती थीं, और आपस में शिकायत करती थीं।

झगड़े होते थे, और वे गर्मियों की शामों में सूर्यास्त के समय बांस के स्टूल पर बैठते थे।

ठंडी हवा का आनंद लेने के लिए—वह भी सड़कों पर मौजूद हर किसी की नजरों के सामने।

जब किसी के पास दूसरों से अधिक धन नहीं होता है, तो लोग स्वाभाविक रूप से

लोकतांत्रिक। कारखाने में काम करने वाली महिलाओं और लड़कियों के पास

प्रतिदिन बीस या तीस सेंट की छोटी व्यक्तिगत आय, जो

इसका मतलब खर्च करने के लिए वित्तीय स्वतंत्रता का एक माप था

व्यक्तिगत अभिमान और छोटे-मोटे मनोरंजन। ऐसे भीड़भाड़ वाले, शोरगुल भरे वातावरण में,

स्वतंत्र और लोकतांत्रिक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवेश, मालिन

उसने अपना प्रारंभिक जीवन व्यतीत किया था, और इसलिए वह स्वतंत्र थी।

गरीब वर्गों की एक लड़की की भावना; गली में शोरगुल था

बहुत बढ़िया। महिलाओं और बच्चों के बीच झगड़े सभी के लिए थे।

सुनो, और वह गली कभी एक दिन भी सुनसान नहीं रही।

ऐसे शोरगुल भरे सड़क के जीवन से पूरी तरह अलग-थलग एक एकांत घर।

पड़ोसियों को देखना लगभग असहनीय रूप से नीरस प्रतीत होता था।

सप्ताहांत में, जब उसकी माँ खाली होती थी, मालिन जाया करती थी।

अंतर्राष्ट्रीय बस्ती के केंद्र में मनोरंजन स्थल का दौरा करना

घर पर, या पेकिंग रोड पर कोई फिल्म देखने के लिए।

बीस सेंट का प्रवेश शुल्क देकर कोई भी व्यक्ति विश्व में प्रवेश कर सकता था।

पूरा दिन प्राचीन और आधुनिक चीनी नाटकों को देखते हुए बिताएं।

और वाडेविल, कहानीकारों को सुनना और एक बूढ़े चार्ल को देखना।

चैपलिन या हेरोल्ड लॉयड की कॉमेडी। उसकी माँ, और पुराने ज़माने की।

उन्हें 'बड़े ढोल' की कहानी सुनाने वालों से बहुत प्यार था, और उनकी माँ

-8

और बेटी अखबारों में खबर मिलते ही वहां जाया करते थे।

उनका पसंदीदा कहानीकार कार्यक्रम में था। यह एक

एकालाप पाठ का एक विशेष रूप, जो संगतकार को सुनाया जाता है

हाथ के ढोल की ताल, एक अत्यंत कलात्मक और वर्णनात्मक शैली का उपयोग करते हुए

एक ऐसी भाषा, जिसे एक ऐसी धुन पर पिरोया गया था जो अपने भावनात्मक अंशों में एक

गीत। एक उस्ताद के हाथों में, यह एकभाषी कला कमाल कर सकती है।

अपनी विविध गति के कारण, यह श्रोताओं को शुरू से अंत तक बांधे रखता है।

आवाज का उतार-चढ़ाव, हावभाव और अभिव्यक्ति, भले ही कहानी

यह बात सौ बार सुनी जा चुकी थी। ये छोटी यात्राएँ दर्शाती थीं।

उनकी छुट्टियां थीं, और वे अक्सर एक छोटे से स्टोर में रात बिताने के बाद घर लौट आते थे।

आधे किलो वाइन के साथ रेस्टोरेंट, पूरी तरह से संतुष्ट और

सुखद रूप से नशे में।

माल्म का तरीका था कि अगर उसे कोई चीज पसंद आती थी तो वह उसे दिल से पसंद करती थी।

मुझे तो बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। “मैं तो टिग-ड्रम बजाने वालों का दीवाना हो गया था।”

"खासकर लियू पाओचुआन के बारे में," उसने स्वीकार किया।

कई साल, जब मेरी माँ का स्वास्थ्य खराब हो रहा था और वह जा नहीं सकती थीं

मैं प्रदर्शन देखने के लिए अकेले ही जाया करती थी, जो मेरी माँ की इच्छा के बिल्कुल विपरीत था।

काश। जब लियू कार्यक्रम में थी, तो मुझे जाना ही था।

उसने कहा कि लियू पाओचुआन की कहानी सुनना सबसे अच्छा था।

कैशियरों ने उसकी इंद्रियों को शांत किया और उसे सुखद रूप से उत्तेजित किया।

शब्दों के उत्तम प्रवाह और लय के द्वारा भावनाओं को व्यक्त करना उसे बहुत पसंद था।

कहानी में नदी पर चांदनी का वर्णन करने वाला अंश

दो खाने के दोस्त, पोया और चुंग त्सेची, जिनमें चिकना

लड़खड़ाते हुए शब्दांश अर्थ और ध्वनि के माध्यम से एक चित्र बनाते प्रतीत होते थे।

शांत चांदनी की छवि लहरदार पानी पर पड़ रही है।

मिलिन को अब पोया की कहानी याद आ गई, जिसके नाम पर इस कहानी का नाम रखा गया है।

उसके सामने खड़ा युवक और उन दोनों की भावुक दोस्ती

दोस्तों, जिनमें से केवल त्सेची ही पोया के संगीत की सराहना कर सकता था, इसलिए

अपने दोस्त की मृत्यु के बाद, पोया ने अपना वाद्य यंत्र बजाने से इनकार कर दिया था।

अधिक।

“अगर त्सेची एक महिला होती तो बहुत अच्छा होता,” उन्होंने कहा।

पहिया।

“यह वेनचुन की कहानी होगी, और इसीलिए

वेनचुन की कहानी बहुत लंबी थी और त्सेची की कहानी बहुत छोटी थी।

"मैं पूरी कहानी कंठस्थ सुना सकता हूँ," मलिह ने कहा।

“थोड़ा सुनाइए। मुझे सुनने दीजिए।”

कुछ हिचकिचाहट के बाद, मालिन मान गई और थपथपाने लगी।

ढोल की जगह मेज। उसकी आवाज नरम और धीमी थी, और जब

जब वह नदी पर चांदनी का वर्णन करने वाले अंश पर आई, तो

वह इससे दूर चली गई। उसके छोटे होंठ नीचे झुके और हिले।

82

चांदनी में उठती लहरों की तरह पोया मोहित हो गई। अचानक

वह एक भद्दी हंसी के साथ रुक गई।

इस विषयांतर के बाद, उसने अपनी कहानी फिर से शुरू की।

जब तक उसकी माँ जीवित थी, वह खुश थी।

अत्यधिक काम और अपर्याप्त पोषण के कारण, उसकी माँ का स्वास्थ्य खराब हो गया था।

असफल होने के लिए, लेकिन स्कूल का काम और रचनाएँ जारी रखनी थीं।

सुधार किया गया। माल्म में स्वाभाविक आशावाद था, वह हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखता था।

सकारात्मक पक्ष। उसकी माँ ने असामान्य रूप से बड़ी रकम खर्च की।

तीस डॉलर, यानी लगभग एक महीने की तनख्वाह, चश्मे की एक जोड़ी पर खर्च कर दी।

लेकिन इनसे उसके सिरदर्द में कोई राहत नहीं मिली, और इसके साथ

सिरदर्द के साथ-साथ भूख कम लगना और पाचन संबंधी समस्याएं भी थीं। मालिन हमेशा

उसने कहा कि उसकी मां को बस एक साल आराम और अच्छा खाना चाहिए था।

और यह कि उसकी बीमारियाँ ठीक हो सकती थीं। उसकी माँ तो बस

चालीस। कुछ वर्षों बाद, शायद, वह चालीस वर्ष की हो जाएगी।

वह अपनी माँ का सहारा बन सकती थी और वर्षों बाद उन्हें आराम दे सकती थी।

जीवनयापन के लिए निरंतर कठिन परिश्रम। लेकिन उसकी माँ लगातार प्रगति करती रही।

बदतर। वह आराम नहीं कर पा रही थी, और गली में शोरगुल उसे और परेशान कर रहा था।

इसी समय मालिन को गरीबी का असली मतलब समझ में आने लगा।

और उस पैसे का खुशी से कुछ संबंध था।

अंत अचानक तब आया जब एक दुर्घटना के बाद उसकी माँ की मृत्यु हो गई।

इन्फ्लूएंजा का दौरा, तीन दिनों में और बिना अस्पताल जाए।

मालिन तब घबरा गई जब उसकी माँ ने हाई स्कूल चलाना शुरू किया।

बुखार और सीने में दर्द की शिकायत। वह रो रही थी।

पश्चिमी चिकित्सक से परामर्श किया, लेकिन उपचार व्यर्थ रहा। सदमे से

अपने मोंशवरे की अचानक मृत्यु मालिन के लिए एक बड़ा आघात था।

अचानक उसे एहसास हुआ कि वह बिना किसी सहारे के अकेली रह गई

है।

बंदरगाह। उसने कभी सोचा भी नहीं था कि उसकी माँ की मृत्यु वहाँ हो सकती है।

इस छोटी उम्र में, और अब उसका अपने और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के अस्पष्ट सपने

उसके बुढ़ापे में उसके साथ रहने वाला व्यक्ति अचानक गायब हो गया था।

मालिन केवल सत्रह वर्ष की थी। वह उसी कमरे में थी, क्योंकि

किराया मात्र छह डॉलर प्रति माह था। अंत्येष्टि उपहारों के साथ।

स्कूल में दोस्तों की मदद से वह अंतिम संस्कार के खर्चों का भुगतान करने में सक्षम थी।

और उसके पास लगभग पचास डॉलर बचे हैं। उसने प्रधानाचार्य से कहा।

वह जिस स्कूल में पढ़ाना चाहती थी, उसे यह बताते हुए कि उसके पास क्या था

उसने अपनी माँ की मदद करने के लिए ऐसा किया, लेकिन प्रधानाचार्य, हालांकि सहानुभूतिपूर्ण थे,

उन्होंने कहा कि यह असंभव था क्योंकि मालिन एमडी नो एस(एफ़िओल सेट्रिफिरम-

उसने सचिवीय नौकरी के विज्ञापनों का जवाब देना शुरू किया, लेकिन

उसने जिन नौकरियों के लिए आवेदन किया था, उनमें से कई केवल स्नातकों के लिए ही खुली थीं।

मध्य विद्यालयों के बारे में। उसने अंततः उन्हें बताया कि वह नहीं जानती।

स्कूल में तो पढ़ती थी, लेकिन काम भी कर सकती थी, और हर बार कोई

न कोई

83

wiiu a suauui (xroncare got tae pteteteoce. due tetused to

इसे समझ लो।

इसके बाद उन्होंने अखबारों में "पारिवारिक ट्यूटर" के रूप में विज्ञापन दिया।

■यह और भी मुश्किल था। एक बार तो वह इतनी मोटी हो गई कि उसने एक

एक परिवार के साथ मुलाकात का समय था जो चाहते थे कि वह उनके बच्चों को ट्यूशन पढ़ाए।

स्कूल के विषयों में, खासकर गणित में, लेकिन उसे गणित का ज्ञान नहीं था।

गणित या सामाजिक विज्ञान या भौतिकी। वह केवल क्विन्से को जानती थी।

पत्र लेखन और रचना। कुछ लोग चाहते थे कि वह चीनी भाषा की कोचिंग दे।

अंग्रेजी, और वह अंग्रेजी का एक शब्द भी नहीं जानती थी। आखिरकार उसने

उन्हें चीनी भाषा के ट्यूटर के रूप में नौकरी मिल गई। बच्चों की माँ

शुरू में तो वह बहुत दयालु लग रही थी, लेकिन तीन सप्ताह बाद मालिन ने अपना आपा खो दिया।

नौकरी। अगले दिन वापस जाकर कुछ किताबें लेने जा रही थी जो उसने वहीं छोड़ दी थीं।

तभी उसे पति-पत्नी के बीच झगड़ा दिखाई दिया।

जैसे ही वह अंदर गई, उसने पति को गुस्से से कहते सुना, "वह एक

अच्छी शिक्षिका। मैं परेशानी समझती हूँ। उसकी एकमात्र गलती यह थी कि वह

बहुत खूबसूरत।" नौकरी खो देने के बावजूद, वह फिर भी चली गई।

उसने स्थिति का जायजा लिया, अपना सामान लिया, अलविदा कहा और जल्दी से चली गई।

“अब मैं बहुत चिंतित था, क्योंकि मेरी स्थिति गंभीर थी। कई दिनों तक

मैं विज्ञापनों का जवाब देने के लिए सड़कों पर घूमता रहा, यहाँ तक कि सड़क किनारे लगे विज्ञापनों का इस्तेमाल भी नहीं किया।

अगर दूरी बहुत ज्यादा न हो तो पैसे बचाने के लिए कार का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मैंने ऐसे विज्ञापन देखे थे जिनमें 'युवा सुंदर युवतियों' की मांग की जा रही थी।

मैंने इन पदों को नजरअंदाज कर दिया था: बिक्री करने वाली लड़कियों के रूप में या डॉक्टरों की सहायक के रूप में।

लेकिन अब हताशा में मैंने उनमें से कुछ का जवाब दे दिया। एक या

दो अनुभव ही काफी थे। एक बार मैंने खुद को स्नातक की पढ़ाई करते हुए पाया।

एक युवा व्यक्ति के अलावा व्यवसाय का कोई अन्य सबूत नहीं होने के कारण अपार्टमेंट में कोई अन्य अपार्टमेंट नहीं था।

विदेशी वेशभूषा में रहने वाला व्यक्ति और एक कंपनी की बहुत अस्पष्ट योजनाएँ।

बन जाएगा। लेकिन मैं अब भी आशावान था और खुद से कहता था कि सबसे बुरा क्या होगा।

अगर हालात और भी बदतर हो गए, तो मैं हमेशा बच्चों की नर्स बन सकती हूँ।

“लगभग इसी समय,” उसने आगे कहा, “मुझे कुछ अच्छी किस्मत मिली।”

मैंने एक हजार शब्दों की एक छोटी कहानी लिखकर भेजी थी।

इसे एक स्थानीय समाचार पत्र के महिला परिशिष्ट में प्रकाशित किया गया था, और इसे स्वीकार कर लिया गया था।

महीने के अंत में, मुझे अखबार में काम करने का नोटिस मिला।

कार्यालय को पचास सेंट प्राप्त होंगे, लेकिन मुझे पहले एक मुहर बनवानी होगी।

इसमें मुझे दस सेंट का खर्चा आया, और रिक्शा से यात्रा करने में इतना पैसा खर्च हो जाता।

चालीस सेंट, या फिर स्ट्रीट कार से यात्रा करने में लगभग दस सेंट लगेंगे।

लेकिन अगर मैं एक हजार शब्द लिख सकता, तो मैं और भी लिख सकता था।

मैंने महिलाओं की समस्याओं से संबंधित अन्य लेख प्रस्तुत करना शुरू कर दिया।

विशेषकर पुरुषों पर महिलाओं की निर्भरता।

संपादक बहुत सहानुभूतिपूर्ण थे और उन्होंने यथासंभव प्रकाशित करने का वादा किया।

वह जितना लिख सकती थी, लिखती थी।

अगले महीने के अंत में, मुझे तीन के लिए एक वाउचर प्राप्त हुआ।

डॉलर और पचास सेंट। उस पैसे से जो मैंने खुद कमाया है।

जेब खाली होने पर मुझे बेहद गर्व और खुशी महसूस हुई। मैं छत पर चला गया।

फूचो रोड पर एक रेस्तरां के ऊपर एक थिएटर है, जहाँ एक युवा

और चांग सियाओयुन नाम की प्रतिभाशाली लड़की कहानीकार ("छोटी"

"क्वाड" एकालाप प्रस्तुत कर रहा था। प्रवेश शुल्क बीस सेंट था।

सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए, मैं दूसरी मंजिल पर एक चायघर के पास से गुजरा।

जहां मेजों पर आम लोगों की भारी भीड़ जमा थी।

वह जगह बेहद शोरगुल वाली थी, क्योंकि आप जानते ही हैं कि यह एक ऐसी जगह थी।

जहां निजी झगड़ों का निपटारा मध्यस्थों द्वारा किया जाता था।

उस कबीले या गाँव के प्रमुख सदस्य, जहाँ झगड़ा हो रहा है

सभी वर्गों के लोग छत पर बने थिएटर में आते थे।

इनमें बड़ी संख्या में आम सुख चाहने वाले लोग शामिल हैं।

^*1 मैं एक कोने में पीछे की बेंच पर अकेला बैठा था और सुन रहा था

क़ैद। प्रत्येक उत्कृष्ट अंश के समापन पर, श्रोतागण

ताली बजाते हुए सचमुच 'हाओ!' की आवाज़ आई। मैं इतना उत्साहित था कि मैं चिल्ला उठा।

अन्य लोगों के साथ जोरदार तालियाँ बज रही थीं। एक युवक आगे खड़ा था।

मेरी तरफ देखने के लिए वह मुड़ा। उसके बाद उसने एवरी को अपने साथ ले लिया।

मुड़कर देखो। मुझे नहीं पता कि बिट्न को किस चीज ने आकर्षित किया, क्योंकि मैं

बिना कर्ल वाले साधारण डच बॉब हेयरस्टाइल और गर्मियों के कपड़ों में।

नानकिंग रोड की किसी भी गरीब लड़की की तरह कपड़े पहनो।

पोया ने मालिन की बात काटते हुए धीरे से कहा, "मुझे पता है।" ^‘प्रकाश

तुम्हारी आँखों में कुछ गर्मजोशी, पवित्रता और ताजगी झलकती है।

"उसने उसका ध्यान आकर्षित किया।" मालिन शरमा गई और अपनी कहानी सुनाना जारी रखा।

उसने केवल इतना कहा कि यह पहली बार नहीं था जब उसने ऐसा देखा था।

एक युवक उससे छेड़छाड़ कर रहा था। ... वह ध्यान से सुन रही थी।

कहानी सुनाने वाली महिला, कई बार अपनी आँखें घुमाकर उस युवक की नजरों से बचने की कोशिश कर रही थी।

निगाहें।

जब लड़की कहानी सुनाने वाली ने कहानी समाप्त कर दी, और मालिन उठी और 1ˆ,

उसने देखा कि वह युवक उसका पीछा कर रहा था।

वह उसके सामने रुका, थोड़ा हिचकिचाया और बोला:

*‘सियाओहीब, मुझे दखल देने के लिए खेद है, लेकिन मैंने देखा कि आप अकेले थे,

और यहाँ बहुत भीड़ है। क्या मैं आपको नीचे तक छोड़ दूं?

मालिन ने ऊपर उसकी ओर देखा और पाया कि वह अच्छे कपड़े पहने हुए था।

शंघाई के मानकों के हिसाब से दिखने में बुरा नहीं है, हालांकि थोड़ा पतला है।

और छोटा।

"धन्यवाद," उसने जवाब दिया और अकेले ही सीढ़ियों से नीचे उतर गई।

लेकिन वह युवक फिर भी उसके पीछे-पीछे गया।

मालिन ने उसकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ गई। सड़क के प्रवेश द्वार

पर पहुँचकर, वह

वह मुड़ा और उस युवक ने, अभी भी उसी गिड़गिड़ाती आवाज में, पूछा कि क्या वह

85

कोविड ने उसे अपनी बिल्ली के साथ घर भेज दिया। वह खुश मिजाज थी।

रात थी, और वह युवा और उत्साही थी और उसमें गहरी समझ थी।

रोमांच। वह इस युवक को बेहतर तरीके से जानना चाहती है।

वैसे, दोस्त होने में कोई बुराई नहीं थी। वह देख सकता था

वह अपने कार्यालय में संघर्ष कर रही थी और उत्सुकता से बोली; “तुम मुझे नहीं जानते,

बेशक। मिस कुबांग कल रात यहाँ पाठ करेंगी। क्या मैं उम्मीद कर सकता हूँ?

आपको यहाँ देखकर खुशी हुई, अगम?

"ठीक है," मालिन ने मुस्कुराते हुए कहा और चली गई।

यह उनके प्रेम प्रसंग की शुरुआत थी। ठंडी गर्मियों में।

जुलाई की गर्मियाँ बीतने के बाद आने वाली शामों में, वह उससे कई बार मिली।

रूफ थिएटर और कैफे में समय बिताया। जल्द ही एक गहरा प्यार पनपा।

उनके बीच प्रेम पनपा। शंघाई की गलियों में रोमांस की कहानी।

कोई असामान्य बात नहीं, लेकिन वह युवक— जिसका नाम माली है

उसने पोया को नहीं बताया— ऐसा लगता था कि वह उससे सचमुच प्यार करता था।

वह सौम्य स्वभाव का था, और उसके मल में परिष्कार का स्पर्श था।

हालाँकि उनमें कमज़ोर स्वास्थ्य के लक्षण और कुछ अन्य लक्षण भी थे।

एक धनी परिवार का निराश युवक। मालिन स्वभाव से ऐसा ही था।

भरोसेमंद, भोला और आवेगशील, और बहुत जल्द ही

उसने उसे बताया कि वह अकेले रह रही है। उसने दिखाना शुरू कर दिया।

उसके द्वारा प्रकाशित लेखों ने उसके प्रति उसकी प्रशंसा को और बढ़ा दिया।

उसने कसम खाई कि वह उससे शादी करेगा, लेकिन उसके माता-पिता को इस बारे में पता नहीं चलना चाहिए।

इसके बारे में बाद में बात करेंगे। एक गर्म गर्मी की दोपहर को वह उससे मिलने गया।

मैंने कमरे में देखा कि एकमात्र खिड़की से सूरज की रोशनी अंदर आती थी और कमरा गर्म हो जाता था।

जैसे भट्टी। उसे आश्चर्य हुआ कि कोई व्यक्ति उसमें कैसे रह सकता है।

ऐसी जगह, और उसने उससे आग्रह किया कि वह उसे बेहतर व्यवस्था करने की अनुमति दे।

उसके लिए जगह मिल गई। कुछ दिनों बाद, उसे उसके लिए एक आरामदायक कमरा मिल गया।

वह फ्रांसीसी रियायत क्षेत्र में रूट वैलन पर थी। उस समय से>»

वह उससे मिलने लगातार आता रहता था।

जल्द ही उसके माता-पिता को इस बारे में पता चल गया।

फिथर, चाइना मर्चेंट्स नेविगेशन के एक कंप्रेडोर

कंपनी को विश्वास नहीं हो रहा था कि उसका बेटा गंभीर है, और

महिला को रिश्वत देकर मनाने का सुझाव दिया गया, लेकिन बेटा अडिग रहा और

उसने कसम खाई कि वह किसी और से शादी नहीं करेगा। इससे एक विवाद खड़ा हो गया।

पिता और पुत्र के बीच बहुत बड़ा झगड़ा हुआ। एक दिन माँ ने

वह मालिन के कमरे में आया और उससे पूछा कि क्या वह अपने बेटे को छोड़ देगी।

और मालिन ने इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि वह उससे शादी नहीं कर रही है।

पैसा। माँ के हस्तक्षेप से अंततः यह संभव हो पाया।

यह तय हुआ कि यदि बेटे की शादी होनी है तो माल्म को कॉली के पास भेजा जाना चाहिए।

उसे। मालिन को इससे ज्यादा कुछ भी नहीं चाहिए था, और artangftmftnts

उसके लिए फू टैन कॉलेज में एक विशेष छात्रा के रूप में दाखिला लेने की व्यवस्था की गई थी।

एक छात्रा अंग्रेजी और पियानो की कक्षाएं ले रही है। उसका पति...

जिससे उसकी कभी ठीक से शादी नहीं हुई थी, वह उससे मिलने लगातार आती रहती थी।

वह कॉलेज में पढ़ती थी और सप्ताहांत में उसे बाहर घुमाने ले जाती थी।

उसने कॉलेज में पंजीकरण नहीं कराया था क्योंकि वह रात में बाहर घूमने जाती थी।

इस घटना ने कॉलेज में खूब चर्चा पैदा की और जल्द ही उसे कॉलेज से निकाल दिया गया।

लगभग एक वर्ष बाद भी, उस युवक के दिल में अब भी आशा थी कि उसका

बेटा मदीन से ऊब जाएगा और उसे छोड़ देगा। उसने मना कर दिया।

उन्होंने कहा कि वह शादी नहीं करेंगे और उन्हें कोई औपचारिक शादी समारोह नहीं देंगे।

जब तक वे दो साल साथ नहीं रहे। पिता ने आगे कहा

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लड़की की पूरी जांच की जाए।

तीन पीढ़ियों तक की वंशावली, जैसा कि सगाई से पहले प्रथा थी।

टिप्पणियाँ।

तब मालिन ने अपने पति को अपनी माँ के जीवन के बारे में बताया।

और उसके पिता के बारे में। फेदर, एक तेजतर्रार, प्रतिशोधी स्वभाव का व्यक्ति,

वह सौदेबाजी करने में सक्षम था, सभी सैन्यवादियों से घृणा करता था और

खास तौर पर मालिन के पिता के बारे में। वह गुस्से से भड़क उठा और उसने अपने पिता को बताया।

बेटे का उस व्यक्ति की बेटी से कोई संबंध न रखने के लिए कहा गया था जिसने...

उसे जेल में डाल दो— एक ऐसा कलंक जिसे वह कभी मिटा नहीं सकता या भूल नहीं सकता।

मालिन, यह जटिलता पूरी तरह से अप्रत्याशित थी। उसके पति

उसने अपने पिता के शब्दों को दोहराते हुए उससे कहा कि वह एक गद्दार है।

'^' •.बेटी, कि उसके परिवार पर उसका कर्ज रहा होगा

पिछले जन्म में हुई घटना के लिए, और यह कि भाग्य ने उसे बदला लेने के लिए भेजा था।

उसका घर बर्बाद करके।

फिर एक दिन वह आया और उसने उसे बताया कि उसके पिता बदल गए हैं।

उसके मन में यह विचार था कि वह उसे अपने घर में रहने के लिए लाएगा, लेकिन

शादी नहीं होगी। मालिन डरी हुई थी और उसने कहा कि वह शादी करेगी।

वह अपने परिवार से अलग रहना पसंद करती थी। लेकिन उसके पति ने उससे कहा कि

उसका पिता एक निरंकुश बूढ़ा व्यक्ति था और उसकी अवज्ञा करना असंभव था।

और अगर वह बात नहीं मानती, तो उसे पूरी तरह से त्याग दिया जाएगा।

"तुम्हें पता है उसके बाद क्या हुआ," मालिन ने कहा।

“नहीं, मैं नहीं जानती,” पोया ने आगे की प्रतीक्षा करते हुए कहा।

लेकिन काफी देर हो चुकी थी और लोह अंदर आए और कहा कि वे जल्द ही आ जाएंगे।

रात का खाना।

"मैं तुम्हें रास्ते में बता दूंगी," मालिन ने कहा।

तो यह थी मालिन की कहानी, जैसा उसने पोया को बताया था।

दोपहर।

*

शाम को लगभग साढ़े सात बजे, जब काफी अंधेरा हो चुका था,

पोया मालिन को लाओ पेंग के घर ले गई। एक नौकरानी उसे उठाकर ले गई।

सूटकेस और एक अतिरिक्त कंबल, और शायद बाकी सामान छूट गया था।

पोया के बीजिंग छोड़ने के समय उसके साथ जाने के लिए पीछे रहना।

पोया ने नौकर को आगे बढ़ने के लिए कहा, और वे दोनों हाथ में हाथ डालकर चलने लगे।

अंधेरे में हाथ...

“अब मैं आपसे सहमत हूँ,” पोया ने कहा। “अगर कुछ होना चाहिए तो

अगर ऐसा तुम्हारे साथ हुआ, तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा।

उसने उससे पूछा कि उसे ऐसा क्यों लगता है कि यह विशेष रूप से खतरनाक है

जापानियों को उसका नाम पता होना चाहिए।

“क्या आपका कभी जापानियों से कोई वास्ता पड़ा था?” उसने पूछा।

"नहीं, कभी नहीं।"

"तो क्यों?"

“ऐसे समय में सावधानी बरतना कितना भी कठिन क्यों न हो,” उसने

कहा।

कहा।

Po3ˆ मालिन में इतना मग्न था कि वह भूल गया कि वह कहाँ है

वह तब तक चलता रहा जब तक उसे 3 यानी कोने बीस पर परिचित पुलिसकर्मी दिखाई नहीं दिया।

कुछ गज दूर। "ओह, हमें उस तरफ नहीं जाना चाहिए," उसने कहा, और

अचानक मुड़कर वह उसे घुमावदार गलियों के एक भूलभुलैया में ले गई।

वहाँ अंधेरा था और वह खुद को उसे चूमने से रोक नहीं पाया।

“क्या तुम मुझसे हमेशा प्यार करोगी?” उसने फुसफुसाते हुए पूछा।

‘हमेशा के लिए। शंघाई पहुँचने के बाद हमें कभी नहीं होना चाहिए।

अलग हो गए।"

"क्या तुम मेरे साथ हर जगह जाओगे?"

"तुम जहाँ भी जाओगे, मैं तुम्हारा पीछा करूँगा।"

“लिएन-एरह, हम एक दूसरे के हैं। जब मैंने तुम्हें बैठे हुए देखा

मैंने सोचा, मेरी मेज और तुम्हारा सफेद हाथ ब्रश से खेल रहा है;

‘यही वो घर है जो मैं चाहती हूँ।’ मैं तुमसे कबूल करती हूँ कि मैंने चूमा था।

डेस्क और वह कुर्सी जिस पर आप बैठे थे — और वह ब्रश जिसे आपकी उंगलियों ने छुआ था

संभाला था।

“ओह, पोयाल”

“हां, इसने मुझे तुम्हारी याद दिला दी। ऐसा लगा जैसे तुम वहीं के हो।”

ओह, लीन-एरह, मैं कितना भाग्यशाली हूँ कि तुम मेरे साथ हो?

वह उसके और करीब आ गई। "ऐसा अक्सर नहीं होता कि किसी को ऐसा मौका मिले।"

एक और व्यक्ति जो स्वयं को पूरी तरह से समझता है। और जब एक

हाँ, यह कितनी खुशी है। मैंने इससे पहले कभी खुशी का अनुभव नहीं किया था।

मैं तुम्हें जानती थी। मेरा जीवन दुखमय रहा है। किसी दिन मैं तुम्हें जरूर बताऊंगी।

इसका एक AU और मैं तुम्हारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करूंगा। मैं तुम्हारे जैसा नहीं बनूंगा।

कैनान। आपको मुझे बताना होगा कि आपको मुझमें क्या पसंद है, और मैं बस वही करूंगा।

और जब तुम गुस्से में हो, तो तुम मुझे थप्पड़ मार सकते हो। मैं चाहता हूँ कि तुम...

अगर मुझे पता चल जाए कि तुम मुझसे प्यार करते हो, तो मुझे थप्पड़ मार देना।

“तुम मजाक कर रहे हो, लियन-एरी।”

88

नहीं, यह सच है। मैं चाहता हूँ कि आप ऐसा करें।

मैं तुम्हें थप्पड़ कैसे मार सकता हूँ? मेरा अपना दिल दुखने लगेगा।

ऐसा दिखावा करो कि मैंने कुछ गलत किया है, और तुमने खा लिया है

“आगी।” मालिन ने कहा। “अब!” उसने अपना गाल ऊपर उठाया।

उसे।

उसने तारों की रोशनी में धुंधली सी दिखाई दे रही उसकी आँखों में देखा और

उसने उसके गाल को धीरे से छुआ।

“यह थप्पड़ नहीं है,” उसने कहा।

*तुम मुझसे असंभव काम करने को कह रहे हो। अब उसने उसे पकड़ लिया।

dieek.

“और ज़ोर से!” उसने कहा।

“मैं तुम्हें खाना ज्यादा पसंद करूंगा,” पोया ने कहा।

"कैली, मुझे अपनी खूबसूरत दासी बना लो।"

“मेरी सुंदर दासी।”

मालिन इससे संतुष्ट थी, लेकिन पोया के मन में अभी भी गहरी भावनाएं थीं।

परेशान^। जब वे लाओ पेंग के घर पहुँचे, तो नौकर ने

वह दरवाजे पर उनका इंतजार कर रही थी।

अंदर जाते समय पोया ने नौकर से कहा, "तुम वापस जा सकते हो।"

लाओ पेंग अपने बैठक कक्ष में बैठे थे और विचारों में डूबे हुए प्रतीत हो रहे थे।

जब वे अंदर आए, तो वह उनका स्वागत करने के लिए उठ खड़ा हुआ।

“ये मिस त्सुई हैं,” पोया ने कहा।

“टोया बसिउंग ने तुम्हारे बारे में मुझे बहुत कुछ बताया है,” उसने कहा।

विनम्रता से। "मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे आपको इस तरह परेशान करना पड़ेगा।"

लाओ पेंग इधर-उधर भागते हुए बोला: "आपका सूटकेस मेरे कमरे में है।"

बैठ जाओ। बैठ जाओ।” उसने मालिट को सबसे अच्छी कुर्सी दी।

बैठते ही उसे स्प्रिंग की चरमराहट सुनाई दी। थोड़ी घबराई हुई, उसने देखा।

पोया में असहाय अवस्था में।

उन्होंने कहा, "मुझे यकीन है कि अंकल पेंग को कोई आपत्ति नहीं होगी।"

“यह बिल्कुल ठीक है,” लाओ पेंग ने अपनी मधुर आवाज में कहा।

वह उठी और बेडरूम की ओर चली गई। 'तुम मेरे बिस्तर पर सो सकती हो,'

अगर आपको पसंद हो तो। यह सियाओएबियेह के लिए बहुत साफ नहीं है।

“तुम कहाँ सोओगे?” पोया ने पूछा।

“मैं कहीं भी सो सकता हूँ जहाँ...” उसने धीरे से कहा। “मैं कहीं भी सो सकता हूँ जहाँ...”

वहाँ एक तख्ता है। मैं उस कुर्सी पर सो सकता हूँ। मत करो।

मेरे बारे में चिंतीत हो।"

“ओह, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए,” मालिन ने लकड़ी के बिस्तर की ओर देखते हुए कहा और

कमरा उतना साफ तो नहीं था, लेकिन आरामदायक और गर्म था।

“यह सिर्फ एक रात के लिए है,” लाओ पेंग ने कहा। “एक और भी है।”

कमरे में छोटा सा बिस्तर है, लेकिन बाहर बहुत ठंड है। मुझे एक और कमरा मिल सकता था।

चूल्हा तो अंदर आ गया है, लेकिन अब उतना आरामदायक नहीं रहेगा।

89

“अरे, इतनी परेशानी मत उठाओ,” माल्टा ने कहा। “हम इंतज़ाम कर सकते हैं।”

जो कल आएगा।

उसे सहज रूप से इस अधेड़ उम्र के व्यक्ति के प्रति आकर्षण महसूस हुआ।

पोया ने उसे बताया था कि लाओ पेंग वास्तव में एक महान व्यक्ति थे और उनके

अपना सबसे अच्छा दोस्त। उसकी धीमी आवाज़, जब वह धीरे और सहजता से बोलता था,

यह सुखद था। उसने उसके ऊंचे माथे पर पड़ी झुर्रियों को देखा और

उसके बिखरे हुए भूरे बालों ने मुझे उसे और भी ज्यादा पसंद करने पर मजबूर कर दिया। इसके अलावा,

उनके चेहरे पर एक सहज और प्यारी मुस्कान रहती थी, जो ऐसे लोगों में कम ही देखने को मिलती है।

मध्यम आयु।

“मुझे शर्म आ रही है,” उसने बेडरूम से बाहर आते हुए कहा।

"चाचा पेंग को उनके अपने बिस्तर से वंचित करने के लिए।"

“क्या तुम सख्त तख्ते पर सो सकते हो? फर्श पर?” लाओ पेंग ने कहा।

"यह मेरी हड्डियों के लिए अच्छा है।"

“जब मैं छोटा था, तो मैं अपने साथ कठोर तख्तों पर सोता था।”

"मां," मालिन ने कहा।

वे बैठ गए, माल्टा अभी भी उत्साह से लाल था।

"आप अपने बालों को पीछे क्लिप से क्यों नहीं बांध लेतीं, जैसा कि आप पहले करती थीं?"

"पहले?" पोया ने पूछा।

“क्या तुम्हें यह पसंद आया?” मालिन ने पूछा और उछलकर अंदर चली

गई।

बेडरूम में। पोया ने लाओ पेंग को बताना शुरू किया कि क्या हुआ था।

उस सुबह, लेकिन कुछ ही क्षणों में वह अपने घुंघराले बालों के साथ बाहर आई।

उसकी गर्दन पर कुछ सुंदर निशान रह गए थे और उस पर कुछ उत्कृष्ट निशान बचे थे।

मर गया।

“मुझे दर्पण नहीं मिला,” उसने कहा।

“दीवार पर एक है।” लाओ पेंग ने एक छोटे से जंग लगे हुए

कोने में बेसिन रैक के ऊपर लटका हुआ दर्पण।

“धन्यवाद, मैं अपना इस्तेमाल करूँगी।” उसने एक छोटा सा दर्पण निकाला।

उसने अपने हैंडबैग से कुछ निकाला और उसके बारे में छानबीन शुरू कर दी।

"क्या आपको नहीं लगता कि वह धरती पर सबसे खूबसूरत प्राणी है?"

लाओ पेंग के पोया ने पूछा। मालिन ने दर्पण में उसकी ओर देखा।

और मुस्कुराई। “उसके चेहरे पर सिंदूरी रंग का जन्मचिह्न है। मिस त्सुई, मुड़िए।”

"इसे अंकल पेंग को दिखाने के लिए घुमाओ।"

मालिन ने अपना सिर घुमाया और लाओ पेंग खड़ा हो गया। "ऊपर आओ।"

“दीये की रोशनी। मुझे देखने दो,” उसने कहा।

मालिन ने आज्ञा मानी और लैम्पउघ्ट के पास आई, जहाँ लाओ पेंग मौजूद था।

उसने उसे गौर से देखा।

“के टीटी^जिबक्सबुशाएबिब। बहुत दुर्लभ,” उसने उसे छूते हुए कहा। मालिन

मुझे गुदगुदी हुई और मैं पीछे हट गया। वे पहले से ही पुराने दोस्तों की तरह महसूस कर रहे थे।

पोया ने पुलिस छापे की अपनी कहानी जारी रखी, जबकि मालिन बैठी रही।

चुपचाप।

लाओ पेंग ने आखिरकार कहा, "मैं समझता हूँ कि आप दोनों इसमें हैं।"

एक दूसरे से प्यार करो।

दोनों ने एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराया और मालिन शरमा गई।

"क्या आपने अपनी योजनाएँ बना ली हैं?"

“हमारे पास साथ रहने के अलावा कोई योजना नहीं है,” पोया ने कहा।

और आपकी पत्नी?

वह उसका अच्छे से ख्याल रखेगा।

"लेकिन अगर वह सहमत न हो तो?"

"ओह, यह तो बहुत आसान है। वह जहाँ चाहे वहाँ रह सकती है। वह तो यहाँ तक कि..."

अगर वो चाहे तो मेरा पूरा घर उसे दे सकती है। मैं मालिन के साथ रहना ज्यादा पसंद करूंगा।

शरणार्थी के रूप में भी।"

दूसरे शब्दों में कहें तो, अगर तलाक नहीं होता है, तो आप पोया के होंगे।

"उपपत्नी," लाओ पेंग ने मालिन से सीधे-सीधे कहा।

उस शब्द को सुनकर वह फिर से शरमा गई।

“मैं सिर्फ उसका अनुसरण करना चाहती हूं। मुझे बस इतना ही पता है,” उसने कहा।

जब पोया घर जाने के लिए उठा, तो उसने लाओ पेंग से कहा कि वह स्वयं

वह चार-पांच दिनों में निकल सकेगा। लाओ पेंग ने उससे पूछा कि क्या

मालिन पर्याप्त कपड़े लेकर आई थी, क्योंकि अब ठंड पड़ने लगी थी।

सुबह और रात के समय तेज और ठंडी हवा चलती है। पोया ने कहा कि

वह अगली सुबह उसके लिए स्वेटर और कोट लेकर आएगा।

मालिन उसके पीछे-पीछे आंगन में गई और उसे फाटक तक छोड़ने गई, और

उसका हाथ दबाते हुए, उसने स्नेहपूर्वक कहा: "कल मिलते हैं।"

अध्याय VI

यह विडंबना ही है कि महज संयोग से मालिन और पोया का रिश्ता एक साथ जुड़ गया।

एक साथ दोस्ती। हालाँकि लाओ पेंग उम्र में काफी बड़ी थी, लेकिन उसके पास कोई

मिलनसार सोम का भय, जो सादगी से अकेले रहता है, एक "आत्मा"

जैसा कि वेन तिएनसियांग ने इसे "ईमानदारी" कहा था। पोया ने उसे

बताया था।

लाओ पेंग ने दूसरों की मदद करने के लिए कुछ चीजें की थीं और

उन्होंने उनके बारे में सच्चे स्नेह से बात की। वह पच्चीस वर्ष की थीं।

और वह पैंतालीस वर्ष का था, इसलिए वह उसका पिता हो सकता था।

वास्तव में उनका रवैया पिता तुल्य, सम्मानजनक और स्नेहपूर्ण था। अजीब बात है।

लाओ पेंग में उसे यह महसूस कराने की शक्ति थी कि वह एक

बेहतर और योग्य व्यक्ति। पोया की उपस्थिति में, वह खुद को छोटा महसूस करती थी और

अयोग्य, शायद एक "पापी स्त्री," जबकि लाओ पेंग की रचना में

कंपनी में, वह निस्संदेह किसी भी अन्य प्राणी जितनी ही अच्छी थी।

मालिन को बाद में पता चला कि वह चान बौद्ध थे।

91 डी

शायद वह कट्टर चान बौद्ध भी नहीं थे, क्योंकि

उन्होंने मांस और चिकन खाया। चान (जापानी में ज़ेन) एक बौद्ध धर्म है।

संप्रदाय, हिंदू तत्वमीमांसा और चीनी दर्शन का एक अनूठा उत्पाद है।

ताओवादी दर्शन। लगभग क्वेकरों की तरह, इसने इन चीजों का त्याग कर दिया।

रूप और संस्थाएँ और पुरोहितवाद और इस पर ध्यान केंद्रित किया गया

आंतरिक आध्यात्मिक जीवन। आठवें वर्ष में छठे कुलपति की मृत्यु के बाद

सदी, कहीं ऐसा न हो कि यह संप्रदाय एक संगठित संस्था बन जाए, कोई उत्तराधिकारी न हो

नियुक्त किया गया था। यहाँ तक कि पादरी के वस्त्र और उसके हस्तांतरण का भी।

भिखारी का कटोरा एक प्रकार के "प्रेरितिक उत्तराधिकार" के प्रतीक के रूप में।

इसका संचालन बंद कर दिया गया था। ध्यान और

आंतरिक आत्मा के विकास में, यह उससे भी आगे बढ़ गया।

क्वेकर्स ने न केवल अनुष्ठानों के प्रति, बल्कि अन्य चीजों के प्रति भी तिरस्कार दिखाया।

शास्त्रों का अध्ययन करें। और लंबी-चौड़ी बहस और दार्शनिक चर्चाओं के बजाय

व्याख्याओं में, सूक्ष्म पहेलियों में एक जिज्ञासु दृष्टि की आवश्यकता थी।

चार पंक्तियों वाले छंद जिन्हें गतबा कहा जाता है, जिनका अर्थ यह होना चाहिए कि

किसी सत्य को सिद्ध करने के बजाय, उसे सुझाना और स्पष्ट करना।

ज्ञानोदय अंतर्दृष्टि की एक चमक के साथ आने वाला था, जो नियमों के बारे में थी।

चिंतन के परिणामस्वरूप जीवन, जिसे तथाकथित "अचानक" कहा जाता है।

धर्मांतरण। इसलिए एक चान बौद्ध अपने जीवन यापन से संतुष्ट रहता है।

खुशहाल गुमनामी - परिश्रम, मितव्ययिता और साथी मनुष्यों के प्रति दयालुता से भरा जीवन

आदमी ऑर पशु फना।

मालिन ऐसे अजीब माहौल में मुश्किल से सो पाती थी।

लाओ पेंग के खर्राटे और उसकी कुर्सी में सोफे की चरमराहट सुनाई दे रही थी।

अक्सर उसे लगता था कि वह जाग रहा है और फिर उसे उसकी आवाज सुनाई देती थी।

फिर से जोर-जोर से खर्राटे लेने की आवाज आई। लेकिन आखिरकार वह सो गई।

लाओ पेंग सुबह जल्दी उठने वाला व्यक्ति था। वह अपने साथ सोया था।

मोजे और जूते पहने हुए, और सुबह होते ही वह सो नहीं सका।

उसने शयनकक्ष में झाँका और देखा कि युवती सो रही है।

ठीक से। उसे परेशान न करने का ध्यान रखते हुए, वह दबे पांव इधर-उधर घूमने लगा और

उसने नौकर से फुसफुसाकर गर्म पानी लाने को कहा, और जब वह आ गया

उसने लगभग बिना आवाज किए अपना चेहरा धोया। फिर उसने एक सिगरेट जलाई।

सिगरेट पीते हुए वह सोचने लगा। जब मालिन अभी भी नहीं जागी थी,

साढ़े सात बजते ही वह और इंतजार नहीं कर सका और उसने अपना नाश्ता गरमागरम खा लिया।

अकेले दलिया खाकर। फिर वह ताज़ी हवा के लिए गलियों में टहलने निकल गया।

ईस्ट-फोर पैलू और ईओ के पास कई जापानी सैनिक देखे गए।

हाटामेन स्ट्रीट से विभिन्न स्थानों पर समाधि की अवस्था में। उसने खरीदा

कुछ ऑइल ट्विस्ट, यह सोचकर कि मालिन को नाश्ते के लिए ये पसंद आ सकते हैं।

जब वह आया और उसने उसके कमरे में शोर सुना, तो उसे खांसी आ गई।

जोर से।

“क्या तुम उठ गए हो?” उसने पुकारा। “कितने बजे हैं?”

"यह लगभग नौ बजे है।"

"ओह, मुझे उठना होगा।"

"मेरे पास तुम्हारे लिए पानी है," लाओ पेंग ने पुकारा। "यहां ठंड है।"

वहाँ। क्या आप यहाँ नहाना चाहेंगे?

मालिन अपनी काली रजाईदार गाउन में बाहर आईं।

“ये रहा गर्म पानी। और ये रहा गर्म चूल्हा। क्या आपने

अच्छी नींद आई?

"बढ़िया और आप?"

"मुझे बहुत अच्छी नींद आई। मैं दो घंटे से जागा हुआ हूँ।"

मालिन ने कपड़े धोना शुरू कर दिया।

“आज हालात तंग नहीं लग रहे हैं,” लाओ पेंग ने कहा। “कुछ तो गड़बड़ है।”

ऐसा हो रहा है। हाटामेन की सड़कों पर कई सैनिक मौजूद हैं।

जब उसने अपने बाल कंघी करना समाप्त कर लिया, तो नौकरानी ने

और लाओ पेंग से कहा: "बाहर एक आदमी है जो चाहता है..."

आपसे बात करूंगा।

“किस तरह का आदमी?”

“बस एक व्यक्ति नीली पोशाक में है। वह कहता है कि उसे आपसे बात करनी है।”

लाओ पेंग बाहर गया और उसने उस आदमी को अपने नौकर के रूप में पहचान लिया।

दादी चाओ के घर पर देखा गया। वह आदमी अंदर नहीं आया।

और उसने आंगन में उसके कान में फुसफुसाया। उनके दो साथियों ने

आज सुबह वेस्ट क्यूटी और ग्रैंडमा अर्बन में गिरफ्तार किया गया।

वह खुद छिप रही थी। उसने उसे अपना घर छोड़ने की सलाह दी।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, और यदि आवश्यक हो तो किसी निश्चित मार्ग से शहर से बाहर निकलने के लिए।

द्वार पर, "पहरेदार उसे जानते थे और अगर वह उन्हें अनुमति देता तो वे उसे अंदर जाने देते।"

गुप्त संकेत। लेकिन उसे द्वार पर आते समय सावधानी बरतनी चाहिए। अगर कोई

अगर वहां जापानी लोग मौजूद थे, तो यह खतरनाक हो सकता था।

जल्दी करो। समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। कई सैनिक आगे बढ़ रहे हैं।

"सड़कों पर।" इतना कहकर वह आदमी चला गया, और लाओ पेंग चुपचाप चलने लगा।

कमरे में प्रवेश करते हुए, गहरी सोच में डूबा हुआ।

"क्या वह पोया का आदमी था?" मालिन ने पूछा, उसके हाथ में अभी भी कंघी थी।

“नहीं,” लाओ पेंग ने कहा। “तुम्हें नाश्ता कर लेना चाहिए।”

और जल्दी खा लो। मैंने तुम्हारे लिए ओटाट्युटियाओ खरीदा है।

मालिन नाश्ते की मेज पर बैठ गई जबकि लाओ पेंग ने बोलना शुरू किया,

उसके बेडरूम की तलाशी ली और एक पुराने नीले रंग के यात्रा बैग को भर दिया।

कपड़ा। फिर उसने कहा:

“बुरी खबर है। यहाँ रहना असुरक्षित है। जापानी लोग तलाशी ले रहे हैं।”

गुरिल्लाओं और उनके दोस्तों के लिए। वे यहाँ आ सकते हैं।

मैं किसी भी क्षण घर से बाहर जा सकता हूँ। यह जगह आपके लिए नहीं है। मैं जा रहा हूँ।

तुरंत शहर जाओ। बेहतर होगा कि तुम तुरंत वापस चले जाओ।

पोया का घर।

मैं वहां वापस नहीं जा सकता।

“यह यहाँ से ज़्यादा सुरक्षित है। अगर तुम उसके साथ दक्षिण जाना

चाहते हो, तो मत जाओ।”

आप?"

“हाँ, लेकिन वह चार-पाँच दिन तक नहीं जाएगा, और मैं नहीं कर सकती।”

"वहीं रहो," मालिन ने कहा। "जापानी लोग शायद फिर से वहां जा सकते हैं।"

लाओ पेंग असमंजस में था।

लेकिन आप वहां एक महीने से रह रहे हैं।

अब हालात अलग हैं। आप कहाँ जा रहे हैं?

लाओ पेंग ने अपने बड़े चश्मे के पीछे से उसे देखा। "मैं चलता हूँ।"

दक्षिण की ओर।"

“ओह, अंकल पेंग, मुझे भी आपके साथ चलने दीजिए। हम उनसे मिलेंगे।

शंघाई। आप शंघाई जा रहे हैं, है ना?

“मुझे नहीं पता।” लाओ पेंग ने उसे ध्यान से देखा। “सुश्री त्सुई,

यह आपके लिए बहुत खतरनाक और खतरनाक है। पहले मुझे यहाँ से निकलना होगा।

मैं और शहर सड़क मार्ग से यात्रा करते हैं। रास्ते में आरामदायक बिस्तर नहीं होंगे।

रास्ता। आपको नहीं पता कैसा होता है। क्या आप चल सकते हैं? हम शायद

हमें पाओटिंगफू से आगे निकलने तक कई दिनों तक पैदल चलना होगा, जहाँ

शायद हम रेल से जा सकते हैं।

"मैं चल सकता हूं।"

"क्या आप पोया के तैयार होने तक किसी होटल में नहीं रुक सकते?"

नहीं। वे सभी होटलों की तलाशी लेते हैं।

लाओ पेंग को यह बात पूरी तरह समझ नहीं आ रही थी कि मालिन को ऐसा क्यों करना पड़ा।

पोया के घर वापस जाने से डर लग रहा था, लेकिन ज़रूर कोई न कोई कारण रहा होगा।

उसके ऐसा महसूस करने का पर्याप्त कारण था। वह देख सकता था कि चिंता

उसके कार्यालय पर जो कुछ भी था वह वास्तविक था और उसका निर्णय बिल्कुल अंतिम था। अगर वह

अगर वह उसे अपने साथ ले जाता, तो इसका मतलब यह होता कि उसे भी साथ जाना पड़ता।

उसे शंघाई ले जाया गया, लेकिन एक ऐसे पुरुष होने के नाते जो उचित सम्मान का आदी नहीं था।

खुद उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह ऐसा करने से कैसे बच सकता है।

अपने मित्र पोया के प्रति दायित्व के कारण, उसने स्वाभाविक रूप से समर्पण कर दिया।

कुछ दिनों बाद ही उसे समस्या का कारण ठीक से समझ आया।

मालिन की खाड़ी।

"क्या तुम पोया को अलविदा कहने नहीं जाओगे?"

नहीं। मेरी हिम्मत नहीं है।

"तो हमें उसके लिए एक संदेश भेजना होगा।"

मैं इतनी उत्साहित हूँ कि लिख नहीं पा रही हूँ।

“तो हम नौकर को भेज देंगे। अब अपना सूटकेस ले आओ।

सामान पैक कर लिया है। कंबल की चिंता मत करो। क्या तुम्हारे पास पैसे हैं?

मेरे पास पांच सौ डॉलर नकद हैं।

“यह काफी है। रास्ते में हम आपकी जरूरत का सामान खरीद लेंगे।”

कुछ ही मिनटों में वे तैयार हो गए। लाओ पेंग ने नौकरों को बुलाया।

उसने उसे कुछ डॉलर दिए और कहा कि वह जा रहा है।

और उसे पता नहीं था कि वह कब लौटेगा। अगर कोई आता भी तो वह

यह कहने के लिए कि उसका स्वामी शहर में नहीं था। फिर उसने कहा: “ले जाओ

इस कंबल को लेकर राजकुमार के बगीचे में जाओ और श्री याओ को बताओ कि

हम जा चुके हैं और शंघाई में उनसे मिलेंगे। ज्यादा बात मत करना।

बहुत ज्यादा। लोगों से बस इतना कहो कि मास्टर जिले में नहीं है। अब जाओ।

बाहर जाओ और हमारे लिए दो रिक्शा ले आओ।

मालिन, बेहद चिंतित होकर, नौकर से दोहराया: "ज़रूर बताओ..."

श्रीमान याओ, हम शंघाई जा रहे हैं और वहां आपसे मिलेंगे।

और लाओ पेंग ने आगे कहा: "उसे बता देना कि मैं मिस का अच्छे से ख्याल रखूंगा।"

त्सुई को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।"

वे घर से निकल पड़े, माल्टा अपने छोटे सूटकेस के साथ और लाओ पेंग।

अपने पुराने यात्रा बैग के साथ।

लाओ पेंग ने रिक्शा चालकों से कहा, "उत्तर की ओर।"

पहरेदारों से बचने के लिए उसने उन्हें नानसियाओचिडी के साथ जाने का निर्देश दिया।

वे गलियों का पीछा करते हुए उत्तरी ग्रेट टेक्सास में काफी दूर तक चले गए।

वहाँ उन्होंने रिक्शा बदला और पश्चिम की ओर दक्षिण दिशा में चल दिए।

मात्रा। दिन धूपदार था और लोगों के समूह धूप सेंक रहे थे।

वे आपस में बातचीत कर रहे थे और शुंचूनेन बुलेवार्ड पर गपशप कर रहे थे।

इक्का-दुक्का सैनिकों को छोड़कर बाकी सब कुछ शांत और सामान्य था।

शुंचिहमेन से आगे निकलने के बाद, लाओ पेंग ने फिर से रिक्शा बदल लिया।

और खींचने वालों को पश्चिम की ओर मुड़ने का निर्देश दिया। सिपिएनमेन से पचास गज की दूरी पर,

लाओ पेंग नीचे झुककर चारों ओर देखने लगा।

पीडीपीएनजी के डीटीवाई गेट में बाहरी और आंतरिक गेट शामिल होते हैं;

प्रत्येक द्वार के आगे एक अर्धवृत्ताकार दीवार है जिससे होकर आगे का रास्ता खुलता है।

रक्षक आक्रमणकारी से लड़ सकते थे। यदि कोई शत्रु आगे बढ़ जाए तो...

पहले द्वार पर, वह खुद को लगभग पचास फीट की दूरी पर एक जेब में पाएगा।

गहरा। इन्हीं में से एक में युद्ध के शुरुआती दिनों के दौरान एक

जापानी कंपनी फंस गई और पूरी तरह नष्ट हो गई। लाओ पेंग

वह एक गार्ड के पास पहुंचा, जिसने उसे रोककर पूछा: "कहाँ हैं?"

तुम जा रहे?"

लाओ पेंग ने कहा, "मैं जिले के बाहर एक गांव में जाऊंगा।"

“कानलू,” जिसका अर्थ है “पैदल जल्दी चलना” या “यात्रा करना,”

गुरिल्ला साथियों का गुप्त पासवर्ड।

“तुम ऐसा मत करना,” गार्ड ने कहा। “तीन या चार जापानी आ रहे हैं।”

वे बाहरी द्वार पर हैं। शाम को वापस आकर देखना।

"क्या आज रात भी?"

"हाँ।"

टी.आन पेंग ने उसे धन्यवाद दिया और वापस मुड़ गया। उसका रिक्शा चालक, एक

सोलह साल का लड़का उत्सुकता भरी मुस्कान के साथ उसका इंतजार कर रहा था।

“क्या तुम अंदर नहीं जा सकते?” उसने पूछा।

“मैंने आज न जाने का फैसला किया है,” लाओ पेंग ने कहा। “मैं भूल गया था।”

“कुछ चीजें खरीद लो,” उसने माईन से कहा।

यह एक गरीब जिला था और यहाँ गरीब लोगों की बड़ी संख्या थी।

चाय की दुकानों के सामने बैठकर गपशप करना या झगड़ा करना और

मस्ती में एक दूसरे का पीछा कर रहे थे। यह एक जिज्ञासु, विनोदी भीड़ थी।

वहां जो कुछ भी हुआ, उसका आनंद लेने और उस पर टिप्पणी करने के लिए तैयार।

द्वार। लाओ पेंग ने चारों ओर देखा और जान गया कि वह उनमें से एक है।

दोस्तों। लोगों को पता होना चाहिए था कि यह एक गुरिल्ला युद्ध था।

रास्ता। दो युवक, एक लड़का और एक लड़की जो देखने में एक जैसे लग रहे थे।

छात्र पास की एक चाय की दुकान से उन्हें देख रहे थे। लड़का

एक छात्र बाहर आया और पूछा: "क्या आप केटीएमबीटी हैं या आप सवारी करके जा रहे हैं?"

देश?” उसके बाल बिखरे हुए थे और उसने दाढ़ी नहीं बनाई थी।

भूखा-प्यासा आदि।

लाओ पेंग ने उसे गौर से देखा। "मैं केमलू हूँ।"

युवक मुस्कुराया और बोला: "तुम्हें तब तक इंतजार करना चाहिए।"

आज रात। कुछ लोग अभी-अभी वापस लौट गए हैं। एक जगह है

शहर की दीवार यहाँ से आधे दक्षिण में है जहाँ से आप दीवार के ऊपर से जा सकते हैं।

अगर आपने जल्दी में खाना खाया तो ठीक है, लेकिन युवती के लिए यह आसान नहीं होगा।

लाओ पेंग ने उन्हें धन्यवाद दिया और अपनी रिक्शा की ओर वापस चले गए।

वे चीनी लोगों की भीड़ में थे, जहाँ एक भी जापानी नज़र नहीं आ रहा था।

पेइपिंग के सभी रिक्शा चालकों की तरह, वह लड़का रिक्शा चालक भी...

दौड़ते समय वह बड़बड़ाना पसंद करता था।

उन्होंने कहा, “हर दिन और अधिक लोग उनसे जुड़ रहे हैं।

पश्चिमी पहाड़ियों में हज़ारों लोग होंगे। क्या तुम जाओगे?” उसने पूछा।

उसका साथी जो गाड़ी खींच रहा था, वह एक बहुत बूढ़ा आदमी था।

“मैं बहुत बूढ़ा हो गया हूँ,” मालिन के पति ने उत्तर दिया। “मैं बोस्निया में था।”

युद्ध। लेकिन अब मैं बहुत बूढ़ा हो चुका हूँ।

“एक दिन मैं जरूर जाऊंगा। कुछ जापानी सैनिकों को मारना मन को प्रसन्न करता है।”

इस देश में वे हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

अब वे व्यस्त सड़कों पर आ गए थे, और हालांकि अभी सुबह का समय था।

दोपहर के भोजन के लिए, लाओ पेंग एक रेस्तरां में रुके और उन्होंने

रिक्शा। वे अंदर गए और एक छोटा कमरा मांगा।

हमें किसी न किसी तरह दिन गुजारना ही होगा। हम शायद किसी शांत जगह पर चले जाएं।

वे होटल में आराम करते थे। वे दिन के समय होटलों का निरीक्षण नहीं करते थे।

आज रात हम द्वार से अंदर जा सकते हैं। हमारे पास पासवर्ड है।

लेकिन हम आज रात पहाड़ियों तक नहीं पहुँच सकते, और हमें यहीं रुकना पड़ेगा।

गांव। क्या अब भी तुम मेरे साथ चलना चाहते हो?

मुझे इस शहर से निकलना ही होगा, जितनी जल्दी हो सके उतना अच्छा।

“यह एक कठिन यात्रा होगी। आपको कुछ गर्म कपड़े लेने होंगे, एक

"सिल्क गाउन के ऊपर पहनने के लिए एक साधारण सूती गाउन।"

"पोया को हमारी चिंता हो रही होगी। क्या हम उसे फोन कर सकते हैं?"

“नहीं, ऐसा न करना ही बेहतर है। हम आज रात एक पत्र भेज सकते हैं, और तब तक...”

जब तक उसे यह मिलेगा, हम जा चुके होंगे।

उन्होंने हल्का दोपहर का भोजन किया, लेकिन मालिन खा नहीं सकी और उसकी मृत्यु हो गई।

उसकी गर्दन में दर्द हो रहा था। फिर वे बाहर गए और कुछ सामान खरीदा।

यात्रा के लिए कपड़े। लाओ पेंग ने आखिरकार फैसला किया कि उन्हें ऐसा करना चाहिए।

उनके पास कंबल थे, और उन्होंने दो खरीदे, और मालिन ने एक रोमांटिक कंबल खरीदा।

और एक मोटा स्वेटर, और लाओ पेंग की सलाह पर, कुछ नरम तले वाले

जूते।

चीनी जूते।

चिएनमेन के बाहर एक छोटे से होटल में उन्होंने एक कमरा लिया और लाओ

पेंग ने मालिन को आराम करने के लिए कहा, क्योंकि हो सकता है कि वे किसी सुरक्षित स्थान तक न पहुँच पाएँ।

आधी रात से पहले सोने की जगह। उसका पिता तुल्य रवैया।

ऐसा प्रतीत होता है कि वह उसके आराम के लिए उतनी ही दयालु और चिंतित है जितनी पोया होती।

गया।

हालांकि उस दिन ठंड नहीं थी, फिर भी लाओ पेंग ने चूल्हे को बंद करने का आदेश दिया।

रोशनी हो। जब मालिन आराम करने के लिए बिस्तर पर लेटा, तो उसने दरवाजा बंद कर दिया।

खिड़की से उसने देखा कि चूल्हा ठीक से जल रहा था। जैसे ही उसने उसे देखा

उसमें कोयला डालने के लिए झुकते हुए, वह भावुक हो गई और बोली:

"श्री पेंग, आप अब तक मिले सबसे दयालु व्यक्ति हैं।"

“मैं चाहता हूँ कि आपकी परीक्षा अच्छी आए,” उसने बाहर जाते हुए और दुकान बंद करते हुए आग्रह किया।

उसके पीछे का दरवाजा।

जब वह लौटा, तो मालिन सो चुकी थी। वह उसके आने पर जाग उठी।

दरवाजे से अंदर प्रवेश किया।

मेरे पास आपके लिए कुछ और चीजें हैं।

लाओ पेंग ने अपने पार्सल खोले। जब मालिन ने एक जोड़ी देखी तो

ऊनी मोज़े! वह हंस पड़ी। “ये तो पुरुषों के मोज़े हैं। मैं इन्हें कैसे पहन सकती हूँ?

क्या इन्हें पहनें?

वे आपको गर्म रखेंगे।

“और यह क्या है?”

उसने पुरुषों द्वारा पहने जाने वाले रजाईदार पैरों के आवरणों की एक जोड़ी निकाली।

और महिलाएं सर्दियों में पतलून के ऊपर, उसे चारों ओर बांधती हैं

नीचे टखने तक और ऊपर फीते से बंधे हुए, जिसमें सीटें कटी हुई हैं।

"ये तुमने अपने लिए खाए या मेरे लिए?"

'तुम्हें तो, कॉक्सिरसे का। मुझे दूसरे जोड़े की क्या ज़रूरत है?

ऊनी मोजे और टांगों के कवर आपको पहनने होंगे।

“ओह, अंकल पेंग, आप तो बड़े विचारशील हैं। इन सब बातों के साथ।”

और उस सूती गाउन में मैं एक आम किसान महिला की तरह दिखूंगी।"

आप चाहें तो इन्हें अभी पहन सकते हैं।

मालिन उसकी बात मानने के लिए बहुत उत्सुक थी, लेकिन फिर भी

वह बिस्तर पर ही लेटी रही। "मुझे गाउन दो," उसने कहा। लाओ पेंग

उसने उसे गाउन पकड़ा दिया, और उसने बिस्तर का पर्दा समेट लिया और

उसने बिस्तर पर ही कपड़े पहनना शुरू कर दिया। उसने मोज़े पहने और फिर...

पैरों के आवरण देखे, और फिर पाया कि वहाँ कोई पतलून की चोटी नहीं थी जिससे जोड़ा जा सके

क्योंकि उसने विदेशी पैंटी पहनी थी, इसलिए उसने पैरों की पट्टियों के ऊपरी हिस्से को बांध दिया।

“मुझे मेरा हैंडबैग दो,” उसने लाओ पेंग को पुकारा, जो वहीं था।

खिड़की के बगल में खड़ा था। उसने अपने सफेद एटीएम को फैला हुआ देखा।

पर्दे के बाहर पन्ना का कंगन पहने हुए। जब वह लाया

उसने अपना हैंडबैग लिया, कुछ सेफ्टी पिन लिए और उससे एक पैर को पिन कर दिया।

आवरण।

लाओ पेंग ने मुड़कर देखा तो वह पर्दे के बाहर खड़ी थी।

उसकी जैकेट, टांगों को ढकने वाले वस्त्र, काले मोजे और कपड़े के जूते।

पैरों के आवरण केवल उसकी जांघों तक ही आए और उसके गुलाबी हिस्से को छोड़ दिया।

पैंटी खुल गई। उसने जल्दी से अपना गाउन पहना और चलने लगी।

के बारे में।

"ओह, यह तो बहुत अच्छा और गर्म है।"

"महिलाओं को रेशमी मोजों में अपने पैरों को कष्ट क्यों सहने देना चाहिए?"

"सर्दी?" लाओ पेंग ने कहा।

“अब मुझे पोया को एक पत्र लिखना होगा,” उसने कहा। “मैं क्या कहूँ?”

उसके मन को शांत करने के लिए?

मैं इस बारे में आपको सलाह नहीं दे सकता। आप जो सोचते हैं, वही लिखें।

कुछ मिनट डेस्क पर बैठने के बाद, उसने अपना नोट पूरा किया।

जिसमें लिखा था:

बड़े भाई पोया:

'घटनाएं अचानक घटीं और मैं बिना अलविदा कहे चला गया।'

यह अपरिहार्य था और कृपया इसे गलत न समझें।

आगे की यात्रा में चढ़ाई और पार करना होगा, लेकिन धूल भरी यात्रा में

उस मेंढक को देखकर शंघाई में आपसे मिलने की मेरी इच्छा और भी बढ़ जाएगी।

मुझे आपके घर पर एक महीने तक आतिथ्य सत्कार मिला है; कृपया इसे स्वीकार करें।

आपकी चाची लोला और बाकी सब मेरे लिए। सर पेंग एक आदमी है।

वह कठोर स्वभाव का है और उसने मेरे साथ रिश्तेदार जैसा व्यवहार किया है। मुझे लगता है कि वह

एक लिउशिया हुई। मेरा संदेश संक्षिप्त है, लेकिन मेरी भावनाएँ गहरी हैं।

कृपया अपने सुंदर शरीर का अच्छे से ख्याल रखें। फिर मिलेंगे।

यंगर सिसलर लियन-एरह.

मालिन ने वह नोट लाओ पेंग को दिखाया। जब उसने उसका हाथ देखा-

लेखन क्षमता औसत कॉलेज छात्र की तुलना में बेहतर थी।

वह आश्चर्यचकित था। शैली शास्त्रीय थी, उरुइके के अक्षर

आधुनिक छात्राएँ। लेकिन जब उसने खुद को इस तरह संदर्भित होते देखा।

"महामहिम" और लिउहसिया हुड से तुलना की गई, जो एक अविभाजित संत थे।

जब एक लड़की उसकी गोद में बैठी थी, तब भी वह अविचलित माना जाता था।

हँसा।

"मैं इसके लायक नहीं हूँ," पेंग ने कहा।

“पोया ने तुम्हारे बारे में यही कहा था,” माई ने जवाब दिया।

अब नई खरीदारी के साथ उन्हें पता चला कि उन्हें एक

टोकरी। जब सब कुछ तैयार हो गया, तो वे रात के खाने के लिए बाहर गए और वापस आए।

वापस होटल में। लाओ पेंग गेट पर स्थिति देखने गया।

लगभग सात बजे मुझे बताया गया कि जापानी चले गए हैं।

जब वह खबर लेकर लौटा, तो उसने कहा: "मुझे नहीं पता कैसे

हम इस सारे सामान के साथ ज्यादा दूर नहीं जा सकते, जब तक कि हमें कोई वाहक न मिल जाए।

अगर कोई पूछे तो कहना कि तुम मेरी भतीजी हो।

मुझे अजीब लगा। मैंने पहले कभी इतना भारी पैडेड शरीर नहीं देखा था।

निचले हिस्से।" अब उसने अपने रेशमी गाउन के ऊपर धूसर सूती गाउन पहन रखा था।

एक लड़की रजाईदार कपड़े पहने हुए थी और सचमुच एक साधारण गरीब लड़की जैसी दिख रही थी।

उनकी रिक्शाएं कच्ची सड़कों पर चरमराती हुई चल रही थीं। लगभग रात के समय

वे बजे द्वार पर पहुँचे। भीतरी द्वार पर पहरेदार मौजूद थे।

वापस ले लिया गया था। अंधेरे में वे एक टन साठ या उससे अधिक दूरी तय कर गए।

सत्तर फीट लंबा। अंतर्निर्मित अर्धवृत्ताकार स्थान से गुजरते हुए, वे

बाहरी द्वार के भीतर पांच या छह गार्ड ड्यूटी पर तैनात देखे गए।

एक पहरेदार आगे बढ़ा और पूछा: “आप कहाँ जा रहे हैं?”

दिन के इस समय?

"हम शहर के बाहर के देश के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

गार्ड ने पेंग की ओर टॉर्च घुमाई और फिर...

उसने दूसरे रिक्शा में बैठी युवती की ओर देखा।

"क्या आप आज सुबह यहाँ थे?"

लाओ पेंग को समझ नहीं आया कि क्या जवाब दें और उन्होंने कहा: "खोजो..."

अगर आप चाहें तो सामान। Weareˆ*»li/.”

गार्ड ने एक बार फिर उस पर रोशनी डाली और कहा: "आपको अवश्य

एक मिनट रुको...” वह चला गया, और पूरे पाँच मिनट बाद,

उन्होंने उसे भीतरी द्वार से धीरे-धीरे आते हुए देखा, वह एक

विकेट बास्केट, जिसे उसने पैरों के निशान पर ज़ोर से रख दिया।

पेंग का रिक्शा।

“यह क्या है?” पेंग ने पूछा।

“तुम्हारे दोस्तों के लिए कुछ चावल और सब्जियां,” गार्ड ने कहा।

कोई बात नहीं। आगे कोई सैनिक नहीं हैं।

लाओ पेंग ने हित्रीज को धन्यवाद दिया और रिक्शा तिबे से होकर गुजर

गए।

द्वार। जैसे ही उसने देखा कि आस-पास कोई सैनिक नहीं थे,

पेंग अपनी सीट से नीचे झुका और टोकरी के अंदर रखी चीजों को महसूस किया।

उसने कुछ पत्ता गोभी के पत्तों को छुआ। फिर उसने उसे उठाने की कोशिश की और

99 ®*

मुझे लगा कि इसका वजन सत्तर या अस्सी पाउंड होगा। कुछ प्रयास से

उसने उसे अपनी सीट पर उठाया, और रिक्शा एक तरफ झुक गया। उसने अपनी उंगलियाँ गाड़ दीं।

मैंने टोकरी में कुछ डाला और महसूस किया कि वह निश्चित रूप से राइफल कारतूस का एक पैकेट था।

लकीरें। टोकरी को किसी गुरिल्ला साथी ने छोड़ा होगा।

जो उस समय इसे लेकर आगे नहीं बढ़ पाया। शायद

किसी ने उसके आने की खबर भेज दी थी।

"उस टोकरी में क्या है?" मालिन ने अपनी रिक्शा से पूछा।

“कुछ चावल,” पेंग ने उत्तर दिया। “गार्ड मुझे जानता है।”

रिक्शा चालकों की मौजूदगी में और कुछ कहने की हिम्मत नहीं हुई।

सड़क अंधेरी और ऊबड़-खाबड़ थी और उस पर लगे छोटे तेल के लैंप

रिक्शा के डंडों से धावकों की भ्रामक परछाइयाँ बन रही थीं।

पैर आगे की ओर। धीमी गति से चलने पर भी, रिक्शा में झटके लगते थे।

और सवार अपनी सीटों पर हिल रहे थे। हवा नहीं चल रही थी, लेकिन फिर भी...

शरद ऋतु के अंत में एक हल्की सी चुभन हुई। मालिन ने ताज़ी हवा की खुशबू महसूस की।

देश, ताजे लिनेन की तरह साफ और स्वस्थ, मिश्रित

वनस्पतियों की सुगंध और जली हुई लकड़ी की हल्की सी गंध

दूरी और कभी-कभी गीली मिट्टी की तीखी गंध भी इसमें मिल जाती थी।

अंधेरे में जानवरों की आवाजें और भी स्पष्ट दिखाई दे रही थीं।

धुंधली तारों की रोशनी में, मालिन कभी-कभी अंधेरी आकृतियाँ देख पाती थी।

ऊंचे विलो पेड़, झोपड़ियों की छतें और पश्चिमी हल्स की रूपरेखा

आकाश के सामने। वह पीछे झुक गई और ऊपर देखा और उसे दिखाई दिया...

विशाल, निर्मल आकाश में कांपते तारे, जिसे उसने इतना देखा था

शहरों में ऐसा कम ही देखने को मिलता है। वह रात अजीब और रोमांचक थी।

खूबसूरत। लेकिन वह यह नहीं समझ पा रही थी कि शहर का नजारा इतना खूबसूरत क्यों था।

हाई यूएस इतने अलग होने चाहिए। खुलेपन का आकर्षण

देश उस पर हावी हो गया था।

“यह अद्भुत है,” उसने कहा।

“क्या अद्भुत है?” लाओ पेंग ने पूछा, जो अब सवारी कर रहा था।

उसके पीछे।

देश — ज़मीन, पहाड़ियाँ, तारे, शाम

वायु । । ।"

लाओ पेंग देश में देखी गई चीजों के बारे में सोच रहा था।

जिसे उसने नहीं देखा था—दुख और भूख, पीड़ा और मृत्यु।

उन्होंने सरल शब्दों में कहा, "मुझे लगा था कि शायद आपको यह पसंद नहीं आएगा।"

"क्यों?" मालिन ने थोड़ा दुखी होकर कहा।

"आप इस शहर की धनी महिलाएं।"

मैं कोई अमीर उडी नहीं हूँ।

"पोया ने मुझे बताया था कि तुम्हारी शादी हो चुकी है।"

“मैं एक तरह से शादीशुदा हूँ... मैंने उसे छोड़ दिया।”

"कया आप तलाकशुदा हैं?"

के लिए

“मैंने उसे तलाक नहीं दिया, और उसने मुझे तलाक नहीं दिया। मैं भाग गई थी।”

मैं आपको बाद में बताऊंगा।

यह dMcolt था कि वह बातचीत जारी रखे क्योंकि <vi Malm को ऐसा करना पड़ा

उसने उससे बात करने के लिए अपना सिर पीछे घुमाया। रिक्शा चालक थे

सुन रहा था। लाओ पेंग उनकी भारी साँसें सुन सकता था। उसके पास था

मालिन की जिम्मेदारी को लेकर चिंता थी, जो कि

यह जिम्मेदारी अचानक उन पर आ पड़ी, लेकिन उन्होंने इसे अपना कर्तव्य मान लिया। अब वह

मालिन से बेहतर जान-पहचान होने पर वह भी हैरान रह गया।

उसके साथ।

वह समझ सकता था कि उसका दोस्त उससे क्यों मोहित था।

उनकी परिपक्व दृष्टि यह देख सकती थी कि वह केवल भोली नहीं थी।

हालाँकि वह ऐसी दिखती थी। वह कई युवा एमपीएन को जानता था और

महिलाओं से उनकी प्रेम कहानियों के बारे में सुना। युवा महिलाओं से भी सुना।

उन्हें महिलाएं इच्छाओं और भावनाओं से परिपूर्ण प्रतीत होती थीं।

प्यार और रोमांस में हमेशा कुछ न कुछ दुखद बात होती थी —

प्यार जितना गहरा होता है, प्रेम कहानी उतनी ही दुखद होती है। यह वही है।

प्रेम में पड़े लोगों के प्रति असाधारण रूप से दयालु। जब उसने मालिन को देखा था

वह उसके बिस्तर के पर्दे के सामने आंशिक रूप से नग्न खड़ा था, उसने अपना चेहरा दूसरी ओर कर लिया था।

उसकी आँखें, इसलिए नहीं कि वह स्त्रीत्व के प्रति अनुक्रियाशील नहीं था, बल्कि

क्योंकि वह एक पुरुष था। उसके दिमाग में rlgRRifipH Aese था।

स्त्री के आकर्षण और इंद्रियों की इच्छाओं से मोहित होकर, उसने कुछ भी नहीं देखा।

उसके सामने एक सुंदर लड़की थी, लेकिन वह एक अमूर्त महिला थी।

युवती को पूरी तरह से इच्छा और भावनाओं से परिपूर्ण होना था, जिनमें से एक

महिला की आँखों और आवाज़ में ही भाव थे। और इसलिए जब वह

मालिन की चमकीली आँखों को देखकर और उसकी मधुर आवाज़ सुनकर, उसे एक अजीब सी अनुभूति हुई।

यह एक तरह का अफसोस है कि उन आँखों और उस आवाज़ ने एक नियति को नियंत्रित किया।

उसे इन सब से गुजरना होगा।

कुछ देर तक वे चुपचाप चलते रहे; फिर उन्हें एक आवाज़ सुनाई दी।

जल्दी करो^ आगे कदमों की आहट और तेज़ आवाज़ें, लाओ पेंग, पकड़े हुए

मैंने टॉर्च जलाकर देखा कि क्या आ रहा है। एक समूह

सैनिक उनकी दिशा में बढ़ते हुए प्रतीत हो रहे थे, लेकिन रोशनी

वे कमजोर थे और उन्हें स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता था।

कदमों की आहट और भी मधुर होती गई। क्या वे दुश्मन थे या

दोस्तों? यह तो जापान के कब्जे वाला इलाका होना चाहिए था।

"हो सकता है कि हमारे ही आदमी रात में छापा मारने के लिए आ रहे हों।"

मालिन ने कहा।

“हमें सर्वोत्तम की आशा करनी चाहिए और सबसे बुरे के लिए तैयार रहना चाहिए।”

लाओ पेंग ने कहा, “डरो मत। बस स्वाभाविक रहो।” लेकिन वह

वह अपनी रिक्शा में रखे बिस्कुट के डिब्बे को लेकर चिंतित था।

अब सोलट्स सिर्फ दस गज दूर थे। उनमें से दो थे...

एक ने उंगली से इशारा करते हुए पूछा, "वहाँ कौन है?"

“हम तो सिर्फ राहगीर हैं,” लाओ पेंग ने राहत भरी आवाज में जवाब दिया।

पार्टी ने Cˆese के बारे में बात की।

उसे आश्चर्य हुआ जब उसने देखा कि एक आदमी काले रंग की फ्रॉक पहने हुए है, आसानी से

उसके हेलमेट और चश्मे से उसे आसानी से एक विदेशी के रूप में पहचाना जा सकता था।

उसकी दाढ़ी।

लाओ पेंग नीचे उतरे और बोले: "हम सब चीनी हैं।"

आप कहाँ जा रहे हैं?

"पहाड़ों पर।"

"पासवर्ड।"

"काफ्टक"

इस पर सैनिकों ने अपनी रिवाल्वर वापस रख दीं।

“साथियों!” वे लगभग चिल्लाए। उनमें से छह थे।

विदेशी के अलावा, हालांकि केवल दो ही सशस्त्र थे और

वर्दी।

“यह विदेशी कौन है?” लाओ पेंग ने पूछा।

“वह एक इतालवी पादरी हैं। हम उन्हें वापस शहर ले जा रहे हैं।”

बहुत थके हुए दिख रहे पुजारी ने च्मेसी भाषा में बात की।

विदेशियों की तरह, अलग-अलग और समान रूप से बलित शब्दांश। *T am a

हम चीनियों के मित्र हैं। हम बहुत अच्छे भाई हैं। हम सब बेटे हैं।

भगवान की।"

उसका मुंह बहुत छोटा था और वह बातूनी किस्म का दिखता था।

“ईश्वर के पुत्रों” का जिक्र और उनका विदेशी लहजा इस बात को दर्शाता

है कि

सैनिक हंसने लगे। यहां तक कि रिक्शा चालक भी उनके साथ हंसने लगे।

रात के समय खुले मैदान में गूंजती हंसी की आवाज सुकून देती थी।

'वह बुरा आदमी नहीं है। हमने उसे इनमें से एक में पकड़ा था।'

देश में मंदिर," नेता ने कहा, जो एक प्रतीत होता था

शिक्षित व्यक्ति। "हम उसे शहर के द्वार पर वापस भेज रहे हैं क्योंकि

हम विदेशियों से दोस्ती करना चाहते हैं।

"गांव कितनी दूर है?"

"यहाँ से केवल एक ही जी है।"

लाओ पेंग नेता को रिक्शा तक ले गया और उससे उसे उठाने को कहा।

टोकरी और वह आदमी समझ गया।

"मैं आज रात गांव के मुखिया के घर रुक रहा हूँ," लाओ ने कहा।

पेंग, "मैं इसे खुद पहाड़ियों पर नहीं ले जा सकता। क्या आपके आदमी इसे उठा सकते हैं?"

वापसी के रास्ते में?

हम भी रात वहीं रुकेंगे।

सैनिक शहर की ओर आगे बढ़े। एक छोटे से रास्ते से गुजरते हुए।

बहुत

पत्थर के पुल से लाओ पेंग का दल यीउएज में प्रवेश कर गया, जहाँ सब कुछ था

शांत। जब वे बड़े मिट्टी के आँगन में पहुँचे और पहचान लिया

चौखट पर कुछ लिखते हुए उन्होंने दरवाजे पर दस्तक दी।

एक बूढ़ा आदमी दरवाजा खोलने आया। उसका नाम Li था, और वह

वह गांव का मुखिया था। उसने लाओ पेंग का अभिवादन किया और कहा कि वह

उन्हें प्रभावित किया जा रहा था, और मिट्टी के बर्तन को गर्म किया जा रहा था।

रिक्शा चले गए और लाओ पेंग और माटी-विरेरे

जैसा कि दिखाया गया है। फर्नीचर बिल्कुल साधारण था।

“दुश्मन ने जितना हो सका सब कुछ ले लिया है,” बूढ़े ने कहा।

उन्होंने समझाया, “उन्होंने वह सब जलाकर तोड़ दिया जो वे नहीं तोड़ सके।”

ले लो।" एक मेज पर एक तेल का दीपक रखा था जो देखने में ऐसा लग रहा था जैसे...

यह एक पुरानी खिड़की का हिस्सा था। कमरे के एक तरफ एक

चौड़ा मिट्टी का बिस्तर, सर्दियों में बाहर से गर्म किया जाता था, और उस पर था

एक पुरानी खुरदरी चटाई और कुछ पुराने रजाई।

"आज रात आपको यहीं सोना होगा। यह बहुत आरामदायक नहीं है, लेकिन ठीक है।"

गर्म है।

बूढ़ा आदमी लगभग साठ वर्ष का था, लेकिन उसका मल और हाथ अच्छी हालत में थे।

सांवली त्वचा और ठुड्डी के नीचे पतली दाढ़ी थी। उसने चाय डाली।

एक बड़ा मिट्टी का बर्तन लिया और उसे अपने मेहमानों को भेंट किया।

“क्या वह तुम्हारी बेटी है?” उसने पूछा।

लाओ पेंग ने कहा कि वह उनकी भतीजी है और पूछा: "क्या यह पूरी तरह सुरक्षित है?"

यहाँ?"

■ "ओह, अब तो काफी सुरक्षित है। जापानी दक्षिण की ओर चले गए हैं।

एक महीने पहले वे इस रास्ते से गुजर रहे थे। हम ठीक हैं।

अब संरक्षित है। क्या यह अभी भी चीनी भूमि नहीं है? हमारे ग्रामीण हात्से

मैं लौट आया हूँ, लेकिन मेरे दो बेटे अभी भी पहाड़ियों में हैं।"

दीवार पर टंगी एक पुरानी बंदूक की ओर इशारा करते हुए, लाओ पेंग ने कहा...

पूछा: "क्या आप शिकार करते हैं?"

बूढ़ा आदमी हँसा। “मैं जवानी में ऐसा करता था। लेकिन मैं...”

उसने 7 सितंबर को उसी हथियार से एक जापानी को मार डाला था।

काफी रात हो चुकी थी और वे सोने की तैयारी कर रहे थे। माल्टा सो रहा था।

कांग के एक तरफ, पेंग बीच में सो रहा था, और बूढ़ा आदमी

दूसरी तरफ। डुक में, दोनों के बीच बातचीत जारी रही।

पुरुष।

माल्म अपने अजीब परिवेश और उन सभी चीजों से हैरान थी जो उसके पास थीं।

पिछले चौबीस घंटों में यह घटना घटी। वह लेट गई थी।

बिना कपड़े उतारे, सिर्फ जूते उतारकर; अब उसे बहुत ज्यादा असहज महसूस हो रहा था।

गर्म और अंधेरे में वह अपनी 1^ म्यान उतारने के लिए उठी और

मोज़े। वह शहर के बाहर एक गाँव में थी और पोया अभी भी वहीं थी।

अपने आरामदायक घर में। पोया के बारे में सोचना मुश्किल था क्योंकि

उसके आसपास की हर चीज उसके लिए बिल्कुल नई थी और वह उसे बहुत मोटा लग रहा था।

लेकिन वह जानती थी कि यहाँ, शहर की दीवार से कुछ ही मील की दूरी पर,

बीजिंग में माहौल पूरी तरह बदल चुका था।

उस रात उसने जो कुछ देखा था, उससे वह बेहद रोमांचित थी।

सड़क। रिक्शा चालक, सैनिक और इतालवी पादरी,

अंधेरे में उनकी गूंजती हंसी, सब कुछ एक दूसरे से बहुत अलग था।

वह फुसफुसाहट, छिपने और डरने की आदी हो चुकी थी।

पिछले महीने शहर में। और उसने विशाल विस्तार के बारे में सोचा।

धुंधले आकाश में टिमटिमाते तारे और लहरदार रेखा

पश्चिमी पहाड़ियाँ। यहाँ सब कुछ बड़ा, मजबूत और स्वतंत्र था, जैसे

अंधेरे में सैनिकों की हंसी।

उसने अपने आप को कंबल में लपेट लिया और सावधानीपूर्वक उसमें छोटे-छोटे टुकड़े अंदर डाल लिए।

कठोर मिट्टी के बिस्तर पर उसकी कमर के चारों ओर। लाओ पेंग पूछ रहा

था

वह बूढ़ा आदमी कैसे रहता था और वह बूढ़ा आदमी कह रहा था कि लोग

वे केवल सब्जियों पर जीवित रहते थे, सभी मुर्गे और सूअर मारे जा चुके थे,

एमपीएटी बहुत महंगा था, इसलिए वे मुर्गियां नहीं पालते थे और

अगली वसंत ऋतु तक सूअर...

वह सो गई। जब सैनिक आंगन में सोने के लिए वापस लौटे।

वह इतनी गहरी नींद में थी कि उसने उनकी बातें नहीं सुनीं।

अध्याय Vn

भोर होते ही, वह शोर से जाग उठी।

सैनिक, जो यात्रा शुरू करने के लिए तैयार थे। लाओ पेंग

वह पहले से ही जाग चुका था और उन्हें टोकरी दे रहा था जिसमें

कारतूस। बूढ़ा आदमी रसोई में दलिया पका रहा था।

उन को।

लाओ पेंग ने कहा, "सैनिक पहाड़ों की ओर रवाना हो रहे हैं।"

और उनके साथ जाना अच्छा है। वे हमारा सामान ले जाना चाहते हैं।

और उन्हें रास्ता पता है; इससे हमारा समय बचेगा।

मालिन अपने जूते और पन्ना का कंगन पहन रही थी।

का^ से टकराकर खनक गया।

“क्या बेहतर नहीं होगा कि तुम वो कंगन उतार दो? इससे आकर्षण हो सकता है।”

ध्यान।"

“नहीं कर सकता। यह जीवन भर के लिए है,” मालिन ने उत्तर दिया।

अर्धअंधेरे में उसने अपने वस्त्रों को टटोला और पहना।

जल्दी से। वह अपने ग्रे सूती गाउन के बटन लगाते हुए आंगन में चली गई।

दरवाजे पर। कुछ लड़कियां जमीन पर बैठी थीं।

वे अपनी चप्पलें बाँध रहे थे; एक सैनिक अपनी पट्टी बाँध रहा था, और

नेता खड़ा होकर अनावश्यक कार्य कर रहा था।

उसने अपनी फूली हुई चीनी जैकेट को अपनी सेना की पैंट के अंदर ठूंस दिया।

"कल रात तुम कहाँ सोई थी?" मालिन ने पूछा।

“बस आंगन में ही है, हमांग। और कहाँ?” एक ने पूछा।

“क्या तुम थके नहीं हो—कल पूरे दिन काम करने के बाद और आज सुबह उठने के बाद?

जल्दी?"

इससे गुरिल्लाओं में हंसी की लहर दौड़ गई। "यह तो कुछ भी नहीं है।"

नेता ने अपनी मोटी अंडर जैकेट को अंदर डालने की कोशिश करते हुए कहा।

अपनी पैंट पहने हुए। वर्दी पहने अपने साथी की ओर इशारा करते हुए उसने कहा:

“इस व्यक्ति ने छह हजार मील की दूरी पैदल तय की है, पूरे रास्ते से लेकर...”

कियांग्सी से लेकर तिब्बत की सीमा तक और उत्तर-पश्चिम तक

आठवीं मार्ग सेना।"

"क्या तुम अपने लोहे के पैरों को कुल्हाड़ी से काट दोगे?"

सुंदर लड़की की बातों से प्रसन्न होकर सिपाही मुस्कुराया।

बचकाने अंदाज़ में। "क्रांतिकारी बनने के लिए, पहले शरीर को प्रशिक्षित करना पड़ता है।"

उन्होंने कहा, “कभी-कभी हमें बीमारों और घायलों को उठाकर ले जाना

पड़ता था।”

पहाड़ी रास्तों पर स्ट्रेचर। पैरों का एक झटका और नीचे आप

तुम बीमार व्यक्ति के साथ एक अथाह गड्ढे में चले गए।

ले जाना।"

"क्रांतिकारी शेखी नहीं बघारता," नेता ने कहा।

उसने हंसते हुए कहा, और सैनिक एक बच्चे की तरह शर्मिंदा हो गया।

हल्का नाश्ता करने के बाद वे अपने रास्ते पर चल पड़े।

हवा तेज और ताजी थी, और पूर्वी आकाश दिन-प्रतिदिन अधिक उज्ज्वल होता जा रहा था।

दूसरा, उनके सामने की पहाड़ियों के रंगों को बदलना। मालीह

उसे गति काफी तेज लगी, लेकिन वह छोटी थी और उसके नरम तलवों वाले जूते

जूते और टखनों के चारों ओर बंधी टांगों की पट्टियाँ उसे चलने में मदद करती थीं।

मेरे पथरीले मेंढक पर आराम से।

उन्होंने एक गाँव में परीक्षण किया, जहाँ के ग्रामीणों को जानकारी थी।

उन्होंने गुरिल्लाओं का स्वागत किया और उन्हें चाय और गेहूं के केक भेंट किए। इसके बाद

चोरी करने वालों का शुक्रिया अदा करते हुए, उन्होंने फिर से शुरुआत की और एक रेलवे लाइन पार की और

वे पहाड़ियों की तलहटी तक पहुँच गए। एक चौथाई मील तक वे उस रास्ते पर चले जिस पर...

वह सूखा हुआ नदी तल जैसा प्रतीत हो रहा था, जहाँ चलना मुश्किल था।

लेकिन चोरी की चप्पलों में सवार गुरिल्ला सैनिक एक पत्थर से दूसरे पत्थर पर कूदते हुए आगे बढ़ रहे थे।

सामान। फिर वे कई ठहरावों से होते हुए एक रास्ते पर चलते रहे जब तक कि

वे पर्वत श्रृंखला के भीतर गहराई में स्थित एक मंदिर में पहुँचे।

जब ऐई पहुंची तो लगभग दस बज रहे थे। बड़े हॉल में

मंदिर लोगों से खचाखच भरा हुआ था। वहां राजनीतिक प्रशिक्षण की कक्षा चल रही थी।

और एक युवा छात्रा बॉब्ड हेयरकट और ग्रे यूनिफॉर्म पहने हुए थी।

एक सुनहरे बंधुआ की मूर्ति के सामने खड़े होकर, भाषण देते हुए। भीड़

वह हमेशा की तरह नीले रंग की किसान पोशाक में था और उसके पास वार्ड बॉय से मिले हुए पैसे थे। "मोनी

कुछ लोग जमीन पर बैठ गए और कुछ लोग खंभों और दीवारों के सहारे खड़े हो गए।

वह लड़की किसानों की भीड़ से बात करने में कुशल प्रतीत होती थी।

आवाज तेज और कर्कश थी, लेकिन जब उसने कहा, "बातचीत बंद करो-"

"संचार," उसने इन शब्दों का उच्चारण इतनी ज़ोर से किया कि...

ऐसा प्रतीत होता था कि यह वास्तव में रेलवे, टेलीग्राफ और टेलीविजन की काल्पनिक दुनिया को काट रहा है।

फ़ोन। वह एक मर्दाना ताकत के साथ बोलती थी जो श्रोताओं को झकझोर देती थी।

उसके साथ।

मैदान में कई लड़के और लड़कियां छात्र थे और

गलियारों में या पेड़ों के नीचे हाथ में हाथ डालकर चलना। उनका मल

वे हंसमुख थे, और उनका व्यवहार इतना शोरगुल भरा था कि वे

एक सभ्य समुदाय के लिए लगभग निराशाजनक स्थिति पैदा कर दी है।

यह पोशाक आधुनिक नवाचारों और देहाती शैली का एक अनोखा मिश्रण थी।

सादगी, आंशिक रूप से सैन्य और आंशिक रूप से नागरिक, आंशिक रूप से पश्चिमी और

आंशिक रूप से क्वींसलैंड की भाषा में होने के कारण, पहला प्रभाव भ्रम की स्थिति का था।

विशेष रूप से लिंग के संदर्भ में। युवकों ने कमीज, शॉर्ट्स और

चमड़े के जूते। कुछ लड़कियां टोपी और सूती कपड़े पहने हुए थीं।

उभरी हुई जेबें, और पट्टियाँ और सैंडल। अन्य लोग अंदर थे।

खाकी ब्लाउज और काली सूती स्कर्ट वाली स्कूल ड्रेस पहनकर आ रही हूँ।

घुटने तक, इलास्टिक वाले मोजे और कपड़े के जूते पहने हुए। कुछ अभी भी

उनके लंबे गाउन। मालिन ने दो युवकों को बैठे हुए देखा।

एक लड़का गहरी चर्चा में मग्न था। दूसरा लड़का हारमोनिका बजा रहा था।

एक लड़की के बॉब कट बाल उसकी टोपी के नीचे से बाहर निकल आते थे, और एक

उसकी छाती की जेब से फाउंटेन पेन बाहर निकला हुआ होगा।

लड़की ने कलाई पर पहनने वाली वर्ड़ी, साथ ही पुआल की चप्पलें और एक

चौड़ी किनारी वाली किसान टोपी। यह हैरान करने वाला, अविश्वसनीय था, मानो...

एक पीढ़ी को उसके घर के परिवेश से अलग कर दिया गया और उसे जड़ से उखाड़ दिया गया

सामाजिक परंपरा, व्यक्तिगत नियति से मुक्ति, किसी न किसी चीज़ से प्रेरित

निजी परिस्थितियों के कारण या किसी उच्च और महान आदर्श से प्रेरित होकर निर्माण करना

इस ब्रह्मांड में एक नए जीवन की शुरुआत करने के लिए, यहाँ एक साथ आओ और खोजो

मन की स्वतंत्रता। सब कुछ सीधा, सरल और व्यावहारिक था।

और उचित। बॉब कट हेयरस्टाइल केवल बॉब कट नहीं था, बल्कि बाल थे।

व्यावहारिक सुविधा के लिए इसे छोटा कर दिया गया था। वे नए सिरे से जीवन की शुरुआत कर रहे थे।

मानो मानव सभ्यता पहले अस्तित्व में ही न रही हो - सिवाय उनके

टॉर्च और फाउंटेन पेन। वे अपनी मर्जी के कपड़े पहनते थे और

उन्होंने जो सोचा वही कहा और जो उन्हें सही लगा वही बोला। अगर यह गलत है तो...

जिस आध्यात्मिक स्वतंत्रता की वे तलाश कर रहे थे, वह उन्हें मिल गई थी।

माल्टा और लाओ पेंग को मंदिर के एक कमरे में ले जाया गया, जो

यह स्थानीय मुख्यालय का कार्यालय था। एक मेज और कुछ लकड़ी के

एक कैंप की चारपाई के बगल में स्टूल खड़े थे। एक तंदूरी आदमी, जिसकी त्वचा सांवली थी,

लगभग तीस साल का दिखने वाला वह व्यक्ति उनका अभिवादन करने के लिए खड़ा हो गया। मालिन ने उसे ऐसा समझा।

अपने स्पष्ट अधिकारिक पद के हिसाब से वह काफी युवा हैं।

कॉमरेड पेंग, आपने हमारी बहुत मदद की है। आपने क्या खाया?

आपकी क्या योजना है?

लाओ पेंग ने उसे बताया, और अधिकारी ने उन्हें बताया कि वह था

दोनों रेलवे लाइनों पर भारी गड़बड़ी है, लेकिन मामले की जांच करने का वादा किया गया है।

मामला।

वह फिर से ऐसे बैठ गया जैसे कोई व्यक्ति किसी बड़े काम में व्यस्त हो।

वह व्यक्तिगत मामलों की बजाय अपनी योजनाओं को लेकर अधिक चिंतित रहता है।

उनके सामने मौजूद मेहमानों की समस्याएं। "दुश्मन नीचे जा रहे हैं"

उन्होंने समझाया, “ये दोनों रेलवे लाइनें मुख्य मार्गों पर कब्जा कर लेंगी।”

और हमें उन रक्त वाहिकाओं की तरह काम करना होगा जो उनसे रक्त चूस सकें।

दुश्मन जहाँ भी जाते हैं, हम भी वहीं जाते हैं। पैदल चलना आसान होता है।

देश में दुश्मन के बाद लोग शहरों में हैं

जब वे उनकी बर्बरता देख लेंगे। यही उनका अनुभव होगा।

उन्होंने शांत आत्मविश्वास के साथ बात की, लेकिन एक सामान्य वक्ता के सामान्य संकोच के बिना।

सेना अधिकारी। सूती वर्दी में, बिना किसी पदचिह्न के, वह

वह एक किसान जैसा दिखता था। अब वह कुछ शांत और सहज लग रहा था।

ए/फाल्टन ने कहा: “आप शंघाई क्यों जाना चाहते हैं? यह

यहां fnnrb ज्यादा दिलचस्प है।"

लेकिन मुझे शंघाई में एक रिश्तेदार से मिलना है। हम कैसे जाएँगे?

“अपने पैरों पर,” उसने हंसते हुए जवाब दिया। 'अगर तुम लू^ हो, तो हम

हो सकता है कि वह आपके लिए दुश्मन का घोड़ा पकड़ ले। आपको शायद ऐसा करना पड़े।

कुछ दिन यहीं रुकिए। दक्षिण में हमारी पार्टियां चल रही हैं।

कुछ समय के लिए। इस बीच, आप अन्य gkls के साथ कमरे में रह सकते हैं।

मैं तुम्हें मिस ली के पास ले चलूँगा। वहाँ—वे अभी smgmg कर रहे हैं।

युवा अधिकारी माओ उनके साथ आंगन से बाहर आया।

मुख्य गेंद की ओर। भीड़ युद्ध गीत गा रही थी।

वे क्या गा रहे हैं?

“यह ‘गुरिल्ला गीत’ है,” माओ ने उत्तर दिया। “यह उन गीतों में से एक है जो

सबसे पहले हम अपने जवानों को यही सिखाते हैं।” उन्होंने नेता की ओर इशारा करते हुए कहा:

“ये रही मिस ली।”

जब वे आधे घंटे पहले अंदर आए थे, तब लड़की चली गई थी।

उसने मालिन की ओर मुड़कर देखा, लेकिन अब वह गाना सुन रही थी।

फिर एफटीआईयू स्विंग का दौर शुरू हुआ। पुरुष इसका भरपूर आनंद लेते हुए प्रतीत हो रहे थे। लेकिन

अब कई लोग पास खड़ी उस खूबसूरत लड़की की ओर देखने लगे।

गाना लगभग बंद हो गया, केवल सामने के कुछ लोग ही गा रहे थे।

मिस ली ने किसी ड्रमस्टिक जैसी चीज़ से मेज पर ज़ोर से मारा।

भिक्षुओं द्वारा प्रयुक्त।

“क्या बात है?” वह चिल्लाई।

अब सब कुछ पूरी तरह रुक गया था। लोग मालिन से देख रहे थे।

अपने शिक्षक की ओर, जो बार-बार मेज पर मुक्का मार रहे थे।

*‘अब फिर से शुरू करो। शब्दों को सही करो। अगर हम उम्मीद करते हैं कि कोई भोजन न हो...’

‘“वे हमारी आपूर्ति नहीं करेंगे”’ आदमियों ने दहाड़ लगाई।

अगर हमारे पास जीएम नहीं है तो...

“वे हमारे लिए इन्हें बनाएंगे”

अब फिर से शुरू करें।

इस बार उन्होंने पहले से कहीं अधिक जोश से गाया। जब गाना खत्म हुआ

समाप्त। मिस ली ने अपनी कर्कश और कुछ हद तक मर्दाना आवाज में कहा:

आपको जाने की अनुमति देने से पहले, मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूंगा कि आप क्या जानते हैं।

आज और कल हमने क्या सीखा? हम किसलिए लड़ रहे हैं?

“अपने देश की रक्षा कर रहे हैं,” उन लोगों ने चिल्लाकर कहा।

हमारा देश कितना पुराना है?

"चार हजार साल।"

हम किसके खिलाफ लड़ रहे हैं?

“जापान” और “पूर्वी महासागर के शैतान” के नारे लग रहे थे।

मिस ली असंतुष्ट लग रही थीं। सामने बैठा एक आदमी रो पड़ा।

"जापानी साम्राज्यवाद" शीर्षक से एक प्रस्ताव पारित हुआ और उसे स्वीकृति मिल गई।

अध्यापक।

“हाँ, जापानी साम्राज्यवाद,” उसने दोहराया। लेकिन वहाँ थे

कक्षा में फुसफुसाहट से पता चला कि वे पूरी तरह से सहमत नहीं थे।

समझा।

“दुश्मन के हमले की स्थिति में हमें क्या करना चाहिए?”

"पीछे हटना।"

“दुश्मन के पीछे हटने पर हमें क्या करना चाहिए?”

"आक्रमण करना।"

"हमें हमला कब करना चाहिए?"

"अधिक संख्या के बल पर अचानक हमला करके।"

“क्या S^t हमारा सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है?”

“0)-लोगों के साथ मिलकर काम करें।”

चीन ऐसा कैसे कर सकता है?

"संचार व्यवस्था को काटकर।"

एक और सवाल। क्या मैं तुम्हारा शिक्षक हूँ?

नहीं, तुमने हमारे साथी को खा लिया।

^e dass को बर्खास्त कर दिया गया और aU खुश बच्चों की तरह लग रहे थे।

सुश्री ली ने मेहमानों की ओर रुख किया, और लाओ पेंग और मालिन थे

परिचय कराया गया और पहेली सुलझाने वाले ने मिस ली से मालिन को दिखाने के लिए कहा।

उन्होंने जल्दी ही रात का खाना खा लिया। मालिन के बगल में एक बहुत ही शांत व्यक्ति बैठा था।

वह लड़की, जो स्पष्ट रूप से ग्रामीण इलाके से थी, उत्तरी लहजे में बोलती थी।

जब मालिन ने उससे पूछा कि उसका घर कहाँ है, तो उसने बस इतना कहा कि वह

यह लड़की तियानजिन के पड़ोस से आई थी।

वह मालिन के साथ बिस्तर साझा करती थी। उसके पास एक गोल और कुछ ऐसा था।

उसका रंग सांवला था, और उसकी गहरी आँखों में एक उत्सुक, भूखी नज़र थी।

उसने एक पुरानी किसान जैकेट पहनी हुई थी, जिससे उसकी सुडौल लाल रंग की भुजाएँ दिखाई दे रही थीं।

और वह निश्चित रूप से छात्रा नहीं हो सकती थी। बाकी लड़कियों में से कोई भी नहीं।

मैंने उससे बात की, और मालिन खुद भी थोड़ी असहज महसूस कर रही थी।

नई कंपनी, मैं उनसे बात करना पसंद करूंगा।

रात के खाने के बाद उसने पूछा कि क्या वे साथ में टहलने जा सकते हैं।

मंदिर से एक पक्की पगडंडी नीचे की ओर एक उपमार्ग और झाड़ियों के एक समूह की ओर जाती थी।

एक खुले स्थान के पास पेड़ थे। रास्ते पर चलते-चलते वे एक जगह पर पहुँचे।

वह चट्टान जहाँ वे बैठे थे।

“तुम्हारा नाम क्या है?” मालिन ने पूछा।

'टफूमी.'

“मेरा नाम मालिन है। क्या आप गुरिल्लाओं में शामिल हो रहे हैं?”

“मुझे ऐसा लगता है।” उसकी आवाज़ में अनिश्चितता थी।

आप यहाँ कैसे आए?

“यह एक संयोग था। मेरे पास कहीं और जाने की जगह नहीं थी। जापानी लोग।”

उन्होंने आखिरी शब्द असामान्य जोर से कहा। "और आपने ऐसा क्यों किया?"

यहाँ आओ?"

“जापानी भी,” मालिन ने उत्तर दिया। “मुझे बताओ तुम कैसे आए?”

मैं अपने चाचा के साथ तियानजिन से भाग रहा था। हम

ग्रेट वॉल के साथ-साथ आते हुए, और गुरिल्लाओं में से एक ytˆs

भर्ती चल रही थी और मेरे चाचा भी उनमें शामिल हो गए। उन्हें कुआन भेजा गया और मुझे।

तब से उससे कोई खबर नहीं मिली है। तीन हफ्ते बीत चुके हैं। शायद

उसकी हत्या कर दी गई।

आपकी उम्र कितनी है?

^“इक्कीस।”

“आप शादीशुदा तो नहीं हैं ना?”

महाप्रबंधक ने सिर हिलाया।

"आपके पति कहाँ हैं?"

“उसे शैतानों ने मार डाला।”

"लड़ाई में?"

नहीं। मेरी शादी को सिर्फ एक महीना हुआ था। जुलाई में जापानी हमारे इलाके में घुस आए थे।

गांव। एक सैनिक अंदर आया... इस तरह की शर्मिंदगी।

लड़की शरमा गई और मालिन समझ गई। "मेरे पति ने कोशिश की थी..."

उसे बचा लिया गया और चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई।

“तुम कैसे बच निकले?”

"शैतान चला गया... उसके बाद। मैं मरना चाहता था, लेकिन मेरी समझ ने मुझे रोक दिया..."

मेरे पति ने कहा कि वह परिवार के इकलौते वारिस थे, और उन्होंने

मेरा एक बेटा है।

काफी देर बाद, उसने अचानक पूछा: "क्या आपको पता है कि एक

क्या आप बता सकते हैं? मैंने इस बारे में आपके अलावा किसी से बात नहीं की है।

"क्या?"

"शैतान के बच्चे और कुनी के बच्चे में फर्क बताओ।"

अचानक लड़की फूट-फूटकर रोने लगी; "हे भगवान!"

बताओ...? अगर सिर्फ एक को यकीन है... तो मैं उसे यातना दूंगा— हे भगवान!

मैं उसे कैसे तड़पाऊँगा! या अगर कोई बता नहीं सकता, तो बेहतर है कि

यह अजन्मा बच्चा।"

उस लड़की का शरीर कांप रहा था और उसकी आँखें बेकाबू थीं। "क्या?"

मैं क्या कर सकती हूँ?" उसने दोहराया। "लेकिन अगर यह उसका बच्चा है, तो मैं बस यही कर सकती हूँ।"

इस दुनिया में जो कुछ बचा है।*

मालिन किसी को सांत्वना देने या उचित सलाह देने में भी खुद को असमर्थ महसूस कर रही थी।

उत्तर: "क्या उस जानवर के आने से पहले आप बच्चे की उम्मीद कर रही थीं?"

"नहीं, लेकिन मुझे कैसे पता चलता? यह तो हमारा हनीमून था।" लड़की ने कहा।

वह और अधिक शांत होकर बोला, *‘लेकिन अगर वह बच्चा किसी जानवर जैसा निकला, तो मैं

जानना।"

"तुम जानती हो कि तुम्हारा पति कैसा दिखता था। अगर बच्चा तुम्हारे जैसा हुआ तो..."

पतिदेव, आपको पता चल जाएगा कि यह उन्हीं का वीर्य है। आपको धैर्य रखना होगा।

"अगर ऐसा नहीं है, तो क्या आपको लगता है कि मैं शैतान के बच्चे की देखभाल करूंगी?"

आपको चिंता नहीं करनी चाहिए। इस तरह की असामान्य क्रिया से कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

बच्चा। बच्चे का गर्भधारण तभी होता है जब यहूदी धर्म के अनुयायी और यहूदी धर्म के अनुयायी एक साथ आते हैं।

एक साथ।"

“क्या आप निश्चित हैं? क्या आपका कोई बच्चा है?”

"हाँ। यह सच है, आप तब तक गर्भ धारण नहीं कर सकते जब तक कि वे और वे गर्भ धारण न कर लें।"

एक साथ काम करें। अगर आप बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं, तो मेरा विश्वास करें, यह सबसे महत्वपूर्ण समय है।

"तुम्हारे विवाह से उत्पन्न बच्चा।" मालिन ने कुछ हद तक आश्वस्त करने की इच्छा से बात की।

उसकी आशंकाएं आंतरिक विश्वास से कहीं अधिक थीं।

लड़की के मल से हल्की-हल्की आवाज आई, मानो उसे राहत मिली हो।

लेकिन फिर भी और अधिक आश्वासन की तलाश है।

"तुम अपने पति से प्यार करती थी, है ना?" मालिन ने कोमल स्वर में कहा।

“तुम ऐसा सवाल कैसे पूछ सकते हो? मैं दुल्हन थी। क्या तुमने

क्या आपने कभी ऐसे दूल्हा-दुल्हन के बारे में सुना है जो एक-दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे?

"पहले महीने में कोई और?" लड़की की आँखें, जो पहले बेकाबू थीं, बदल गईं।

और फूला हुआ, क्षण भर के लिए विचारों से कोमल हो गया।

मालिन को अपना रहस्य बताकर और उसकी प्रतिक्रिया प्राप्त करके...

सहानुभूति के कारण, लड़की उस पर निर्भर महसूस करने लगी। "तुम हो

“हमें छोड़कर जा रहे हो,” उसने अचानक कहा।

नहीं

"हां, दक्षिण के लिए।"

मुझे भी आपके साथ चलने दीजिए।

मालिन अपनी खुद की बातें भूल गई। 'मैं मिस्टर के साथ यात्रा कर रही हूँ।'

पेंग, एक बेहद दयालु व्यक्ति। लेकिन हम शंघाई जा रहे हैं और

हमें युद्ध क्षेत्र से होकर गुजरना होगा। क्या आप सहमत नहीं हैं?

मेरी इस हालत में मुझे किस बात का डर है? मौत तो बहुत बड़ी बात है!

बाहर निकलने का एक आसान रास्ता।"

“ऐसा मत कहो!” मालिन चिल्लाई। “मुझे नहीं पता हमने कब खाना खाया था।”

शुरू होने वाला है। शायद कुछ दिनों में। अगर आप सच में जाना चाहते हैं तो...

मैं हमारे साथ हूँ और श्री पेंग से बात करूँगा।

अब लड़की को एहसास हुआ कि वह एक ऐसे व्यक्ति से बात कर रही थी जो...

एक घंटे पहले तक वह उसके लिए बिल्कुल अजनबी थी, और माल्म को देखकर

अपनी सुंदरता और शानदार पोशाक के कारण, उसे लगभग इस बात का पछतावा हुआ कि उसने क्या कहा था।

“ओह, आप तो भाग्यशाली लोगों में से एक हैं,” उसने कहा। “आपके पास है

रिश्तेदार और पैसा। मैं तो बस एक गरीब देहाती लड़की हूँ।

मालिन ने उसे प्यार से देखा। "किस्मत वाली, है ना? रुको जब तक मैं..."

मैं आपको अपनी कहानी सुनाता हूँ।

सूरज डूब चुका था और लड़की ने कहा कि उन्हें वापस लौटना होगा।

मंदिर, क्योंकि कमरे में कोई रोशनी नहीं थी और युमेई ने मिस ली से कहा

अगर वे देर से आते तो उन्हें डांटते।

"क्या आप मिस ली से डरते हैं?"

“हाँ, वह लोगों को डांटती है। वह मुझे समझ नहीं पाती और

वह मुझे खुश न रहने के लिए दोषी ठहराता है।

"क्या तुमने उसे अपनी कहानी नहीं बताई?"

“मैं उसे क्यों बताऊं? मेरी हिम्मत नहीं होती कि वह मेरी नम आंखें देखे।”

इसलिए दोनों ने एक नई समझ के साथ लेट गए।

उस रात चार लड़कियाँ एक छोटे से कमरे में दो बिस्तरों पर सो रही थीं।

कमरे में। अंधेरे में उन्होंने अपने कपड़े उतारे और अपना सामान यथासंभव समेटा।

वे ऐसा कर सकती थीं। बाकी लड़कियाँ छात्राएँ थीं और हर एक का अपना प्रेमी था।

और वे प्रेम, साहित्य और अन्य विषयों पर खुशी-खुशी बातें कर रहे थे।

युद्ध। मालिन और युमेई चुपचाप लेटी रहीं और केवल फुसफुसाती रहीं।

“मुझे ये समझ नहीं आ रहे,” युमेई ने लड़खड़ाते हुए कहा। “क्या आप पढ़ सकते हैं?”

और लिखा?"

"हाँ।"

"वो क्या कह रहे थे?"

वे आधुनिक युग में महिलाओं के अधिकारों के बारे में बात कर रहे हैं।

दुनिया।"

युमेई को समझ नहीं आया कि "महिलाओं की टाइट्स" का क्या मतलब है।

और वह कुछ देर चुप रही। लेकिन जब दूसरी लड़कियाँ *

उसने बोलना बंद कर दिया और मालिन के कान में फुसफुसाते हुए कहा।

नौवीं

"क्या तुम जाग रहे थे?"

मुझे नींद नहीं आ रही है।

युमेई ने माल्म का इम्द लिया और उसे अपने पेट पर रख लिया। "क्या तुम

मुझे लगता है कि यह तीन या चार महीने हैं? यह अक्टूबर का महीना है। मैं था

जून के अंत में। क्या आपके बच्चे होने के बाद भी ऐसा ही था?

“मैं बता नहीं सकती,” मालिन ने फुसफुसाते हुए कहा। “लेकिन चिंता

मत करो, यह उसका है।”

मुझे पूरा यकीन है, बच्चा।

दोनों ने सोने का नाटक किया, लेकिन कोई सोया नहीं। माल्टा लेटा हुआ था।

और दिन की भ्रामक छाप को इकट्ठा करने की कोशिश की और पीएन

मैंने उनके बारे में न सोचने की कोशिश की, बल्कि पोया के बारे में सोचने की कोशिश की। उस लड़की की कहानी

वह परेशान हो गई, और उसके अपने जीवन की यादें एक झटके में वापस आ गईं।

अविश्वसनीय सपना। तभी उसने अपने बगल में बैठी लड़की के रोने की आवाज सुनी।

अब उसे उसकी आँखों में दिख रही बेकाबू चमक समझ में आ गई थी।

“आपको अपना अच्छे से ख्याल रखना चाहिए,” माल्म ने हल्के से कहा। लेकिन

अब उसे पता चल गया था कि वह इस असहाय लड़की को अकेला नहीं छोड़ सकती।

अगली सुबह, मालिन ने लाओ पेंग को युमेई के बारे में बताया और

उसने उसका परिचय उससे कराया, और उसने इसे स्वाभाविक ही मान लिया कि, यदि

लड़की उनके साथ जाना चाहती थी, वह उसकी मदद करने से इनकार नहीं कर सकता था।

और उन्होंने कहा कि वह इस बारे में कमांडर से बात करेंगे।

* ♦

*

दोपहर के भोजन के बाद, मालिया लाओ पेंग के साथ अधिकारी से मिलने गई।

“मैं आपके लिए इस मामले की जांच कर रहा हूं,” उन्होंने कहा।

जापानी लोग दोनों रेलवे लाइनों के साथ दक्षिण की ओर गाड़ी चला रहे हैं।

भयंकर लड़ाई और ऐरे के बीच कई जापानी सैनिक मौजूद हैं।

दो रेलवे लाइनें। हमने अपनी गुरिल्ला सेना को पूरे क्षेत्र में संगठित कर रखा है।

क्षेत्र। अगर आप यात्रा कर रहे होते तो यह काफी सरल होता, लेकिन

इस तरह की युवती के साथ..." अधिकारी ने देखा

मदिउ. .

“हां, मैं उसकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हूं,” लाओ पेंग ने कहा।

"तेहदिओव के आसपास आपको सचमुच लड़ाई का सामना करना पड़ता था, और मैं

मुझे नहीं लगता कि नीचे की रेलवे लाइन आम नागरिकों के लिए खुली होगी।

क्या आप तियानजिन तक सड़क मार्ग से नहीं जाते और फिर नाव नहीं लेते?

अब उस दिशा में कम जापानी लोग हैं। मैं खच्चरों का इंतज़ाम कर सकता हूँ या

गधे, और मैं आपको हमारे क्षेत्र से गुजरने के लिए कागजात दूंगा।

प्रत्येक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हम आपके लिए गाइड उपलब्ध करा सकते हैं। यह अधिक सुरक्षित है।

और यह कहीं अधिक तेज़ मार्ग है।"

अधिकारी का लहजा गंभीर था। लाओ पेंग ने मालिन की ओर देखा।

क्योंकि उसने उससे कहा था कि वह फिर कभी किसी कब्जे वाले इलाके में नहीं जाएगी।

डीटीवाई.

IIZ

“मैं लड़ाई के खिलाफ नहीं हूँ,” मालिन ने कहा। “यह कब तक चलेगा?”

अगर हम तियानजिन से बचें तो क्या करें?

“कौन बता सकता है?” लाओ पेंग ने कहा। “मुझे तो नहीं पता।”

वैसे भी मुझे अंदरूनी इलाके में जाना है। आप वहाँ पहुँचना चाहते हैं क्योंकि

जितनी जल्दी हो सके, है ना?

माल्म ने सिर हिलाया।

“तो चलिए सड़क मार्ग से तियानजिन चलते हैं। इसमें केवल दो या चार दिन लगेंगे।”

तीन दिन।"

उसकी आपत्ति दूर हो गई प्रतीत हुई, लेकिन उसे शर्मिंदगी महसूस हो रही थी।

उसे रास्ते से हटाते हुए। "अगर मैं ऐसा नहीं करता तो तुम कैसे जा रहे होते?"

“क्या मैं तुम्हारे साथ चलूँ?” उसने पूछा।

“रेलवे लाइन से सीधे हैंकोव की ओर। हमारी सेनाएँ जल्द ही पहुँच जाएँगी।

शंघाई क्षेत्र से पीछे हट रहे थे। लेकिन अब यह मेरा कर्तव्य है कि मैं

मैं आपको शंघाई ले जाऊंगा।

"क्या तुम उससे युमेई के बारे में बात करोगी?" मालिन ने फुसफुसाते हुए कहा।

लाओ पेंग ने फिर से अधिकारी की ओर मुड़कर कहा, “एक लड़की है जो...”

वह हमारे साथ आना चाहता है। क्या यह संभव हो सकता है?

उसका नाम क्या है?

युमेई। यहाँ उसका कोई दोस्त नहीं है।

अधिकारी ने एक पल सोचा। “मैं उसके प्रति उत्तरदायी हूँ।”

पता नहीं वो वापस आता है या नहीं। लेकिन शायद वो मर चुका है।

"कृपया, कमांडर माओ," मालिन ने कहना शुरू किया।

“कॉमरेड माओ,” अधिकारी ने उसे सुधारते हुए कहा।

"कॉमरेड माओ, वह यहाँ बीमार और दुखी है। मैं उसे छोड़कर नहीं जा सकता।

“उसके बाल ऐसे ही हैं,” मालिन ने विनती की।

लेकिन अधिकारी ने कहा: 'मैं इसकी अनुमति नहीं दे सकता। उसकी...'

हो सकता है कि कोई आकर उसके बारे में पूछे।

वे वापस गए और युमेई को अधिकारी के फैसले के बारे में बताया।

वह फूट-फूटकर रोने लगी, और जब उसने वह बात सुनी तो...

जब वे तियानजिन जा रहे थे, तो उसने कहा कि वह रास्ता जानती है और

शायद वह अपना गांव भी देख सके।

लाओ पेंग ने कहा, "हो सकता है कि अब तुम्हारे गांव में कोई न हो।"

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। Laqyeby siMcbieb, मुझे आपका अनुसरण करने दीजिए

जहां भी तुम जाओ।"

उसके आँसुओं से द्रवित होकर लाओ पेंग ने उससे कहा: “आओ और देखो

मेरे साथ कमांडर है। अगर तुम उसके सामने इतनी जोर से रोओगे, तो वह तुम्हें माफ़ कर सकता है।

उनकी सहमति।

जब वह दोबारा रोने लगी और गिड़गिड़ाने लगी, तो अधिकारी ने कहा: 'तुम्हारी बकवास क्या है?'

unde returns, wlut am I to say?”

युमेई ने रोना बंद कर दिया और एक जिद्दी बच्चे की तरह बोली

एक किसान महिला जिसने अपना मन बना लिया है: "भले ही मेरी अधूरी जानकारी

अगर वो वापस लौटता है, तो वो मेरा सहारा नहीं बन सकता।

लाओ पेंग ने अधिकारी को एक तरफ ले जाकर लड़की की स्थिति के बारे में बताया।

स्थिति। "उसे किसी देखभाल करने वाले की ज़रूरत है, वरना वह बिगड़ जाएगी।"

निराश।"

"और अब से तुम उसकी देखभाल करोगे?"

अधिकारी ने पूछा।

"अगर आप चाहें तो मैं एक कागज़ पर हस्ताक्षर कर दूंगा," लाओ पेंग ने कहा।

तो लाओ पेंग ने एक कागज पर हस्ताक्षर किए, और युमेई ने दूसरे पर हस्ताक्षर किए, लेकिन,

अपना नाम लिखने में असमर्थ होने के कारण, उसे कलम पकड़ने के लिए कहा गया।

और उन्होंने उसके लिए जो नाम लिखा था, उसके चारों ओर एक गोला बना दिया।

"मुझे लगता है यह सही है," अधिकारी ने कहा। "हम सब शरणार्थी हैं।"

वैसे भी। वह भाग्यशाली है कि उसकी देखभाल करने के लिए आप हैं। और भी

संभवतः उसकी पत्नी मर चुकी है। मैं आपको केवल दो ही विकल्प दे सकता हूँ।

गधे। आपमें से कुछ लोगों को पैदल चलना होगा।

“मैं चल सकती हूँ,” युमेई ने कहा, उसकी आँखें अब एक झनझनाहट से चमक रही थीं।

यह लगभग खूबसूरत था। "मुझे आपका धन्यवाद करने दीजिए।"

“कल आपके लिए एक गाइड और जानवर तैयार रहेंगे।

"भोर हो गई," अधिकारी ने उस लहजे में कहा जिससे साक्षात्कार समाप्त हुआ।

* *

*

युमेई को अकेला छोड़कर, लेकिन अब खुश, मालिन और लाओ पेंग।

मैं टहलने निकला। सूरज तो तेज़ चमक रहा था, लेकिन पहाड़ों की हवा ठंडी थी।

मौसम सुहावना और ठंडा था। वे गेट से बाहर टहलने लगे।

मंदिर और पक्की सीढ़ियों से नीचे।

युमेई के बारे में सोचते हुए मालिन ने कहा: "हम उसे छोड़कर नहीं जा सकते थे।"

उसके साथ जो हुआ है, वही हमारे सैकड़ों लोगों के साथ हो चुका है।

औरत।"

“मुझे खुशी है कि आप उसे ले जाना चाहते हैं,” लाओ पेंग ने कहा।

मैं तुम्हें सच में जानना चाहता हूँ।

"हम अभी एक-दूसरे को अच्छी तरह से नहीं जानते, है ना?" मालिन ने कहा।

विचारशील मुस्कान।

उसका मन एक पल के लिए रुक गया, वह उसे निहारने लगा। उसकी सुंदरता,

जिस रात पोया उसे उसके घर लेकर आई थी, उस घटना ने उसे थोड़ा चकित कर दिया था।

लेकिन लाओ पेंग जवान नहीं थे, और उनके लिए एक महिला में सुंदरता का मतलब था

सतही और दूरस्थ होने के साथ-साथ, यह एक सुरक्षात्मक आवरण भी है।

आंतरिक स्व तक पहुँचने के मार्ग की रक्षा करना। पहले दिन निम्नलिखित हैं...

उन्हें लगा कि पहली मुलाकात किसी भी सौंदर्य विशेषज्ञ के लिए सबसे कठिन परीक्षा होती है।

महिला। तभी हमें उसकी छोटी-छोटी कमियाँ, उसकी हँसी या कोई और बात पता चलती है।

ऐसा व्यवहार जो खाने के समय की हमारी पहली उत्तम छवि को धूमिल कर देता है

एक्स14

ग्लैमरस महिला के अधिक आलोचनात्मक और कम संकोची प्रशंसक।

हम आमतौर पर तीसरे दिन किसी महिला के बारे में अपनी राय बदल लेते हैं; कुछ

कुछ लोग थोड़े नीचे आते हैं और कुछ लोग हमारे पैमाने पर ऊपर जाते हैं। ये वही लोग हैं।

क्षणिक मनोदशाएँ और अभिव्यक्तियाँ, आकस्मिक और अंतरंग, कुछ

समय के साथ घटित होना, न कि मल के अनुपात के अनुसार —

आवाज, हल्की सी हंसी, होंठों का मुश्किल से दिखाई देने वाला हल्का सा घुमाव —

जो तय करते हैं कि हम किसी महिला के साथ थोड़ा और आगे बढ़ेंगे या

नहीं।

या थोड़ा कम। मालिन, जो इस पर्वतीय क्षेत्र में उसके साथ यात्रा कर रही थी,

सूती कपड़े पहने हुए, वह इन परीक्षणों में अच्छी तरह से सफल रही थी।

वह हंसमुख और भोली थी, उसमें थोड़ी सी बेफिक्री भी झलकती थी।

यह केवल सभ्य लड़कियों का ही स्वभाव नहीं था, फिर भी जब वह बोलती थी

युमेई की आवाज गर्म, मधुर और कोमल थी, जिसने लाओ को मोहित कर दिया।

पेंग उसे पसंद करता था। उसे भी वही भ्रम का एहसास होता था जो पोया को था।

बोला गया। शायद इसका कारण यह था कि वह इसके बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानता था।

हवा ने उसके बालों को उसके पैरों पर बिखेर दिया और वह रुक गई।

इसे समायोजित करें।

“क्या पोया तुम्हारी सबसे अच्छी दोस्त है?” उसने अपना हाथ अंदर डालते हुए पूछा।

उसका लक्ष्य। उसकी आवाज़ गर्म और आत्मीय थी। "तुम उसके सबसे अच्छे हो।"

दोस्त। उसने मुझे बताया।

"मुझे ऐसा लगता है।"

"आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?"

मुझे अब भी लगता है कि उसका दिमाग बहुत ही प्रतिभाशाली है, औसत से कहीं अधिक।

फिर उन्होंने आगे कहा: 'यह दुख की बात है कि उनका और उनकी पत्नी का आपस में मेलजोल नहीं है।'

एक साथ।"

“उसे ऐसे पति से बेहद प्यार और श्रद्धा करनी चाहिए,”

मालिन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

“उसमें कमियां हैं। उसने एक पुरुष के रूप में उसके प्रति निष्ठा नहीं दिखाई है।

उसे अपनी पत्नी के प्रति ऐसा व्यवहार करना चाहिए।

“मुझे पता है। उसकी चाची लोला ने मुझे बताया था। लेकिन यह हमेशा पत्नी का अधिकार होता है।”

आपको नहीं लगता कि यह गलत है?

लाओ पेंग ने अचानक और सीधे कहा: "क्या तुम्हें लगता है कि तुम हो

क्या उसे उसकी पत्नी से दूर ले जाना सही है?

मालिन ने अपना हाथ हटा लिया। "उसने मुझे बताया कि तुम सहमत हो," उसने कहा।

संक्षेप में कहा।

"मैं इन परिस्थितियों में ऐसा करता हूँ," उसने उत्तर दिया। "अन्यथा मैं

मैं आप पर झूठा आरोप नहीं लगा रहा हूँ। मैं पूछ रहा था कि क्या आपके पास है।

खुद ही सोच लो। हमें हमेशा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम जो कुछ भी कर रहे हैं वह सही हो।

हम जो कर रहे हैं वह बढ़िया है, है ना?

^'सही होना!' मालिन ने कुछ अधीरता से कहा। "यह है

सही होना हमेशा इतना उलझन भरा होता है। कभी-कभी आपको लगता है कि आप सही हैं।

आप सही काम कर रहे हैं और लोग कहते हैं कि आप गलत हैं... कभी-कभी आप इतने गलत होते हैं।

आप इस भ्रम में हैं कि आप गलत काम करना चाहते हैं ताकि आपको यकीन हो जाए कि आप सही कर रहे हैं।

तंग। मैंने इस बारे में पोया से बात नहीं की है। लेकिन तुम दयालु हो, और

मैं इस बारे में आपसे बात कर सकती हूँ... क्या मैं एक बुरी औरत हूँ?

सवाल अचानक और अप्रत्याशित था। लाओ पेंग कुछ देर रुका।

उसे देखो।

"मेरा?" उसने पूछा।

“क्या मैं बुरी हूँ क्योंकि पोया मुझे पसंद करती है — ^क्योंकि पुरुष आमतौर पर पसंद करते हैं

मुझे?"

“इस दुनिया में कोई बुरा इंसान नहीं है,” लाओ पेंग ने कहा।

कोई भी पुरुष बुरा नहीं होता और कोई भी स्त्री बुरी नहीं होती। हमें किसी का न्याय नहीं करना चाहिए।

मान लीजिए कि अगर आप पोया को उससे छीन लेते हैं तो लोग आपको बुरा कहेंगे।

"क्या बकवास है।"

मालिन को अब लग रहा था कि अगर कोई उसे समझेगा तो वह लाओ पेंग ही होगा।

वह उसके साथ सहज महसूस करती थी, जबकि पोया के साथ ऐसा नहीं था। पोया

उसकी आलोचना हो सकती है, लेकिन लाओ पेंग कभी नहीं। वह बोलना चाहती थी, फिर भी

उसे अंदर से कंपकंपी महसूस हो रही थी।

“मुझे लगता है पोया ने मेरे बारे में आपको बताया होगा?” उसने बात शुरू की।

■ “नहीं—बस इतना ही कि वह आपकी बहुत प्रशंसा करता है।”

“उन्होंने मेरे बारे में क्या कहा कि उन्हें मुझमें क्या पसंद है?”

"तुम प्यारी और मासूम हो..."

वह हंस पड़ी। "मैंने उससे कहा कि मैं अभी तक प्रशिक्षित नहीं हूं।"

मालिन ने लाओ पेंग को एक सुनसान कोने में ले जाकर खड़ा कर दिया, जो रास्ते से हटकर था।

पेड़ों के एक झुंड के नीचे।

“अंकल पेंग, चलिए बैठते हैं,” उसने स्नेहपूर्वक कहा। “मैं चाहती हूँ कि...”

उसे बताने से पहले मैं तुम्हें कुछ बता दूँ। तुम दयालु हो और तुम ऐसा करोगे।

समझो। मैं भोली और मासूम नहीं हूँ। पहले मुझे परवाह नहीं थी।

मैं पहले क्या था। अब मैं बहुत हद तक वही हूँ। मुझे चिंता होती है कि पोया

शायद गलतफहमी हो जाए। क्या मैं आपको बता सकता हूँ?

"बिल्कुल।"

उसने लाओ पेंग को बैठने के लिए कहा, और उसने बात मान ली। फिर

उसके बगल में एक चट्टान पर बैठते हुए, वह रुक-रुक कर बोलने लगी। "तुम

जब मैं बोल रही हूँ तो मेरी तरफ मत देखो। . . . आप क्या सोचते हैं?

वह महिला जो कई पुरुषों के साथ रह चुकी है?

“क्यों, यह तो इस पर निर्भर करता है,” लाओ पेंग ने कहा।

अगर कोई पुरुष किसी महिला से प्यार करता है और वह पहले किसी और के साथ रह चुकी है...

क्या इससे कोई फर्क पड़ता है?

कुछ पुरुषों को यह पसंद नहीं आता। आप इसे सामान्यीकृत नहीं कर सकते।

"क्या आपको लगता है कि अगर पोया को यह पता चल जाए तो उसे कोई फर्क पड़ेगा?"

क्या मैं दूसरे पुरुषों के साथ रह चुकी हूँ?

लाओ पेंग ने सिर झुकाकर ध्यान से सुनते हुए विनम्रता से कहा:

"आपका मतलब है कि क्योंकि आपकी पहले शादी हो चुकी है?"

नहीं, बिलकुल नहीं... मैं एक रखैल रही हूँ।

वह फिर रुकी और लाओ पेंग के गंभीर चेहरे पर एक नज़र डाली।

फिर अचानक वह गंभीरता से बोली, "हां, अंकल पेंग, मैं एक थी।"

"क्या पुरुष आश्रित महिलाओं से घृणा करते हैं?" उसने सिर हिलाया।

"खैर, सभी महिलाएं ऐसा चाहती हैं। सभी महिलाएं विधिवत विवाह करना चाहती हैं।"

लेकिन कभी-कभी ऐसा नहीं हो पाता। मेरी पहली शादी सफल नहीं रही।

खैर, और मुझे भागना पड़ा। मेरी सास ने मुझे छह दिए।

वे डॉलर की तलाश में थे और उन्होंने मुझे चले जाने को कहा। मैं क्या करता?

वह उन छह सौ डॉलर लेकर तियानजिन गया और वहाँ काम करने लगा।

डांस हॉल। मुझे जीविका कमानी थी। यह मेरे लिए स्वाभाविक और आसान था।

एक युवा लड़की। मैं शादी से थक चुकी थी, मेरे चाहने वाले थे, मैं

मुझे सफलता मिली, और मैंने दूसरी नौकरी खोजने की कोशिश नहीं की। मुझे इसकी ज़रूरत नहीं थी।

कुछ भी जानना, कुछ भी सीखना, बस युवा होना और कुछ भी न जानना

अनाकर्षक, और यही एक चीज थी जो पुरुष अपने हैन्सिंग पार्टनर में

चाहते थे।

मुस्कुराना और एक सुखद भाव दिखाना जरूरी था—लेकिन यह सब प्रक्रिया का हिस्सा था।

नौकरी। डांस हॉल में काम करने वाली लड़की सार्वजनिक संपत्ति के एक टुकड़े के समान है।

वह उसकी संपत्ति है। उसे टिकट खरीदने वाले किसी भी पुरुष के साथ नृत्य करना पड़ता है।

मेरे लिए नृत्य करना आसान था— उन्होंने कहा कि मैं एक अच्छी नर्तकी हूँ और मैं

मैंने बाकी लड़कियों से दुगुना पैसा कमाया... लेकिन मुझे यह काम बिल्कुल पसंद नहीं था।

फिर किसी ने मुझे पैसे देने और उपहार भेजने शुरू कर दिए।

और फिर उसने मुझे नृत्य छोड़ कर उसके साथ रहने के लिए राजी कर लिया।

अंकल पेंग, क्या आपको कहना चाहिए कि यह गलत था?

उन्होंने गंभीरता से कहा, "मुझे कहना चाहिए कि यह स्वाभाविक था।"

मुझे कुछ खास तरह के पुरुषों से डर लगता था, इसलिए डांस के बाद मुझे ऐसा महसूस हुआ

मैं खुद को ब्रश से रगड़-रगड़ कर साफ करना चाहता था। और वो बेवकूफी भरे चुटकुले जो मैंने

मुझे सुनना पड़ा, इसलिए मैंने सहमति दे दी।

"क्या तुम्हें उससे प्यार था?"

नहीं, लेकिन वह मिलनसार और बहुत ही सभ्य थे और मुझे पसंद आए।

मुझे निजता का अहसास हुआ, मानो मेरा शरीर फिर से मेरा अपना हो गया हो।

यह एक छुट्टी की तरह था, या एक तरह की पदोन्नति की तरह। उसने मुझे दिया

मुझे जो चाहिए था, सब कुछ मिल गया। यह पहली बार था जब मैंने ऐसा महसूस किया जैसे मैं

मैं अमीर और खुद से खुश थी। वह मेरे प्रति बहुत दयालु था जब तक कि उसकी मृत्यु नहीं हो गई।

मेरी पत्नी को मेरे नाम से लिखा हुआ उसका चेक मिला, और फिर उसे मुझे छोड़कर जाना पड़ा।

मैं आपको यह नहीं बता सकता कि मेरी पत्नी ने मुझे क्या-क्या अपमानजनक बातें कही थीं।"

“फिर तुमने क्या किया?”

“खैर, मुझे तो जीविका कमानी ही थी। एक बात से दूसरी बात निकलती चली गई। मैं

हमेशा भाग्यशाली रही। वे दयालु तो थे, लेकिन कोई मुझसे शादी नहीं कर सका।

उनकी शादी हो चुकी थी। लेकिन सब कुछ हमेशा आसान था, और मुझे एक गोक्सी (अच्छी बात) थी।

“7

फिर भी मैं कभी संतुष्ट नहीं हुआ, क्योंकि मैं ठीक से होना चाहता था।

मैं शादीशुदा हूँ। कुछ पुरुष मुझे डेट पर ले जाते थे, कुछ नहीं।

पुरुष अपनी पत्नियों को कहीं भी ले जाते थे, लेकिन अपने बच्चों को नहीं ले जाते थे।

रखैलें, चाहे वे कितना भी कहें कि वे उनसे प्यार करती हैं।

एक दिन मुझे यह बात समझ में आई कि रखैल एक ड्राइवर की तरह होती है, लेकिन पत्नी की तरह।

वह एक तरह से खुद गाड़ी चलाने वाली मालिक जैसी थी। भला कौन ऐसी कार का मालिक नहीं बनना चाहेगा?

गाड़ी चला रही थी...? मुझे एक आदमी के लिए खरीदारी करने में मज़ा आया, सॉकर खरीदने में।

और रूमाल और टाई, यह सोचकर कि मैं उन्हें खरीद रहा था

मेरे पति। फिर अचानक मुझे एहसास होता कि वह मेरे नहीं थे।

पति, मेरा हमेशा के लिए नहीं। कहते हैं ना कि रखैल पैसों के लिए काम करती है।

लेकिन सभी पुरुष मुझसे कहते हैं कि वे अपनी प्रेमिकाओं की अधिक परवाह करते हैं।

वे अपनी पत्नियों की परवाह करते हैं, और कभी-कभी प्रेमिका भी अधिक परवाह करती है। मैं था

उलझन में हूँ। पत्नी को जीवन भर सुरक्षा प्राप्त होती है और वह अपने

पति के साथ संपत्ति साझा करती है।

संपत्ति और वेतन के लिए काम करने वाली नहीं मानी जाती। एक रखैल को

पत्नी से बहुत कम संबंध होने के कारण उसे लालची कहा जाता है, चाहे कुछ भी हो।

वह उस आदमी से कितना प्यार करती है...

वह थोड़ी देर रुकी, और चूंकि लाओ पेंग ने कुछ नहीं कहा, इसलिए वह आगे बढ़ती रही।

धाराप्रवाह। “फिर मेरा एक बच्चा हुआ। ऐसा लग रहा था कि इस बार सब ठीक चल रहा है।

स्थायी होने के लिए। मैंने अपने बच्चे को दूध पिलाया और खुद से कहा: 'यह एक

घर। मैं भी दूसरी माताओं की तरह ही एक माँ हूँ।' लेकिन छोटी सी बात

दो महीने बाद उसकी मृत्यु हो गई। फिर मुझे कोई परवाह नहीं रही। मैंने उसे यातना दी।

मैंने और मैंने उसे बहुत सताया... और इसलिए उसने मुझे भी छोड़ दिया...

देखिए, मैं भी दूसरी महिलाओं की तरह अपना घर चाहती थी?

मैं जवान थी और मुझे बहुत देर होने से पहले एक जीवनसाथी ढूंढना था। ...

एक और मौका था, एक युवक जो उससे बेइंतहा प्यार करता था

नहीं। वह मुझसे शादी करना चाहता था और वह मुझे खुश कर सकता था।

लेकिन उसके माता-पिता ने उसकी सगाई कर दी थी। उसने अपने माता-पिता को बताया...

मेरे बारे में बात करते हुए उसने कहा कि वह सगाई तोड़ना चाहता है।

मंगेतर को इसके बारे में अचानक पता चला और मंगेतर, एक बहुत ही आम

वह लड़की अपनी माँ के साथ मुझसे विनती करने आई थी। अगर मैं कठोर होता*

अगर मैं दृढ़ निश्चयी होता, तो मैं अपनी इच्छाशक्ति का इस्तेमाल करके जीत सकता था। वह आदमी चाहता था

मैं, वो नहीं। लेकिन वो लड़की बहुत दयनीय लग रही थी और उसकी माँ

उन्होंने विनती की और कहा कि उनका पैसा, जो कि अच्छा था

मुझे पता है, अगर सगाई टूट गई तो मैं अपना पद खो दूंगा, और मैं

मैंने हार मान ली और अपने युवक से कहा कि वह उससे शादी कर ले।

वह फिर रुकी और लाओ पेंग की ओर देखने लगी।

अब आपको सब पता चल गया है। क्या इससे आपकी राय में कोई बदलाव आया है?

मुझे?"

बिल्कुल नहीं। क्या आपके कोई रिश्तेदार नहीं थे जो आपकी मदद या सलाह दे सकें?

आप?"

जेडएल8

“मेरी माँ की मृत्यु के बाद नहीं। मुझे बताओ, उंडे पेंग, कब एक

एक महिला किसी पुरुष से पूरे दिल से प्यार करती है, क्या इससे कोई फर्क पड़ता है कि वह क्या करती है?

क्या उसने पहले ऐसा किया है?

लाओ पेंग ने उसकी ओर देखने के लिए अपना सिर घुमाया और देखा कि उसका चेहरा उदास था।

कोमल और भावुक। और उसे उस पर दया आई।

उनकी आवाज कोमल थी।

उन्होंने कहा, "बिल्कुल नहीं।"

मैं यह सोचना चाहता हूँ कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, कि मैं दे सकता हूँ

पोया, एक सच्चा, पवित्र प्रेम। क्या तुम एक स्त्री की भावनाओं को समझते हो?

दिल, वो सब कुछ करना चाहती है, सब कुछ देना चाहती है

क्या कोई महिला अपने प्यार से पुरुष को खुश कर सकती है? क्या यही पर्याप्त प्यार नहीं है?

^यह पर्याप्त है। मैं आपको समझता हूँ, और पोया भी समझ जाएगी। उसका

उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है और वह स्वतंत्र विचारधारा का व्यक्ति है। मुझे नहीं लगता।

उसके रिश्तेदार उसे प्रभावित कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसा न हो।

उसे यह सोचने पर मजबूर कर दो कि तुम उससे उसकी दौलत के लिए शादी कर रही हो।

"उसकी दौलत?" मालिन ने हैरानी से अपना सिर हिलाते हुए कहा।

'किसने कहा कि मुझे उसकी बेइज्जती चाहिए?'

"कोई नहीं। लेकिन लोग ऐसा कह सकते हैं।"

मुझे क्या फर्क पड़ता है कि लोग क्या कहते हैं?

"हाँ, बिल्कुल सही," लाओ पेंग ने मुस्कुराते हुए कहा। "तुम

एक-दूसरे पर कभी शक मत करना। यही तुम्हारे प्यार का सबूत होगा।

मुझे लगता है, मालिन, तुम चाहे जो भी कहो, तुम अभी भी युवा हो।

और बहुत ही मासूम लड़की। तुम्हें अभी दुनिया का पता नहीं है। मुझे उम्मीद है।

तुम इस बचकाने दिल को बनाए रखोगे।

"मुझे लगता है," मालिन ने ध्यानपूर्वक कहा, "हमारे बाद भी

शादीशुदा होने पर लोग बातें करेंगे। मुझे महिलाओं की गपशप से कितनी नफरत है!

“तुम्हें औरतें पसंद नहीं हैं?”

मैं खुद एक महिला हूँ। लेकिन मुझे पत्नियों से कितनी नफरत है! मैंने देखा है...

मैंने कुछ ही लोगों को देखा है, उनकी दुष्ट मुस्कान और मेरे प्रति उनकी भयभीत निगाहें।

क्या मैं उनसे इतना अलग हूँ, सिवाय इसके कि उनके माता-पिता हैं?

उनके लिए अच्छे रिश्ते बनाना? अगर कोई

एक पुरुष और एक स्त्री एक दूसरे से प्यार करते हैं और साथ रहना चाहते हैं।

अन्य?"

“महिलाओं को खूबसूरत महिलाएं कभी पसंद नहीं आतीं,” लाओ पेंग ने कहा। *‘लेकिन

आपको समाज का दृष्टिकोण भी देखना चाहिए। विवाह एक प्रेम कहानी है।

लेकिन यह व्यापार, सुरक्षा और बच्चों के पालन-पोषण से भी जुड़ा है। पत्नियाँ

विवाह के प्रति व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाएं।

“मुझे यही बात नापसंद है,” मालिन ने गुस्से से कहा। क्या वहाँ नहीं है?

एक ऐसी जगह जहाँ एक-दूसरे से प्यार करने वाला पुरुष और महिला जा सकें और साथ रह सकें।

अकेले रहकर भी साथ में खुश रह सकते हैं?

"जैसे पक्षियों का एक जोड़ा हो," लाओ पेंग ने टिप्पणी की।

“हाँ, बिल्कुल पक्षियों के जोड़े की तरह। औरतें इतनी तुच्छ क्यों होती हैं?”

“पुरुष इतने तुच्छ क्यों होते हैं? तुम जवान हो, तुम्हें कुछ पता नहीं है।”

मनुष्य की नियान के प्रति क्रूरता। तुम नहीं जानते कि पीड़ा और

इस समय भीतरी इलाकों में त्रासदी व्याप्त है। युमेई के बारे में सोचो। कौन?

उसके साथ ऐसा किसने किया? एक आदमी ने, एक इंसान ने। लेकिन

हम उसे थोड़ा दिलासा दे सकते हैं, उसे थोड़ा खुश कर सकते हैं।"

लाओ पेंग की धीमी, उदास आवाज और उनकी गहरी ईमानदारी

उस स्वर ने मालिन को याद दिलाया कि वह केवल अपने बारे में सोच रही थी।

अपनी खुशी के बारे में। यहाँ एक उदार आत्मा थी जो सोच रही थी...

अन्य लोग भी।

मुझे आश्चर्य नहीं होता कि पोया आपकी इतनी प्रशंसा करती है, अंकल पेंग।

कितना अच्छा होगा अगर हम तीनों साथ-साथ आगे बढ़ सकें और

ज़िंदगी के दोस्त।"

वह उठी और वह भी उठा, और उसने फिर से अपना हाथ अंदर डाल दिया।

उसकी बांह।

मुझे नहीं पता कि पोया को खोने पर मैं क्या करूँगी। क्या आपको लगता है कि मैं

क्या मुझे उसे सब कुछ बता देना चाहिए?

उसे सब कुछ बता दो। वह समझ जाएगा।

वे फिर से पक्की सीढ़ियों पर आ गए। लाओ पेंग ने देखा कि

उसके जूते का फीता फिर से ढीला हो गया था, इसलिए वह उसे बांधने के लिए झुका।

“मुझे करने दो,” मालिन ने गर्मजोशी से कहा, और वह उसके ऊपर झुक गई।

घुटने। लाओ पेंग ने उसे अपने सामने झुकते हुए देखा, उसके सुंदर सफेद

उंगलियां कुशलता से एक गांठ बना रही थीं, और फिर उसे बहुत मजबूती से बांध रही थीं।

दूसरी गांठ।

उठते हुए उसने कहा, “मैं तुम्हें एक तरकीब सिखाती हूँ।” पहला गाँठ बाँधने के बाद,

किन्हीं दो विपरीत सिरों को लें और एक और गाँठ बाँध दें, और यह

कभी ढीले नहीं होते।

“आपको यह कैसे पता चला?”

"एक राएन ने मुझे यह दिखाया था," उसने शरमाते हुए जवाब दिया।

लाओ पेंग गंभीर और थोड़ा परेशान था। अपने उदार स्वभाव के बावजूद,

अपने विचारों के चलते, उसने मालिन को एक अच्छे परिवार की लड़की के रूप में देखना बंद कर दिया।

जब वह उसके जूते का फीता बांधने के लिए झुकी, तो वह भी स्नेहपूर्ण प्रतीत हुई।

लाओ पेंग एक पुरुष थे, और उनका वैराग्य उनके संकोचों के कारण था।

और आदत की शक्ति से, न कि इंद्रियों के क्षय से। उसने कभी नहीं

महिलाओं द्वारा प्रलोभित होना क्योंकि उसने स्वयं को मजबूत कर लिया था

हमेशा महिलाओं को निष्पक्ष नजरों से देखते थे। लेकिन मालिन ने अपना नजरिया बदल दिया था।

उसके शरीर के रहस्यों को मिलीमीटर तक उजागर करते हुए, वह अब और नहीं देख सकता था।

उस पर अवैयक्तिक रूप से। वह आत्मीयता और विश्वास जिसके साथ

उसने उससे बात की और उसे बीयर की खुराक दी। उसने खुद को पकड़ लिया।

वह

सोच रही थी, “इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि पोज को उससे प्यार हो गया है। वह कितनी प्यारी है!”

और गर्म।" लेकिन आदत का प्रभाव प्रबल था और उसने

उसे उसे शंघाई ले जाने का दायित्व महसूस हुआ।

पोया। पुरानी परंपरा के अनुसार यह दृष्टिकोण प्रचलित था कि "एक मित्र का..."

पत्नी का कभी भी फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए। वह किसी को भी ऐसा करने नहीं दे सकता था।

उसके मन में अन्य विचार आने लगे। इसलिए वह बातों-बातों में बोलने लगा;

क्या आपने कभी गधे की सवारी की है?

“नहीं। मज़ा आएगा,” म्लिन ने मुस्कुराते हुए कहा।

खैर, यह मुश्किल नहीं होगा। मुझे लगता है कि हमें यात्रा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

किसान।

युमेई बहुत मददगार साबित होगी। वह अपने स्कूल जा रही है।

"गांव, ताकि अगर लोग हमसे पूछें तो हम जवाब दे सकें।"

“हां, अगर हमें समझाने का मौका मिला तो। और आप?”

हम उसके रिश्तेदार बनकर जा सकते हैं। तुम उसकी माँ बन सकती हो और मैं उसकी।

बहन।"

“यह आसान नहीं है। एक नज़र में कोई भी देख सकता है कि आपने खाना नहीं खाया है।”

देश से। अगर तुम औरत न होती तो मुझे राहत मिलती।

"क्या मैं अपना वेश बदल सकता हूँ?"

मुझे नहीं लगता कि आप इसे अपने बीजीआईआर और एसटीएनएल के साथ कर सकते हैं।

चेहरा।"

“मेरे पास एक आईडी है,” मालिन ने हैरानी से कहा। “तुम व्यापारी होने का दिखावा करो।”

मैं तियानजिन जा रहा हूँ, और मैं आपका बेटा हूँ — और युमेई बाहर रहेगी।

नौकर। मैं अपने बालों को उन उत्तरी रेल पटरियों में से एक के नीचे दबा लूंगी।

फर लगी टोपी पहनें और अपने सिर को नीचे तक खींच लें। शायद आप ऐसा कर सकते हैं।

यहां मौजूद आदमियों से मेरे लिए एक ले आओ।

अध्याय विन

अगली सुबह वे जल्दी उठे और मंदिर के द्वार पर मिले।

मंदिर के नीचे गाइड और दो गधे तैयार खड़े थे।

दीवार। अधिकारी लाओ पेंग से बात कर रहा था तभी मालिन आ गई।

युमेई ने एक हाथ में अपना सूटकेस और दूसरे हाथ में अपना सूटकेस पकड़ा हुआ था।

दूसरे हाथ में बिस्तर का बंडल था। फर की टोपी पहने मालिन को देखकर,

अपने कानों के पीछे के फ्लैप्स को नीचे की ओर मोड़े हुए, वे दोनों हंस पड़े।

उसने अपना मल साफ नहीं किया था, फिर भी उसका रंग साफ था।

चिकनी त्वचा वाली वह लड़की किसी पुरुष के कपड़े पहने बच्ची जैसी लग रही थी। धूसर

सूती गाउन पुरुष और महिला दोनों पहन सकते थे, लेकिन उसका

आई2आई

■सुविकसित कूल्हे उसे एक महिला के रूप में दर्शाते थे, खासकर इसलिए क्योंकि

वह एकदम सीधी खड़ी थी।

"मैं कैसी दिख रही हूँ?" उसने मुस्कुराते हुए पूछा।

“ज़िके एक अमीर आदमी का सबसे छोटा बेटा है,” लाओ पेंग ने कहा। “मुझे लगता है

आप अच्छे अंकों से पास हो जाएंगे।

युमेई एक गधे पर सामान लादने में व्यस्त थी।

हाथ और पैर एक ग्रामीण महिला के थे जो काम करती थी, फिटम

और उसका रंग सांवला और सुगठित था, और उसकी हरकतें तेज थीं।

उन्होंने रस्सी से सामान बांधने में मदद की।

अधिकारी ने लाओ पेंग को रास्ते के निर्देश दिए। “पहाड़ियों के रास्ते जाओ।”

जब तक आप समर पैलेस के लॉन्गविटी बिल्डिंग में नहीं पहुंच जाते।

शहर की ओर मत जाओ, बल्कि पूर्व की ओर मुड़ो और रेलवे लाइन पार करो।

कॉलेज के आस-पास कहीं से शुरू करें, फिर पूर्व और दक्षिण की ओर जाएं। इनसे बचें।

मुख्य सड़क पर चलें, लेकिन उसके करीब ही रहें। शाम ढलते ही सड़क पार करें और रुक जाएं।

रात भर के लिए माटौचेन में रुकेंगे। समतल ज़मीन पर चलना आसान है।

समर पैलेस छोड़ने के बाद, पूरे रास्ते भर। वहाँ कोई नहीं है

सड़क के इस हिस्से पर कई जापानी लोग हैं। लेकिन जब आप साफ-सुथरे रास्ते पर पहुँचते हैं-

होसी-वू, आपको अधिक सावधान रहना होगा। गाइड आपको ले जाएगा।

हमारा आदमी वहाँ है। हम वहाँ से जवाबी हमले की योजना बना रहे होंगे।

लेकिन तुम पूरी यात्रा में हमारे ही आदमियों के साथ रहोगे।" फिर उसने पूछा

होसिवू में मौजूद उसके आदमियों से कोई भी संदेश वापस लाने के लिए मार्गदर्शक।

उन्होंने आगे कहा, "अगर यह कोई अत्यावश्यक संदेश है, तो इसे रिले के माध्यम से भेजें।"

"कौन सी रिले?" लाओ पेंग ने पूछा।

"हमारे पास एक बेहतरीन कूरियर सिस्टम है। एक संदेश पचास मीटर तक पहुंच सकता है।"

चौबीस घंटे में मील। एक विशेष छड़ी संदेश के साथ जाती है।

यह उस समय को इंगित करता है जब इसे किसी निश्चित स्थान पर पहुंचना होता है, और यह हमेशा

हां, ऐसा होता है। गांव के स्वयंसेवक इसे एक कस्बे से दूसरे कस्बे तक पहुंचाते हैं।

अब सब कुछ तैयार था, और मालिन को खाली वाहन पर चढ़ने में मदद की गई।

गधा। लाओ पेंग और युमेई चल रहे थे, युमेई एक गधा उठाए हुए थी।

उसके छोटे-छोटे कपड़े और एक कंघी, जो कि,

पुराने फटे-पुराने बिस्तर के अलावा उसके पास और कुछ नहीं था।

वे पक्की सीढ़ियों से नीचे उतरने लगे। मालिन को महसूस हो रहा था कि...

•गधे की पीठ उसके नीचे हिल रही थी क्योंकि वह अपना रास्ता बना रहा था ■

चिपचिपे पत्थरों वाली सड़क पर, थोड़ा डरकर वह और खिसक गया।

वह आगे की ओर बढ़ती गई जब तक कि वह स्कूल के कंधों पर नहीं टिक गई।

जानवर।

"ओह, मैं गिरने वाली हूँ," वह चिल्लाई।

उसने पैरों में कवर पहन रखे थे, लेकिन अब उसकी जांघें दिख रही थीं।

■"गधा पथरीली सड़कों पर कभी नहीं फिसलता!" लाओ पेंग ने कहा। "लेकिन

आपको और दूर बैठना होगा और खुद को ढकना होगा।

नाचते हुए उसने उसे किसी से मुस्कुराते हुए देखा, और एक लड़की को बैठे हुए देखा।

अंदर की पंक्ति में बैठकर उन्हें देख रही थी और मुस्कुरा रही थी। लड़की थी...

सफेद रंग के कपड़ों में उसका चेहरा भरा हुआ था और होंठों पर गहरा लाल रंग लगा हुआ था। वह देखने में सुंदर लग रही थी।

टैनी से थोड़ी बड़ी।

"वह कौन है?" पोया ने पूछा।

"मेरी एक पुरानी दोस्त। मैं उसे तब से जानती हूँ जब मैं डांसर थी।"

और तियानजिन।"

नृत्य के बाद, टान्नी उस लड़की के पास गई और उसे अपने यहाँ आने का निमंत्रण दिया।

टेबल पर, उसने पोया से उसका परिचय hCss येन के रूप में कराया और उसका नाम बताया।

वह सियांग्युन थी। वह इस जगह की नृत्य करने वाली स्वामिनियों में से एक थी।

जब दोनों महिलाएं पुरानी सहेलियों की तरह बातें कर रही थीं और हंस रही थीं,

पोया ने सियांग्युन को देखा। वह लगभग अट्ठाईस वर्ष की लग रही थी।

वह बत्तीस वर्ष की हो सकती थी और एक परिपक्व महिला जैसी दिखती थी। इसके बावजूद

उसने उसके पहनावे का अंदाजा इस बात से लगाया कि वह सिगरेट कैसे पकड़ती है और उसके

आम तौर पर शांत गतिविधियाँ, जिनसे पता चलता है कि वह एक पुराने सामाजिक माहौल से आई थी।

पृष्ठभूमि। उसके बाल पुराने जमाने के बेदाग फैशन में बने हुए थे।

बालों को सीधे पीछे की ओर कंघी करके चमकदार फिनिश दी गई और नीचे की ओर इकट्ठा किया गया।

उसकी गर्दन के पीछे लटकती हुई, करीने से गुंथी हुई, सावधानीपूर्वक गद्देदार कुंडली —

बाल संवारने का एक काम जिसमें आमतौर पर एक या दो घंटे लगते थे। दो

बालों की केशविन्यास के ऊपर छोटे-छोटे चमेली के फूल लगाए गए थे। उसकी आवाज

उसमें उस महिला की कोमल खुरदरापन थी जिसे पर्याप्त नींद नहीं मिली हो।

उसकी कनपटी के नीचे की त्वचा ने उसके अपेक्षाकृत ऊंचे हिस्से को अच्छी तरह से ढक रखा था।

गाल की हड्डियाँ।

पोया, जो उसमें दिलचस्पी ले रही थी, बोली, "यह जगह बहुत गर्म है। क्या..."

हम उसे अपने कमरे में बुलाते हैं, ताकि आप उससे अच्छी बातचीत कर सकें।

एक साथ?"

पोया ने सियांग्युन के लिए दस डॉलर के टिकट खरीदे, ताकि

वह हॉल से बाहर निकल सकी, और वे उसके होटल चले गए।

सियांग्युन ने अपनी सहेली को "माल्टा" कहकर पुकारा, उसे बताया गया कि उसका नाम

उसका नाम बदल दिया गया था और अब उसे 'तन्नी' कहा जाता था।

मैंने टान्नी के कान में फुसफुसाकर उस कहानी के बारे में बताया जो एक अखबार में छपी थी।

शंघाई के एक टैब्लॉइड अखबार में, और टैनी ने उसे बताया कि वह भाग गई थी

दूर चले गए, लेकिन कहानी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया था। "श्री याओ सब जानते हैं।"

इसके बारे में," उसने कहा।

"श्रीमान याओ," सियांग्युन ने कहा, "वह हमेशा से ही भाग्यशाली लड़की

थी। वह

वह निस्संदेह सबसे लोकप्रिय नर्तकी थी। बेशक, वह युवा थी।

तब भी, लेकिन इतने वर्षों बाद भी वह उतनी ही खूबसूरत है। एक व्यक्ति

मेरी तरह, मैं भी पुरानी दिनचर्या में फंसा हुआ हूँ। मुझे आगे क्या उम्मीद करनी चाहिए?

मैं जल्द ही 'आधी बूढ़ी मैडम सू' बन जाऊंगी?

"खुद को नीचा मत समझो," टैनी ने कहा।

नहीं, मेरे दिन खत्म हो गए हैं। मेरा बेटा कभी वापस नहीं आएगा। मैं

मैं बस अपने ताबूत का इंतजार कर रहा हूँ, और फिर मैं मर जाऊँगा। क्या मुझे अच्छा लग सकता है?

सौ डॉलर में मजबूत कंपनी? मुझे अच्छे की उम्मीद करने की हिम्मत नहीं है।

मुझे बिल्कुल वैसा ही चाहिए जैसा वहाँ है, लेकिन मुझे वह लकड़ी का चाहिए।

यह बहुत बड़ा होना जरूरी नहीं है, लेकिन जब मैं इसे देखूंगा तो मुझे शांति मिलेगी।"

उसने लाओ पेंग को पैकेट देते हुए कहा: "तुम इसे गिनो।"

वहाँ सौ डॉलर होने ही चाहिए। मेरी आँखों को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है।

अधिक।"

उसने नोट गिने। उनमें से अधिकतर नोट उसी वर्ष के थे।

बीजिंग शासन के दौरान, वे पूरी तरह से विश्वासघाती थे, लेकिन उन्होंने ऐसा किया।

उसे यह बात नहीं बतानी है।

“यह सही है। तीन सौ डॉलर।”

“क्या आप आज मेरे लिए एक अच्छा ताबूत खरीदेंगे? मैं उसे देखना चाहता हूँ।”

एक शिकार या एक सौ बीस डॉलर से काम चल जाएगा।

जो भी मेरे शरीर को धोएगा, उसे पच्चीस डॉलर दे दूंगा।

अंतिम संस्कार के लिए अपने बाल संवार रही हूँ। ये कपड़े अब पुराने हो गए हैं।

मुझे एक ड्रेस, जी हाँ, एक रेशमी ड्रेस, रेशमी स्कर्ट और एक जोड़ी नए जूते।

मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी रेशम नहीं पहना। मेरा छोटा सा शरीर रेशम का आदी नहीं है।

मुझे अभी एक बहुत बड़ी रेशमी पोशाक चाहिए। क्या आप मेरे लिए यह बना देंगे?

“बिल्कुल, अगर आपकी यही इच्छा है तो मैं आज ही आपके लिए इन्हें

खरीद लूंगा।”

लाओ पेंग ने जवाब दिया। फिर उसने कहा: “क्या तुम चाहते हो कि भिक्षु ये कहें?”

आपके लिए प्रार्थना?

“नहीं,” बूढ़ी औरत ने कहा। “बुद्ध ने मेरी मदद नहीं की।”

मेरे बेटे को ढूंढो। मेरे अंतिम संस्कार पर लगभग बीस डॉलर खर्च करो। मुझे यह पसंद है।

यहां पहाड़ी पर नजारा अच्छा है, इसलिए पड़ोस में ही एक कब्र खुदवा लो।

हुड। और मैं आपको और दया की देवी बहन को धन्यवाद दूंगा।

मुझे मरने के लिए एक शांतिपूर्ण जगह प्रदान करो।"

वह हांफ रही थी, लेकिन बोलती रही। "मैं नहीं बनना चाहती..."

आप पर या किसी और पर बोझ मत बनो। यह पैसा लो और मुझे दे दो।

एक सम्मानजनक अंतिम संस्कार। शायद डेढ़ सौ डॉलर बच जाएं।

बस। अगर मेरा बेटा वापस आता है तो उनके लिए इन्हें संभाल कर रख लेना।

“आपका बेटा कौन है और वह कहाँ है?”

“उसका नाम चेन सान है। मुझे नहीं पता वह कहाँ है। मैं

मैं इतने सालों से उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन वह कभी वापस नहीं आया।

मेरी बूढ़ी माँ। मैंने उसे तब खो दिया जब वह सोलह साल का लड़का था। जब

मांचू साम्राज्य का पतन हो गया, क्रांतिकारियों ने उसे अपने साथ ले लिया।

"उसकी क्या उम्र है?"

“अब उसकी उम्र चालीस से अधिक होगी। शायद अब वह पंख जैसा हो गया होगा।”

शायद वह मर गया है, वरना वह अपनी माँ के पास वापस आ जाता।

मैंने उसके लिए ये पैसे बचाए, एक-एक सिक्का करके, एक-एक तांबा करके, vddk

मैं उसके वापस आने का इंतजार कर रहा था। अगर वह आता है, तो बाकी का काम उसे दे देना।

उसे पैसे दे दो। उसे मेरी माँ का प्यार देना और उससे कहना कि मैं

याओ की तीसरी बेटी के पास उसके लिए कुछ वस्त्र छोड़ दिए गए थे।

और मेरा परिवार बीजिंग में — कुछ साल पहले।

"पेकिंग के याओ परिवार के बारे में क्या?" तानी ने अचानक पूछा।

इच्छुक।

“वे प्रिंस गार्डन में रहते थे, और मैं उनके लिए काम कर रहा था

टी बर्ड (परिवार की बेटी)

“यह कितने साल पहले की बात है?”

“लगभग बीस साल हो गए होंगे,” उसने कहा, और कर सकती थी

एक शब्द भी मत बोलो।

लाओ पेंग की मुलाकात चेन सान से सिर्फ एक साल पहले हुई थी और उसने उनके बारे में बहुत कुछ सुना था।

पोया एक प्रसिद्ध कहानी है जिसमें एक खोए हुए बेटे की कहानी है, जिसकी माँ

याओ परिवार के साथ काम करते हुए। उसने सुना था कि यह महिला

वह रात में काम करती और सिलाई करती थी ताकि अपने बेटे के लिए कपड़े बना सके।

वह उसे कभी ढूंढ पाएगी या नहीं, और हर महीने एक बार, वह पूछती थी

वह चली गई और नई चीज को अपनी बगल में दबाकर घूमने लगी।

बीजिंग की सड़कों पर, युवकों और सैनिकों को रोककर इस उम्मीद में कि...

अपने बेटे को ढूंढने के बारे में, और कैसे वह हमेशा उदास और निराश होकर लौट आती थी...

नियुक्त किया गया, और कैसे एक दिन, जब सैनिकों ने शहर को भर दिया, तो वह थी

उसे यकीन था कि उसका बेटा लौट आया है और उसने अपनी मालकिन

से विदा ली है।

गायब हो गया और कभी वापस नहीं लौटा। बाद में, चेन सान वापस आ गया।

और उन्होंने कुंग लिफ की बहन से शादी कर ली, जो मोचो का पति था।

लेकिन लाओ पेंग को इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि ये अब कहाँ हैं, और वह जानता था

केवल वे ही शांसी में लड़ रहे गुरिल्लाओं में शामिल हुए थे। उसने बात की।

टैनल के साथ फुसफुसाते हुए

“हमें पोटा को एक टेलीग्राम भेजना होगा,” टैनी ने कहा। “लेकिन उसे

पहले। इससे शायद उसे जीने की इच्छा जागृत हो।

लाओ पेंग ने बूढ़ी औरत की ओर मुड़कर कहा: “हम जानते हैं कि

बीजिंग का याओ परिवार। बूढ़ी दादी, आपको मरना नहीं चाहिए।

लेकिन बूढ़ी औरत को ठीक से सुनाई नहीं देता था।

“तुम्हारा बेटा वापस आया और उसकी शादी हो गई,” टैनी ने चिल्लाते हुए कहा।

कान। 'टेंग लाफजेब ने उसे याओ के घर पर देखा है।'

बूढ़ी औरत ने अपना कांपता हुआ हाथ आगे बढ़ाया और पकड़ लिया

टैनी।

“आप कहते हैं कि मेरे बेटे ने मुझे वापस पा लिया है? और वह अभी भी जीवित है? कहाँ?”

क्या वह है?* उसने हैरानी से कहा।

“वह जीवित है,” लाओ पेंग ने कहा। “हम उसे आपके लिए ढूंढ निकालेंगे।”

बुजुर्ग महिला रोने लगी, लेकिन उसका रोना भी कमजोर था।

उसका सिर और शरीर सामान्य से अधिक कांप रहे थे।

ए8जे

“वह कहाँ है? क्या तुमने उसे देखा?” उसने अपने हाथ पोंछते हुए कहा।

आँखें।

“वह स्वस्थ, लंबा और मजबूत है,” लाओ पेई ने कहा। “वह ठीक है।”

नोर्डी। हम उससे कहेंगे कि वह मुझसे मिले और आपसे बात करे। युद्ध

माँ और बेटे, तुमने अलग कर दिए, और युद्ध तुम्हें वापस लाएगा।

फिर से एक साथ। मैं याओ परिवार को जानता हूँ। आपका बेटा उनसे संबंधित है।

उन्होंने कुंग परिवार की बेटी से शादी की।

बूढ़ी औरत ने अपना हाथ कान पर रखा और उसकी आँखें टकटकी लगाए

लाओ पेंग ने उसकी बात समझने की कोशिश में,

उसे याद आया और उसने कहा: "तुम्हारा मतलब है कि वह है..."

मिस्टर कुंग की बहन से शादी की? वह एक अच्छी लड़की थी, और मैं भी।

उसकी भी सेवा कर रहे हैं। मेरा बेटा कहाँ मिलेगा? मेरा पैसा ले लो और

उसे भेज दो। उससे कहो कि मेरी बहू के साथ आए और देखे।

उसकी माँ के मरने से पहले। मुझे उसे देखने दो और उसकी आवाज़ सुनने दो।

और मैं खुशी से मरूंगी।" उसने सिर हिलाया, मुस्कुराई और हांफने लगी।

और फिर मुस्कुराया।

"क्या मैं अभी कोफिन खरीद लूँ?"

“हाँ, मेरा कोफीबीएन खरीद लो। मैं अपने बेटे के आने का इंतजार करूँगा और फिर मैं...”

क्या होगा।

लाओ पेंग पोया को टेलीग्राम भेजने के लिए हैंकोव गए, और

उसने मेपल की लकड़ी का एक अच्छा सोफा सेट खरीदा।

अगले दिन जब पुलिस आई, तो चेनमा ऐसा करने में सक्षम थी।

इसे देखने के लिए सामने वाले कमरे में आओ। उसका चेहरा गर्व से चमक रहा था।

जैसे ही उसने मेपल की लकड़ी की कठोर सतह को महसूस किया। महिलाएँ और

बच्चे उसे घूर रहे थे और उसने मुस्कुराते हुए उनसे कहा: "यह है

■ मेरे बूढ़े शरीर के आराम के लिए अच्छी, मजबूत लकड़ी। उसने उसे हटवा दिया।

वह अपने कमरे में जाती थी, और अक्सर उसे देखती, छूती और देखती रहती थी।

खुश।

लाओ पेंग ने कहा कि वह पोया के जवाब का इंतजार करने के लिए रुकेंगे, लेकिन

जब वह हैंकोव में था, तब बीमार लड़की पिनपिन टियाड

वह अपने कमरे में चला गया, और इसलिए वह अंदर के कमरे में सो गया, जो

टैनी को बीमार लड़की तक पहुँचने के लिए वहाँ से होकर गुजरना पड़ा। वह मनहूसियत

उसने टैनी को फूलदान में रखने के लिए कुछ जंगली कैम्डिना लाते हुए देखा था।

जो पिनपिन की खिड़की के सामने मेज पर रखा था।

इम्चज'टानी के बीमार लड़की को देखने आने के बाद, उसका बिस्तर पास ही पड़ा था।

खिड़की की ओर, और बाहर की हरियाली सूरज की रोशनी को प्रतिबिंबित कर रही थी।

कमरा काफी रोशन हो गया था। लड़की बिस्तर पर लेटी हुई थी, उसकी आँखें

उसका मल काला था और खोखला और लाल था। वह

ताबूत के आने से वह घबरा गई थी, क्योंकि उसने उसे आते हुए देखा था।

सामने वाले कमरे से अंदर।

पिनपिन का छोटा भाई उसके साथ था। बिस्तर पर लेटी लड़की थी।

उसे गुणन सारणी सिखाना।

पिनपिन बीच-बीच में रुक जाती और अपने छोटे भाई को आगे बढ़ने देती।

मुख्य भूमिका में। उसने टान्नी को आते देखा, मुस्कुराई और आगे बढ़ गई।

मेज़।

सात गुना उनतालीस। आठ गुना सात सौ छप्पन। नौ गुना

सात सौ तिरसठ। दस गुना सात सौ सत्तर! हमने इसे पार कर लिया।

समय;"

अंत में दोनों बच्चे विजयी भाव से हँसे। टैनी

वह उनके साथ हंसी। लेकिन उसे याद था कि ये माताएँ थीं-

कम बच्चे थे और उसने उनकी मासूम खुशी के नीचे छिपी करुणा को महसूस किया।

इस छोटी बच्ची के अपने छोटे भाई को सिखाने का दृश्य।

"लेकिन आपको खुद को थकाना नहीं चाहिए," उसने कहा।

पिनपिन ने कहा: *^फूलों के लिए धन्यवाद। मैं सो रहा था जब

तुम अंदर आए, लेकिन मुझे पता था कि तुमने ही उन्हें वहाँ रखा था। छोटा बदमाश

वह बहुत होशियार है। वह सात तक का गुणा पहाड़ा बता सकता है।

अब। आगे क्या आएगा? बारह गुना सात अस्सी होगा-

चार — और फिर मुझे कन्फ्यूजन हो जाता है।

“तुम्हारा दिमाग बहुत सक्रिय है,” टैनी ने कहा। “क्या तुम नहीं चाहते कि...”

अब सो जाओ?

^टीएसआईओ, आओ और मुझसे बात करो। आज सुबह मुझे अच्छी नींद आई है।

टान्नी पलंग के पास बैठ गई और लड़के से वहां से चले जाने को कहा।

अपनी बहन को आराम देने के लिए कमरा।

बगल के कमरे में मौजूद लाओ पेंग ने बातचीत सुनी।

"अब आपको कैसा लग रहा है?" टैनी ने पूछा।

मैं ठीक हूँ। इंजेक्शन से मुझे फायदा हुआ। बस अभी भी...

सुबह-सुबह उसे बहुत खांसी हुई, और फिर

सुबह तक मुझे बहुत थकान और नींद आने लगी थी। हे दया की देवी,

तुम इतने सुंदर क्यों हो?"

'ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम मुझे पसंद करते हो।'

नहीं, यह सच है। मैंने तुम्हारे जितनी खूबसूरत किसी को कभी नहीं देखा।

आप कितने दयालु हैं! आपने हमारी जान बचाई, मेरे पिता, मेरे भाई।

और मैं। मैं तुम्हारे जैसा बनना चाहता हूँ। तुम्हें कितना समय लगेगा?

क्या आपको लगता है कि इसे ठीक होने में समय लगेगा?

मुझे नहीं पता। आपको शांति से आराम करना चाहिए और अच्छा खाना खाना चाहिए।

खूब धूप लें, और आप स्वस्थ हो जाएंगे।

"जब युद्ध समाप्त हो जाए, तो आप चिन में हमसे मिलने जरूर आइएगा-

कियांग। हमारे पास एक छोटा सा घर और एक छोटा सा बगीचा है।

और हमारा घर भी यहाँ की तरह ही नदी के किनारे स्थित है।

मेरे पिता ने मुझे बताया, वही यांग्त्से नदी। और वहाँ एक द्वीप है।

वह जगह, जिसे गोल्डन हिल कहा जाता है, पेड़ों से भरी हुई है। हम...

जब तक वाट नहीं आया था, तब तक हम नदी के किनारे खेलते थे।

क्या आपकी मां आपके साथ थीं?

नहीं, मेरी माँ का निधन तब हुआ जब मेरे छोटे भाई का जन्म हुआ था।

जब जलप्रपात समाप्त हो जाए तो आप अवश्य हमसे मिलने आएं। हम कोई

मैं अमीर हूँ, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप मेरा घर देखें।"

“हां, मैं आपसे मिलने आऊंगा।”

अचानक लड़की ने पूछा: "क्या आपको लगता है कि मैं मरने वाली हूँ?"

“अरे नहीं। तुम बड़ी होकर एक खूबसूरत लड़की बनोगी। तुम ऐसा क्यों

सोच रही हो?”

क्या ऐसा सवाल पूछना सही है?

मैंने आज सुबह ताबूत देखा, और मैं हैरान हूँ।

“डरो मत। बुढ़िया ने इसे अपनी जेब से खरीदा है।

पैसा। वह बहुत बूढ़ी है, और तुम एक जवान लड़की हो। इसके बारे में मत सोचो।

ऐसी बातें। चलो, फिर से कैट्स-कैटडल खेलें?

पिनपिन ने दिल से सहमति जताई और खेलते-खेलते वे बातें करते रहे।

मैं आपके जैसी दयालु और सौम्य बनना चाहती हूँ।

सुंदर, लेकिन मैं तुम्हारे जैसी बनने की उम्मीद नहीं कर सकती। मैं एक बनना चाहती हूँ।

मैं और मेरी नर्स शादी नहीं करना चाहते और बस अपने वैवाहिक जीवन के अंतिम दिन खूबसूरत दिखना चाहते हैं।"

"तुम बहुत आगे की सोचकर चलते हो," टैनी ने मुस्कुराते हुए कहा।

लेकिन जब आप खूबसूरत दिखेंगे, तो कोई न कोई आपसे प्यार कर बैठेगा।

और फिर क्या?

“तो फिर भी मैं उससे शादी नहीं करूंगी।”

"तब तुम सचमुच निर्दयी हो जाओगे।"

मैंने कहानियों में सुना है कि प्यार में पड़ा आदमी किसी के लिए अपनी जान तक दे सकता है।

लड़की को देखना, और फिर उसे देखकर ठीक हो जाना — क्या यह सच है?

तानी को पता था कि लाओ पेंग बगल वाले कमरे में है, इसलिए उसने जवाब दिया।

शर्माते हुए। "शायद, यह सच है, अगर लड़की बहुत सुंदर हो और लड़का

वह उससे बहुत प्यार करता है।

इस प्रकार वे बैठे रहे, बातें करते रहे और बिल्ली की तरह खेलते रहे जब तक कि टैनी

उसने कहा कि उसे आराम करना चाहिए और मल्टीप्लिरगशन टेबल के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

और उसे अकेला छोड़ दिया।

* *

*

अगली सुबह एक सुखद आश्चर्य लेकर आई।

वह लगातार खबरें पूछती रही, और टैनी ने उससे कहा कि वह जरूर

उसे इस बात का संदेह था कि पोया पहले ही जा चुकी होगी या नहीं।

आईसी वेइलिन ने टेलीग्राम मिस कर दिया।

उस सुबह युमेई तानी के पास आई और बोली कि एक खूबसूरत

एक सजी-धजी महिला घर आई और उसने एमजेसी से मिलने की इच्छा जताई;

पेंग, और उसके साथ एक युवक था। टान्नी देखने के लिए बाहर गई।

एम

उन्हें सामने वाले कमरे में बुलाया गया। महिला ने उत्सुकता से उसका स्वागत किया।

निगाहें गड़ाए, होठों पर हल्की सी मुस्कान थी। उसने काले रंग का गाउन पहना हुआ था।

जिसे टैनी देख सकती थी कि वह बेहतरीन सामग्री से बना था, और उस पर एक

सुआडे हैंडबैग जो निश्चित रूप से फिकॉम स्बांगटियाई से आया होगा।

वह अधेड़ उम्र की थी, फिर भी उसका शरीर एकदम सुडौल था।

उसमें कुछ ताजगी और मौलिकता थी, एक सहज और सौम्य स्वभाव था।

व्यवहार और असाधारण शालीनता एवं सुंदरता से भरपूर। युवा तानाती

वह लंबा, चौड़े कंधों वाला और सुगठित चेहरे वाला था।

घुंगशाओ की वर्दी में।

जब महिला बोलने लगी, तो टैनी ने dis tif) gaishe.d की आवाज सुनी।

पारंपरिक पेकिंग लहजा। *मैं श्रीमती त्सेंग हूँ। मुझे आने के लिए खेद है।

बिना किसी औपचारिकता के, लेकिन मुझे पोया से एक टेलीग्राम मिला जिसमें पूछा गया था

मुझे आपसे मिलने आने के लिए प्रेरित करें।

तानी का दिल उछल पड़ा और वह अनजाने में "ओह्ह" चिल्ला उठी।

"क्या आप मिस पेंग हैं? मैं पोया की दूसरी चाची हूँ। यह मेरा बेटा है।"

"हमारा।"

टान्नी ने उसकी ओर एक त्वरित नज़र डाली और मुस्कुराकर सहमति जताई।

"ओह, आप उनकी चाची मुलान हैं! मुझे माफ़ करना।"

इस तरह दिखना। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था..." वह जल्दी से आगे बढ़ी।

कुछ स्टूल हटाते हुए, इतनी हड़बड़ी में कि उसके बाल उसके ऊपर गिर पड़े।

कंधे। उसकी उलझन उसके मल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी।

मुलान ने कहा: “मुझे कल रात यह टेलीग्राम मिला, और मैं बहुत उत्साहित थी।”

मुझे आज सुबह सबसे पहले आपसे मिलने आना पड़ा।

"हम पोया से खबर सुनने का इंतजार कर रहे थे," टैनी ने कहा।

उसने टेलीग्राम लिया। उसे पढ़ते समय वह सचेत थी।

मुलान उसे दयालुता से देख रही थी, उस आधी मुस्कान के साथ।

स्टैंडी उसके मुंह के आसपास मंडरा रहा था।

कृपया हंगशान स्थित शरणार्थी गृह में सुश्री टान्नी पेंग से मिलें।

चेन सान की मां वहां हैं। चेन सान का पता लगाने में मदद करें।

कृपया मिस पेंग को अपने रिश्तेदार की तरह समझें और उन्हें आमंत्रित करें।

मेरे लिए अपना घर दे दो। उसे जानना ही उसकी कद्र करना है। पोटा।

टेलीग्राम खत्म होते ही टैनी के चेहरे पर हल्का सा शरम आ गई।

यह उसकी उम्मीद से कहीं अधिक था। उसे यह पता नहीं था कि

मुलान हैंकोव में थी। जब वह शंघाई में थी, पोया ने बताया था।

वह अपनी प्रसिद्ध चाची मुलान के बारे में बड़े गर्व से बात करती थी और

स्नेह था, और उसने उसके बारे में कहा था कि वह हांगचो में रहती है।

जब आप मेरी दूसरी चाची को जानेंगे, तो आपको गर्व होगा।

“मैं,” पोया ने कहा था। सहज रूप से उसे लगा कि यह यात्रा

*89.

इसके गंभीर परिणाम Fcya के साथ उसके अपने भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे।

उत्साह से भरी हुई वह लाओ पेंग को बुलाने के लिए दौड़ी, और उसने

वह अंदर गई और चेन्मा को बाहर ले आई, जो लड़खड़ाती हुई बाहर आई।

बूढ़े पैर।

मु उठी और उसके बहुत करीब गई, और अपने हाथ उसके हाथों पर रख दिए।

उसके कंधे।

“क्या तुम क्वेनमा हो? मैं मुलान हूँ, दूसरी बेटी।”

याओ परिवार। क्या तुम्हें मैं याद हूँ?

ओइन्मा ने अपनी धुंधली आँखों से मुलान की ओर देखा और खाँसी।

और बोलने की कोशिश की, लेकिन उसकी आँखों से आंसू बहने लगे, और वह

उसने अपनी जैकेट का किनारा उठाया और चुपचाप उन्हें पोंछा। मुलान

मैंने उसे उसकी कुर्सी पर बैठने में मदद की, जहाँ वह बैठी रही और रोती रही।

तानी ने देखा कि मुलान बहुत परेशान थी। क्योंकि मुलान जानती थी कि

इस महिला का पूरा इतिहास, जो तीस वर्षों से खोज रही थी

अपने बेटे के लिए और उसने एक को जन्म दिया था और धैर्य के साथ सजा भुगती थी।

कि नियति ने उसके मातृत्व पर यह विपत्ति डाली थी। टान्नी ने एक दया भाव देखा।

मुलान की लंबी और पतली काया झुकते ही उसकी गालों पर आंसू बहने लगे।

क्यूनमा के ऊपर। अंत में, अपना सिर झुकाए हुए, क्वेन सान का मुँह...

पूछा: "मेरा बेटा कहाँ है?"

मुलान की आवाज मधुर और धीमी थी जब उसने जवाब दिया: "वह ठीक है।"

वह उत्तर में है। मैं तुरंत एक टेलीग्राम भेजकर उससे अनुरोध करूंगा।

आपसे मिलने आऊंगा।

"इसमें कितने दिन लगेंगे?"

"अगर वह रेलगाड़ी से आ सका तो इसमें एक या दो सप्ताह का समय लगेगा।"

बुढ़िया ने अब अपने स्तनों को सुखाया और पूछा: “मेरी

-जब वह लौटा तो उसके चेहरे का भाव कैसा था?

"वह लंबा और बलवान था। उसने लिफू की बहन हुआन-एरह से शादी की।"

“हो सकता है वे एक साथ नीचे आ जाएं,” मुलान ने बड़ी मुश्किल से कहा।

उसे खुश करने के लिए।

"ओह, मेरी एक बहू है! क्या मेरा कोई पोता है?"

मुझे इसकी जानकारी नहीं है। क्या आप मेरे घर आकर ठहरना चाहेंगे?

जब तक आपके बेटे और बहू नहीं आ जाते, तब तक घर में ही रहें?

बुजुर्ग महिला ने जवाब दिया कि वह जहां है वहीं सहज महसूस कर रही है।

तानी ने मुलान के कान में फुसफुसाकर कहा कि उस बूढ़ी औरत ने उसे खरीद लिया था।

कोफीबन और दैनिक समाचार पत्रों में उनकी मृत्यु की खबर फैली। उन्होंने उन्हें वापस उनके घर पहुँचाने में सहायता की।

कमरा। जब मुलान ने नया ताबूत देखा तो वह

“क्या आप उसे इस कमरे से बाहर जाने और हमारे साथ रहने के लिए मना सकते हैं?”

“तुम?” टैनी ने कहा। “उसके बेटे को यह जानकर परेशानी होगी कि वह यहीं रह रही है।”

उस कमरे में तीन ताबूत हैं। अगर आपके पास उसके लिए कोई कमरा है तो हम

उसे ले जाने के लिए पालकी भेजी जा सकती है।

अब जब वे साथ-साथ मैदान का मुआयना कर रहे थे, मुलान ने कहा

लाओ पेंग, तान्नी और युमेई - बूढ़े की कहानी का और भी हिस्सा

महिला। टैनी ने उत्सुकता से सुना और मुलान की तेज़ फुर्ती देखी।

आँखें, चंचलता और कल्पना की एक ऐसी चमक से जगमगा रही थीं जो हर बात को जायज़ ठहराती थी।

पोया ने उसके बारे में कहा था। जिस तरह से वह लगातार अपना सिर झुकाए रखती थी।

एक तरफ उसके बाहरी रूप के नीचे छिपी एक पथभ्रष्ट आत्मा दिखाई दे रही थी।

परंपरा का स्वरूप। इस दौरान एक सहज प्रतिक्रिया होती है।

किसी महिला की अपने मंगेतर की महिला रिश्तेदारों से पहली मुलाकात,

एक प्राकृतिक रासायनिक अरुचि या आकर्षण जिसका कारण बताया जा सकता है

केवल उच्चतर इंद्रियों द्वारा। टैनी को यह सुनकर रोमांच महसूस हुआ।

मुलान, याओ परिवार की एक अंदरूनी कहानी है, जिसे उनकी राजसी शैली में बताया गया है।

और शालीनता और परिष्कार के आकर्षण के साथ। उसके पास था

पाओफेन और डिमफटाग्रेंस से मिलने पर उसे ऐसा कोई रोमांच महसूस नहीं हुआ।

मुलान एक सच्ची याओ थी। तान्नी को तुरंत पता चल गया कि वह उसे बहुत पसंद करती थी।

मुलान में, और मुलान के ऊपर एक ऐसी शक्ति महसूस हुई जो उसके करीब थी और

मानवीय और स्नेही।

यह स्पष्ट था कि मुलान को टान्नी में बहुत रुचि थी, न कि

केवल इसलिए क्योंकि पोया के टेलीग्राम में उससे कहा गया था कि वह उसे रिश्तेदार की तरह माने।

वह झोपड़ी में इसलिए बैठी थी क्योंकि वह उस युवती के दान कार्य से प्रसन्न थी।

इस सुरम्य पहाड़ी पर काम करने के लिए, और विशेष रूप से इसलिए

क्योंकि वह

कोम को उसके भाई अफेई से एक पत्र मिला था। उसके पत्र में लिखा था कि

उसे पोया के प्रेम प्रसंग और टान्नी की परेशानी के बारे में बताया।

हालांकि उनका लहजा सहानुभूतिपूर्ण था, उन्होंने संकेत दिया था कि शायद

पोया की पत्नी की ओर से परेशानी होगी।

जब मुलान ने टान्नी को इस हालत में देखा तो वह पूरी तरह से हैरान रह गई।

वह शरणार्थियों के बीच रह रही थी, और उसका दिल उनके प्रति स्नेह से भर गया।

उसे। मुलान, सभी महिलाओं में से, रखैल के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं रखती थी।

परिवार के बारे में सोचते हुए, टैनी को लगा कि वह पहले से ही

रिश्तेदार की तरह व्यवहार किया जाना।

फिर वे सामने वाले कमरे में वापस आए, एक विलंबित टेलीग्राम के साथ।

फिरोम पोया, तानी से मुलान से संपर्क करने के लिए कहने आई थी।

काएनमा को अपने घर लाने की व्यवस्था करने के तीन दिन बाद

बाद में, मुलान ने तानी से कहा, “खेल खत्म हो गया है, दोपहर के भोजन के लिए यहीं रुको। मैं

मैं आपसे कुछ खास चीजों के बारे में बात करना चाहता हूँ। यह जानते हुए कि...

इस मुलाकात का उसके लिए जो भी मतलब हो, टैनी ने उसकी दयालुता के लिए उसे धन्यवाद दिया।

और उन्होंने सहर्ष सहमति दे दी।

बड़ी मुश्किल से रबंतना को वह स्थान छोड़ने के लिए राजी किया गया।

तीसरे दिन वे बूढ़ी औरत को पालकी में बिठाकर रवाना हुए।

कुर्सी। उन्होंने इसे एक अवसर बना दिया। लाओ पेंग लौट रहा था।

उसका होटल। युमेई धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही थी। तानी

उसने सुझाव दिया कि वह एक दिन के लिए हैंको जाकर फिल्म देखे।

वे गोल्ड लक को अपने साथ ले गए, लेकिन उसे फिल्म के बारे में कुछ नहीं बताया।

उन्होंने शुरुआत कर दी थी। चेनमा अनिच्छा से अपने नए ताबूत को छोड़कर चली गई।

पीछे, यह बताए जाने के बाद कि वह वहाँ सुरक्षित रखा गया है, और यह कि

वह इसे मुलान के घर में किसी भी हालत में नहीं ले जा सकती थी।

वे लगभग दस बजे मुलान के घर पहुँचे। यह एक

■ पांच या छह कमरों वाला एक अलग घर और एक छोटा बगीचा

पीछे की ओर, हैंकोव के बाहरी जिले में, हैंक नदी के किनारे स्थित।

नदी। यहाँ एक व्यावसायिक क्षेत्र विकसित हो गया था और अधिकांश

दुकानें और घर नए थे। लाओ पेंग बाकी लोगों के साथ आगे बढ़ गया।

शहर में प्रवेश करते हुए, मुलान, एकांत में बातचीत करना चाहती थी।

टान्नी ने उनके रुकने पर जोर नहीं दिया।

दोपहर के भोजन के दौरान, तानी की मुलाकात मुलान के पति सुन्या और उसकी बेटी से हुई।

अठारह वर्षीय अमेई, अपने बेटे अतंग के अलावा, जो कि

एक महीने की छुट्टी, लड़ाई में भाग लेने के बाद

अनह्वेई। यह एक आरामदायक, छोटा सा घर था। उन्होंने उसे बताया कि उनके पास

पिछले साल के अंत में हांगचो से रवाना हुए और हांगचो पहुंचे।

जनवरी का महीना, और वे चार अनाथ बच्चे जिन्हें उन्होंने रास्ते में साथ ले लिया था।

उनके साथ छोटे बच्चे थे।

मुलान ने आठवीं रूट आर्मी के प्रमुख के पते पर एक टेलीग्राम भेजा।

कुछ चौथाई राशि चेन सान को भेजी जानी थी। यह कहना मुश्किल था कि कैसे।

उस तक पहुँचने में कितना समय लगेगा, यह इस बात की मुख्य विशेषता है कि

गुरिल्लाओं की अत्यधिक गतिशीलता के कारण। लेकिन अतंग ने उन्हें आश्वासन दिया।

कि गुरिल्लाओं के पास टेलीफोन संचार की एक उत्तम प्रणाली थी।

अपने ही लोगों का समूह; वास्तव में, गुरिल्लाओं की पूरी आबादी

क्षेत्र उनकी संचार लाइनों के रूप में कार्य करते थे। यह प्रणाली ही उनकी संचार लाइनों का काम करती थी।

वह खुफिया जानकारी जो उनकी महान सफलता का आधार थी।

चेनमा की कहानी ने पुरानी यादें ताजा कर दीं, और जल्द ही

परिवार पुरानी यादों में खोया हुआ था, जबकि टैनी, एकमात्र सदस्य होने के नाते,

एक बाहरी व्यक्ति बैठा और सुनता रहा। मुलान अपने बच्चों को बता रही थी कि...

सगाई के दौरान सुन्या की शर्म।

^ “जब मैं गया तो तुम्हारे पंख ने मुझसे एक शब्द भी बोलने की हिम्मत नहीं की।”

उसका घर।"

हाँ, और तुम्हारी माँ पहले मेरे घर आने से बचती थी।

“उनकी सगाई हो चुकी थी,” सुन्या ने जवाब दिया। “अब हालात बदल गए हैं।”

*टी आपके घर गया था। क्या आपको याद है जब तिजेन वहाँ था?

मैं इंग्लैंड जा रहा था, और मैं आपके घर गया, और आपने मुझसे पूछा

अगर मुझे इंग्लैंड ले जाया जाए, और तुम्हारा मल पूरी तरह से लाल हो जाए तो?

“तिजेन कौन है?” तानी ने अपने बगल में बैठी अमेई से फुसफुसाते हुए पूछा।

“तिजेन मेरी माँ का भाई है, पोया का पंख है,” एएमएच ने उत्तर दिया।

“क्या यह सच है? पिताजी? क्या आप माँ को देखकर शरमा गए थे?” अमेल ने पूछा।

"वह मुझसे ज़्यादा शरमा गई," सुन्या ने जवाब दिया। "वह सच में शरमा गई थी।"

वह खुद ही बाहर आती थी और जब मैं उसे बुलाने जाता था तो वह मुझसे मिलने नहीं आती थी।

नव वर्ष के दिन अपने माता-पिता को।

टैनी चुपचाप परिवार की हंसी-मजाक का आनंद ले रही थी।

अतंग उसकी बहुत अच्छी तरह से देखभाल करता था।

"मैंने माँ को कहते सुना कि तुम हमारे पेइपिंग वाले घर में ठहरे हुए हो।"

उसने कहा।

टान्नी ने सिर हिलाया।

"क्या घर ठीक था, क्या उस पर जापानियों का कब्जा नहीं था?"

आखिरकार टैनी को कुछ कहने का मौका मिला। उसने उन्हें बताया

जब वह घर से निकली तो घर ठीक था, और फिर उससे पूछा गया

शंघाई में उनके रिश्तेदारों के बारे में प्रश्न। प्रश्नकर्ता

वह लगातार "विवाह द्वारा दूसरी मौसी" शब्दों का प्रयोग करती थी।

और "विवाह द्वारा दूसरी बुआ" होने के कारण, उनका समय काफी व्यस्त रहा।

रिश्तों को सुव्यवस्थित रखना। यह रोमांचक और आकर्षक था।

उसके लिए इन रिश्तेदारों को इस तरह संबोधित किया जाना, बजाय इसके कि उन्हें किसी और तरीके से संबोधित किया जाए, उसके लिए कष्टदायक था।

बाहरी लोगों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला संबोधन, और उसे इस बात पर गर्व महसूस होता था।

याओ और त्सेंग रिश्तेदारों के बीच समाचार पहुंचाने वाला।

यह उनके लिए कुल मिलाकर एक दिल को छू लेने वाला अनुभव था।

अमेई ने पूछा, "सबसे बड़ी बहन कैसी थीं?"

तानी असमंजस में थी। "उसका मतलब पोया की पत्नी, बीकैनान से है।"

मुलान ने थोड़ी धीमी आवाज़ में कहा। उसने केवल अपने

पति को पोया के साथ जटिल अफ़िकिर के बारे में, जैसा कि अफ़ेई ने बताया था।

उसने यह बात उसे लिखे पत्र में कही थी।

कुछ पल की झिझक के बाद, टैनी ने एक अजीब सी मुस्कान के साथ कहा,

मैंने उससे लगभग एक हफ्ते पहले ही बात की थी। जब किसी ने पूछा नहीं

इसके अलावा, उसकी क्षणिक शर्मिंदगी दूर हो गई, और मुलान ने शुरू किया

अपने परिवार को यह बताने के लिए कि टान्नी शरणार्थी शिविर में क्या कर रही थी।

घर, जिसका उन्होंने उत्साहपूर्वक वर्णन किया। थोड़ी सी झिझक

टान्नी ने पहली मुलाकात में जो देखा था, वह गायब हो चुका था। मुलान ने अभी भी वही पहना हुआ था।

उसके बाल आगे की ओर बिखरे हुए थे और उसके हाथ और उंगलियां लगातार हिल रही थीं।

सुंदर भाव-भंगिमाओं में।

दोपहर के भोजन के बाद, मुलान तानी को अपने कमरे में ले गई, जहाँ वह

उसने जर्जर फर्नीचर के लिए माफी मांगी और बताया कि उसने ऐसा नहीं किया था।

पता नहीं वे हैंकोव में कितने दिन रुकेंगे। फिर भी

एक छोटा सा साफ-सुथरा कमरा, जिसकी पूर्वी दिशा वाली खिड़की से कई दृश्य दिखाई देते हैं।

आड़ू के पेड़ आंशिक रूप से खिल चुके हैं, जिससे हवा में हल्की सी खुशबू फैल रही है।

खुशबू। खिड़की के सामने एक मेज थी, जिस पर कई चीजें रखी थीं।

सुलेख की छाप वाली किताबें और एल्बम फैले हुए थे।

2 ?^

उस पर, बाहर की पत्तियों से परावर्तित हरी रोशनी पड़ रही थी।

टैनी अपनी सबसे अच्छी गाउन पहनकर आई थी, जो ग्रे ऊनी कपड़े की थी।

लैवेंडर की सजावट जिसे पोया ने उसके लिए डिज़ाइन किया था और जो

हैंकोव पहुंचने के बाद से उसका वजन नहीं बढ़ा था। उसके लंबे बालों के नीचे

उसकी आस्तीनों से उसका जेड का कंगन दिखाई दे रहा था।

मुइम ने इसे देखा और पूछा, "क्या तुम्हें जेड पसंद है?"

“हाँ। लेकिन मैंने इसे बचपन में पहना था और अब मैं इसे नहीं पहन

सकती।”

इसे बंद कर दो।

झिझकते हुए और अभी भी पूरी तरह सहज न होते हुए, टैनी ने पन्ने पलटे।

सुलेख एल्बम।

“क्या आप वेई शिलालेखों का अध्ययन कर रहे हैं?”

मैं जब भी समय मिलता है, उन्हें देखता हूँ। कभी-कभी मैं पंद्रह मिनट के लिए देखता हूँ।

दोपहर के भोजन के बाद व्यायाम करें। यह शरीर को स्वस्थ और संतुलित रखने के लिए बहुत अच्छा है।

उनकी आत्मा को देखकर, मानो हम किसी दूसरी दुनिया में लौट गए हों।

लेकिन मुझे लगा था कि वेई शिलालेखों की नकल करना केवल

पुरुषों के लिए, पुराने सेवानिवृत्त schokrsi”

मुलान मुस्कुराई और आगे बोली, “अपनी जवानी में मैं प्रशंसा करती थी

चेंग सियाओशु का साहसिक और शक्तिशाली प्रहार। लेकिन बाद में मैंने इसे देखा।

इसमें मेरे लिए कुछ ज़्यादा ही जोश था। आख़िरकार, यह एक कामुक प्रकार का है।

सुंदरता, शरीर की संपूर्ण गतिशीलता और कोमलता। फिर मैं अंदर चला गया।

4e के लिए प्राचीन, अति-संवेदी स्वाद, वेई रबिंग का।

लेकिन इस तरह की सुंदरता को हासिल करना कहीं अधिक कठिन है।

अब मुलान ने तानी से अपने भाई के बारे में पूछना शुरू किया।

उसने अपने पत्र में इसके बारे में लिखा था। "मुझसे डरो मत," उसने कहा।

उन्होंने कहा, "हो सकता है मैं आपकी मदद कर सकूं।"

• मुलान की स्पष्ट दयालुता से प्रभावित होकर, टैनी धीरे-धीरे

उन्होंने अपने और पोया के बारे में कुछ सवालों के जवाब दिए। उनकी कहानी...

गद्दारों के साथ उनके पुराने संबंधों ने मुलान की दिलचस्पी जगा दी, और

उसकी शर्मीली, झिझकती हुई आवाज़ ने मुलान को उसके करीब खींच लिया।

उसे तुरंत राहत मिली जब उसे पता चला कि मुलान कामन को पसंद नहीं करती थी।

“मेरी जैसी लड़की के लिए यह मुश्किल है। कुछ न कुछ तो हमेशा हो ही जाता है।

मुझे महिलाओं से डर लगता है।

मु लैन ने एक मजाकिया मुस्कान के साथ कहा, "प्यार में पड़ी हर औरत

डरती है..."

अन्य महिलाएं।"

हाँ, लेकिन मेरा मतलब इससे कहीं अधिक है। मेरा मतलब महिलाओं के प्रति सामाजिक पूर्वाग्रहों से है।

वे हमेशा मुझे कंपकंपी दिलाते हैं। मुझे पता है कि मैं मॉडरेटर नहीं रहा हूँ।

आम तौर पर महिला के अर्थ में। मैंने एमवी में मूर्खतापूर्ण काम किए हैं।

युवा। ..."®

"जवानी में कुछ फिजोलिश काम करने चाहिए," मुलान ने कहा।

उन्होंने वो सब खाया जिससे आपको युवा और ऊर्जावान महसूस होता है जब आप tbinlr करते हैं

आपके शांत बुढ़ापे में उनके बारे में, मेरी उम्र अब चालीस से अधिक हो गई है। काश

मैंने जवानी में कई ऐसी नादानियां की थीं ताकि उन्हें यादों के लिए सहेज कर रख सकूं।

मेरे जीवन के अंतिम दिनों में।

तन्नी उस विचित्र मुस्कान से आश्चर्यचकित और चकित थी

मुलान के होंठ।

“लेकिन तुम तो बिल्कुल अलग हो!” उसने लगभग विरोध करते हुए कहा। “तुममें ये बात थी।”

आपका परिवार।"

“मैं उतना अलग नहीं हूँ जितना आप सोचते हैं। मेरा भी रोमांस था — उप-

जबरदस्ती का रोमांस। उन दिनों ऐसा ही होता था।

उसने तानी की ओर स्नेह भरी नज़र से देखा। "मिस पेंग, आपमें प्यार है, बहुत बढ़िया!"

प्यार।"

टैनी ने ऊपर देखा। “कृपया मुझे टैनी कहकर बुलाइए। आप पहले व्यक्ति हैं।”

वह महिला जिसके मन में मेरे प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है।"

“तुम्हें देखने के बाद मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ? मुझे तो ऐसी लड़कियाँ पसंद हैं जिनमें जोश हो।”

और उनमें थोड़ा रोमांस भी है, और जो असामान्य हैं और बिल्कुल अलग हैं।

बिल्कुल सही। मुझे लगता है कि मैंने यह अपने माता-पिता से सीखा है।

मैंने पेइपिंग में आपके पैतृक घर में आपके पिता का चित्र देखा।

“हाँ, वह एक महान व्यक्ति थे, और वह एक ताओवादी थे। एक ताओवादी वह होता है जो...

वह व्यक्ति जिसमें कोई सामाजिक पूर्वाग्रह नहीं है। मैंने उससे बहुत कुछ सीखा है।

मेरा पंख।"

“आप एक बहुत ही असामान्य परिवार हैं। आप और पोया में एक जैसी समानताएं हैं।

उनकी व्यापक सोच। शायद यही बात मुझे उनकी ओर आकर्षित करती है।

"हाँ, हमारे परिवार में रोमांस का एक अंश है - मेरे अलावा सभी में।"

बहन मोचो।

टैनी के लिए यह खोज उसकी यात्रा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण थी।

याओ के घर। पेइपिंग में उसने जो देखा था और जिसकी वह प्रशंसा करती थी।

राजकुमार का बगीचा, लेकिन अब उसने मुलान में एक बेटी और एक

याओ परिवार की आत्मा। और मुलान के घर से निकलने से पहले।

पोया से शादी करने के लिए मुलान की सहमति प्राप्त थी।

“पोया के अन्य रिश्तेदार क्या कहेंगे?” उसने पूछा।

“पोया स्वतंत्र है। बाकी लोगों को कुछ नहीं कहना है।”

“वह सिर्फ मेरी बात सुनता है,” मुलान ने मुस्कुराते हुए कहा।

लाओ पेंग के घर आते ही टैनी की आत्मा प्रसन्न थी।

पार्टी अभी थिएटर से वापस नहीं आई थी। वेटर

उन्होंने उसे लाओ पेंग की नियमित आगंतुक के रूप में पहचाना और उसे प्रवेश दिया।

उसका कमरा। वह एक कुर्सी पर बैठ गई, निराशा से अभिभूत होकर-

मुलान की रिहाई से बेहद खुश, परिवार को

उन्होंने उसके साथ बहुत ही प्यार से व्यवहार किया। यह पारंपरिक व्यवहार से बिल्कुल अलग था।

fliRrriTninatirn ij the iusultiug innu endoes of men and that “look

उन पत्नियों की जिन्हें वह इतने लंबे समय से जानती थी।

वह मुकन की पूजा करती थी। लेकिन दो रहस्य थे जो वह छिपाती थी।

वह मुलान को बता नहीं सकती थी और बताना भी नहीं चाहती थी। एक कारण उसकी गर्भावस्था थी।

दूसरी बात यह थी कि लाओ पेंग के साथ क्या हुआ था।

जब उसने लाओ पेंग के बारे में सोचा तो उसे कोमलता और बहुत दुख महसूस हुआ।

इस महान हृदय वाले व्यक्ति के लिए अब कोई प्रश्न नहीं है

उसने निस्वार्थ भाव से खुद को रास्ते से हटा लिया, ठीक उसी तरह जैसे उसने पेशकश की थी।

पोया शब्द आने से पहले, उसके नाम की रक्षा की गई थी।

उसकी ओर से आत्म-बलिदान का दूर-दूर तक कोई संकेत नहीं मिला। फिर भी वह

जानती थी। उसके अनकहे स्नेह के बदले वह क्या कर सकती थी?

क्या वह महिलाओं के प्रति उसके प्रतिरोध के बारे में बहुत अधिक आश्वस्त थी?

उन वर्षों ने उन्हें अलग कर दिया था? क्या वह कुछ ज्यादा ही स्नेहपूर्ण थी?

क्या उसे उसके प्रति स्नेहपूर्ण बने रहना चाहिए? वह पूरी शिद्दत से

आशा थी कि शादी के बाद भी लाओ पेंग एक हिस्सा बनी रह सकती है।

परिवार की, जैसा कि वह हमेशा से चाहती थी।

कुछ ही देर में उसे गोल्ड लक और युमेई की हंसने की आवाजें सुनाई दीं।

जो लाओ पेंग के साथ आए थे।

युमेई और गोल्ड लक के लिए इसे छुट्टी का दिन बनाने के लिए वे एक जगह गए।

वे रात के खाने के लिए रेस्तरां गए। उन्होंने फोईड पेपर और स्टीम्ड ऑर्डर किया।

कछुआ, जिसके लिए iWkow प्रसिद्ध था।

लाओ पेंग के पास युद्ध से जुड़ी कुछ खबरें थीं। युद्ध में बहुत बड़ी तबाही

हुई थी।

ताइरचुआंग के पूर्व में शानतुंग में यूनी पर जीत। जनरल यू

त्सुंगजेन की जीत की टेलीग्राफिक रिपोर्ट छपी थी।

अखबारों के अतिरिक्त अंक जो सड़कों पर बेचे जा रहे थे।

“क्या तुम सचमुच उत्तर की ओर जा रहे हो?” टैनी ने पूछा।

दादी चाओ लगभग एक हफ्ते में ऊपर जा रही हैं।

येलो रिवर के उत्तर में होपई-होनान सीमा तक।

लेकिन ह्सुचोव के आसपास एक बड़ा संघर्ष पनप रहा है, और यह सब देखने के बाद

दादी चाओ के साथ गुरिल्ला, मैं वहाँ जा रहा हूँ,

लुंघाई रेलवे।"

"क्या पोया के आने पर आप वापस आ जाएँगे? वह मई में आएगा।"

"मुझे ऐसा लगता है।"

*‘अंक पेंग, आपको याद रखना चाहिए कि हमें कितनी परेशानी हुई थी जब

तुम हमें छोड़कर नानकिंग चले गए। तुम पोया देखना चाहोगे, और

कुछ न कुछ घटित होगा।” वह ठीक से यह नहीं बता सकी कि क्या होगा।

उसके मन में यही बात थी कि शादी जल्द से जल्द होनी चाहिए।

संभव है कि कुछ अजीब चीजें सामने आ सकें और

तलाक की व्यवस्था करने के लिए। उसे उसकी मदद की ज़रूरत होगी, और वह चाहती थी

उसे उसकी शादी में।

“बेशक मैं तुम्हारी शादी में आऊंगा,” टैन पेंग ने कहा, मानो

उसने उसकी आँखों में चिंता के भाव पढ़ लिए थे।

उसने कृतज्ञता के भाव से उसकी ओर देखा और

और दया की भावना भी, ठीक वैसे ही जैसे सोने से सजी बुद्ध प्रतिमा ने उस पर दृष्टि डाली थी।

ऊपर से पैरों की धमक और बेहद कर्कश आवाजें आ रही थीं।

हँसी। लाओ पेंग ने छत की ओर देखा और हँस पड़ा।

"तुम्हें बैटडेस्नेक याद है?"

“हां, बिल्कुल,” टैनी ने कहा।

“ऊपर रैटलस्नेक है। हम उससे सीढ़ियों पर मिले थे।

आज दोपहर।"

“तुम उसे पहचान नहीं पाओगी,” युमेई ने बीच में कहा। “उसने कपड़े पहने हुए थे।”

पूरी वर्दी में था और साथ में एक बड़ी छड़ी भी लिए हुए था। उंडे पेंग

मैंने उसे उसकी आवाज से पहचान लिया।

लाओ पेंग ने कहा, "वह कहता है कि वह छुट्टी पर है, लेकिन किसी को पता नहीं है।"

वह अब एक तरह का अधिकारी बन गया है, हमेशा की तरह अकड़ दिखाता है, बेहद गर्वित।

वर्दी पहने एक मोर, उसके पीछे एक सैनिक, और दहाड़ते हुए

मैंने वेटरों पर दाएं-बाएं देखा। उसने मुझे एक मनगढ़ंत कहानी सुनाई।

कॉरिडोर आईयू में हर कोई हीटिंग कर रहा है। युमेई, तुम बताओ।

युमेई कहानी सुनाने के लिए बेताब थी। "किसी को नहीं पता कि क्या होगा।"

यह सच है या नहीं, लेकिन वह एक अधिकारी है, यह मैंने देखा। उसने कहा कि

दुश्मन के वापस आकर होसिवू गांव को जलाने के बाद,

उन्होंने युवकों के एक समूह का नेतृत्व किया और गुरिल्लाओं में शामिल हो गए। उन्होंने कहा।

जब उन्होंने जापानियों के कब्जे वाले एक शहर पर छापा मारा, तो उसने उन्हें मार डाला।

सूअर। जब जापानियों ने जवाबी हमला किया, तो उसने लड़ते हुए अपना

रास्ता बनाया।

उसने अकेले ही अपने बड़े चाकू से तीस या चालीस अन्य लोगों को मार डाला।

लेकिन वह अपने साथियों के पास वापस नहीं लौटा। उसने कहा, 'मैं बस आराम करना चाहता था।'

कुछ दिनों बाद मेरे आदमियों ने मुझे मरा हुआ समझ लिया, उन्हें लगा कि मैं

मारा गया। मारा गया? क्या लो टाको को इतनी आसानी से मारा जा सकता है? मैंने तो बस

मैं जहाँ जाना चाहता था, वहाँ चला गया। जब मैं एक हफ्ते बाद लौटा, तो मुझे पता चला कि

मेरे आदमियों ने मोमबत्तियों और एक अन्य वस्तु के साथ मेरे लिए एक स्मारक सेवा आयोजित की।

सूअर और भेड़ का वध किया गया। मैं बस अंदर गया और बोला, 'हेलो,

ब्रोमर्स, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? लो हाको तुम्हारे साथ यहाँ है।

मांस।" और मेरे आदमियों ने चिल्लाकर उसे एक लाल दावत में बदल दिया।'

अब वह दादी के चाओ बेटे, चाओ तुंग के साथ है। उनके बैंड

ग्रोवन, टेक्सास > पाँच हज़ार, और वे आठ जिलों में हैं।

border of Hopei, Honan, and Shansi provinces."

"यह अविश्वसनीय है," लाओ पेंग ने कहा। "वह आज दोपहर नशे में था।"

दोपहर। आप सुन सकते हैं कि वह कमरे में कैसे चिल्लाता और मौज-

मस्ती करता है।

ऊपर। मुझे नहीं पता कि उसे पैसा कहाँ से मिलता है। फिर भी वह कमाता है।

एक अच्छा योद्धा।

* «

> 1 :

297

यह अविश्वसनीय लग रहा था, लेकिन कियान सान को टेलीग्राम मिल गया।

पूर्वी शांसी के पहाड़ों में अपनी माँ के बारे में संदेश

मुलान द्वारा इसे हैंकोवर से भेजने के कुछ दिनों बाद, यूरोपीय संघ का जवाब कुछ दिनों में आया।

बाद में, उन्होंने अपनी अपार खुशी और अपने प्रियजनों को देखने की तीव्र इच्छा व्यक्त की।

उसने अपनी बूढ़ी माँ और इम्के को अपने पितृहीनता के पापों के लिए दंडित किया। उसने कहा कि

हुआन-एरह के साथ तुरंत आने लगा, "तारों भरी रात में,"

लेकिन वे मेडन पास के पास थे, पहाड़ी क्षेत्र की रखवाली कर रहे थे।

होपेई और शांसी के बीच की सीमा। संचार व्यवस्था खराब थी।

और वहाँ कई दुश्मन सैनिक थे, और उनकी संख्या दस या बारह हो सकती थी।

रेलवे स्टेशन तक पहुँचने में उन्हें कई दिन लग गए। लेकिन वे यात्रा करेंगे।

दिन-रात।

टेलीग्राम मिलने पर मुलान ने लाओ पेंग को संदेश भेजा।

होटल। यह उत्तर की ओर उनके प्रस्थान से एक रात पहले की बात है, और

तानी और उसकी सहेलियाँ, चिउहू और तुआन वेन, यहाँ आई थीं।

उसे विदाई पार्टी दो।

अगर आपको बैंक में खाता खोलने की आवश्यकता हो तो आपके लिए एक खाता उपलब्ध है।

"शरणार्थियों के घर के लिए पैसों की जरूरत होगी," लाओ पेंग ने तानी से कहा।

और चिउहू और मिस तुआन, आपको उससे जितनी बार हो सके उतनी बार मिलना चाहिए।

“उसकी संगति बनाए रखने के लिए,” उसने चौथी या पाँचवीं बार उनसे कहा।

समय।

"मुझे जरूर लिखना," टैनी ने कहा। "मुझे तुम्हारी चिंता होगी।"

आप।"

“टी करेगा,” उसने थोड़ी उदास आवाज़ में कहा। “लेकिन परेशान मत होइए।”

कल मुझे विदा करने आना। मैं तुम्हारे साथ जा रहा हूँ।

दादी चाओ और उनका परिवार और मैं अच्छी तरह से देखभाल करेंगे।

का।"

लेकिन अगले दिन वे सभी स्टेशन गए, यहाँ तक कि वांग तमांग भी।

स्वयं, जिसने कहा कि वह अपने उपकारक को बिना किसी कारण के जाने नहीं दे सकती।

एक उचित विदाई के बाद वह शरणार्थियों का प्रतिनिधित्व करेंगी।

दादी चाओ को देखने के लिए एक बड़ी शोरगुल वाली भीड़ आई थी।

छात्र निकायों और अन्य संगठनों के उल्लेखों ने यह बात सामने लाई थी।

गुरिल्लाओं के लिए सूती कपड़ों और सूती वस्त्रों की भारी मात्रा।

टैनी ने पहली बार इस बूढ़ी औरत को देखा। वह उससे भी बड़ी थी।

वह देखने में किसी भी देहाती महिला जैसी लगती थी, लेकिन उसका चेहरा...

वह मुस्कुराती हुई नजर आ रही थी और उसकी आवाज में यौवन का जोश झलक रहा था।

टैनी को उसके बेटे और बेटी से मिलवाया गया और वह बहुत खुश हुई।

जब उसने जीकेएल, लिजेन से हाथ मिलाया, जो जा रही थी, तो वह

भावुक हो गई।

आगे की ओर।

वहाँ रैटलस्नेक भी था, जो कार के प्लेटफॉर्म पर खड़ा था।

वर्दी पहने, मुंह में सिगार लिए, और हाथ में छड़ी पकड़े हुए, झुककर अभिवादन करते हुए।

सभी को और मुझे बहुत खुशी है कि इतने सारे लोग आए थे।

उसे देखते जाना।

छात्रों के ब्रास बैंड ने एक धुन बजाई और माहौल खुशनुमा हो गया।

उत्साह से तनावग्रस्त। किसी ने दादी से कुछ बोलने को कहा।

शब्द। वह गई और रैटडेस्नेक के साथ बिल्ली के चबूतरे पर खड़ी हो गई।

वह अपनी पांच फीट दस इंच की लंबाई में उससे काफी ऊपर गर्व से खड़ा था।

देशभक्ति के प्रति इस सार्वजनिक श्रद्धांजलि की सारी महिमा में डूबे हुए।

और देश की सेवा। गुरिल्लाओं की माँ ने कहा:

एक ही गर्भ से जन्मे भाई-बहनों, मैं एक पुराना देश हूँ।

मैं स्त्री हूँ और कुछ नहीं जानती। मैं पढ़-लिख नहीं सकती। मुझे केवल इतना ही पता है।

जापान हमारे देश को नष्ट करना चाहता है, और हमें उससे लड़ना होगा।

जापान। मुझे पता है कि सभी आम लोगों को अपने देश से प्यार करना चाहिए।

मैं अपना देश हूं, और एक देशवासी महिला होने के नाते मैं केवल अपना कर्तव्य निभा रही हूं।

मेरे पति बहुत बूढ़े हैं। लेकिन मेरा बेटा और मेरी दोनों बेटियाँ ठीक हैं।

लड़ाई। पूर्वोत्तर में मंचूरिया में हमारी एक कहावत है, 'फाड़ दो'।

घर के नीचे जाकर चूहों को भगाओ। पूरी तरह से सफाई करो।

नौकरी।' मेरा एक और बेटा है; वह बहुत छोटा है, केवल चौदह साल का।

नहीं तो वह भी मेरे साथ आ जाता। मैंने बहुत पढ़ाई की है।

आपके उपहारों के लिए धन्यवाद। जनरल घकंग ने मुझे एक हजार डॉलर दिए हैं।

अगर हमें और पैसे या सामान की ज़रूरत होगी, तो मैं आपके पास वापस आऊँगा।

इसके लिए।"

ये सरल शब्द इस व्यक्ति द्वारा हर्षोल्लास साहस के साथ कहे गए थे

एक बूढ़ी औरत, अपनी उम्र में मोर्चे पर जा रही थी, उसने अपनी गति बढ़ाई।

उसने सुनने वालों को चुप करा दिया और उनमें से कुछ को शर्मिंदा कर दिया। जब वह

समाप्त होने पर, एक लड़की नेता ने दादी चाओ और अन्य लोगों के लिए जयकारे लगाने का आह्वान किया।

गुरिल्लाओं के बाद चीन की जीत पर जोरदार जयकार हुई।

गुरिल्लाओं की मां ने मुस्कुराते हुए उन्हें सिर हिलाकर अभिवादन किया और मुड़ गई।

गाड़ी में बैठकर चले गए।

कार प्लेटफॉर्म पर अकेला छोड़ा गया रैटडेस्नेक चारों ओर का जायजा ले रहा था।

मैंने श्रोताओं से कहा, "मैं, आपका छोटा भाई," और अपना गला दबाकर बोला, "मैं,

भाई, मैं भी पढ़-लिख नहीं सकता... दा हेमी तुम्हारा छोटा भाई

भाई, देखो, बड़ा भाई, तुम्हारा छोटा भाई। ..."

लेकिन उसकी आवाज शोरगुल में दब गई, और ड्रडे

कार प्लेटफॉर्म के आसपास का हिस्सा खिसक गया था। लाओ पेंग ने कहा कि

दादी चाओ के बेटे ने रैटलस्नेक को हैंकोव छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था।

क्योंकि वह एफटीएलएसई पर गुरिल्लाओं के लिए पैसे इकट्ठा कर रहा था

वह ढोंग करता था और महिलाओं के साथ बहुत दुर्व्यवहार करता था।

सीटी बजी। लाओ पेंग ने उन सभी से हाथ मिलाया।

उसके गाल नम और चमक रहे थे, और उसने अपने लंबे, झुके हुए शरीर को झुलाया।

बिना मुड़े गाड़ी में बैठ जाना।

ट्रेन स्टेशन से निकलने लगी। लाओ पेंग का मल

एक खिड़की से अपील की। टैनी पहले चली और फिर कार के साथ दौड़ने लगी।

उसकी आँखें नम थीं।

* *

*

युमेई की मौजूदगी के बावजूद, तानी को अचानक एहसास हुआ कि वह अकेली है।

और अन्य लोगों पर शरणार्थियों की भारी जिम्मेदारी है।

मैं वापस होटल गया और कुछ किताबें और कुछ सामान इकट्ठा किया।

लाओ पेंग द्वारा छोड़े गए कपड़े। फिर उसने अपने साथियों को भेजा

घर की जिम्मेदारी किउहू को सौंप दी गई और वह मुलान से मिलने गया।

मुलान का पूरा परिवार घर पर था, और उसने उन्हें सारी बात बताई।

श्री पेंग और गुरिल्लाओं की मां का प्रस्थान।

और जब उसके जाने का समय आया, तो मुलान ने स्वम्या से पूछा कि

उन्होंने उसका साथ दिया और अपनी बेटी अमेई को भी उनके साथ चलने के लिए कहा।

तो तानी, सुन्या और अमेई के साथ रवाना हो गई। नौका पर उन्हें एक आवाज़ सुनाई दी।

लड़कियों का एक समूह "टोर चाइना कैन नॉट पेरिश" गा रहा है। दृश्य के बाद

स्टेशन पर पहुँचकर, जब टान्नी ने यह सुना तो उसकी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई।

धुन और शब्द Chmˆsuo pubam wang फिर से दोहराए गए

और फिर।

उसे सुन्या मिलनसार और सहज स्वभाव की लगी, और उसे उसके साथ समय बिताना अच्छा लगा।

मैं अमेई से बात कर रही थी, जो एक शर्मीली और संवेदनशील लड़की थी। उसने thpm लिया।

मोटाओचुआन, यानी "चाकू तेज करने वाले झरने" को देखने के लिए, जो कि

शरणार्थी गृह से मात्र एक मील दूर। यही वह स्थान था... जहाँ

तीन सबसे लोकप्रिय सैनिक-नायकों में से एक कुआन कुंग है।

चीनी लोगों द्वारा युद्ध के देवता के रूप में पूजे जाने वाले इस देवता को और भी तीक्ष्ण बनाया गया।

उसका "ग्रीन-ड्रैगन स्लीपिंग-मून बिग नाइफ," और साफ-सुथरा था

उनके लिए एक मंदिर।

जब वे घर पहुंचे, तो चिउहू ने उनका स्वागत किया और उनसे बातचीत की।

"पिनपिन की हालत और खराब होती जा रही है।"

"क्या इंजेक्शन से उसे कोई फायदा नहीं हुआ?" टैनी ने चिंता से पूछा।

मैंने उसे केवल ग्लूकोज दिया। एक नई अमेरिकी दवा उपलब्ध है-

लेकिन इसकी एक खुराक की कीमत लगभग बीस डॉलर है।"

"लागत की परवाह मत करो। हमें यह चाहिए ही चाहिए।"

वे बीमार बच्चे को देखने अंदर गए, और सुन्या और अमेई

उन्हें अंदर ले आया। पंख, एनटी. कु, जेवीडीएसटीडी के पास बैठा था।

जर्जर और दयनीय। उसके हाथ-पैर बहुत पतले थे।

और एक बूढ़े बीमार व्यक्ति की तरह दुबली-पतली। लेकिन उसका मल बढ़ गया था।

अधिक आध्यात्मिक।

चिउहू ने पंख से कहा, "मेरे बच्चे की जान बचाओ। क्या कर सकते हो?"

क्या हम उसे अस्पताल भेजें?

चिउहू ने अपना सिर हिलाया। "उसे बिल्कुल भी विचलित नहीं होना चाहिए।"

और अस्पताल इस जगह जितना शांत या व्यवस्थित नहीं है।

घायल सैनिकों से खचाखच भरा हुआ। यहाँ मैं एमएमएफ कर सकता हूँ और

मैं उसे हर दिन देखती हूँ, और एक अच्छी दवा है, जो बहुत महंगी है, लेकिन

दया की देवी ने कहा है कि वह इसकी कीमत चुकाएगी।

दूसरे ने टैनी की ओर देखा, उसकी आँखों में मौन कृतज्ञता भरी हुई थी।

"हमारे जाने के बाद से इस बच्ची ने बहुत कष्ट झेला है। मैंने उसे खो दिया है।"

बड़े भाई, आपको उसे बचाना होगा।

पिनपिन ने आगंतुकों को देखकर मुस्कुराया। टैनी उसके पास गई और उसके पास खड़ी हो गई।

उसका छोटा, पतला हाथ, पतली उंगलियों वाला, प्याज की तरह सफेद।

वह छोटा हाथ तन्नी की पकड़ में बेजान पड़ा था।

"क्या तुम मुझे फिर से चुटकी काटना चाहते हो?" टैनी ने पूछा। पिन पिन

के लिए

वह टान्नी को लगभग अपनी पत्नी की तरह मानने लगी थी। वह अक्सर खेलती थी।

टान्नी के एटीएम पर ब्रेसलेट के साथ, उसने उसके हरे पारदर्शी हिस्से को घूर कर देखा।

चमक। एक बार पिनपिन ने टान्नी की कलाई पर चुटकी काट ली थी।

वह अपने पंख से बात कर रही थी, और टैनी डब्ल्यू ने इसकी अनुमति दे दी। इसलिए ऐसा हुआ।

यह बच्चे के लिए एक खेल और उसे खुश करने का एक आसान तरीका बन गया।

टान्नी के लिए यहाँ।

पिनपिन का हाथ कंगन को ढूंढ रहा था और उसने पिंडा टैनी को पकड़ने की कोशिश की।

फिर उसने दोबारा मुस्कुराते हुए खुशी से कहा। लेकिन अब उसकी उंगलियां कमजोर पड़ गई थीं।

"और ज़ोर से चुटकी लो।"

मैं नहीं कर सकती* उसकी छोटी उंगलियां शिथिल हो गईं और गतिहीन हो गईं।

मुझे ईमानदारी से बताओ, क्या मैं मरने वाला हूँ?

सच कहूँ तो, आप नहीं हैं। चिउहू सीबीबेबउब आपको एक नया देगा।

यह दवा किसी जादू जैसी है। यह अमेरिका से आती है।

"यह बहुत महंगा होगा।"

यह बहुत महंगा है। इसीलिए यह अच्छा होना चाहिए।

"इसकी कीमत कितनी होती है?"

"लगभग बीस डॉलर प्रति खुराक।"

“तो फिर यह बहुत अच्छी दवा होगी,” बच्चे ने धीरे से कहा।

लेकिन हम इसके लिए भुगतान नहीं कर सकते।

“तुम्हें चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैं तुम्हारे लिए भुगतान करूँगा। मैं किसी भी चीज़ के लिए भुगतान करूँगा।”

पिनपिन को खुश करने के लिए कुछ करना होगा। तुम ठीक होना चाहते हो, है ना?

"हां, मैं ठीक होना चाहता हूं और बड़ा होकर आपकी तरह बनना चाहता हूं," उसने कहा।

वह धीरे-धीरे, एक-एक शब्द करके पढ़ता गया और आठवें पर रुक गया।

पाठक की पुस्तक। मैंने नौवें अध्याय में दिए गए चित्रों को देखा।

दसवीं किताब जो मेरे बड़े भाई के पास घर पर थी। उसने मुझे बताया

कुछ कहानियाँ हैं, लेकिन मैं उन्हें खुद पढ़ना चाहती हूँ बहन।

दया की देवी, मैं बहुत कुछ करना चाहती हूँ।

जब मैं बड़ा हो जाऊँगा।"

“तुम्हें ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए,” टैनी ने धीरे से फुसफुसाते हुए कहा।

उसे।

नहीं, मुझे आपको बताना होगा कि मेरे मन में क्या है। बहन देवी

मर्सी, तुमने वादा किया था कि युद्ध खत्म होने पर तुम हमारे घर आओगी।

मैंने रात के खाने का इंतज़ाम कर लिया है। इसमें वाइन के साथ परोसे जाने वाले केकड़े और हमारे व्यंजन होंगे।

चिनकियांग सियाक्जो और मैं अपनी सबसे बड़ी मुर्गी को मारेंगे। मुझे पता है कहाँ।

मैं तुम्हें, अपने पिता, पिएंत्से और अपने बड़े भाई को बिठाऊँगा।

अगर हम उसे ढूंढ लेते हैं। हमारी चौकोर मेज पर पाँच सीटें होंगी, लेकिन

मैं आपके साथ एक ही पक्ष में रहूंगा। और मैं लाल रंग के कपड़े पहनूंगा।

मैं आपके सम्मान में अपने बालों में एक चमेली का फूल लगा लूँगी। और हम बैठेंगे और

सूर्यास्त को देखो। वहां का सूर्यास्त हमेशा ही शानदार होता है।

बच्चे को अचानक ये बातें कहने की हिम्मत मिली क्योंकि

वे उसके हृदय में बसे थे, और अब वह हांफती हुई लेटी थी, उसकी आध्यात्मिक आँखें

कई ऐसी चीजें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं जो दूसरों को दिखाई नहीं दे रही थीं।

मैं तुम्हारे खाने पर आऊंगा। लेकिन तुम्हें बहुत शांति से आराम करना होगा।

कल नई अमेरिकी दवा आ जाएगी।

“पहले आप मेरे लिए भुगतान कीजिए, क्योंकि मैं जीना चाहता हूँ। मैं आपको समय आने पर चुका दूँगा।”

मैं बड़ा हो जाऊंगा, मैं ऐसा करूंगा।

टान्नी ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए।

"तुम रो रही हो," चूड ने कहा। "क्यों रो रही हो? बहन?"

दया की देवी?

तानी ने अपनी आँखें पोंछीं और मुस्कुराई। "क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूँ और हूँ।"

आपके लिए खुशी की बात है। नई मेडिडने आपके लिए अच्छी साबित

होगी।

मैंने आपको बता दिया है कि मैं क्या करना चाहता हूँ। अब मैं सोऊंगा।

पिनपिन की आंखें बंद हो गईं। जब उसकी बड़ी-बड़ी गहरी आंखें खुलीं तो...

ऐसा लग रहा था मानो उसका पूरा मल ही वहीं जमा हो, और कुछ दिखाई ही न दे रहा हो।

लेकिन अब उसकी नुकीली और धारदार नाक उसके शरीर से काफी ऊपर उभर कर दिखाई दे रही थी।

पीला धी^, स्पष्ट रूप से सांस लेना, मरना, वह सांस जिसने चिंगारी को बरकरार रखा

जीवन की चमक। एक बार उसे दर्दनाक खांसी हुई और उसकी बड़ी-बड़ी आँखें

आँखें खुलीं, और तान्नी झुकी और उसे थपथपाया और अपनी आँखें बंद कर लीं।

अपने हाथ से।

अगले दिन चूहू आरएनएमएफ युक्त नई दवा लेकर आई।

समुद्र के उस पार सात हजार मील दूर एक ऐसा देश है जहाँ पिनपिन रहता है।

मैंने इसके बारे में सिर्फ स्कूल में सुना था। इसने जादू की तरह काम किया, और उसके बाद

तीन दिनों में, उसकी भूख में सुधार हुआ, वह कम सुस्त महसूस करने लगी और

वह कमजोर हो गई थी, और उसकी ताकत धीरे-धीरे वापस आने लगी।

* *

*

लाओ पेंग के जाने के सात दिन बाद,

जापानियों ने एक बार फिर हैंको और वुचांग पर बमबारी की।

'302

हैनकोव पर आखिरी हवाई हमले के बाद से एक महीने से अधिक समय बीत चुका है।

चिन युद्ध का इतिहास, 27 मार्च का हमला

हैनकोव के ऊपर हुआ हमला उन हजारों हवाई हमलों में से एक था। पोया का

आंकड़े इसे "ए.आर. नंबर 529" या "561" के रूप में दिखा सकते हैं। लेकिन मानवीय

घटनाएँ आंकड़ों जितनी सरल नहीं होतीं। यह छापा, भले ही साधारण था,

और शायद हैंकोव के अधिकांश नागरिक इसे पहले ही भुला चुके हैं।

इससे तान्नी, लाओ पेंग और पोया के जीवन में बदलाव आया।

मानव जीवन अविश्वसनीय रूप से जटिल है। कुछ बमों का निर्माण किया गया।

ओसाका में, अमेरिकी तेल द्वारा उड़ाया गया, और एक गुच्छे पर गिरा दिया गया

वुचांग की चट्टानों ने एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को गहराई से प्रभावित किया,

अब वह होनान में पाँच सौ मील दूर था और एक युवक...

कुनमिंग जाने वाली सड़क पर हज़ार मील दूर, जैसा कि हम आगे देखेंगे।

बाद में।

उस मार्च के दिन कुछ बच्चे अलार्म बजने की शिकायत लेकर आए।

नदी के किनारे पर संकेत फहराया गया था, और जल्द ही एक लंबी सायरन बजने लगी।

इसकी पुष्टि हो गई। हमेशा की तरह, लोग जंगल में जाने की तैयारी करने लगे।

पीछे। पिनपिन के पिता हमेशा अपने बच्चों को सबसे पहले लेने आते थे।

दूर।

"पिनपिन का क्या हुआ?" उसने कुदुहू से पूछा।

उसे हिलना नहीं चाहिए।

हालांकि वह खुद भी घबराया हुआ था, फिर भी उसने वहीं रुकने का फैसला किया।

उसने अपनी नाजायज बेटी के साथ मिलकर छापा मारा।

लगभग दो बजे, सत्तर दुश्मन विमान कई बार आए।

लहरें उठ रही थीं। विमान-रोधी तोपें भारी गोलाबारी कर रही थीं।

आकाश में, विमान चार हजार मीटर से ऊपर की ऊंचाई पर उड़ते रहे और

हैंकोव और वुचांग पर सैकड़ों बम गिराए गए।

दक्षिण झील और ह्सुचियापेंग और युचियातोऊ से टकराते हुए

कई जिलों में घरों को नष्ट कर दिया और कई लोगों को मार डाला।

एक बम ढलान से पचास गज नीचे हंगशान पर गिरा, इसलिए

उसके पास ही पूरा घर हिल गया और खिड़कियों के शीशे टूट गए।

चकनाचूर हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि एक बड़ी चट्टान उड़ गई।

अलग-अलग जगहों पर चालीस या पचास पाउंड वजन का एक टुकड़ा हवा में उछला और टकरा गया।

छत के एक कोने से गिरकर वह अंदर स्थित पत्थर के आंगन में जा गिरा।

पिनपिन अपने बिस्तर में दुबकी हुई थी, उसके पंख उसके कानों को ढके हुए थे।

अपने हाथों से, जब चट्टान छत तोड़कर अंदर घुसी और उसे भेज दिया

प्लास्टर गिरने से हवा में घनी, दम घोंटने वाली धूल भर गई।

अपनी पुरानी सहज प्रवृत्ति के चलते, कू ने अपनी बेटी को बाहों में कसकर पकड़ लिया और

गिरती हुई कड़ियों और आंखों में चकाचौंध कर देने वाली धूल के बीच से होते हुए खुले में जा सकते हैं

और वह जंगल की ओर चल पड़ा। उसके पैर कांप रहे थे और वह लड़खड़ा गया।

जैसे ही वह मिट्टी की सीढ़ियों पर चढ़ा, उसका शरीर ऊपर गिर गया।

आईओ}

डेटिट के शरीर को, लेकिन उसकी बाहें अब भी उसे कसकर पकड़े हुए थीं। धीरे-धीरे

वह उठा और बच्चे को गोद में उठाकर जंगल में ले गया।

धूल का एक ऊंचा स्तंभ अभी भी हवा में लटका हुआ था, जो उस स्थान से ऊपर उठ रहा था जहाँ से धूल निकल रही थी।

बम गिर चुका था, और एक और छोटा स्तंभ ऊपर उठा।

घर की छत।

“क्या हुआ है?” लोग चिल्लाने लगे।

श्री कु, बीमार बच्चे को अपनी बाहों में लिए हुए, इधर-उधर घूम रहे थे और

कांपते हुए, वह इतनी परेशान थी कि बोल नहीं पा रही थी। कंपनी में सन्नाटा छा गया।

“क्या पिनपिन को चोट लगी है?” टैनी ने अपने चेहरे पर शांति का भाव लाते हुए पूछा।

आवाज़।

“नहीं।” उसने बच्चे को ज़मीन पर लिटा दिया, वह हाँफ रहा था।

भय और परिश्रम। उसका मल पीला था, लेकिन डिल्ड का मल उससे भी अधिक पीला था।

हालांकि वह एकदम चुप थी। कुदुहू आया और उसने उसका हाथ छुआ।

बच्चे की आंखें भय से चौड़ी हो गईं। चिउहू और टान्नी बैठ गईं।

घास के पास जाकर उसे शांत करने की कोशिश की।

“वियर्स पिएंट्से?” पिनपिन ने अपने छोटे भाई के बारे में पूछा।

उन्होंने उससे कहा, "वह सुरक्षित है।"

विमान अभी भी ऊपर से गरज रहे थे और दूर से आती हुई एंटी-

विमानों की तोपों से लगातार गड़गड़ाहट की आवाज आसमान में गूंज रही थी।

घाटी में गूंज उठी। किसी की हिलने की हिम्मत नहीं हुई। अब कु को मिल गया।

बोलने के लिए शब्द। "किसी चीज़ ने हमारे घर पर ज़ोरदार धमाके के साथ टक्कर मारी।"

और छत नीचे गिर गई। मैंने पिनपिन को उठाया और भाग गया।

फिर वांग तमांग ने घर में जाने का साहस किया, और

उन्होंने यह रिपोर्ट दी कि केवल कुछ ही छत की कड़ियाँ गिरी थीं।

और एक आदमी की टोपी के आकार का पत्थर आंगन में आकर गिरा था।

शिलाखंड टूट रहे थे। ज़मीन धूल और टूटे हुए टुकड़ों से भरी हुई थी।

काँच।

उन्होंने कहा, "यह सौभाग्य की बात है कि किसी को चोट नहीं आई।"

वे एक घंटे तक बैठे और इंतजार करते रहे, टैनी ने पियूपिन का हाथ पकड़ रखा था।

हाथ। अचानक पिनपिन को खांसी आने लगी और खून की एक धारा बहने लगी।

उसके मुंह से तरल पदार्थ रिसने लगा, जिससे घास का रंग बदल गया। फिर वह लेट गई।

जोर-जोर से सांस लेना।

जब विमान चले गए और सब कुछ ठीक होने का संकेत मिल गया

श्री कु, जो वास्तव में एक बहुत ही विनम्र व्यक्ति थे, ने कहा, "मैं

उसे दोबारा उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता।"

इसलिए चिउहू और युमेई उसे धीरे-धीरे कदम दर कदम नीचे ले गईं।

ढलान से होते हुए, वह वापस अपने पिता के बिस्तर पर चली गई।

लोगों के दिल अब भी धड़क रहे थे। तनाव का माहौल छाया हुआ था।

घर। पिनपिन, जो अब आराम से बिस्तर पर लेटा हुआ था, सो गया।

अचेत।

टैनी और चिहू पिनपिन के साथ बैठे थे, उम्मीद कर रहे थे कि वह...

वह गहरी नींद में सो जाती। लेकिन उसके हाथ लगातार फड़कते रहते थे।

घबराहट से उसकी आंखें फिर से खुल गईं।

"टीब, मैं अब तुमसे विदा लेता हूँ। मैंने अभी-अभी वो को [मेरे बड़े भाई] को देखा है!"

मुझे पता है। ..."

लेकिन इससे पहले कि वह आगे बढ़ती, खून की एक और मोटी धारा बह निकली।

उसके होंठों के कोनों से बह निकला और रिसने लगा, जिससे दाग लग गए।

बिस्तर की चादरें। वह खाँसी कम करने के लिए उठकर बैठना चाहती थी, लेकिन

वह बहुत कमजोर थी और उसे सहारा देना पड़ा। लेकिन पल भर में ही उसकी हालत बिगड़ गई।

शरीर शिथिल हो गया और उसे धीरे से दोबारा लिटा दिया गया। वह लेटी

रही।

वह वहीं बेसुध पड़ी रही। उसकी बंद आँखों से कुछ आँसू छलक पड़े।

यह सिलसिला उस दोपहर के अधिकांश समय तक चलता रहा। टैनी बैठी रही।

घंटों की पीड़ा से गुज़रते हुए, मृत्यु को प्रत्यक्ष अनुभव करते हुए भी उसे स्वीकार करने से इनकार करते हुए

बच्चे की घबराहट भरी हरकतें एक चौथाई समय के लिए बंद हो जाती थीं।

एक घंटा और फिर से शुरू करें। चिउहू ने उसे मोर की थोड़ी सी खुराक दी।

पिएंट्से को कमरे से दूर रखा गया, और तीनों बैठे रहे।

चुपचाप, जीवन के बीच के उस मूक, नाटकीय संघर्ष को देखते हुए

और सोते हुए बच्चे की मृत्यु।

फिर, जैसे-जैसे दिन ढलता गया और शाम ढलने लगी, दोपहर के भोजन का समय आ गया।

घंटे भर में, बच्चा एक बार जागा और पूछा, "इतना अंधेरा क्यों है?"

उन्होंने कमरे को रोशन करने के लिए कुछ अतिरिक्त मोमबत्तियां जलाईं।

टैनी ने उसके होंठ हिलते हुए देखे। वह कुछ कहना चाहती थी।

टान्नी ने मोमबत्ती को अपने मल के पास रखा। उसकी आँखें खुल गईं।

लेकिन उनमें जो प्रकाश था वह दूरस्थ और अलौकिक था। उसने अपनी बात कही।

वह बहुत धीरे-धीरे, एक-एक करके शब्द बोल रही थी, उसकी निगाहें चारों ओर घूम रही थीं।

कंपनी:

“ये लोग यहां क्या कर रहे हैं? हम सब तो यहां मेहमान हैं।”

हमारा घर यहाँ नहीं, बल्कि यांग्त्से नदी के उस पार है... रोना मत।

दया की देवी बहन। जब युद्ध समाप्त हो जाएगा, हम सब चले जाएंगे।

घर। मुझे अभी नौवीं पाठक पुस्तक का अध्ययन करना बाकी है।

उसकी आँखें फिर बंद हो गईं। कुछ देर बाद, वे फिर खुलीं, और

इस बार वह व्यक्तियों और अपने मन को पहचानने में सक्षम प्रतीत हुई।

बात ज़्यादा साफ़ हो गई। उसने अपने पंख से कहा, "टीएफईए, मैं तुम्हें छोड़कर जा रही हूँ।"

अब। मेरे लिए मत रोओ। पिएंत्से का ख्याल रखना। वो कहाँ है?

चिउहू छोटे भाई को लेने गई, और जब वह अंदर आया,

पिनपिन के हाथ उसके हाथों को टटोलने लगे।

“अच्छी होज्यीती बनो,” उसने कहा। “दया की बहन देवी।”

हम आपको गुणा का पहाड़ा सिखाएंगे।

पिएंट्से चुपचाप और बिना कुछ बोले खड़ी रही, उसे कुछ समझ नहीं आया।

मृत्यु। फिर उसने और रोशनी मांगी।

"दया की देवी बहन, मुझे आपका मल देखने दीजिए।"

टान्नी ने मोमबत्ती को अपने चेहरे के पास रखा, ताकि बच्चा उसे देख सके।

हो सकता है कि आप इसे देख लें।

बच्ची ने उसकी तरफ देखा, मुस्कुराई और फिर अपनी आंखें बंद कर लीं।

यह कहते हुए, “सीमेबसीबीब, तुम खूबसूरत हो...”

उसके मुंह से खून की एक धीमी धार रुक-रुक कर बह रही थी।

लेकिन वह पतली थी और उसका आयतन कम था, और वह अब नहीं रही।

उसे इसका एहसास था। कुछ मिनट बाद उसकी सांस रुक गई।

छोटी सी जिंदगी धीरे-धीरे बुझ गई, जैसे एक छोटी मोमबत्ती की रोशनी। एक सफेद

खिड़की पर लटका हुआ रूमाल हवा में लहरा रहा था।

पिनपिन का निधन हो गया।

बच्चे का हाथ धीरे से छोड़ते हुए, टैनी को एक गहरा दुख महसूस हुआ।

उसे वहां कोई स्तन नहीं मिले। क्योंकि वह उसके बहुत करीब थी।

और वह जानती थी कि बच्चे ने क्या-क्या करने की योजना बनाई थी,

शानदार, छोटी-छोटी चीजें, जैसे कि अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी करना और मेजबानी करना।

तानी को उसके किंकियांग स्थित घर पर, जिसे उसने अब अधूरा छोड़ दिया था।

और जो अब कभी नहीं हो सकता था, उसकी मृत्यु उसके लिए अपरिहार्य थी।

जैसे किसी फूल को निर्मम तूफान द्वारा कुचल दिया जाता है, या जैसे

एक अधूरे सपने का लुप्त हो जाना। पिनपिन के लिए भी, वह एक पत्ता ही था।

तूफान में, एक छोटा सा पत्तागोभी का बच्चा अपनी युवा यात्रा पर बहता हुआ जा रहा है।

दुनिया से दूर, अब वह अकेले ही नाच रही है, थोड़ी सी खुशी से भी।

तूफान से बहकर आए इन लाखों पत्तों में से कुछ भाग्यशाली रहे।

अन्य घटनाओं की तुलना में, और यह महज़ एक दुर्घटना थी, एक बेतरतीब ढंग से उड़ता हुआ पत्थर, जिसने

इस युवा के जीवन को, जो आशा और लालसा से भरा हुआ था, पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया।

सुंदर के लिए, जो खेल खेलने के लिए इतने इच्छुक हैं। राहगीरों के पैर

वह उस पर पैर रखेगा, और सफाईकर्मी उसे एक तरफ हटा देगा, थोड़ा सा

यह जानते हुए कि इसमें इतनी सुंदरता और साहस निहित है और

जीवन के नियमों के प्रति उचित सम्मान।

*बेचारी बच्ची, हमारे घर छोड़ने के बाद उसे बहुत कष्ट सहना पड़ा, और वह

“कभी शिकायत नहीं की,” मुखिया ने कहा और वह फूट-फूटकर रोने लगा।

तानी खुद को और रोक नहीं पाई और जोर-जोर से रोने लगी।

पिता।

अंधेरा हो चुका था, लेकिन वांग तानियांग अंदर आया और बोला कि

वह शहर जाकर ताबूत खरीदती थी। पिता

वह बिल्कुल कंगाल थी, और सारे खर्चे टान्नी को अपनी जेब से ही उठाने पड़े।

इसलिए वांग तमातिग गोल्ड लक के साथ शहर की ओर चल पड़ा।

वह लालटेन लेकर साथ गया और नौ बजे लौटकर बोला कि

ताबूत सुबह पहुंचाया जाएगा। पिन पिन वीडी कोई नया नहीं

उसके शरीर को नहलाया गया और उसे फिर से वैसे ही कपड़े पहनाए गए जैसे वह पहले थी।

नीली जैकेट और पतलून पहने हुए। लेकिन वांग तामंग ने कंघी की।

.506

उसके बालों में एक कैमेलिया का फूल लगा दिया, जो उस चिह को बहुत पसंद था।

रोशनी जल रही थी, और घर में शोक की आवाज आ रही थी, लेकिन

पिएंट्से को रोने की समझ नहीं थी। पंख आधे समय तक टिका रहा।

उस रात, जब टान्नी, अत्यधिक पीड़ा और थकावट से व्याकुल थी...

चिउहू के साथ बिस्तर पर चली गई।

अगली सुबह तड़के ताबूत आ गया। कुछ ग्रामीणों ने भेंट चढ़ाई।

घर के पीछे थोड़ी दूर पर एक कब्र खोदना। ताबूत में

टैनी ने फटी-पुरानी और किनारों से मुड़ी हुई आठवीं पुस्तक को रख दिया था।

पिनपिन के साथ उसकी प्रवास यात्रा पर आइए और उस टुकड़े का

जिस तार से वे कैफे-क्रेडल खेल रहे थे। एक चमकीला, हल्का

बच्चे के ऊपर खड़े समूह पर सूरज की रोशनी विडंबनापूर्ण ढंग से पड़ रही थी।

गंभीर। तानी को रोते हुए देखकर, पंख से भी ज़्यादा, महिलाओं को

वे भी रोए, क्योंकि रोना संक्रामक होता है, और इसलिए, हालांकि वहाँ

कोई औपचारिक समारोह नहीं हुआ, मृतक को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

उसके दोस्तों और पड़ोसियों से। वांग ताम्मिग ने उससे कहा

पड़ोसी, ^*बच्चे की मृत्यु सम्मानजनक हुई है, क्योंकि उसके पास बहुत कुछ था

उसके लिए आंसू बहाए गए। दया की देवी बहन वास्तव में बहुत अच्छी हैं।

दयालु व्यक्ति।

दफ़नाने का काम दस बजे से पहले ही पूरा हो गया था, लेकिन पूरे समय

दिन भर टैनी उदास बैठी रही, सब कुछ भूल गई। यहाँ तक कि कमरा भी।

जहां चट्टान टूटकर गिरी थी, वह जगह अपनी अव्यवस्थित अवस्था में ही रह गई थी।

अगर वह अपने पंखों वाले कमरे में सो रही होती, तो

उस पूर्वी कमरे में, शायद उसे इतनी ठंड नहीं मिली होगी।

और वह मरती नहीं," टैनी ने अपने बिस्तर पर लेटे हुए कहा।

सोच।

“अपने दुख को शांत करो,” युमेई ने कहा। “कौन जान सकता था कि

क्या पत्थर उस कमरे पर गिरेगा?

घटनाओं का कारण-कार्य संबंध ऐसा है कि हर छोटी घटना

हजारों पूर्ववर्ती कारकों से वातानुकूलित। टीबीएस लेखक

बौद्ध कर्म सिद्धांत में अवश्य ही कुछ ऐसे कारण का उल्लेख किया गया होगा।

दूरस्थ घटनाओं के बीच प्रभाव-और-अंतर संबंध। यदि लाओ पेंग ने ऐसा किया होता

अगर पिनपिन वहां से नहीं गया होता, तो उसे वहां स्थानांतरित नहीं किया गया होता।

कमरा, ^डी लाओ पेंग के जाने पर कई अन्य लोगों का भी प्रभाव था।

इन कारणों में टैनी का गर्भवती होना और शादी का वादा शामिल हैं।

जिससे उनके आपसी रिश्ते पर असर पड़ा। लेकिन वह

यह कहना ज्यादा आसान है कि अगर ऐसा हुआ होता तो पिनपिन की मौत नहीं होती।

समुद्र पार साम्राज्यवादी सपने देखने वालों के एक गुट ने कोई युद्ध शुरू नहीं किया।

जो उसे कभी नहीं जानते थे। और अगर पिनपिन की मृत्यु न हुई होती, तो टैनी शायद

बाद में युद्ध के मोर्चे पर नहीं गए होते।

लाओ पेंग सही थे। उस दिन अखबारों ने यही खबर छापी थी।

लगभग सौ लोग मारे गए और एक सौ साठ और लोग घायल हो गए।

घायल हुए। लेकिन हताहतों की मात्र संख्या का कोई महत्व नहीं था।

पिनपिन तो हताहतों में भी नहीं था। युद्ध का कहर

इसे आंकड़ों के आधार पर नहीं मापा जाना चाहिए, न ही संख्या के संदर्भ में।

मृतकों की संख्या और नष्ट हुई संपत्ति का मूल्य। मृत्यु

पिनपिन की वजह से युद्ध क्षतिपूर्ति हास्यास्पद हो जाती है।

अध्याय XrS

जब म्त्रियन ने सुना कि वुचांग पर बमबारी हुई है और

हुंगशान पर हमला हुआ, वह बहुत चिंतित थी। अगले दिन दोपहर को,

वह अपने साथ अमेई और अपनी पुरानी वफादार नौकरानी को ले गई। ब्रोकेड,

और शरणार्थी गृह का दौरा करने गए।

तानी बिस्तर पर सो रही थी। युमेई उन्हें देखने के लिए बाहर आई और उसने बताया

उन्हें उस सुबह बच्चे की मृत्यु और अंतिम संस्कार के बारे में बताया, और समझाया।

उस सुबह अंतिम संस्कार के समय टान्नी बहुत रोई थी, और

अब वह अपनी खोई हुई नींद पूरी करने की कोशिश कर रहा था। उदासी का भाव था।

घर के चारों ओर। उन्होंने वह कमरा देखा जिस पर हमला हुआ था।

छत में एक बड़ा सा छेद था, जिससे ऊपर नीला आकाश दिखाई दे रहा था।

प्लास्टर की सफाई नहीं हुई थी और शहतीरें अभी भी रास्ते में पड़ी थीं।

वांग तामटमग उनसे बात करने के लिए बाहर आए।

“एक अच्छी पेंग लाएह के पास एक अच्छी पेंग सियाओहीह होती है। वह ऐसी थी जैसे

वह उस बच्चे की माँ थी, और वह ऐसे रो रही थी मानो वह बच्चा उसका अपना हो।

अपना।"

बातचीत जारी रहने के दौरान, ब्रोकेड ने युमेई से कहा कि वह देखना चाहती है

वह युवती जिसके बारे में उसने अपनी मालकिन को बहुत बातें करते सुना था।

युमेई उसे उस कमरे में ले गई जहाँ तानी गहरी नींद में सो रही थी।

युमेई ने फुसफुसाते हुए कहा, "यह बहुत दुखद है। पेंग कुएह चला गया है।"

वह चला गया और उसे इस जगह की जिम्मेदारी सौंप दी। केवल वांग तानियांग ही यह जिम्मेदारी संभाल सकती है।

इसे चलाने में मदद करें। अगर घर को सच में नुकसान पहुंचा होता, और ज़्यादातर

रेफरी मारे गए थे, मुझे नहीं पता कि हमारा सियाओबीब क्या करेगा

करो।” वह ब्रोकेड के कान में फुसफुसाने के लिए करीब आई। “उसके पास है।”

उसके शरीर में भी खुशी है। क्या स्थिति तनावपूर्ण है?

*तो आपको क्या याद है?

ˆयह आपके याओ और परिवार का sbayth है, और वह नहीं जानता।

ब्रोकेड ने सोते हुए टैनी को और करीब से देखा।

*यह अभी तक नहीं दिख रहा है। यह कितना पुराना है?

•जोस

“तीन या चार महीने। पिछले दिन वह अकेले बाहर गई थी।

सुबह हुई और सड़क किनारे पड़ा हुआ था। एक लकड़हारा उसे लेकर आया।

उसकी पीठ।"

ब्रोकेड कमरे से खुशी-खुशी निकली और अपनी मालकिन के पास उत्सुकता से चली गई।

और मुकन को एक तरफ खींचकर, उसने उसके कान में खबर फुसफुसाई। मुलान की

ftce शोˆ वह कितनी चौंक गई थी। उसने तुरंत युमेई को फोन किया और

मैंने उससे सारी जानकारी पूछी।

**सुउकभब और याओ सबाकयेब अक्सर शंघाई में एक-दूसरे से मिलते थे।

युमेई ने शरमाते हुए कहा, "आप उसकी चाची हैं, और इसीलिए मैं..."

मैं तुम्हें खो रहा हूँ। यहाँ किसी को नहीं पता। मुझे बस एक पल से भी कम समय पहले पता था।

कुछ दिन पहले। उसे मत बताना कि मैंने तुम्हें बता दिया है। तुम्हारा

भतीजे ने उसे काफी समय तक पत्र नहीं लिखा।

क्या वे दोनों एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे?

युमेई फिर से शरमा गई। "तात्फाई, हमें ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए।"

लेकिन वे शादी से पहले ही एक दूसरे से प्यार करते हैं! क्या

क्या ऐसी कहानी लोगों को पता चलने दी जानी चाहिए? त्सियाओएब को ऐसा करना चाहिए।

मुझे पता है मैंने तुम्हें यह बता दिया है, नहीं तो वह मुझे मार डालेगी।

"क्या उसने उससे शादी का प्रस्ताव नहीं रखा था?"

“कौन जानता है? यह एक ऐसा मामला है जो किसी को मौत तक शर्मिंदा कर देता है। लेकिन

अन्यथा हमारी सियोएब एक अत्यंत नेक दिल इंसान है। मैंने कभी नहीं

अनुमोदित।

आपके विचार में अब उसे क्या करना चाहिए?

^“मेरी राय? आमतौर पर सबाओयेब को लड़की से शादी करनी चाहिए। लेकिन

वह पहले से ही शादीशुदा है!” तभी युमेई रुक गई, उसे यकीन नहीं था कि उसने क्या कहा था।

टैनी के रहस्यों को उजागर करने के लिए, या जो वह वास्तव में चाहती थी, उसे सही ढंग से किया गया था।

तानी की शादी पोया से होने वाली है। “ता/आव, आप उसकी चाची हैं। क्या आप मुझे सूचित कर सकती हैं?”

क्या वह इसके बारे में सोचेगा? क्या उसे यह सुनकर गुस्सा आएगा?

मुलान युमेई की भोली-भाली चिंता में दिलचस्पी रखती थी, और धीरे-धीरे

एम एनएलएन डीट्यू ने उससे वह सारी कहानी सुनी जो ता एन ने की थी

शंघाई, पोया के साथ उसकी गलतफहमी और जलने के बारे में

रेशमी दुपट्टे पर उनके प्रेम की प्रतिज्ञा लिखी हुई थी। फिर मुलान

कुछ देर ध्यान किया।

कुछ ही देर में टान्नी जाग गई। जब उसने आवाज सुनी तो उसने युमेई को पुकारा।

बाहर से आवाजें आ रही थीं। घर पर बमबारी और उसकी मृत्यु।

पिनपिन ने उसे घबरा दिया था और अब भी उसे उठने का मन नहीं कर रहा था।

लेकिन जब उसे बताया गया कि मुलान और उसकी बेटी आ गई हैं

उसे देखकर वह प्रसन्न हुई और उसने अंदर आने के लिए कहा।

मुलान, उसकी बेटी और ब्रोकेड अंदर गए। तांतु वहीं था।

'अच्छे महोगनी बिस्तर पर तकिए के सहारे बैठे हुए, लाल रंग के कंबल से ढके हुए'

कंबल ओढ़े हुए, उसकी आँखें स्पष्ट रूप से सूजी हुई थीं, और उसके बाल उसके चारों ओर बिखरे हुए थे।

>99

ताओई ने दिल से मुस्कुराते हुए नींद में होने के लिए माफी मांगी।

जब वे पालतू बन गए, लेकिन उसका मल पीला और पतला था। मुलान ने देखा

युमेई से जो कुछ उसने सीखा था, उसके प्रकाश में उसे कुछ मिनटों के लिए

बहुत पहले, और इसलिए, जब वह बोल रही थी, तो उसकी आवाज गहरी और धीमी थी और

संयमित।

“बमबारी ने आपको काफी झकझोर दिया होगा। ऐसा कैसे हुआ कि

पेंग लेउएब ऊपर चले गए हैं और इस जगह की जिम्मेदारी आपको

सौंपकर गए हैं?

“वह युद्ध और गुरिल्लाओं को देखना चाहता था। वह उनके साथ गया।

दादी चाओ— ओह, मुझे नहीं पता... उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा...

चिंता भरी आह।

“तानी, तुम्हें आराम की ज़रूरत है। मेरे यहाँ आने के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?

कुछ दिनों के परीक्षण के लिए घर?

अपनी असीम खुशी को दबाते हुए टैनी ने कहा, "लेकिन मुझे इसे संभालना होगा।"

यह घर।"

अंततः मुलान ने टान्नी को आसानी से काबू में आने के लिए मना लिया।

घर छोड़कर कुछ समय के लिए उसके साथ रहने आने का विरोध।

कुछ दिनों बाद। जब वांग तमांग को बुलाया गया, तो वह तुरंत सहमत हो गई।

टान्नी को कुछ दिनों के लिए छुट्टी दे दी और कहा कि वह और युमेई ऐसा कर सकती हैं।

जगह की आसानी से देखभाल की जा सकती है। गोल्ड लक संदेश पहुंचा सकता है।

मुइम का घर, और ब्रोकेड ने कहा कि उसका बेटा। लिटिल पाई भी हो

सकता है

कुछ काम निपटाने के लिए। टैनी उसी दोपहर मन्कन और अपनी सहेलियों के साथ चली गई।

बेटी।

वो चार दिन बहुत ही शानदार थे जो टान्नी ने मुलाह के घर पर बिताए।

घर। अलवाजरा के मन में पिनपिन की मौत का डर छाया हुआ था।

इस साल वसंत ऋतु के आगमन का स्वागत करने का उनका मन नहीं था।

लेकिन स्प्रिंग के पास उसे सौहार्दपूर्ण बनाने की एक गुप्त जादुई शक्ति थी, इसके अलावा

उसकी आत्मा में बेचैनी पैदा कर रहा था। हर जगह उसकी साँस "महसूस हो रही थी।

हवा, नन्ही कलियों को बिना किसी डर के बाहर आने के लिए प्रेरित करती है, सहलाती है

अज़ेलिया के पौधों को आत्म-प्रदर्शन की बेपरवाह अवस्था में लगाएं, आग्रह करते हुए

आड़ू और बेर को काट कर, सुनहरे बालों को ब्रश से सजाना।

रोते हुए विलो वृक्षों की कोमल, लंबी रेखाओं में चित्रकारी। ऐसा लग रहा था मानो कोई चित्रकार

उसने ब्रश चलाया था और वुहान के परिदृश्य की लालसा रखता था।

हल्के पीले-हरे रंग से भरपूर मात्रा में, और फिर उसमें थिर के आर मिला दिया।

जगह-जगह गुलाबी और लाल रंग के छींटे। लोग वापस लौट रहे हैं

देश की सड़कों पर लंबे, भारी सामान ले जाते हुए लोग देखे गए।

पर्वतीय अज़ालिया की लदी शाखाएँ।

टैनी को अपने शहर में वापस आकर और इतनी नज़दीक रहकर बहुत खुशी हुई।

व्यस्त सड़कों पर। मुलान के परिवार के साथ रहना आसान था और

बिना किसी खास बंधन के, और वह परिवार को काफी हद तक जान गई।

ठीक है। मुलान ने उसे कभी यह जताने नहीं दिया कि वह उसे जानती है।

)io

यह स्थिति ऐसी थी कि टैनी को कभी इस पर शक भी नहीं होता।

उसने वही ढीले-ढाले गाउन पहने हुए थे जो उसने पहाड़ी पर पहने थे।

लेकिन कभी-कभी जब वह कमरे में चुपचाप बैठी होती थी, मुलान

उसकी आँखों में एक उदासी भरी अभिव्यक्ति दिखाई दे रही थी।

पोया की ओर से एक टेलीग्राम आया था जिसमें उनके आगमन की सूचना दी गई थी।

कुनमिंग, जहाँ वह दो सप्ताह तक रहने वाला था। बिना

टान्नी की जानकारी के आधार पर, कुनमिंग को टेलीग्राम भेजे गए।

एक दिन जब सुन्या टेलीग्राम भेजने के लिए बाहर जा रही थी, तभी तानी

मुझे इसके बारे में पता चला और मैंने उससे पूछा कि वह क्या कर रहा है। स्टिन्या ने जवाब दिया

उन्होंने बताया कि वह कुनमिंग को टेलीग्राम भेज रहे थे और बस मुस्कुरा दिए।

“लेकिन किसे?” टैनी ने थोड़ी चिंता से पूछा।

"बेशक, पोया को।"

तानी शरमा गई और कुछ नहीं बोली। एक दिन उसने यह सुना।

शंघाई को एक टेलीग्राम भेजा गया।

ये सभी रहस्यमय टेलीग्राम क्या हैं? क्या उनमें कुछ है?

"क्या इसका मुझसे कोई लेना-देना है?" तानी ने मुलान से पूछा।

मुलान ने शरारती और जिज्ञासु नज़र से उसकी ओर देखा और कहा, "यहाँ एक है..."

याओ वंश की साजिश। आपको यह जानने की ज़रूरत नहीं है।" एक संक्षिप्त टिप्पणी के बाद

"थोड़ा रुको," उसने अपनी लंबी आँखों के कोने से टैनी की ओर देखते हुए कहा।

ey6s, "मेरी बेटी के बारे में आप क्या सोचते हैं?"

मुझे वो बिल्कुल पसंद है।

"मेरा मतलब है, दुल्हन की सहेली के रूप में आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?"

टैनी का चेहरा थोड़ा लाल हो गया। "मुझे समझ नहीं आ रहा है।"

मेरा मतलब उसकी चचेरी बहन की शादी से है। वे चचेरी बहनें हैं, आप समझ रहे हैं ना?

जानना।"

“कौन सा चचेरा भाई?” टैनी ने अनुमान लगाया, लेकिन मासूमियत का दिखावा किया।

अपनी उत्तेजना को छुपाने के लिए, उसने झुंझलाहट भरी नज़र डाली।

मुलान।

"क्या आपको समझ नहीं आ रहा? हमें आपकी शादी के बारे में भी सोचना होगा।"

मुलान ने आखिरकार उसे यह खबर बड़े ही शरारती और रोमांचक अंदाज में सुनाई।

मुस्कान।

टैनी के लिए "शादी" शब्द में एक जादुई शक्ति थी।

ऐसा लग रहा था जैसे वह एकदम से गूंगी हो गई हो। उसका गला सूख गया था।

खुशी से उसका चेहरा कृतज्ञता की रोशनी से जगमगा उठा।

"ओह, श्रीमती त्सेंग," उसने चमकती आँखों से कहा।

“क्या आप अब भी मुझे श्रीमती त्सेंग कहकर बुला रहे हैं? मैं जल्द ही पोया की हो जाऊंगी।”

शादी में ‘अभिभावक’ बनकर आना। मैं तुम्हें सरप्राइज देना चाहता था। ये सब बातें

यह सब दुल्हन की पीठ पीछे रचा जाना चाहिए था, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।

आपको बहुत लंबे समय तक सस्पेंस में रखा जाएगा।"

लेकिन क्या यह इतना आसान है? उसकी पत्नी — और वह भी?

}ii

“इसकी जांच चल रही है। अफेई इसे संभाल रही है। क्या अब आपकी बारी नहीं है?

अपनी चाची को tTianlr करने के लिए?

टैनी खुशी के आंसुओं में फूट पड़ी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि शब्दों में कैसे बयां करे।

“मेरे धन्यवाद के लिए,” उसने कहा।

* *

*

हंगशान स्थित घर को लेकर चिंतित तानी वापस लौट गई।

चौथे दिन। मुकन के साथ मुलाकात ने मुडी को बहाल करने का काम किया था।

उसकी आत्मा को ठेस पहुंची, लेकिन जब वह वापस आई, तो उसे एक अजीब सी अनुभूति हुई।

वीरानगी का। घर अपने आप चल रहा था। लेकिन लाओ पेंग

और पिनपिन जा चुके थे। लाओ पेंग कब लौटेगा, और क्या होगा?

इस जगह का क्या होने वाला था? उसे किसी विपत्ति का आभास हो रहा था।

लाओ पेंग के साथ कुछ होने वाला है, इस बात का उसे जितना अधिक आभास होता है, उतना ही उसे लगता है कि वह...

जैसे-जैसे वह सुश्री के जाने के बारे में सोचती गई, वैसे-वैसे वह और अधिक आश्वस्त होती गई कि

उसने उसे स्वेच्छा से निर्वासन में जाने के लिए मजबूर कर दिया था। वह केवल उसे याद ही नहीं करती थी;

अब श्रीमती की अनुपस्थिति में, उनके महान गुण और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

उसके लिए। उसे नशे में धुत और अकेले देखने की याद उसे सताती थी।

वह बार-बार उस कमरे के ख्याल से घिरी रहती थी और उसे बेचैन कर देती थी।

शायद अब वह किसी तंग जगह में अकेले कष्ट भोग रहा था। जब वह

मैं संयोगवश मैडम के कमरे में गया और वहाँ मुझे मैडम का बिस्तर और बंडल दिखाई दिया।

सुश्री डोथिंग के प्रति, उन्हें बहुत कोमल भावनाएँ महसूस हुईं और वे उनसे मोहित हो गईं।

आत्मनिंदा की भावना के साथ। जब पोया का आरेख और पत्र

जब वह आई, तो उसने कभी यह विचार भी नहीं किया कि क्या उसकी

लाओ पेंग के प्रति दायित्व समाप्त हो गया था। टी.इकफ्ट स्वयं, उसके पास था

इसे हल्के में लिया गया था और यह बस चला गया था। सुश्री पर टीएम की संतुष्टि।

कला ने उसे इतना गहराई से छुआ कि वह उसे अपने वश में करने के लिए सुश्री ओएफएलईएसआर से भी अधिक प्रेरित हुई।

उसका बच्चा।

उसने पोया की वापसी और उसकी शादी की कल्पना करने की कोशिश की। उसे ऐसा करना चाहिए था।

खुश रहना था, लेकिन वह खुश नहीं थी। हाँ, उसकी शादी पोया से होनी थी;

वह जवान, सुंदर और धनी था, और वह उससे शादी करना चाहती थी।

मुलान के घर जैसा आरामदायक घर। लेकिन वह कितना जानती थी?

पोया? वह उसके लिए कपड़े डिजाइन करता और उसे सबके सामने पेश करता।

वह उसके लिए मनोरंजनकर्ता का जीवन व्यतीत करेगी। उसे अचानक घृणा का अनुभव हुआ।

वह प्यार जो उसने शांग में एमएम के साथ साझा किया था।

वह अब उसे संतुष्ट नहीं कर सका। पिछली रात का सदमा उसे बहुत परेशान कर गया।

डांस हॉल ने उस पर एक अमिट छाप छोड़ी थी, जिससे वह मात्र से ही दुखी हो गई थी।

इंद्रियों का प्रेम अरुचिकर था। उसने खुद को मुड़ते हुए देखा, ng^rp<^^ on

कर्म का चक्र... क्या उसे फिर से पीतल का मुकुट पहनना पड़ेगा...?

उसने युमेई से बात करने की कोशिश की, हालाँकि उसने उसे अपने बारे में कुछ नहीं बताया।

मुलान यही योजना बना रही थी।

एफआईए

“क्या तुमने उंडे पेंग से शादी करने का वादा नहीं किया था?” युमेई ने कहा।

हमने शादी न करने का फैसला किया है।

क्या तुमने उसे धोखा दिया? तुम तो उस अच्छे इंसान को धोखा दे रही हो।

आदमी"

टान्नी ने अपने आत्मविश्वास को शांत करने की बहुत कोशिश की। वह देखने चली गई।

पिनपिन का पंख, लेकिन उनके बीच कहने को कुछ नहीं था।

उसे पिनपिन की इच्छा याद आ गई और उसने अपने भाई को सिखाना शुरू कर दिया।

आठ के गुणजों से गुणन सारणी।

ei^t an sixteen . . .”

लेकिन पिनपिन की आवाज वापस आ गई और वह आगे नहीं बोल सकी। पिंटसे

अपनी बहन की मृत्यु के बाद, उसने और कुछ भी सीखने से इनकार कर दिया।

यह दो बच्चों के बीच का खेल नहीं रह गया था, बल्कि केवल

सतही तौर पर सीखने की प्रक्रिया।

कभी-कभी रात के समय, टैनी को दबी हुई आवाज़ें सुनाई देती थीं।

कु अपनी खोई हुई बेटी पिनपिन के लिए शोक मना रहा था, और आवाज़

थी

उस अंधेरी रात में उस जगह को सहन करना मुश्किल था। वह जगह बन गई थी।

उसके लिए असहनीय। अचानक उसे एहसास हुआ कि हर बार लाओ

पेंग ने उसे छोड़ दिया, वह मुसीबत में पड़ गई। अगर लाओ पेंग अब यहाँ होता,

घर में फिर से रौनक लौट आएगी।

उसी दिन कुनमिंग से पोया का पहला पत्र आया।

हवाई डाक द्वारा, और एक लाओ पेंग से चेंगचो से। उसे

खुद आश्चर्य से, तानी ने लाओ पेंग का पत्र सबसे पहले खोला। जब उसने

दोनों को पढ़ने के बाद, उसे कारण समझ में आ गया। पॉप के पिछले लेख से

उसने जो पत्र भेजे थे, उनसे उसे यह उम्मीद थी कि पहाड़ों की गिनती की जाएगी।

अजीब नामों वाली झीलें और नदियाँ, विभिन्न ऊँचाइयाँ

चोटियाँ, खूबसूरत दृश्यों के संदर्भ, शानदार चट्टानें,

जलविभाजन, घुमावदार मोड़, उसे अजीब तरह से उदासीन कर देते थे। वह कर सकती थी।

उसने पोया का पत्र दोबारा नहीं पढ़ा, लेकिन उसने लाओ पेन का पत्र दोबारा पढ़ा।

बार-बार। इससे उसे अपनेपन और साझेदारी का एहसास हुआ।

वह बातचीत स्नेहपूर्ण और मानवीय थी। उन्होंने युमेई और वांग के बारे में बात की।

तामग और पिनपिन, जिनकी मृत्यु के बारे में उसे पता नहीं था, और वह

उसने युएह-ओ, उस बदसूरत लड़की की उपेक्षा करने के लिए उसे थोड़ा डांटा।

वह लड़की जो एक ईसाई स्कूल में पढ़ती थी। उसने लगभग कुछ नहीं कहा।

अपने बारे में, सिवाय इसके कि वह उस क्षेत्र से वापस आया था।

पीली नदी के उत्तर में।

इसके बाद उसने जिस चीज में नई रुचि दिखाई, उससे वह खुद भी हैरान रह गई।

युएह-ओ में, क्योंकि यह लाओ पेंग की इच्छा थी। और जैसे-जैसे दिन बीतते गए।

उसने पाया कि जिस लड़की के पास से वह लगभग अनदेखे ही गुज़री थी,

उसे कुछ सिखाने के लिए। उसे खुश करने के लिए, उसने थोड़ी सी किताब पढ़ी।

यूएह-ओ के पास जो ईसाई बाइबिल थी, उसमें से उसने यह अंश पढ़ा:

मेरी यही प्रार्थना है कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो, जैसे मैंने तुमसे प्रेम किया है।

इससे बड़ा कोई साहस नहीं कि कोई व्यक्ति अपने प्राणों की आहुति दे दे।

उसके दोस्तों।

-nrords ने लाओ पेंग का फिर से diink बना दिया, और शब्द

उसके तेज दिमाग में "प्यार" का एक नया अर्थ उभर आया।

* *

*

हैनकोव की आबादी में युद्ध का बुखार फैल चुका था। दिन-ब-दिन,

28 मार्च से 7 अप्रैल तक, एक महान व्यक्ति की अविश्वसनीय खबर।

जीत मोर्चे से मिली। इतिहास में पहली बार,

चीनी सेना का जापानी सेना से युद्ध के मैदान में सामना हुआ था और

बेहतर रणनीति से उसे हरा दिया।

अप्रैल में किए जाने वाले वादे के अनुरूप आक्रमण के अप्रत्याशित परिणाम सामने आ रहे थे।

शहर में बिजली सी दौड़ गई थी और जाल बिछाने की खबरों से हलचल मची हुई थी।

शत्रु का संहार। मैदानों में एक भीषण युद्ध शुरू हो गया था।

24वें मिनट में ताइरचुआंग के आसपास और कुछ देर तक उग्रता जारी

रही।

दो सप्ताह तक चली। शंघाई युद्ध के बाद यह सबसे भीषण लड़ाई थी।

दुश्मन ने एक लाख सैनिक भेजे थे, जिनमें शामिल थे:

शान्तुंग से प्रसिद्ध पाँचवीं और दसवीं डिवीजनें, अभिसरण कर रही हैं

तीन दिशाओं में ह्सुडियोव के महान रेलवे जंक्शन की ओर-

उत्तर से आ रही टुकड़ियाँ। उनकी बाईं ओर की टुकड़ी उत्तर से आ रही है।

पंद्रह तारीख को टी.इनी में पूर्व को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

जनरलों चांग और पांग के हाथों, जिसने इसकी नींव रखी।

जैटर की जीत। तियानजिन-पुकोव मार्ग से दो मुख्य टुकड़ियां नीचे आईं।

रेल मार्ग। ह्सुचो पहुँचने से पहले, एक शाखा थी।

पूर्व दिशा की ओर एक लूप बनाती हुई रेखा, जो अक्षर 'b' के समान दिखती है।

जिसके दो निचले बिंदु लुंगझाई रेलवे पर स्थित हैं।

e^t और पश्चिम। b की सीधी रेखा दर्शाती है

तियानत्सिन-पुकोव, जिसके निचले सिरे पर ह्सुचोव स्थित है। घुमावदार

यह रेखा पूर्व दिशा की ओर मुड़कर ताइरचुआंग की ओर नीचे की ओर मुड़ जाती है।

ग्रैंड कैनाल के उत्तरी किनारे पर, जो क्षैतिज रूप से चलती है^

एच के दोनों पैरों के पार। पश्चिम में तीन बड़ी झीलें स्थित हैं।

तियानजिन-पुकोव रेलवे की पूरी लंबाई के साथ

सीधी रेखा। दुश्मन की एक टुकड़ी सीधी रेखा में आगे बढ़ी।

और हानचुआंग पहुँचे, जो ग्रैंड के उत्तर में भी स्थित है।

क़िनल। चूंकि यहाँ का भूभाग ऊँची पहाड़ियों में बदल जाता है, इसलिए दुश्मन को कोई खतरा नहीं था।

नहर पार करने का प्रयास। मुख्य केंद्रीय स्तंभ पूर्व की ओर बढ़ा।

लिनचेंग से और घुमावदार शाखा का अनुसरण करते हुए आगे बढ़े।

ताइरचुआंग पर कब्जा। ऐसी रणनीति को इस प्रकार माना जा सकता है

3^4

“पीएस-एस-एस-एसडीएल, इसे फिर से कहो,” लिटिल वंजन ने पूछा।

“पीएस-एसएस-एसएसडीआर," टैनी ने उसी हाथ के इशारे के साथ विनम्रतापूर्वक कहा।

सब लोग हँस पड़े और बच्चे अब सहज महसूस करने लगे।

टैनी।

छोटी वंजन अपने चेहरे पर मौजूद सिंदूरी जन्मचिह्न को घूर रही थी।

गरदन।

“तुम्हारे पास यह क्या है?” उस लड़के ने पूछा। “क्या मैं इसे छू सकता हूँ?”

डिमफकेग्रेंस के बच्चे तिब्बत की तरह थे, जिन्हें यह सिखाया गया था कि

बड़ों से डरना।

“बेशक तुम कर सकते हो,” टैनी ने कहा और नीचे झुक गई।

वांजन जिज्ञासावश बार-बार उसे छू रहा था।

"तुम इसे छूओ," उसने अपनी बहन से कहा।

वानलो इसे छूना चाहता था और साथ ही साथ वह

डरना।

"तुम्हें असभ्य नहीं होना चाहिए," डिमफेग्रेंस ने कहा, और वानलो ने वैसा ही किया।

उसे छूना नहीं था। लेकिन उस रात वह बिस्तर पर लेटी रही और उसे पछतावा हुआ कि उसने ऐसा क्यों किया।

नहीं था।

लाओ पेंग के लिए यह सुझाव देना राजनीतिक दृष्टि से उचित नहीं था कि पोया और तान्नी

क्या उनकी शंघाई में मिलने की कोई योजना थी, या फिर उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी थी?

एक दूसरे में। उसने रा&र से कहा कि उसने और पोया ने योजना बनाई थी कि

एक साथ नीचे आ गए, लेकिन अचानक तनाव के कारण

शहर में वे लोग तितर-बितर हो गए थे। उसने कहा कि उसे जल्दी जाना है।

वह शंघाई में था और जाने से पहले केवल पोया से मिलने का इंतजार कर रहा था।

इसलिए चिन्या से कियांगफेटसन में अपना पता देने के लिए कहा गया।

पोया, लेकिन इसे बाकी सभी से गुप्त रखना होगा।

अपने होटल में वापस आकर, लाओ पेंग और टान्नी ने दिन बिताए

पोया के आने का इंतज़ार है। सभी शरणार्थी परिवारों को क्या करना चाहिए?

देश भर में बाढ़ ने अंतर्राष्ट्रीय बस्ती और

फ्रेंच ग्जेनेसियन, विशेष रूप से एवेन्यू एडवर्ड VII पर, जहाँ

चांगफेटसन सहित सस्ते श्रेणी के होटल एक साथ clustered थे।

छोटी सी लॉबी में छत तक मुर्गियों की टोकरियाँ भरी पड़ी थीं।

बंडल और चमड़े के संदूक। यहां तक कि गलियारों के सिरे भी।

इसे सोने की जगह के रूप में किराए पर दिया जाता है, और सीमेंट के फुटपाथों के बाहर

एवेन्यू एडवर्ड VII का उपयोग रहने और सोने के लिए किया जाता था।

गरीब शरणार्थियों की भीड़ के आवास।

लाओ पेंग सड़कों पर घूमता था, सस्ते रेस्तरां में खाना खाता था या

सड़क किनारे बने स्टॉल। शरणार्थियों की स्थिति सबसे खराब थी।

जापानी सेना ताआंग में घुसपैठ कर चुकी थी। जो ग्रामीण डटे हुए थे...

लड़ाई के दौरान सभी घरों में रहने वाले लोग अब यहाँ आ रहे हैं।

विदेशी बस्तियाँ, यह जाने बिना कि वे कहाँ जा रहे हैं।

1जे5

और सीमा पार करने वाली महिलाओं को मशीनगनों से मारे जाने का खतरा था।

जेस्सफील्ड ब्रिज और मार्खम रोड कुछ निश्चित आवश्यकताओं को पूरा करने के बजाय

आक्रमणकारियों के रास्ते में मौत। लंबी एवेन्यू एडवर्ड VII,

अपने चौड़े फुटपाथों के साथ, इसने इन भीड़ को आकर्षित किया।

वर्ल्ड एम्यूजमेंट सेंटर, जहाँ टैनी अक्सर अपनी सहेलियों के साथ जाया करती थी।

माँ, एक विशाल शरणार्थी शिविर में बदल गई थी जहाँ

सीमेंट की सीढ़ियों पर सोने के लिए जगह निर्धारित की गई थी।

जिन्हें जगह नहीं मिल पाई, वे फिर भी पड़ोसी के आसपास मंडराते रहे।

शरणार्थियों के रसोईघरों से दलिया मिलने की उम्मीद में वे अपना सिर खुजाते रहे।

टैनी जितना हो सके बाहर जाने से बचती थी।

होटल की खिड़की से, उसने इन भीड़ को उनके अंदर देखा-

अवर्णनीय पीड़ा, और उसने उन्हें आँखों से देखना सीख लिया

लाओ पेंग का। वह हमेशा मंटौ (ब्रेड) और गेहूं के बिना नहीं रहता था।

उसके लौटने पर केक मिलेंगे। टैनी, उसके लौटने का इंतज़ार कर रही थी।

उसे शरणार्थियों को मांटौ बांटते हुए देखकर, वे

उनके लिए लड़ना पड़ता था, और लाओ पेंग को हमेशा चकमा देना और भागना पड़ता था, और वह

वे हांफते हुए अपने कमरे में पहुंचते थे।

“हमेशा ताकतवर लोगों को ही मार पड़ती है,” उसने गुस्से से कहा। “छोटे-मोटे लोगों को तो मार ही पड़ती है।”

जिनके पास कोई मौका ही नहीं है। एक महिला है जिसके तीन दुबले-पतले बच्चे हैं।

बच्चे भूख से मर रहे हैं।

“क्या मैं उनके लिए कुछ ले जा सकती हूँ?” टैनी ने पूछा।

“तुम्हें कुचलकर मार डाला जाएगा। युमेई, तुम मजबूत हो।”

यह डॉलर लो। कोने पर स्थित एक दुकान पर जाओ और खरीद लो।

डॉलर के बराबर कीमत का मांटौ — सबसे सस्ता। टोकरी और एक

इसे घर लाते समय तौलिये से अच्छी तरह ढक दें।

जल्दी से होटल के बगल वाले दरवाजे से अंदर घुस जाओ।

जब युमेई मांटौ से भरी टोकरी लेकर लौटी, तो लाओ पेंग

मैंने एक तौलिया लिया और उसमें एक दर्जन को लपेटकर उसे छिपा दिया।

उनका लंबा गाउन।

तान्नी और युमेई खिड़की से देख रही थीं और उन्होंने लाओ पेंग को देखा।

फुटपाथ से बचते हुए, सड़क पर आगे बढ़ते हुए, एक ब्लॉक दूर तक वह

वह उस जगह पहुंचा जहां तीन बीमार बच्चों के साथ बैठी महिला थी

जमीन पर। चुपके से लेकिन तेजी से उसने मांटौ को उड़ेल दिया।

महिला की गोद में ले जाकर उसे वश में किया और वह भाग गया।

वहाँ अफरा-तफरी मच गई। कुछ शरणार्थियों ने लाओ पेंग का पीछा किया और

दूसरों को यह सब करते देख; मान्तौ ने उस महिला पर हमला कर दिया और उसे

धक्का-मुक्की और धक्के खाते हुए भी, महिला ने मांटू को मजबूती से पकड़ रखा था।

एक ईमानदार व्यक्ति की दृढ़ता के कारण, बच्चे चिल्लाने और लड़ने लगे।

अंत में, टान्नी ने देखा कि उस महिला ने तीन या चार मांटू बचा लिए थे।

और बाकी चीजें उससे चुरा ली गई थीं।

"क्या उसे मिल गया?" लाओ पेंग हांफते हुए अंदर आया और पूछा।

"उसे कुछ मिले," टैनी ने कहा।

अगले दिन, टान्नी नीचे गई और उस महिला को आने के लिए कहा।

बगल के दरवाजे से होटल तक, लेकिन केवल काफी दूरी से ही पीछा करना है।

वह महिला केवल एक पतले चिथड़े से ढके हुए शरीर को ढँकते हुए अंदर आई।

उसके पैर। उसने लाओ पेंग को पहचान लिया और फर्श पर गिर पड़ी।

उसकी पूजा करो। उसे सहारा देकर उठाया गया और मेमटौ से भरी टोकरी दिखाई गई।

लाओ पेंग ने कहा, "अपनी पसंद का एयू खाओ।"

जब महिला के हाथ ढेर में हाथ डाल रहे थे तो वे कांप रहे थे।

“जल्दी कोई बात नहीं,” लाओ पेंग ने कहा। “बैठ जाओ।”

उसने उसके सारे वस्त्र ले लिए, सिवाय एक के, और उसे मजबूर किया

एक कुर्सी पर बैठो। फिर उसने एक गिलास चाय डाली और उसे दे दी।

“ओह, मैं इसके लायक नहीं हूँ,” बूढ़ी औरत ने कहा। “मेरे बच्चे…”

"अपने बच्चों की चिंता मत करो। तुम पहले खाना खा लो।"

“वह बीमार है,” टैनी ने कहा।

“बीमार?” लाओ पेंग दहाड़ा। “वह गर्भवती है। यही तो बात है।”

उसके साथ। खाना खिलाने पर वह बीमार नहीं होगी। आपको नहीं।

क्या तुम bunˆrˆ समझते हो?” उसकी आवाज़ अचानक नरम हो गई।

फिर से। ^“हाँ, बस भूख।’

“हां, बस भूख,” महिला ने नीरस स्वर में दोहराया।

जब उसने खाना खा लिया, तो उसे विदा कर दिया गया और उसे अपना सामान भेजने के लिए कहा गया।

बच्चों को जगाया जाता था और टैनी उन्हें लेने के लिए बगल वाले दरवाजे पर इंतजार कर रही होती थी।

उन्हें अंदर। जे

यह सिलसिला रोजाना दोहराया जाता था, और लाओ पेंग दूसरों को भी साथ ले जाता था।

और उनकी सेवा एक समान तरीके से करें, और किसी भी शरणार्थी को यह बात पता नहीं थी।

अन्य लोगों को भी खाना खिलाया जा चुका था, और उन्हें यह भी नहीं पता था कि उन्हें किसने बचाया था।

उनके जीवन।

पोया के आने का रोज़ाना इंतज़ार करती तन्नी अधीर हो गई।

तीन दिन बीतने से पहले ही, उन्होंने लाओ पेंग से दोबारा आने का आग्रह किया।

उसके रिश्तेदार। लेकिन लाओ पेंग ने जवाब दिया कि पोया निश्चित रूप से

जैसे ही उसे उनका पता पता चला, वह तुरंत उससे मिलने आया।

ये वो दिन भी थे जब पूरा शंघाई हलचल से भरा हुआ था।

लोन बटालियन का वीर संघर्ष। पीछे हटने के बावजूद...

चापेई से क्यूइनीज़ सेना और जापानी कब्ज़ा

उस क्षेत्र में, अस्सीवीं रेजिमेंट के लगभग पाँच सौ सैनिकों की एक अग्रिम टुकड़ी तैनात थी।

कर्नल सीह चिनयुआन के नेतृत्व वाली डिवीजन अभी भी डटी हुई थी।

उत्तरी भाग में स्थित संयुक्त बचत बैंक का गोदाम

सूचो क्रीक का किनारा। अंग्रेजों द्वारा बार-बार प्रस्ताव देने के बावजूद

और अमेरिकी सैन्य अधिकारियों से उन्हें शरण देने का अनुरोध किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय समझौता यदि वे नाला पार कर लेंगे और

अपने हथियार डालने के बावजूद, वीर पुरुषों के इस समूह ने मोर्चा संभाले रखा।

बाहर, जापानी लोग इमारत में हथगोले फेंक रहे थे, और

लोन बटालियन खिड़कियों से जापानी सैनिकों पर स्नाइपिंग कर रही थी।

यह एक भारी प्रबलित कंक्रीट की इमारत थी और, स्थित होने के कारण

सड़क पर बड़ी तोपों से हमला करना मुश्किल था, "नी जापानी"

उन्होंने पड़ोसी घरों की छतों पर मचान बनाकर उस पर गोली चलाई।

गोलीबारी का दृश्य देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

नदी के किनारे बस्ती थी, और टैनी उसे देखने गई थी।

युमेई। वह समय पर पहुँच गई और उसने एक चीनी गर्ल स्काउट को बहादुरी से आगे बढ़ते हुए देखा।

गोलीबारी करते हुए और नदी के किनारे-किनारे रेंगते हुए एक बड़ा चीनी झंडा लेकर आगे बढ़ना।

लोन बैटसन के लिए। लड़की का जोरदार स्वागत किया गया।

जब वह वापस आई तो दर्शक उसे देखने के लिए जमा हो गए। छत पर झंडा फहराया गया।

इमारत, उदास आकाश में गर्व से लहरा रही है। एक कमजोर सूरज

बादलों से निकलकर लाल रंग पर सुनहरी किरणें बिखेरीं।

नीला रंग, चीनी जनता के गौरवशाली साहस का प्रतीक है।

टान्नी के गालों से आंसू टपकने लगे।

झंडे को देखकर और चीनी झंडे की एक झलक देखकर मैं अत्यंत भावुक हो गया।

हेलमेट पहने निशानेबाज, और भूरे रंग की स्काउट ड्रेस पहनी वह लड़की।

शर्ट और काली स्कर्ट पहने हुए, उसे अपने आप पर एक नया गर्व महसूस हुआ।

लोग। उसे खुशी थी कि वह तियानजिन से भाग गई थी और

पेइपिंग। उसे चीन से पहले से कहीं ज्यादा प्यार हो गया था।

♦ ♦

*

पोया अभी तक नहीं पहुंची थी और लाओ पेंग खुद तैयारी कर रहा था।

अधीर। बुर में उनकी यात्रा के बाद सात दिन बीत चुके थे।

लिंग्टन। उन्हें लगा कि वे अफेई को नहीं जानते थे और

चिन्या उन्हें परेशान करने के लिए काफी अच्छी स्थिति में थी, लेकिन अंततः लाओ पेंग

उन्हें होटल में फोन करने के लिए कहा गया।

"नहीं, पोया अभी तक नहीं आई है।"

अगले दिन वे अफ़ेई से दोबारा मिलने गए ताकि उसे सुझाव दे सकें।

उसने एक टेलीग्राम भेजा। यह 30 अक्टूबर का दिन था। अफेई

टेलीग्राम भेजने पर सहमति तो हो गई, लेकिन उन्होंने कहा कि सैन्य संदेश पहले ही भेजे जा चुके हैं।

इसे प्राथमिकता दी जाएगी और इसमें कई दिन लग सकते हैं।

हर घंटे तान्नी खबर की उम्मीद में तरसती रहती थी। भारी बारिश हो रही थी।

इन दिनों के दौरान, और गीली सड़कों पर फैली बदहाली, जहाँ

शरणार्थी आश्रय की तलाश में या बस इधर-उधर भटकते रहे।

बारिश में खड़ी रहने से उसकी पीड़ा और बढ़ गई। फिर बीएन

चौथे दिन, पेइपिंग से जवाब आया कि पोया और उसकी पत्नी

सात तारीख को रवाना होंगे और लगभग उसी समय शंघाई पहुंचेंगे।

बारहवीं या तेरहवीं तारीख को, स्टीमर का कार्यक्रम अत्यधिक अनिश्चित है।

पिछले सप्ताह युद्ध की तस्वीर बदल गई थी।

चीनी लोग सत्ताईस तारीख को चापेई छोड़ चुके थे।

छिहत्तर दिनों के वीरतापूर्ण प्रतिरोध के बाद, व्यवस्थित रूप से पीछे हटते

हुए

रात भर। दुश्मन को इसका पता अगली सुबह ही चला।

पूरा चापेई आग की लपटों में घिरा हुआ था। लड़ाई पश्चिम की ओर बढ़ गई थी।

बाहरी इलाके।

लेकिन 5 नवंबर को जापानी सेना चापू में उतरी।

हांगचो खाड़ी, रेलवे लाइन को काटने की धमकी दे रही है और

हांगचो पर आधारित किनी सेना का दाहिना भाग। जापानी सेना

सुंगकियांग की ओर गाड़ी चलाते हुए। एक नई चीनी लाइन बनानी होगी।

इसकी स्थापना हुई थी और यह ताई झील के चारों ओर पचासी मील तक फैला हुआ है।

नानजिंग के साथ संचार करना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा था।

लाओ पेंग तय नहीं कर पा रहा था कि उसे क्या करना चाहिए। अगर वह इंतजार करता...

पोया के आने तक, शायद अंतर्देशीय क्षेत्रों से संचार जारी रह सकता था।

लंबे और घुमावदार रास्ते को छोड़कर, यह पूरी तरह से कट जाएगा।

लाओस के अनुसार दक्षिणी मार्ग बहुत महंगा होगा।

पेंग का जीवन स्तर बहुत अच्छा था। वह शंघाई में नहीं रहना चाहता था।

जबकि युद्ध आंतरिक क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा था।

युद्ध लोगों के साथ अजीबोगरीब चीजें करता है। इसने टैनी को बहाकर ले गया।

तियानजिन में उसके संरक्षित जीवन ने उसे एक ऐसी स्थिति में डाल दिया जहाँ उसे संघर्ष करना पड़ा।

लाओ पेंग और युमेई, जो उसके लिए बिल्कुल अजनबी थे, केवल एक

कुछ सप्ताह पहले। लाओ पेंग जितना अधिक तानी को देखता था, उतना ही वह

मुझे लगा कि वह पोया के लिए एक अच्छी पत्नी साबित होगी। उसके पास सारी छोटी-छोटी खूबियाँ थीं।

ऐसी अप्रासंगिक बातें जिन्होंने एक पेचीदा और सक्षम गृहिणी को बनाया, और जिस तरह से

उसके निजी आदतों पर उसके द्वारा किए गए अत्याचार ने उसे एक महिला के रूप में प्रदर्शित किया।

सामान्य प्रवृत्ति के साथ। उसे व्यवस्थित रहना पसंद था और युमेई के साथ वह

इसके विपरीत, वे अपने छोटे से कमरे को साफ और रहने लायक बनाने में कामयाब रहे।

बाहर फैली विशाल अव्यवस्था के लिए। एक गृहिणी की चतुराई से, छोटी

वस्तुओं को छुपा दिया गया और पार्सल गायब कर दिए गए; मुझे कोमल बना दिया गया

हमेशा बोझ से मुक्त रहता था; और टान्नी हमेशा

थर्मस की बोतल में ढक्कन वापस लगा दिया, जिसे वह अक्सर भूल जाता था।

जानबूझकर खुला छोड़ दिया। उसे कभी इस बात पर संदेह नहीं था कि वह गर्मजोशी वाली थी।

और भावुक स्वभाव का होने के कारण वह पोया के लिए एक अच्छा प्रेमी साबित होगा।

जब उसने पोया के साथ कहीं रहने जाने की बात कही, तो बस

उनकी आवाज में एक उत्साह था जो दर्शाता था

उसे आदर्शवादी मानना। लेकिन दुनिया का सारा आदर्शवाद भी व्यर्थ होगा।

अगर थर्मस की बोतल या कैन लगातार खुले पड़े रहें तो कोई फायदा नहीं होगा।

ओपनर अक्सर गलत जगह पर रखा होता है।

उनके पास सिर्फ एक छोटा कमरा था - जिसमें दो बिस्तर थे। पर्दे से ढका हुआ बिस्तर

महिलाओं को एकांत का एकमात्र साधन तो यहीं मिलता था, लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं था।

क्योंकि होटल ने इस उद्देश्य के लिए ढीले आधुनिक बिस्तर के पर्दे उपलब्ध कराए थे।

वेंटिलेशन का। उनकी असली निजता रात के अंधेरे में थी और

वे हमेशा बत्ती बंद होने के बाद कपड़े उतारते थे।

इस बात से सबसे ज्यादा शर्मिंदा युमेई थी।

दिन के समय, इओ पेंग आमतौर पर बाहर सड़कों पर घूमता रहता था।

वह अपने भोजन और पहनावे के प्रति उतना ही बेपरवाह था जितना कोई हो सकता है, उसका

वैज्ञानिक नियम यह था कि वह तभी खाए जब उसे भूख लगे।

भूख अनियमित अंतराल पर लगती थी, उसका भोजन अनियमित था। कुछ-

कई बार वह देर से घर आता था, और टान्नी उससे पूछती थी

क्या उसने खाना खाया था, और वह कहता कि उसने खा लिया है, और फिर आधा

एक घंटे बाद जब उसे भूख लगती तो वह कहता कि अब वह फिर से...

उसे याद आया कि उसने रात का खाना नहीं खाया था।

उसका एकमात्र नियमित भोजन नाश्ता था। टैनी ने उसे मना लिया।

वह हर सुबह एक गिलास दूध पीती थी और उसने देखा कि उसे यह बात समझ आ गई।

वह हमेशा शहर की विलासिता पर हंसता था और फिजूलखर्ची से नफरत करता था।

आधुनिक जीवनशैली अपनाते हुए, लेकिन एक समय डेयरी फार्म स्थापित करने की योजना भी बनाई थी।

खेती-बाड़ी के बारे में बहुत कुछ पढ़ने के बाद, वह खनिज संपदा में विश्वास करने लगा था।

इसलिए दूध का गिलास हमेशा उसकी नाश्ते की मेज पर रखा रहता था।

“अपना दूध मत भूलना,” टैनी कहती थी। “हम, हम, बिलकुल नहीं।”

दिन भर में आप क्या खाते हैं, यह जानना जरूरी है।"

लाओ पेंग हँस पड़ा। “मैं दिन में क्या खाता हूँ? चिंता मत करो।”

बेवकूफी। हम ऑस्ट्रेलिया में अपनी सेहत के लिए ज़रूरत से ज़्यादा खाते हैं। इससे क्या फर्क पड़ता है?

क्या आम लोग और भिखारियों के बच्चे खाते हैं? हमारा जीवन ही पूरी तरह से गलत है।

अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं और तब तक घूमते-फिरते हैं जब तक आपको बहुत भूख न लग जाए,

आप कुछ भी खा सकते हैं और उसे शरीर के लिए भोजन में बदल सकते हैं..."

लेकिन वह टान्नी की अपने कल्याण के प्रति चिंता से प्रभावित था।

टान्नी, अपने बचकाने स्नेहपूर्ण तरीके से, यह सुनिश्चित करती थी कि उसे एक गर्म कपड़ा मिले।

नाश्ते के बाद तौलिया लेकर, वह उससे कहती कि वह स्थिर खड़ा रहे जबकि वह

उसके जाने से पहले उसके गाउन पर ब्रश फेर दो।

"तुम वो टोपी क्यों नहीं पहनते जो मैंने तुम्हारे लिए खरीदी थी?"

मैं कभी टोपी नहीं पहनता।

लेकिन बारिश हो सकती है और आपको सर्दी लग सकती है।

“चिंता मत करो। मैं पूरी जिंदगी बिना टोपी के ही काम चला चुका हूँ।” और

लाओ पेंग बिना टोपी पहने ही चले जाएंगे।

“वह बहुत जिद्दी है,” टैनी ने कहा।

लेकिन कदमों की दूरी के मामले में, लाओ पेंग को इसकी आदत पड़ने लगी थी।

जिसे वह महिलाओं का "अत्याचार" कहता था। टैनी लगातार

खाली राखदान, उसके लिए एक मौन फटकार। महिलाओं

i60

नाश्ते से पहले उसका बिस्तर ठीक करना उनका स्वाभाविक कर्तव्य था।

खाना परोसा गया। उन्होंने कपड़े धोए और फिर पूछा।

वह हर सुबह उसका इस्तेमाल किया हुआ रूमाल देता था। शुरू के कुछ बार,

लाओ पेंग ने कहा कि वह इसे खुद धो सकता है, लेकिन तानी ने कहा कि यह एक

महिलाओं का काम।

उन्होंने आगे कहा, "हम युवा लोग हैं और आपको सेवा मिलनी चाहिए।"

लाओ पेंग अपनी उम्र के कारण मिले इस सम्मान से प्रसन्न हुए, और

इसके बाद उसने आज्ञाकारी भाव से अपना इस्तेमाल किया हुआ रुमाल निकाल दिया।

उसके गाउन के नीचे उभरी हुई जेब।

टी अपनी जीभ से सूंघकर हमेशा बता सकता है कि उसने पिछले दिन क्या खाया था।

“रूमाल,” तानी ने युमेई से हंसते हुए कहा। “कल उसने तेल खा लिया था।”

ट्विस्ट और डोनट्स — ^भुने हुए तेल की गंध आ रही है। एक दिन पहले

उसने त्सुंगत्से खाया—वह चिपचिपा चावल उसके रूमाल पर चिपक गया।

“वह एक दयालु व्यक्ति हैं,” युमेई ने टिप्पणी की।

“हां, लेकिन जिद्दी। मैं उसे बाल कटवाने के लिए मजबूर नहीं कर सका।”

युमेई ने कहा, "आप दोनों बहुत दयालु हैं। मुझे आप दोनों से मिलकर बहुत खुशी हुई।"

तुम एक अच्छे पति की हकदार हो।

"तुम उसे जल्द ही देखोगे," तानी ने मुस्कुराते हुए कहा।

“क्या वह सुंदर और बहुत अमीर है?” युमेल ने पूछा।

तानी को यह देखकर हंसी आती थी कि युमेई उसमें इतनी दिलचस्पी ले रही थी।

शादी। युमेई एक मजबूत किसान लड़की थी, जो स्वस्थ थी।

उसका रंग-रूप और स्वस्थ रहने की सहज प्रवृत्ति दोनों ही बहुत अच्छी थीं। वह अक्सर इसके बारे में बात करती थी।

शादी के बाद, उसके गाल पहले से कहीं ज्यादा गोल और लाल हो गए, और

उसकी आँखें सिकुड़ गईं। टैनी ने उसे उदास होने से रोक दिया था और

उसने आने वाले बच्चे के बारे में उसे आश्वस्त किया था, और उसने रुक गई थी।

चिंताजनक। टैनी ने मोजों पर दो-तीन डॉलर खर्च किए थे और

उसके लिए जूते खरीदे थे, और फिजूलखर्ची में उसने उसके लिए एक और जूता भी खरीद लिया था।

पोशाक। यितमेई एक ऐसे विलासितापूर्ण जीवन जी रही थी जिसका उसे पहले कभी अनुभव नहीं था।

वह टैनी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हर चीज के बारे में उत्सुक थी — उसकी क्रीम और

उसका मॉडेम रूज और डीएमटी पर एक लेख ने उसे बहुत उलझन में डाल दिया जब वह

मैंने इसे पहली बार देखा था - ब्रासिफर।

“यह किसलिए है?” उसने पूछा था।

तानी ने सावधानीपूर्वक समझाया था। "कई लोगों के लिए क्यूनी महिलाएं

वर्षों ने खुद को कसकर बांध लिया है जैसे आप ऐसा करते हैं ताकि उनके

स्तन दिखाई नहीं देंगे।

“हां,” युमेई ने कहा। “मेरी मां ने कहा कि हमें ऐसा करना चाहिए।”

लेकिन अब स्तनों को ऊपर उठाना फैशन बन गया है, उच्च एमडी

युमेई की हालत देखकर टैनी हिम्मत हो गई। “पुरुषों को ऐसा लगता है कि

“बिल्कुल हमारी तरह,” उसने चुनौती भरे लहजे में आगे कहा। “और इसीलिए हम पहनते हैं

ब्रासियर,” उसने कुछ बेमन से अपनी बात खत्म की।

i6i

“यह तो शर्म से मर ही जाता है,” युमेई ने तीखे स्वर में कहा, और वह

वह शर्म से लाल हो गई मानो मर ही जाएगी, "सियाओकबीट, आप एक सम्मानित व्यक्ति हैं।"

व्यक्ति।"

टैनी मुस्कुराई। "अब तो शहर की संभ्रांत महिलाएं भी इसे पहनती हैं।"

टान्नी अपनी ब्रा धो रही थी और जब उसने धोना समाप्त कर लिया, तो उसने

मैंने उसे युमेई को चूल्हे के पास सुखाने के लिए टांगने को दे दिया। युमेई ने उसे ले लिया।

ऐसा लग रहा था मानो वह धरती पर सबसे विशाल वस्तु हो और उसे देख रहा हो।

बेचैनी से,

“हमें उसे यह देखने नहीं देना चाहिए,” उसने कहा। “यह देखकर तो इंसान बुरी तरह शर्मिंदा हो जाता है!”

उस दोपहर मूसलाधार बारिश हो रही थी। लाओ पेंग जा चुका था।

एक छोटे बौद्ध मंदिर में घायल सैनिकों की मदद करने के लिए निकले

उनका इलाज किया जा रहा था। लड़ाई अब पश्चिमी मोर्चे पर थी।

शंघाई के बाहरी इलाकों में, बौद्ध भिक्षु अपना योगदान दे रहे थे।

घायलों को ले जाने के लिए एम्बुलेंस दल का आयोजन करके

बैटफील्ड। लाओ पेंग दोपहर में लौटे, उनके बाल और

कपड़े पूरी तरह भीग गए थे।

“अपना गाउन उतार दो। मैं इसे सुखा देती हूँ,” टैनी ने कहा।

मुझे आग के पास बैठने दो। तुम्हें सर्दी लग सकती है।

उसने एक कुर्सी खींच ली। ब्रा अभी भी लटकी हुई थी।

चक-बैक। युमेई ने उसे छीन लिया और जल्दी से उसे नीचे धकेल दिया।

तकिया। "कैस^ए! किसी को तो करना ही चाहिए था," उसने मन ही मन बुदबुदाया।

लाओ पेंग ने अपना गाउन उतार दिया, और तानी ने उसे छूकर पाया कि

बारिश से गद्देदार सूती कपड़ा पूरी तरह भीग गया था। उसने उसे एक

उसने तौलिया से उसे बाल सुखाने को कहा और उसे देखकर हैरान रह गई।

उसने अपने पैरों को मल से ढक दिया।

“तुम्हें सूखे और गर्म बिस्तर पर लेट जाना चाहिए,” उसने कहा।

वह आज्ञाकारी होकर बिस्तर पर चला गया और उसने उसे आराम से कंबल ओढ़ा दिया।

“बारिश रुकते ही मैं चला जाऊंगा,” उसने लगभग खुद से कहा।

"क्या तुम पोया का इंतजार नहीं कर रही हो?" तानी ने आश्चर्य से पूछा।

लाओ पेंग ने मानो उसके मन की बात जान ली और धीरे से बोला:

तुम यहीं रुको और उसका इंतज़ार करो। मैं फंसना नहीं चाहता।

शंघाई। मैं जाने से पहले उसके लोगों से मिलूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि उसे सब कुछ मिल जाए।

उसके आने पर आपसे संपर्क किया जाएगा। आप युमेई के साथ यहीं रहें।

आपको कुछ नहीं हो सकता। हम फिर हैंकोव में मिलेंगे।

तनम जानता था कि लाओ पेंग पहले ही अपनी तरफ से हर संभव प्रयास कर चुका था।

मुर्गी को शंघाई ले आओ, और उसे धकेलना उचित नहीं समझा।

आगे प्रश्न पूछें।

बारिश जारी रही और सड़कों पर मौजूद अधिकांश शरणार्थी

रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। केवल कुछ ही लोग इधर-उधर भटकते रहे।

कहीं जाने की जगह न होने के कारण, और यह जानते हुए कि एक जगह उतनी ही गीली थी जितनी

आई6ए

एक और। लाओ पेंग अपने बिस्तर से उठा और सामने खड़ा हो गया।

■खिड़की से नीचे बुलेवार्ड को देखते हुए, प्रतिबिंब में खोया हुआ।

विचार। बारिश खिड़कियों पर पड़ रही थी, और कभी-कभार

जबकि गुजरती हुई स्ट्रीट कारों के ऊपर लगे तारों से निकलने वाली चिंगारियां

उसके चेहरे पर बैंगनी रोशनी चमकती थी। कभी-कभी वे ऐसा कर सकते थे।

किसी कार के हॉर्न बजने की आवाज सुनाई दी।

“सूखी बिस्तर,” उसने आह भरते हुए मन ही मन कहा, और पालतू बनाया और

वह वापस अपने बिस्तर पर चला गया।

महिला ने उसके चुप होने तक इंतजार किया, फिर बत्ती बंद कर दी।

और बिस्तर पर कपड़े उतार दिए।

आधी रात के करीब, टैनी को खटमलों से परेशानी होने लगी। वह उठ खड़ी हुई।

चुपके से उसने टॉर्च ढूंढी। उस आवाज से लाओ पेंग जाग गया।

जो हल्की नींद सोता था।

"यह क्या है?" उसने पूछा।

“कीड़े,” उसने जवाब दिया।

"लाइट जलाओ। उस टॉर्च से तुम उन्हें नहीं ढूंढ पाओगे।"

मुझे डर है कि रोशनी आपको परेशान करेगी।

मुझे छोड़ो। मैं भी जाग रहा हूँ।

वह उठी, सिगरेट जलाई और अपना रजाईदार गाउन पहन लिया।

और सोफे पर बैठ गया।

“मैं आपसे बात करना चाहती हूँ,” उसने कहा। उसके पैर खुले हुए थे, और

उसने एक स्वेटर लिया और अपने पैरों को मोड़कर उससे ढक लिया।

तुम बिस्तर पर चले जाओ वरना ठंड लग जाएगी। चूल्हा

बाहर गए।"

“मुझे एक आदर्श स्थिति मिल गई है,” उसने कहा। “मैं आज रात चैन से सो सकती हूँ।”

वह फिर से उछल पड़ी और अपना बिस्तर और तकिया उठाकर ले गई।

सोफे। युमेई बिस्तर पर करवट बदलते हुए बोली: "क्या परेशानी है?"

मैं सोफे पर सोने जा रहा हूँ। तुम भी सो जाओ।

वह सोफे पर लेट गई और बिस्तर से खुद को ढक लिया।

डिंग। अपने गाउन को बिना बटन लगाए, उसने अपना तकिया उठाया।

इसलिए वह आधा उठकर आराम से लाओ पेंग से बात कर सकती थी।

“क्या तुम सचमुच जा रहे हो और उसका इंतजार नहीं करोगे?” उसने पूछा।

'हां। हांगचो जाने वाली रेल लाइन पहले ही कट चुकी है। रोज़मर्रा की...'

देरी होने से भाग निकलना और भी मुश्किल हो जाता है।

“आपने मेरे लिए पोया से बात करने का वादा किया था,” उसने कहा।

“मुझे खुशी होनी चाहिए थी,” उसने धीरे से कहा। “लेकिन आप कर सकते हैं

उसे सब कुछ ठीक वैसे ही बताओ जैसे तुमने मुझे बताया है। तुम बता सकते हो।

यह मुझसे बेहतर है। मैं पोया को जानता हूँ। वह समझ जाएगा।

“शायद आपको नहीं पता कि मैं इतना डरा हुआ क्यों हूँ। मुझे लगता है कि आप

मुझे कभी प्यार नहीं हुआ।

मुझे पता है। पोया एक शानदार इंसान है, लेकिन वह बेचैन है और वह

वह अपना जीवन बर्बाद कर रहा है। उसे तुम्हारे जैसे किसी की ज़रूरत है। जब तुम दोनों एक दूसरे के साथ होगे

दूसरे, वह खुश होगा. . . . तुम यहीं रहो, और जब भी हो सके,

हैनकोव आइए। क्या मैं आपसे कुछ पूछ सकता हूँ?

“क्या?” उसने पूछा।

मैं तुम्हें ध्यान से देख रहा था, टैनी। तुम अच्छी हो।

पोया के लिए एक महिला। अगर तुम दोनों भाग सकते हो, तो क्या तुमने कभी सोचा है?

तुम क्या करने जा रहे हो?"

मैंने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं था।

“दूसरों के लिए कुछ, अपने लिए नहीं। पोया बहुत अमीर है।

युद्ध पीड़ितों, गरीबों, पीड़ितों, घायलों की मदद करें।

बेघर — ˆक्या आप पोया के ऐसा करने का समर्थन करेंगे?

"बेशक। मुझे लगता है मैंने स्वार्थी जीवन जिया है। लेकिन मेरे पास कभी नहीं था

एक मौका।"

लाओ पेंग ने उठते हुए स्नेहपूर्वक कहा: "पोया दुखी है।"

अपने वैवाहिक जीवन में, और इसलिए स्वयं से और हर किसी से नाखुश।

उसने मुझसे कहा कि वह कल्पना भी नहीं कर सकता कि उसकी पत्नी मेरे साथ अंतर्देशीय क्षेत्र में जाएगी।

उसके लिए मेरे मन में ज़रा भी सहानुभूति नहीं है। आप समझते हैं कि मुझे उसके लिए ज़रा भी सहानुभूति नहीं है।

स्वार्थी अमीर। मेरे लिए इतना ही काफी था, जहाँ तक उसकी पत्नी का सवाल है...

चिंतित। पोया की परेशानी उसकी शादी है।"

“और आपको लगता है कि मैं उसकी मदद कर सकती हूँ?” टैनी ने पूछा।

मुझे ऐसा ही लगता है। उसे तुम्हारे जैसी हंसमुख और प्यारी शख्सियत की जरूरत है।

• इससे वह बहुत खुश हो जाएगा। और यह मत भूलिए कि वह बहुत मजाकिया है।

उसे भरोसा है कि आप उसके पैसे को सही तरीके से खर्च करने में उसकी मदद करेंगे, उसकी मदद करेंगे।

अन्य — ^अमीर लोगों के लिए पैसा खर्च करने का यही एकमात्र सही

तरीका है।"

“ओह, मैं वादा करती हूँ,” वह रोते हुए बोली। “इससे बेहतर कुछ नहीं होगा।”

"यह मेरे लिए एक आदर्श जीवन होगा।" उसकी आवाज़ में उत्साह का भाव था।

उसकी आवाज में बदलाव आया। लाओ पेंग प्रसन्न हुआ।

“आओ, मुझे अपना हाथ दो,” लाओ पेंग ने कहा और वह उठ खड़ी हुई।

‘फिकोम ने अपनी सोफी को हिलाया और अपना हाथ बढ़ाया। लाओ पेंग ने उसे थाम लिया।’

"एक वादा," उसने फिर कहा, उसके बिस्तर के किनारे बैठते हुए।

उसका हाथ पकड़कर उसने कहा, “तुम्हारे पैर ठंडे होंगे। उन्हें रख लो।”

"यहाँ नीचे।" उसने अपनी स्थिति बदली और उसने अपने पैर नीचे मोड़ लिए।

उसके पलंग के निचले कोने पर।

क्या आपको पता है कि मैं एक महिला को दूसरी महिला को लूटने में मदद कर रहा हूँ?

उसका पति?” उसने कहा। “मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ? बहुत शुक्र है, इसके लिए।”

आम लोग। पोजरा एक बहुत ही असाधारण व्यक्ति है। मैंने देखा है

इतना जानना ही जीवन के लिए काफी है कि एक महिला किसी पुरुष को बना या बिगाड़ सकती है।

एक स्त्री या तो अनमोल होती है या फिर कचरा। तुम उसे खुश करोगी, और तुम...

•उसके निर्माण में अहम भूमिका निभाएं।

i6/t

"क्या आप सच कह रहे हैं, अंकल पेंग?" तानी ने कांपते हुए कहा।

"मुझे यकीन है," उसने अपना हाथ ढीला करते हुए जवाब दिया। "लेकिन प्यार

पुरुष और स्त्री के बीच स्वार्थ ही एकमात्र अंतर है, यदि यह आधार न हो तो।

दूसरों से प्यार करना और उनकी मदद करना। टैनी, तुमने शरणार्थियों को देखा है।

गली। उन्हें दसियों हज़ार से गुणा करें, और आपको पता चल जाएगा

अंतर्देशीय क्षेत्रों में क्या हो रहा है। यह उन लोगों के लिए एक शानदार अवसर है जो

पैसा होना चाहिए। पेट भरने के लिए पर्याप्त भोजन और आश्रय — यही घर की ज़रूरतें हैं।

कम चाहत। एक सूखा, गर्म बिस्तर। इससे सरल और क्या हो सकता है? लेकिन

उन्हें यह दे दो—यही सबसे बड़ा सुख है।

लाओ पेंग इतनी गंभीरता से बोल रहे थे, उनकी आवाज इतनी स्वाभाविक थी और

ईमानदारी से कहूं तो, टैनी बहुत भावुक हो गई थी।

चाचा जी, आपने मुझे कुछ ऐसा सिखाया जो मुझे पहले कभी नहीं पता था।

मैंने सिर्फ अपने बारे में सोचा है। तुमने मुझे शर्मिंदा कर दिया है।

खुद।"

उन्होंने कहा, "मैंने आपके बारे में गलत नहीं सोचा था।"

"हम आपको आंतरिक क्षेत्र में कैसे ढूंढ सकते हैं?"

मैं शरणार्थियों के साथ नदी के ऊपर की ओर जाऊंगा। सबसे अच्छा

मैं आपको किउंगफू मनी शॉप का पता दे सकता हूँ। वे

पत्र आगे भेज दो। अब सो जाओ। अगर तुम सो जाओगे तो कीड़े तुम्हें परेशान नहीं करेंगे।

आप उनके बारे में नहीं सोचते।

“मुझे अब कीड़े-मकोड़ों से कोई मतलब नहीं है,” उसने खुशी से कहा।

टैनी ने लाइट बंद करने के लिए मुड़ा और फिर टटोलते हुए वापस अपने सोफे पर बैठ गया।

उसने अंधेरे में उसे अपने बिस्तर पर थपथपाते हुए सुना।

कुछ देर बाद उसने कहा, "अंकल पेंग।"

अभी बात मत करो।

मैं बहुत खुश हूँ। क्या आप कभी मंदिर में प्रार्थना करते हैं?

मैं कभी प्रार्थना नहीं करता।

काश तुम मेरे लिए प्रार्थना कर पाते। तुम मुझे ऐसा महसूस कराते हो कि मैं ही सब कुछ हूँ।

दुनिया की सबसे खुश महिला।"

"बुद्ध आपको आशीर्वाद देंगे। अब सो जाओ।"

अध्याय XI

लाजो पेंग आठ नवंबर को, ठीक एक दिन पहले, नानकिंग के लिए रवाना हो गए।

चीनी सेनाओं द्वारा अपनी वापसी पूरी करने से पहले

शंघाई के पश्चिमी उपनगरों में। तानी और युमेई ने उसे विदा किया।

होटल में, और उन्होंने हैंकोव में मिलने का वादा किया। टैनी ने पूछा

उसे पत्र लिखने के लिए कहा गया था, और उसने कहा कि वह लिखेगा, लेकिन उसे पता नहीं था

डाक शंघाई तक कैसे पहुंचेगी। लाओ पेंग को कुछ ज्यादा ही चिंता हो रही थी।

जितना वह दिखाना चाहता था, उससे कहीं अधिक उसने धीरे से दोहराया, मुस्कुराने की कोशिश करते हुए: "यह है

सब ठीक चल रहा है... हम हंकोव में मिलेंगे — हंकोव में।

आसमान साफ हो गया था, और तानी और युमेई होटल के दरवाजे पर खड़ी थीं।

और उन्होंने तब तक हाथ हिलाया जब तक कि उन्हें उसका झबरा सिर दिखाई न दे गया और

थोड़ा झुका हुआ आकार, कोई धब्बा नहीं। इस अधेड़ उम्र के tnari को देखकर

युद्ध क्षेत्र की ओर अकेले और जाहिरा तौर पर पैदल प्रस्थान करना।

उन दोनों को, खासकर जब उन्हें याद आया कि वह क्यों गया था।

उसके जाने के बाद ही टान्नी को एहसास हुआ कि वह कितनी आदी हो चुकी थी

उनकी कंपनी।

एक सप्ताह बाद पोया अपनी पत्नी के साथ शंघाई पहुंचे। कैनान के

मेरे माता-पिता एवेन्यू फोध से थोड़ी दूर एक गली में रहते थे, जिसे एक

एक आरामदायक मध्यमवर्गीय घर। यह एक धूसर ईंटों से बनी इमारत थी।

सीमेंट के फुटपाथ वाली एक "छत" के अंदर, और अविश्वसनीय रूप से बदसूरत

बाहर की तरफ। घर इतने पास-पास बने थे कि बीस

परिवार एक एकड़ के खेत में बने एक चबूतरे में रहते थे। अधिकांश अमीर लोग भी इसी तरह रहते थे।

शंघाई में रूढ़िवादी वर्ग रहता है, जिससे उन्हें सुरक्षा की भावना मिलती है।

चारों ओर से पड़ोसियों से घिरे होने के बजाय,

बाहरी इलाकों में अधिक काव्यात्मक लेकिन कम सुरक्षित स्थान।

घर का आंतरिक भाग भी आरामदायक ढंग से सुसज्जित था, क्योंकि

कैनान अपने माता-पिता को घर पैसे भेज पा रही थी। पोया

एक धनी दामाद होने के नाते श्रीमती जी को पूरा सम्मान दिया गया।

कैनान की बूढ़ी माँ ह्सिया ने सबसे बढ़िया दक्षिणी कमरा तैयार किया था।

पोया ने अपनी बेटी और दामाद के लिए तीसरी मंजिल पर एक घर बनवाया था।

उन्होंने होटल का कमरा लेने का इरादा किया था, लेकिन यह देखकर कि उनकी पत्नी का परिवार

उसने इतनी मेहनत की थी, इसलिए उसने वहां अस्थायी रूप से रुकने का फैसला किया।

श्रीमती ह्सिया का स्वागत हार्दिक था। “पोया, मैंने तुम्हें बहुत दिनों से नहीं देखा है।”

तीन साल। यह मत कहो कि मेरा घर तुम्हारे लिए काफी अच्छा नहीं है।

बेशक, इसकी तुलना आपके पेइपिंग स्थित घर से नहीं की जा सकती।

“ठीक है, मैं यहीं रुकूंगा, माँ,” उसने जवाब दिया।

उस दोपहर वह कैनान के साथ बर्लिंगटन में अपने दोस्त से मिलने गया।

रिश्तेदार।

बैठक को लेकर हमेशा की तरह उत्साह का माहौल था।

रिश्तेदार। कियान्या और नाउ के परिवार एक कमरे में जमा हो गए।

पेइपिंग की स्थितियों के बारे में प्रश्न पूछें। तीनों महिलाएं

महिलाओं की उस तीव्र गति में वे एक साथ बात कर रही थीं।

बातचीत तब होती है जब हर कोई बोल भी रहा होता है और सुन भी रहा होता है।

अन्य लोगों से भी इसी तरह बातचीत होती रही।

टेनिस खिलाड़ी वार्म-अप करते समय इधर-उधर धक्के खाते हैं ggfn < >^

जब विपरीत छोर से दो गेंदें एक साथ मारी जाती हैं,

i66

और प्रत्येक खिलाड़ी अपने दम पर अभ्यास करने का मौका पाकर बहुत खुश है।

अपने प्रतिद्वंदी की गेंद कहाँ गिरती है, इस पर ध्यान देने के लिए मांसपेशियों का उपयोग करना। निरंतरता

तार्किक क्रम के बजाय गति ही नियम था।

शब्द कमरे के उस पार तक पहुंच गए, चाहे कोई भी सुन रहा हो।

और अगर शब्दों के विपरीत प्रवाह को बदलने का समय होता, तो ऐसा हो सकता था।

दूसरी उछाल पर, मानो उसे पकड़ा जाए और उस पर प्रहार किया जाए।

“हाँ,” डिम एंड ग्रेंस ने कहा, लेकिन यह संकेत नहीं दिया कि क्या

“हाँ” किसी नए विषय की शुरुआत या किसी विषय की निरंतरता का संकेत था।

पिछला वाला, “आपने वो कुछ नहीं देखा जो हमने देखा। बंदूकें थीं

जब हम उतरे तो नदी के दोनों किनारों पर गर्जना हो रही थी, और आकाश

चारों ओर काला धुआँ ही धुआँ था... वानलो, अपनी माँ को बोलने दो।

...ये वे नौजवान हैं जो डरते नहीं हैं, वानपिंग यही चाहता था।

जब उसने अपने चचेरे भाइयों को सेना में जाते देखा तो वह भी सेना में भर्ती हो गया। मुलान और

मोचो दोनों दो महीने पहले ह्सियाओफी को देखने के लिए हमारे साथ यहां आए थे।

और अतंग मोर्चे पर चला गया। उसके साथियों को रोकने में काफी मुश्किल हुई।

उसे उनके साथ जुड़ने से रोकना। ... वह केवल अठारह वर्ष का है। आप देखिए, वह

उसके कपड़े छोटे पड़ने लगे हैं और वह पहले से ही अपने पंखों को सहारा देने लगा है।

पारिवारिक खाते रखें...

अफेई ने सुझाव दिया कि वे लोग चिन्या के कमरे में जाएं। “हम कर सकते हैं

वहाँ बेहतर बात करो, क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता?

चिन्या ने एक साधारण चीनी गाउन पहना हुआ था। उसने पोया से पूछा।

आर्मचेयर लेने के लिए, जबकि वह डेस्क की कुर्सी पर सीधा बैठा था।

अफेई, बिस्तर के किनारे बैठी हुई, बोली: “तुम्हें याद है तुम्हारा

"श्री पेंग का दोस्त?"

“हाँ, वह कहाँ है?” पोया ने उत्सुकता से पूछा।

“वह पिछले हफ्ते आया था और संदेश छोड़कर चला गया कि उसे जाना होगा।”

नानकिंग के लिए, जब तक संभव था। उन्होंने कहा कि उनकी भतीजी थी

वह रुका हुआ है और उसने मुझे उसका पता दे दिया है। आपको उससे मिलने जाना है।

उससे बात करो या उसे फोन करो। वह चांगफेटसन में है। वह बहुत सुंदर है।

युवती। मुझे लगता है उसका नाम टान्नी है।

“तन्नी?” पोया ने आश्चर्य से पूछा।

“हां, टैनी।”

"वह किसके जैसी है?"

“काफी दिलचस्प और बेहद मनोरंजक। बच्चों को बहुत पसंद आया।

उसने कहा कि वह लोला की मेहमान बनकर हमारे घर में रुकी थी।

“मैं समझ गया,” पोया ने कहा, उसका चेहरा एक झटपट मुस्कान में बदल गया। “

जो लड़की हमारे घर में रुकी थी— जैसा कि आपने कहा, श्री पेंग की भतीजी— वह थी

माउन नाम की महिला। लेकिन मुझे यकीन है कि आप उसी महिला की बात कर रहे हैं।

यह बहुत रहस्यमय है। वह हमारे साथ नीचे आने की योजना बना रही थी।

और फिर—उसने अपना मन बदल लिया और लाओ पेंग के साथ आ गई।

167

वह किसी बात में जापानियों के साथ उलझा हुआ था। लेकिन मुझे इस पर विश्वास नहीं है।

मुझे इसके बारे में पता चला है। मुझे उसकी थोड़ी चिंता हो रही है। मुझे उससे मिलना होगा और पता लगाना होगा।

पता लगाइए कि श्री पेंग कैसे चले गए।

कुछ व्यापारिक मामलों पर बातचीत के बाद, पोया ने पदोन्नति प्राप्त की।

जाना-

“वैसे,” उसने अफेई से कहा, “कैनान उसे बिल्कुल पसंद नहीं करता।”

मैं रात के खाने के लिए वापस आऊंगा, लेकिन कैनान को मत बताना कि मैं कहाँ हूँ।

जा रहे हो, समझे?

अफेई ने उसकी ओर देखा और मुस्कुराई।

दूसरे कमरे में, घटना के बाद मुश्किल से पाँच मिनट ही बीते थे।

जब कैनान मालिन की सनसनीखेज कहानी में पूरी तरह से डूबी हुई थी, तब पुरुष वहां से चले गए।

क्या आपको पता है कि हम लगभग पुलिस के साथ मुसीबत में पड़ गए थे?

सितंबर में, आंटी लोला ने अपनी एक सहेली को हमारे घर पर रहने के लिए आमंत्रित किया।

उसके बारे में एक गहरा रहस्य था और वह लंबे समय तक बनी रही।

उसका नाम मालिन है। उसे हमारे साथ आना था। कोई नहीं।

वह उसे या आंटी लोला को उसके मूल स्थान पर वापस ले जा सकती थी।

बल्कि मुझे उसमें दिलचस्पी होने लगी, और मैं देख सकता था कि पोया उससे फ़्लर्ट कर रही थी।

उसके साथ। तुम जानते हो कि वो महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। वो सुंदर है।

गहरी काली आँखों वाली, और बहुत ही शातिर, और उसका जन्म का निशान लाल रंग का है।

उसकी गर्दन पर निशान था।

“अरे वाह, ये तो मिस पेंगल हैं!” वानलो ने कहा।

"क्या मिस पेंग?" केनान ने पूछा। "क्या अपने उसे देखा?"

"हम सभी ने किया," अन्य बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहा।

“ये रैटलस्नेक लेडी हैं। पी-एस-एस-एसडीएल,” इचू ने कहा।

“बड़ों को बोलने दो,” डिमफ्ताग्रेंस ने फटकारा। “लेकिन यह तो...”

मुझे यकीन है, मिस पेंग। बच्चों, उनका नाम क्या था?

“तन्नी,” वानलो ने कहा।

“क्या तानी? वह तो त्सुई मालिन है। क्या मैंने नहीं कहा था कि वह एक...”

रहस्यमयी महिला? वह एक भागी हुई रखैल है और वह है

“पुलिस को उसकी तलाश है,” कैनान ने अतिरंजित फुसफुसाहट में कहा।

"भगोड़ी रखैल" शब्दों पर लयबद्ध ढंग से जोर देते हुए।

“लेकिन वह तो बहुत ही अच्छी महिला हैं,” वानलो ने बीच में ही टोकते हुए कहा।

के. इनन ने अपनी कहानी में नाटकीयता का पुट डाला। "तो उसके पास है

उसने अपना नाम बदल लिया। उसके जाने के कुछ दिनों बाद, पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

हमारे घर में उसके लिए वारंट जारी किया गया था। उन्होंने एक

tplˆgram j&om दिखाया।

तियानजिन ने कहा कि वह अपने पति के गहने लेकर भाग गई थी।

और पैसे, मुझे याद नहीं कितने दस हज़ार थे। सौभाग्य से वह

उस समय वह घर में नहीं था, वरना हम मुसीबत में पड़ जाते।

पुलिस के साथ। आप देख सकते हैं कि किसी भी प्रकार की आगजनी करना कितना खतरनाक है।

उस वर्ग की महिला के साथ। कोई भी देख सकता था कि वह गर्भवती थी। - ट्रिन।

i68

एक औरत— अच्छी पारिवारिक लड़कियों जैसी नहीं। मैं आपको बता दूं, वह बिल्कुल वैसी ही है...

पेंग की भतीजी। जब जापानियों ने हमारे घर की तलाशी ली, तो वह...

वह डर गई और उसी रात भागकर मिस्टर पेंग के घर रहने चली गई।

पाओफेन ने आनंद से गपशप की शराब पीते हुए कहा, "ओह्ह!"

"वैसे भी मुझे वो पसंद है," वानलो ने जोरदार बचाव करते हुए कहा।

“माँ,” नन्हे वंजन ने कहा, “पुलिस उस महिला को क्यों पकड़ना चाहती है?”

किसने कहा Ps-s-s-stˆ"

और उसने हमें बताया कि वह गुरिल्लाओं के साथ थी और रही थी-

"जापानियों से लड़ रहे हैं," डियुंग ने कहा।

"वह बुरी औरत कैसे हो सकती है?" वानलो ने विरोध जताया।

मुझे नहीं पता कि उस वर्ग की महिला का अतीत कैसा रहा होगा।

“हाँ,” कैनान ने टिप्पणी की। “क्या वह अभी भी यहाँ है?”

“पता नहीं,” पाओफेन ने जवाब दिया। “मैंने अपने पति से सुना है।”

श्री पेंग चले गए हैं।"

अफेई और कियाया इसी क्षण वापस लौटे और उन्होंने देखा कि

वोटोम अपनी बातचीत का आनंद ले रहे थे।

“क्या श्री पेंग अलविदा कहने और यह बताने नहीं आए थे कि वे जा रहे हैं?”

"नानकिंग के लिए?" पाओफेन ने अपने पति से पूछा।

"हां, वह एक सप्ताह पहले चला गया।"

"क्या उसकी भतीजी अभी भी यहीं है?"

"अरे, आप उसके बारे में बात कर रहे हैं! वह अभी भी यहीं है।"

“वह कहाँ ठहरी है?” कैनान ने पूछा।

अफेई ने उसकी ओर देखा और कहा: "मुझे नहीं पता... बिल्कुल।"

आप हमारे साथ रात का खाना खाएंगे। पोया कुछ काम से बाहर गई है।

वे व्यवसाय से जुड़े हैं और बाद में हमसे जुड़ेंगे।"

पोया, टान्नी से मिलने के लिए बेचैन था, इसलिए उसने टैक्सी लेकर उसके होटल की ओर प्रस्थान किया।

बताया गया कि श्री पेंग चले गए हैं, लेकिन उनका परिवार अभी भी वहीं है। वह चला गया।

वह उठा और तेजी से धड़कते दिल के साथ दरवाजे पर दस्तक दी।

युमेई ने दरवाजा खोला।

मैं मिस पेंग को देखना चाहता हूँ।

"वह अंदर नहीं है," युमेई ने दरवाजा पटकते हुए कहा।

फिर अचानक दरवाजा फिर से खुल गया। "लेकिन तुम siaocbieVs हो।"

“दोस्त हो ना?” युमेई ने उत्साहित होकर माफी मांगते हुए कहा। “अंदर आ जाओ।”

वह इन सभी दिनों से तुम्हारा इंतजार कर रही थी और तुम्हारी प्रतीक्षा कर रही थी।

“तुम कौन हो?” पोया ने पूछा।

“मैं उसके साथ मिलकर कमाल कर रही हूँ। मेरा नाम युमेई है। बैठ जाओ।”

सियाओकबीब आपको देखकर बहुत प्रसन्न होगा।

"वह कहाँ है?" पोया ने पूछा।

वह टहलने के लिए बाहर गई है।

युमेई ने चाय डाली और उसे सिगरेट दी, जबकि वह बैठा रहा।

वाटडबंग और उससे सवाल पूछ रहा था। वह ठीक से समझा नहीं पा रहा था।

उसके लिए, बस फर्क इतना था कि वह एक देहाती लड़की थी।

आप उसके साथ कब से रह रहे हैं?

"हम सब पेइपिंग से एक साथ आए हैं।"

वह यह देखने के लिए खिड़की की ओर दौड़ी कि क्या टान्नी आ रही है, और फिर

वह वापस आई और पोया के सामने मुस्कुराते हुए खड़ी हो गई।

गाल।

“आप पेइपिंग से हैं?” उसने कहा।

"बिल्कुल।"

"क्या आप श्री पेंग के रिश्तेदार हैं?"

“नहीं, क्यों?” पोया को हंसी आ गई।

"क्या श्री पेंग आपके लिए सियाओचीब नहीं लाए थे?"

"आपके ऐसा सोचने की वजह क्या है?"

“खैर, सियाओचीब ने कहा कि वह श्री पेंग की रिश्तेदार नहीं थी। मैं कर

सकता था

समझ नहीं आया। तो वो आपका रिश्तेदार होगा। अच्छा आदमी है।

वह श्री पेंग हैं।

पोया उसके सवालों से अधीर हो रही थी, लेकिन जैसे-जैसे वह बोलती गई, वह

उसे दिलचस्पी होने लगी। उसने आगे कहा, "जब से हम यहाँ आए हैं, तब से हर दिन।"

*'siaochiib आपसे खबर का इंतजार कर रहा था। इसलिए जब मैंने सुना

उनकी बातें सुनकर मैंने कल्पना की कि वह किस तरह का सज्जन व्यक्ति होगा।

इतनी खूबसूरत महिला से शादी करने का सौभाग्य मिला।

“तो क्या आप नियुक्त हैं?”

^“उसेनमोल, आप दोनों वाकई एक बेहतरीन जोड़ी हैं। और वह भी भाग्यशाली है कि

आप जैसे सज्जन से शादी करना चाहती हैं? क्या आप कोई अधिकारी हैं?

"नहीं।"

"सियाओचीब ने मुझे बताया कि आप बहुत अमीर हैं और एक बड़े बगीचे

में रहते हैं।"

"अरे! क्या यह एक AU है?"

“खैर, आप जरूर होंगे। जो व्यक्ति बहुत अमीर नहीं है, वह कैसे अमीर हो सकता है?”

उसके जैसी खूबसूरत महिला से शादी करना चाहते हो? शादी कब है?

पोया नाखुश थी और उसने कोई जवाब नहीं दिया, और युमसी, थोड़ी सी शर्मिंदा होकर, वह टान्नी को देखने के लिए खिड़की के पास वापस चली गई।

अचानक उसने गलियारे में टान्नी के कदमों की आहट पहचान ली, और दरवाजा खोलने के लिए दौड़ा।

पोया को अपने ठीक सामने खड़ा देखकर टैनी का सिर झुक गया। उसने अपने पार्सल फर्श पर रख दिए और रोने लगी:

"ओह, पोया, तुम्हारे पास कॉर्नल है।"

“Lien-erhl”

वे दोनों गले मिले और एक-दूसरे को चूमा, और युमेई शरमा गई।

साथ ही मुस्कुरा भी दिया।

“वह कौन है?” पोया ने पूछा।

“एक शरणार्थी लड़की। मैं उससे 'पश्चिमी पहाड़ियों' में मिला था,” उसने जवाब दिया।

तानी ने पोया का हाथ पकड़ रखा था और उसे अपने साथ नीचे खींच रही थी।

सोफे।

“तुम्हारा इंतज़ार करते-करते मैं लगभग मर ही गई थी,” उसने कहा, “तुम कहाँ हो?”

प्रवास के?"

“मेरी पत्नी के घर पर।”

युमेई ने इतनी ज़ोर से हांफते हुए आवाज़ निकाली कि पोया ने उसकी तरफ देखा।

तानी ने कहा: “युमेई, तुम एक घंटे के लिए टहलने जाओ। मेरे पास

याओ शाओयेब से बात करने के लिए कुछ तो है," युमेई शर्म से लाल हो गई।

और निराश होकर कमरे से बाहर निकल गया।

वे एक-दूसरे की आँखों में देखते हुए बैठे थे। यह एक साथ ही एक

पहले से चली आ रही लालसा और तड़प की संतुष्टि और

आने वाले समय के लिए एक आश्वासन।

“ओह, पोया, आखिरकार! तुम मुझे भूली नहीं हो?”

"मैं कैसे कर सकता हुँ?"

“एक पल के लिए भी नहीं?”

“एक पल के लिए भी नहीं,”

उसने उसे फिर से चूमा। "तुम पहले से पतले लग रहे हो।"

“क्या मैं? मुझे बताओ लाओ पेंग के साथ क्या हुआ?”

“वह एक हफ्ते पहले नानजिंग के लिए रवाना हो गया था... अरे, इस बारे में बात मत करो।”

तिम। हम सिर्फ अपने बारे में बात करते हैं, किसी और के बारे में नहीं।

क्या यही है?

अभी से? मैं तुमसे फिर कभी अलग नहीं होऊंगी।" वह बैठ गई।

उसके करीब आकर, उससे और खुद से बात करते हुए। "अंकल पेंग"

उन्होंने मुझे दिखाया कि हम एक आदर्श जीवन कैसे जी सकते हैं। हम अंदरूनी इलाके में जाएंगे और

उनके साथ काम करें और युद्ध पीड़ितों की मदद करें। उनका यही लक्ष्य है।

अब क्या करें। उन्होंने कहा कि उन्होंने आपसे बात की थी। . . . और हम चलेंगे।

कहीं ऐसी जगह—जहां हमें कोई नहीं जानता, और हमें इस बात की परवाह करने की जरूरत नहीं है कि क्या हो रहा है

दूसरे लोग कहते हैं, ।

"तो तुमने यह सब लाओ पेंग के साथ मिलकर किया।"

“हाँ, उन्होंने कहा कि आप उनसे सहमत हैं। उन्होंने कहा कि आप बहुत अमीर हैं।

और हम गरीबों और बेघरों की मदद कर सकते हैं। क्या यह खुशी की बात नहीं होगी?

हमारे लिए जीवन? आप कितने अमीर हैं?

अब पोया को सबसे ज्यादा नापसंद यह था कि उसे अमीर कहा जाए, और यही वह बात थी...

पिछले आधे घंटे में उसने यह टिप्पणी दूसरी बार सुनी थी।

"तुम यह क्यों जानना चाहते हो?" उसने कुछ रूखेपन से कहा।

मैंने इसके बारे में पहले कभी ज्यादा नहीं सोचा था। लेकिन अंकल पेंग ने खुलकर बात की।

मेरी आँखें। पैसा कितना अच्छा काम कर सकता है - लोगों को जन्म देना।

मैंने यहाँ सड़कों पर शरणार्थियों की जो हालत देखी है, वह बहुत भयावह है।

आपने कहा था कि आप हमारे बारे में बात करना चाहते हैं। अब आप...

शरणार्थियों की बातचीत।"

मैं आपको बता रहा हूँ कि हमारा साथ में जीवन कैसा हो सकता है। यह लाओ था

पेंग का विचार। हम जहाँ चाहें वहाँ जाएँगे — सिर्फ़ तुम और मैं।

और लाओ पेंग।"

"तुम बहुत आगे की योजना बना रहे हो," पोया ने थोड़ी रूखेपन से कहा।

“क्या आप सहमत नहीं हैं?”

“बिल्कुल, मैं करता हूँ। बस... यह इतना आसान नहीं है। आपने मुझे पकड़ लिया।”

मुझे आश्चर्यचकित कर दिया. . . . लीन-एरह, तुमने अपना नाम क्यों बदल लिया?

"टैनी?"

"सुरक्षा के लिए। मैंने तुमसे कहा था कि मुझे जापानियों से डर लगता है।"

“मैं आपसे यही पूछना चाहता हूँ। क्या आप मुझे इसका उत्तर देंगे?”

सच कहूँ तो?

“हाँ,” टैनी ने थोड़ा कांपते हुए उत्तर दिया। उसे इस बात का डर था।

यह एक ऐसा संकट था जब उसे अपनी कहानी बतानी ही थी, और उसने खुद से यही कहा था कि

वह उसे भी वही बात बताएगी जो उसने अंकल पेंग को बताई थी। लेकिन बात यह थी कि...

हल्की रोशनी में और जब सब कुछ अनुकूल हो। अब वह जा रहा था।

सवाल पूछते ही उसका दिल कांप उठा।

“लीन-एरह, मुझसे सच बोलो। क्या तुम किसी के धोखेबाज़ थे?”

"रखैल?"

वह चिंतित दिखी और हिचकिचाई, फिर बोली: "हाँ।"

“क्या तुम सचमुच भाग गई?” — वह उसकी ओर नहीं देख पा रहा था, लेकिन

उसने अपनी निगाहें नीचे कर लीं — “जैसा कि रिपोर्ट में कहा गया है — गहनों और पैसों के साथ?”

टैनी भड़क उठी। "बिल्कुल नहीं। क्या आप मेरे बारे में ऐसा सोचते हैं?"

“गुस्सा मत हो,” पोया ने बेचैनी से कहा। “मैंने कभी विश्वास नहीं किया।”

मैं इसे स्वयं करूंगा।

“हाँ, हाँ!” टैनी चिल्लाई, *टी भाग गई... मैं एक आश्रित थी

महिला... मैंने तुमसे कहा था कि एक महिला जो भी काम करती है, वह हमेशा ही

गलत... अब तुम मेरे बारे में यही मानोगे!” वह फूट-फूट कर रोने लगी।

रोते हुए। “मैं तुम्हें पूरी कहानी बताना चाहती थी, लेकिन मेरे पास कोई साधन नहीं था।”

मौका।"

उसने उसे पहले कभी रोते हुए नहीं देखा था और अजीब बात यह थी कि उसने उसे रोते हुए देखा।

उसे यह पसंद नहीं था। वह उससे प्यार करता था, लेकिन उसके आँसू

उसे और भी परेशान करते थे क्योंकि

उन्होंने उसके मन में उठ रहे सवाल का हल निकालना नामुमकिन कर दिया।

“लिएन-एरह,” उसने धीरे से कहा। “रो मत... मैं तुमसे पूरे दिल से प्यार करता हूँ।”

मेरा दिल... लेकिन आपको समझदारी से बात करनी चाहिए...

लेकिन वह लगातार रोती रही। “अखबारों में यही लिखा है।”

कि मैं गहने और पैसे लेकर भाग गया... और आप विश्वास करते हैं

यह ..."

पोया ने झुककर उसे चूमा। वह जानता था कि रोती हुई स्त्री से बहस करना उचित नहीं है।

औरत बेकार थी, और सबसे अच्छे तर्क चुंबन थे।

स्नेह।

“लिएन-एरह — ˆतुम्हें मेरी बात सुननी होगी. . . इससे कोई फर्क नहीं पड़ता टेरेंस

मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे क्या कहते हैं या तुमने क्या किया है। मैं तुमसे प्यार करता हूँ। आओ,

मेरी तरफ देखो।

उसने अपनी आँखें खोलीं और उन्हें पोंछा। उसे लगा कि उसने

शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने अंकल को अपनी कहानी बहुत अच्छे से सुनाई थी।

पेंग, लेकिन उसे याद नहीं आ रहा था कि उसने यह कैसे कहा था।

पोया ने स्पष्टीकरण मांगा था, उसके व्यवहार ने उसे

वह गुस्से में थी और आत्मविश्वास में कमी महसूस कर रही थी। लेकिन इस बदलाव का असली कारण कुछ और था।

लाओ पेंग के साथ उनकी सफलता और इस भ्रम के बीच

पोया की उपस्थिति का कारण यह था कि उसे लाओ की बातों की इतनी परवाह नहीं थी।

पेंग ने सोचा। उसने शुरुआत इस तरह करने की योजना बनाई थी, "पोया, मैं शादी नहीं कर सकती।"

तुम।" इस प्रकार वह अधिक मजबूत स्थिति में होगी, लेकिन वह कर सकती थी

वह ऐसा नहीं कहती, क्योंकि यह बेईमानी होती। उसने कल्पना की थी कि

वह कहानी को वहीं से आगे बढ़ाएगी जहाँ उसने छोड़ा था— कि

जिस तरह से उसने अंकल पेंग को बताया था, उससे अलग। जो बात उसे समझ नहीं आई-

यह धारणा थी कि कहानी सुनाते समय, जिससे बात की जा रही है वह

उतना ही महत्वपूर्ण होता है जितना कि

वक्ता के रूप में महत्वपूर्ण। लाओ पेंग ने उसे आत्मविश्वास दिया था।

और पोया ने ऐसा नहीं किया था। उसे लगता था कि वह कुछ भी कबूल कर सकती है।

अगर मैं अंकल पेंग से बात करती, तो वे समझ जाते और माफ कर देते। इसलिए

अब उसने पोया से बस इतना ही पूछा:

"तुम्हें कैसे पता चला कि मैं एक भगोड़ी रखैल थी?"

"मैं तुम्हें यही बताने वाला था, लेकिन तुमने कभी बताया ही नहीं।"

मुझे एक मौका दो।' तुम्हारे जाने के पाँच दिन बाद, पुलिस आई।

उन्होंने आपको गिरफ्तार करने का वारंट जारी किया और आपका नाम त्सुई मालिन बताया।

"टियांजिन की कठपुतली पुलिस का एक टेलीग्राम दिखाया गया।"

टान्नी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "आप तियानजिन पुलिस पर विश्वास नहीं कर सकते..."

उन्होंने गद्दारों और जापानियों के औजार खाए। अगर मुझे पुलिस ढूंढ रही है तो

जापानियों, क्या मैं इतना बुरा हो सकता हूँ?

“लिएन-एरह, मैंने तुमसे कहा था कि मुझे इस कहानी पर विश्वास नहीं है। मुझे केवल इस बात की परवाह है कि...

आपकी सुरक्षा। असल मुद्दा यह है कि पुलिस आपको ढूंढ रही है।

मुझे एहसास हुआ कि मैं तुम्हारे बारे में चिंतित था - ^ऐसा नहीं कि मैंने ऐसा व्यवहार किया

और इसीलिए मैं आपसे पूछना चाहता था — यह जानने के लिए कि कैसे

मैं आपकी मदद करना चाहता था। मैं कहानी आपसे ही सुनना चाहता था। समझे?

मेरी खूबसूरत दासी?

पोया का लहजा कोमल था, और उसका उसे "सुंदर दासी" कहना भी कोमल था।

जैसे कि पेइपिंग में, यह बात उसे अच्छी लगी और वह मुस्कुराई।

“तुम्हें मेरे प्यार पर कभी शक नहीं करना चाहिए,” उसने आगे कहा।

“जो और पोया, हमें कभी एक-दूसरे पर शक नहीं करना चाहिए,” उसने कहा।

मैं तुम्हें सब कुछ बताऊँगी। क्या तुम्हें वो रात याद है जब...

तुम मुझे अंकल पेंग के घर ले जा रहे थे, और वो भी अंधेरे में।

उस गली में हमने एक दूसरे से हमेशा प्यार करने का वादा किया और

कभी?"

“हां, मुझे याद है। और तुमने मुझसे थप्पड़ मारने को कहा था।”

"और तुम ऐसा नहीं कर सकते थे," उसने खुशी से कहा।

मैं अपने हाथ को सड़ते हुए देखना पसंद करूँगा, बजाय इसके कि वह कभी सड़ जाए।

मैं तुम्हें थप्पड़ मारूंगा।

“ओह, पोया, तुम मेरी प्रेमिका हो, है ना? हाँ, मैं बताऊँगी।”

आप। । । ।"

मैं सुनना नहीं चाहता। इससे मुझे क्या फर्क पड़ता है जब तक कि...

हम एक दूसरे से प्यार करते है?"

लेकिन मुझे आपको सब कुछ बताना होगा।

"बाद में, अगर आप चाहें तो, जब हमारी शादी हो जाएगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

मेरे लिए अंतर है।"

क्या इससे वाकई कोई फर्क नहीं पड़ता?

*'जो कुछ नहीं।"

“ओह, पोया, मैंने तुम्हें गलत समझा... लेकिन मुझे तुम्हें बताना ही होगा।”

अब। मैं एक आश्रित महिला थी। मैं कई पुरुषों के साथ रही, उसके बाद।

मैंने अपने पति को छोड़ दिया। ... मुझे लगा कि मैं तुम्हारे लायक नहीं हूँ।

तुम्हारे बारे में सोचकर मुझे शर्म महसूस हुई। मुझे गहरे अफसोस ने जकड़ लिया।

मुझे लगा कि मैं तुम्हें दूसरी लड़कियों की तरह सच्चा प्यार नहीं दे सकती। मैंने कल्पना की थी,

अगर मैंने तुमसे शादी कर ली, तो तुम्हारे परिवार और दोस्त क्या बातें करेंगे?

और तुम्हारे और मेरे बारे में बातें कहो और यह भी कि मैं तुम्हें कैसे घसीटूँगा

नीचे। । । ।"

"लियेन-एरह, मूर्ख मत बनो, उन चीजों की कल्पना मत करो। क्या

क्या मुझे दूसरों की बातों की परवाह है? तुमने मुझसे कभी हर बात बताने के लिए नहीं कहा-

मेरे अतीत की बात है। मुझे आपसे आपका अतीत बताने के लिए क्यों कहना चाहिए?

मेरे जीवन में भी महिलाएं रही हैं, जैसे आपके जीवन में पुरुष रहे हैं।

तुम एक रखैल रही हो, और मैं भी रखैल रही हूँ।

मैं अब आपको बताता हूँ कि मैं किन महिलाओं के साथ रह चुका हूँ?

“नहीं, बाद में, जब हमारी शादी हो जाएगी,” टैनी ने अपनी बात दोहराते हुए कहा।

उसने कहा था। अब थोड़ा सहज महसूस करते हुए उसने आगे कहा, "यह अजीब है, है ना?"

एक आश्रित स्त्री का उपहास किया जाता है। लेकिन एक पुरुष जो किसी स्त्री को अपने पास रखता है, वह

नहीं। ऐसा क्यों है?

"किसी को नहीं मालूम।"

इसे कौन बदल सकता है?

"कोई नहीं।"

उसने अपना रुमाल निकाला और पोया ने उसे लेकर पोंछा।

उसकी निगाहें उस पर टिकी थीं।

“ओह, पोया, अगर मैं तुमसे न मिली होती,” उसने कहा, “मुझे लगता है कि मैं कभी नहीं

शादी कर पाएँगे।" फिर वह और भी समलैंगिक अंदाज़ में बोली, "क्या हम साथ समय बिता सकते हैं?"

क्या आज शाम हम साथ में समय बिता सकते हैं? मैं हर तरह से आपको खुश करना चाहता हूँ।

मुझे पता है।"

मैंने अपने रिश्तेदारों के साथ होटल में रात का खाना खाने का वादा किया था।

"क्या आप उन्हें यह नहीं बता सकते कि आप नहीं आ सकते?"

“नहीं, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए... हाँ, मुझे करना ही होगा।” वह उठा और

वह जल्दी से टेलीफोन की ओर भागा।

उसके जाने के बाद युमेई वापस आ गई।

“सियाओएबतेब,” उसने कहा, “तुम रो रही हो? क्या बात है?”

मामला?"

मैं बहुत खुश हूँ।

"लेकिन क्या वह पहले से शादीशुदा है?"

“हाँ। लेकिन, यविमेई, सवाल मत पूछो, और अगर कोई पूछे तो

अगर आप सवाल पूछते हैं, तो आपको यह कहना होगा कि आपको कुछ नहीं पता।

'^es, siaochieb.'

अब पोया लौट आया और खुशी से बोला कि उसने अपने अज्ञानी को सब कुछ बता दिया है।

कि वह रात के खाने के बाद सीधे अपनी पत्नी के घर जाएगा और

कैनान को टैक्सी से अकेले घर जाना था।

जब वे बाहर निकले तो युमेई ने पूछा, "आप कहाँ जा रहे हैं?"

“तुम्हें सवाल नहीं पूछने चाहिए,” टैनी ने नरमी से कहा। “तुम्हारे पास

तुम अपना खाना खा लो और मैं वापस आ जाऊँगा।

युमेई मुस्कुराई और फिर से शरमा गई।

पोया तन्नी को दूसरे होटल में ले गया।

जब वे दस बजे चांगत्सान पर लौटे, युमेई

मैंने देखा कि तानी की आँखें चमक रही थीं और उसके चेहरे पर सुंदरता झलक रही थी।

और संतुष्ट प्रेम से मिलने वाली शांति, जैसा कि प्रकृति ने चाहा है।

अगली सुबह जब टान्नी ड्रेसिंग टेबल के सामने बैठी,

अपने बालों को सहलाते हुए, युमेई ने देखा कि वह शीशे में देख रही थी।

काफी समय बीत गया, और फिर वह गई और उसने अपने लाल जन्मचिह्न को देखा।

“इसका रंग नहीं बदला है,” यक्सिमेई ने कहा।

“बिल्कुल नहीं,” टैनी ने कहा। “यह एक प्राकृतिक निशान है।”

लेकिन तान्नी के मल पर शांति भंग हो गई थी, और उसकी जगह ये चीजें आ गई थीं

तड़प और लालसा। क्योंकि टैनी को ऐसा लग रहा था मानो उसने अपना एक हिस्सा खो दिया हो।

स्वयं।

* *

♦

अगला सप्ताह टैनी के लिए अत्यधिक खुशी से भरा रहा।

और पोया के लिए, जब भी वह उसके साथ होता था। क्योंकि उसका पता था

अपने रिश्तेदारों से परिचित होने के कारण, उसने उसे होटल में एक सुइट लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

रेस कोर्स के पास, और कुछ दिनों बाद, उसने एक कमरे में रहने का फैसला किया।

पास में ही एक होटल था। वे दिन में कम से कम एक बार एक-दूसरे से मिलते थे, लेकिन जैसे-जैसे

युमेई रास्ते में थी, वे कभी-कभी उसके कमरे में मिलते थे, जो

वे गुप्त रूप से मिलते थे। कभी-कभी वह आता और

पूरी दोपहर, और कभी-कभी पूरी शाम भी बिता देते हैं।

जब वह उससे बातचीत करने के लिए आ पाता था, तब वह सबसे ज्यादा खुश होती थी।

सुबह के समय भी, क्योंकि उन दिनों वह उसे दो बार देख सकती थी।

पोया एक खर्चीला प्रेमी था, जो उपहारों में बहुत उदार था। वह

उन्हें महिलाओं के कपड़ों में रुचि थी, और उन्हें इसमें विशेष आनंद आता था।

येट्स रोड की दुकानों से उसके लिए सुंदर नाइटड्रेस खरीदना, और भी

बहुत कुछ।

जितना वह कभी इस्तेमाल कर सकती थी उससे कहीं ज़्यादा। वे शायद ही कभी साथ बाहर जाते थे। टैनी

वह अपने सबसे अच्छे कपड़ों में से केवल कुछ ही लेकर भाग गई थी, और वह चली गई।

सामग्री खरीदने के लिए पोया अकेले खरीदारी कर रही थी। लेकिन पोया ने अपनी सामग्री खुद खरीदी।

साथ ही, उन्होंने मैचिंग एक्सेसरीज का चुनाव करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

हल्के भूरे रंग के वूलन कपड़े की एक ड्रेस के साथ मुझे बहुत सफलता मिली।

रेखाओं को उसने स्वयं चुने हुए लैवेंडर रंग की किनारी से सजाया था।

उसके पास नकली गहनों का एक पेंडेंट था, और उसने हंसते हुए कहा कि

अगर उन्हें कभी ड्रेस डिज़ाइनर बनने की ज़रूरत पड़ी तो वे एक बेहतरीन ड्रेस डिज़ाइनर साबित होंगे।

नौकरी। महिलाओं के पहनावे के बारे में उनका एक सिद्धांत था; और उन्हें एक एहसास था

रंगों की बारीकियों और सामग्रियों के स्पर्श एवं अनुभव के लिए।

एक अच्छे रसोइये के तौर पर उसका घटिया सामग्रियों से कोई लेना-देना नहीं होगा।

इसका खराब मांस से कोई लेना-देना नहीं होगा; केवल बेहतरीन कपड़ा ही इसका कारण हो सकता है।

अपना आकार बनाए रखे और साथ ही महिला के शरीर के अनुरूप ढल जाए।

और इसके कोमल उतार-चढ़ाव, ताकि कपड़े और शरीर को नुकसान न

पहुंचे-

एक आदर्श आकृति में ढल जाना, कपड़े सुंदरता उधार लेते हैं

शरीर और शरीर द्वारा कपड़ों से सौंदर्य उधार लेना —

अलग होते हुए भी अविभाज्य। लेकिन जबकि पोशाक सामग्री अवश्य होनी चाहिए

अच्छा, नकली आभूषणों का उपयोग मुख्य रूप से eflSKX के विपरीत प्रभाव पैदा करने के लिए किया जाता था।

और जरूरी नहीं कि वे आंतरिक रूप से मूल्यवान हों। दूसरी ओर, टैनी।

वह केवल असली आभूषणों की परवाह करता था, और विशेष रूप से अच्छे जेड पत्थर के आभूषणों की।

लेकिन पोया की छोटी-छोटी बातों से वह खुश हो गई और उसने उन्हें स्वीकार कर लिया।

सामान्यतः इन्हें प्रेम की भेंट के रूप में माना जाता है।

उसके पास पोया की जरूरतों को पूरा करने का मौका पहले की तुलना में कम था।

लाओ पेंग की देखभाल का जिम्मा पोया के पास था। उसके पास सब कुछ था, और उसका

व्यक्तिगत पोशाक लगभग एकदम सही थी। जैसे ही वह रैंप पर आई, उसने उसे देखा।

बेहतर, वह उससे खोने के डर को कम करने की विनती करती है, लेकिन उसने यह भी शुरू कर दिया

उसके स्वभाव और मनोदशाओं के बारे में कुछ जानकारी मिल जाती थी। कभी-कभी वह ऐसा कर सकता था।

वह बचकाना स्नेह दिखाती थी, जिससे वह उसे प्रिय लगने लगी।

ऐसा लग रहा था मानो उसका दिमाग उससे पूरी तरह अलग हो गया हो; फिर वह

वह घंटों चुपचाप बैठा रहता था, चाहे वह बिस्तर पर लेटा हो या नरम गद्दे पर फैला हुआ हो।

पढ़ते हुए। "क्या तुम रेडियो बंद करोगी?" वह कहता, और वह

वह इसे चुप करा देता। वह खूब पढ़ता था, और सुश्री की डेस्क हमेशा

नई किताबों और पत्रिकाओं से भरा हुआ। कभी-कभी वह

अगर आप चाय मांगते, तो वह उठकर उनके लिए चाय ले आती।

और उसे इसका पता भी नहीं चलेगा।

क्या मैं जाऊं?

“नहीं, मुझे तुम चाहिए।”

लेकिन आप व्यस्त हैं।

'*¥68. मैं चाहता हूं कि तुम बस वहीं बैठो और कमरे में मौजूद रहो।'

अगर तुम कुछ भी नहीं करोगे तो मेरे कमरे में रहने का क्या फायदा?

मेरी तरफ देखो?"

उसने कोई जवाब तक नहीं दिया बल्कि पढ़ता रहा, और वह वहीं बैठी रही।

फिर कभी-कभी प्रेम के उन्माद के क्षण भी आते थे,

जब उसका मन शांत होता था, तब वह सूखे हुए कुछ रेशे तोड़कर खा लेता था।

गिज़र्ड और उससे कहो कि वह उसे उसके मुंह से काटकर खा ले, और वह ऐसा करेगा।

उसके काले घुंघराले बालों को पीछे धकेलते हुए और उसके चेहरे को पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह ऊपर उठाते हुए।

वह उसे अपने दोनों हाथों में थामकर सहलाता था। वह उन्हीं पलों के लिए जीती थी।

और उसने उसकी चुप्पी के दौर को सहन किया, क्योंकि एक महिला को यही कीमत चुकानी पड़ती थी।

किसी पुरुष के प्यार के लिए कीमत चुकानी पड़ती है।

उसे थोड़ी निराशा और असंतोष का एहसास हुआ।

वह एक पत्नी के रूप में व्यक्तिगत रूप से उसकी देखभाल करने में सक्षम नहीं थी;

उसके कपड़े अच्छी तरह से इस्त्री किए हुए थे, उसके जूते हमेशा चमकीले होते थे, उसके मोजे भी साफ-सुथरे थे।

कोई छेद नहीं थे, उसके बटन मज़बूत थे, उसकी टाई एकदम सही ढंग से पहनी हुई थी, और वहाँ

जिसके पास पहले से ही लिनेन के रूमाल थे, उसके लिए उन्हें खरीदना भी व्यर्थ था।

बहुत सारे, हमेशा साफ-सुथरे। लेकिन कभी-कभी जब वह कपड़े पहन रहा होता था तो...

वह उसे अपने मोजों की पट्टियाँ लगाने, जूतों के फीते बांधने और जूते के फीते बांधने देती थी।

उसने उसकी बेल्ट बांधी और कसी, जबकि वह उसे एक बच्चे की तरह सहला रहा था।

एक बार, जब उसे पता चला कि उसके मल को और साफ करने की ज़रूरत है, तो उसने कहा

उसे चुपचाप बिस्तर पर लेटने के लिए कहा, और उसने प्यार से उसके चेहरे पर क्रीम लगाई।

वह अपनी मखमली उंगलियों से उसे सहला रही थी और फिर आराम से...

उसने बड़े आराम से उसकी दाढ़ी बनाई जब तक कि उसका पूरा शरीर एकदम चिकना नहीं हो गया।

हाथ बार-बार उस पर फिरा। फिर वह किनारे पर बैठ गई।

बिस्तर से उठकर उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे अपने गालों पर हाथ फेरने को कहा।

पूछा, "यह कैसे है?"

“तुम एक बेहतरीन नाई हो,” उसने कहा।

उसने उसे अपनी ओर खींचा और अपना चेहरा उसके चेहरे से सटा दिया।

शेविंग करो, मसाज करो,'" उसने कहा, और वह अपने कोमल हाथों पर मालिश करने लगी।

उसने अपने गालों को धीरे-धीरे घुमाते हुए उसके गालों से सटाए रखा, जब तक कि वह सो नहीं गई।

उसकी छाती पर।

इसके अलावा, एक रणनीतिकार के रूप में पोया को रेखा और रेखा की उत्तम समझ थी।

रूप। महिला के शरीर के बारे में उनका एक सिद्धांत था जो मनोरंजक था।

एक बार जब वे मिजेनचिएन, या "सुंदरता" के बारे में बात करने लगे।

कंधे, गर्दन से धीरे-धीरे ढलान बनाते हुए, जैसा कि देखा गया है

महिलाओं की सभी शास्त्रीय चित्रकलाओं में, वर्गाकार होने के बजाय और

सीधा खड़ा होना। पोया ने कहा कि >तानी की एकमात्र कमी यह थी कि वह बहुत ज्यादा खड़ी होती थी।

सीधा खड़ा, "सुंदर कंधों" का अभाव। टैनी ने विरोध किया कि

झुके हुए कंधों में कोई सुंदरता नहीं थी।

“तुम नहीं समझते,” पोया ने कहा।

shotildjˆtoop, लेकिन yˆ को अपने कंधों को थोड़ा सा झुकाना चाहिए

आगे की ओर। यानी -^^t मेरा मतलब है गोल, ढलान वाले कंधे, con-

पीठ की वक्रता के साथ निर्माण। महिला का पूरा शरीर

यह धीरे-धीरे और सहजता से एक में विलीन हो जाता है।

एक और। पीछे की तरफ, पहला वक्र गर्दन से शुरू होता है।

कमर के निचले हिस्से से दूसरा। ये वक्र गायब हो जाते हैं।

और 'ikont' में पेट के वक्र के साथ जुड़कर सामंजस्य स्थापित करें।

एक छोटी महिला, उसके शरीर पर वक्रों का धुरी बिंदु या सटीक केंद्र।

नाभि में है, लंबी महिला में, केंद्र थोड़ा सा खिसक जाता है।

नीचे, 'अमरता के क्षेत्र' के क्षेत्र में, ताओवादी

इसे कहते हैं।" ।

"पश्चिमी महिलाओं के कंधे चौकोर होते हैं," विरोध जताते हुए कहा गया।

•टैनी. * ' • • .

"यह अलग बात है। वे बहुत लंबे हैं और उनमें से कुछ तो बहुत ही

किसी काम का होने के लिए मांसपेशीय होना आवश्यक है।* और वक्रों का केंद्र एक-

काफी नीचे, इसलिए इसे उठाने के लिए उन्हें सीधे कंधों की आवश्यकता होती है।

मानो ऊपर की ओर।

तानी मुस्कुराई। "आप तो सच में पारखी हैं।"

यह सच है। मुझे सच में लगता है कि मैं एक प्रथम श्रेणी का उम्मीदवार बन सकता हूँ।

डिजाइनर... अब, मुस्कुराइए मत। ड्रेस डिजाइनिंग एक कला है।

सभी प्लास्टिक कलाओं में सर्वोच्च, जो रेखा और रेखा की भावना पर आधारित है।

रूप और मूर्तिकला से संबंधित — ^लेकिन इस अंतर के साथ कि

मूर्तिकार दिन से संबंधित कार्यों से निपटता है, जबकि पोशाक डिजाइनर अन्य चीजों से संबंधित कार्यों से निपटता है।

जीवित मानव शरीर और ईश्वर प्रदत्त रूप। असली ड्रेस डिज़ाइनर

उनकी सेवाओं के लिए उन्हें भुगतान नहीं किया जा सकता। वह कपड़े नहीं बना सकते।

जिन महिलाओं के शरीर दिलचस्प नहीं होते, एक सच्चे कलाकार के लिए ये संभव नहीं है।

धुंधला, नीरस चेहरा^ कभी-कभी जब मैं सड़कों पर घूमता हूँ

मैं एक लड़की को देखती हूं और कहती हूं, "देखो, मैं उसकी ड्रेस डिजाइन करना चाहूंगी।"

आदर्श आकृति को देखने में बहुत देर हो जाती है। आप बहुत करीब हैं।

डायोज़ कंधों को छोड़कर आईटीआई।

"लेकिन यही आधुनिक तरीका है," टैनी ने कहा, काफी हद तक

"यह गलत है। मुझे समझाने दीजिए। स्त्री की सुंदरता, जैसे

सुलेख की सुंदरता स्थिर अनुपातों में नहीं, बल्कि गतिशील अनुपातों में

निहित है।

लय।' एक अत्यधिक मांसल शरीर में कामुक आकर्षण हो सकता है, लेकिन वह खो देता है

178

गति का आभास होना चाहिए, जबकि बहुत कठोर शरीर इसे बिगाड़ देता है।

बिल्कुल। मैं किसी महिला को चलते हुए देखकर ही जान जाती हूँ कि उसका शरीर एकदम परफेक्ट है।

हल्की सी कोमलता का आभास देते हुए, कोमल, जीवंत वक्रों में गति करते हुए।

कैम्न के चलने और खड़े होने का तरीका बेहद भयानक है। अब आप

मैंने अब तक की सबसे बेहतरीन पश्चिमी मूर्तिकला नहीं देखी है। कंधे

गोल, कभी चौकोर नहीं। कंधों का वक्र धीरे-धीरे ढलानदार होता जाता है।

गर्दन के साथ पूरी तरह से मेल खाता है और पीठ के वक्र के साथ एकदम घुलमिल जाता है।

अब थोड़ा सा आगे झुकें... याद रखें

अदृश्य वक्र आपके सामने वाले क्वाल से शुरू होता है और अंत में समाप्त होता है।

आपकी गर्दन के पीछे ऊपर... लीजिए, यह एकदम सही है... मत करो

इसे मजबूती से पकड़ें... *■ इसे पूरी तरह से हिलाएँ, अगल-बगल, आगे

और पीछे

पीछे की ओर। बस इतना याद रखना कि केंद्र कहाँ है।

"क्या आप गलती से मुझ पर मॉडल के रूप में अभ्यास तो नहीं कर रहे हैं?"

टैनी ने आराम से कहा।

नहीं। आपकी उथे लय एकदम सही है। इसीलिए मुझे नफरत है।

देखो, तुम अपने चौड़े कंधों से इसे बिगाड़ रहे हो। लेकिन, ओह, लियन-एरह, तुम

ये वाकई में बेहतरीन हैं।''

पोया के लिए, वह एक प्रेमिका के रूप में बिल्कुल परिपूर्ण थी। वह संतुष्ट था।

उसके प्रेमपूर्ण व्यवहार से वह पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी।

एलियन अन्य पुरुषों के साथ रह रही थी, जो पोया के आधे थे।

उसे देना ही काफी था। यह प्रेम प्रसंग ही सब कुछ नहीं था।

अब वह यही चाहती थी; iqve का यह पैटर्न उसके आदर्शों से मेल नहीं खाता था।

होटल के लड़के उसे जान चुके थे, और जब वह पोया के यहाँ से चली गई...

कमरे में, जब वह गुजरती तो वे उसे शुभ रात्रि कहते, और उससे बात करते।

उसे किमीआंग के रूप में, पेशेवर लड़कियां होटलों में 'पुरुषों से मिलने

जाती थीं' के रूप में देखा जाता था।

उसने फोन किया, और उसे उसका स्वाद पसंद नहीं आया।

पोया अपने शारीरिक प्रेम से संतुष्ट था, और

व्यवस्था जैसी थी वैसी ही रही। उसने कभी तलाक की बात नहीं की, और उसने की।

इसका पालन-पोषण नहीं करना चाहती थी। एक महिला होने के नाते वह इससे कहीं अधिक सोच रही थी।

इंद्रियों की संतुष्टि; वह एक स्थायी रिश्ते के बारे में सोच रही थी।

घर, जीवन का एक आदर्श और शायद बच्चे भी। उन्होंने बात की।

युद्ध के बारे में, लेकिन केवल अपने मन की भावनाओं की अभिव्यक्ति के रूप में, न कि

जैसे वह उससे बात कर रहा हो; वह किसी से भी ऐसे ही बात करता, और

उनके विचार में युद्ध का उनके प्रेम से कोई लेना-देना नहीं था।

उसने कई बार उनकी योजनाओं और उनके भविष्य के बारे में बात करने की कोशिश की।

उसने अपने ही अप्रभावी तरीके से, उसे उस उच्चतर स्तर की छवि दिखाने की कोशिश की।

युद्ध क्षेत्रों में काम में मिलने वाली खुशी, जो लाओ पेंग ने दिखाई थी

लेकिन पोया को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। वह तो इसे पसंद भी नहीं करता था।

वह युमेई को अपने साथ इसलिए लाई थी क्योंकि युमेई ने साबित कर

दिया था

वह उनके प्रेम-संबंध में केवल एक बाधा थी, और उसे रोकती थी।

179

उससे उसके अपने कमरे में मुलाकात। युमेई, जो कि आग की लपटों से भरी हुई है।

देश में शांति और पवित्रता बनाए रखते हुए, उसने सभी व्यक्तियों के साथ अपनी समानता को स्वीकार किया।

और, शहर के नौकरों के शिष्टाचार को अभी तक न सीख पाने के कारण

उनके स्वामी बेहद बातूनी और जिज्ञासु थे।

तानी ने बड़े उत्साह से बताया कि लाओ पेंग ने उसे खिलाने की कोशिश कैसे की थी।

उसने सड़कों पर शरणार्थियों को देखा और अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा।

"बिल्कुल उसके जैसा ही है," पोया ने लापरवाही से कहा। "अब तुम नहीं।"

क्या आप मुझसे शरणार्थियों को मांटू बांटने की उम्मीद करते हैं? ध्यान रहे, मैं

लाओ पेंग की तरह। लेकिन काश आप इसके बारे में इतनी बार बात न करते।

उसे।"।

टैनी को अपने प्रति थोड़ी सी नाराजगी महसूस हुई।

उसने अपने दोस्त का जिक्र किया और फिर कुछ नहीं कहा।

लेकिन उसकी असंतुष्टि गहरी थी। वह फिर से जी रही थी।

एक आश्रित महिला का जीवन— एक "निजी ड्राइवर" का जीवन, जैसा कि वह कहती है

इसे "मालिक-चालक" के बजाय "मालिक-चालक" कहा गया। उसकी मुलाकात के प्रयासों

पोया की महिला रिश्तेदारें एक बार फिर असफल रहीं।

मुझे उनसे मिलवाया गया है। मैं उनसे मिलने क्यों नहीं जा सकता?

फिर से, लाओ पेंग की भतीजी के रूप में या सिर्फ एक दोस्त के रूप में?

अंततः पोया उसे ले जाने के लिए राजी हो गई, और उसने कुछ सामान खरीदा।

एसी के बच्चों के लिए उपहार। अफेई और कियान्या घर पर नहीं थीं।

पाओफेन के रवैये में स्पष्ट बदलाव आया था और

मंद सुगंध। यहां तक कि वानलो भी उसे अलग नजरों से देखती थी, जब वह

पहले अंदर गई; उसके मल में एक झिझक और संघर्ष था।

पोया ने कहा, "मैं मिस पेंग से मिली और उनसे साथ आने के लिए कहा।"

उसने कहा कि वह आपसे और बच्चों से दोबारा मिलना चाहती है।

"हमें नहीं पता कि अब उससे कैसे बात करें," पाओफेन ने कहा।

विनम्रता से, लेकिन कुछ हद तक रूखेपन से। "मिस पेंग के रूप में, या मिस त्सुई के रूप में?"

"मुझे टान्नी कहो। मैं तुम्हारे लिए कुछ छोटी-मोटी चीजें लाई हूँ।"

बच्चों, आओ, वानलो, यह तुम्हारे लिए है।

वानलो आगे आई और टैनी ने उसका हाथ पकड़कर कहा, ^*बस

मुझे टैनी एबिएबेब कहो।

वानलो को हाथ पकड़े रहने पर उलझन और शर्मिंदगी महसूस हो रही थी।

एक "भगोड़ी रखैल" - एक रहस्यमय प्राणी, वह जानती थी, क्योंकि

बड़ों के बोलने के तरीके को लेकर। लेकिन उसने कहा,

"धन्यवाद, टैनी," और मुस्कुराई।

फिर तान ने बाकी बच्चों में से प्रत्येक को एक-एक पार्सल दिया।

मां का यह आग्रह कि उसे पैसे खर्च नहीं करने चाहिए

उन्होंने सुझाव दिया कि उपहार उन पर थोपे गए थे, न कि उनकी मर्जी से।

स्वागत।

"चूंकि तान्नी ड्यूबेबीब उन्हें पहले ही ला चुका है, इसलिए उन्हें ले लो और

“धन्यवाद,” फाओफेन ने अपनी लड़कियों से कहा। टैनी को उससे ईर्ष्या हुई और उसने कामना की।

कि वह स्वयं भी उतनी ही श्रेष्ठ और संभ्रांत हो सकती है।

“बच्चे तुम्हारे बारे में बहुत बातें कर रहे हैं,” उसने कहा।

डिमड एंड एगटेंस ने गर्मजोशी से कहा, "आपको उन्हें बिगाड़ना नहीं चाहिए।"

तानी महिलाओं से बात करना चाहती थी, लेकिन बच्चे

उन्होंने उसे घेर लिया और उससे अपनी यात्रा के बारे में और अधिक बताने का आग्रह किया।

और गुरिल्ला। डिमफ्रैग्रेंस चुपचाप सुनती रही, जबकि

पाओफेन ने केवल पोया से बात की। टैनी को भी वही "नज़र" महसूस हुई।

वह जिन पत्नियों को अच्छी तरह जानती थी; उनका वही सहज लेकिन ध्यान देने वाला व्यवहार।

जब वह उसे बता रही थी, तो वे अपनी आँखों के कोनों से देख रहे थे।

बच्चों को कहानी सुनाई गई। किसी ने भी विशेष प्रयास नहीं किया था।

वह उसके प्रति सौहार्दपूर्ण थी। जब पोया ने जाने का सुझाव दिया, तो वह उसके साथ चली गई।

उसे ऐसा लग रहा था कि इस यात्रा से उसने खुद को नीचा कर लिया है, और उसका कुछ हिस्सा

उस बड़े ftmUy के अपने सपने के बारे में जिसके बारे में उसने बहुत कुछ सुना था

बहुत कुछ बिखर रहा था। सबसे बुरी बात यह थी कि पोया ऐसा लग रहा था

उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था।

उन्होंने बाहर डिनर और डांस का सुझाव दिया। अब तक उनके बीच यही चल रहा था।

अपनी पत्नी द्वारा देखे जाने के डर से वह साथ बाहर जाने से बचता था।

रिश्तेदार। एक बार उसने उसे अपने साथ नाइट क्लब जाने के लिए कहा था।

और उसने मना कर दिया था। लेकिन आज रात वह तुरंत मान गई।

वे एक इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित डांस हॉल में गए।

रेस ओजुरसे के नज़ारे के साथ। युद्ध के बावजूद, यह जगह

पहले से कहीं अधिक भीड़भाड़ वाला। पूरा शंघाई शहर

धनी शरणार्थियों से मिल रही तेजी का आनंद लेते हुए, सामान

कीमतें बढ़ती जा रही थीं, लेकिन दुकानों में कभी भी सामान की कमी नहीं हुई।

ग्राहक।

उन्होंने विशाल, मंद रोशनी वाले बॉलहाउस के किनारे एक मेज ले ली।

कमरा। एक फिलिप्मो जैज़ बैंड बज रहा था। अलग-अलग रंगों के

मोल्ड में नियॉन लाइटें छिपी हुई थीं, और केंद्र में

कई बिंदुओं से भरी एक विशाल कांच की गेंद घूमती रही और बिंदु फेंकती रही।

डांस फ्लोर पर उमड़ रहे पुरुषों और महिलाओं के चेहरे पर रंगों का अंतर।

पचास या साठ नाचने वाली महिला मेजबान और दो या तीन श्वेत रूसी

महिलाएं भीतरी पंक्ति में बैठी थीं, या अपने साथियों के साथ नृत्य कर रही थीं।

रूसी महिलाओं ने अपने साथियों के कारण काफी ध्यान आकर्षित किया।

और भी ज्यादा ढीले-ढाले कपड़े और हरकतें। संगीत अचानक रुक गया।

डांस हॉल में अधिक से अधिक टिकट बेचने के लिए बहुत कम अंतराल रखे जाते हैं।

जितना संभव हो सके। यह भीड़ भूखे शरणार्थियों से बिल्कुल अलग थी।

एवेन्यू एडवर्ड VII पर, एक दुनिया दूसरी दुनिया से अलग थी। यहाँ थे

दो शंघाई शहर। एक गरीबों और बेसहारा लोगों का शहर था, जो

कूड़ेदानों से भोजन बीनकर खाना खाते हुए भटकते हुए जीवन व्यतीत किया (एक

i8i

नॉर्थ चाइना डेली न्यूज के संवाददाता ने गुस्से में आकर समर्थन किया था-

परीक्षण इसलिए किया गया क्योंकि आवारा कुत्तों को सड़कों पर घूमने की अनुमति थी और

कूड़ेदानों की तलाशी ली, लेकिन उसके पत्र में मानव का कोई ज़िक्र नहीं था।

शरणार्थी)। दूसरा शंघाई अच्छी तरह से पोषित और सुव्यवस्थित था,

आत्मसंतुष्ट और अपरिष्कृत भी नहीं, एक सुरक्षित और बेपरवाह माहौल का आनंद ले रहा है।

विदेशी बस्तियों, युद्ध की अवधि पर अटकलें लगाने और

चीनी मुद्रा की संभावित मजबूती। इसके अलावा,

शंघाई युद्ध समाप्त हो गया था। सात सौ बम गिराए जा चुके थे।

सूचो पर वह DIY दुश्मन और आगे बढ़ता जा रहा था।

दूर।

टान्नी निराश थी और कुछ देर बाद उसने सुझाव दिया कि वे चले जाएं।

“अरे, आज रात तुम्हें क्या हुआ है?” पोया ने पूछा।

"चलो, नाचते हैं। मैंने तुम्हारे साथ कभी नृत्य नहीं किया है।"

तानी ने आज्ञा मानी और उठकर पोया का हाथ पकड़ लिया। ऑर्केस्ट्रा

एक ब्लूज़ गाना बज रहा था और रोशनी धीरे-धीरे हल्के बैंगनी रंग में

बदल गई।

वे मंद प्रकाश में तैरते रहे, उसका चेहरा उसके चेहरे के करीब था।

स्तन। उसने बड़ी कुशलता से उसके कदमों का अनुसरण किया, बस उतनी ही कोमलता के साथ।

प्रतिरोध क्षमता जो एक परिपूर्ण नर्तक का निर्माण करती है।

जब वे अपनी सीटों पर वापस आए तो दोनों खुश थे।

दोबारा।

सफेद बत्ती जला दी गई और दर्शक इधर-उधर देखने लगे।

कमरे में मौजूद लोग एक-दूसरे को घूर रहे थे। कमरा गर्म था, और कुछ लोग...

नाचने वाली लड़कियां अपने रूमाल से खुद को फिल्मा रही थीं।

विदेशी पोशाक पहने एक पुतले ने पोया में उसका हाथ थामने की कोशिश की।

“वह कौन है?” टैनी ने पूछा।

"पेइपिंग में मेरा एक परिचित डॉक्टर था। वह एक दवा कंपनी खोल रहा है।"

import Java qui n i ne and seU it to the Chinese Army. A smart

"यह तो पैसे कमाने का बढ़िया तरीका है, है ना?" उसके लहजे में

तिरस्कार झलक रहा था।

पोया की आवाज।

“हम कुछ सीख रहे हैं, है ना?” उसने जवाब दिया। “मैं समझ गई।”

समाचार पत्रों में खबर है कि सरकार ने स्वयंसेवकों के लिए एक अपील जारी की है।

डॉक्टरों की बहुत आवश्यकता है। सेना को डॉक्टरों की बहुत जरूरत है। क्यों?

क्या वे नहीं जाते?

“जाने वाले तो पहले ही जा चुके हैं,” पोया ने कहा। “यह एक

यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वयं निर्णय लेने का स्वैच्छिक मामला है।

टैंगो नृत्य शुरू हुआ और केवल दो जोड़ों ने ही इसे किया। एक जोड़ा फेथ था।

एक रूसी महिला लगभग बीस साल के एक दुबले-पतले चीनी युवक के साथ नृत्य कर रही है।

शाम की पोशाक में, सफेद चेहरे और चिकने बालों के साथ, गर्व से और

दर्शकों के सामने कुशलतापूर्वक चरणों का निष्पादन करना।

तान्नी और पोया ने अगले नृत्य में भाग लिया। जब वे

नाचते हुए उसने उसे किसी से मुस्कुराते हुए देखा, और एक लड़की को बैठे हुए देखा।

अंदर की पंक्ति में बैठकर उन्हें देख रही थी और मुस्कुरा रही थी। लड़की थी...

सफेद रंग के कपड़े पहने, उसका मल भरा हुआ था, और उसके होंठों पर गहरा लाल रंग लगा हुआ था। वह ऐसी दिख रही थी जैसे...

टैनी से थोड़ी बड़ी।

"वह कौन है?" पोया ने पूछा।

"मेरी एक पुरानी दोस्त। मैं उसे तब से जानती हूँ जब मैं एक नर्तकी थी।"

और तियानजिन।"

नृत्य के बाद, टान्नी उस लड़की के पास गई और उसे अपने यहाँ आने का निमंत्रण दिया।

टेबल पर, उसने पोया से उसका परिचय मिस येन के रूप में कराया और उसका नाम बताया।

वह सियांग्युन थी, वह इस जगह की नृत्य करने वाली मेजबानों में से एक थी।

जब दोनों महिलाएं पुरानी सहेलियों की तरह बातें कर रही थीं और हंस रही थीं,

पोया ने सियांग्युन को देखा। वह लगभग अट्ठाईस वर्ष की लग रही थी।

वह बत्तीस वर्ष की हो सकती थी और एक परिपक्व महिला जैसी दिखती थी। इसके बावजूद

उसने उसके पहनावे का अंदाजा इस बात से लगाया कि वह सिगरेट कैसे पकड़ती है और उसके

आम तौर पर शांत गतिविधियाँ जो यह दर्शाती थीं कि वह एक पुराने सामाजिक परिवेश से आई थी।

पृष्ठभूमि। उसके बाल पुराने जमाने के बेदाग फैशन में बने हुए थे।

बालों को सीधे पीछे की ओर कंघी करके चमकदार फिनिश दी गई और नीचे की ओर इकट्ठा किया गया।

उसके गले के पीछे लटकती हुई, करीने से गुंथी हुई, सावधानीपूर्वक गद्देदार कुंडली —

बाल संवारने का एक काम जिसमें आमतौर पर एक या दो घंटे लगते थे। दो

मेरे चमेली के फूल केशविन्यास के ऊपर लगाए गए थे। उसकी आवाज

उसमें उस महिला की कोमल खुरदरापन थी जिसे पर्याप्त नींद नहीं मिली हो।

उसकी कनपटी के नीचे की त्वचा ने उसके अपेक्षाकृत ऊंचे हिस्से को अच्छी तरह से ढक रखा था।

गाल की हड्डियाँ।

पोया, जो उसमें दिलचस्पी ले रही थी, बोली, "यह जगह बहुत गर्म है। क्या..."

हम उसे अपने कमरे में बुलाते हैं, ताकि आप उससे अच्छी बातचीत कर सकें।

एक साथ?"

पोया ने सियांग्युन के लिए दस डॉलर* मूल्य के टिकट खरीदे, ताकि

वह हॉल से बाहर निकल सकी, और वे उसके होटल चले गए।

सियांग्यटम ने अपनी दोस्त को "मालिन" कहकर पुकारा, उसे बताया गया कि उसका नाम

उसका नाम बदल दिया गया था और अब उसे "टैनी" कहा जाता था।

मैंने टान्नी के कान में फुसफुसाकर उस कहानी के बारे में बताया जो एक अखबार में छपी थी।

शंघाई लैबलोइड अखबार में, और टैनी ने उसे बताया कि वह भाग गई थी

दूर चले गए, लेकिन कहानी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया था। "श्री याओ सब जानते हैं।"

इसके बारे में, उसने कहा।

“श्रीमान याओ,” सियांग्युन ने कहा, “वह हमेशा से ही भाग्यशाली लड़की थी।

वह निस्संदेह सबसे लोकप्रिय नर्तकी थी। बेशक, वह युवा थी।

तब भी, लेकिन इतने वर्षों बाद भी वह उतनी ही खूबसूरत है। एक व्यक्ति

मेरी तरह, मैं भी पुरानी दिनचर्या में फंसा हुआ हूँ। मुझे आगे क्या उम्मीद करनी चाहिए?

मैं जल्द ही ‘आधी बूढ़ी मैडम सू’ बन जाऊंगी?’*

“खुद को नीचा मत समझो,” टैनी ने कहा।

“वह किस्मत की हकदार है। जब मैंने तुम्हें बॉल में देखा, तो मुझे लगा

“तुम मुझे पहचान नहीं पाओगे,” उसने पोया से आधा और दूसरे से आधा कहा।

टैनी।

पोया ने अपने पैरों की ओर देखा। उसने आधुनिक चमड़े के जूते पहने हुए थे।

एक विशेष प्रकार का, लेकिन मेहराब पर उभरा हुआ हिस्सा और विचित्र

जूतों की छोटी लंबाई से ही पता चल जाता था कि उसके पैर

बचपन की सीमाओं में बंधे हुए।

“हालात बदल गए हैं,” सियांग3मन ने अपने आत्मविश्वास भरे लहजे में आगे कहा।

सक्षम सांसारिक दर्शन। "क्या आपको लगता है कि अगर मैं हो सकता हूँ

क्या मैं रखैल को अस्वीकार कर दूंगी? लेकिन सब कुछ बदल गया है।

मैं बच्चा था, औरतें ऐसी नहीं होती थीं। वो गीत गाने की परंपरा

बदल गया है — ˆयह अब विलुप्त भी हो रहा है। कई एकल-

अब गायक कलाकार डांस हॉल में काम कर रहे हैं। दस साल

कुछ समय पहले तक, मधुर गीत गाने वाली महिलाएं शर्म से मर जाती थीं

अगर वे खुलकर सामने आतीं।

खुले में इस तरह अजनबियों के साथ नाचना। लेकिन हम क्या कर सकते हैं?

क्या? गिटल के छात्र हमसे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। और मॉडेम

महिलाएं सार्वजनिक रूप से बाहर आ रही हैं, तो फिर गायन क्यों नहीं होना चाहिए?

कलाकार भी? पहले परिवार की महिलाएं एक वर्ग थीं, और

रखैलें और वेश्याएं एक अलग ही दुनिया में हैं। अब पत्नियां सज-धज कर तैयार हो रही हैं और

मालकिनों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए खेल रहे थे।"

"क्या आपको नहीं लगता कि उन्हें ऐसा करना चाहिए?" पोया ने मुस्कुराते हुए पूछा।

^Tfes, लेकिन सबसे बुरी बात यह है कि वे अपने

आजकल पतियों को भी परेशानी होती है। और इतनी सारी छात्राओं के साथ...

युवकों को आकर्षित करना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है।

पत्नियां रखैलियों से प्रतिस्पर्धा करती हैं, और रखैलियां प्रतिस्पर्धा करती हैं।

छात्राओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है।

पहले जब किसी महिला का किसी पुरुष के साथ संबंध होता था, तो उसे...

उससे शादी कर लो। अब उसे ऐसा करने की जरूरत नहीं है।

“तुम्हें लगता है कि एक पुरुष को किसी महिला से शादी करनी चाहिए जबकि उसके पहले से ही संबंध हैं?

"क्या वह उसके साथ है?" पोया ने पूछा। तानी ने जल्दी से उसकी ओर देखा।

सियांग्युन ने कहा, “जो भी हो, तुम लोग दुनिया हो।

अराजकता में। क्यों? क्या यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि एक पुरुष एक महिला चाहता है और एक

क्या कोई महिला पुरुष चाहती है? यदि कोई लड़की बड़ी होकर शादी नहीं करती है,

एकड़ भूमि मुसीबत का घर है, और अगर कोई लड़का बड़ा होकर शादी नहीं करता है, तो...

यह भी परेशानी का कारण है। केवल तभी जब पुरुष का स्त्री से और स्त्री का पुरुष से संबंध हो।

क्या दुनिया में शांति है? . . . लेकिन मामला बहुत पेचीदा होता जा रहा है।

अच्छे परिवार की लड़कियां भी शादी नहीं कर सकतीं— अमेरिकी महिलाओं की तो बात ही छोड़िए।

क्या आपने पहले कभी कुंवारी बूढ़ी महिलाओं को देखा था? अब तो वे हर जगह हैं।

कौन सी महिला एक पुरुष के साथ संबंध बनाकर उससे छुटकारा पाना नहीं चाहती?

क्या यह सब?

सियांग्युन अपनी कर्कश आवाज में हंसी, और पोया मुस्कुराई।

उसे। थोड़ी देर रुकने के बाद उसने कहा, "सच कहूँ तो, मैं थोड़ी थकी हुई हूँ। मुझे पता है।"

मैं सुंदर नहीं हूँ। अगर मैं पत्नी होती, तो मैं रखैल को बर्दाश्त कर सकती थी, और

अगर मैं रखैल होती, तो मैं पत्नी को बर्दाश्त कर सकती थी।

इसे समायोजित नहीं किया जा सकता।

पोया सियांग्युन को देखती हुई बैठी थी। उस महिला का सरल पशुवत व्यवहार।

दर्शनशास्त्र उसे पसंद आया, खासकर तब जब उसने कहा था कि आधुनिक

पत्नियां सज-धज कर और इधर-उधर घूमकर अपनी रखेलों से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

उसने देखा कि उसने अपने बालों को सहलाने के लिए हाथ उठाया, मानो वह सिर्फ एक

पुराने जमाने की औरतें ऐसा करती थीं। अब वह अपने नाखूनों को झटका देती थी।

एक दूसरे के खिलाफ कुशलतापूर्वक प्रहार करते हुए, प्रत्येक प्रहार के साथ चटकने की आवाज उत्पन्न होती है।

चमक।

“मैं अपनी चाची कोरल को इस तरह अपने नाखूनों को झटका देते हुए देखा करती थी,” उसने कहा।

पहिया।

सियांग्युन हँसी। “सात-आठ साल पहले, मैंने छंटाई की थी।

लड़कियों की तरह आधुनिक दिखने के लिए नाखून छोटे करवा लिए। फिर मैंने

मैंने फिल्मों में देखा है कि पश्चिमी महिलाएं भी लंबे नाखून रखती हैं।

आप बस यही सोचिए, क्या हॉलीवुड में कोई ऐसी चीज़ है जो हॉलीवुड को प्रभावित करती है?

क्या आधुनिक चीनी लड़कियां ऐसा नहीं करतीं? जैसा कि मैं देखता हूँ। पूर्वी महासागर,

वेस्ट ओशन—वे सब एक जैसे हैं। आप फिल्म देखने जाते हैं और आपको यह दिखाई देता है।

पश्चिमी महिलाओं को भी अपने पुरुषों को अपने पास रखने में उतनी ही कठिनाई होती है जितनी कि पुरुषों को।

चीनी महिलाएं। हमेशा एक ही बात होती है। आप देखते हैं और

देखते रहिए और अंत में, पुरुष को स्त्री मिल जाती है और स्त्री को नहीं।

जब वो आदमी मिल जाता है, तो आपका दिल सुकून महसूस करता है और आपको पता चल जाता है कि

दुनिया में फिर से शांति आ गई है।

वे लगभग ग्यारह बजे तक बातें करते रहे, तभी सियांग्युन

उसने कहा कि उसे जाना ही होगा।

मैं तुम्हारे काम में दखल नहीं दूंगा और मैं तुम्हें अकेला छोड़ दूंगा।

“अकेले,” उसने कहा। “लेकिन, मालिन, तुम मुझे किसी से मिलवा सकती हो।”

मेरे दोस्त, याओ स्बाओयेब, तुम बहुत अच्छे हो। तुम कहाँ रहते हो?

टान्नी ने अपना पता बताया।

जब संगयुन चली गई, तो पो ने कहा, "वह महिला दिलचस्प है।"

लेकिन मुझे लगा था कि आप अपना पता गुप्त रखना चाहते हैं।

"ओह, उसके पास यह सुरक्षित है।"

मैं सिर्फ आपकी सुरक्षा के बारे में सोच रहा था। अपनी सुरक्षा के लिए, मैं यह चाहूंगा कि

उसे बेहतर तरीके से जानने के लिए। क्या आपको कोई आपत्ति है?

“यूरोपीय संघ में नहीं। उसने तुम्हें कुछ ऐसा बताया है जो पुरुष कभी नहीं बता सकते।

समझो। पोया, मुझे तुम पर भरोसा है।

"क्या आपको उन पुरुषों पर भरोसा था जिनके साथ आप रह रही थीं?"

“वो तो बिल्कुल अलग था... पोया, मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ। मैं नहीं...”

185

मुझे इस बात की परवाह है कि आप अपनी पत्नी के बारे में क्या करते हैं। लेकिन हम साथ रहना चाहते हैं।

हमेशा, है ना?

“बिल्कुल, हम करते हैं,” उन्होंने गर्मजोशी से कहा।

तो क्या हम इसे लिखित में वादा कर लें? मैं और कुछ नहीं पूछ रहा हूँ।

आपसे।"

पोया को आश्चर्य हुआ जब उसने लाल चांदी के दो चौकोर टुकड़े निकाले।

हम शाश्वत प्रेम की प्रतिज्ञा लिखेंगे। मैं एक प्रतिज्ञा निभाऊंगा, और

“तुम एक अपने पास रखना,” उसने कहा। “यह मेरे जीवन भर का खजाना रहेगा।”

वह लिखने बैठ गई, जबकि पोया उसके लिए स्याही पीस रही थी।

यह अनुबंध के रूप में एक औपचारिक प्रतिज्ञा थी, जिसमें पहले नाम दिए

गए थे और

दोनों पक्षों की जन्मतिथियों का उल्लेख करते हुए, यह कहना कि याओ पोया और त्सुई

लिएन-एरह ने एक-दूसरे से प्रेम करने और एक-दूसरे के प्रति अच्छा व्यवहार करने का वादा किया।

एक और, जैसे नर और मादा फिनीस, और उनका प्यार

चट्टानों के क्षय होने और समुद्रों के सूखने तक कुछ नहीं बदलेगा।

सूख जाने के प्रमाण स्वरूप उन्होंने अपने हस्ताक्षर किए।

“जब तक हमारे पास गवाह नहीं होंगे, 11118 पूरी तरह से कानूनी नहीं होगा,” उन्होंने कहा।

पोया ने अपना नाम साइन करने के बाद, युमेई का नाम सुझाया, और उसने कहा

कि इस पर एक वकील की गवाही होनी चाहिए, और यह एक या दो दिन में हो जाएगा।

वह उनकी उपस्थिति में हस्ताक्षर करवाने के लिए एक वकील को कमरे में लाता था।

तो तानी ने रेशम का अपना रोल लिया और उसे शुभ रात्रि का चुंबन दिया और

वह अपने होटल वापस चली गई।

अध्याय XII

पोटा उस रात अपनी पत्नी के घर वापस चला गया। उसकी पत्नी वहाँ नहीं थी।

अभी तक सो नहीं पाया है।

"तुम्हारे मुंह से शराब की गंध आ रही है," उसने कहा।

"मैं करता हूं।"

तुम फिर से महिलाओं के साथ बाहर गए हो।

"मेरे पास है।"

मुझे लगा था कि तुम दिखावा बनाए रखोगे,

कम से कम जब तक आप मेरे माता-पिता के घर में हैं।"

पोया ने अपने कपड़े उतारना जारी रखा।

आप किस होटल में ठहरे हैं?

आपको यह जानने की आवश्यकता नहीं है।

आज दोपहर यहां एक आदमी आया था, जो आपसे मिलना चाहता था।

और उसने पूछा कि तुम कहाँ हो, और मैं उसे बता भी नहीं सका।

माँ को लगा कि कम से कम मुझे तो पता होना चाहिए। क्या वह अब तक नहीं गया है?

पर्याप्त?"

वह क्या चाहता था?

मुझे नहीं पता। उसने कहा था कि वह फिर आएगा।

पोया ने देखा कि उसकी आँखें लाल हो गई थीं। बातचीत वहीं रुकी हुई थी।

जहां तक उसकी बात थी, यह फैक्स बनकर रह गया, और वह बुदबुदा रही थी।

खुद। "मुझे पता है," उसने कहा। *‘शंघाई का एक युवक एक की तरह है

मछली के बर्तन के पास बिल्ली। अगर वेश्याएं नहीं हैं, तो...

बागी रखैलें।"

पोया ने ऊपर देखा। "तो तुम अभी भी उसी विषय पर हो? क्या?"

बागी रखैल? कुछ रखैलें भाग जाने की अक्ल रखती हैं।

जब उन्हें माओवादी पसंद नहीं आता तो वे दूर चले जाते हैं।"

उसके शब्दों से उसे चुभन हुई। सियांग्युन ने जो कहा था, उसके बारे में सोचते हुए।

पत्नियों की प्रतियोगिता, उसने हंसते हुए कहा, और कैनान फूट-फूट कर रो पड़ी।

वह पूरी तरह से अपने विचारों में डूबा रहा।

सच यह था कि उस दोपहर कैनान रोई थी जब उसकी

माँ ने उससे पोया के बारे में पूछा। उसकी माँ एक मजबूत महिला थी।

वह महिला थी और उसने अपने पति को इसके बारे में बता दिया था। लेकिन श्री ह्सिया एक

एक पुराने सिउफसाई विद्वान जिन्हें खुद को ढालने में कठिनाई हो रही थी

आधुनिक परिवेश और उससे मिलने वाले आराम की सराहना की।

एक धनी दामाद द्वारा। वह अब भी अपने भाषण में शास्त्रीय भाषा का प्रयोग करता था।

आधुनिक मुहावरों के स्थान पर संयोजन और क्रियाविशेषण। और

इसके अलावा, मन ही मन में उन्हें इस बात से कोई आपत्ति नहीं थी।

"झगड़ा खड़ा करने का कोई फायदा नहीं है," उसने अपनी बूढ़ी पत्नी से कहा।

हालाँकि केन˙ यही कहता है, दामाद mmtbehss है

दामाद। आप उसे रोकने की कोशिश करते हैं। एक युवक एक युवा है।

पुरुष। अगर आप उसे एक महिला से दूर रखते हैं, तो संभवतः वह फिर से महिला को अपनी ओर आकर्षित कर लेगा।

किसी दूसरी महिला के पास जाओ, और तुम उसे उस महिला से दूर रखो, न कि

संभावना कम ही है कि वह किसी और के पास जाएगा। इसमें क्या हर्ज है? क्या वह नहीं है?

क्या आप हम बूढ़े लोगों का अच्छे से ख्याल रख रहे हैं? तो बात यहीं खत्म हो गई।

अगली सुबह पोया देर से उठा। दोपहर के भोजन के बाद उसने सोचा...

उसने वकील लाने का वादा किया और बाहर जाते हुए कैनान को बताया कि

वह पूरे दिन के लिए बाहर जा सकता है।

जैसे ही वह गली में निकला, उसका सामना एक चौकोर आकृति से हुआ।

एक लंबे गाउन में कंधे पर नान रखे हुए। उसके आगे उसे एक नई कार दिखाई दी और

एक हट्टा-कट्टा ड्राइवर।

“आप श्री याओ हैं?”

पोया ने सिर हिलाया।

"श्री तुंग आपसे मिलना चाहते हैं।"

"श्री तुंग कौन हैं?"

187

6

"कोई बात नहीं। गाड़ी में आ जाओ।"

पोया ने उस बड़े कद के ड्राइवर को देखा और उसके मन में अपहरणकर्ताओं का ख्याल आया।

उसने बचने की कोशिश की, लेकिन उस आदमी ने उसका एटीएम पकड़ लिया और कहा, "मत करो।"

सावधान हो जाइए। हमारे गुरु ने आपको बातचीत के लिए आमंत्रित किया है।

पोया को यह आभास हो रहा था कि वह पकड़ा गया है, और शायद वह

बड़ी रकम का चेक साइन किए बिना वापस नहीं आऊंगा। कोशिश करो।

शांत रहने के लिए, वह कार में बैठ गया। वह आदमी काफी विनम्र था।

उसे और साधारण पोशाक में मौजूद ड्राइवर को एक अप्रिय मुलाकात नहीं

हुई।

मल। वह शंघाई के मजदूर वर्ग के निवासी जैसा दिखता था।

"यह क्या है?" उसने पूछा।

वह आदमी शंघाई की बोली में बोल रहा था। 'तु को पता चल जाएगा जब'

श्री तुंग आपसे मिल रहे हैं। उन्होंने आपके लिए यह कार भेजी है, और यह अवश्य ही...

यह हमारा महत्वपूर्ण व्यवसाय है। हम ऑर्डर लेते हैं और कभी सवाल नहीं पूछते।

कार तेजी से फ्रांसीसी क्षेत्र में घुसी और एक जगह रुक गई।

एक सम्मानित घर। कार को पहचानते ही गार्डों ने गाड़ी घुमा दी।

एक बड़ा लोहे का गेट खोलो।

पोया अब पहले की तुलना में कम डरा हुआ था। उसने सुना था

श्री तुंग, जो चीनी राजनीति के सबसे प्रसिद्ध नेताओं में से एक हैं, के बारे में।

अंडरवर्ल्ड। सिर्फ तीन दिन पहले ही उसने अफेई से सुना था कि

श्री तुंग niinftR के सबसे ऊर्जावान कार्यकर्ताओं में से एक थे।

कारण, भूमिगत गतिविधियों को कवर करना। शायद सुनकर।

श्री तुंग शंघाई आए थे, उन्हें वहां से पैसे चाहिए थे।

उनके काम के लिए।

एक लंबे, सीधे खड़े युवक ने उसे अंदर आने का इशारा किया, जिसने कपड़े पहने हुए थे।

चुंगशान यूनिफॉर्म। श्री तुंग का कार्यालय मुख्य मंजिल पर था।

दो जुड़े हुए कमरों में सामान्य मिश्रण के साथ

चीनी और पश्चिमी फर्नीचर। कैलीग्राफी के आठ स्क्रॉल का एक सेट।

दीवार पर एक चित्र टंगा हुआ था। एक खूबसूरत युवती अंदर थी।

भीतरी कमरे में कई सचिव मौजूद थे। श्री टिम स्वयं खड़े थे।

सीधे और दृढ़ मुस्कान के साथ उनका अभिवादन करने के लिए आगे बढ़े;

"श्री याओ, आपको इस तरह परेशान करने के लिए मुझे खेद है। लेकिन एक समस्या है।"

महत्वपूर्ण व्यवसायिक मामलों में आपकी सलाह का इंतजार है।

"आपसे मिलने का यह अवसर पाकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूँ," उन्होंने जवाब दिया।

पहिया।

मेज़बान ने पोया को एक कुर्सी पर बैठाया। उसका व्यवहार सौहार्दपूर्ण था।

प्राचीन चीनी शिष्टाचार और स्पष्टवादिता का संयोजन

किसी क्रिया के m^ का। वह तेज़ कदमों से अंदर के कमरे में चला गया।

और उसने अपने एक सचिव से कुछ कहा। फिर उसने वापस नाम बताया।

मुस्कुराते हुए वह अपनी डेस्क पर लौट आया।

श्री तुंग चालीस वर्ष की आयु के एक व्यक्ति थे, जिनके पास

ए

उसके सिर के बाल मुंडे हुए थे, जिस पर बात करते समय उसका हाथ घूमता रहता था।

उसका मल देखने में बेहद आकर्षक था, और उसके गालों की हड्डियाँ मध्यम ऊँचाई की थीं।

और हड्डी और मांसपेशियों का अच्छा अनुपात था। वह था

उन्होंने नीले रंग का रजाईदार गाउन पहना हुआ था, और उनकी सफेद कमीज की आस्तीनें

पोया ने गाउन की आस्तीनों को हमेशा की तरह बाहर की ओर मोड़ रखा था।

उनकी सादगी से प्रेरित। फ्रांसीसी नगर पालिका सरकार,

जिस परिषद के वे पार्षद थे, उसमें वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थ रहे।

उसके बिना। यह सच था कि जिन गिरोहों पर उसका राज था, वे पहले

बहुत सक्रिय हुआ करते थे।

अपहरणों से जुड़ा हुआ। लेकिन इसे समझना असंभव था।

इस संस्था के बारे में थोड़ी सी भी जानकारी के बिना-

जमीन। अपने पीछे हजार साल का इतिहास लिए, ऐसे डाकू

राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में वीरों के संगठन विकसित हुए थे।

अराजकता, हत्यारा कर संग्रहकर्ता और लुटेरे मजिस्ट्रेट और

अमीरों से लूटकर गरीबों को देना, और उनका एक नियम था।

वीरता को "नदियों और झीलों के पुरुषों" से जोड़ा जाता है।

श्री तुंग भी सबसे प्रभावशाली और शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक थे।

और शंघाई के सम्मानित लोगों में उनका नाम अक्सर चुनावी अभियानों में प्रमुखता से लिया जाता था।

अकाल राहत के लिए, जिसमें बौद्ध रेड क्रॉस की राहत भी शामिल है,

इसमें बौद्ध स्वास्तिका के रूप में एक क्रॉस है, जिसे घुमाया गया है।

नाज़ी स्वस्तिका की विपरीत दिशा में।

श्री तुंग, चियांग काइशेक और कई अन्य लोगों के घनिष्ठ मित्र थे।

सरकारी नेताओं में से एक। जैसे-जैसे युद्ध बढ़ता गया, वह सबसे प्रमुख नेताओं में से एक बन गया।

सरकार और देश के बीच महत्वपूर्ण देशभक्तिपूर्ण संपर्क कार्यकर्ता

और बाहरी दुनिया के लिए भी, क्योंकि उसका वचनबद्ध था

उस पर पूरा भरोसा किया जाता था। वह अपने पद तक अपने दम पर पहुंचा था।

निष्पक्ष खेल की भावना और पैसे के प्रति उनकी पूर्ण उपेक्षा। न्यू पर

नए साल की पूर्व संध्या पर उन्होंने अपने घर के दरवाजे खुले रखे, और नोटों के ढेर लगा दिए।

उसकी मेज पर, जहाँ से n^ में रहने वाले लोग स्वयं को बचा सकते थे,

जबकि गिरोह के निचले सदस्यों को उनका हिस्सा प्राप्त हुआ।

सार्वजनिक स्नानघरों में। जब युद्ध छिड़ा, तब उसके पास था।

उन्होंने स्वयं को देशद्रोही विरोधी कार्य में झोंक दिया, जिस पर

सरकार काफी हद तक इस पर निर्भर थी, और वह इसके लिए जिम्मेदार था।

देशद्रोहियों की कई हत्याओं में से एक। अंत में उसने अपना समय व्यतीत किया।

शंघाई और हांगकांग में अपनी खुद की कमाई का आखिरी पैसा भी,

यह राजनीतिक काम। लेकिन जब उन्हें और पैसे की जरूरत पड़ी, तो उनके किसी भी कर्मचारी ने ऐसा किया।

बैंकर मित्र कुछ सौ डॉलर की मदद करने में खुशी-खुशी तैयार होंगे।

हजार डॉलर।

सचिव दस्तावेजों का एक फोल्डर लेकर आए थे। श्री तुंग

मैंने उसे लिया और उसे स्लाइडिंग डोर बंद करने को कहा।

उन्होंने सहनीय स्वर में कहा, "एक मामला जांच के अधीन है।"

आई 89'.

मंदारिन। उसने पोया को एक टैब्लॉइड अखबार की एक कतरन दिखाई।

त्सुई मालिन की कहानी सुना रहा हूँ। क्या आपने वो देखी है?

मैंने यह कहानी सुनी है।

^^अच्छा, श्रीमान याओ," वह शंघाई बोली में बोलने लगा।

आपने शायद मेरे काम के बारे में सुना होगा — मेरा काम है कि मैं उनका सफाया कर दूं।

संधि बंदरगाहों में गद्दार। मुझे पता है कि आपके दादाजी एक गद्दार थे।

क्रांति के उदार सहायक, और निश्चित रूप से हम सभी हैं

चीनी। दो हफ्ते पहले, हमने यहाँ एक गद्दार के घर पर छापा मारा था।

और ये दस्तावेज़ मिले। कुछ पत्र और टेलीग्राम भी मिले।

तियानजिन से भेजे गए पत्रों पर त्सुई मालिन का नाम अंकित है।

इस धीमी और विनम्र पद्धति ने पोया को अपने बारे में सोचने का समय दिया।

जवाब देने के लिए, और वह अपना मन बना रहा था। लेकिन श्री तुंग बोलते रहे।

हमें तियानजिन से भी रिपोर्ट मिली हैं। लड़कियों के अलावा-

घर पर छापा मारा गया और कई दस्तावेज जब्त किए गए, जिनमें ये भी

दिखाया गया कि

दक्षिण में गद्दारों के साथ उसका पत्राचार। वह महिला

जाहिर तौर पर भाग निकला। हमें तियानजिन पुलिस से भी रिपोर्ट मिली थी।

यह महिला कुछ समय के लिए पेइपिंग में आपके घर में रह रही थी।

समय बीत चुका है। वह शायद अभी यहीं होगी। वह कहाँ है?

उसकी रक्षा करने की अपनी पहली प्रवृत्ति का पालन करते हुए, पोया ने उत्तर दिया, 'टी'

पता नहीं।

आपको उसके बारे में कैसे पता चला?

पोया को इस बात से इनकार करने का कोई मौका नहीं दिया गया कि वह उसे कभी जानता था।

तो उसने कहा, ^^मेरी महिला रिश्तेदारों में से एक उसकी दोस्त थी।

उनकी मुलाकात को कई साल हो गए होंगे। लेकिन वह हमें छोड़कर चली गई, और

मुझे नहीं पता कि वह कहाँ है।

कृपया इनमें से कुछ दस्तावेज़ देखें। हमें इसे ढूंढना होगा।

वह एक महिला थी। वह एक नर्तकी थी। हमने जांच की है, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली है।

यहां सिर्फ एक ही व्यक्ति उसे जानता है।

पोया अब असमंजस में था। उसे टैनिन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

कहानी में बस इतना ही अंतर था कि उसने इस बात से ज़ोरदार ढंग से इनकार किया था कि वह भाग गई थी।

पैसे, और उसने कहा कि वह इसलिए भाग गई क्योंकि वह आदमी...

वह जापानियों के साथ रह रही थी और उनके साथ काम कर रही थी। जब उसे

मैं उसे बताना चाहता था, उसने कहा कि वह इसे सुनना नहीं चाहता। उसने ले लिया।

मैंने दस्तावेजों पर सरसरी नजर डाली। कुछ टेलीग्राम भी थे।

पत्रों पर महनो के नाम से हस्ताक्षर किए गए थे। ये पत्र मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों से संबंधित थे:

असामान्य और रहस्यमय नामों वाले व्यक्तियों की गतिविधियाँ। केवल

जापानी नामों को तुरंत पहचाना जा सकता था। रिपोर्टों में कहा गया है-

जापानियों के साथ बातचीत में कठपुतली सरकार स्थापित करने के प्रयासों का उल्लेख किया गया है।

उत्तरी चीन में सरकार। इन दस्तावेजों में जो कहानी बताई गई है, वह यह है:

यह उसके लिए बिलकुल नया था। उसका मल सफेद पड़ गया और तुंग ने इसे देखा।

आप देख सकते हैं कि यह महिला हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

"हो सकता है कि उसके नाम का इस्तेमाल एक आवरण के रूप में किया गया हो," पोया ने सुझाव दिया।

टान्नी की कही बात याद करते हुए उसने आगे कहा, “कोई नहीं कर सकता”

टैब्लॉइड अखबारों पर विश्वास करें। अगर कठपुतली उसे चाहती थी तो।

पुलिस के साथ काम करने के बावजूद वह हिल नहीं सकती थी।

श्री तुंग ने कहा, "यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे किस नजरिए से देखते हैं।"

मैं मानता हूँ कि उसके बारे में कुछ रहस्य तो है ही। शायद कठपुतलियाँ उसे चाहती हों।

क्योंकि वह छिपकर रह रही है और उनके सारे रहस्य जानती है, लेकिन हम भी जानते हैं।

खैर, सबूत तो मौजूद हैं। आप हमारे साथ काम कर रहे हैं, न कि

क्या आप उसे पेश करेंगे? क्या आप उसे पेश करेंगे या नहीं?

श्री तुंग की आंखें चमक उठीं और उनकी भौहें थोड़ी ऊपर उठ गईं।

पोया मन ही मन डरा हुआ था, क्योंकि वह तुंग की प्रतिष्ठा को जानता था, लेकिन उसने

बनावटी और कुछ हद तक अस्वाभाविक हंसी के साथ उत्तर दिया, "श्री तुंग,

क्या तुम्हारा मतलब यह है कि मैं भी गद्दार हूँ? अगर मुझे पता होता तो मैं तुम्हें बता देता।

लेकिन वह अचानक हमारे घर से चली गई और गायब हो गई।

तुंग मुड़ा और अपने एक सचिव को बुलाया।

“श्रीमान याओ,” उन्होंने कहा, “क्या आप कृपया हमें इसका विवरण देने में सहायता करेंगे?”

उसकी।"

“जी हाँ, बिल्कुल,” पोया ने कहा। उसका आधा मन कर रहा था कि वह सबको बता दे।

सच। टैनी ने उससे टेलीग्राम के बारे में बात नहीं की थी और

पत्रों में उसका नाम देखकर उसे गहरा सदमा लगा।

पत्राचार। उसकी एकमात्र प्रवृत्ति उसे आगे की परेशानियों से बचाना थी।

मुसीबत। पल भर में ही उसने मन बना लिया कि टैनी को अवश्य

शहर तुरंत छोड़ दो। वह इतनी आगे बढ़ चुका था कि पीछे हटना नामुमकिन था।

जब उनसे पूछताछ की गई, तो उन्होंने बनावटी शांति का भाव दिखाते हुए जवाब दिया। तुंग

मैंने उसके चेहरे पर झिझक और उसके लहजे में बनावटीपन देखा।

सचिव नोट्स लेने की तैयारी कर रही थी।

“उसकी लंबाई कितनी है?” टी˙जी ने पूछा।

“वह लड़की के हिसाब से काफी लंबी है। मैंने उसकी लंबाई कभी नहीं मापी।”

"वह किसके जैसी लगती है?"

“बहुत सुंदर, बहुत सुंदर,” उसने उत्तर दिया। उसने सोचा

कैनान, और वहाँ से वह धाराप्रवाह बोलने लगा। "उत्तरी प्रकार

खूबसूरत, बड़ी-बड़ी आंखें, घनी भौहें, रंगे हुए नाखून।

मुझे याद है, उसकी आवाज थोड़ी अटपटी थी।

“कोई भी जन्मचिह्न^”

"मैंने तो किसी को नहीं देखा।"

“उसके बाल?”

बालों को सीधा कंघी करके पीछे से छोटा काट दिया गया है, आधुनिक फैशन की तरह।

महिलाओं। और मुझे याद है कि उसका एक दांत सोने का था।"

पोया की रचनात्मकता तुंग के अविश्वास को पूरी तरह से दूर नहीं कर पाई।

लेकिन उन्होंने कहा, “श्रीमान याओ, मैं आपका बहुत आभारी हूँ। मुझे आशा है कि

विवरण सटीक हैं। आप समझते हैं कि वह हो सकती है

यह हमारे लिए बहुत बड़ी मदद होगी। हमें इस समूह की गतिविधियों का पता लगाना होगा।

अब मैं आपको और नहीं रोकूंगा। अगर आपको कोई और उपाय सूझता है तो।

मुझे उम्मीद है कि आप आकर मेरे सचिव को रुचि के स्थानों के बारे में सूचित करेंगे।

पोया ने उसे धन्यवाद दिया और अलविदा कहा। तुंग ने इशारा किया।

उनके सचिव ने उन्हें घेर लिया, और उन्हें आश्चर्य हुआ जब उन्हें दूसरे कमरे में ले जाया गया।

जहां दो बुजुर्ग सज्जन बैठे थे।

मैंने मीर तुंग को अलविदा कह दिया है और मैं घर जा रहा हूँ।

पोया ने सचिव से विरोध जताया।

श्री तुंग चाहते हैं कि आप आराम करें। बैठ जाइए। इससे आराम मिलेगा।

यहां उपलब्ध है। अगर आपको हमें कुछ और बताना हो, तो आ जाइए।

मुझे देखा।"

पोया बैठकर सोचने लगा। उसने सवालों के जवाब काफी हद तक सही दिए थे।

उसने सोचा कि वह सफल हो गया है, लेकिन वह जानता था कि वह सफल नहीं हुआ है।

अपने चेहरे पर दिख रही बेचैनी को छिपाने में। इसके निहितार्थ थे

यह उसके लिए आश्चर्यजनक था। वह समझ नहीं पा रहा था कि टैनी ने ऐसा कैसे किया।

बात इतनी आगे बढ़ गई थी, लेकिन उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि वह उसके साथ काम कर रही थी।

गद्दार। उसे यकीन नहीं था कि अगर टैनी खुद को बेगुनाह साबित कर पाएगी तो।

उसे श्री तुंग के पास लाया गया। उन्होंने उसके बारे में पूरी तरह सोचा। वह थी

हमेशा किसी न किसी चीज़ से भागती रहती थी। क्या वह एचकेएन का इस्तेमाल एक साधन के रूप में कर रही थी?

भागने का? उसे याद आया कि उसने युमेई को बताया था कि वह

बहुत अमीर, और उसने खुद उससे पूछा था कि वह कितना अमीर है। शायद

उसका पहला संदेह सही निकला। जब उसने उसकी सुंदरता के बारे में सोचा

पीड़ादायक स्मृति के साथ।

अंततः वह अंदर गया और सचिव से कहा कि वह जाना चाहता है, लेकिन

सचिव ने उसे बताया कि श्री तुंग की यही इच्छा थी कि वह ऐसा करे।

अधिक समय हो।

वह पंद्रह-दो घंटे तक वहीं रहे। उनका स्वागत आम लोगों ने किया।

कमरा। नौकर अंदर-बाहर आते-जाते रहते थे, और आगंतुक भी आते-जाते रहते थे।

अलग-अलग वर्गों के लोग आते थे। जब भी कोई नौकर कोई नई चीज़ लाता था।

जब कोई आगंतुक चाय का कप पीता, तो वह पोया का कप भी बदल देता और उसके लिए चाय लाता।

उसे गर्म तौलिया दिया गया। दूसरे कमरे में लगातार टेलीफोन बज रहे थे।

लगभग चार बजे, चुंगशान की वर्दी पहने गार्ड अंदर आया और

उसने कहा कि श्री तुंग उसे अपनी कार में घर भेजना चाहते थे।

ऐसा प्रतीत होता था कि हर नौकर की निगाहें उस पर टिकी हुई थीं।

घर से निकल गया।

घर पहुँचकर उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह बाहर नहीं जा रहा है।

उसने उसके चेहरे पर परेशानी का भाव देखा, लेकिन उसने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।

क्या हुआ था। रात के खाने के समय, वह फोन करने के लिए बाहर गया।

इसके बाद टैनी ने अपना इरादा बदल लिया और अपने होटल में फोन किया, जहाँ

उन्होंने अपना नाम श्री चुआन के रूप में दर्ज कराया था। उन्होंने संदेश छोड़ा था कि वे नहीं आएंगे।

वे कुछ दिनों के लिए आ रहे थे और अगर महिला ने फोन किया, तो वे

उसे उससे यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

फोन करने जाते समय उसने एक मिठाई देखी।

एक फेरीवाला अपनी गली के प्रवेश द्वार के बाहर फुटपाथ पर बैठा है।

जब वह व्यक्ति वहाँ से गुजरा तो उसने उसे तीखी नजरों से देखा। चूंकि यह कोई

व्यस्त सड़क, उसने सोचा कि दिन के इस समय ऐसा होना असामान्य था।

*

*

टान्नी पूरे दिन से उसके आने का इंतजार कर रही थी।

उसने हमेशा की तरह फोन किया। रात के खाने के बाद, वह कुछ भी नहीं कर सकी।

और देर तक रुककर वह अपने होटल चला गया।

“श्री चुआन का अभी फोन आया था,” लड़के ने कहा, “और उन्होंने कहा कि वे

वह कुछ दिनों तक नहीं आएगा। उसने कहा कि आपको उससे उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

उसे।"

तानी को झटका लगा। उसने उसे फोन क्यों नहीं किया?

कम से कम?

पोया घर पर ही रुकी रही और इस समस्या से जूझती रही कि वह क्या करे।

यह सब टान्नी के बारे में था। वह तीसरी तारीख को अपनी पत्नी के कमरे में चले गए।

फर्श पर लेट गया, और जब उसकी पत्नी अंदर आई तो उसने पढ़ने का नाटक किया, लेकिन

वह देख सकती थी कि वह अपने शांत स्वभाव में था।

तानी की आवाज़, उसकी मुस्कान, उसे लगातार परेशान करती रहती थी। वह

वह अपने किए गए कार्यों के साथ उनका सामंजस्य नहीं बिठा सकती थी।

अगली सुबह उसने अपने चाचा अफेई से सलाह लेने का फैसला किया, और उसने

ग्यारह बजे बर्लिंगटन गए। पाओफेन बाहर गया हुआ था, और अफेई

बच्चों को डिमफटाग्रेंस के कमरे में भेज दिया, जबकि पोया ने...

उसने अपनी समस्या के बारे में उससे बात की। अफेई और पोया ही एकमात्र प्रत्यक्ष संपर्क थे।

याओ परिवार के पुरुष वंशज, और दोनों पुरुष बात कर सकते थे।

घनिष्ठता से। अफ़ेई चालीस वर्ष का हो चुका था, लेकिन वह अब भी जवान दिखता था।

सिवाय उनकी कनपटी पर समय से पहले उगने वाले सफेद बालों के।

“तुम मुझे सच क्यों नहीं बताते?” अफेई ने कहा। “अगर लड़की निर्दोष है तो-

अगर वह दोषी पाई जाती है, तो उसे केवल कुछ ही सजा मिलेगी। और अगर वह दोषी है, तो उसे केवल कुछ ही सजा मिलेगी।

उसे वही मिलना चाहिए जिसकी वह हकदार है।

“तुम नहीं समझते।”

आफती ने पोया की संकटग्रस्त एफटीसीई पर गौर किया।

“मैं उससे प्यार करता हूँ,” पोया ने स्वीकार किया।

अफेई मुस्कुराई। "तो फिर तुम क्या करोगे?"

मुझे नहीं पता। मुझे बस इतना पता है कि मुझे उसे यहाँ से निकालना होगा। श्रीमान...

तुंग बहुत विनम्र था, लेकिन मुझे पता है कि मेरा पीछा किया जा रहा है।

एम

“इसके लिए श्री तुंग पर भरोसा करो,” अफेई ने कहा। अगर वह नहीं ला सकते तो...

अगर उसे आपके द्वारा सीधे उससे संबंधित जानकारी मिलेगी, तो उसे कुछ जानकारी मिल जाएगी।

कैसे।"

"कल रात हमारी गली के बाहर एक फेरीवाला था, और यह

सुबह तक वह वहीं था। और उसके ठीक सामने एक अजीब सी कार खड़ी थी।

हमारे प्रवेश द्वार से।"

अगर तुमने उनसे इतने झूठ बोले हैं कि तुम खुद मुसीबत में पड़ जाओगे तो...

वह पकड़ी गई है।

"जब तक वह शहर से बाहर निकल जाती है - वह ऐसा करना चाहती है..."

अंदरूनी इलाके में जाओ—उसे कोई परेशानी नहीं होगी।

"क्या तुमने उसे इसके बारे में बताया है?"

“अभी नहीं। मैं फैसला नहीं कर पाई। और मैं उसकी मदद भी नहीं कर सकती।”

अगर मुझ पर नज़र रखी जा रही है तो मुझे भाग जाना चाहिए। इससे वह खुद मुसीबत में पड़ जाएगी।

अगर वो मेरे साथ देखी गई तो।"

आप उसके बारे में क्या सोचते हैं? क्या आपको लगता है कि वह ठीक थी?

गद्दारों के साथ दुनिया में रहना?

पोया असमंजस में पड़कर रुक गई। "मैं इसी समस्या को हल करने की कोशिश कर रही थी।"

कल रात मैंने खुद के लिए ऐसा किया। हो सकता है कि उसे किसी ने आवरण के रूप में इस्तेमाल किया हो।

वो जिस आदमी के साथ रह रही थी। लेकिन मैं उससे प्यार करता हूँ। मुझ पर मुस्कुराओ मत।

मैं गंभीर हूं।"

"क्या आपको नहीं लगता कि आप थोड़ी जल्दबाजी कर रहे हैं?" अफेई ने शांत स्वर में कहा।

जानबूझकर। "आपको लग सकता है कि आप उससे प्यार करते हैं।"

वह मुझे बहुत सुंदर और आकर्षक लगी। मुझे पता है कि आप भी हैं।

कैनान से असंतुष्ट। आपके चाचा होने के नाते मुझे आपको सलाह देनी चाहिए कि

सोच समझकर फैसला करो। अगर वह कोई साधारण महिला होती, तो मैं ऐसा नहीं करता।

लेकिन यहाँ एक लड़की है— और मैं आपकी बात समझ सकता हूँ

उसके लिए — ^संदिग्ध रिकॉर्ड के साथ — ^पुलिस और द्वारा वांछित

देशद्रोहियों और देशद्रोहियों के विरोधियों द्वारा। जैसा कि आपने हमें बताया, वह लगभग

पेइपिंग में हमारे परिवार को मुसीबत में डाल दिया। आप थोड़ा इंतज़ार क्यों नहीं करते?

थोड़ा — ^उसे बेहतर जान लो — ^कोई भी फैसला लेने से पहले? मुझे आश्चर्य है

अगर हमारी महिला रिश्तेदारों को पता चले तो वे क्या कहेंगी। फिर...

क्या यह K a inan है? तलाक वगैरह हो जाएगा। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?

आप बहुत ज्यादा चीजों में खुद को शामिल कर रहे हैं?

"लेकिन मुझे तुरंत कुछ करना होगा, कम से कम।"

"आप उसे फोन क्यों नहीं करते और उसे अपनी बात समझाने का मौका

क्यों नहीं देते?"

आप गद्दारों और एक साहसी महिला के साथ उलझना नहीं चाहेंगे।

वह अभी-अभी किसी दूसरे आदमी से भागकर आई है। अगर आपको उस पर भरोसा नहीं है

इतना काफी था कि उसे विश्वास हो गया कि वह तुंग के समूह में शामिल हो सकती है।

आप स्वयं उसकी निर्दोषता पर संदेह कैसे कर सकते हैं?

पोया बेचैनी से कमरे में इधर-उधर चक्कर लगा रही थी।

मुझे लगता है कि वह खुद ही भाग सकती है। जितनी जल्दी हो उतना अच्छा। मैं भाग जाऊंगी।

उससे बात करो।

उसने फोन का रिसीवर उठाया और उसका नंबर डायल किया। अफेई

उन्हें चेतावनी दी कि वे फोन पर ज्यादा बात न करें।

“HeUo, Lien-erh!”

"ओह, पोया! तुमने मुझे डरा दिया! क्या हुआ? क्या...?"

क्या आपने वकील को बुलाया?

“लीन-एरह, मेरी बात सुनो। मैं तो यह सब भूल ही गया था। लीन-एरह...”

क्या तुम मेरी बात सुनोगे? कुछ हुआ है। तुम्हें आना होगा।

जितनी जल्दी हो सके शहर से बाहर निकल जाओ। ... मैं तुमसे मिल नहीं सकता।

मुझ पर नजर रखी जा रही है. . . . मैं फोन पर समझा नहीं सकता. . . .

नहीं, मैं नहीं आ सकता. . .”

उसने उसकी रुक-रुक कर, रुंधी हुई आवाज़ सुनी। "लिएन-एरह, रोना मत..."

मेरी बात सुनो... तुम्हें जल्द से जल्द शंघाई से निकलने का इंतजाम करना होगा।

“...अपनी योजनाएँ खुद बनाओ,” उसने आगे कहा, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका।

मुझे पक्का नहीं पता था कि उसने सुना था या नहीं। लाइन कटी हुई थी।

"टेलीफोन पर किसी महिला से कुछ भी कहना असंभव है।"

फोन,” उसने रिसीवर रखते हुए कहा। “मुझे अब भागना चाहिए।”

खत्म। क्या तुम जोखिम उठाओगे?

ऐसा मत करो। तुम दोनों को एक साथ गिरफ्तार किया जा सकता है। अगर चाहो तो उसे लिख लो।

यह अधिक सुरक्षित है।

पोया अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और लगातार अपनी बाहों को पीटता रहा।

आप नहीं समझते, चाचा जी। मैं उससे शादी करने जा रहा हूँ। हम

हमने एक-दूसरे से यह वादा किया था। अब मैं उसकी मदद भी नहीं कर सकता।

दूर पाने के लिए।"

मुझे आपके और आपके रोमांस के बीच दखल देने में बुरा लग रहा है, लेकिन यह...

यही एकमात्र संभव बात है। अगर तुम जाओगे तो तुम उसे धोखा दोगे।

उसे देखो। और ^ides, huixy क्या है? क्या तुमने इसे बनाया है?

क्या तुम उससे शादी करने के बारे में सोच रहे हो?

मुझे नहीं पता—मुझे कुछ नहीं पता—मैं बस सोच नहीं पा रहा हूँ।

पोया ने उसके मल को पाने की लालसा जताते हुए कहा।

इसलिए पोया ने उसे एक पत्र लिखा और उसे डाक से भेजने के लिए भेज दिया।

जब पत्र चला गया, तो पोया ने कहा, "चाचा जी, क्या मैं आपसे कुछ पूछ

सकती हूँ?"

एक सवाल—एक निजी सवाल?

‘वह क्या?’

पोया ने अपने मल को फर्श की ओर बिखेरते हुए शर्मनाक ढंग से बात की।

"जब आंटी रेडजेड की मृत्यु हुई तो आपको कैसा लगा?"

अफेई की आंखों में, उसके सफ़ेद होते कनपटी के बीच, एक भाव था।

एक गहरे, लंबे घाव का, जो वर्षों से उसके कंधे में पड़ा था। "ठीक है,

“यह बहुत मुश्किल था,” उसने धीरे से कहा। “खासकर इसके तहत

आप वापस आ गए

हालात। मुझे इसका एहसास नहीं हुआ। अगर आप जानना चाहते हैं, तो वह

वह मेरे लिए मर गई थी। उसकी नौकरानी ने यही कहा था।

वह रुक गया, उसकी आवाज थोड़ी लड़खड़ा गई।

भतीजे ने कहा, "मैं इस बात को नहीं उठा रहा हूँ, सिर्फ इसलिए क्योंकि टैनी ने इसे ले लिया है।"

आंटी रेडजेड में उनकी विशेष रुचि थी। मैंने उन्हें उनकी तस्वीर दिखाई।

क्योंकि उसने खास तौर पर निंगमिंटांग को देखने का अनुरोध किया था।

अफेई की आंखें चमक उठीं। "क्या तस्वीर अभी भी वहीं है?"

"हाँ।"

कुछ क्षणों के लिए दोनों व्यक्ति अपने-अपने विचारों में खोए बैठे रहे।

पोया द्वारा रेडजादे का जिक्र करने से उनका प्रेम प्रसंग और भी गहरा हो गया।

चाचाजी। आखिरकार अफेई ने किसी तरह कहा, "तानी मुझे थोड़ी सी याद दिलाती है।"

रेडजेड के बारे में। खुद को r.a1m करें, और प्रतीक्षा करें और देखें।"

उन्होंने रेडजादे का ज़िक्र फिर कभी नहीं किया, और पाओफेन लौट आया।

चुपचाप एक साथ बैठे दो आदमियों को देखकर ऐसा लग रहा था मानो वे

मैंने भूत देखा है।

* *

*

होटल से वापस आते समय, जहाँ उसे बताया गया था कि पोया

वह नहीं आएगा, टान्नी को कुछ बहुत ही अजीब सा महसूस हुआ था।

उस पूरी शाम वह सोचती रही और उम्मीद करती रही कि टेलीफोन बज जाए।

जैसे-जैसे शाम ढलती गई, उसका इंतज़ार एक और इंतज़ार में बदल गया।

उसके मन में तीव्र लालसा, उलझन और संदेह के भाव उत्पन्न हुए।

उसने यह सोचकर खुद को दिलासा देने की कोशिश की कि शायद वह

वकील ढूंढने में व्यस्त।

वह अपने साथ रहने वाले व्यक्ति का हर रात इंतजार करने की आदी थी।

और वह जानती थी कि बिस्तर पर लेटे हुए कल्पना करने की वह स्थिति कैसी होती है।

कि वह आदमी किसी दूसरी औरत की बाहों में था। वह यह कर सकती थी।

वह मुश्किल से सो पाती थी; वह एक घंटे के लिए झपकी लेती और उठ जाती और

कदमों की आहट सुनने की कोशिश करो, और बिस्तर पर करवटें बदलते रहो, इच्छा से व्याकुल होकर।

जब सुबह दोपहर के करीब टेलीफोन की घंटी बजी, तो वह

वह सोफे पर लेटी हुई थी और अचानक उत्साह से उछल पड़ी। पोया ने

पूछा, "क्या हुआ?"

उसने कहा कि यह भ्रामक और समझ से परे था। जैसे ही उसने फोन रखा...

टेलीफोन!, उसके दिमाग में बस यही बात रह गई थी कि वह

वह उससे मिलने नहीं आ रहा था। उसकी स्त्री प्रवृत्ति ने उसे बताया कि वह*

वह उससे बच रहा था। उसे उसके कारणों में कोई दिलचस्पी नहीं थी; वास्तव में,

उसने कुछ नहीं कहा था। फिर धीरे-धीरे उसे कुछ शब्द याद आने लगे।

उसने उसे जल्द से जल्द शंघाई छोड़ने के लिए कहा था, और

उसने अपनी योजनाएँ खुद बनाने के बारे में कुछ कहा था। वह ऐसा क्यों नहीं कर सकता था?

आकर उसे स्पष्टीकरण देना? क्या वह भागने की कोशिश कर रहा था?

उसकी वजह से उसने उससे वह प्रतिज्ञा लिखने को कहा था।

कुछ रात पहले? क्योंकि यह प्यार उसके लिए बहुत मायने रखता था, क्योंकि वह

बिना किसी हिचकिचाहट के और शायद मूर्खतापूर्ण ढंग से इतनी उम्मीदें रखी थीं,

संदेह की यातना वह और भी अधिक थी।

युमेई ने उसे सोफे पर गिरते और फूट-फूटकर रोते हुए देखा।

क्या कुछ गड़बड़ हुई है?

शाओजेई ने क्या वह बीमार है?

आँसुओं के बीच तानी किसी तरह बोल पाई, "मैं जा रही हूँ।"

हमें जल्द ही निकलना है। हम उसके बिना ही जाएंगे।" वह रुक गई।

फिर से रोने लगी और उसने अपना मल छिपा लिया।

वह काफी देर तक वहीं लेटी रही। बार-बार वही शब्द उसके दिमाग में लौट आते थे।

"मैं तुम्हें देख नहीं सकती।" बाकी सब कुछ भुला दिया गया। क्योंकि वह

वह हर रोज उसके आने का आदी हो गया था, यह अचानक बदलाव

यह सहना कठिन था, और उसके डर और शंकाओं ने इसे और भी बदतर बना दिया था।

उसने उसके साथ घटिया व्यवहार किया और "क्या अब वह उसे त्याग रहा था?"

क्या इससे पहले भी पुरुषों ने उसे ठुकराया था? क्या यह कोई और प्लेबॉय था?

क्या यह घटना उसके लिए मात्र थी और वह उसके लिए एक और सस्ती रखैल महिला मात्र थी?

वह उसे फोन करके स्पष्टीकरण नहीं मांग सकी, क्योंकि वह

मुझे नहीं पता था कि उससे कैसे संपर्क किया जाए, क्योंकि वह आने

वाला नहीं था।

उसके होटल तक।

उसके मन में तीव्र आक्रोश उत्पन्न हुआ—पुरुषों के प्रति आक्रोश

सामान्य तौर पर, उसके पिछले अनुभवों की पूरी पृष्ठभूमि के साथ।

“पोसबिंगलांग! चंचल प्रेमिका!” युमेई ने उसे कहते सुना। “एक लड़की

वह अपना दिल और शरीर एक पुरुष को सौंप देती है, और जब वह संतुष्ट हो जाता है, तो वह

वह उसे पतझड़ में दलदल की तरह फेंक देता है।

उसने क्या कहा?

“वह मुझसे मिलने नहीं आ रहा है।”

"वह सियाओकमेब के साथ ऐसा व्यवहार कैसे कर सकता है?" युमेई ने गुस्से से कहा।

गुस्से से। "जब वह आएगा, तो मैं उससे हिसाब लूंगा।"

^*वह नहीं आ रहा है। युमेई, मैंने बहुत कुछ गड़बड़ कर दी है। अब कोई संभावना नहीं है।

मेरे लिए। शायद मेरी महिला रिश्तेदारों ने मेरे खिलाफ बातें की होंगी।

लेकिन असल में पुरुषों के हृदय ही दुष्ट हैं। स्त्रियाँ तो बस उनकी खिलौना

हैं।

केवल चीजें, और कुछ नहीं।

“सिलियोकबीब, जब मैंने सुना कि उसकी शादी हो गई है और तुम चले गए

उसके साथ बाहर जाने पर मुझे चिंता होती थी। वह एक बुरा आदमी है, दूसरों का फायदा उठाता है।

आप में से।"

"क्या आपको लगता है कि वह बुरा आदमी है?" टैनी ने आधे बचाव के अंदाज़ में पूछा।

उसे।

"क्या यह आपका फायदा उठाना नहीं था, जबकि वह शादीशुदा है?"

"हां, मैं अंधी थी। सभी पुरुष अविश्वसनीय होते हैं," टान्नी ने थके हुए स्वर में कहा।

"सभी नहीं," युमेई ने जवाब दिया। "टीजेन्डे पेंग एक अच्छा आदमी है।"

अंकल पेंग का जिक्र सुनकर उसकी कड़वाहट थोड़ी कम हो गई।

पुरुषों के खिलाफ। *“हाँ,” उसने धीरे से कहा, “हम उंडे से मिलने जा रहे

हैं।”

पेंग हैंकोव में है। हमें अब तक बिटन से एक पत्र मिल जाना चाहिए था।

वह कपड़े पहनने के लिए उठी, लेकिन जैसे ही वह ड्रेसर के सामने बैठी, सब कुछ

उसे पोया की याद आ गई — छोटी-छोटी इत्र की बोतलें और जेड पत्थर

उसने उसके लिए जो ब्रोच खरीदे थे—वे उसके लिए खिलौनों की तरह थे —

जिस तरह से उसने बालों को संवारा था, उसकी वह प्रशंसा करती थी, और शीशे में उसका अपना चेहरा भी।

वह अपनी आँखें बंद कर सकती थी और उसे अपने चेहरे की हर जगह से सूंघने देती थी।

एक अजीब तरीके से, और वह उसके हाथों को पकड़े हुए उसे खिला सकती थी।

पूर्णिमा के चांद जैसी श्रद्धा। क्या सब खत्म हो गया था? क्या वह भी कूद पड़ी थी?

जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना? लाओ पेंग के शब्द: ^‘आपको कभी नहीं करना चाहिए

“एक-दूसरे पर शक करना,” ये बात उसके मन में ऐसे लौट आई मानो वह अब भी उसी स्थिति में हो।

कमरा और उसके शब्द, आग की लपटों में बोले गए, अभी भी हवा में गूंज रहे थे। इसलिए वह

उसने वह रात अपने दिल में एक ऐसे दर्द के साथ बिताई जो आधा जुनून था।

आधा पछतावा।

सुबह उसने युमेई से कहा कि वह क्वांगफेटसन के पास जल्दी चली जाए।

और देखो कि उंडे पेंग की तरफ से कोई मेल आया है या नहीं। युम्ड वापस आ गया।

चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान लिए, हाथ में दो पत्र पकड़े हुए।

तानी ने ऐम को छीन लिया। एक नज़र में ही उसने देखा कि वे कहाँ से आए थे।

पोया और लाओ पेंग। पोया का पेट फाड़ते समय उसकी त्वचा जलने लगी।

पहले पत्र। उसमें लिखा था:

छोटी बहन लीन-एरह,

कुछ हुआ है। मैं इसे समय रहते समझा नहीं सका।

फ़ोन। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, मेरे लिए लिखित रूप में समझाना भी उचित नहीं होगा।

लेकिन मेरी बहन, मेरी बात मानो और संदेह मत करो। जाने की तैयारी करो।

तुरंत आओ और उंडे पेंग से मिलो। मुझे खेद है कि मैं आपकी सहायता नहीं कर सकता।

एचडीपी, लेकिन आपको अपनी व्यवस्था स्वयं करनी होगी। मैं एमएनआरपीएमपी/आई हूं।

केवल आपकी सुरक्षा के लिए। स्वयं बहुत सावधान रहें, और ऐसा न करें।

अजनबियों से दूर रहो। और सियांग्युन से भी दूर रहो।

आपका स्नेहपूर्वक।

इस पर हस्ताक्षर नहीं किए गए थे। पहली नज़र में, टैनी

हालांकि वह हैरान थी। फिर उसने देखा कि कोई कारण नहीं बताया गया था, और

इससे उसका यह संदेह और पुख्ता हो गया कि वह उसे धोखा दे रहा था। संदेह

और उसके मन में फिर से आक्रोश उमड़ आया।

“इसमें क्या लिखा है?” युम्ड ने बेसब्री से पूछा।

"वही बात," उसने रूखेपन से कहा और मुड़कर देखने लगी।

मोड़।

आईक्यू8

“आपने दूसरा पत्र नहीं पढ़ा है। वह पत्र जो उंडे पेंग ने लिखा था।”

टान्नी यह बात भूल चुकी थी, और अब कांपते हाथों से वह

मैंने उसे खोला। वह नानजिंग से था, और उसमें उनकी यात्रा का संक्षिप्त वर्णन था।

उसके आगमन की तारीखों की एक सटीक, दिन-प्रतिदिन की रिपोर्ट में

सरकारी कर्मचारियों को निकालने की तैयारियों से संबंधित विभिन्न कार्य।

नानकिंग के कर्मचारियों और भारी कठिनाइयों के बारे में

हैनकोव जाने के लिए परिवहन की व्यवस्था हो रही है। उसे तब तक हैनकोव पहुंच जाना चाहिए।

दिसंबर में, अगर सब ठीक रहा तो, और पोया और उसे विटम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

वह युमेई को अपना अभिवादन भेजना नहीं भूला।

टान्नी को अचानक सुकून और एक तरह की खुशी का एहसास हुआ।

लाओ पेंग से मिलने की संभावना। उसने युमेई को पत्र पढ़कर सुनाया।

“उंडे पेंग से ज्यादा भरोसेमंद आदमी कोई नहीं है,”

युमेई। "क्या हम चांगफात्सन में एक साथ खुश नहीं थे?"

टैनी मुस्कुराई। “उंडे के साथ बिताए वो कुछ दिन कितने यादगार थे!

पेंग अद्भुत है?

"हाँ, बस फर्क इतना था कि तुम हमेशा बेचैन रहते थे और इंतज़ार करते रहते थे।"

आपका सबाओयेब। मुझे आपका सबाओजेह पसंद नहीं है। वह बात नहीं करेगा।

मुझे।"

टैनी ने एक सिगरेट ली और उसे जलाया। जैसे ही उसने देखा...

लाइटर के बारे में सोचते ही उसे अचानक याद आया कि पोया ने इसे उसके लिए खरीदा था।

उसने लगभग द्वेषपूर्ण ढंग से उस पर क्लिक किया।

अचानक उसे सियांग्युन की याद आ गई। उसने उसे अपने

उससे दूर रहने के लिए पत्र। शायद यही कारण था कि वह ऐसा कर रहा था।

उससे बचना।

“युमेई, क्या तुम डांस हॉल देखना चाहोगी?” उसने पूछा।

सियाओकबीह, मैंने इसके बारे में सुना तो है, लेकिन मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकता था कि यह क्या होगा।

ishke.”

"आज रात मेरे साथ आओ। मुझे तुम्हारे साथ की जरूरत है।"

* *

*

पोया ने पहला दिन खुद पर गुस्सा करते हुए बिताया। घर लौटने पर,

उसने देखा कि उसी लाइसेंस नंबर वाली कार अभी भी खड़ी थी।

घर के पास खड़ी थी। मिठाई बेचने वाला जा चुका था, लेकिन एक

भिखारी प्रवेश द्वार पर अपनी जगह ले चुका था। उस रात

कैनान को आश्चर्य हुआ कि वह अपनी पत्नी के परिवार को रात के खाने पर बाहर ले गया।

अगले दिन उसने सियांग्युन के बारे में सोचा और उसे याद आया कि वह

वह तानी को त्सुई मालिन के नाम से जानता था और उसका पता भी जानता था।

उसे होटल के कमरे में हुई उसकी बातचीत सुखद रूप से याद थी, और उसने फैसला किया

उसे ढूंढकर उसे टान्नी का रहस्य छुपाने की चेतावनी देना।

वह उस डांस हॉल में गया जहां टान्नी से उसकी और उसकी पहली मुलाकात हुई थी।

उसने सियांग्युन को ढूंढा और उससे अपने साथ नृत्य करने के लिए कहा,

और फिर

उसने उसे अपनी मेज पर बैठने के लिए आमंत्रित किया।

"वह कहाँ है?" सियांग्युन ने तुरंत पूछा।

पोया ने उसे चुप करा दिया था और कहा था कि वह उसे सिर्फ तानी कहकर बुलाए। अब

कुछ अस्पष्ट शब्दों में उसने उसे बताया कि वह उसे चेतावनी देने आया है कि वह ऐसा न करे।

अगर किसी को भी टैनी या उसके पते के बारे में पता हो तो कृपया बताएं।

"तो इसीलिए तुम मुझसे मिलने आए हो?" सियांग्युन ने खुशी से कहा।

"सब कुछ ठीक है, आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं।"

उन्होंने फिर से नृत्य किया। सियांग्युन एक भारी नर्तकी थी।

तान्नी; पोया के कदमों के पीछे चलते हुए उसका शरीर थोड़ा घिसट रहा था। लेकिन

वह एक दिलचस्प वक्ता थी, और उन्होंने कई नृत्यों में भाग लिया।

बातचीत करते हुए। एक बार पोया वॉशरूम गया और रास्ते में...

उसने एक ऐसे व्यक्ति को देखा जिसे उसने पहले भी देखा था।

तुंग के कार्यालय में। जब वह अपनी मेज पर वापस गया तो उसने फुसफुसाकर कहा...

सियांग्युन को पता चला कि वह आदमी उसे देख रहा था।

तानी युमेई के साथ लगभग दस बजे आई। जैसे ही वे अंदर आए,

ध्यान आकर्षित न करने की इच्छा से, वे दीवार के किनारे वाली सीटों पर बैठ गए।

प्रवेश द्वार के पास। युमेई, शरमाते और खिलखिलाते हुए, आश्चर्य से देखती रही।

एक ऐसे दृश्य को देखते हुए जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था, जबकि टैनी चुपचाप बैठी रही।

अपने कोने में, वह बीच-बीच में अपनी सीट से थोड़ा उठती और

वह अपनी गर्दन ऊपर उठाकर मेहमानों का जायजा ले रही थी। कुछ मिनटों बाद, वह

पोया उठकर सियांग्युन को नृत्यमंच पर ले गई। उसका दिल

उसके मुंह पर उछल पड़ा।

"वो रहा!" उसने युमेई से कहा।

“कहाँ?” युमेई ने पूछा। नाचते हुए लोगों में वे आकृतियाँ कहीं खो गईं।

भीड़। अब वे डांस फ्लोर के पास वाले हिस्से में आ गए।

वे लगातार बातें कर रहे थे और स्पष्ट रूप से आनंद ले रहे थे। युमेई

इस बार उन्हें देखा।

“बेकार अंडा!” उसने बुदबुदाया। उसने उठने का इशारा किया।

और उसने पोया को आवाज़ दी लेकिन टान्नी ने उसे रोक लिया।

“बस यही है! अब सब कुछ महंगा है। चलो चलते हैं,” उसने कहा।

टैनी।

क्या तुम भाग रहे हो? रुको! देखो! क्या वह हमारे साथ अच्छा व्यवहार कर सकता है?

siaoebieb इस तरह।

टान्नी गुस्से से कांप रही थी।

“तुम कुछ मत करना,” उसने कहा। मैं भाग नहीं जाऊंगी।

मैं उसे बता दूंगा कि मैं यहाँ हूँ और देखूंगा कि वह क्या कहता है।

जब वो मुझसे मिले, तुम यहीं रुको। मैं वापस आ रहा हूँ।

वह उठी और कमरे के सामने की ओर चली गई। जब पोया

और जब सियांग्युन को होश आया, तो वे उससे केवल बीस फीट की दूरी पर थे।

200

टान्नी अकेली खड़ी उसे देख रही थी, और अचानक उनकी निगाहें मिलीं।

पोया स्तब्ध प्रतीत हो रहा था और उसके चेहरे पर भ्रम के भाव थे।

लेकिन वह नाचता रहा। तानी के पैर कांप रहे थे।

नृत्य समाप्त हुआ और नर्तक अपनी-अपनी सीटों पर लौट रहे थे।

तान्नी के भीतर अचानक क्रोध का साहस उमड़ उठा।

धीरे-धीरे हॉल के उस पार अपनी सीट पर लौट आई। हॉल के उस पार^

पोया की निगाहें लगातार उसे देख रही थीं।

जैसे ही वह बैठी, उसने देखा कि पोया उठी और पुकारने लगी।

वेटर। सियांग्युन भी उठ चुकी थी। अब बत्तियाँ जल चुकी थीं। तानी

वह उन्हें भीड़भाड़ वाली मेजों के पास से आते हुए देख सकती थी। उसने देखा कि वह

बोलने से पहले उसने एक बार फिर उसकी ओर मुड़कर देखा।

वह आगे था, और उसके पीछे चल रही सियांग्युन ने एक बार अपनी आँखें ऊपर उठाईं।

उसे भी देखो।

युमेई ने तानी का हाथ कसकर पकड़ रखा था और यह देखने के लिए इंतजार कर रही थी कि आगे क्या होगा।

ऐसा होने वाला था। लेकिन जैसे ही वे पास आए, पोया ने मुड़कर देखा।

सीधे तिबे के दरवाजे पर। उन्हें वहाँ से छह फीट की दूरी से गुजरना पड़ा।

तानी बैठी हुई थी। दोनों में से किसी ने भी उसकी तरफ नहीं देखा और वे आगे बढ़ गए।

जल्दी से गुजरते हुए। टैनी ने उनकी पीठ को ऐ दरवाजे से ओझल होते देखा।

लॉबी की ओर।

तानी हक्का-बक्का बैठी थी, गुस्से से उसके हाथ ठंडे और सुन्न पड़ गए थे।

उसे कोई निराशा नहीं हुई, केवल आक्रोश की एक तीव्र लहर महसूस हुई, और एक

उसे यह एहसास हुआ कि उसके रोमांस का सपना खत्म हो गया है, जिससे वह बुरी तरह टूट गई।

“हम उसके पीछे क्यों नहीं जाते?” युमेई ने पूछा। “हो सकता है वह...”

मैं बाहर तुम्हारा इंतजार कर रहा हूँ।

उसे जाने दो, कायर!

बैंड ने सेंट लुइस बाइट्स बजाना शुरू किया। बत्तियाँ जल रही थीं।

रोशनी कम हो गई, और छत में लगा विशाल कांच का गोला घूमने लगा।

और गोलाकार, धक्का-मुक्की पर अपने रंगीन प्रकाश बिंदु बिखेरता हुआ।

भीड़। टैनी ने सैक्सोफोन की उन्मादी आवाज़ें सुनीं।

क्रोध से उसकी इंद्रियां तेज हो गई थीं, और उसने देखा कि दूसरों को क्या दिखाई दे रहा था।

कमरे में कुछ दिखाई नहीं दिया। वे एक पागलखाने में रह रहे थे।

विकृत मानव आकृतियों की उन्मादपूर्वक घूमती हुई छायाओं द्वारा — ˆतुच्छ

मुखौटे पहने परछाइयाँ जो भीतर के खालीपन को ढक रही थीं, जा रही थीं

उस मदहोश कर देने वाले माहौल में चारों ओर। संगीत अपनी ही चीखें मार रहा था।

विनाश के एक बेतहाशा उन्माद में खालीपन। घर था

लड़खड़ाते और गिरते हुए, जैसे किसी के कांपते हुए पैर।

सैक्सोफोन वादक। सब कुछ टूट पड़ा, लड़खड़ा गया, चीखने-चिल्लाने लगा, तैरने लगा।

उसके सामने उस भयानक संगीत की तरह, और मनुष्यों की प्रेतवाधित आवाज़ें गूंज रही थीं।

और महिलाओं की सफेद भुजाएँ अचानक बहुत छोटी हो गईं, जैसे कि हम

कभी-कभी जब हम बहुत देर तक बैठे रहते हैं तो हमें अपने सामने का कमरा दिखाई देता है।

फ्लि ग्लिट — आंख की रेटिना पर बिना किसी बाहरी प्रभाव के पड़ने वाली एक छवि।

हमारे उच्च मस्तिष्क तंत्र की व्याख्या। ऐसा प्रतीत हुआ

तानी की कमजोर आँखें। लोग मशीनों की तरह नाच रहे थे।

उसके पास दिल नहीं था, सिवाय एक दुखते हुए दिल के जो उसका अपना था।

सब कुछ खत्म हो जाने के इस एहसास ने उसे एक अजीब आंतरिक अनुभूति दी।

मन में शांति का अहसास, जैसे भयंकर तूफान के बाद समुद्र शांत हो जाता है।

और इसलिए वह चुपचाप बैठी रही, युमेई के हाथ से भी बेखबर, जिसे वह

एक आदमी उसे पकड़े हुए था। वह उसे किसी महिला समझकर इंतजार कर रही थी।

उसका साथी आया और उससे बात करने लगा, और उसने ऊपर उसकी ओर देखा और पाया कि

इतनी सारी परछाइयों में से एक और भयानक परछाई। उसने घूर कर देखा।

वह चला गया। युमेई, जिसने उसे देखा था

भावनाओं से गला घुट रहा था, अब गर्माहट महसूस हो रही थी।

उसके हाथ में लौटते हुए।

टेंट अचानक रुक गया। एक बैंगनी स्पॉटलाइट उस पर केंद्रित हो गई।

डांस फ्लोर पर। पांच विदेशी महिलाएं, श्वेत रूसी महिलाएं,

खूबसूरत मानव आकृतियाँ, लगभग नग्न अवस्था में बाहर आईं।

ऐई दर्शकों में से "आहल" की आवाज़ आई। युमेई देखने के लिए खड़ी हो गई।

जोर से पुकारते हुए; "यह तो मृत्यु तक शर्मिंदा कर देता है!" लेकिन वह खड़ी रही।

पांचों नर्तक गोल-गोल घूमे और फिर कलाबाजियां करने लगे।

चिकनी ज़मीन। वे कतार में खड़े होकर झुक गए, और अपना हाथ आगे बढ़ा दिया।

घुटनों के बल। अंत में खड़ी महिला ने अपने पैर पूरी तरह खोलकर छलांग लगाई।

दूसरी झुकी हुई महिलाओं की जांघें इस प्रकार ऊपर उठी हुई थीं मानो वे वुडल्स हों, और

फिर वे भी दूसरों की तरह दूसरे छोर पर झुक गए। एक-एक करके

उछल पड़ा - हिलते-डुलते, घूमते हुए सफेद अम्ब्स का एक समूह, और मांस

बैंगनी रोशनी में वह सुडौल और सुंदर थी। जब आखिरी लंबा

महिला ने अंत में अपनी जगह ले ली, उसके कूल्हे ऊपर की ओर उठे हुए थे।

बाकी लोग भी हंस पड़े और दर्शक ठहाकों से गूंज उठे। अगली महिला ने कोशिश की...

वह उसके ऊपर से कूदकर ज़मीन पर बुरी तरह गिर पड़ा और दर्शक खुशी से चिल्ला उठे।

और भी तेज़।

यह पहली बार नहीं था जब टैनी ने इस शर्मनाक प्रदर्शन को देखा था।

सफेद अंगों वाली। वह मानव रूप की सुंदरता को जानती थी। लेकिन

उस क्षण उसने मानव स्वभाव को उसकी पूरी नग्न क्रूरता में देखा, और

एक पागलखाने के बारे में उसकी तीखी धारणा के बाद इसे देखकर...

कुछ क्षण पहले, उसने मूर्खता, निरर्थकता और अपूर्णता को देखा।

यह, उसके बीते जीवन की मूर्खता, निरर्थकता और अपूर्णता की तरह था,

वह इंद्रियों का जीवन जिसे वह बहुत अच्छी तरह जानती थी।

"यह देखकर बहुत शर्म आती है। लेकिन यह खूबसूरत है," युमेई ने कहा।

लेकिन उस रात टैनी ने जो दृश्य देखा वह अविस्मरणीय था।

मानवीय त्रासदी की भावना से ग्रस्त हो गया। सार को जानने के लिए

मनुष्य के संदर्भ में, हमें नग्न मानव आकृतियों को देखना होगा, विशेष रूप से

समूह या भीड़, और शारीरिक या मानसिक उत्थान से, जैसे

टान्नी अभी यही कर रही थी।

क्या पोया कभी उस विदेशी महिला के साथ सोएगी?

ऊंचे कूल्हे? हां, वो करेगा," उसने मन ही मन सोचा।

पोया भी एक पुरुष था, जिसके पैरों पर बाल थे, जो उनमें से एक था।

मानव प्रजाति।

उस दृष्टि में उन्हें जीवन का एक नया दर्शन मिला।

“अब चलो चलते हैं,” उसने अजीब सी शांत गंभीरता के साथ कहा।

जिससे युमेई आश्चर्यचकित रह गई।

जब वह घर पहुंची, तो उसने लाल रेशमी कपड़ा निकाला जिस पर वह लिपटा हुआ था।

उसने पोया के साथ शाश्वत प्रेम की प्रतिज्ञा लिखी और उसे एक लौ से प्रज्वलित किया।

मैच। थकी हुई मुस्कान के साथ, उसने उसे गिरते हुए देखा और उसे फेंक दिया।

लोहे के चूल्हे में। युमेई देखती रही और उसे कुछ समझ नहीं आया।

युमेई की मौजूदगी में उसने अपने कपड़े उतारने शुरू कर दिए।

युमेई तब बहुत भयभीत हो गई जब उसने पहली बार ऐसा करना शुरू किया, उसके बाद जब उन्होंने ऐसा करना शुरू किया

वह अकेले रहती थी, लेकिन उसे इसकी आदत हो गई थी।

“ये लो, युमेई, इसे उठा लो,” उसने उदास होकर सिर हिलाते हुए कहा और बुनाई शुरू कर दी।

उसने अपनी छाती से अभी-अभी उतारी हुई ब्रा उतार दी।

“उसे भी गिरा दो?” युमेई ने हैरानी से कहा, और फिर वह

वह मुस्कुराई और बड़े हर्ष के साथ पीतल का बर्तन लोहे के चूल्हे में फेंक दिया।

“अन्य लोगों के बारे में क्या ख्याल है?”

"उन्हें भी परेशान करो।"

युमेई एक cbiM के रूप में प्रसन्न होकर तानी के सूटकेस के पास गई और उसे ले गई।

उसने अपनी ब्रा उतारी और एक-एक करके उन्हें आग में फेंक दिया।

ऐसा करते हुए वह बुदबुदाई: "मर जाना चाहिए।"

“मानव शरीर को ठीक से कपड़े पहनाए जाने चाहिए,” टैनी ने कहा।

युमेई ने कुछ नहीं सुना। वह आग की लपटों को देख रही थी।

अचानक भीषण आग में जल उठा।

तान्नी को अचानक चक्कर आने लगे और उसकी छाती फट गई। फर्श

वह हांफने लगी, उसके पैर लड़खड़ा गए, उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर पड़ी।

नरम कालीन के पास।

युमेई घबराकर पीछे मुड़ी और उसे पुकारते हुए उसके पास गई:

“सियाओएबियेह, सियाओबियेबल” उसने सफेद नग्न शरीर को उठाया, जो बेजान और ढीला था।

गर्म और सुंदर, मुलायम, और धीरे से तकिया नीचे सरका दिया।

तानी के सिर को पकड़कर, उसे कंबल से ढक दिया और उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गई।

वह सिसक रही थी और अपनी सांसों को सुन रही थी। फिर उसने एक ठंडी चीज निचोड़ दी।

उसने तौलिया उसके माथे पर रख दिया। उसने उसे एक कप पानी पिलाने की कोशिश की।

चाय गर्म थी, लेकिन उसके होंठ नहीं हिले और चाय उसके होंठों पर गिर गई।

गर्दन और कंबल पर।

तान्नी लगभग दस मिनट तक लेटी रही और युमेई ने उसकी पट्टियाँ पकड़ रखी थीं।

जेड05

और धीरे-धीरे उसकी कनपटी को तब तक मलती रही जब तक कि गर्माहट वापस नहीं आ गई। फिर

उसकी सांसें सामान्य हो गईं। उसकी पलकें हिलने लगीं।

युमेई ने पुकारा, "सियाओहीब।"

उसकी आँखें खुलीं। "मैं कहाँ हूँ?" उसने पूछा। उसने चारों ओर देखा।

उसने कमरे में झाँका और देखा कि वह सोफे पर लेटी हुई है। उसने अपना सिर हिलाया।

फिर उन्हें एहसास हुआ कि उनके हाथ युमेई के खुरदुरे हाथों में जकड़े हुए हैं।

उंगलियां।

मैं यहां कब से हूं?

“लगभग पंद्रह मिनट। सियाओचीब, मैं बहुत डर गया था।”

मुझे कुछ पीने को दो।

युमेई उठी और उसके लिए एक कप गर्म चाय लाई। तानी ने उसे छुआ।

फिर से खुरदरी उंगलियां, जैसे ही यिउनेई ने प्याला अपने मुंह से लगाया।

देखा कि युमेई की आंखें लाल थीं।

कुछ चाय फिर से उसकी गर्दन पर गिर गई। युमेई एक चाय का गिलास लेकर आई।

उसने तौलिये से अपना मुंह और गर्दन पोंछी। ऐसा करते हुए उसने उठाया

मैंने कंबल हटाया और सुंदर सफेद छाती और उसके गुलाबी रंग के स्तन

देखे।

निपल्स। युमेई शरमा गई, और तानी को अचानक एहसास हुआ कि वह

वह पूरी तरह नग्न थी और उसके चेहरे पर शर्म भी झलक रही थी।

“क्या किसी ने मुझे देखा है?” उसने पूछा।

कमरे में मेरे अलावा कोई नहीं था। मैंने नहीं देखा कि क्या हुआ था।

ऐसा हुआ और मैंने तुम्हें फर्श पर पड़ा हुआ पाया।

तानी सिहर उठी। "मुझे एक भयानक सपना आया था।"

*क्या सपना था?

“कोई बात नहीं। मेरी नाइटड्रेस ले आओ।”

"हां, आपको बिस्तर पर जाना चाहिए।"

“शरीर को शालीनता से ढकना चाहिए,” उसने मन ही मन कहा।

युमेई ने उसे नाइटड्रेस पहनने में मदद की।

तानी उठी, और उसके पैर अभी भी लड़खड़ा रहे थे इसलिए वह युमेई पर झुक गई।

“तुमने बहुत अच्छा खाना खाया, युमेई,” युमेई के उसे सुलाते हुए उसने कहा।

उसका बिस्तर। “मुझे एक बुरा सपना आया। मैं एक गोल कमरे में थी जो बिस्तरों से भरा हुआ था।

रजाईयां, और रजाईयां घूम रही थीं, गोल-गोल, एक अंदर

दूसरा, जब तक कि 1 का दम घुट रहा था। बिल्कुल मुलायम रुई जैसा।

लाखों परतें, मेरे चारों ओर घूमती जा रही थीं। मैं नहीं कर सका।

मैंने सांस ली और संघर्ष करते हुए बाहर निकलने का रास्ता बनाया। फिर रजाईयाँ धीरे-धीरे

रोशनी हुई, और मैं बाहर भागा और धरती मेरे नीचे हिल गई और मैं टैन हो गया

यह सिलसिला चलता रहा और अचानक मुझे एहसास हुआ कि मैं नग्न हूँ और कई पुरुष मौजूद हैं।

वे मेरा पीछा कर रहे थे। मैं बहुत तेज़ी से भाग रहा था, बल्कि यूँ कहूँ कि...

स्केटिंग ट्यूनिंग की तरह थी, और जल्द ही मैं एक बड़े पानी पर लुढ़क रहा था।

पहिया और मेरा शरीर - पहिये से जुड़ा हुआ था, और वह गोल-गोल घूम रहा था।

और गोल-गोल और मेरा शरीर उसके साथ पीछे की ओर जा रहा था, और वहाँ थे

बहुत से लोग मुझे देख रहे थे, उनमें से कुछ हंस रहे थे और कुछ

मेरे शरीर की प्रशंसा करते हुए। लेकिन मुझे परवाह नहीं थी, और यह एक अच्छा, सुखदायक अनुभव था।

पहिया धीरे-धीरे घूमने पर एक अजीब सी अनुभूति हुई। लेकिन मैंने खुद से कहा: *1

मुझे ज़मीन तक पहुँचना होगा।' पहिया रुक गया और घूमने लगा।

विपरीत दिशा में, और मैं अचानक अपने पैरों पर खड़ा हो गया। और कौन

क्या आपको लगता है कि मैंने देखा...? लाओ पेंग। वह भिक्षु के वस्त्र में था।

और वह मुझे घूर रहा था, लेकिन मुस्कुरा रहा था। मुझे अपने आप पर शर्म आ रही थी।

मेरा शरीर नंगा था, लेकिन उसके पास एक कंबल था और उसने उसे मेरे चारों ओर लपेट दिया।

और मुझे गर्माहट और आराम महसूस हुआ। और हम सड़क पर आगे बढ़ते गए।

मेरे पीछे पानी के पहिये की चरमराहट सुनाई दे रही थी। कंबल

उसने मेरे शरीर में चुभन पैदा की, और मैंने उसे ढीला कर दिया, और उसने मुझसे कहा: *तुम्हें अवश्य

नहीं; खुद को ढक लो।' मेंढक मेरे नंगे पैरों पर बहुत कठोर था और वे

मुझे खून बह रहा था और मैं लंगड़ाकर चल रहा था। हम एक पहाड़ी पर चढ़े और ऊपर खड़े होकर देखने लगे।

घाटी के नीचे, और उसने मुझसे कहा: वहाँ ले गया। यही है

कर्म का चक्र!' और मैंने चक्र को घूमते हुए देखा, एक बड़े शब्द के साथ

केंद्र में "निदी' \कर्मद\ थे, और अभी भी कई नग्न लोग थे"।

कुछ महिलाएं इससे बंधी हुई थीं और इसे लेकर घूम रही थीं। फिर मैंने

देखा कि वहाँ कुछ और भी था।

घाटी में कई अन्य पहिए थे और वे लगातार घूमते रहे।

उन पर महिलाएं थीं। 'क्या मैं ऐसे ही मुड़ रही थी?' मैंने पूछा, और लाओ पेंग

उसने कहा: 'हाँ।' ऐसा लगा जैसे लाओ पेंग की आँखों ने मेरी भेद खोल दी हो।

मेरा शरीर नग्न था, और मुझे शर्म महसूस हुई, इसलिए मैंने अपना कंबल ओढ़ लिया।

और कस गया। तभी मुझे ठंडी पहाड़ी हवा का एहसास हुआ और मैं जाग गया और

मैंने खुद को तुम्हारे साथ इस कमरे में पाया। क्या यह अजीब नहीं था?

सपना? मैं इसका क्या मतलब निकालूँ?

"सियाओकबीब, तुम विदेशी महिलाओं को मुड़ते हुए देख रहे थे।"

कलाबाजियां। किसी को मर जाना चाहिए।

इससे उसे शाम की घटनाएँ याद आ गईं।

"पॉशिंगकेएमजीएल चंचल प्रेमी" उसने आह भरी।

“उसके बारे में बात मत करो। मैं कहता हूँ कि वह सज्जन व्यक्ति नहीं है। क्या हुआ था?

वह लाल रेशम जिसे तुमने लिखावट के साथ जला दिया था?

“यह पोया के साथ मेरी ‘फीनिक्स प्रतिज्ञा’ थी।” जब वह

जब उसने उसका नाम लिया तो उसकी आवाज कोमल थी।

"क्या अब तुम्हें उससे नफरत नहीं होती, जिसने तुम्हारा इतना फायदा उठाया?"

“हाँ... मुझे उससे नफरत है। हम हैंको जाएंगे और लाओ से मिलेंगे।”

पेंग। मैं उससे कर्म चक्र के बारे में पूछूंगा।

मुझे खुशी है कि तुमने उन ‘निप्पल-बैग्स’ को भी जला दिया। वे दुष्ट लोग

चीज़ें

"मुझे भी खुशी है," टैनी ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा।

इसलिए टैनी ने अपने शरीर में रुचि खो दी थी। विदेशी को देखकर।

नग्न अवस्था में कलाबाजियां करने वाली महिलाओं ने एक गहरा परिवर्तन ला दिया था।

जेड05

जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण में। बाद में ही उन्हें लाओ के माध्यम से यह समझ आया।

पेंग, नग्न मानव शरीरों की विशाल भीड़ का एक और दृश्य—

शरणार्थी पुरुषों, महिलाओं और महिलाओं की मेहनत से भरी भुजाओं, पैरों और पीठों को

बच्चे, बूढ़े, भूख से मरी हुई महिलाओं के दुबले-पतले, अकड़े हुए शरीर

सड़क किनारे मौत, ताजा कटे हुए अंग और क्षत-विक्षत शरीर

छोटे लड़कों और लड़कियों के शव, खून से लथपथ, घिसटते हुए पैर

नन्हे बच्चे, जीवन में और मृत्यु में भी सुंदर और प्यारे। लेकिन वे

वे एक अलग अर्थ में सुंदर और मनमोहक थे। दोनों दृश्य

एक दूसरे के पूरक थे। क्योंकि उसने मानवीय क्रूरता देखी थी।

नग्न रूसी नर्तकियों को देखकर, उसे कुलीनता को देखना था।

कामगार पुरुषों और महिलाओं के कठोर हाथों में मानव शरीर और

किसान के तेजी से हिलते टखने, पिंडली की मांसपेशियां और झुकी हुई पीठ

शरणार्थी और घायलों के खून बहते अंग — ^प्यारा और

बीमारी हो या सेहत, अनमोल। एक शिशु की अंतिम साँसों से।

और एक छोटी लड़की, उसे अंततः सांस का महत्व सीखना था।

जीवन। तभी उसे मानवता का प्यार फिर से प्राप्त होगा।

शरीर, जीवन का प्रेम, क्योंकि जीवन इतना दुखद और इतना सुंदर था।

अगली सुबह जब वह बिस्तर पर ही थी, तब टेलीफोन की घंटी बजी।

ˆTanni . . . Lien-erhl”

"अरे, तुम हो!" उसने कहा।

ˆ*1 मुझे समझाना होगा। • . पिछली रात। .

ˆT > कुछ भी स्पष्ट मत करो • .

लेकिन आपको अवश्य ही...

उसने अचानक फोन काट दिया।

कुछ देर बाद फिर घंटी बजी। वह हिचकिचा रही थी कि जवाब दे या नहीं।

नहीं, लेकिन अंततः उसने ऐसा कर दिया।

'टिएन-ˆह, तुम्हें मुझे समझाने देना होगा... मैं

देखा...

"इससे मेरा क्या लेना-देना है? समझाने की कोशिश मत करो।"

"लीन-एरह, तुम गुस्से में हो..."

"मज़े करते रहो। मैं तुम्हारी रखैल थी। अब मैं तुम्हारी गुलाम हूँ।

अब मैं किसी की रखी हुई औरत नहीं, न तुम्हारे लिए, न किसी और के लिए। जाओ।

सियांग्युन। वह तुम्हें चाहती है... और तुम्हें डरने की ज़रूरत नहीं है।

मुझे देखकर, मैं तुरंत जा रहा हूँ।

अंत में उसने अपनी आवाज ऊंची की और रिसीवर उसकी ओर बढ़ा दिया।

वह अपनी जगह पर ठीक से नहीं बैठा और बेडसाइड टेबल पर पड़ा रहा।

उसे अभी भी पोया की आवाज़ धुंधली-धीमी सुनाई दे रही थी, जो हास्यास्पद लग रही थी।

metˆc चीखता है।

206

युमेई ने रिसीवर उठाया और चिल्लाई; 'Tfou surincl' और

उसमें थूका और उसे वापस रख दिया।

"मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी," टैनी ने कहा।

"वह एक नीच इंसान है—बस यही है वो।"

"लगता है तुम मुझसे ज्यादा गुस्से में हो," टैनी ने मुस्कुराते हुए कहा।

"सियाओचीब, तुमने उसे अपना फायदा उठाने देकर गलती की। अगर मैं

अगर मैं तुम्हारी जगह होती, तो मैं उसे तब तक अपने पास नहीं आने देती जब तक वह वादा न कर दे कि...

मुझसे विवाह करो।"

तानी सोच में डूबी हुई थी। "हो सकता है वह आ जाए—अगर उसे सच में परवाह हो तो।"

युमेई ने कहा, "अगर वह आया तो मैं उस पर थूक दूंगी।"

अपनी इच्छा के विरुद्ध भी, तानी चाहती थी कि वह आए।

उस दिन वह घंटों अपने कमरे में बैठी उसके कदमों की आहट सुनने का इंतजार करती रही।

कदमों की आहट, दरवाजे पर उसकी दस्तक। लेकिन वह नहीं आया।

अगली शाम, वह युमेई के साथ हांगकांग के लिए रवाना हो गई।

उसके लिए कोई शब्द छोड़े बिना। हांगकांग में थोड़ी देर की देरी के बाद

कोंग, वे रेल मार्ग से हैंकोव गए, रास्ते में उन्हें कोई नहीं मिला।

रास्ते में दो बमबारी हमलों से भी बड़ी कठिनाइयाँ आने वाली हैं।

अध्याय Xm

तान्नी और यदमेई 5 जनवरी, 1938 को हैंकोव पहुंचे।

नानकिंग तेरह दिसंबर को खाली हो गया था, और पूरे सात

इसके डेढ़ लाख निवासी देश छोड़कर चले गए थे। लाखों लोग

अन्य लोग तटीय या ग्रामीण इलाकों में स्थित अपने घरों को छोड़कर चले गए थे और

स्टीमशिप, पाल नौकाओं, मोटर-कारों और अन्य वाहनों द्वारा रिवेट के ऊपर आ गया था।

पैदल। इस आंतरिक राजधानी की सड़कें शरणार्थियों से भरी हुई थीं।

सैनिक, बॉय स्काउट, नर्स, अधिकारी और सरकारी कर्मचारी

रबुंगशाफी की वर्दी में। होटल और रेस्तरां और गति

सिनेमाघर हमेशा खचाखच भरे रहते थे, जबकि भूखे-प्यासे लोग और

उच्च वर्ग की कई महिलाएं सड़कों पर घूम रही थीं।

दिन-रात। अमीर और गरीब में कोई भेद नहीं था।

नए साल के दिन, शंघाई की एक आधुनिक युवा महिला ने

उसे घाट पर खड़े होकर अपना फर कोट बेचने की कोशिश करते हुए देखा गया था।

स्टीमर से उतरने वाले यात्री भोजन के लिए कुछ डॉलर प्राप्त करने के लिए आते हैं।

थके-हारे सैनिक लगातार शहर से गुजरते रहते थे। बहुत से

महिला कार्यकर्ता, कुछ स्काउट की वर्दी में, अन्य लंबी पोशाकों में,

लोग इधर-उधर घूम रहे थे, कुछ ड्यूटी पर थे, कुछ अपने खोए हुए

रिश्तेदारों को ढूंढ रहे थे।

207

नानकिंग से उड़ान के दौरान उन्हें अलग-अलग पाउंड में रखा गया था।

यांग्त्से नदी हमेशा पानी से भरी रहती थी, और दूसरी ओर वुचांग भी।

नदी के किनारे का इलाका भी हैंकोव की तरह ही भीड़भाड़ वाला था।

इतिहास का सबसे बड़ा जन पलायन शुरू हो चुका था।

तट से खाड़ी में बहने वाली मिलें, त्यागते हुए

अपने घरों और शहरों को पार करते हुए, पहाड़ों पर चढ़ते और आगे बढ़ते हुए।

नदियों में भागते हुए, एक समझ से परे सामूहिक नरसंहार से बचकर

एक समझ से परे शत्रु का आक्रमण।

दुश्मन बेहद ताकतवर था। सूचो में चीनी सेना की रक्षा पंक्ति ध्वस्त हो गई थी।

और तीन सप्ताह के भीतर ही राजधानी में तेजी से लोग वापस आ गए।

स्वयं ही कच्चा था। लेकिन आतंक युद्ध का नहीं था, गोले-पीट का नहीं था।

तानीरें, बंदूकें और ग्रेनेड। यह बमों का आतंक भी नहीं था।

ऊपर से देखने पर, दुर्घटना और विस्फोट चाहे कितने भी भयावह क्यों न

हों।

और उड़ते हुए छर्रों की गड़गड़ाहट। यह मौत का आतंक नहीं था,

युद्ध की, धातु से धातु टकराने की खड़खड़ाहट की। आदमियों ने मार डाला था।

सभ्यता की शुरुआत से ही mfffi युद्धों में शामिल रहा है। ग्रामीणों के बारे में

चैपेई, महीनों तक गोलियों की बौछार के बीच, निडर होकर आगे नहीं बढ़ पाया था।

sfl ken th wf homes. लेकिन अब तक नहीं, क्योंकि ईश्वर ने मनुष्य को बनाया है,

बिमान की आँखों ने हँसते हुए सैनिकों को एक बच्चे को हवा में उछालते हुए देखा था

और गिरते ही उसे एक तेज संगीन की नोक पर कुशलतापूर्वक पकड़ लिया और

रेल खेल है; और अब तक आँखों पर पट्टी बांधे कैदियों को खड़ा नहीं किया गया था।

एक खाई के बगल में और संगीन अभ्यास के लिए लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, फिएट

हत्या की व्यवस्थित शिक्षा। दो सैनिक पीछा कर रहे हैं।

सूचो से नानकिंग की ओर पीछे हट रही चीनी सेना ने एक शर्त लगाई थी।

वे आपस में इस बात पर बहस कर रहे थे कि पहले सौ लोगों को कौन मारेगा।

उनके व्यक्तिगत रिकॉर्ड का अनुसरण दिन-प्रतिदिन सीकेवाई द्वारा किया गया।

अपने साथियों द्वारा mtlinsiasin Samnti की महान संहिता

शायद यह बात उस सामंती समाज के लोगों को समझा सके, लेकिन दूसरों को नहीं।

दूसरे देशों के लोगों के साथ ये चीजें संभव नहीं हैं।

जन्मजात पुरुष। वे सामंतवाद में भी संभव नहीं थे।

मध्यकालीन यूरोप। अफ़्रीकी लोगों के साथ ये संभव नहीं थे।

बर्बर। जब मनुष्य एक दूसरे के सौतेले रिश्तेदार थे, तब उनका अस्तित्व संभव नहीं था।

आदिम जंगलों में पेड़ों पर झूलते हुए गोरिल्ला।

गोरिल्लाओं के साथ यह संभव नहीं था। गोरिल्ला आपस में लड़ते हैं।

यह प्रक्रिया केवल महिलाओं के लिए है। मानवविज्ञान में इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है।

सबसे आदिम युग में भी मनुष्य आनंद के लिए एक दूसरे को मार डालते थे।

सभ्यता के चरण।

नहीं, आतंक तो मनुष्य का था, उस बात का था जो एक ही नस्ल के मनुष्य कर सकते थे।

दूसरे नस्ल के मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार न करें। गोरिल्ला उन्हें घेर नहीं सकते।

गोरिल्ला कैदियों को चटाई के शेड में डालो, उस पर केरोसिन डालो और

इसे लड़ाई पर सेट करो और हंसो। गोरिल्ला दिन के उजाले में खुले में संभोग करते हैं।

लेकिन उन्हें दूसरे ही-गोरियोस को ऐसा करते हुए देखना अच्छा नहीं लगता।

वे संभोग करते हैं और अपनी बारी का बेसब्री से इंतजार करते हैं, और वे कुछ नहीं करते।

मादा गोरों के जननांगों में संगीनें घुसाने के बाद

हो गया। उनका आनंद इतना परिष्कृत नहीं है कि वे अपने साथी को मजबूर कर सकें।

उस महिला को अपनी पत्नी के साथ बलात्कार और दुर्व्यवहार होते हुए चुपचाप खड़े रहने के लिए मजबूर किया गया।

ये बातें सही मायने में काल्पनिक कथाओं से संबंधित नहीं हैं, क्योंकि वे हो सकती हैं

इन्हें एक कल्पनाशील लेखक की रचनाएँ कहा जा सकता है जो अपने चरम पर पहुँचने वाला है।

पागलपन। नहीं, ये चीजें प्रामाणिक, दस्तावेजी तथ्यों से संबंधित हैं।

ऐ ओइना युद्ध और शाही जापानी सेना का इतिहास।

उन पर केवल ऐतिहासिक अभिलेखों और ओसिडल रिपोर्टों में ही विश्वास किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय आयोगों के बारे में; काल्पनिक रूप से नहीं। चूंकि हम इससे निपट रहे हैं

हम उन्हें इतिहास से नहीं, बल्कि कल्पना से अनदेखा कर देते हैं। लेकिन हम हैं

एक ऐसी घटना में रुचि जो गूढ़ क्षेत्रों में गहराई से छिपी हुई है।

जापानियों का नस्लीय मनोविज्ञान और मानव विज्ञान,

संपूर्ण मानव जाति। मेन्सियस ने कहा: "दया की भावना अह में है।"

पुरुषों।" यदि मेन्सियस सही हैं, और मेरा मानना है कि वे सही हैं, तो दया का अर्थ यह है कि

पूरी तरह से जापानी में भी। लेकिन हमें यहाँ इस ज़रूरत के साथ तालमेल बिठाकर खाना पड़ा।

मानव बुराई के साथ-साथ मानव अच्छाई की भी व्याख्या।

सभी धर्मों और दर्शनों ने बुराई के अस्तित्व की परिकल्पना की है।

मानव हृदय में। धर्म शैतान की परिकल्पना करता है, क्योंकि

धर्म के लिए शैतान उतना ही आवश्यक है जितना कि ईश्वर। हिब्रू अवधारणा के अनुसार

“अच्छी आत्मा” और “बुरी आत्मा” के बीच का संघर्ष है

यह एक आम बात है, और ईसाई धर्मशास्त्र में गमालियल और बेलजेबूब की काल्पनिक कहानियां गढ़ी जाती हैं।

केवल विशेष समयों और विशेष परिस्थितियों में ही मनुष्य,

देवदूत और देव का मिश्रण, पूरी तरह से अपनी चेतना खो देता है

ग्लियाटने और उसमें हमेशा डूबे रहने वाले शैतान को उस पर हावी होने दो।

पूरी तरह से। असामान्य और आपराधिक मनोविज्ञान और पीएफ के क्षेत्र।

जन और नस्लीय मनोविज्ञान को समन्वित किया जाना चाहिए ताकि

मामला स्पष्ट है, और हम दोनों के बारे में बहुत कम जानते हैं।

व्यक्तिगत यौन प्रदर्शनवाद की व्याख्या की गई है। लेकिन कैसे?

जापानी शाही सेना के समुराई सैनिकों के पैरों की व्याख्या करें।

tradirinn, took off their pants and masturbated in public en mme,

दुनिया की निगाहों के सामने, यह सोचते हुए कि वे प्रदर्शन कर रहे हैं

क्या वे खुद को केवल नानकिंग नामक एक दूरस्थ एशियाई शहर में ही सीमित रख सकते हैं? कैसे?

ऑस्ट्रेलिया में इंपीरियल जापानी सेना के बारे में बताएं — ^उसकी मानसिकता, उसकी विचारधारा,

इसकी रणनीति की अपरिष्कृतता, पश्चिमी संस्कृति के अविकसित मिश्रण

सैन्यवाद और उतना ही कुपचा हुआ चीनी कॉन्फेडरियाईवाद।

जापान की मध्ययुगीन संरचना पर सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया

क्या जापानी अधिकारियों का सामंती शिंटोवाद के बारे में कोई विचार था?

जेड09

जापानी सैनिक अपने बारे में क्या सोचते थे? उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया?

क्या जापानी अधिकारियों ने इसे रोका? क्या वे इसे रोक सकते थे? या क्या उन्होंने रोका?

सैनिकों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना और यहां तक कि

मजबूर करना एक मूर्खतापूर्ण साजिश है।

क्या आतंकवादी रणनीति की धारणा सही है? फिर भी, समस्या बहुत जटिल है।

जटिल। "अनुशासनहीनता" एक पर्याप्त उदाहरण नहीं हो सकता।

अविवेकी, संवेदनहीन और अंधाधुंध लूटपाट का स्पष्टीकरण

भ्रष्टाचार और पशुता।

हम चीनी इतिहास में एक समानांतर उदाहरण पर वापस जा सकते हैं, जहाँ

वध में वही आनंद पूर्णतः चरम सीमा तक पहुँच गया।

चांग ह्सिएनचुंग में पागलपन। इस सनकी ने सिचुआन पर कब्ज़ा कर लिया।

सत्रहवीं शताब्दी की शुरुआत में, जब मिंग साम्राज्य

कुशासन के कारण अराजकता में डूब जाने के बाद यह व्यवस्था ध्वस्त हो गई।

मांचू आक्रमण। चांग की सेना का विवरण, महिमामंडन करते हुए

मानव वध को धर्म में परिवर्तित करना, पूरे चीन में अभूतपूर्व है।

इतिहास। इसे किसी के कार्यों के अलावा किसी और रूप में समझाया नहीं जा सकता था।

पागल। इतिहास में इतना कम ही बचा है कि हम उसे पूरी तरह समझ सकें।

चांग ह्सिएंचटिंग के दिमाग में धीरे-धीरे अंधकार छा रहा है। हो सकता है कि वह

शायद कोई बड़ी व्यक्तिगत त्रासदी हुई हो, या कोई बड़ी निराशा हुई हो।

प्यार में डूबा हुआ। इसका सुराग केवल उनके नारे में ही मिल सकता है: 'हीम्बास'

मैंने मनुष्य के प्रति निर्दयता नहीं दिखाई, परन्तु मनुष्य स्वर्ग के प्रति कृतघ्न रहा है। अत:

शाह! शाह! शाह! 'मारो! मारो! मारो!'* यह कहानी आज भी सुनाई जाती है कि

एक बार उसने कटी हुई महिलाओं के बंधे हुए पैरों का एक पिरामिड बनाया था।

उसे शीर्ष भाग को सजाने के लिए पर्याप्त छोटे पैर नहीं मिल सके।

तब उसे अपनी सबसे प्रिय रखैल याद आई, जिसके पास...

उसने अब तक जितने भी पैर देखे थे, उनमें से ये सबसे छोटे पैर थे। इसलिए उसने अपने

रखैल के पैर काट दिए गए। जब उसने पिरामिड की ओर देखा

महिलाओं के पैर अब पूरे हो चुके थे, यह देखकर वह हँसा और संतुष्ट हुआ। लेकिन

चांग ह्सिएनचुंग ने ऐसा क्यों कहा कि मनुष्य कृतघ्न था?

स्वर्ग, जिसके कारण उसे मनुष्यों का वध करना आवश्यक हो गया

स्वर्ग? किस बड़े विश्वासघात ने उसके मन को विचलित कर दिया था? क्या उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया था?

दोस्त ने अपने दस्ताने उतारकर उससे बदला लेने के लिए कहा।

क्या यह पूरी मानव जाति पर लागू होता है?

लेकिन चांग का उद्देश्य केवल कृतघ्न मानव जाति का सफाया करना था।

उन्होंने स्वयं या किसी अन्य माध्यम से लोगों की मदद करने से इनकार

नहीं किया।

नरसंहार के बाद उसकी कठपुतलियाँ। उसका पागलपन सीमित था।

उसके नोआनिया के दायरे में। अन्यथा वह सामान्य था। वह नहीं

लोगों का नरसंहार करने की कोशिश करो और साथ ही साथ एक 'नया' राष्ट्र बनाओ

साइडर।" उसने दूसरों का सफाया कर दिया और उसे भी सफाया किए जाने की उम्मीद थी।

दूसरों द्वारा दंडित। उसने मारा और हँसा, उसे मार डाला गया और वह भी मारा गया।

मरते समय वह हंस रहा था।

एआईओ

चांग ह्सिएनचुंग असफल हो गया क्योंकि वह अंधाधुंध नरसंहार का समर्थक था।

ताइपिंग विद्रोह भी ऐसा ही था। जापान भी इसी तरह से प्रभावित हुआ है।

कब्जे वाले क्षेत्रों में नई व्यवस्था के इस आतंक से बच निकलना,

जिसे जापानियों ने दृढ़तापूर्वक 'स्वर्ग' कहना तय कर लिया है।

चालीस मिलियन शरणार्थियों ने अपने घर छोड़ दिए और भाग गए

यह नई राजधानी हैंकोव की ओर बढ़ा और आंतरिक क्षेत्रों में फैल गया।

युद्ध लोगों के साथ अजीबोगरीब चीजें करवाता है।

शरणार्थियों के लिए इसका हज़ारो अलग-अलग अर्थ था।

और उन लोगों के लिए जो पीछे रह गए और उन लोगों के लिए जो,

विशाल भीतरी इलाकों में, अब अनगिनत भीड़ ऊपर की ओर आती हुई दिखाई दे रही थी।

नदी और पहाड़ों के ऊपर। ऐसा कोई नहीं था जिसका जीवन

प्रवासन और युद्ध के लंबे वर्षों से अप्रभावित और

नाकाबंदी। कई लोगों के लिए, इसका मतलब आदतों में अचानक बदलाव था, जिससे उन्हें अपनी आदतें छोड़नी पड़ीं।

पुराने, परिचित घरों और तुलनात्मक सुख-सुविधाओं के पीछे, और

राजमार्ग के कठोर जीवन और आदिम जीवन में प्रवेश करना

जीवन शैली। कुछ लोगों के लिए यह एक दुखद विदाई थी।

“सभ्यता,” दूसरों के लिए नए मूल्यों की एक आश्चर्यजनक खोज और

मनुष्य कितनी चीजों के बिना रह सकता है और उसे कितनी कम आवश्यक चीजों की आवश्यकता होती है

जीवित हैं। कुछ अन्य लोगों के लिए, यह असली गैंडे की खोज थी और

उसके महान आम लोग वैसे ही जीवन जी रहे हैं जैसे वे चार वर्षों से जी रहे हैं।

हजारों वर्षों से, उसकी विशाल भूमि और शहरों और परिवर्तन के कारण

और कीलें और झीलें जिनके बारे में भूगोल में पढ़ा गया था

स्कूल में किताबें।

निजी मोटर-कारों के आदी कई युवा छात्रों को यह स्थिति अजीब लगी।

पहाड़ों के पार एक हजार मील की यात्रा करने की अप्रत्याशित शक्ति

और घाटियाँ। इसका मतलब था बिजली की रोशनी से मंद रोशनी में बदलाव।

धुएँ वाले तेल के लैंप, भीड़भाड़ वाले पंक्तिबद्ध घरों और स्ट्रीट-कार से लेकर

भाप से चलने वाले फार्महाउस, मुर्गी पालन क्षेत्र और खलिहान।

बिना गर्म किए कमरों और मिट्टी के फर्शों में गर्मी, गंध से

पेट्रोल से लेकर घास की गंध तक, एयर कूलिंग से लेकर प्रकृति की विशालता तक।

S3?stcm वेंटिलेशन जिसे पर्वतीय हवा कहा जाता है और दृश्य

खुला तारों भरा आकाश। आधुनिक महिलाएं जिन्होंने कभी अंडा नहीं देखा था

हैच्ड ने पाया कि उन्हें एक मुर्गी का गला विनीफ्स से काटना पड़ा।

कांपते हाथों से पकड़कर उसे तोड़कर साफ कर दें, अगर वे चाहें तो।

चिकन खाओ। कई अमीरों ने अपने घर और संपत्ति खो दी; कई

उन्होंने अपने परिजनों को खो दिया; कई लोगों को दिल दहला देने वाले अनुभवों से गुजरना पड़ा।

परिवार के सभी सदस्यों के लिए टिकट न मिल पाने के कारण माता-पिता परेशान थे।

एक या दो बड़े बच्चों को पीछे छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा और कभी नहीं कर सका

उन्होंने खुद को माफ कर दिया। अन्य माता-पिता ने अपने बच्चों को

धकेलते हुए देखा।

भीड़भाड़ वाले जहाज या स्टीमर से निकला हुआ रिवेट; वे आगे बोले,

एक

क्योंकि उन्हें ऐसा करना पड़ा, और स्मृति भी उनके साथ चली गई। युद्ध के लिए

एक भयंकर तूफान की तरह उमड़ा और इन लाखों लोगों को बहा ले गया और

महिलाओं और बच्चों को पतझड़ के पत्ते पसंद होते हैं, वे उन्हें चारों ओर बिखेर देते हैं।

निर्देशों का पालन करते हुए, उन्हें थोड़ी देर के लिए जमीन पर गिरने दिया।

कुछ सुरक्षित कोनों में, जब तक कि एक नई हवा का झोंका उन्हें ऊपर नहीं ले गया।

बवंडर। क्योंकि तूफान हर जगह नहीं बह सकता था।

तुरंत ही, आमतौर पर एक कोना ऐसा होता था जहाँ कुछ पत्ते जमा हो जाते थे, एक ऐसी जगह

जहां सूरज की रोशनी पड़ती थी और शांति का एक अस्थायी आश्रय स्थल था।

ओइना युद्ध का इतिहास, सभी महान आंदोलनों के इतिहास की तरह-

ये रचनाएँ अपनी पीढ़ी के मन और हृदय पर अंकित हो जाती हैं।

आज से पचास या सौ साल बाद, चायघर की गपशप और बूढ़े

पत्नियों की कहानियां इन हजारों तूफान पीड़ितों की कहानियों को आगे बढ़ाती रहेंगी।

बिखरे हुए पत्ते। तूफान में हर पत्ता एक अलग व्यक्ति है, जिसका अपना एक दिल है।

और भावनाएँ, आकांक्षाएँ और लालसाएँ, और प्रत्येक उतनी ही महत्वपूर्ण है-

अन्य विषयों की तरह ही महत्वपूर्ण। यहाँ हमारा कार्य यह पता लगाना है कि युद्ध ने क्या किया।

एक महिला के लिए, लाखों पत्तों में से एक पत्ते के लिए।

* *

*

टान्नी में इतना बदलाव आ गया था कि लाओ पेंग को खुद पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा था।

जब उनकी नज़रें मिलीं तो उनकी आँखें एक-दूसरे से मिलीं। वह उसके बैंक गई थी और उसे पता चला कि वह

वह नदी के उस पार बौद्ध रेड ग्रॉस के साथ काम कर रहा था।

वुचांग। उसका मल पतला और पीला लग रहा था, उसकी आँखें गहरी और

पहले से ज़्यादा। उसने अपनी पोशाक बदलकर एक साधारण नीली

पोशाक पहन ली थी।

सूती गाउन। नई युद्ध राजधानी में, ऐसा गाउन पहनना खराब फैशन माना जाता था।

“स्मार्ट।” इस सूती पोशाक में, जिसकी चौड़ी आस्तीनें ढीली लटक रही हैं।

अपने शरीर पर, उसे खुशी महसूस हो रही थी, न केवल इसलिए कि वह ऐसा नहीं चाहती थी

आलोचना को आमंत्रित करने के साथ-साथ इसलिए भी क्योंकि वह उस भावना से प्रभावित थी।

युद्ध का माहौल। और कपड़े के जूतों के साथ, उसकी चाल भी बदल गई थी।

रूप बदल गया, और वह वुचांग की कीचड़ में इधर-उधर छपछपाने लगी।

उत्साह और स्वतंत्रता की अनुभूति।

लेकिन सिर्फ उसका रूप ही नहीं बदला था।

हैनकोव की यात्रा के दौरान वह बहुत उदास थी।

युमेई ने उसे दिन के समय बिस्तर पर लेटे हुए देखा, शारीरिक रूप से तो वह ठीक थी लेकिन

वह अपनी नींद में बीमार सी पड़ी रहती, घंटों चुप रहती, सोचती रहती कि आखिर क्या हो रहा है।

उसकी प्रेमिका- तानी को यह कहने की आदत पड़ गई थी: 'इसका क्या मतलब है?'

“क्या मायने रखता है?” जब युमेई ने उससे किसी व्यावहारिक विषय पर सवाल पूछा।

मामला।

उसे ऐसा महसूस हो रहा था कि वह किसी के बारे में जानकारी जुटा रही थी।

मैं बगीचे में जाना चाहता था और मुझे बेरहमी से बाहर निकाल दिया गया था।

पाओफ़ोन और डिमफेग्रेंस का रवैया लगभग उतना ही दुखदायी था जितना कि

2ia

पोया का स्पष्ट विश्वासघात। वह अन्य पुरुषों को छोड़कर चली गई थी, या उन्हें छोड़कर चली गई थी।

पहले भी ऐसा हुआ था, लेकिन पो3रा के साथ उनका अनुभव कुछ अधिक गहरा था।

एक बड़े, वृद्ध परिवार का हिस्सा बनने के अपने सपने से जुड़ी हुई।

अंतिम झटके ने न केवल उसकी उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया था बल्कि उसे बदल भी दिया था।

रोमांस के प्रति दृष्टिकोण। एक बार फिर पराजित, और स्वीकार किया-

हार को एक दुखद अंतिम रूप देते हुए, फिर भी वह कुछ हद तक

प्रेम की पराकाष्ठा।

उस कष्टदायक रेल यात्रा के दौरान वे ठीक से सो नहीं पाए थे।

हैंकोव पहुंचने के बाद ही उसका मनोबल बढ़ा।

पुनर्जीवित करना।

उन्होंने संकरी, टेढ़ी-मेढ़ी, पथरीली सड़क से अपना रास्ता खोज निकाला।

वुचांग की सड़कों से लेकर बौद्ध रेड क्रॉस युद्ध राहत तक

पहाड़ी के शीर्ष के पास स्थित मुख्यालय, जिस पर प्रसिद्ध

येलो स्टॉर्क टॉवर खड़ा था। लाओ पेंग उसे ढूंढने में व्यस्त था।

घायल होकर, वह उनके आने की खबर सुनकर बाहर भागा। उसने अभिवादन किया।

उन्हें पुराने, बिछड़े हुए दोस्तों की गर्मजोशी और उत्सुकता से भर दिया

नव मुलाकात का उत्साह।

"ओह, अंकल पेंग। आप हमेशा की तरह अच्छे अंकल पेंग हैं।"

"पोया कहाँ है? क्या वह तुम्हारे साथ नहीं आया?"

“उसके बारे में बात मत करो,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “मैं तुम्हें बता दूँगी।”

बाद में।"

“तानी, तुम बदल गई हो।”

“हाँ, मुझे पता है कि मैं भूत की तरह दिख रही हूँ। इससे क्या फर्क पड़ता है?”

"तुम्हारे साथ कुछ हुआ है। तुम एक अलग महिला बन गई हो।"

“अमी?”

"हां," लाओ पेंग ने अपने बड़े चश्मे से उसे देखते हुए कहा।

"जब मैंने तुम्हें शंघाई में देखा था, तब तुम बहुत खूबसूरत और जीवंत लग रही थीं।"

अब तुम बेहद खूबसूरत लग रही हो—सचमुच बेहद खूबसूरत।” उसने गहरी निगाहों से उसकी ओर देखा।

काली आँखों में उदासी की झलक।

उसका पीला चेहरा थोड़ा लाल हो गया। “मेरा वज़न ज़रूर कम हो गया होगा। देखो तो ज़रा।”

मेरा ढीला गाउन।" उसने खुद को नीचे देखा और हंस पड़ी, लेकिन यह

थकी हुई हंसी थी। 'मेरे बारे में बात मत करो। तुम क्या कर रहे हो?'

यहाँ?"

“यह बुद्धिस्ट रेड क्रॉस है, आप जानते हैं। हम कोशिश कर रहे थे कि...”

शरणार्थियों, अनाथों और घायल सैनिकों की भी देखभाल करें।

कर्मचारियों की कमी है, दवाइयों की कमी है, पैसों की कमी है, और भी बहुत कुछ।

सब कुछ।"

उसका चेहरा चमक उठा और उसने उत्सुकता से कहा: “मैं आपसे जुड़ने आई हूँ, और

युमेई भी, जैसा मैंने वादा किया था।” उसकी ओर देखते हुए उसने आगे कहा: “मैं

मैं आपसे सीखना चाहता हूँ।

लाओ पेंग ने डोमिम की ओर स्थिर दृष्टि से देखते हुए संक्षेप में कहा, "मुझे खुशी है।"

उसे। वह देख सकता था कि शंघाई में हुए भावनात्मक अनुभव ने

उसने उसे बदल दिया था। उसने उसकी आँखों में उदासी की झलक देखी थी।

पेइपिंग से शुरू हुई यात्रा, लेकिन अब यह कुछ और गहरा था, और

उसके चेहरे पर एक शांति थी जिसने उसे एक अनोखी सुंदरता प्रदान की।

यह दृष्टि केवल उन परिपक्व महिलाओं में देखी जाती है जिन्होंने

व्यक्तिगत दुख का अनुभव किया हो।

वह उन्हें बिना गर्म किए हुए स्वागत कक्ष से होकर ले गया।

बांस का फर्नीचर। यह घर पास के मंदिर के स्वामित्व में था।

एक छोटी सी मेज पर कुछ बौद्ध पत्रिकाएँ पड़ी थीं, और वहाँ

लकड़ी पर उकेरी गई नक्काशी में wˆ लिखा था, जिसमें किंवदंती दिखाई गई थी।

गाय के अवतारों का वर्णन करना और वध न करने की सलाह देना। अदालत में

उसके पीछे एक छोटी सी लाइब्रेरी थी। एक धनी बौद्ध परिवार,

जिन लोगों का भिक्षुओं से किसी प्रकार का संबंध था, उन्होंने उस जमीन पर कब्जा कर लिया।

वे बैठक कक्ष से होते हुए सीढ़ियों तक गए और वहाँ पहुँच गए।

ऊपरी मंजिल पर, जहाँ लाओ पेंग के लिए पढ़ने के कमरे में एक बिस्तर की जगह थी।

कमरा, जिसका ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता था। कमरे में हीटिंग की व्यवस्था नहीं थी।

बैठक से आने वाली गर्मी से। जब भी दरवाजा खुलता था

दरवाजा खोला गया, ठंडी हवा का झोंका अंदर आया, लेकिन लाओ पेंग पिता समान थे।

बिना गर्म किए हुए कमरे थे, और उन्होंने कहा कि यह कोई कठिनाई नहीं थी। खिड़की

यांग्त्से नदी के किनारे स्थित, एक बड़े पेड़ के पीछे लगभग छिपा हुआ।

सामने की ओर। वहाँ कोई बिस्तर नहीं था। लाओ पेंग का बिस्तर का रोल

पड़ा हुआ था।

लकड़ी के फर्श पर एक कोना था। फर्श पर पेंट नहीं किया गया था और वह धूसर रंग का था।

लेकिन सूखा।

“यह एक आलीशान कमरा है, मेरे अकेले के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन,” उन्होंने कहा।

उसने फुसफुसाते हुए कहा, "नीचे रहने वाले लोग शरणार्थियों के ऊपर आने का विरोध कर रहे हैं।"

यहां। मैं कुछ लाना चाहता था। हम इन्हें घुमा रहे हैं।

जगह, पैसे और भोजन की कमी के कारण हर दिन शरणार्थियों को पलायन करना पड़ता है।

और इसलिए यह रहा — मैं इस कमरे में अकेले रहकर आनंद ले रहा हूँ।

“अगर हम यहाँ आ जाएँ तो क्या हमारे लिए कोई जगह होगी?” टैनी ने पूछा।

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि हम आपको कहीं रख सकते हैं। लेकिन आप यहीं रह सकते हैं।"

नदी पार करके दिन के समय यहां आ जाना।

जैसे ही वे नीचे उतरे, लाओ पेंग के कदमों के नीचे पुरानी सीढ़ियाँ चरमरा उठीं।

भारी कदमों की आहट। घर मंदिर से पीछे से जुड़ा हुआ था।

दरवाजा खुला था, और लाओ पेंग उन्हें मंदिर के अंदर ले गया। मंदिर में दो प्रांगण थे।

सबसे बड़ा वाला पीछे की तरफ था। शरणार्थी गलियारों में ठसाठस भरे हुए थे।

और आंगन। बच्चे सुहावने मौसम में खेल रहे थे और हंस रहे थे।

सफेद सूरज। चटाइयाँ हर जगह बिछी हुई थीं, नीचे के आलों के नीचे।

बिद्धास। कई शरणार्थियों ने लाओ पेंग का अभिवादन फ्लुनिलियाई कहकर किया।

मुस्कान। एक माँ और तीन बच्चों के लिए पत्थर के कोने में एक जगह थी।

आंगन। महिला ने अपनी बाहों में एक बच्चे को पकड़ रखा था। उसने अभिवादन किया।

लाओ पेंग, अपनी चटाई का एक कोना पेश करते हुए थोड़ा सा हिलती है, मानो...

मेज़बान अपने घर में मेहमान को प्रवेश देती थी। उसका मिट्टी का

एक छोटा सा मिट्टी का चूल्हा था जिस पर एक बर्तन रखा हुआ था।

“क्या तुम्हारे पास अभी भी चावल हैं?” लाओ पेंग ने पूछा।

“जी चाचा जी, हमारे पास तीन दिन के लिए पर्याप्त भोजन है,” उसने कहा।

स्नूल वाली महिला।

“तुम चारों लोग दो कटोरी चावल खाकर कैसे गुजारा कर सकते हो?

दिन?

“हमारे पास काफी है, अंकल,” महिला ने विरोध किया। “छोटा

एक शिशु को स्तनपान कराया जाता है। हम संतुष्ट हैं।

आपको ध्यान देना होगा। मैं आपके लिए थोड़ी सोयाबीन की चटनी लाता हूँ।

और शायद कुछ औंस अचार वाली शलजम भी, है ना?

दोनों बड़े बच्चों ने शर्मिंदा होकर अपने चेहरे को छुपाने की कोशिश की।

खुशी से। "और थोड़ा सा टोफू, अंकल?" छह साल के लड़के ने कहा।

“तुम पेटू हो!” माँ चिल्लाई। “तुम भिखारियों की तरह हो।”

लाओ पेंग ने आँख मारते हुए कहा, "तुम्हें टोफू मिलेगा।"

बच्चा।

लाओ पेंग ने धीमी आवाज में टान्नी से कहा, "ये मेरे शरणार्थी हैं।"

जैसे-जैसे वे गुजरते गए।

“वे सिर्फ दो दिन पहले आए थे। मंदिर ने उन्हें अंदर आने की अनुमति नहीं दी।”

क्योंकि वह भरा हुआ था। बेचारी औरत को यहाँ आना पड़ा था।

हुआनचेंग से काफी दूर। मैंने उन्हें अपनी जिम्मेदारी पर अपने यहाँ रखा।

मैं उसे और उसके बच्चों को दूर भेजे जाने नहीं दूँगा।

चार्ज ने कहा; अगर आप उनके लिए कोई जगह ढूंढ सकते हैं तो उन्हें रहने दीजिए।

हमने नीचे रहने वाले परिवार को हमारे साथ रहने देने के लिए मनाने की कोशिश की।

लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। खैर, आप वह जगह देखिए जहाँ वे गए थे। वह जगह गीली थी।

और पास के सीवेज की बदबू आ रही थी, लेकिन मैंने उसे साफ करके रख दिया।

वे वहां हैं, और वे वहीं हैं।

वे पीछे वाले हॉल में गए, जहाँ अठारह ह्होन के अलावा

किनारों पर लगभग बीस फुट ऊंची एक विशाल सोने की परत चढ़ी बुद्ध प्रतिमा थी।

शरणार्थियों के पार्सल, बर्तन और कटोरे ढेर लगे हुए थे।

मूर्तियों के पत्थर के आधार। एक काला केटडे पैर की उंगलियों पर खड़ा था।

एक महिला पालथी मारकर बैठी थी। वहाँ मुश्किल से ही जगह थी।

वे अंदर चले गए और ईजिट्रांस के पास ही रहे। जबकि लाओ

पेंग एक कोने में खड़े एक आदमी से बात कर रहा था, युमेई चली गई।

वह घुटनों के बल बैठ गई और बुद्ध को प्रणाम किया। फिर वह उठी।

वह उठी और फिर घुटनों के बल गिर पड़ी, और जब उसे पता चला-

उसे तीन बार टो किया गया, वह बहुत खुश थी और टैनी के पास आई।

जो अकेला रह गया था और बोला; *क्या तुम पूजा नहीं करते?

बुद्ध?

ऐज

'टीएमओ, मैंने ऐसा कभी नहीं किया,' टैनी ने जवाब दिया।

उसने अपना सिर उठाया। उसकी आधी बंद आँखें...

ऐसा प्रतीत होता था मानो बुद्ध बहुत ऊंचाई से उसे नीचे देख रहे हों।

शायद वह अति संवेदनशील थी, जैसा कि कई भावुक स्वभाव के लोग होते हैं।

उसने वह नज़र कई बार देखी होगी, लेकिन शायद घटनाओं ने

पिछले महीने की घटनाओं ने उसे ऐसी समझ प्रदान की थी जो उसके पास पहले नहीं थी।

इससे पहले, बुद्ध की पलकें आधी बंद थीं, जिससे उनका कुछ हिस्सा दिखाई दे रहा था।

कोमल दया और उदासी से भरी मनोदशा में आँखों के काले भाग-

खड़े हुए। यह उस देवता का रूप था जो सभी पापों को जानता था और

मानवता के दुख, जो एक मेहनती व्यक्ति को नीचा देखते आ रहे थे

और सदियों से पीड़ित संसार उसी आवरणयुक्त संसार से ग्रस्त है।

वैराग्य और वही सौम्य चिंता। बौद्ध मूर्तिकला में

उसने दया की उस रहस्यमयी झलक को जन्म दिया, जो अपनी उदासी में भयावह थी।

बुद्धिमत्ता का संकेत, जो विचित्र रूप से उससे मेल खाता है जो संभव है

चौड़े और कामुक होंठ कहे जा सकते हैं। मल कठोर नहीं था और

क्षत-विक्षत; यह मांसल, शांत, स्पष्ट रूप से स्त्रीत्वपूर्ण, यहाँ तक कि मातृत्वपूर्ण भी थी।

जुनून से भरपूर, ईसाई मैडोना के चेहरे से कहीं अधिक मिलती-जुलती

क्रूस पर उद्धारकर्ता। मल पर दया थी।

बुद्ध, जिनकी आँखों में ज्ञान और उनकी परम शांति में साहस झलकता है।

और क्योंकि होंठों से यह संकेत मिलता था कि बुद्ध भी वासना को जानते थे, इसलिए

इससे वह कहीं अधिक महान और मानवीय बन गया। टैनी ने इसे देखा।

और मैंने उसकी शक्ति को महसूस किया; यह लगभग एक समझदार महिला की तरह था जो देख रही थी।

वासना से भरे, पापी पुरुष। ऊपर आसमान की ओर देखते हुए, टान्नी इसके लिए तरस रही थी।

वह क्षण मानो जादू की तरह ठहर गया था, मानो वह भी जीवन को उसी नजरिए से देख सकती हो।

वही समझ और कहना: "यह सब कितना दुखद है!" शायद यही

धर्म का यही अर्थ था। बुद्ध की मूर्ति के ऊपर, वह पढ़ रही थी।

लकड़ी का साइनबोर्ड जिस पर सुनहरे अक्षरों में उकेरे गए शब्द हैं: fo t^u pf

(हमारे बुद्ध दयालु हैं)। वह भी दुख भोगने वालों में से एक थी।

इस हॉल में शरणार्थी मौजूद थे, जिन पर बुद्ध कृपा दृष्टि डाल रहे थे।

उसे ऐसा महसूस हुआ मानो वह स्वयं के लिए दिव्य सार से प्रार्थना कर सकती हो।

और पोया के लिए। क्योंकि जैसे किसी को बगीचे से बाहर निकाल दिया जाता है और वापस लाया जाता है

वह अब भी बगीचे के बारे में सोचती रहती है, इसलिए पोया वहीं रुकी रही।

उसके मन के भीतर।

बाहर आकर उसने देखा कि लाओ पेंग और युमेई पहले ही वहाँ पहुँच चुके थे।

हॉल से बाहर निकल गया।

"क्या तुमने उस आदमी को देखा जिससे मैं बात कर रहा था?" लाओ पेंग ने कहा।

यह एक पुराने सूचो परिवार से आया है। उन्होंने मुझे बताया कि वे काफी मूल्यवान थे।

तीस हजार डॉलर, और अब वे कंगाल हो गए हैं। वे भीग गए हैं।

बमबारी में उनके घर तबाह हो गए, और वे कुछ सामान लेकर जल्दबाजी में निकल गए।

सौ डॉलर। इस महंगी यात्रा में उन्होंने अपना सारा पैसा खर्च कर दिया है।

2x6

आखिरी पैसा भी। गरीबों की तुलना में उनके लिए यह स्थिति कहीं अधिक कठिन है, क्योंकि गरीब लोग इससे निपटने के आदी हैं।

कठिनाइयाँ...

"यह सब बहुत नाटकीय है," टैनी ने कहा।

"तुमने अभी तक नाटक नहीं देखा है," लाओ पेंग ने कहा, तुमने देखा था

वे पिछले महीने नदी के रास्ते ऊपर की ओर आए थे, जैसे मैं आया था...

“यहाँ आपके लिए खाना कौन बनाता है?” उसने अचानक पूछा। “और आप क्या बनाते हैं?”

आप दिन में क्या करते हैं?

"मंदिर मेरा खाना बनाता है। और किसी तरह मुझे हमेशा सुरक्षित रखा जाता है।"

व्यस्त।"

"क्या आप बाकी का दिन हमारे साथ बिता सकते हैं?"

मुझे सोयाबीन और अचार वाली शलजम लेने जाना होगा।

मैंने बच्चों से वादा किया। फिर मैं तुम्हारे साथ बाहर चलूंगा।

लगभग चार बजे, वे मंदिर से निकलकर ऊपर की ओर चले गए।

येलो स्टॉर्क टॉवर। यह टॉवर एक हजार साल से भी अधिक पुराना था।

तान्नी ने सुंग राजवंश की एक पेंटिंग देखी थी जिसमें इसे एक के रूप में दर्शाया गया है।

छतों और रंगीन गर्डरों और बालकनियों की भव्य संरचना

और घुमावदार छतें थीं, लेकिन अब इसे पुनर्निर्मित करके बदल दिया गया था।

एक बदसूरत ईंटों की इमारत, जो किसी साधारण विदेशी शैली की थी। यह एक

पर्यटकों के लिए ऊपर जाकर नदी को नीचे से देखने का स्थान, और एक

वहाँ रेस्तरां में भोजन परोसा जाता था। लेकिन इसकी रणनीतिक स्थिति के कारण

इस स्थिति में, यह अब आंशिक रूप से जनता के लिए बंद था और इस पर कब्जा कर लिया गया था।

सैनिकों द्वारा। वे सीढ़ियों से ऊपर गए। चढ़ाई कठिन नहीं थी, लेकिन

अपने गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ युमेई थोड़ी हांफ रही थी।

शीर्ष भाग तैयार किया।

वे एक किनारे की छत पर गए जहाँ अभी भी चाय परोसी जा रही थी और

नदी के किनारे वाली एक मेज ले ली। यह चालाक लोगों की आदत थी।

हुपेह लोग, ("आकाश में नौ सिर वाले पक्षी और हुपेह लोग

(कहावत है कि धरती पर) येलो स्टॉर्क टॉवर पर चढ़ने के लिए

दोपहर में बैठकर चाय पिएं और नावों को देखने का आनंद लें।

हान नदी के संगम पर तीव्र धारा द्वारा पलट जाना

और यांग्त्से नदी, जहाँ तीन महान शहर, वुचांग स्थित हैं।

हन्यांग और हैंको खड़े हैं। ऐसा कहा गया था कि "हिपेह लाओ**

वे अपने पास मौजूद नावों की संख्या के बारे में एक-दूसरे से शेखी बघारते थे।

एक ही दोपहर में कई बार गाड़ियाँ पलटी हुई देखी गईं, और वे अक्सर जाने में देरी करते थे।

अपने रिकॉर्ड में सुधार की उम्मीद में रात के खाने के लिए घर पर।

उस दिन की दुर्घटनाएँ। हुपेह के लोगों ने कभी यह बात स्वीकार नहीं की, लेकिन

अन्य प्रांतों के लोगों ने उनके खिलाफ यह बात कही थी।

उनकी शोरगुल भरी लड़ाकू प्रवृत्ति के कारण—शायद यह एक तरह से बची हुई प्रजाति है।

प्राचीन क्यू इमरीओर्स की परंपरा।

दोपहर का सूरज सीधे हनयांग शहर पर चमक रहा था।

नदी के पश्चिमी किनारे पर। महान राज्यों से धुआँ।

दूर आसमान में हानयांग आयरन वर्क्स की छवि धुंधले भूरे रंग से छाई हुई थी।

ऊपरी परत पर, लेकिन नीचे पैरेट आइलेट पर, उन्होंने तेज धूप में देखा-

हल्के रंग के विलो के पेड़ और किसानों के घर। कई नावें चल रही थीं।

नदी पर ऊपर और नीचे, और उससे आगे उत्तर पूर्व की ओर, एक

हांकोइव शहर के सामने कुछ विदेशी युद्धपोत लंगर डाले खड़े थे।

हान नदी, हन्यांग और के बीच यांग्त्से नदी में गिरती है।

हैनकोव आंशिक रूप से दिखाई दे रहा था, और कॉनकोर्स में लंबे-लंबे लोग थे।

जंगल की तरह घनी तरह से पैक किए गए कबाड़ के ढेर, अपने

मस्तूल आकाश की ओर इशारा कर रहे थे। यहीं पर हैंकोव स्थित था, जो नियंत्रण कर रहा था।

मध्य चीन का शंघाई और विदेशी बाजारों के साथ व्यापार।

भव्य कंक्रीट संरचनाएं, कस्टम हाउस और बटर-

फील्ड और स्वायर बिल्डिंग, और पूर्व विदेशी के घर

रियायतें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं, जो धन और समृद्धि के प्रमाण थे।

समृद्धि।

“आप हैंकोव में विदेशी घर देख रहे हैं,” लाओ पेंग ने कहा।

“वहां के लोग बहुत अमीर हैं। उनमें से कुछ तो कभी आते ही नहीं।”

नदी के उस पार। वे कभी समझ नहीं पाएंगे।

तानी ने लाओ पेंग की ओर देखा और मुस्कुराई। पुरानी गर्मजोशी और

उसके कल्याण के लिए चिंता उसके मन में फिर से जाग उठी। वह खुश थी और

अपने देहाती पहनावे में वह उससे और अपने आसपास के वातावरण से सहज महसूस कर रही थी।

दोपहर के समय उसका पुराना मल उसे सुंदर प्रतीत हुआ।

सूरज।

“क्या समझना है?” उसने पूछा।

नदी के इस तरफ कितनी बदहाली है।

वह कुछ क्षणों के लिए चुपचाप बैठा रहा, उसका भारी शरीर एक गहरी छाया में धंसा हुआ था।

पुरानी बेंत की कुर्सी।

“मुझे बताओ, पोया के साथ क्या हुआ?” उसने अंत में पूछा।

“मैं उससे मिले बिना ही चली गई!” उसने कहा।

“वह सज्जन व्यक्ति नहीं है,” युमेई ने बीच में कहा। “वह तो बस

हमारे siaocbieb** का लाभ उठाते हुए

“युमेई बहुत मज़ेदार है,” तानी ने हंसते हुए कहा। “उसने उसे बुलाया था।”

मैंने उसे 'सूअर' कहा और फोन पर ही उस पर थूक दिया।

“क्या बात है?” लाओ पेंग ने भौंहें सिकोड़ते हुए कहा।

उद्वेग से।

“क्या मैंने सही नहीं किया?” युमेई गुस्से से चिल्लाई। “मुझे वो पसंद नहीं था।”

जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो उसने मुझे रुला दिया।

मिले। और सियाओबीब फिर भी उसके साथ बाहर जाती रही, और वह मा^ नहीं करता।

वह उससे मिलने आना बंद कर दिया, और एक रात हमने उसे देखा।

वह किसी दूसरी महिला के साथ नाच रहा था। उसने उससे मिलना ही बंद कर दिया।

"मैं समझ नहीं सकता।"

तो तानी ने उसे सारी घटना बताई। उसने चुपचाप सुना।

जब तक उसने बात पूरी नहीं कर ली, तब तक उसने पूछा: "क्या तुमने उसे बताया था कि..."

आपने मुझे जो कहानी सुनाई थी?

मैंने उसे कुछ बताया, लेकिन उसने कहा कि वह सुनना नहीं चाहता।

मैंने ऐसा पहले भी किया था। और मुझे लगा कि यह उतना ही अच्छा था।"

तो तुम दोनों में झगड़ा हुआ।

“हम नहीं लड़े। लेकिन मैं कोई भी चीख-पुकार नहीं सुनना चाहता था।”

क्या मैंने उसे अपनी आँखों से किसी दूसरी महिला के साथ नहीं देखा था?

फिर हम उनसे मिले बिना ही चले गए। लेकिन, अंकल पेंग, कोई बात नहीं।

मैं उससे और इन सब बातों से पूरी तरह से नाता तोड़ चुका हूँ।"

मुझे लगता है आप जल्दबाजी कर रहे हैं। वह आपको बहुत सम्मान देता था।

तानी कड़वाहट से हंस पड़ी। "मैं उससे नफरत करती हूँ!" उसकी आँखों

से चमक गायब हो गई थी।

फिर से शांत हो गई। उससे शादी करने के बारे में सोचना मेरी मूर्खता थी। अगर मैं

अगर मैं परिवार की लड़की होती, तो वह मेरे साथ ऐसा व्यवहार नहीं करता।

"मैं बहुत शर्मिंदा हूँ," लाओ पेंग ने कहा। "यह मेरी गलती थी। अगर मैंने ऐसा किया होता तो

अगर मैं तुम्हारे साथ होता, तो ऐसा नहीं हो सकता था। शायद कुछ और भी हो सकता था।

इसमें कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम नहीं जानते।

"नहीं," टैनी ने कहा। "बेशक, इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। तुम ही इसके लिए ज़िम्मेदार हो।"

वह उस तरह का आदमी है जो दोष अपने ऊपर ले लेता है।

"उन्होंने मुझे पत्र नहीं लिखा है," लाओ पेंग ने कहा। "लेकिन मुझे लगता है कि वे लिखेंगे।"

वे रात के खाने से पहले नई सड़कों पर टहलने के लिए नीचे गए।

पिंगहुमेन और हानयांगमेन के बीच का तटवर्ती क्षेत्र, जहाँ एक

पुराने शहर की दीवार के एक हिस्से को तोड़कर उसे एक नए रूप में बदल दिया गया था।

मुख्य सड़क पर आधुनिक ईंटों की इमारतें थीं। हालाँकि यह

सात जनवरी को भी शरणार्थी नदी मार्ग से आ रहे थे।

और उत्तर और दक्षिण से रेल द्वारा। लक्ष्यहीन घुमक्कड़

सड़कों पर मजदूर, किसान, व्यापारी एक-दूसरे को धक्का-मुक्की कर रहे थे।

छात्र, वर्दीधारी सैनिक। शरणार्थी सभी प्रकार के कपड़ों में थे।

रेशम, कपास और विदेशी वस्तुओं से बने कल्पनाशील वस्त्र और जीवन यापन के साधन

दुख की सभी अवस्थाओं में।

जब वे येलो स्टॉर्क टॉवर से नीचे आ रहे थे, तब टैनी ने देखा

सड़क के ऊपर बने एक तटबंध पर एक विशाल चित्र जो

दीवार के साथ-साथ डेढ़ सौ फीट तक फैला हुआ था। यह एक तस्वीर थी।

मार्च करते सैनिकों की बड़ी-बड़ी कंपनियों और कुछ फील्ड-गन इकाइयों का।

सामने की ओर कुछ नागरिक पुरुष और महिलाएं चल रहे हैं।

सामने की ओर, सफेद लबादे में जनरल चियांग काईशेक केंद्र में हैं।

सफेद घोड़े पर सवार। यह एक आधुनिक राष्ट्र का प्रतीक प्रतीत होता था।

एक महान नेता के नेतृत्व में एकजुट और एकजुट होकर, आगे की ओर बढ़ते हुए।

एक लंबे जुलूस में, जो अपार आशा और नई शक्ति का संकेत देता है।

बी

■यह बीस आधुनिक कलाकारों की कृति और भीड़ में मौजूद चेहरों का संयोजन था।

वे बहुत यथार्थवादी थे, जैसे कि शास्त्रीय चित्रकारों द्वारा कभी चित्रित नहीं किए गए थे।

चित्रकार।

लाओ पेंग ने कहा, "ये रहे हमारे महान नेता। मैंने सुना है कि उनके पास..."

जापान के शांति प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। पिछले महीने, पतन के बाद

नानकिंग में शांति की अफवाहें थीं। कई सरकारी

मुझे लगा कि अंत आ गया है। हमारी सर्वश्रेष्ठ सेनाएँ नष्ट हो चुकी हैं।

हमें तीन लाख या चार लाख का नुकसान हुआ होगा।

शंघाई में तैनात सैनिकों में कुछ बेहतरीन प्रशिक्षित सैनिक भी शामिल हैं।

मुझे संदेह है कि हमारे कई अधिकारी शांति के लिए मुकदमा करने को तैयार थे।

लेकिन जनरल चियांग हैंकोव आए और कहा 'टाइट ऑन' और हम

वे अभी भी लड़ रहे हैं।"

"यह तुमने कहाँ से सीखा?"

जनरल पाई त्सुंगशी से। मैं उन्हें जानता हूँ। उन्होंने मुझे बताया था कि

पिछले महीने जर्मन राजदूत जनरल और

मैडम कियांग, जापान से शांति की शर्तें लेकर आई थीं। उनके बाद

शर्तें बताने के बाद, इस्फ़ेडात्ने चियांग ने उन्हें चाय का कटोरा थमा दिया।

और पूछा: “और तुम्हारे बच्चों ने कैसे खाया?”

"यह तो साहस है!" टैनी चिल्लाई। "काश मैं देख पाती!"

हेटल

मैंने सुना है कि वह इलाज के लिए हांगकांग जा रही है, लेकिन क्या...

जल्दी वापस आ जाऊंगी। ^J^en अगर हवाई हमला हुआ तो तुम उसे देख लोगे।

छापेमारी के बाद बाहर आता है और अनाथों को इकट्ठा करने में मदद करता है। क्या आप

क्या आपको आश्चर्य है कि हमारा मनोबल इतना ऊंचा है? हमारे लोगों ने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया है।

इससे पहले ऐसी कोई सरकार नहीं थी, जिसने कभी भी जनता के कल्याण की परवाह की हो।

युद्ध पीड़ितों।"

लाओ पेंग अपने हैसेल में एक कपड़े का थैला ले जा रहा था, जो डोरियों से बंधा हुआ था।

जिसमें वह कई चीजें रखता था। यह उसकी कुंवारेपन की आदतों में से एक थी।

बैग में रखी सिगरेट की डिब्बी में वह अपने नोट और सिक्के रखता था, मि'मी

अपनी सिगरेट के साथ। एक कोने पर, जैसे ही वे शहर की ओर मुड़े,

टान्नी ने सड़क पर कुछ छोटे ग्रामीण बच्चों को रोते हुए देखा।

एक तरफ। वह बच्चों के पास गया और सिगरेट बुझा दी।

टिन ने उन्हें एक डॉलर का नोट दिया। बच्चे मानो...

उन्होंने इसे स्वीकार किया और उन्हें धन्यवाद दिया।

"इससे क्या फायदा होगा?" उसने हंसते हुए कहा और मुड़ गया।

दूर। "वे दस दिन पहले यहाँ थे और वे अभी भी यहीं हैं। मैं

मुझे उनके लिए कोई जगह नहीं मिली। मैं और क्या कर सकता हूँ?

वे एक छोटे से रेस्तरां में गए। खाना भरपूर मात्रा में था और

उन्होंने वाइन, सूप और कुछ गोमांस का ऑर्डर दिया, जो अच्छी तरह से तला हुआ और तैलीय था।

मिर्च की तीखी गंध।

लाओ पेंग ने शोर मचाते हुए अपना सूप पिया और ऐसा लग रहा था जैसे उसे कोई समस्या हो।

अत्यधिक भूख।

“तुम बड़े खुशमिजाज इंसान हो, है ना?” टैनी ने पूछा।

उस अधेड़ उम्र के व्यक्ति के प्रति उसका आकर्षण प्रबल था।

“खुश हो?” उसने कहा। मुझे कोई चिंता नहीं है और मेरे पास एक प्रिय है।

आत्मविश्वास, अगर आपका यही मतलब है।

टैनी सोच में पड़ गई। "मुझे नहीं पता कि मैं क्या करती।"

अगर मैं तुम्हें नहीं जानती तो मैं क्या करती,” उसने कहा। ‘मुझे लगता है कि मैं क्या करती, शायद ...?’

शंघाई में रुका था।

अध्याय 14

अगले सप्ताह, तान्नी और युमेई को एक-एक करके रिवेट मिले।

वे दिन भर मंदिर में लाओ पेंग की मदद करने के बाद अपने होटल वापस

चले गए।

हर रात। टैनी को दिन के दौरान उनका काम पसंद था, व्यापक-

रात में ढलते बादल, अखबारों में युद्ध की खबरें। सभी का अंत

युद्धकालीन राजधानी की गतिविधियों ने उसे पूरी तरह से व्यस्त रखा हुआ प्रतीत होता था।

व्यस्त। क्योंकि किसी भी महिला की तरह जिसने अपना मुंह मोड़ लिया हो

चाहे अपनी मर्जी से हो या मजबूरी से, उसे घर पर रहना ही पड़ता था।

काम और किसी प्रकार का लक्ष्य।

लेकिन फिर भी कुछ ऐसा था जो उसे उसके पुराने जीवन से बांधे रखता था। लाओ

पेंग ने उसे डाक लेने के लिए पैसे की दुकान पर जाने को कहा था, क्योंकि वह

उन्होंने जोर देकर कहा कि पोया निश्चित रूप से पत्र लिखेगी, यदि उसे नहीं तो कम से कम उसे तो जरूर लिखेगी।

इसलिए अपनी इच्छा के विरुद्ध भी वह हर दिन चुंगफू मनी शॉप जाती थी।

सुबह।

"क्या कोई पत्र नहीं आया?" उसने दसवें दिन भी काउंटर पर यही सवाल पूछा।

“नहीं,” डर्क ने उत्तर दिया।

“क्या तुम गंभीर हो?” डार्क ने उसके पीले मल पर विचार किया और

उसकी गहरी, काली आँखें थीं और उसने फिर सोचा कि वह तर्कहीन थी।

मैं तुम्हें धोखा क्यों दूं? अगर तुम्हारा

“क्या तुम्हारा दोस्त तुम्हें पत्र नहीं लिखता?” उसने कहा।

टैनी स्पष्ट निराशा के साथ वहां से चली गई।

“तुम अब भी उससे प्यार करते हो,” युमेई ने कहा।

“मैं उससे प्यार भी करती हूँ और नफरत भी,” टैनी ने कहा। “लेकिन मैं चाहूँगी कि

मुझे पता है कि वह अपने बारे में क्या कहना चाहता है।

लेकिन टैनी युद्ध राहत कार्य में खुश थी। यह उस तरह का काम था।

इसे स्वयं को उपयोगी साबित करने के रूप में वर्णित किया गया है, बिना किसी निर्धारित कार्यक्रम या कर्तव्यों के।

इसमें छोटे-छोटे अजीबोगरीब काम करना शामिल था, जैसे कि चिट्ठियाँ लिखना।

आई

शरणार्थी, पूछताछ प्राप्त करना, डॉक्टरों को बुलाना, कुछ आदेश देना

बढ़ई की दुकान से स्टूल लाकर, नए आने वालों की मदद करना

शरणार्थी अपने लापता रिश्तेदारों की तलाश में विज्ञापन देते हैं, और उनकी खोज में हर जगह जुट जाते हैं।

लोगों का पता लगाने के लिए शहरों का दौरा करना, या प्रस्थान की व्यवस्था करना।

जब कुछ शरणार्थियों ने अपने रिश्तेदारों से खबर सुनी और जाने का फैसला किया

और अंदरूनी इलाकों में। कुछ दिनों में काम की बहुत भीड़ होती थी, और

अन्य दिनों में करने के लिए कुछ नहीं होगा। कम व्यस्त दिनों में

उनमें से तीन लोग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आने का नजारा देखने जाते थे।

यात्रियों और शरणार्थियों का।

लाओ पेंग के शरणार्थी परिवार का बारह वर्षीय बेटा बीमार पड़ गया।

धूप में रहने के कारण उसे तेज बुखार हो गया। लाओ पेंग को लंबे समय बाद

बहस के चलते उसे अपने कमरे में लाया गया और टैनी को जाना पड़ा।

बाहर जाकर एक छोटा मिट्टी का चूल्हा खरीद लें जिस पर पानी उबाला जा सके और

औषधीय काढ़े बनाना। यह बिल्कुल नया अनुभव था।

पोया से हुई मुलाकात से भी ज्यादा अजीब बात उसे कभी-कभी लगती थी। कभी-कभी जब वह बैठी होती थी

बीमार लड़के के साथ अकेली, सोच-विचार करती हुई, ऐसा लग रहा था

जैसे वह

वह एक सपने में जी रहा था। उस लड़के का नाम गोल्ड लक था।

जब वह उसके कपड़े धो रही होती थी तो वह उसे आश्चर्य भरी निगाहों से देखता रहता था।

चेहरा और हाथ। यह अनुभव उस देहाती लड़के के लिए उतना ही अजीब था।

जैसा कि टैनी के साथ हुआ था। उसे उसके प्रति एक प्रकार का स्नेह हो गया था, और

उसने उसे अपने गृहनगर और उनकी यात्रा की कहानियाँ सुनाईं और कहा

वे हुआनचेंग के स्याही निर्माता थे। उसने अपनी पहली जीत का अनुभव किया।

जैसे-जैसे उसका बुखार कम होता गया, उसने देखा। जब तक वह ठीक हो पाया, तब तक

उठते ही, उसकी यह कहने की आदत छूट गई थी; "इससे क्या फर्क पड़ता है?"

लेकिन जब उन्हें रोजाना नए आने वालों को वापस भेजना पड़ता था, तो यह स्थिति और भी बिगड़ गई।

लाओ पेंग को यह बात स्पष्ट होती जा रही थी कि वे जनता के रास्ते में बाधा बन रहे हैं।

और वे उतना अच्छा काम नहीं कर रहे जितना वे कर सकते थे। लाओ पेंग ने गठन किया था।

कई राहगीर शरणार्थियों से जान-पहचान हो गई थी जिन्होंने

मोहल्ले के अजीबोगरीब कोनों में बसे घरों की हालत ऐसी थी कि

यह दयनीय था, और उन्हें मंदिर में ले जाने में असमर्थ होने के कारण, लाओ

पेंग उनकी मदद करने के लिए सड़कों पर उनके पास गया था।

उनकी जरूरतों का ध्यान रखते हुए। कभी-कभी वह बीमारों को अस्पतालों में भेज देता था और

उन्होंने अस्पतालों से उन्हें भर्ती करने पर जोर दिया। वह अक्सर इस बारे में चर्चा करते थे।

टैनी ने शरणार्थियों के लिए एक घर खोजने का अपना विचार रखा, जिसमें वे रह सकें।

अपनी संतुष्टि के लिए दौड़ना।

मामला एक दिन तब चरम पर पहुंच गया जब एक परिवार

तीन को मंदिर से वापस भेज दिया गया। पंख में एक लड़की थी।

दस साल का एक लड़का और छह साल का एक लड़का। लड़की इतनी बीमार थी कि वह मुश्किल से ही उठ पा रही थी।

चलने के लिए। जब वे आए तो टैनी वहीं थी। उसे पता चला कि वह लड़की...

उसे रात में खांसी और पसीना आता था। उसका मल पतला था, लेकिन वह...

बड़ी-बड़ी आँखों से ताओनी को हवस भरी निगाहों से देखा। तानी इस विचार को सहन नहीं कर पा रही थी।

उसे दूर भेज दिया और उनसे इंतजार करने को कहा जबकि वह लाओ से बात कर रही थी।

पेंग। उन्होंने पूरी सुबह एक ऐसे परिवार को खोजने में बिताई जो

लाओ पेंग ने परिवार को किराए और खाने का खर्च उठाने की पेशकश की।

जब भी उसे मौका मिलता, टैनी उस लड़की से मिलने जाती थी, जिसका नाम था...

पिनपिन थी। वह तपेदिक से पीड़ित थी, लेकिन वह

वह हमेशा उत्साहित रहती थी और जोर देकर कहती थी कि वह बिल्कुल ठीक है।

फेदर घर में कराहती हुई बैठी रहती थी या कभी-कभी कुछ देर के लिए गायब हो जाती थी।

पूरे दिन, लड़की और उसके भाई को अकेला छोड़कर। पिनपिन ने उसे बताया

वे Ctunkiang से थे, और वे देर से निकले थे।

नवंबर का महीना, जब नानकिंग को खाली कराया जा रहा था। उसके पंख

केवल छह सौ डॉलर इकट्ठा करने पर भी केवल तीन ही प्राप्त हो सके।

चार लोगों के परिवार के लिए नाव के टिकट। उसे मजबूरन परिवार छोड़ना पड़ा।

पंद्रह वर्षीय भाई तीस डॉलर लेकर उसके पीछे-पीछे चल रहा था।

हैंकोव जाने का अपना ही रास्ता था। लड़के को उत्सव में छोड़कर जाना था, और

बिछड़ना मौत के समान था। लड़का देखने आया था।

उन्हें हटा दिया, और जब वह हाथ हिला रहा था तो उसका पंख लगभग

वह नाव से कूद गया, और स्टीमर के आगे बढ़ने पर वह बेहोश हो गया।

दूर चले गए। नानकिंग के पतन के बाद और शरणार्थियों की नई बाढ़ आने के बाद

और उन्होंने अपने द्वारा देखे गए अत्याचारों और उनसे संबंधित भयानक कहानियाँ सुनाईं।

बयालीस हजार स्वस्थ युवा नागरिकों की हत्याएं,

फेदर उदास होकर अपनी छाती पीटने लगा और खुद पर हत्या का आरोप लगाने लगा।

उन्हें उम्मीद थी कि उनका बेटा किसी तरह हैंकोव तक पहुँचने का रास्ता खोज लेगा।

वे अपने आगमन के बाद से लगभग भिखारियों की तरह जीवन व्यतीत कर रहे थे।

ठंड और भोजन की कमी के कारण पिनपिन बीमार पड़ गई थी और अब वह

उसे बहुत खांसी आने लगी और खून थूकने लगी। उसके पंख

वह चिड़चिड़ी थी और कभी-कभी उससे कठोर शब्दों में बात करती थी, पूछती थी कि क्या वह ऐसा कर सकती है।

अपने भाई की जान देकर उसकी मृत्यु का बदला न चुकाना, और

अगले ही पल उसे पश्चाताप सताने लगेगा और

खूब रोओ और उससे माफी मांगो। पिनपिन को देखना पड़ा।

अपने पिता की उपस्थिति में अपनी खांसी को दबाकर और उसे शांत करके उसे बताएं

उसे यह आश्वासन दिया कि वह ठीक है।

एक दिन लाओ पेंग ने तानी को टहलने जाने का प्रस्ताव रखा।

कुछ हद तक इस उम्मीद में कि उन्हें कोई ऐसा घर मिल जाएगा जिसे वे किराए पर ले सकें।

शरणार्थियों के लिए सस्ते दामों पर। सूरज चमक रहा था और यह

हैंको की सर्दियों के हिसाब से मौसम असामान्य रूप से सुहावना है, घूमने-फिरने के लिए एक आदर्श दिन।

दोपहर के भोजन के बाद वे चुंघोमेन उपनगर की ओर चल पड़े।

शाई झील के पास से गुजरते हुए, भीड़भाड़ वाले इलाकों में केवल छोटे-छोटे घर ही दिखाई दिए।

आस-पड़ोस के इलाकों में, और फिर लाओ पेंग उन्हें उस दिशा में आगे ले गया।

हंगशान पहाड़ी का।

वे सड़क के किनारे पूर्व दिशा की ओर खुले मैदान में चले गए।

पानी के विस्तार और कपास के बंजर खेतों के टुकड़े, यहाँ और

वहां छोटे-छोटे गांव और सब्जी के बागानों के भूखंड हैं।

हंगशान पर्वत छोटी झील के ऊपर खड़ा था और दोपहर का समय

उस पर सीधी रोशनी पड़ रही थी। लाओ पेंग ने एक ओर इशारा किया।

थोड़ी दूरी पर पेड़ों का झुंड और कुछ घर दिखाई दे रहे हैं।

उन्हें। ^

उन्होंने कहा, 'वैसी जगह आदर्श होगी।'

लेकिन इतनी दूर की जगह क्यों चुनी?" टैनी ने पूछा।

^^क्योंकि यह अधिक शांत है, और क्योंकि किराया सस्ता है, और

क्योंकि शहर में सभी उपयुक्त घर भर चुके हैं।"

वे दो-तीन कदम ढलान पर चढ़े। नीचे देखते हुए, उन्होंने

उन्होंने नीचे वुचांग शहर को देखा, जिसमें घरों की कई कतारें बनी हुई थीं।

स्नेक हिल, और उसके नीचे जंग लगे लाल और काले रंग की छतों के ढेर।

उनके पैर सैंडी लेक और लिटिल लेक पर पड़े, और ऊबड़-खाबड़

यांग्त्से नदी के पार से हंकोव का क्षितिज दिखाई देता है। सर्दियों का मौसम।

परिदृश्य धूसर और नीरस था, लेकिन उसमें उदासी और निराशा का भाव

भी था।

अपनी ही एक अलग सुंदरता। झीलों में पानी कम था, जिससे यह दृश्य प्रकट हो रहा था।

दलदली भूमि के वे हिस्से जो जलीय खरपतवारों से ढके हुए थे और झुके हुए थे

हवा में लहरा रहा था।

जैसे-जैसे वे पक्की पहाड़ी सड़क पर आगे बढ़ते गए, वे एक जगह पर पहुँचे जहाँ...

किसी धनी व्यक्ति के निवास की प्रतीत होने वाली लंबी पत्थर की दीवार।

दीवार पर लिखे शिलालेख इतने घिस चुके थे कि उन्हें देखना संभव नहीं था।

यह बात लगभग अविश्वसनीय थी। एक पुराना पत्थर का द्वार खुला हुआ था, और वे अंदर चले गए।

विशाल मैदान में स्थित एक जगह उन्हें सुनसान सी लग रही थी।

घर। दरारों के बीच से घास उग आई थी।

उस रास्ते पर पत्थर की पट्टियाँ लगी थीं जो एक बंद दरवाजे की ओर जाती थीं, लेकिन

यह टूट रहा था, जिससे लाओ पेंग इसे आसानी से खोल सका।

जालीदार खिड़कियों से छनकर आती रोशनी ने एक दृश्य प्रस्तुत किया।

कुछ काली वार्निश की हुई कुर्सियों वाला खाली कमरा। फटे-पुराने दस्तावेज़।

दीवार पर टेढ़ा-मेढ़ा और धूल से ढका हुआ लटका हुआ था। मकड़ी के

जाले फैले हुए थे।

कोनों और खिड़कियों के पार सूखी गंध फैली हुई थी।

वह क्षय जो मनुष्यों द्वारा लंबे समय से त्यागे गए घर में आ जाता है।

वे कमरे को पार करके दाईं ओर स्थित दूसरे कमरे में दाखिल हुए, जहाँ एक

इसमें एक अच्छा वार्निश किया हुआ बिस्तर, एक डेस्क और किताबों की अलमारी है। बहुत पुराना है लेकिन

बिस्तर पर अभी भी एक महीन चटाई पड़ी थी, जिस पर जगह-जगह गहरे रंग के धब्बे थे।

इस पर सबसे ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। एक कोने में तरह-तरह की चीजों की भीड़ लगी हुई थी।

घरेलू सामान, जिसमें एक बड़ा वार्निश किया हुआ लकड़ी का बाथटब भी शामिल है।

सुनहरे निशान जिन्होंने इसके गौरवशाली युग को देखा था। इसके बगल में टूटा हुआ

टाइलें रेत से ढकी हुई थीं, जाहिर तौर पर चींटियों का टीला था। यह एक

पश्चिमी भाग, और चमकदार रोशनी में वे देख सकते थे कि धूसर

टाइल वाला फर्श सूखा था।

लाओ पेंग ने अपनी उंगली गीली की और खिड़की के कागज में एक छेद कर दिया।

अंदर की ओर दबाव डालना।

“ये एक आंगन है और इसके अंदर और भी घर हैं!”

वे फिर से बीच वाले कमरे में गए और दरवाजा खोल दिया।

भीतरी प्रांगण की ओर जाने वाला द्वार। यह उत्तम पत्थरों से बना हुआ था।

शिलाखंड। दो या तीन फीट व्यास का एक पुराना चमकदार मछली का जार रखा हुआ था।

एक कोने पर काई की एक परत जम गई थी, और पानी

वह जगह काली थी और कीचड़ से लथपथ थी।

टान्नी आगे जाकर रास्ता देखने लगी और हल्के से दरवाजा खोल दिया।

पूर्वी घर का। वह अपने कब्जों पर चरमरा रहा था। अचानक वह

चीखते हुए वह पीछे हट गई और लाओ पेंग को कसकर पकड़ लिया।

“यह क्या है?” उसने पूछा।

“वहाँ दो ताबूत हैं!”

लाओ पेंग अंदर आया। दो विशाल ताबूत, काले रंग से वार्निश किए हुए,

दीवार के किनारे बनी बेंचों पर आराम किया।

तानी ठंड से कांप रही थी। "चलो बाहर चलते हैं।"

उन्होंने घर के दरवाजे बंद कर दिए और घर से निकलकर चले गए।

वे सड़क पर निकल आए और उसका पीछा करते हुए एक घर तक पहुँच गए।

जहां उन्होंने एक बूढ़े व्यक्ति को देखा।

लाओ पेंग ने उससे पूछा, "बूढ़े उंडे, क्या वह पुराना घर किराए पर है?"

ऐसा लगता है कि इसमें कोई नहीं रहता है।

उस बूढ़े फ़िजिमर के चेहरे पर मुस्कान आ गई और उसने कहा: "क्या तुम...?"

क्या आप भूतों से डरते हैं?

"क्यों नहीं?"

“वह घर भूतिया है। उसमें दस साल से कोई नहीं रहा है।”

मालिक गायब हो गए हैं, किसी को नहीं पता कहां गए।

तो फिर इसका कोई मालिक नहीं है?

नहीं। अगर इसमें भूत-प्रेत नहीं होते, तो कोई इसे बहुत पहले ही ले गया होता।

कुछ समय पहले। उस परिवार में दुर्भाग्य था। मालिक एक

हुआंगपी के मजिस्ट्रेट जो कियांगसी से आए थे। उनके बाद

रखैल भाग गई और परिवार के एक-एक सदस्य भाग गए।

जब तक केवल छोटा बेटा और बहू ही जीवित न रह जाएं, तब तक उनकी मृत्यु होती रहेगी।

फिर बेटा भाग गया और जवान बहू भी।

उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घर में मौजूद दो चीजें क्या हैं?

“बड़े बेटे ने अपना सारा पैसा बर्बाद कर दिया था, और अपनी माँ के बाद

उनकी मृत्यु हो गई और वे अपने पेटेंट वापस कियांगसी नहीं ले जा सके।

उचित ब्यूटियल के लिए

«5

लाओ पेंग ने आग का गोला पकड़ा और पुराने घर की ओर वापस मुड़ गया।

फिर से। वह एक बार फिर उसकी निगरानी करने के लिए अंदर गया,

जबकि टैनी इंतजार कर रही थी।

बाहर। जब वह आखिरकार बाहर आया तो उसने उसे बताया कि वहाँ थे

बारह कमरे, पीछे की ओर एक बड़ा बगीचा, पेड़ों के झुरमुट के नीचे।

स्प्रूस और पाइन।

"आप किसी भूतिया घर में रहने के बारे में तो नहीं सोच रहे हैं ना?"

उसने पूछा, "ताबूतों ने इसे इतना जकड़ लिया था।"

उन्होंने कहा, "इस बात की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। जहां तक ताबूतों की बात है..."

अगर कोई और नहीं सोएगा तो मैं उसी कमरे में सो जाऊँगा। मुझे विश्वास नहीं है

भूतिया घर। सौभाग्य या दुर्भाग्य तो उन्हीं के अनुसार आता है।

जो एक घर में रहते हैं। वहां कोई भूत नहीं हैं, या अगर हैं भी तो,

वे कभी भी साफ ज़मीर वाले लोगों को परेशान नहीं करते। हम जल्द ही

इस जगह को बच्चों, पुरुषों और महिलाओं की आवाजों से भर दो, और

इसे खुश लोगों के लिए एक खुशनुमा जगह बना दें। यह बिल्कुल आदर्श है।

क्योंकि हमें किराया नहीं देना पड़ता।

कुछ ही दिनों में पुराना घर पूरी तरह बदल गया। टैनी

मैंने कुछ लाल कागज खरीदे और उन्हें चौकोर टुकड़ों में काटकर उन पर लिखा।

मैंने ‘लक’ और ‘स्प्रिंग’ अक्षरों को लिया और उन्हें आकृति में चिपका दिया।

अलग-अलग कमरों के दरवाजों और दीवारों पर हीरों की नक्काशी। उसने लिखा

चार शब्द: " Wofo t^^upeP* (“हमारे बुद्ध दयालु हैं”) एक पर

मैंने कागज को पत्थर के चौखट पर चिपका दिया। वहाँ बहुत सारे थे।

चावल और दीपक खरीदने जैसे काम किए जाने थे।

बेंडिज़ और खाना पकाने के बर्तन। गोल्ड लक, वह लड़का जिसे टैनी

स्वास्थ्य लाभ करने के बाद, उन्होंने खुद को बहुत उपयोगी और इच्छुक साबित किया।

वह जो भी करने को कहे, वह करने के लिए तैयार रहता था।

“तुमने भूतों को भगा दिया है,” बूढ़े एंडर ने लाओ से कहा।

पेंग। “अब उनकी हिम्मत कैसे हुई यहाँ रहने की? बुरी आत्मा तो दूर भागती है।”

अच्छी भावना।"

जब वे भोजन कर रहे थे, तब लाओ पेंग ने तन्नी और युमेह से कहा

“जान बचाना अविश्वसनीय रूप से सस्ता है। हमने केवल तीन सौ खर्च किए हैं-

कुल मिलाकर दस डॉलर। चावल और अन्य खाद्य पदार्थों पर ज्यादा खर्च नहीं आएगा।

"लेकिन पिनपिन को और मांस और अंडे चाहिए," टैनी ने कहा। "उसके

पास

उसकी हालत में बिल्कुल भी सुधार नहीं हुआ है, और मुझे उसकी चिंता हो रही है।"

दोपहर के समय, जब धूप खिली होती थी, तब टान्नी जाया करती थी।

नदी के उस पार सूर्यास्त देखने के लिए एक छोटी पहाड़ी पर बैठना, कुछ लोग-

कभी-कभी अकेले, कभी लाओ पेंग के साथ या बच्चों के साथ।

वसंत और शरद ऋतु की बारिश ने ढलान में एक दरार पैदा कर दी थी।

झील की ओर बहता हुआ। आगे खेत थे जहाँ कपास की खेती होती थी।

वसंत ऋतु में उगे थे, लेकिन अब वे फीके पड़ चुके धब्बों में बदल गए थे।

खेत की सूखी घास। ज़मीन कटी-फटी थी और दलदली, रेतीली ज़मीन से परिभाषित थी।

झीलों के किनारे, छोटे-छोटे द्वीप और पानी में रेत के चमगादड़ खड़े थे।

पहाड़ी से पानी दर्पण की चादरों की तरह दिख रहा था, जो प्रतिबिंबित हो रहा था।

आसमान इतना नीला था कि टैनी बादलों को भी तैरते हुए देख सकती थी।

अच्छे दिनों में उसे हान नदी की झलक देखने को मिल जाती थी

दूरी, एक चमकती, जगमगाती केसर की पट्टी प्रतिबिंबित हो रही है

सूर्यास्त। उसके साथ बैठी लाओ पेंग सूर्यास्त को अपना रंग बिखेरते हुए देख सकती थी।

उसके चेहरे की पीली रंगत में गुलाबी गर्माहट झलक रही थी। सुबह-सुबह या देर शाम।

<n‘ gbtj पर झीलों के ऊपर धुंध की एक परत छा जाती थी।

शहर की दीवारों तक सीधा फैला हुआ। कुछ सुबहों में, वहाँ

जमीन पर जमी बर्फ सुबह की धूप में चमकती हुई ऐसी लगती जैसे

बर्फ गिरने से झीलें तुलनात्मक रूप से काली दिखने लगती हैं।

एक दोपहर, अपनी पसंदीदा चट्टान पर अकेले बैठी हुई...

एक पहाड़ी पर, उसने गोल्ड लक को शहर से लौटते देखा। एक बूढ़ा

महिला उसके साथ थी। बूढ़ी औरत के कदम धीमे थे और

वह अस्थिर थी और उसका सिर लगातार हिल रहा था। जब वे पास आए,

उसने टान्नी को देखा और बूढ़ी औरत को उसकी ओर इशारा करते हुए कहा:

“वहाँ Ktut/^n chiebchteb है” क्योंकि वह तान्नी को बुलाने आया था

“दया की देवी बहन।” फिर वह तानी के पास दौड़ा और बोला:

मैं इस बुढ़िया को अपने घर ले आया हूँ। मैं तुम्हें जानता था।

आपत्ति नहीं होगी।"

“बिल्कुल नहीं,” उसने जवाब दिया।

वह महिला टान्नी के पास आई और उसे अपने स्पर्श से छुआ।

कांपते हाथों से। उसकी आंखें धुंधली और अस्पष्ट थीं।

“मुझे नीचे उतरना चाहिए,” उसने कहा, “लेकिन मेरे बूढ़े घुटने बहुत कमजोर हो गए हैं।”

मैं कमजोर हूँ। मेरे पास जीने के लिए ज्यादा दिन नहीं बचे हैं और मैं अब आपको परेशान नहीं करूँगा।

"अगर आप मुझे अपने यहाँ जगह दे दें तो बहुत देर हो जाएगी।" उसकी बूढ़ी आँखें

तनम की ओर देखने के लिए उनकी आंखें सिकुड़कर पतली दरारों में बदल गई थीं।

“बेशक हम आपको अपने घर में रख लेंगे, दादी माँ,” तनम ने कहा।

बुजुर्ग महिला ने अपनी आंखें पोंछीं और आह भरी। **मेरे पास ज्यादा नहीं हैं

“जीने के लिए कुछ ही दिन बचे हैं,” उसने दोहराया। “बुद्ध तुम्हें आशीर्वाद देंगे। इस लड़के के पास

आपने मुझे आपके बारे में बताया। मैं एक बूढ़ी औरत हूँ और बिल्कुल अकेली हूँ। मुझे बस इतना ही चाहिए।

एक ऐसा धूमकेतु जिसमें शांति से मृत्यु हो सके।"

टान्नी उठी और बूढ़ी औरत को धक्का देकर घर ले गई। अधिकांश

कमरे भरे हुए थे। जब बूढ़ी औरत ने बड़ा

जिस कमरे में ताबूत रखे थे, उसने कहा कि वह यह पसंद करेगी कि

कमरा, और उसे अकेले रहना पसंद था। ताबूतों की ओर लड़खड़ाते हुए, वह

उन्होंने काफी देर तक प्रशंसा से उन्हें छुआ और एक लंबा

उसने गहरी सांस ली और खुद से कुछ बुदबुदाई।

“क्या इनमें से प्रत्येक में कोई न कोई है?” उसने लाओ पेंग से पूछा।

"हाँ।"

“वे मेरे लिए बहुत अच्छे होंगे। मेरी किस्मत इतनी अच्छी नहीं है,” उसने कहा।

धीरे से सिर हिलाते हुए।

वह बूढ़ी औरत रहस्यमयी निकली, और चूंकि वह

चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण, वह आमतौर पर अपने कमरे में ही रहती या बैठी रहती थी।

उसके दरवाजे के ठीक बाहर आंगन में। वह अकेले खाना खा रही थी और युमेई या

गोल्ड लक को उसके लिए खाना लाना पड़ता था।

फिर एक छात्रा और उसकी माँ आईं, जिन्हें लाओ पेंग ने देखा।

एक दिन हम्यांगमेन के बाहर सड़क पर तानी और तानी की मुलाकात हुई।

मां सड़क किनारे बैठी थी और उसने दो काले कपड़े पकड़े हुए थे।

पार्सल के बीच, लगभग अठारह साल की लड़की बेसुध खड़ी थी।

एक अचंभित भाव के साथ। जब लाओ पेंग पास आया, तो लड़की

वह डर गई और अपनी माँ को बचाने की कोशिश करने लगी, और जब टैनी

जब वह ऊपर गई, तो लड़की ने गुस्से से उसकी ओर देखा।

"उसकी परवाह मत करो," माँ ने कहा, और अपनी बेटी से कहा:

"वाह, ये तो अच्छे लोग हैं।" माँ ने अपने सिर की ओर इशारा किया।

यह सुझाव देने के लिए कि उसकी बेटी के दिमाग में कुछ गड़बड़ थी।

जब उन्हें पहाड़ी पर लाया गया, तो टान्नी धीरे-धीरे

उनकी कहानी सुनी। यूएह-ओ, जब वह अपनी उदास moo4 में नहीं होती।

वह काफी सामान्य ढंग से बात कर रही थी। वह एक क्विनिस्टियन स्कूल में पढ़ी थी और...

मेरे माता-पिता नानकिंग में एक अच्छा छोटा रेस्तरां चलाते थे। जब

राजधानी पर खतरा मंडरा रहा था, उसके माता-पिता ने उसे एबनकोव जाने के लिए कहा।

उनके पड़ोसी, लेकिन चूंकि वे चले गए थे, इसलिए वे वहीं रहेंगे।

उनके रेस्तरां के कारण, वहाँ के लोगों को कुछ भी नहीं हो सकता था।

उम्र। युएह-ओ नदी के ऊपर आई और उससे अलग हो गई।

पड़ोसियों के बीच। जनवरी के शुरुआती दिनों में एक दिन, उसने अपनी माँ को पाया।

सड़कों पर, बिलकुल संयोग से। उसकी माँ एक मजबूत महिला थी।

और अपने भयानक अनुभव के बावजूद वह काफी अच्छी दिख रही थी।

इस अप्रत्याशित मिलन से वह इतनी खुश थी कि लगभग बेहोश हो गई।

पागल। वह अपनी माँ की शर्मिंदगी की कहानी नहीं बता सकी, और

खुद उस बुजुर्ग महिला ने यह बात टान्नी को बताई थी।

“एक दिन पाँच जापानी आए और उन्होंने खाना मंगवाया, और हमें उन्हें परोसना पड़ा।”

उन्हें। फिर वे खाने के बाद नहीं जाते थे। . . . हाँ, मैं था

उन पांच सैनिकों ने पचास वर्ष से अधिक उम्र की एक बूढ़ी महिला का बलात्कार किया।

मेरा पति एक शक्तिशाली व्यक्ति था और वह बर्तन और कड़ाही फेंक देता था।

उन्होंने सैनिकों पर चाकू से हमला किया और एक सैनिक को छुड़ा लिया। उन्होंने उसे गोली मार दी।

तुरंत। हाँ, पचास साल की एक बूढ़ी औरत... क्या आपको कुछ दिख रहा है?

मेरी झुर्रियों से मुक्त वृद्धावस्था में सुंदरता? द बीस्ट्स आई

तो उस दानगृह में काफी उत्साह है।

लाओ पेंग और टान्नी की अध्यक्षता में, जिन्हें उनके नाम से जाना जाता था

भतीजी, जिसे अब "दया की देवी बहन" कहा जाता था।

(Kuafsˆin cbiebciieb) सभी rejEiigees द्वारा। Yumd, जो नहीं चाहता था

लोगों को यह बताने के लिए कि वह भी एक शरणार्थी थी, अब उसने कहा कि वह लाओस की है।

पेंग की विधवा भतीजी-इन-क्व. लाओ पेंग और तानी इस बात पर सहमत हो गए।

यह आवश्यक था क्योंकि युमेई को अधिकार दिया जाना था।

घर की देखरेख। वह प्रसव के करीब थी और ऐसा नहीं कर सकती थी।

बहुत भारी काम करना।

लाओ पेंग के अलावा, केवल एक ही व्यक्ति था, जो कि पाँचवाँ था।

पिनपिन और बाकी सभी महिलाएं और बच्चे थे। टैनी ने बनाया।

पिनपिन ने उसे विशेष जिम्मेदारी सौंपी और उसे विशेष भोजन दिया तथा मना किया

लड़के उसे तंग करते थे। पिनपिन जब स्कूल में थी तब वह स्कूल में

पढ़ती थी।

च्मलोआंग में घर पर जाकर उसने तानी से पूछा कि क्या वह उसे पढ़ाएगी।

उसने कुछ सबक सीखे, लेकिन टैनी ने उससे कहा कि उसे बस ठीक होने की जरूरत है।

जल्दी से। लड़के बिल्कुल अकेले रह गए थे और कभी-कभी

शहर भाग जाने और तब तक वापस न लौटने से चिंता पैदा हो जाएगी।

शाम ढल रही थी। कभी-कभी टैनी को उद्दंड लड़कों पर गुस्सा आ जाता था और

पाया कि मधुर दान एक साथ प्रस्तुति नहीं था

कृतज्ञ हाथों को उपहार और मुस्कुराते हुए मल।

तो, इन जख्मी आत्माओं के समूह को एक साथ ला खड़ा किया गया था।

युद्ध की दुर्घटनाएँ — गोल्ड लक और उसकी माँ, l^s. टिंग, स्याही

ह्सुआनचांग के निर्माता, और पिनपिन और उसके साथी, कू, अभी भी उम्मीद कर रहे हैं

अपने बेटे को ढूंढने के लिए, और यूएह-ओ और उसकी माँ, वांग तानियांग, और

वह बूढ़ी औरत जिसे अपने ताबूतों से बहुत प्यार था और जो किसी से कुछ नहीं कहती थी

बाहरी दुनिया— प्रत्येक अपने हृदय में लिए हुए

एक दिल दहला देने वाली त्रासदी की याद, एक अविस्मरणीय पूर्व घटना-

अनुभव, कुछ शरीर से बीमार और कुछ आत्मा से बीमार। यह था

भोजन की आवश्यकता ने इस अजीबोगरीब समूह को एक साथ ला दिया, और वहाँ

कुछ सामान्य मानवीय शिष्टाचारों के अलावा कोई अन्य बंधन नहीं थे।

इससे सभी को एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर रहने में मदद मिली। पहले आने वाले

वे केटीसी के प्रति एक प्रकार की गुप्त शत्रुता रखते थे और

समूह को बढ़ाने को लेकर मुझे बिल्कुल भी चिंता नहीं है। लेकिन

अंततः हर कोई संतुष्ट था और अपने आप को भाग्यशाली मानता था कि उसके पास ये सब था।

मैं इस जगह पर संयोगवश आ गया।

और उन सबके ऊपर टान्नी और युमेई थीं, जो स्वयं शरणार्थी थीं।

उन व्यक्तिगत त्रासदियों के साथ जिनका अन्य शरणार्थियों को सामना नहीं करना पड़ा।

उन्हें बस इतना पता था कि उन्हें पेंग परिवार द्वारा भोजन कराया जा रहा था।

और लाओ पेंग अपने द्वारा किए जा रहे थोड़े से अच्छे काम से ही खुश था।

उन्होंने कभी दूसरों से धन की याचना नहीं की और न ही कभी विज्ञापन दिया।

मदद के लिए। उसका इनाम यह ज्ञान था कि वह सही कर रहा है।

अपनी अंतरात्मा के अनुसार।

फिकॉम पोया के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं थी।

लाओ पेंग ने कहा, "मैं उसे पत्र लिखने जा रहा हूँ।"

“उसे पहले लिखना चाहिए,” टैनी ने जवाब दिया। “उसे मेरे बारे में सोचने दो।”

जो उसे पसंद है। और वास्तव में— इससे मुझे अधिक मानसिक शांति मिलेगी।

उससे कुछ भी सुनने की परवाह न करना।

उसका पीला चेहरा गुस्से से लाल हो गया, लेकिन लाओ पेंग उसमें छिपी हुई बात को समझ गया।

उसकी आवाज में एक ऐसा स्वर था जिससे पता चलता था कि वह बहुत आहत थी।

हो सकता है कि डाक में कोई गड़बड़ी हुई हो, या उसके रिश्तेदारों ने हस्तक्षेप किया हो।

"क्या अब भी आपको उस पर विश्वास है?"

"मैं करता हूं।"

तानी ने उसे तीखी निगाहों से देखा। "अंकल पेंग, आपकी नज़रों में हर-

शरीर ठीक है। अगर हर कोई ठीक होता तो कोई गलतफहमी नहीं होती।

हम भी तुम्हारी तरह ही थे।

क्या मैं लिख सकता हूँ?

"अगर आप चाहें तो उनके मित्र के रूप में उन्हें पत्र लिख सकते हैं। लेकिन उसमें ज़िक्र न करें।"

“मैं,” उसने गर्व से कहा।

"अगर यह आपके लिए नहीं है तो मुझे लिखने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। मेरा मन था कि..."

उसे डांटने के लिए एक पत्र लिखो।

कृपया ऐसा मत करो। यह मेरे द्वारा उसे पत्र लिखकर भीख मांगने जैसा होगा।

आने वाले समय में... हम यहाँ जैसे हैं वैसे ही खुश हैं।" उसने उसकी आँखों में देखा।

उसकी आँखों में आंसू भर आए और उसने उसकी बात मान ली।

लेकिन फरवरी की शुरुआत में एक दोपहर, लाओ पेंग

मैं हैंकोव से उसके लिए पोया का एक पत्र लेकर लौटी, जो साथ में संलग्न था।

एक सीलबंद लिफाफे में लाओ पेंग को एक पत्र था। तानी बैठी हुई थी।

उस टीले पर, मैंने उसे पहाड़ी की तलहटी में एक रिक्शा से उतरते देखा।

जैसे ही वह पास आया और उसे देखा, उसने अपने हाथ में पत्र लिए हुए हाथ हिलाया।

और उसने अपने कदम तेज कर दिए।

"पोया का पत्र!" उसने अपनी विशिष्ट, ऊँची, फटी हुई आवाज़ में चिल्लाते हुए कहा।

आवाज़।

अचानक उसका दिल तेजी से धड़कने लगा, जैसा पहले कभी नहीं हुआ था।

महीनों। वह तेज़ी से सीढ़ियों से नीचे उसकी ओर दौड़ी, और वह

वह ठोकर खाकर सड़क पर मुंह के बल गिर पड़ी। लाओ पेंग के पहुँचने से पहले ही...

वह उठी और जैसे ही उसने पत्र छीना, उसके पैर लड़खड़ा गए।

फिर उसने उसे गिरने से बचा लिया।

"पत्र खो गया था," लाओ पेंग ने ऊपर जाते हुए कहा।

कदम। "देखिए, लिफाफे पर कुमगफू बैंक का पता लिखा हुआ था।"

क्यूक्सुंगफू मनी शॉप के बजाय, इसे वापस कर दिया गया था।

शंघाई।

वे टीले पर चढ़ गए, टैनिन का पूरा शरीर अभी भी स्थिर था।

कांपते हुए।

"यहाँ चट्टान पर बैठो और पत्र खोलो," लाओ पेंग ने कहा।

^‘तुम्हारे होंठ से खून बह रहा है।’

उसने एक रुमाल निकाला और अपने होंठ पोंछे, फिर

कांपते हाथों ने पत्र फाड़ दिया। उसने उस पर उंगलियों के निशान छोड़ दिए।

लिफाफे पर खून के धब्बे।

यह पत्र कई सप्ताह पहले, 9 दिसंबर को लिखा गया था, और इसमें कहा गया था;

यंगर सिसिर लीन-एरह:

मुझे पता है कि आप गुस्से में हैं और मैं आपके गुस्से को सहन कर रहा हूँ।

स्वेच्छा से। मैंने फोन पर समझाने की कोशिश की, लेकिन आपने मना कर दिया।

सुनने के लिए। जो कुछ हुआ था वह मानवीय सीमाओं से परे विचित्र था।

गणना। असल बात यह है कि मेरा पीछा किया जा रहा था और मैंने उससे

बचने की कोशिश की।

आपकी रक्षा के लिए। अब मैं बताता हूँ कि क्या हुआ था।

स्पष्ट रूप से दुबला।

तीन दिसंबर को मुझे श्री तुंग से मिलने का निमंत्रण मिला।

जो, जैसा कि आप शायद जानते हैं, शंघाई के अंडरवर्ल्ड को नियंत्रित करता है।

और वह गद्दारों का पर्दाफाश कर रहा है। उसने मुझे सबूत दिखाए।

त्सुई मालिन के खिलाफ मिले सबूत बेहद चौंकाने वाले थे।

और मेरे लिए समझना मुश्किल था। उसमें पत्र थे और

तियानजिन से आए टेलीग्राम पर उसके हस्ताक्षर थे। उसने कहा कि यह व्यक्ति था

वह इसमें पूरी तरह से शामिल था और उसे पाना चाहता था। उसने कहा कि उसके पास एक रिपोर्ट है।

वह पेइपिंग में मेरे घर पर रह रही थी और चाहती थी कि मैं

जानकारी देने के लिए। मैंने उसे बताया कि मुझे नहीं पता कि वह कहाँ है।

जब से वह हमें पेइपिंग में छोड़कर गई थी। श्री तुंग अविश्वास से भरे लग रहे थे, और

मुझसे विवरण मांगा गया। मैंने त्सुई मालिन का वर्णन एक लंबी लड़की के रूप में किया।

उत्तरी प्रकार। मुझे आपकी रक्षा के लिए झूठ बोलना पड़ा। श्री तुंग, हालांकि

वह विनम्र था, फिर भी अविश्वास में था, और उसने मुझे अपने घर में इंतजार करवाया।

दो घंटे से अधिक। जब आखिरकार मुझे घर भेजा गया, तो मैंने देखा कि मेरे साथ क्या हो रहा था।

छाया में। आप जानते हैं कि श्री तुंग के अपने तरीके हैं। स्थिति

यह खतरनाक था, और मैं हर घंटे आपकी सुरक्षा को लेकर चिंतित था।

आप अपनी गुप्तचरता में दिखकर अपनी उपस्थिति का खुलासा नहीं कर सकते थे।

यह बात मैं न तो टेलीफोन पर और न ही पत्र के माध्यम से जान सका।

मैंने तुम्हें भेजा है। मुझे लगा था कि तुम मुझ पर जरूर विश्वास करोगे।

लेकिन मुझे पता है कि तुम मुझसे नाराज़ थे क्योंकि तुमने मुझसे मुलाकात की थी

डांस बॉल में तुम्हारी दोस्त। मैं वहाँ सिर्फ उसे और तुम्हें ढूंढने गया था।

उसने आपका पता गुप्त रखा था। जब आप अंदर आए तो मैं बहुत डर गई थी।

क्योंकि तुंग का आदमी कमरे में मुझे देख रहा था। क्या?

क्या मैं तुम्हें अनदेखा करके कमरे से बाहर निकलने के अलावा कुछ और कर सकता था? यह सौभाग्य की बात थी कि

तुम डांस हॉल में मेरे पास नहीं आए थे! मुझे पता चला कि

अगले दिन एनएमएन सियांग्युन के पास गया और उससे पूछताछ की। उसके पास

उसके कई दोस्त थे और वह उनकी संतुष्टि के लिए अपनी पहचान साबित करने में सक्षम थी।

गुट, सौभाग्य से आपके लिए, वह आपके प्रति भी वफादार रही और

उन्होंने त्सुई मालिन के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी होने से इनकार किया।

मैं समझ सकता हूँ कि जब मैंने आपसे बात नहीं की तो आपको कैसा महसूस हुआ होगा।

डांस हॉल। मुझे डर था कि आप कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे लोग आकर्षित हों।

उस व्यक्ति का पूरा ध्यान। ज़रा सी भी गलती मुसीबत खड़ी कर सकती थी।

इसलिए जब मैंने फोन किया और आपको सुरक्षित पाया तो मुझे बहुत राहत मिली।

अगली सुबह आपके होटल में। मैंने आपसे विनती की कि आप चले जाएं।

एक बार, लेकिन मुझे लगा कि आपने मुझे नहीं सुना। मुझे बहुत राहत मिली जब

मैंने अगले दिन फिर फोन किया और मुझे पता चला कि आप चले गए हैं।

यह मेरे लिए मुश्किल था, क्योंकि मुझे पता था कि मैं निर्दयी प्रतीत हुआ था।

तीन दिन बीत गए हैं, और मुझे आपकी कोई खबर नहीं मिली है। मैं अब भी

मुझे आपके सुरक्षित पहुँचने की सूचना देने वाला एक टेलीग्राम मिलने की उम्मीद है।

हांगकांग, लेकिन शायद आप इतने गुस्से में हैं कि कुछ करने के बारे में सोच भी नहीं पा रहे हैं।

जब तुमने मुझे फोन पर "सूअर" कहा, तो मुझे ऐसा लगा जैसे...

मेरे चेहरे पर एक तमाचा। मेरा दिल अब भी जल रहा है, इसलिए नहीं कि मुझे बुरा लग रहा है।

आपके हाथों थप्पड़ खाना, क्योंकि आपको भी थप्पड़ खाने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

मुझे, लेकिन क्योंकि मुझे पता था कि आपके लिए भी स्थिति उतनी ही कठिन होगी।

मेरे लिए तो यह एक भालू की तरह था।

मुझे आशा है कि जब आपको यह पत्र मिलेगा, तब आप सुरक्षित होंगे।

हैंकोव, अंकल पेंग के साथ। जापानी सेना करीब आ रही है।

नानकिंग, और इन मुश्किल समय में, मुझे नहीं पता कि मैं कहाँ जाऊँगा।

लेकिन मुझे क्षमा कर दो, तुमने मेरे बारे में जो भी सोचा हो। क्या तुम

अब जब सब कुछ स्पष्ट हो गया है तो मुझे मत लिखो? मेरी शुभकामनाएं।

अंकल पेंग, अपना ख्याल रखना।

आपका भाई,

आलू

पी.एस. मैंने इस पत्र को भेजने में दो दिन की देरी कर दी है, लेकिन...

अभी तक आपकी ओर से कोई टेलीग्राम नहीं आया है। शायद मुझे उम्मीद छोड़ देनी चाहिए।

दुश्मन पहले ही नानकिंग के शहर के द्वार पर पहुँच चुके हैं, और मुझे विश्वास है कि यह

वह समय तो बस समय की बात है जब सारी पूंजी उनके हाथों में आ जाएगी।

मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूँ।

डेकमहेर ii.

पी.पी.एस. मैंने फिर से देरी कर दी है। आपकी ओर से कोई खबर नहीं है। आपको अवश्य

बहुत गुस्सा आ रहा है। नानकिंग का पतन हो गया है।

13 दिसंबर।

टान्नी की आँखें पूरी तरह से भर आईं, इससे पहले कि वह कुछ पढ़ पाती, और आगे की ओर।

अंत में लाओ पेंग ने उसे अपने कांपते होंठों को काटते हुए देखा और उसके गले से आवाज़ सुनी।

गला घुट गया। जब पत्र उसके हाथ में उसके रूमाल की तरह गीला पड़ा था।

उसने अपना काम खत्म कर लिया था। वह ज़मीन की ओर देखते हुए बैठी रही और अचानक फूट-फूट कर रोने लगी।

वह जोर-जोर से रोने लगी और अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया।

लाओ पेंग तब तक चुप रही जब तक वह थोड़ी शांत नहीं हो गई, फिर उसने धीरे से कहा,

"यह क्या है?"

आँसुओं से भरी आँखों से उसकी ओर देखते हुए उसने कहा, “तुमने इसे पढ़ा है।

वह तो बस मेरी रक्षा करने की कोशिश कर रही थी। मैं..." वह अपनी बात पूरी नहीं कर पाई।

लाओ पेंग ने पत्र लिया, उसे पढ़ा और वापस उसे दे दिया।

“हां,” उन्होंने कहा, “यह महज एक गलतफहमी थी।”

“मुझे युमेई से नफरत है,” उसने कहा। “वह सिर्फ मेरे बारे में सोच रहा था।”

सुरक्षा और उसे लगा कि मैंने ही उसे 'सूअर' कहा था।

लाओ ने कहा, "अब सब कुछ सुलझ गया है, आपको खुश होना चाहिए।"

पेंग.

“मेरे लिए तो सब कुछ स्पष्ट है, लेकिन उसके लिए नहीं। वह तो पूरे समय से इंतजार कर रहा है।

इस बार, मैंने उसे एक शब्द भी नहीं लिखा। ओह, मैं ऐसा क्यों कर रही थी?

इतना अंधा और मूर्ख? मुझे उसे एक लंबा-लंबा पत्र लिखना होगा।

पहले एक टेलीग्राम भेजना होगा। कल मैं नीचे जाकर भेज दूंगा।

एक टेलीग्राम mys^.

“तुम्हारे मुंह से फिर खून बह रहा है,” लाओ पेंग ने कहा।

“अरे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता,” उसने अपने गीले होंठों को थपथपाया।

रूमाल।

मैं उसे लिखकर बताऊँगा कि तुम गिर गए थे और तुम्हारे होंठ कट गए थे।

उनका पत्र आ गया।

पहली बार तानी मुस्कुराई। फिर उसने पूछा कि पोया के पास क्या था।

उसने पत्र में उससे यह बात कही थी, और लाओ पेंग ने उसे वह पत्र दिखाया।

पत्र की तारीख जनवरी 20 है। यह मुख्य रूप से युद्ध के बारे में था।

सेना के साथ क्या हुआ था, कुछ भयावह कहानियों के साथ एफकॉम

नानकिंग। पोया ने कहा कि उनके विचार में युद्ध का संकट

आओ, और वह यह देखने के लिए इंतजार कर रहा था कि क्या हीना संभल सकती है — ˆकि

यह निर्णायक परीक्षा होगी। शांति की बुरी अफवाहें फैल रही थीं।

शंघाई में वह काफी भीड़भाड़ वाला इलाका था। वह फैशनेबल कुनी महिलाओं से तंग आ चुका था।

शंघाई का रहने वाला, अंग्रेजी में बड़बड़ाता हुआ और मोर की तरह इतराता हुआ; वह

वह अपनी पत्नी से तंग आ चुका था, फैशनेबल डॉक्टरों से तंग आ चुका था, खुद से तंग आ चुका था।

मालिन मानो उसके दिमाग से निकल गई थी, सिवाय एक बात के।

लिफाफे पर पता लिखने में हुई गलती का उन्होंने जिक्र नहीं किया।

यहां तक कि उनसे यह भी कहें कि वे उन्हें याद रखें।

“वह अब आएगा,” लाओ पेंग ने कहा।

“उन्होंने ऐसा नहीं कहा। क्या आपको लगता है कि वे कहेंगे?”

“हाँ, वह करेगा,” लाओ पेंग ने आत्मविश्वास से कहा। “और जब वह

अगर वह आता है, तो मुझे लगता है कि तुम मुझे और मेरे काम को छोड़कर चले जाओगे।"

"ओह, नहीं। उंडे पेंग। मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा। मैं ऐसा कर ही नहीं सकता।"

आप पोया को उतना नहीं जानते जितना मैं जानता हूँ। वह देवर है, और वह है

उन्हें बड़ी-बड़ी चीजों में, अपनी भव्य रणनीति और युद्ध युक्तियों में रुचि थी।

वह कुछ बीमार और गरीब शरणार्थियों की देखभाल में समय बर्बाद नहीं करना चाहेगा।

"लेकिन मैं उसे हरा दूंगी। उंडे पेंग," वह रोते हुए बोली। "मैं कभी नहीं..."

मैं तुम्हें छोड़ रहा हूँ। तुमने मुझे वो शांति और खुशी दी जो मैंने पहले कभी नहीं जानी थी।

पहले... मैं यहां काफी खुश था।

"अब तुम खुश नहीं हो?"

मुझे नहीं पता। शायद मुझे होना चाहिए, मैं तो पूरी तरह खुश था।

जब तक मुझे यह पत्र नहीं मिला था, तब तक मुझे कुछ पता नहीं था। अब मुझे कुछ नहीं पता।

लाओ पेंग ने और कुछ नहीं कहा और वे वापस ढलान पर चढ़ने लगे।

घर।

युमेई ने तुरंत उसमें आए बदलाव और उसकी सूजी हुई आँखों को देख लिया।

"पोया का पत्र आ गया है," तानी ने संक्षेप में कहा।

वह किसलिए लिखता है?

वह सब कुछ समझा देता है।

युमेई ने संक्षेप में कहा, "फिर से मूर्ख मत बनो, सियाओहीह।"

उस रात खाना खाने के बाद तानी जल्दी अपने कमरे में चली गई और पढ़ने लगी।

मंद तेल के दीपक के नीचे फिर से पत्र के ऊपर। युमेई रात्ने अंदर और

उसे रोते हुए देखकर टैनी को बुरा लगा क्योंकि इससे उसे और भी बुरा लगा।

मूर्ख दिखना। उसने जवाब लिखना शुरू किया, लेकिन उसका हाथ कांपने लगा, और

उसे एक के बाद एक कागज़ के पन्ने फाड़ने पड़े। अंत में उसने

उसने हार मान ली और कहा कि वह अगली सुबह लिखेगी, और गिर

पड़ी।

सिसकते हुए, बिस्तर पर लेट गई।

“अब तुम फिर से रोने लगी हो,” युमेई ने कहा। “तुमने अभी तक रोया नहीं है।”

यहां आने के बाद से हम सिर्फ एक बार रोए हैं।

युमेई, तुम समझ नहीं रही हो। उसने तुम्हें बचाने के लिए सब कुछ किया।

और उसे लगा कि मैंने ही उसे सूअर कहा था और मुझ पर थूका था।

टेलीफोन।"

युमेई थोड़ी हैरान दिखी। "मैं उससे यह स्वीकार करूँगी कि मैंने ऐसा किया।"

“मुझे उससे डर नहीं लगता। लेकिन फिर भी मैं तुमसे कहती हूँ, सियाओसीएम,” उसने कहा। “मैं उससे नहीं डरती। लेकिन मैं तुम्हें बताती हूँ,

जब तक वह तुमसे शादी न कर ले, उसे अपने पास मत आने दो।

तानी मुस्कुराई और पोया के पीछे-पीछे चलने के बारे में समझाने की कोशिश की।

और कोई उससे मिलने के लिए अपनी भड़ास निकाल रहा था। युमेई को समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों।

कोई भी टैनी को नुकसान पहुंचाना चाहेगा, लेकिन उसने इसे स्वीकार कर लिया।

स्पष्टीकरण को उसकी समझ से परे की चीज के रूप में प्रस्तुत करना -

"मुझे जो दिख रहा है, उससे लगता है कि आपने एक बार फिर एमटीएफआईडी के प्रति अपनी शांति खो दी है।"

"siaothieb" उसने एक अकुशल पुनरावर्ती की हठधर्मिता के साथ कहा, tnifid.

"उंडे पेंग के साथ, कुछ भी कभी गलत नहीं हो सकता।"

टैनी उसकी सादगी पर और साथ ही इस तथ्य पर भी हंस पड़ी कि वह

उसने खुद को ऐसी स्थिति में डाल दिया था जहाँ युमेई उसे फटकार लगा सकती थी।

और उस पर दया करो।

अगली सुबह वह जल्दी उठी और उसने एक लंबा पत्र लिखा।

पोया। उसे लगभग पूरी सुबह लग गई। उसने पोया को बताया कि

गद्दार समूह के साथ उसके संबंध और कैसे

वह भाग निकली और उसके घर आ गई। उसने कबूल किया कि उसने

वह नाराज तो थी, लेकिन उसने कसम खाई कि वह उस पर फिर कभी शक नहीं करेगी।

पोया ने अपने पूरे जीवन में प्रेम की एक भी भावुक अभिव्यक्ति का प्रयोग नहीं किया था।

पत्र तो उन्होंने बिना किसी संकोच के लिखा। यह एक लंबा, भावपूर्ण पत्र था।

पत्र में, मानो वह उससे बात कर रही हो। उसने सारा दोष अपने ऊपर ले लिया।

उसने खुद को और अपना स्वाभिमान भुलाकर उससे हैंकोव आने की विनती की।

जितनी जल्दी हो सके, और अंत में उसने उसे बताया कि वे क्या कर रहे थे।

उसने लिफाफे पर "श्री याओ अफेई के पते पर" लिखा और आगे लिखा

"व्यक्तिगत" चिह्न।

“अगर यह किसी और के हाथ में पड़ जाए तो मैं शर्म से मर जाऊँगा।”

उसने सोचा।

अब वह अधिक खुश महसूस कर रही थी और लाओ पेंग के साथ वुचांग चली गई।

और एक रेस्तरां में। दोपहर के भोजन में उसने बस कुछ ही निवाले लिए।

उसने चावल खाए और फिर अपनी चॉपस्टिक नीचे रख दीं।

"मैं खा नहीं सकती," उसने कहा। लाओ पेंग ने देखा कि उसकी आँखें

उसका शरीर सूजा हुआ था और मल पीला पड़ गया था। "मुझे पहले यह पत्र भेजना होगा।"

उसने उसके मल पर वही भाव देखा जो उसने उसे पहली बार देखने पर देखा था।

पोया के साथ उसके घर आया। उसकी निर्मल आँखों में फिर से वही भाव था।

एक युवती के प्रेम में डूबे उत्साह और जुनून की रोशनी।

कुछ दिन पहले की उसकी शांत और सौम्यता में बहुत बड़ा बदलाव आया था।

उसे लगभग उस पर दया आ रही थी, और उसे डर था कि कहीं कुछ हो न जाए।

उसे दोबारा चोट पहुँचाने के लिए।

"मुझे तुम्हें इतना अधीर देखकर बहुत बुरा लग रहा है," उसने कहा। 'काश तुम

मुझे वो पत्र नहीं मिला था। आप तो काफी खुश थे।

युमेई ने भी यही कहा था। लेकिन तुम मेरे लिए खुश हो।

अब सब कुछ स्पष्ट हो गया है, है ना?

"जी हाँ।" उसने उसे ध्यान से देखा। "मैं तुम्हें शुभकामनाएँ देता हूँ।"

किस्मत की बात है। लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा परेशान कर रही है, वह यह है कि आपने इतना नाजुक खाना खाया।

बहुत संवेदनशील।

मुझे कुछ बताओ। उंडे पेंग। ऐसी कौन सी बात है जो तुम्हें ऐसा बनाती है?

क्या यह हमेशा इतना शांत रहता है?

"आपको कैसे पता कि मैं कभी परेशान नहीं होता?"

"तुम्हें किसी चीज से डर नहीं लगता, यहां तक कि भूतिया घर से भी नहीं।"

"यह मुझे देखने का बस एक तरीका है।"

“इससे भी कुछ अधिक है। तुम्हारे पास रहस्य है।”

«35

खुश रहना। क्या यह बौद्ध धर्म है? आपने कभी rnt p lai p क्यों नहीं किया?

क्या यह मुझे मिलेगा?

लाओ पेंग ने सुखद आश्चर्य के भाव से उसकी ओर देखा।

फिर भी गंभीरता भी। धीरे से उसने कहा, 'तुमने मुझसे कभी नहीं पूछा।'

बौद्ध धर्म उपदेश देने में विश्वास नहीं रखता। सत्य की खोज और

मुक्ति व्यक्ति के भीतर से ही आनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति

अगर वह इसके लिए तैयार है, तो उसे ज्ञान प्राप्त हो जाएगा। मुझे लगता है कि तुम अभी बहुत छोटे हो।

समझ में।"

मैं अब आपसे पूछ रहा हूँ।

"लेकिन तुम प्यार में हो," उसने मुस्कुराते हुए कहा, "और इसमें कोई बाधा नहीं है।"

जल्दी करो। ज्ञान स्वयं के प्रयासों से ही प्राप्त होता है। मेरे पास है

मैंने आपको हममें से प्रत्येक में विद्यमान दिव्य चिंगारी के बारे में बताया था। सूत्र कहता है,

एक क्षणिक मूर्खतापूर्ण विचार व्यक्ति को साधारण बना देता है, जबकि एक

प्रबुद्ध विचार व्यक्ति को बुद्ध बना देता है।' उच्चतर ज्ञान

यह हमेशा हमारे भीतर रहता है; यह जन्मजात है, और यह खो नहीं सकता, ^^समय बीतने के साथ

जब आता है, तो अचानक धर्म परिवर्तन हो जाता है।"

क्या आपका मतलब यह है कि मैं अभी बौद्ध धर्म को समझने के योग्य नहीं हूँ? मैं समझ सकता हूँ।

मैं जो कुछ भी पढ़ता हूं, लगभग सब कुछ समझ जाता हूं।

"बात वो नहीं है। धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है।"

सीखना। यह एक आंतरिक अनुभव है। इसीलिए छठा

पैट्रियार्डी ने अपने प्रवचन में कहा कि यह पानी पीने के समान है;

चाहे गर्मी हो या सर्दी, पीने वाले को खुद पता होता है।

ज्ञान ही प्रज्ञा है।

“प्रज्ञास क्या है?”

यह एक प्रकार की पारलौकिक बुद्धिमत्ता है, जो ज्ञान से कहीं अधिक उच्च स्तर की है।

और ज्ञान। बुद्धि और समझ पर आधारित बुद्ध हृदय।

जुनून, व्यक्ति की धार्मिक प्रतिभा द्वारा निर्धारित होता है। कुछ

मुझे कभी भी प्रकाश देखने का मौका ही नहीं मिला। जैसा कि सूत्र कहता है, वासनाएँ

वे सिम को ढकने वाले घने बादल की तरह हैं; जब तक कि हवा न चले।

बहुत कठोर, कोई किरणें दिखाई नहीं दे रही हैं।"

‘सूत्रों में केवल ये अजीबोगरीब शब्द ही हैं जो मुझे समझ में नहीं आते-’

खड़े हो जाओ। अगर तुम उन्हें मना करोगे, तो मैं समझ सकता हूँ।

लाओ पेंग फिर मुस्कुराया। “जल्दी मत करो, तानी। मैं कर सकता हूँ।”

मैं आपको शब्दावली सिखाऊंगा और उनका अर्थ समझाऊंगा^* लेकिन आप नहीं सीखेंगे

उन्हें समझें। कुछ लोगों का मानना है कि वे ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

शास्त्रों का अध्ययन करके। कुछ अन्य लोगों का मानना है कि वे ऐसा करके पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

नियमों का पालन करना। अधिकांश भिक्षु ऐसा ही करते हैं। यह सब मूर्खता है।

स्वयं सिक्स एंड ट्रायरच लगभग अनपढ़ थे, वे चावल छीलते थे।

एक मंदिर की रसोई। यह वही उच्चतर ज्ञान था, वही दिव्य चिंगारी थी।

जिसके कारण वह वान के शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध हो गया।

बौद्ध धर्म। उन्होंने मनुष्य द्वारा किए गए 'अचानक' धर्मांतरण* की शिक्षा दी।

स्वयं शास्त्रों और अनुष्ठानों के अध्ययन में समय व्यतीत कर रहा था।

और मूर्तिपूजा।"

“तुम मंदिरों में पूजा नहीं करते। क्या तुम चान हो?”

बौद्ध?

मुझे खुद भी नहीं पता... जब आप पहली बार आए थे, तो आप ऐसे दिखते थे

बीमार और परेशान, क्योंकि तुम पोया से नाराज़ थे। क्रोध

बुद्ध-मन को अंधकारमय करने वाले 'तीन विषों' में से एक। फिर

आपको देखते हुए, मैंने देखा कि आप धीरे-धीरे खुद को ढाल रहे थे, और आपके पास

फिर से शांति। क्यों? क्योंकि तुम अपना गुस्सा भूल गए थे, बम

शरीर का। आप इन रचनाओं में रुचि लेने लगे थे।

दया। अब यह ज्ञान लम्जा और दोनों का फल है।

"ब्रकना, गुण और ज्ञान का स्रोत है, और गुण ज्ञान की ओर ले जाता है।"

"क्या मैं ज्ञान प्राप्त करने के बाद भी पोया से शादी कर सकता हूँ?"

“क्यों नहीं? स्वतंत्र व्यक्ति अपने ज्ञान के अनुसार ही कार्य करता है।”

"प्यार करना पाप तो नहीं है, है ना?"

“यह कर्म का हिस्सा है, मनुष्य का भाग्य जो हांगकांग द्वारा निर्धारित होता है।”

अतीत और वर्तमान के कर्म।"

“लेकिन क्या तुम मुझे सिखाओगे?” टान्नी ने गंभीरता से कहा।

लाओ पेंग ने उसकी आंखों में चमकती रोशनी को देखते हुए कहा, "मैं करूँगा।"

“चलो अब चलते हैं,” टैनी उठते हुए बोली। “मुझे अपनी कलाई ठीक करानी है-

जब हम यहां हैं तो घड़ी की मरम्मत भी हो जाएगी।"

“तुमने इसे कैसे तोड़ा?”

“कल जब मैं गिर गई थी,” टैनी ने हल्के से शर्माते हुए कहा। “उसके बाद

जब मैं घर पहुंचा, तो मुझे पता चला कि मेरे घुटने पर भी चोट के निशान हैं।"

लाओ पेंग ने कहा, "बौद्ध धर्म इसे 'अत्यधिक आसक्ति' कहता है।"

उसने उस पर एक सरसरी नजर डाली और फिर से थोड़ा शर्मा गई।

रेस्तरां से बाहर निकलते समय, वे pl<^gam ftmhaffassment के भावों से भर गए।

अध्याय पंद्रह

लाओ पेंग और टान्नी के रेस्टोरेंट से निकलने के कुछ ही सेकंड बाद, वे

मैंने दुश्मन के बमवर्षक विमानों के आने की सूचना देने वाला सायरन सुना।

जनवरी में हैंकोव पर तीन या चार बार छापा मारा गया था, और

वुडियांग में एक बार। दुश्मन के बमवर्षक विमानों ने अब तक इस पर ध्यान केंद्रित किया था।

हवाई अड्डे और लौह कारखाने। वहाँ कोई बंकर नहीं थे और

लोग हमेशा की तरह अपने घरों में ही रहे, क्योंकि उन्हें पता नहीं था

और कहाँ छुपें? कुछ लोग गाँव की ओर चले गए, लेकिन बोरॉब्स शहर की सड़कों की तरह ही, वहां भी ऐसा ही हो सकता है।

“क्या हम आगे बढ़ें या वापस लौटें?” तानी ने पूछा।

जैसा आप चाहें।

हमें यह टेलीग्राम भेजना होगा।

"तो जल्दी करो। हम नदी में फंसना नहीं चाहते।"

उन्हें फेरी तक पहुंचने में लगभग दस मिनट लगे, और एक और नदी पार करने में दस मिनट लगेंगे। लोगों की भीड़ धक्का-मुक्की कर रही थी।

और लोग सड़कों पर भागते हुए आश्रय की ओर बढ़ रहे थे। कई लोग खड़े थे।

लोग दरवाजों और बरामदों पर खड़े होकर आसमान देख रहे थे। माता-पिता फोन कर रहे थे।

उनके बच्चे गलियों में खेल रहे थे। तनाव का माहौल था।

हर चेहरा। हवाई हमले से होने वाली हत्याएं स्थानीय लोगों के लिए अनजानी नहीं थीं।

हैंकोव के लोगों के लिए या कई शरणार्थियों के लिए। यह साझा दुश्मन

अचानक आसमान ने शहर को एक युद्धक्षेत्र में बदल दिया।

और लोगों को उस युद्ध के करीब होने का एहसास दिलाया जो लड़ा जा रहा था।

नदी के किनारे सैकड़ों मील दूर।

लाओ पेंग और टान्नी रिक्शा में बैठकर वहाँ पहुँचे।

बंड के पीछे वाली गली में स्थित टेलीग्राफ कार्यालय के पास एक गूंज सुनाई दी।

दूर से कई ट्रकों के चलने की आवाज जैसी हवा में गूंज उठी। वे चले गए।

अंदर। ड्रोन की आवाज तेजी से बढ़ती गई, लगातार, हांफती हुई उके

भूखे राक्षस अपने शिकार पर झपटने के लिए करीब आते जा रहे हैं और अधिक सटीक होते जा रहे हैं।

एक तीव्र उत्कर्ष में। कुछ आने वाले लोगों ने कहा कि वहाँ

दो चरणों में चालीस या पचास विमान थे। जब विमान

शहर से मीलों दूर भी, इंजनों की घरघराहट की आवाज सुनाई दे रही थी।

इमारतों के बीच फंसकर, ऐसा लग रहा था मानो वे पहले ही अपनी सीमा से ऊपर पहुँच चुके हों।

लोग सन्नाटे में खड़े थे, कुछ ने अपने कान बंद कर लिए थे।

अपनी उंगलियों से, बमों के फटने का इंतजार कर रहे थे। हकलाहट

विमान रोधी तोपों की आवाज, तेज गड़गड़ाहट और गूंज के बीच सुनाई दे

रही थी।

घातक मशीनें, अपने प्रभाव में लगभग दम घोंटने वाली। फिर पूर्व-

तेजी से धमाके हुए और जमीन कांप उठी।

उनकी मुट्ठी। ^बहुत पास!" किसी ने चिल्लाया। एक और लहर

उसके पीछे-पीछे इंजन की वह भयानक, निरंतर लय लगातार बढ़ती गई।

तेज़ आवाज़। दूर-दूर तक धमाकों की गूंज सुनाई दी। फिर शोर

वह और भी ज्यादा बेचैन और दूर होती चली गई। टैनी को ऐसा लगा जैसे उस पर कोई भारी बोझ आ गया हो।

उसके दिल से बोझ हट गया है।

लोग दौड़कर बाहर निकले और आकाश की ओर देखकर गालियां देने लगे।

जापानियों ने एक प्रकार के असहाय क्रोध से, जैसे लोग चोर को कोसते हैं, उन्हें घेर लिया।

भाग जाना।

टेलीग्राफ कार्यालय में कर्मचारी धीरे-धीरे वापस लौट रहे थे।

तहखाने से। टेलीग्राम भेजने की प्रतीक्षा करते हुए, टैनी

दमकल इंजनों की आवाज सुनकर मैं उन्हें देखने के लिए बाहर भागा।

किसी ने बताया कि रेस कोर्स क्षतिग्रस्त हो गया है और कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

नष्ट हो गया था।

यह टेलीग्राम लाओ पेंग के नाम से भेजा गया था, जिसमें कहा गया था कि

पत्र प्राप्त हो गया था और टैनी सुरक्षित थी और वे उसे भेज रहे थे।

उनकी हार्दिक शुभकामनाएँ। जल्द ही सभी प्रियजनों को संकेत दिया गया और लोग

गलियों में निकल रहे थे।

“क्या आप मैडम चियांग से मिलना चाहेंगे? शायद वह मिलेंगी।”

"बमबारी स्थल पर मौजूद रहें," लाओ पेंग ने कहा।

टैनी तुरंत मान गई। उन्होंने उसका पत्र डाक से भेज दिया और अंदर चले गए।

उसने अपनी घड़ी ठीक करवाने के लिए पड़ोस की दुकान पर गई।

हो गया, वे टैक्सी लेकर रेस कोर्स गए। उस दिशा में आग की लपटें थीं।

आसमान में तेजी से ऊपर उठा और एम्बुलेंस की बिल्लियाँ दौड़ती हुई निकल गईं

वे गलियों में थे। वे एक ऐसी जगह पर रुके जहाँ भारी भीड़ जमा थी।

एकत्र किया गया। बीस या तीस गरीब घरों में आग लगी हुई थी। दस्ते

वर्दीधारी लोग उन आग की लपटों से लड़ रहे थे जो घरों को जलाकर राख कर रही थीं।

बड़ी संख्या में बम गिराए गए थे, लेकिन उनमें से अधिकांश

रेस कोर्स या खेतों में गिर गए थे। बचाव दल और

नर्सें और अन्य लड़कियां स्मार्ट यूनिफॉर्म में मदद कर रही थीं।

घायलों की देखभाल और व्यवस्था की गई। लोगों को खींचकर बाहर निकाला गया।

ढह चुकी इमारतें, कुछ में बेघर लोग, कुछ में पहले से ही मृत।

जले हुए शवों को एक गली के कोने पर एक साथ रखा गया था।

पहली बार टान्नी मौत के सामने खड़ी थी।

पास ही कुछ गरीब औरतें जमीन पर बैठकर रो रही थीं।

जबकि मृत शरीर उनके बगल में, बेसुध और गतिहीन पड़ा था, दूर

दर्द और पीड़ा। अपनी इच्छा के विरुद्ध भी तानी ला पेंग के साथ चली गई।

उस स्थान की ओर जहाँ घायल और बेघर लोग थे

उन्हें ट्रकों में भरकर ले जाया जा रहा है। बहुत चिंता है...

संलयन। कुछ महिलाओं को उठाकर ले जाना पड़ा, कुछ ने ज़िद की।

वे मलबे से जो कुछ बचा पाए थे, उसे लेकर जा रहे थे। वे लोग जिनके

घर पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए थे, खुदाई का काम जारी था और

फर्नीचर की तलाश में, ट्रंक और दराज बाहर निकालते हुए

जले हुए खंडहर।

“वहाँ मैडम चियांग हैं,” लाओ पेंग ने फुसफुसाते हुए कहा।

भीड़ में एक छेद से टैनी ने मैडम को देखा।

चियांग काइशेक। उसने एक छोटा नीला स्वेटर पहना हुआ था और

एक काला गाउन। उसके स्वेटर की आस्तीनें ऊपर की ओर मोड़ी हुई थीं और

वह वर्दीधारी लड़कियों से व्यस्ततापूर्वक बातें कर रही थी और उन्हें निर्देश दे रही थी।

वे हाथ के इशारों के साथ काम करते हैं, उनकी भौहें नीचे की ओर झुकी हुई हैं।

जैसे ही उसने पीड़ा के इस दृश्य को चारों ओर देखा। उत्सुक भीड़

वह प्रथम महिला को देखने के साथ-साथ उनके झूठ को देखने भी आया था।

आग।

तांती वहीं खड़ी होकर लड़कियों को काम करते हुए देखती रही।

मैडम की उपस्थिति मात्र से ही उन्हें गहरी प्रेरणा मिलती थी।

क्वांग, और लोगों को एक-दूसरे की मदद करते हुए देखकर, ऐसा लग

रहा था मानो...

बम विस्फोट के पीड़ितों की व्यक्तिगत त्रासदी थी

इस राष्ट्रीय आपदा में व्यक्तिगत भेद-भाव लुप्त हो गए।

आपदा में भी सुंदरता थी, उस दृश्य में भी कुछ ऐसा था।

उस नरसंहार ने टैनी के मन को प्रसन्न कर दिया। वह उनमें से किसी एक से बात करना चाहती थी।

वह महिला कामगारों में से किसी को भी देख सकती थी, लेकिन वे व्यस्त थीं, और उसके पास करने के लिए कुछ नहीं था।

ऐसा कुछ कहना जो मूर्खतापूर्ण न लगे, और उसने खुद को संतुष्ट कर लिया।

उन्हें अनाथों और बेघरों को इकट्ठा करते हुए देखकर और

उन्हें पटरियों पर रख दो।

कल्पना कीजिए कि मैडम चेयरमैन क्वांग स्वयं एनएस की देखभाल कर रही हैं।

“आम लोग,” एक किसान ने अविश्वास भरे स्वर में कहा।

“हाओ, ऐसी सरकार के साथ, कौन लड़ने को तैयार नहीं होगा?”

“आधुनिक महिलाएं ठीक हैं,” एक अन्य राहगीर ने हंसते हुए कहा।

और टैनी को आधुनिक चीनी महिलाओं पर गर्व महसूस हुआ।

जिसमें वह भी शामिल थी। इन युवा लड़कियों के बीच कुछ चल रहा था।

अपनी वर्दी में इधर-उधर घूमते हुए, घायलों की मदद करते हुए, लोगों

द्वारा सराहे जा रहे थे

आधुनिक चीनी नारीत्व का एक ऐसा पहलू जिसे उसने नहीं देखा था।

पहले से ज्ञात।

“अगर हम आज नहीं आते तो मैं यह सब देखने से चूक जाती,” टैनी ने कहा।

उन्होंने कहा, जैसे ही उन्होंने मैडम चियांग की कार को दूर जाते हुए देखा।

जब वे वुचांग लौटे, तो उन्हें पता चला कि बम गिराए गए थे।

वहाँ एक सड़क उड़ गई थी और हताहतों की संख्या काफी अधिक थी।

हैंकोव की तुलना में भी कीमतें अधिक थीं। जिस रेस्तरां में वे थे

लगभग एक घंटे पहले जिन्होंने अपना दोपहर का भोजन किया था, वह पूरी तरह से नष्ट हो चुका था।

और कई मेहमान जो खाना खा रहे थे, उनका दोपहर का भोजन मार दिया गया था।

टान्नी ने सिहरन के साथ अपने बाल-बाल बचने के खतरे को महसूस किया।

अगर वे बाद में आते, या अगर वे बुद्ध के बारे में चर्चा जारी रखते-

अगर वे उस रेस्टोरेंट में आधे घंटे और रुकते, तो शायद उन्हें

वे अब जिन लोगों को देख रहे थे, उनके उत्सव में शामिल हुए।

उनके सामने मौत का सबसे भयावह रूप था। दो बम गिरे थे।

सड़क पर। एक व्यक्ति थिएटर के पिछले हिस्से से टकरा गया था, और

उसके सिर में चोट लगी थी।

आग ने सामने की चार-पाँच दुकानों को नष्ट कर दिया था।

हालात पहले से ही नियंत्रण में थे और बचे हुए लोगों को आने की अनुमति दे दी गई थी।

चुपचाप मलबे का सर्वेक्षण करने के लिए वापस लौटना जो घरों का हिस्सा था और

जितना हो सके बचाने के लिए। बचाव दल अभी भी काम पर लगा हुआ था।

कीचड़ पर पैर रखते हुए और उसके नीचे दबे लोगों को खोदते हुए

मलबा। दो या तीन महिला नर्सें बॉय स्काउट्स की मदद कर रही थीं।

घायलों को ले जाने के लिए।

तानी ने अपने सामने मृत मानव आकृतियों का एक समूह देखा। महिलाओं का

शानदार तरीके से दर्शकों की निगाहों के सामने शरीरों को नंगा कर दिया गया था।

मुद्राएं, मृतकों को पता नहीं और घायलों को परवाह नहीं।

जमीन पर इधर-उधर शरीर के बिना हाथ या पैर पड़े हुए थे।

पास ही एक पेड़ पर मानव शरीर का एक भयानक, पहचान से परे ढेर

लटका हुआ था।

मांस, सूरज की रोशनी में अभी भी बैंगनी खून टपक रहा है। मृत शरीर

थिएटर की पिछली दीवार पर बमबारी हुई थी और उसमें ढेर लगे हुए थे।

बाहर। जैसे-जैसे और लाशें ढेर पर फेंकी जा रही थीं, उसने देखा कि

उनके शरीर ऐसे कांप रहे थे जैसे किसी कसाईखाने में सूअरों के शव कांप रहे हों।

एक रोती हुई महिला जमीन पर बैठी थी और उसके बगल में एक व्यक्ति लेटा हुआ था।

एक शिशु का हाथ उसके शरीर से अलग हो गया था, जिसमें गोल-मटोल उंगलियां थीं।

वे बेहद खूबसूरत थे। दूसरे घर में एक महिला के पास उसका

कूल्हे का हिस्सा उड़ गया। छर्रों से उसकी पैंट फट गई थी और

उसने अपनी सफेद जांघें उजागर कर दीं। वह अपनी त्रासदी की भव्यता में लेटी हुई थी।

जिसने उसे शर्म से ऊपर उठा दिया। केवल उसके फटे-पुराने कपड़ों ने ही उसे गरीब दिखाया था;

अब वह मां से जन्मी किसी भी बच्ची के बराबर थी। एक मार्मिक

तानी के मन में एक अजीब सी अनुभूति घर कर गई। आखिर यह औरत कौन थी?

क्या सच में कोई ऐसा व्यक्ति जिसने उसे कभी देखा भी न हो, उसके साथ ऐसा कर सकता है?

लाओ पेंग ने उस महिला को छुआ और वह चीख पड़ी। वह अभी भी...

जीविका!

उसकी आवाज, इतनी सामान्य, इतनी आम सी, ने टान्नी को चौंका दिया।

लाओ पेंग नर्स को बुलाने के लिए दौड़ा। एक लड़की आई, उसकी उंगलियाँ और

उसके गाउन पर खून के धब्बे लगे हुए थे।

“हमें इंतजार करना होगा,” उसने कहा। “बॉय स्काउट्स जल्द ही वापस आ जाएंगे।”

अपने स्ट्रेचरों के साथ। वे जापानी शैतान!

नर्स ने अपने बाल छोटे और पीछे से बराबर कटवा रखे थे, और उसने

उसकी उंगली में अंगूठी थी। उसका मल देखने में अच्छा था, थोड़ा हड्डीदार था।

और उसके होंठों के बीच से थोड़ी सी टीली दिखाई दे रही थी। पसीने की एक बूंद।

उसका लंबा, पतला मल अलग से दिखाई दे रहा था। उसने भौंहें चढ़ाईं, मानो वह

वह इस तरह के नरसंहार से परिचित थी, फिर भी हर बार जब वह ऐसा देखती तो व्याकुल हो जाती थी।

यह देखा।

“क्या आप इस महिला के रिश्तेदार हैं?” उसने लाओ पेंग से पूछा।

नहीं। लेकिन अगर हम मदद कर सकते हैं तो हम मदद करना चाहते हैं।

"क्या तुम नर्स हो?" तानी ने पूछा, क्योंकि लड़की नर्स नहीं थी।

वर्दी।

लड़की ने सिर हिलाया।

“हंगशान में हमारा एक छोटा सा घर है,” तानी ने कहा।

वहाँ कुछ शरणार्थी हैं। हम घायलों को नहीं ले जा सकते क्योंकि

हमने डॉक्टरों को नहीं खाया। लेकिन अगर कोई बेघर है, तो हम उसकी मदद कर सकते हैं।

भोजन और आश्रय प्रदान करें।"

उन्होंने एक-दूसरे को नाम बताए। लड़की का नाम चिउहू था।

ऑटम लेक। वह चीनी रेड क्रॉस के साथ काम कर रही थी और

वह संगठन के साथ नानजिंग से आई थी। उसने एक

स्ज़ेडियुएन का लहजा धीमा और तेज़ है, जो बिल्कुल भी अप्रिय नहीं है।

विशेषकर जब वह मुस्कुराती थी और उसकी चमकती आँखें शांत हो जाती थीं।

उसका शरीर नाजुक और पतला था, फिर भी उसकी गाल की हड्डियाँ और उसका मुँह

अद्वितीय शक्ति और सहनशक्ति। टैनी, जिज्ञासु होने के कारण और

अपनी पीढ़ी की कुछ आधुनिक शिक्षित लड़कियों के बारे में जानने के लिए उत्सुक।

यह बातचीत विशेष रूप से सौहार्दपूर्ण थी। चिउहू को भी इसमें उतनी ही दिलचस्पी थी।

टान्नी उसकी तेज आंखों से आकर्षित हुए बिना नहीं रह सकी,

भारी कोड़ों से सजी, गहरी और काली, और उसके चलने के तरीके से

और बोलते-बोलते उसने अपने होंठ नीचे झुका लिए।

* *

*

जब उस महिला को ले जाया गया, तो टान्नी ने पूछा, "क्या तुम

क्या आप अभी खाली हैं? क्या आप आकर हमारी जगह देख सकते हैं?

ओइम्बु ने सहज मुस्कान और स्वतंत्रता की भावना के साथ जवाब दिया।

यह पारंपरिक शिष्टाचार उस युद्धकाल की विशेषता थी।

मैं ड्यूटी पर नहीं हूँ। बम धमाके के बाद मैं स्वयंसेवा करने आया था।

“कुछ मदद चाहिए,” उसने कहा।

जब वे चिउहू के साथ लौटे, तो महिलाओं और बच्चों

उनका स्वागत करने के लिए दौड़े और उनसे पूछा कि वे कहाँ थे।

बम गिरे। युएह-ओ की मां, श्रीमती वांग ने कहा:

“बमवर्षक विमान बहुत ही सटीक तरीके से आए, कई लोग भागकर बाहर निकल आए।”

वुचांग में लगी आग देखने के लिए ढलान पर गए। मेरी युएह-ओ बहुत डर गई थी।

वह जाकर बिस्तर पर लेट गई।

टैनी ने देखा कि पिनपीएम वहां नहीं था, हालांकि हर बार

वह ड्यूटी से वापस आ गई थी, पिनपिन सबसे पहले थी जिसने

उसका अभिवादन करने के लिए आओ। उसने पूछा, "पिनपिन कैसा है?"

वह बाकी लोगों के साथ जंगल में भाग गई। लेकिन बेहतर होगा कि तुम भी वहीं रहो।

गोटो युमेई। वह अपने बिस्तर पर है। वह रो रही है और पूछ रही है

आपके लिए।"

पेंग और टान्नी, चिउहू के साथ, जल्दी से अंदर चले गए।

युमेई दर्द से कराह रही थी और छटपटा रही थी। उसने तानी का हाथ

पकड़ रखा था।

उसने अपने हाथ कसकर पकड़े हुए थे, उसका दूसरा हाथ पसीने से भीगा हुआ था। "यह आ गया है," उसने कहा।

तानी ने चिउहू की ओर देखा, जो तुरंत समझ गई।

"जीएम, क्या आप मदद करेंगे?"

“हां। मैंने पेइपिंग में मातृत्व पाठ्यक्रम किया था।”

"यह अच्छा टोन है," टैनी ने कहा।

लेकिन युमेई की आंखों में खौफ था।

"अगर यह शैतान का बच्चा है, तो इसे मार डालो," उसने कराहते हुए कहा।

"इतनी मूर्खता मत करो," टैनी ने कहा। "मैंने तुमसे कहा था कि ऐसा ही होगा।"

आपके पति का बच्चा।

बमबारी के सदमे को देखकर लाओ पेंग कमरे से बाहर निकल गया।

शायद इसी वजह से समय से पहले प्रसव हो गया था। टैनी ने चिहू से पूछा।

वह बैठ गई और उसने युमेई की कहानी सुनाई। किउहु ने अपना सिर हिलाया।

“ऐसे कई मामले हैं,” उसने कहा। उसने टान्नी के कान में फुसफुसाते हुए कहा।

एक नन उनके अस्पताल में आई थी और उसने एक इलाज की गुहार लगाई थी।

उसका गर्भपात किया गया।

"क्या तुमने ऐसा किया?"

“हमने पहचान की। उसने धमकी दी कि अगर हमने ऐसा नहीं किया तो वह आत्महत्या कर लेगी। हम

महिलाओं को सबसे ज्यादा कष्ट सहना पड़ता है। क्या हम यह नहीं समझ सकते कि यह कितना कष्टदायी होता है?

अपने शरीर के अंदर शैतान का भ्रूण होने का एहसास कैसा होता है?

चिउहू को उम्मीद थी कि युमेई की डिलीवरी आसान होगी, क्योंकि ज्यादातर

किसान महिलाएं ऐसा करती हैं, और उन्होंने एक बेसिन, तौलिए और साबुन मांगा।

और एक कैंची लाई गई, और उसने एक मेज तैयार की।

कमरे के कोने में। उसने अस्पताल से अनुरोध करते हुए एक नोट लिखा।

संदेशवाहक द्वारा लाई गई मातृत्व किट को टैनी ने भेज दिया।

गोल्ड लक द्वारा इसे जल्द से जल्द वापस लाने के निर्देश के साथ।

यथासंभव।

युमेई का दर्द कुछ देर के लिए कम हो गया, और तानी उसके पास चली गई।

लाओ पेंग के कमरे में।

"क्या पता वो जापानी बच्चा हो? अंकल पेंग?" उसने कहा।

“बच्चे के मामले में कभी कुछ कहा नहीं जा सकता। एकमात्र निश्चित संकेत तो तब होगा जब...”

बच्ची अपने पति से काफी मिलती-जुलती है। अन्यथा

कोई कैसे बता सकता है? लेकिन किसी को भी जीवन नहीं मारना चाहिए। हमें अवश्य

इसे रोकें।

"कैसे?"

"उसे यह समझाकर कि जापानी बच्चे का होना असंभव है।"

मैंने उसे यह बात बताई थी और उसने मेरी बात मान भी ली थी, लेकिन अब वह

फिर से चिंतित हो गया।

“उससे झूठ बोल दो। हत्या करने से तो कुछ भी बेहतर है।”

“वह क्या है?”

लाओ पेंग ने एक पल सोचा। "कहिए कि जापानी बच्चे

पूरे शरीर पर बाल होना, या ऐसा कुछ भी जो नहीं हो सकता

एक शिशु।"

टान्नी ने कहा, "हम उसे बता सकते हैं कि जापानी बच्चों की पूंछ होती है।"

जब वे पैदा होते हैं, तब वह किसी भी बात पर विश्वास कर लेती है।

24 }

उनके बारह उंगलियां हैं/^

नहीं, पूंछ बेहतर है। लेकिन क्या होगा अगर वह जापानी निकली?

बच्चा?"

हम इसके बारे में बाद में देख सकते हैं। अभी उसे पूरी तरह से तैयार होना चाहिए।

मन की शांति। कभी-कभी जापानी बच्चे में अंतर करना मुश्किल होता है।

एक चीनी से। और इससे क्या फर्क पड़ता है जब तक वह विश्वास करती है।

यह चीनी है।

"आपका मतलब यह है कि आपको जापानी बच्चे को पालने में कोई आपत्ति नहीं होगी?"

टान्नी ने पूछा, pu5:2zled.

“ऐसा नहीं होगा,” लाओ पेंग ने कहा। “उसे बच्चे की हत्या नहीं करनी चाहिए।”

वैसे भी, यह उसकी अपनी बच्ची है।"

उसी समय, पिनपिन का भाई यह कहने आया कि उसकी बहन

उसने पूछा कि टैनी उससे मिलने क्यों नहीं आई।

तो तानी गई और चिउहू को अपने साथ आने के लिए बुलाया। युमेई की

दर्द के दौरे थम गए थे, और गोल्ड लक की माँ वहाँ मौजूद थी।

फिलहाल उसके साथ रहो।

उन्होंने चिउहू से युमेई के डर को दूर करने में मदद करने के लिए कहा, और चिउहू ने

कहा:

'अचानक बदलाव हो सकते हैं। बेशक, इसकी संभावना बहुत कम है, लेकिन

अगर उसका बच्चा पूंछ वाला होता तो क्या होता? मुझे बेहतर होगा कि मैं कह दूं कि मैं

मुझे पेइपिंग में जापानी शिशुओं के साथ काम करने का अनुभव रहा है और

मैंने देखा है कि उनके सीने पर बाल उग आते हैं। ऐसा होगा

इतना डरावना नहीं होना चाहिए।

फिर टैनी उसे पिनपिन से दिखाने ले गई। बीमार लड़की लेटी हुई थी।

बिस्तर पर एक फटे-पुराने कंबल से ढकी हुई। उसका पंख खड़ा था।

उन्हें प्राप्त करें।

"हे दया की देवी बहन, मैंने तुम्हें पूरे दिन नहीं देखा।"

दस वर्षीय बच्चे ने कहा।

व्यस्त था। हम हैंकोव गए थे, और जब हम वापस आए, *

मैं युमेई cbiehchieb के साथ व्यस्त थी। क्या आपको पता है कि वह दे रही है?

बच्चे का जन्म?

पिनपिन की आंखें चमक उठीं।

यह चिउहू सीबीहचीब हैं। वह एक नर्स हैं और वह यहाँ आई हैं।

“तुम्हें देखो,” टैनी ने कहा।

बच्ची का मल बह गया था और उसके पतले गालों ने उसकी आँखों को और भी खूबसूरत बना दिया था।

वे गहरे और बड़े दिख रहे थे। चिउहू ने उनमें खून के निशान देखे।

थूकदान। कमरे की रोशनी और हवा बिल्कुल आदर्श थी।

खिड़की की चौखट पर उसने फूलों से भरी एक छोटी कांच की बोतल देखी।

बच्ची ने खुद ही अपने बाल नोच लिए थे। वहाँ केवल दो बिस्तर थे।

कमरे में। जब चिउहू को पता चला कि पिनपियो का भाई कमरे में था।

जेड44

अपना बिस्तर साझा करते हुए, हम दोनों एक-एक छोर पर सो रहे थे, उसने कहा, “तुम

उन्हें अलग करना होगा। छोटे भाई को अपने पंख के साथ सोना होगा।

या फिर दूसरा बिस्तर ले लो।"

"दया की देवी बहन," पिनपिन ने मुस्कुराते हुए कहा। "क्या..."

आपको क्या डर है कि बम कब गिरे थे?

टैनी ने उसे बताया कि क्या हुआ था और उसने क्या देखा था।

स्वयं मैडम चियांग। यह देखकर पिनपिन बहुत उत्साहित हो गई और वह

जानना चाहता था कि मैडम चियांग ने कैसे कपड़े पहने थे और क्या

उसने किया।

जब वे जा रहे थे और पिनपिन ने उन्हें धन्यवाद दिया था

जब वे आए तो पांचवा व्यक्ति उनके पीछे-पीछे बाहर चला गया।

“मेरी बेटी कैसी है?” उसने नर्स से पूछा।

उन्हें तपेदिक है। उन्हें हर संभव देखभाल की जरूरत है।

पूरा आराम और अच्छा भोजन। मैं कुछ दवाइयाँ भेजूँगा और आऊँगा।

उसे दोबारा देखने के लिए।"

पिता ने उसे धन्यवाद दिया, उसकी आँखें धुंधली थीं और वह बहुत असहाय दिख रहा था।

जब वे वापस लौटे, तो युमेई का दर्द फिर से शुरू हो गया था, लेकिन

चिउहू ने विशेषज्ञ ज्ञान के लहजे में कहा, ^यह अभी भी है

जल्दी।

तानी ने चिउहू को बताया कि पियापिन के भाई को पीछे छोड़ना पड़ा था।

क्योंकि उसके पंखों से परिवार के लिए केवल तीन नाव टिकट ही खरीदे जा सकते थे।

चार में से।

"Tjisw ahr* Chiuhu ने कहा। "हमें भी यही समस्या थी जब wc

हम नानकिंग छोड़ रहे थे। मैं रेड क्रॉस के साथ काम कर रहा था और

मैं घायल सैनिकों के साथ आया था। हम आखिरी बचे लोगों में से थे।

जापानी सेना के मात्र बारह मील दूर होने पर भी वहां से चले जाना।

शहर। रेड क्रॉस ने घायलों के लिए अपनी नाव किराए पर ली थी।

लेकिन अस्पताल में एक हजार से अधिक लोग थे और नाव वहां से नहीं जा सकती थी।

केवल चार या पाँच सौ लोगों के बैठने की जगह है। निर्णय लेना ही था।

किसे जाना था और किसे पीछे छोड़ना था। हम केवल इतना ही कर सकते थे।

कम घायलों को ले जाना पड़ा और गंभीर रूप से घायलों को वहीं छोड़ना पड़ा।

अपने उत्सव में घायल होकर लौटे। पीछे रह गए लोग बच्चों की तरह रो रहे थे।

उन्होंने गिड़गिड़ाकर कहा कि उन्हें ले जाया जाए। वे छोटे बच्चों की तरह चिल्लाए, 'हमें गोली मार दो।'

हमें ज़हर दो! अगर तुम हमें छोड़ोगे तो हमें ज़हर दो, क्योंकि जापानी निश्चित हैं

हमें जान से मारने के लिए। नर्सों की आंखों में आंसू आ गए, और कुछ डॉक्टरों की आंखों में भी।

किसका दिल नहीं पिघलेगा? लगभग बीस साल का एक लड़का लुढ़क गया।

वह अपने बिस्तर से नीचे उतरा और मुझे खींचकर ले गया और मुझे जाने नहीं दिया।

उसने कहा, 'अच्छी बहन, मुझे बचाओ, मेरी जान बचाओ!' उसे गहरा घाव लगा था।

पेट में, और मुझे पता था कि वह यात्रा भी नहीं कर पाएगा।

घाट। मैंने उससे कहा कि मैं उसके लिए वापस आऊँगी, यह जानते हुए

मुझे लगा कि उसकी निश्चित रूप से मृत्यु हो जाएगी। जब मैं वापस आया, तो वह लगभग मर चुका था।

वह मृत पड़ा था, अभी भी फर्श पर पड़ा हुआ था और उसके मुंह से खून निकल रहा था।

उसने अपनी आँखें खोलीं, मुझे अजीब तरह से देखा और फिर उसकी मृत्यु हो गई। राइस

चारों ओर भूसा बिखरा पड़ा था। जब हम वहां से निकले, तब तक अस्पताल पूरी तरह से खाली हो चुका था।

लिलआरपी। एक सूअरबाड़ा, जिसमें ऐ घायल अवस्था में पीछे छूट गए थे और चीख रहे थे।

भयानक। यह उन घायलों की हत्या करने जैसा था।

सैनिक, और मेरा दिल पत्थर का नहीं था। दिन-रात एयू

हम घायलों को नाव तक ले गए। वहाँ केवल दो कारें थीं।

और हमें उन्हें खुद स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा।

अस्पताल से घाट तक कार से जाने में आधे घंटे से अधिक का समय लगता था, लेकिन पैदल जाने में कम समय लगता था।

हमें लगभग पूरा दिन लग गया, और हम चार लोग ही इसे उठा सकते थे।

एक-एक करके, और उनमें से कुछ बेहद भारी थे।"

“क्या आप महिला नर्सों ने स्ट्रेचर उठाए थे?”

हाँ, लेकिन पुरुष भी थे, और सभी को मदद करनी पड़ी। यह है...

अवर्णनीय, अकल्पनीय। सड़कों पर लोग थे

हम घबरा गए और हवा में बमवर्षकों की मदद करने लगे। लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके।

अगर हमें घाट तक पहुंचना ही था तो हमें उनके लिए रुकना पड़ता। मेरा जूता

मेरी एड़ियाँ फट गई थीं और मुझे नई एड़ियाँ नहीं मिल सकीं क्योंकि...

दुकानें बंद थीं। आपको एक कप चाय भी नहीं मिल सकती थी।

रेस्टोरेंट भी बंद थे। मैं उन दिनों को याद करने की हिम्मत नहीं करता।

दिन।"

आपने कितनों को बचाया?

लगभग पाँच सौ। डॉक्टर, डॉ. रॉबर्ट लिम, थे।

सबसे आखिर में एम्बुलेंस में सवार होने वालों में से एक। वह एम्बुलेंस चला रहा था।

खुद। यात्रा सबसे बुरा हिस्सा था। कोई नहीं था

बैठने या लेटने की जगह नहीं थी। हम नर्सों और डॉक्टरों को खड़े रहना पड़ता था।

चार दिनों तक जहाज़ पर ही रहना पड़ा। जब तक हम पहुँचे, तब तक कोई खाना नहीं था।

वुहू। कुछ लोग जो रोटी लाए थे, उन्होंने हमारे साथ बाँट ली।

और पीने का पानी भी नहीं था। हममें से कुछ लोगों ने एक रस्सी को बांधकर...

घायलों के लिए कील से पानी निकालने के लिए सिगरेट का डिब्बा।

यात्रा के दौरान उनकी मृत्यु हो गई, और उनके शवों को यूं ही फेंक दिया गया।

नदी। जब हम हैंकोव पहुंचे, तो मेरे पैर कमजोर हो गए थे और

फिर भी शरीर अजीब तरह से अकड़ा हुआ था, और मैं बड़ी मुश्किल से खुद को घसीट पा रहा था. . . .

उन बातों के बारे में न बोलना और न सोचना ही बेहतर है। यह कुछ ऐसा था जैसे

भयानक सपना।"

चिउहू का लहजा शांत और भावहीन था; वह सिगरेट पी रही थी।

अपनी धीमी, तेज़ आवाज़ में कहानी सुनाते हुए उसने सिगरेट का एक भी शब्द नहीं छुआ।

किसी भी तरह की वीरता। यह सब टैनी के लिए नया था, जिसका इससे बहुत कम संपर्क था।

आधुनिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं के साथ।

"लेकिन एयू के बाद," किहु ने निष्कर्ष निकाला, "हम अभी भी जीवित हैं। कोई नहीं

पीछे रह गए लोगों में से कुछ बच गए। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसके पास

उसके हाथों पर पड़े कठोर निशानों के कारण उसकी मौत हो गई, चाहे वह सैनिक था या नहीं।

जब गोल्ड लक मातृत्व किट लेकर लौटी, तो गीहु ने जलाया

अल्कोहल लैंप जलाया और उबलता पानी मंगवाया और साफ पानी मांगा।

कपड़े और अखबार। गोल्ड लक की मां, श्रीमती टिंग आईं।

और वह युच-ओ की मां वांग तानित्म के साथ दरवाजे पर खड़ी थी।

जिसने कहा कि उसने कई बच्चों को जन्म दिया है। टैनी, जिसने कभी नहीं

एक बच्चे का जन्म होते देखा, असहाय महसूस किया।

युमेई का दर्द आता-जाता रहता था, लेकिन फिर भी कोई संकेत नहीं दिख रहा था।

बच्चा। युमेई ने अपनी आहों को दबाने की कोशिश की, जैसा कि सभी महिलाएं करती हैं।

शर्मिंदगी के मारे, लेकिन कभी-कभी वह चीखने लगती थी।

यह और भी भयानक इसलिए लग रहा था क्योंकि इसकी जाँच की गई थी।

इसकी भयावह क्रूरता ने टैनी को भयभीत कर दिया।

कमरे को गर्म रखने के लिए एक स्टोव मंगवाया गया था, और जब वह

अंधेरे में एक दीपक जलाया गया।

युमेई का शरीर ऐसे हिल रहा था और करवटें बदल रहा था मानो उसे किसी यातना कक्ष में रखा गया हो। किउहू

वह वहीं खड़ा था।

"डॉक्टर से कहो कि इसे निकाल दें," युमेई कराहते हुए बोली। "और अगर यह..."

एक जापानी बच्चे को मार डालो।"

“यह तुम्हारे पति का बच्चा है,” टैनी ने उसके लिए शोक व्यक्त करते हुए कहा।

"तो फिर ये यातना क्यों? मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता।"

यह जल्द ही आएगा। धैर्य रखें। यह आपका बच्चा है और आपका...

पति का बच्चा।

“मुझे कैसे पता चलेगा?” युमेई ने कमजोर स्वर में कहा।

“मैं आपको बताता हूँ,” चियाहू ने कहा, “पेइपिंग के अस्पताल में, मैं

मैंने जापान में कई नवजात शिशुओं को जन्म लेते देखा है। वे बालों के साथ पैदा होते हैं।

उनकी छाती पर। इसलिए अगर यह एक अच्छा, साफ-सुथरा बच्चा है, जिसकी छाती पर बाल नहीं हैं।

जब आप उसकी छाती देखेंगे, तो आपको निश्चित रूप से पता चल जाएगा कि यह एक चीनी बच्चा है।

लेकिन युमेई को शायद सुनाई नहीं दिया। वह करवटें बदलती रही और उसका

उसने चिउहू को बाहों में जकड़ लिया। "डॉक्टर, मुझे बचाओ। मैं नहीं चाहती..."

बच्चा।"

वांग तमांग ने कहा, "बकवास मत करो। अफ्रीकी-अमेरिकी महिलाओं के पास..."

इस सब से गुजरना।"

घंटों वे बैठे रहे, जबकि मेज पर समय की गिनती जारी थी।

बच्चे के कूल्हे दिखाई दे रहे थे, लेकिन वे जकड़े हुए थे। चिउहू को लगा

मैंने मां की नब्ज जांची और पाया कि वह मजबूत थी।

आधी रात के करीब उसने कहा कि उसे बच्चे को ले जाना होगा।

बाहर आ जाओ। उसने अपनी पूरी ताकत से उसे बेहतर स्थिति में ले जाकर रख दिया।

बीस मिनट बाद उसने उसे बाहर निकाल लिया। जब काम पूरा हो गया, तो वह

पूरे शरीर पर पसीना आ रहा था। माँ गहरी नींद में सो गई। वांग

एम7

टेमियोफिग को यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि किउहू

एक अविवाहित लड़की, और वह सिर हिलाते हुए चली गई।

जब युमेई नींद से जागी, तो तान्नी उसके ऊपर झुकी और

कहा:

यह एक लड़का है, आपका बेटा और आपके पति का बेटा। इसमें कोई संदेह नहीं है।

उसकी छाती पर बाल हैं।

युमेई ने अपने बगल में लेटे बच्चे की ओर देखा और एक

प्यारी, शांत मुस्कान।

उस रात चिउहू टैनी के साथ बड़े महोगनी के पलंग पर सोई।

तान्नी किदिउ के कौशल और साहस से बहुत प्रभावित थी।

जैसे प्रसव की शारीरिक प्रक्रिया से। उसने क्रूरता के बारे में सोचा।

उस दिन उसने सुबह बमबारी का दृश्य देखा था।

और बिर&। अब वह समझ गई थी कि कामा का क्या मतलब था।

लाओ पेंग ने तान्नी के लिए बौद्ध धर्म के कुछ सूत्र खरीदे थे।

चान स्कूल; लंकावत्र सूत्र, छठे का प्रवचन

कैट्रियार्क और ज्ञानोदय का गीत। द लाइफ ऑफ लाई सिर्थ

शुरुआत में कुलपति में उनकी बहुत रुचि थी। लाओ पेंग ने ऐसा किया।

वह उसे बहुत जल्दी शुरू नहीं करवाना चाहता था, इसलिए उसने उसे श्लोक सुनाने को कहा।

ज्ञानोदय के गीत और नवयुवकों के लिए दब्याना से।

शांति और सुख पाने के लिए हमें किन चीजों से छुटकारा पाना होगा?

हम दुःख से मुक्ति पाने के लिए क्या करें? वह कौन सा विष है जो हमारे सब कुछ निगल जाता है?

विचार?

घृणा को त्याग दो और तुम्हें शांति और सुख मिलेगा। बालों को मार डालो।

और तुम्हें अब और दुःख नहीं होगा। घृणा ही है जो सब कुछ नष्ट कर देती है।

स्वास्थ्य. . . .

जन्म और मृत्यु के कष्ट तुम्हारी कामुक इच्छाओं के कारण हैं और

वासनाएँ। जब ये बच्चे बड़े हो जाते हैं तो वे दुश्मनों के निशाने पर आ जाते हैं।

तुम्हारा सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया है, और अंतिम सांस तक तुम कुछ भी नहीं कर पाओगे।

तू बर्फ में फंसा हुआ है।

तेरा मृत शरीर कितना सड़ चुका है; मृत शव कितना सड़ा हुआ है! इसके नौ

गुहाओं से तरल पदार्थ निकलते हैं, परन्तु हे मूर्ख, तू तो उससे ऐसे चिपटा रहता है जैसे कोई

m aggp t to excrement.

लेकिन हे सबसे बुद्धिमान, शरीर की शून्यता को जानकर

क्षणभंगुरता अपनी इच्छाओं के आकर्षण से गुलाम नहीं होगी, बल्कि ऊपर उठेगी।

उनके मोह से मुक्त होकर ही सच्चे निर्वाण का अनुभव होगा।

टान्नी ने इन्हें दोहराते हुए पाया कि ये समझना आसान था, लेकिन लाओ लोगों को ये बातें समझ नहीं आईं।

पेंग ने जादू-टोना सिखाने का इरादा किया। उन्होंने एक विकृत उपचार विधि बताई।

उसके लिए एक नियम। आत्मा की मुक्ति तो यहीं से आ सकती थी।

उसके शरीर का प्रशिक्षण।

पहाड़ियों पर और घाटियों में सैर करो।

जब तक आपके पैर थक न जाएं। इस घर को भूल जाइए। ऊपर बिग की ओर जाइए।

हानकोव, हन्यांग के बाहरी इलाकों में मंदिर के पीछे या पैदल यात्रा करें।

और वुचांग। जब आप हैंकोव में हों, तो वहां के लोगों के बारे में सोचें।

वुचांग में खाना खाते समय, वहां के लोगों के बारे में सोचें।

हैनकोव। शरीर मुक्त होने पर ही आत्मा मुक्त हो सकती है।

मुक्त रहो। जब तुम कछुआ पहाड़ी से लेकर पूरे रास्ते तक प्रतीक्षा कर सकते हो।

हानयांग से नदी पार करके वुचांग में स्नेक हिल तक।

और अगर आपको ज्यादा थकान महसूस न हो, तो मैं आपको और भी सिखाऊंगा।

टैनी को पैदल चलने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी, और वह आमतौर पर

कुछ मील चलने के बाद वह लौट आई। लेकिन लाओ पेंग ने उसे सिखाया था।

एक और बात: सुबह-सुबह बाहर जाकर पहाड़ी पर बैठना और

शाम के समय और चांदनी रातों में। उसे ऐसा करना आसान लगता था।

वह अक्सर बैठकर पहाड़ियों, नदियों और नौका विहार को निहारती थी।

बादल और नीचे घाटी में बसे शहर। गोधूलि बेला में वहाँ बैठे हुए,

उसके चरणों में शांत घाटी और भीड़भाड़ वाले शहर

ढलते सूरज की रोशनी में लिपटी हुई, उसने अपने मन को शुद्ध किया।

अक्सर उसके मन में पोया के विचार लौट आते थे, और वह सोचती थी

जीवन और मृत्यु के बारे में, युमेई और उसके बच्चे के बारे में, और उसके अपने सभी लोगों के बारे में

अपने अतीत में, कभी-कभी उसे लगता था कि वह एक अलग ही दुनिया में जी रही है।

सपना। लाओ पेंग ने उससे कहा था कि वह बस वहीं बैठे और अपने मन को शांत होने दे।

यह जहाँ चाहे बहती थी। यांग्त्से नदी अनंत काल तक बहती रही।

पूर्व दिशा में। येलो स्टॉर्क टॉवर एक हजार फीट ऊंचे तटबंध के ऊपर खड़ा था।

वर्षों पुराना। पश्चिम में डूबता हुआ सूरज वही सूरज था।

जो कल डूब गया था। कभी-कभी उसे यह अजीब लगता था कि

इस खूबसूरत जगह पर इतना दुख और पीड़ा होनी चाहिए

शाश्वत पृथ्वी। मनुष्य वास्तव में तुलना में बहुत छोटे थे।

शाश्वत पृथ्वी के साथ। उसने ट्रेनों को सीटी बजाते और हवा में सीटी बजाते देखा।

दूर से धुएं के सफेद गुबार उठ रहे थे। अगर दिन सुहाना होता, तो वह

सैकड़ों लोग दिखाई दे रहे थे, जो कीड़ों से भी छोटे थे — एक विचित्र दृश्य।

दो पैरों पर चलने वाले कीड़ों की एक प्रजाति - उनमें से सैकड़ों एक साथ उतरते हैं।

ट्रेनों से उतरकर और शहर में गायब होते हुए, जो एक

मधुकोश से बातचीत की।

दिन बीतते गए, पोया की ओर से कोई खबर नहीं आई।

उसकी चिंता बढ़ती गई और साथ ही वह निराश भी हो गई।

“जहाँ लालसा होती है, वहाँ पीड़ा होती है; लालसा का त्याग करो और

“आप धन्य हैं,” लाओ पेंग ने सूत्र का हवाला देते हुए कहा था।

बाहर से तो वह व्यस्त दिख रही थी। युमेई का बच्चा तेजी से बढ़ रहा था।

हालाँकि यह बहुत चिड़चिड़ा था और बहुत रोता था, और इसका

रात में रोने की आवाज़ से तान्नी की नींद खराब हो गई। किउहू उससे मिलने आई।

हर कुछ दिनों में, और कभी-कभी टैनी अस्पताल में मिलने जाती थी।

जहां उसकी मुलाकात चिउहू की कुछ सहेलियों से हुई।

किसी तरह यह खबर घर में मौजूद शरणार्थियों के बीच फैल गई थी।

युमेई का बच्चा जापानी था। कुछ लड़कों में से एक ने कहा कि...

युमी के कमरे में.

लड़कों में से एक ने कहा, "हम जापानी बच्चे को देखना चाहते हैं।"

युमेई ने बच्चे को गोद में लिया हुआ था, जो उसकी छाती से लगा हुआ रो रहा था।

“यह एक चीनी बच्चा है,” वह चिल्लाई। “तुम यहाँ से चले जाओ!”

लड़के बाहर भाग गए, लेकिन बच्ची रोती रही। युमेई थी।

वह चिढ़ गया था, क्योंकि वह बिना कारण बहुत रोता था।

उसने बेबसी से उससे कहा, "मैंने तुम्हें छह या सात बार खाना खिलाया है।"

आज भी तुम रो रही हो। कैसी भयानक बच्ची हो तुम!

क्या तुम्हें अपनी माँ को यातना देने के लिए भेजा गया है?" हर बार जब वह रोता था, वह

उसने उसे स्तनपान कराया। इससे वह एक पल के लिए शांत हो गया और फिर

वह फिर से रोने लगा। यह बच्चा सांवला और भारी था। युमेई

उसने उसके मल के हर हिस्से को देखा था, उसकी आँखों को, उसके कानों को, उसके

यह देखने के लिए कि क्या उसमें अपने पति से कोई समानता है। लेकिन

दूसरे सप्ताह में पहले की तुलना में कम समानता थी।

पहले तो उसे लगा कि उसने बच्चा बदसूरत और काले रंग का है।

उसकी आंखें भेंगी होने लगीं। उसके पति की आंखें भेंगी नहीं थीं।

आँखों में उसके पति का पंख नहीं था। क्या वह जापानी सैनिक था?

क्या उसकी आंखें भेंगी थीं? उसे याद नहीं था। शायद वह स्तनपान करा रही थी।

आखिरकार, वह एक जापानी बच्ची थी। उसने अंततः इस बात पर विश्वास कर लिया।

जापानियों की आंखें निश्चित रूप से भेंगी थीं। कभी-कभी जबकि

जब वह बच्चे को स्तनपान करा रही थी, तभी यह भयंकर संदेह उत्पन्न हुआ।

उसके मन में, और वह अचानक अपने स्तन को पीछे खींच लेती, और

वह मंदबुद्धि व्यक्ति और भी अधिक रोएगा, क्योंकि वह संतुष्ट नहीं होगा।

एक दिन गांव से कुछ बेचने आई एक महिला

लकड़ी जलाने के लिए, नवजात शिशु को देखने के लिए कहा।

“यह कितने साल का है?” उसने पूछा।

“चौदह दिन,” युमेई ने उत्तर दिया।

"इसमें बहुत तेजी से वृद्धि हुई है।"

“हाँ, वह रोता है, लेकिन वह बहुत चिड़चिड़ा है और वह हर समय रोता रहता है।”

समय नहीं मिलता। मुझे एक रात भी नींद नहीं आती।

“आखिरकार, एक जापानी बच्चा बाहरी लोगों से अलग होता है,” उन्होंने कहा।

महिला ने गंभीरता से कहा।

युमेई की कामुकता बढ़ती चली गई।

“तुम क्या कह रहे हो?” उसने गुस्से से पूछा।

उस महिला को एहसास हुआ कि उसने एक असभ्य टिप्पणी कर दी है और

उसने जल्दबाजी में माफी मांगी। “मैंने गांव में लोगों को यही कहते सुना था कि

आपका एक जापानी बच्चा हुआ है और मैंने सोचा कि मैं आपसे मिलने आ जाऊं।

उसे। हमें कभी किसी जापानी को देखने का मौका नहीं मिला। अब मुझे मौका मिला है।

मैं व्यस्त हूँ और मुझे वापस लौटना होगा।

युमेई उस महिला को कमरे से बाहर जाते हुए देखती रही। बच्चा

वह अब भी रो रही थी।

“उसे रोने दो। वह शैतान है!” तानी के आते ही वह चिल्लाई।

“वह भूखा है। तुम उसे खाना क्यों नहीं खिलाते?”

मैंने उसे खाना खिलाया है। मुझे नहीं पता कि उसके साथ क्या करना है।

उसे छोड़ दो।

सूखा •

युमेई की आँखों में आँसू भर आए और उसने उसे ऊपर उठाया और अपने हाथ ढीले कर दिए

उसने अपना स्तन बच्चे के मुंह से लगाया। लेकिन जब उसने

उसने नीचे उसकी ओर देखा, उसकी भेंगापन पहले से भी बदतर लग रहा था।

वह कांप उठी और उसने बच्चे को दूर रख दिया।

“मुझे पता है, यह पूर्वी महासागर का शैतान है,” उसने कहा। “मैं कैसे इसका सामना करूँगी?

क्या मैं शैतान के बच्चे को अपनी छाती से दूध पिलाऊँगी? वह बड़ा होकर बस यही करेगा...

उसकी माँ को यातना दो।

लेकिन वह भूखा है और आपको उसे खाना खिलाना होगा।

“उसे भूखा रहने दो। मैं उससे तंग आ चुका हूँ। मैं अब और नहीं।”

मुझे परवाह नहीं कि वह भूख से मर जाए। गांव में हर कोई यही कह रहा है।

वह एक जापानी बच्चा है।

इसलिए उसने अपने बच्चे को दूध पिलाने से इनकार कर दिया, और बच्चा

रोने लगा।

वह सो गई और फिर भूख से जाग गई और दोबारा रोने लगी।

“तुम अपने ही बच्चे को मार रहे हो,” तानी ने कहा।

जिसे परवाह हो, उसे उसे खाना खिला दे। यह मेरे पति का बच्चा नहीं है।

यह शैतान का बीज है।

लाओ फेंग को बुलाया गया और उसने गुस्से से कहा, "तुम हत्या कर रहे हो।"

आपका बेबी।"

मैं उसकी हत्या कर दूंगा। ... या आप उसे ले जा सकते हैं। वह एक

भेंगा शैतान, बाकी भेंगा शैतानों की तरह। उसे दे दो

जो भी उसे चाहे, मैं उसे ले सकता हूँ। मैं जीवन भर इस बोझ तले नहीं घसीटना चाहता।

इस शर्म के साथ। मैं उसके बिना बेहतर हूँ। मुझे उसे मार डालना चाहिए।

या तो वह बड़ा होकर मुझे मार डालेगा।

“तो फिर उसे मुझे दे दो,” लाओ पेंग ने कहा।

आप उसे अपने पास रख सकते हैं। वह बड़ा होकर आपको मार डालेगा।

युमेई अपने बिस्तर पर वापस लेट गई और फूट-फूटकर रोने लगी।

बेचारे बच्चे को, तान्नी ने गोद में उठाया और लाओ पेंग के पास ले गई।

कमरा।

लाओ पेंग ने उसे किसी भी महिला शरणार्थी को सौंपने की पेशकश की।

उसे नोचते तो थे, लेकिन कोई उसे छूता नहीं था। दूध भी नहीं था।

पहाड़ पर उपलब्ध था, और लाओ फेंग को इसके लिए संदेश भेजना पड़ा।

गाढ़ा दूध। उसे इससे पहले कभी किसी बच्चे को दूध पिलाने की ज़रूरत नहीं पड़ी थी, और ताओम

मुझे उसकी मदद करनी पड़ी।

“शायद यह एक जापानी बच्चा है,” टैनी ने फुसफुसाते हुए कहा। 'यह एक जापानी बच्चा है।

बदसूरत बच्चा। युमेई कहती है कि जापानी सैनिक की आंखें भेंगी थीं।

“अगर ऐसा है तो क्या होगा? हमें हत्या नहीं करनी चाहिए।”

और इसलिए बच्चे को लाओ पेंग के कमरे में रखा गया और तानी ने अपना समय वहीं बिताया।

वहाँ उसका अधिकांश समय उसके साथ बीता। लेकिन स्थिति बिगड़ गई-

संभव है। वांग तमांग ने कहा कि शायद बच्चे को इंडिकेशन हो गया था।

मैंने सुझाव दिया, लेकिन वह आकर मदद नहीं की, और बच्चे को...

उसे पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया जाए।

एक शाम, टैनी अंदर आई और उसने बच्चे को मृत पाया।

बिस्तर। बिस्तर की रजाई उस पर कसकर लिपटी हुई थी। उसने सुना।

और सांस नहीं चल रही थी; बच्चे का दम घुट गया था।

भयभीत होकर वह युमेई के कमरे में गई और उसे रोते हुए पाया।

वह अपने बिस्तर पर थी। उसने अपराधबोध से ऊपर देखा।

“तुमने कर दिखाया!” टैनी ने कहा।

“हाँ, मैंने कर दिया!” युमेई ने गंभीर स्वर में कहा। “जितनी जल्दी हो सके उसका

एक युवा जीवन का अंत हो गया, जो मेरे लिए अच्छा ही हुआ। लेकिन शर्मिंदगी भी साथ-साथ चलती रही।

मैं यहाँ हूँ। लोग पहले से ही मुझ पर हंस रहे हैं। लेकिन आप

इसके बारे में बताने की जरूरत नहीं है। बस कह दो कि बच्चा मर गया।

जब लाओ पेंग वापस लौटा, तो उसने अपने कमरे में मृत बच्चे को पाया।

और टैनी ने मुझे बताया कि क्या हुआ था। उसका मल बह गया।

क्रोध में आकर उसने कहा, “बेचारा छोटा प्राणी! इस प्रकार उसका जीवन समाप्त हो गया, जैसे कि...”

उसके पंखों के पापों का परिणाम। एक बुरा कर्म दूसरे बुरे कर्म को जन्म देता है। कैसे?

क्या वह इतनी निश्चित हो सकती थी कि वह उसके पति का बच्चा नहीं था?

तानी को लगा कि वह युमेई को मारने जा रहा है, लेकिन वह नहीं गया।

उसने बस इतना कहा, “जो हो गया सो हो गया! मुझे यह क्रूरता बिल्कुल पसंद नहीं।”

उसके दिल का।"

अब जब शिशु मर चुका था, उसने उसके नन्हे चेहरे को देखा और

छोटे-छोटे हाथ-पैर थे और हालांकि यह दयनीय था, फिर भी वह डरी नहीं थी।

क्योंकि बच्चा इतनी शांति से सो रहा था, और उसने उसे छुआ।

छोटे हाथों से आंसू टपक रहे थे। उसकी नज़रें लाओ पेंग से मिलीं।

मृत बच्चे का शरीर। उसका चेहरा शोक से भरा हुआ था, और

उसके पैर की हड्डियों पर बनी लकीरों को गहरा किया गया।

"हमें युमेई के लिए इस रहस्य को छुपाना होगा," उसने कहा। "पड़ोसी-

बोर्स ने आकर बताया था कि यह एक जापानी बच्चा है, और वह चाहती थी कि

शर्म से छुटकारा पाओ।

2-54

इसलिए जब लाओ पे युमेई से मिलने गए, तो उन्होंने बस इतना ही कहा।

“ये तो उस बच्चे के पाप थे। लेकिन तुम्हारा हृदय कठोर है, क्योंकि ये तुम्हारे अपने पाप हैं।

बच्चा, एयू के बाद।"

जब लोगों को यह खबर मिली, तो कुछ महिलाएं आईं

बच्चे को देखो, और सबने कहा कि यह दयनीय है, लेकिन यह भी था...

पाप से मुक्त, और उस व्यक्ति से जीवित रहने की अपेक्षा नहीं की जा सकती थी।

खैर। चूंकि वह एक छोटा शिशु था, इसलिए उसे जल्दबाजी में दफना दिया गया।

रात। युमेई अंतिम संस्कार देखने भी नहीं जाएगी।

अंतिम संस्कार पूरा होने के बाद, तान्नी लाओ पेंग के साथ लौट आई।

वह अपने कमरे में गया। उसकी मेज पर तेल का दीपक धीमी आंच पर जल रहा था।

“खैर,” उसने आह भरते हुए कहा, “अगर वह कोई जापानी बच्चा होता, तो आप

देखो कैसे एक बुरा कर्म स्वाभाविक रूप से दूसरे बुरे कर्म को जन्म देता है। पंख के पाप

निर्दोष बच्चे पर इसका दंड भुगतना पड़ता है। यही नियम है।

"कर्मापी

“क्या अब आप मुझे अपने बौद्ध धर्म के बारे में और विस्तार से समझाएंगे? कैसे?”

“क्या कोई व्यक्ति ज्ञान प्राप्ति की ओर अग्रसर है?” तान्नी ने कहा।

लाओ पेंग ने उसे स्थिर दृष्टि से देखा और कहा, "कुछ हुआ है।"

तेज हवाएं चल रही हैं, और मुझे लगता है कि बादल उड़ गए हैं।

अपने दिमाग से। मुझे लगता है अब आप समझ सकते हैं। आपके पास

मैंने उस बच्चे को जन्म लेते और मरते देखा है। आप सोच सकते हैं कि वह क्या है।

उन पर दया आती है, क्योंकि उनका जीवनकाल छोटा था जबकि हम उनसे लंबे जीवन की उम्मीद करते थे।

जीवन। लेकिन यह एक गलती है। 'एक लंबे जीवन की तुलना में क्या है?'

ब्रह्मांड? हम सब इस जीवन में पैदा हुए हैं, लेकिन हमने कभी जीवन को नहीं देखा।

बहुत प्रिय।

उन्होंने उसे आगे बताया कि ज्ञानोदय का आधार यह था कि...

जीवन को स्पष्ट रूप से देखो। लेकिन इसे दिल से देखने के लिए, व्यक्ति को इससे छुटकारा पाना होगा।

स्वयं की धारणा, स्वयं और दूसरों के बीच मूर्खतापूर्ण भेद,

बीच और पर्वत। यह ज्ञानोदय हमारे लिए संभव बनाता है।

emandpadon from aU दुःख और बुरी भावनाओं से। क्योंकि हम हैं

एक ऐसी दुनिया में रहना जो घटनाओं से भरी है, जो एक भ्रम है।

हमारी इंद्रियां और हमारी सहज बुद्धि। केवल इसी दुनिया में

व्यक्तिगतता और सामान्यता के बीच अंतर मौजूद है।

यह मूर्खतापूर्ण भ्रम ही मनुष्य की सभी भावनाओं, अवदी, क्रोध और

iofotuadons, और इसलिए घृणा और संघर्ष, भ्रामक आनंद और निराशा-

नियुक्तियाँ। केवल बुद्धिमान व्यक्ति, जो श्रेष्ठ प्रतिभाओं से परिपूर्ण हो,

देखता है कि इस तरह के मृत्यु के क्षण झूठे हैं। घटनाओं की दुनिया के लिए,

जहां एक व्यक्ति जन्म लेता है, दूसरों को जन्म देता है और मर जाता है, वह केवल एक

भ्रम। केवल मन का सार, स्वयं से भेद किए बिना।

»जे3

और अन्य, असंख्य प्राणियों और सार्वभौमिक sdˆ के बीच

यह सच है। डायमंड सूत्र कहता है कि यदि बुद्ध ने मेहमानों का मनोरंजन किया तो

स्वयं की, अन्य लोगों की और जीवित प्राणियों की धारणा को ठेस पहुँचती है।

यदि वह प्राणियों और सार्वभौमिक आत्मा से विमुख हो जाए, तो वह बुद्ध नहीं रह जाएगा। लेकिन

शरीर में जन्म लेने के कारण, हम इन मनमानी निर्णयों को मूर्खतापूर्ण ढंग से स्वीकार कर लेते हैं।

इन इंद्रिय भेदों से स्वयं को मुक्त करने के लिए।

आप और मैं, वैयक्तिकता और सामान्यता के संदर्भ में, हमें वापस उसी ओर लौटना है।

बुद्ध की उच्च बुद्धि। और इसी से एक ब्रह्मांडीय उत्पत्ति होती है।

दया और निस्वार्थ दान की भावना। "उसे दान का अभ्यास करना चाहिए।"

केवल वस्तुनिष्ठ उपहार ही नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव से दयालुतापूर्ण उपहार देकर।

आत्म-भ्रम और सहानुभूति से मुक्त होकर, व्यक्ति

वह उन सभी दुखों और पीड़ाओं से मुक्त हो जाता है जो उससे उत्पन्न होते हैं।

अहं, और अस्तित्व और गैर-अस्तित्व से परे मृत्यु क्षेत्र में प्रवेश करता है, और कर सकता है

बुद्ध के "महान कमल सिंहासन" पर विराजमान होने के आनंद का अनुभव

करें।

फिर टान्नी ने लाओ पेंग को अपने उस सपने के बारे में बताया जिसमें उसने एक छड़ी देखी थी, और

मैंने उससे इसका अर्थ पूछा। उत्तर के लिए उसने लंकामात्रा खोली।

सूत्र, और उसे निम्नलिखित पाठ पढ़कर सुनाओ:

विज्ञान (चेतना) अज्ञान, कर्म और इच्छा से उत्पन्न होता है।

और यह इंद्रियों के माध्यम से वस्तुओं को ग्रहण करके अपना कार्य करता रहता है।

जैसे कि ये, आदि, और उन्हें वास्तविक मानकर उनसे चिपके रहना; जबकि एक दुनिया

वस्तुओं और निकायों के बीच का अंतर उस भेदभाव के कारण प्रकट होता है जो होता है।

मन की दुनिया में ही स्थान, आदत-ऊर्जा (सिची) का कारण

अनादिकाल से झूठी कल्पनाओं द्वारा संचित, यह संसार

(विषय) क्षण-क्षण परिवर्तन और विनाश के अधीन है;

यह एक नदी, एक बीज, एक दीपक, हवा, एक बंद जगह की तरह है; एक बंदर की तरह जो है

abvtys बेचैन, उस मक्खी की तरह जो हमेशा अशुद्ध चीजों की तलाश में रहती है।

अपवित्र स्थान, उके एक आग जो लगातार गुनगुनाती रहती है। फिर से, यह स्के है

पानी खींचने वाला पहिया या मशीन, यह परिवहन के पहिये को घुमाता

रहता है।

प्रवास, विभिन्न प्रकार के शरीरों और रूपों को ले जाना, मृतकों को पुनर्जीवित करना

उके ने राक्षस वेताला को उकसाया, जिससे लकड़ी की मूर्तियाँ इस प्रकार हिलने लगीं मानो कोई जादूगर हो।

उन्हें स्थानांतरित कर दिया। महामति, इनके संबंध में पूरी समझ।

इस घटना को व्यक्तियों की निस्वार्थता को समझना कहा जाता है।

“अब आप समझ गए होंगे,” लाओ पेंग ने कहा, “कि बौद्ध धर्म को क्यों समझा जा सकता है।”

केवल उच्चतर ज्ञान का ही सहारा लिया, और यही कारण है कि ऐसा करना इतना कठिन है।

साधारण मनुष्य को इंद्रियों की त्रुटियों से मुक्त होना चाहिए।

अंतर। जो कुछ भी जन्म लेता है वह नष्ट हो जाता है; केवल मन ही कभी नष्ट नहीं होता।

क्योंकि यह जन्म और मृत्यु के चक्र से परे है, वास्तविकता से परे है।

यदि अस्तित्व और गैर-अस्तित्व।"

*54

तो क्या सारा जीवन व्यर्थ है?

शून्यता एक शब्द है। यह केवल शून्य होने के अर्थ में ही शून्य है।

गैर-सारगर्भित। लेकिन सारगर्भितता भी केवल एक शब्द है,

हमारी आदतों और ऊर्जा के कारण धारणाएँ बनती हैं। लोग निर्वाण को गलत समझते हैं।

शून्यता या अलगाव के रूप में। यह केवल व्यक्ति का समापन है।

"व्यक्तिगतता। हम एक सीमित, सशर्त दुनिया में जी रहे हैं, और हम

हम निरपेक्ष, बिना शर्त की कल्पना नहीं कर सकते। इसीलिए

हम कहते हैं कि यह 'खाली' है।

लेकिन तन्नी को कर्ण के सिद्धांत में अधिक रुचि थी।

वर्तमान जीवन के कारण-कार्य संबंध का नियम, और विशेष रूप से "पाप" में, या

Karma-idaikaaces {niebebof^.

लेकिन जन्म लेने के बाद, हमें कैसे जीना चाहिए? क्या आगे बढ़ते रहना गलत है?

जीना, शादी करना और बच्चे पैदा करना?

विवाह और प्रेम कर्म के नियम का हिस्सा हैं।

हमारे शरीरों में प्रेम और इच्छाएँ भी होती हैं, और प्रेम और इच्छाएँ ही सब कुछ लाती हैं।

उनकी अपनी निराशाएँ। कारा की दुनिया में रहते हुए, हम

काम के नियमों, पाप और प्रतिशोध के नियमों के अधीन हैं जो

इससे कोई बच नहीं सकता। कारण-कार्य का नियम सर्वत्र लागू होता है। जैसे-जैसे हम

जैसा बोओगे वैसा काटोगे। हमें जीना जारी रखना होगा, और अपने दम पर ही।

जीवन जीते हुए, हम अपना भविष्य निर्धारित करते हैं, ज्ञान की ओर बढ़ते हैं या डूबते हैं।

दुःख की अथाह गहराई में उतरते हुए। हमारा वर्तमान जीवन हमें बांधे रखता है।

प्रेम और घृणा, क्योंकि प्रेम और घृणा एक दूसरे के विपरीत पहलू हैं।

वही मेडल। तुमने मुझे बताया था कि तुम पोया से नफरत करते हो; ऐसा इसलिए था क्योंकि

तुम उससे प्यार करती थी, जैसा कि अब तुम जानती हो कि तुम उससे प्यार करती हो। हम सभी ने किया है।

दोस्तों, रिश्तेदारों और किसी न किसी प्रकार के व्यक्तिगत लगाव

एक और बात। इंद्रियों की इच्छाओं से पूरी तरह मुक्त होना है

असंभव। लेकिन इमोव के अनुसार, ऐसे प्रेम और घृणा के कारण होते हैं।

हमारी इंद्रियों और तुम्हारे और मेरे बीच के भेदों के द्वारा, यही प्राप्त करना है।

सभी प्राणियों के प्रति प्रेम की उस परम सुखमय अवस्था तक, जो दुखों से ऊपर सुरक्षित है।

व्यक्तिगत निराशाओं के बारे में।"

फिर उन्होंने उसे लाकावोफम में बुद्ध की स्तुति करना सिखाया।

स्क्रिप्टव्रे:

जैसे तू अपनी परिपूर्ण बुद्धि और करुणा से संसार को दुर्लभ बनाता है,

यह तुम्हें किसी ऐसी अलौकिक छवि की तरह प्रतीत होना चाहिए जिसके बारे में कोई कह नहीं सकता: यह है

जन्म के बाद, यह नष्ट हो जाता है, क्योंकि अस्तित्व और वर्तमान अस्तित्व जैसे शब्द इस पर लागू नहीं होते।

जब तुम अपनी परिपूर्ण बुद्धि और करुणा से संसार का अवलोकन करते हो,

यह तुम्हें किसी ऐसे सपने की तरह लग रहा होगा जिसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता: यह स्थायी है।

या फिर यह निष्पाप है, क्योंकि इस पर अस्तित्व और गैर-अस्तित्व का सिद्धांत लागू नहीं होता।

क्योंकि तुम सभी चीजों की समीक्षा पूर्ण आत्म-संवेदना और करुणा से करते हो,

*55

उन्हें ऐसा प्रतीत होता होगा जैसे वे उनकी पहुंच से परे की कल्पनाएं हों।

क्योंकि अस्तित्व और गैर-अस्तित्व का सिद्धांत उन पर लागू नहीं होता।

अपनी पूर्ण बुद्धि और करुणा के साथ, जो जन्मजात होती है...

हे सीमा, तू वस्तुओं और व्यक्तियों की अहंकारहीनता को समाहित करता है, और

जुनून, ज्ञान और आत्म-प्रशंसा की बाधाओं से मुक्त और स्पष्ट।

तुम निर्वाण में विलीन नहीं हो सकते, न ही निर्वाण तुममें समाहित हो सकता है।

निर्वाण ज्ञान और ज्ञात, अस्तित्व की सभी अस्पष्टताओं से परे है।

कुछ भी नहीं।

जो लोग इसे इस प्रकार, शांत और दृढ़ अवधारणा के साथ देखते हैं, वे मुक्ति प्राप्त करेंगे।

आसक्ति से मुक्त होकर, व्यक्ति सभी अशुद्धियों से मुक्त हो जाएगा, चाहे वह शारीरिक हो या शारीरिक।

संसार में और आध्यात्मिक जगत में भी।

इस संसार में, जिसका स्वरूप स्वप्न के समान है, प्रशंसा के लिए स्थान है।

और दोष का स्थान। लेकिन परम वास्तविकता में, धर्मक्य

जो इंद्रियों और विवेकशील मन से परे है, वह क्या है?

हे सबसे बुद्धिमान! क्या प्रशंसा करनी है या निंदा?

अध्याय सोलह

दयालु बुद्ध ने इसे विशेष रूप से बनाने की इच्छा की होगी।

टान्नी के लिए यह दुखद था। उसे बहुत देर से पत्र मिला था।

पोया ने 3 फरवरी को एक टेलीग्राम भेजा था।

और एक शोक संदेश भी भेजा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया।

उसे लगा था कि पोया के लिए उसका प्यार खत्म हो गया है, लेकिन अब वह फिर से जागृत हो गया था।

और उसका मन बेचैन था।

युमेई के कारावास के मानसिक तनाव के बाद, और फिर

बच्चे की देखभाल और उसकी मृत्यु के बाद, उसे शारीरिक कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया था।

और उसके पास समय था। लेकिन निष्क्रियता एक परेशान मन के लिए बुरी होती है।

लाओ पेंग ने देखा कि वह दुबली और पीली पड़ गई है। उन्होंने उसे दवा दी।

पैदल चलना एक व्यायाम है, और यह स्वच्छता के सामान्य ज्ञान संबंधी कारणों से भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आध्यात्मिक मुक्ति की गहरी सच्चाई यह है कि यह सांसारिक बंधनों से मुक्ति दिलाती है।

दुःख शारीरिक मुक्ति के माध्यम से ही प्रकट होना चाहिए।

जीव-जंतुओं के समूह पर निर्भरता। जिस आत्मा को बचाना था, उसे

उन्हें एक कैडेट की तरह शिविर में कठोर प्रशिक्षण से गुज़ारा जाता है।

और जैसे

प्रशिक्षण ले रहा कैडेट अपने चिंतनशील क्षणों में उत्सुकता से देखता है

सामान्य नागरिक जीवन, अतः इस संसार की वस्तुएँ, और शहरी जीवन,

उनके अनुपात और अर्थ को बदलकर एक साधु के जीवन में बदल दें।

पहाड़। एक लापरवाह आत्मा केवल एक लापरवाह शरीर में ही रह सकती है।

z)6

जिसे अक्सर तपस्या के नाम से जाना जाता है। जैसे कि पुत्र

Bnliˆtenment कहता है:

वह अकेले ही एकांत में घूम रहा था।

एकदम सही व्यक्ति इठलाता हुआ आगे बढ़ता है

निर्वाण का एकमात्र और सार्वभौमिक ऋषि

उच्चतर आत्मविश्वास और शांत मन के साथ।

उसके चेहरे पर दुबलेपन के भाव थे और हड्डियां मजबूत थीं।

वह अकेले ही जाता है।

एक महिला के लिए तपस्या करना एक पुरुष की तुलना में अधिक कठिन होता है, खासकर

जब वह गर्भ धारण कर लेती है। जब आत्मा दबाना चाहती है

शरीर के मामले में, यह स्त्री के मूल नियमों का ही खंडन और विरोध करता है।

अस्तित्व। मां के गर्भ में विद्यमान जीवन शक्ति, मजबूत और

विकास और पोषण के लिए भूखा, अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है।

और वह इनकार करने से इनकार करता है, जीवन जितना ही प्राचीन नियमों का पालन करता है।

यह मांग मां के शरीर में स्थानांतरित हो जाती है और उसे रूपांतरित कर देती है।

उसकी पसंद, उसकी भूख, उसके मिजाज और भावनाएं। भ्रूण ही तय करता है।

मां को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। भ्रूण की मांगें

शांति और विश्राम सर्वोपरि हैं। इन कानूनों का उल्लंघन होने पर...

भ्रूण अपनी माँ से जितना संभव हो उतना ग्रहण करता है और उसे अपनी ओर आकर्षित करता है।

मां की परवाह किए बिना शरीर में मौजूद सभी पोषण तत्व।

बौद्ध धर्मग्रंथों के अध्ययन में केवल तन्नी के अध्ययन में ही परिवर्तन आया।

जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण। वह इस बात से अनजान थी कि उसकी आत्मा के अलावा...

उसके भीतर एक और आत्मा जागृत हो उठी थी, जैसे कोई हलचल हो रही हो।

एक सुबह वह थोड़ी देर टहलने के लिए बाहर गई। जैसे ही वह आगे बढ़ी,

बर्नर की झोपड़ियों से आगे बढ़कर वह खड़ी पहाड़ी रास्ते पर चढ़ रहा था।

बड़े मंदिर की ओर जाते समय, उसे अचानक कमजोरी महसूस हुई और वह गिर पड़ी।

सड़क पर। उसे किसी ने नहीं देखा था। जब उसे होश आया, तो उसने कोशिश की...

उठो। एक लकड़हारा वहाँ से गुजर रहा था और उसने उसे जमीन पर बैठे देखा।

उसका मल और होंठ सफेद थे, और वह समझ गया कि वह बीमार है और उसने उसकी मदद की।

उसे घर की ओर वापस ले जाया गया।

वह अपने कमरे में गई और बिस्तर पर लेट गई, जबकि युमेई

इजा पेंग को फोन करने गया।

लाओ पेंग आकर तानी के बिस्तर पर बैठ गया; उसका बाइस कोमल था

चिंता।

"मैं पहाड़ी पर चढ़ रही थी और अचानक मुझे चक्कर आने लगे," उसने

कहा।

जब मुझे होश आया, तो एक लिफ्ट मांगने वाले ने मुझे घर तक पहुँचाने में मदद की।

वह एक मिनट तक चुपचाप उसे देखता रहा, मन में कई विचार लिए हुए।

कुछ बोला नहीं जा सका। अंत में उसने कहा: “तुम्हें बाहर नहीं जाना चाहिए।”

अब और खुद को थकाओ मत, टैनी। और खुद को थकाना मत।

*57

उसने अपने हाथों से अपना मल दबा लिया। युमेई आई और उसके ऊपर खड़ी हो गई।

उसने बिस्तर पर लेटकर कहा: "शायद सियाओबीब के शरीर में खुशी है।"

इस पर तानी ने अपनी नज़र वली की ओर घुमाई और तब तक रोती रही जब तक...

कंधे कांप रहे थे।

इयाओ पेंग बिना कुछ कहे, बेहद चिंतित दिखते हुए चली गई, और

जाकर उसने खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया।

दो रात बाद, तानी आई और लाओ पेंग के दरवाजे पर दस्तक दी।

जब उसने दरवाजा खोला, तो वह सिर झुकाए अंदर आई।

बांस की मेज पर तेल का दीपक रखा था। खिड़की के बाहर...

हवा से पत्तियाँ सरसरा उठीं। वह उसके बिस्तर पर बैठ गई, क्योंकि वहाँ

केवल एक ही डायरी थी।

“तुम क्या करने वाले हो?” उसने पूछा।

उसने ऊपर एमएम की ओर देखा, उसकी आँखें चमक रही थीं। उसकी नज़रें

उसने सीधे-सीधे बात कही, लेकिन जवाब नहीं दिया।

मुझे लगता है आपको चिंता नहीं करनी चाहिए। पोया से एक पत्र आ सकता है।

जल्द ही।"

लगभग तीन सप्ताह बीत चुके हैं, और अभी तक एक भी खबर नहीं आई है।

उसे।"

“मुझे पता है, वह लिखकर जीत जाएगा और तुम्हारे पास आएगा,” लाओ ने कहा।

पेंग लगातार।

“अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो मैं गिउहू जाऊंगी,” उसने कहा।

उसके चेहरे पर व्याप्त भय से स्पष्ट था कि वह समझ गया था कि वह क्या कहना चाहती है।

“हाँ,” उसने आगे कहा, “अपने बौद्ध धर्म के बावजूद, आप ऐसा नहीं कर सकते।”

समझना। एक आदमी कभी नहीं समझ सकता। बोझ

शरीर को महिलाएं धारण करती हैं। चिहू ने अन्य महिलाओं के लिए भी ऐसा किया है।

उसने मुझे बताया, और वह मेरे लिए यह कर सकती है।"

मैं पोया को फिर से लिखूंगा। वह आएगा।

लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करता तो?

“तुम्हें जीवन का विनाश नहीं करना चाहिए। मैं इसकी अनुमति नहीं दूंगा,” लाओ पेंग ने कहा।

स्पष्ट पीड़ा में।

“एक बच्चा जिसका नाम पिता का नाम ही नहीं!” उसने कड़वाहट से कहा। “हाँ, ऐसा ही है।”

कर्ण का यह नियम बहुत ही रोचक है: ‘पक्षियों के पाप’

'उसके वंशजों पर विवश हुआ।' मैं अपनी माँ का नाम धारण करता हूँ, और मेरा

वह बच्ची मेरा नाम धारण करेगी, और यदि वह लड़की हुई तो उसकी संतान भी मेरा ही नाम धारण करेगी।

त्सुई — त्सुई वंश का एक राजवंश

लाओ पेंग उठे और इधर-उधर टहलने लगे। "ज़रूर कोई न कोई रास्ता होगा।"

अभी खबर नहीं आई है। पोया के बारे में खबर जल्द ही आएगी।

“उन्होंने पिछले दिसंबर से मुझे पत्र नहीं लिखा है। लगभग

अब तीन महीने हो गए हैं।"

वह रुका और उसकी निगाहें उसे ध्यान से देखती रहीं, और उसने कहा:

जेड 58

"इसका जन्म होना चाहिए, और इसका एक नाम होना चाहिए। एक रास्ता है।"

बाहर,'*

"वहाँ जाने का रास्ता कौन सा है?"

"तन्नी—अगर पोया से कोई खबर नहीं आती है—तो क्या आपको आपत्ति होगी अगर..."

बच्चे का नाम पेंग है?

अंत में उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई। उसने उसकी ओर ऐसे देखा मानो

वह विचारों के एक नए आयाम से चकित थी, जो उसकी समझ से परे था।

"क्या आप इसे मुझे बलिदान के रूप में दे रहे हैं?"

"टैनी, शायद मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था... मैं पेशकश कर रहा हूँ।"

तुम तो सिर्फ बच्चे का नाम हो। मैं तुमसे प्यार करने की उम्मीद नहीं कर सकती।

"क्या तुम मुझसे शादी करने का प्रस्ताव दे रहे हो— मुझे शर्मिंदगी से बचाने के लिए?"

नहीं। मैं तुम्हारे लिए बहुत बूढ़ा हूँ, लेकिन मैं इतना बूढ़ा नहीं हूँ कि—

मैं आपकी सराहना करता हूं और आपको महत्व देता हूं - मुझे यह कहने का कोई अधिकार नहीं है।

वह रुक गया। उसने उसके मल पर भावनाओं का एक विरोधाभास देखा।

कृतज्ञता, श्रद्धा और खुलकर शर्मिंदगी महसूस करना।

“तुम्हें समझना होगा,” उन्होंने कहा। “हमें पोया का इंतजार करना होगा।”

तुम उससे प्यार करते हो, और यह उसका बच्चा है। लेकिन अगर वह नहीं आता, अगर वह

उसने अपना मन बदल लिया...

धीरे-धीरे उसने अपना सिर उसकी ओर उठाया और सहमति में सिर हिलाया। उसने उसे गले लगा लिया।

हाथ।

"तो फिर आप ऐसा करेंगे?"

"हाँ मैं करूँगा।"

लेकिन जैसे ही उसने उसका हाथ दबाया, उसे पता चल गया कि उसके लिए यह सिर्फ हाथ से कहीं अधिक था।

त्याग करना।

अचानक उसने अपना हाथ पीछे खींच लिया और कमरे से बाहर चली गई।

♦ *

♦

पोया के मन में टैनी के वे शब्द गूंज रहे थे जो उसने उससे पहले फोन पर कहे थे।

उसके चले जाने से इस बात में कोई संदेह नहीं रह गया था कि उसने पूरी तरह से गलत समझा था।

वह उसके सामने खड़ी हो गई। “मैं तुम्हारी रखैल थी। अब मैं एक रखैल औरत हूँ।”

बस, अब और नहीं, न तुम्हारे लिए, न किसी और के लिए... मजे करो!

सियांग्युन। वह तुम्हें चाहती है।” उसके पैर, जैसा उसने सोचा था...

उसे "सूअर" कहकर बुरा-भला कहने से वह क्रोधित नहीं हुआ; इससे तो बस यह पता चला कि

वह कितनी बेताब थी और वह उससे कितना प्यार करती थी।

"मैं उसे दोष नहीं दे सकता," उसने मन ही मन कहा।

उसके प्रति उसके प्यार को लेकर पूरी तरह आश्वस्त होकर, उसने अपनी अधीनस्थ अफेई को बताया कि...

गलतफहमी को दूर करते हुए उसने कहा: "उसने मुझे सूअर कहा," और

यह कहानी सुनाते हुए वह हंस पड़ा।

लेकिन जब कई दिन बिना उसकी ओर से कोई खबर आए बीत गए, और नानकिंग

वह गहरे अवसाद में डूब गया, उसकी निजी परेशानियाँ

उसके मन में राष्ट्रीय त्रासदी की छवि उभर रही थी। झूठ का पतन।

राष्ट्रीय राजधानी उनके लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, लेकिन पिछले कुछ समय में इसकी रक्षा करना उनके लिए चौंकाने वाला था।

दिन बेहद खराब थे। जब वुहू, जो कि रिवेट से सत्तर मील ऊपर है,

नानकिंग के पतन से तीन दिन पहले कब्जा कर लिया गया था, पीछे हटने के दौरान

नदी के दक्षिणी किनारे पर आगे बढ़ रही ओइन सेना का संपर्क टूट गया।

नानकिंग की रक्षा के लिए छोड़े गए एक लाख सैनिक थे

नानकिंग को शीर्ष पर रखते हुए, एक त्रिकोण में फंसा हुआ, मोड़ पर

यांग्त्से नदी, जो उत्तर में रिवेट और पीछा करने वाले हिस्से से घिरी हुई है।

दक्षिण दिशा में शत्रु।

राजधानी की रक्षा का जिम्मा जनरल तांग को सौंपा गया था।

शेंगधी, जिन्होंने असंभव को संभव करने का स्वेच्छा से बीड़ा उठाया।

जनरल पाई त्सुंगशी की सलाह के विरुद्ध। उल्लंघन के बाद से

सूचो में किनी वंश, किनी आश्रम बन गया था

हार। रक्षा बलों में तीन अलग-अलग सेनाएँ शामिल थीं,

क्वमंगसी सेना, कैंटोनीज़ सेना और सिचुआन सेना,

और कुछ केंद्रीय मशीनीकृत इकाइयाँ, जिन्हें हालांकि, रखा गया था

शहर के भीतर। व्यक्तिगत वीरता अनुपस्थिति में काम नहीं आ सकी।

सक्षम स्टाफ कमान का। एक पूरी कैंटोनीज़ बटालियन

राजधानी के पूर्वी अग्रभाग में स्थित एक पहाड़ी की रखवाली करते हुए, और

दुश्मन की गोलीबारी के बीच फंसे, आखिरी आदमी तक लड़े। बटालियन

पूरी पहाड़ी आग की लपटों में घिरी हुई थी और वह बुरी तरह जलकर मर गया।

अन्य सैनिक सड़कों पर मोर्चा संभालने के लिए शहर की ओर लौट गए।

लड़ाई के दौरान, उन्हें पता चला कि जनरल तांग बिना किसी के साथ चले गए थे।

रक्षा के लिए आदेश छोड़कर। सेना एक शरीर की तरह ढह गई।

बिना मुखिया के। क्वांगसी सेनाएँ मुख्य मार्ग पर आगे बढ़ने में सक्षम थीं।

उन्होंने एक इकाई के रूप में मिलकर पश्चिम की ओर भागने का फैसला किया।

सैनिकों ने अपने हथियार और वर्दी त्याग दिए और शरण मांगी।

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र को पार कर लिया, या भाग रहे लोगों के साथ नदी पार कर ली।

आम नागरिकों को नौकाओं, नावों और अन्य सभी संभावित साधनों द्वारा ले जाया गया।

किसी तरह गुजारा चल रहा था। पूरे क्षेत्र में कोई संगठित परिवहन व्यवस्था नहीं थी।

रिवेट, लेकिन कोई भी सिस्टम इसके साथ टूट जाता।

एक लाख लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे थे, और इंतज़ार कर रहे थे...

कुछ सौ नावों को पार ले जाने के लिए बैंक। द्वार साफ-सुथरे हैं।

सियाकवान में रुकी हुई ट्रकों और खराब कारों की भरमार थी, और

कुचले हुए, बदबूदार पुरुषों और महिलाओं के शव ऊंचे ढेर होते जा रहे थे।

ऊँचाई पर, सभी यातायात अवरुद्ध। जो लोग पहुँचने में सफल हुए

उन्होंने अपनी किस्मत पर शुक्रिया अदा किया।

नानजिंग की असफलता की खबर से दुखी पोया के लिए,

चीन के लिए सबसे कठिन परीक्षा का समय आ गया था। तीन या चार लोगों की तलाश की जा रही थी।

शंघाई के युद्धक्षेत्रों में हजारों सैनिकों ने अपनी जान गंवाई थी।

जेड6ओ

जिसमें केंद्रीय सेना के कई प्रभाग शामिल हैं। प्रांतीय

लहर को रोकने के लिए भेजे गए सैनिक इस कार्य के लिए अपर्याप्त थे।

सूओ के आसपास का इलाका तब ढह गया जब एक दर्जन जापानी सैनिकों ने हमला किया,

बरसात की शाम में रेनकोट पहनकर खुद को छिपाते हुए, बस

उन्होंने शहर के द्वार पर दस्तक दी और उन्हें सहर्ष प्रवेश दिया गया।

उत्तर-पूर्व से आए संतरी, जिनका अनुशासन

बेहद दुखद। ऐसी सेना के सामने किसी भी तरह का बचाव असंभव था।

सबसे कमजोर बिंदु पर जंजीर की तरह टूट गया।

अंतर्राष्ट्रीय परिसर से होकर गुजरती जापानी विजय परेड-

शंघाई की घटना ने पोया को नाराज कर दिया, जैसा कि चीनी जनता को भी हुआ।

क्या चामियों का मनोबल इस भीषण आघात को सहन कर पाएगा? क्या

क्या चीनी सेना अंतर्देशीय क्षेत्रों में अपनी रक्षा पंक्ति को पुनः स्थापित करने और मजबूत करने में सक्षम है?

पोया की कागजी रणनीति और व्यापक योजना दोनों ही गड़बड़ाने लगीं।

मानवीय परिस्थितियाँ चीन के खिलाफ थीं। अगर वह शांति की अपील करती, तो सब कुछ खत्म हो जाता।

और चीन एक स्वतंत्र, संप्रभु राष्ट्र के रूप में नष्ट हो जाएगा।

लेकिन पोया ने गलत अनुमान लगाया, जैसा कि जापानी उच्च कमान ने किया था। अगर

जापानी सेना पीछा करते हुए हवाई तक पहुंच सकती थी।

चीन के उबरने की संभावना बहुत कम होगी। लेकिन

जापानी सेना का पतन विजेताओं की तुलना में कहीं अधिक शर्मनाक था।

ये सेना पराजित होकर बिखर गई। इसने अपने आप को भ्रष्ट कर लिया।

एक ऐसा तरीका जिसने इसे आगे बढ़ने में असमर्थ बना दिया, और इससे प्रेरणा ली।

जापानी सेना के कमांडर-इन-चीफ, इवान मात्सुई,

टिप्पणी: जापानी सेना सबसे अनुशासनहीन सेना है।

दुनिया।” टोक्यो में एक जापानी प्रवक्ता कह रहे थे कि

युद्ध दूर-दूर तक समाप्त हो चुका था, लेकिन जापानी सेना अपने पीछे हटने को तैयार थी।

हैनकोव तक का फायदा, जो अपेक्षाकृत आसान होता।

उस समय। यांग्त्से नदी के किनारे-किनारे आगे बढ़ना एक

तीन या चार सप्ताह की बात है, और वास्तविक मशीनीकृत इकाइयाँ,

जर्मन ब्लिट्जक्रीग शैली में, दो सप्ताह में हैंकोव पर कब्जा किया जा सकता है।

जापानी सेना की वास्तविक स्थिति को देखते हुए, ऐसी कोई योजना बनाना असंभव था।

यह संभव है, भले ही अधिकारियों ने इसका आदेश दिया हो। यह एक सैन्य गलती है।

जिसे कोई ज्ञात शक्ति रोक नहीं सकती थी, ने चीन को मौका दिया

सदमे से उबरने और अपनी सेनाओं को फिर से संगठित करने के लिए, ताकि अप्रैल में,

चार महीने बाद, चीन अपने दुश्मन को करारी हार देने में सक्षम हो गया।

ताइरचुआंग में दुश्मन पर पराजय। इसी से निर्णायक अंतर उत्पन्न हुआ।

पूरे युद्ध के दौरान जीत और हार के बीच का अंतर बना रहा।

पोया ने तानी को पत्र भेजने के बाद उसके जवाब का इंतजार किया।

काफी आत्मविश्वास से। लेकिन जब उसे कुछ सुनाई नहीं दिया, तो उसने दूर हटकर...

उसे पछतावा हुआ। शायद वह कभी उसकी बात पर विश्वास नहीं करेगी।

ई`इयानाडोन। अपने अधीनस्थ, अफ़ेई से परामर्श करने के बाद, उसने अपना निर्णय लिया।

z6i

उसके साथ उसके संबंध की पूरी कहानी सामने आने तक इंतजार करना होगा।

देशद्रोहियों का मामला संतोषजनक ढंग से सुलझ गया था। वह अब भी उससे प्यार करता था, लेकिन वह

जब तक वह स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट न हो जाए, तब तक मैं उससे शादी करने के बारे में सोच भी नहीं सकता था।

समझाया। इसलिए जब उनका पत्र इस वजह से लौटा दिया गया

गलत पते के कारण, उन्होंने केवल लाओ पेंग को पत्र लिखा और उसके साथ संलग्न किया।

सीलबंद लिफाफे में मूल पत्र, बिना कुछ जोड़े।

पत्र लिखकर या फिर उसे अपना प्यार भेजकर।

इस प्रकार लगभग पूरे दो महीनों के दौरान पोया ने hpqtj नहीं किया था

क्या लाओ पेंग तानी से, या लाओ पेंग से बहुत गुस्से में थे?

क्या वह टैनी की वजह से उसके साथ था? वे दोनों साथ में क्या कर रहे थे?

वे दोनों एक साथ पेइपिंग से निकले थे, और एक साथ शंघाई की यात्रा

पर गए थे।

और अब वह उससे मिलने के लिए हैंकोव गई थी। उसे एक हवा का झोंका महसूस हुआ।

अपने मित्र के प्रति ईर्ष्या और कभी-कभी मन में बुरे विचार भी आ जाते थे।

अगर उसका पुराना दोस्त उससे मोहित हो जाए तो यह मजेदार होगा।

टान्नी, बिल्कुल उसकी तरह। वह खुद प्लेटोनिक प्रेम में विश्वास नहीं कर सकता था।

मित्रता। अगर लाओ पेंग उसके शारीरिक आकर्षण के आगे नहीं झुकता, तो वह

वह उसके स्नेहपूर्ण भाव या उसके प्रति उसकी भक्ति के आगे झुक सकती है।

और उनके काम के प्रति भी। यह एक सरल, सहज प्रेम कहानी थी, अगर इसे प्रेम कहानी कहा जाए तो।

वह कभी लाओ पेंग पर शक नहीं करती थी, और वे कभी थके नहीं थे।

एक दूसरे के बारे में। उसे यकीन था कि लाओ पेंग उसे...

निर्दोष, क्योंकि लाओ पेंग किसी के बारे में बुरा सोचने में असमर्थ था।

लेकिन उसे यकीन था कि तान्नी लाओ पेंग से उसके कारण प्यार नहीं करेगी।

आयु।

अपनी उलझन में उसने ध्यान भटकाने के लिए दूसरों की संगति में जाना शुरू किया।

सियांग्युन। उसका सीधा-सादा सांसारिक दृष्टिकोण उसे मनोरंजक लगा,

और वह नहीं।

बहुत कुछ मांगना। वह उसे शांत भाव से देखती थी।

उसे उस पर अपना पूरा नियंत्रण होने का पूरा भरोसा था और उसने कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया जैसे कि वह

उसे लगा कि उसे उससे प्यार हो गया है। उसमें एक अलग ही आकर्षण था।

पुराने जमाने की औरतें, यहाँ तक कि उनकी बेडरूम की तकनीक और पुरानी बातें भी वैसी ही हैं।

नखरे; उसकी कामुकता और दमित भावनाओं का संयोजन, लेकिन

उनकी सर्वव्यापी विनम्रता ने उन्हें एक विशेष आकर्षण प्रदान किया।

मर्डी ने प्रेम-प्रसंग की प्राचीन तकनीक का अनुसरण किया, और उसे पुकारा।

“ता-टीडी” और अन्य प्रेमपूर्ण अभिव्यक्तियों का उपयोग करना जो केवल पाए जाते थे

पुरानी कहानियों की किताबों में। और न ही उसने उसके साथ वैसा व्यवहार किया जैसा उसने टान्नी के साथ किया था।

वह उसके लिए महंगे उपहार नहीं लाता था। एक दिन जब उसने उसे उपहार दिया

उसने उसे सौ डॉलर दिए, उसने उसे इस तरह से धन्यवाद दिया जो सबसे अद्भुत था।

अपमानजनक। दोनों पक्षों ने इसे एक अच्छा सौदा माना, और

पोया को यह देखकर काफी राहत मिली कि सब कुछ इतना सरल था।

कभी-कभी टान्नी का जिक्र होता था, और एक बार उसने कहा था कि

तान्नी और लाओ पेंग, जिन्हें उसने कभी नहीं देखा था, के बारे में उसकी

राय थी कि वे

वे निश्चित रूप से साथ रहेंगे, क्योंकि वह इसके अलावा कुछ और सोच ही नहीं सकती थी।

“तुम चुप रहो!” पोया ने गुस्से से कहा।

"लेकिन अगर वह उससे प्यार नहीं करती थी तो वह हैंकोव में उसके पास क्यों गई?"

लेकिन आप लाओ पेंग को नहीं जानते। वह मेरा दोस्त है।

“मैंने आज तक ऐसा कोई पुरुष नहीं देखा जो किसी महिला का विरोध कर सके,” उसने कहा।

उसने कहा, "एक भिक्षु भी नहीं।"

सियांग्युन के पास भिक्षुओं का मजाक उड़ाने वाली कई मजेदार कहानियाँ थीं।

यह सुनकर वह हंस पड़ी और उन्हें बताने लगी। वे हमेशा खेलते थे।

पुरुषों या महिलाओं की कथित संतता के विषय पर,

विशेषकर ताओवादी अमरजनों और संत विधवाओं के बारे में, और

हमेशा एक दिल दहला देने वाले चरमोत्कर्ष के साथ समाप्त होता था।

उन्होंने जो कहानी सुनाई, उनमें से एक कहानी एक युवा विधवा बहू की थी।

हाल ही में किसी अपने को खो चुकीं सास को एक सम्मान प्राप्त हुआ था।

सम्राट से उसके पवित्र विधवा जीवन के लिए, और युवा

बहू ने उससे पूछा कि उसने यह कैसे किया। सास ने...

लॉ ने उसे तांबे के सिक्कों से भरा एक थैला दिखाया, जो बहुत घिसकर चिकने हो गए थे और

चमकीला। बहू ने पूछा, "यह कैसा है?" "अच्छा है," उसने कहा।

बूढ़ी विधवा ने कहा, "जब तुम्हारे ससुर की मृत्यु हुई, तो मुझे रात को नींद नहीं आई।"

रात। अपने मन को शुद्ध रखने के लिए, मैंने सिक्कों से भरा यह थैला ले लिया।

और मैंने लाइट बुझा दी और उन्हें फर्श पर फेंक दिया। मुझे टटोलना पड़ा।

उनके लिए अंधेरे में फर्श पर, और वहाँ सौ लोग थे।

उन्हें। जब तक सेअर्द खत्म हुआ, मैं बहुत थक गया था और मुझे नींद आ रही थी।

मैं बिस्तर पर गया और सो गया। मैंने अपनी पढ़ाई के दौरान हर रात एक्सिस का अभ्यास किया।

दस साल तक मैंने अपनी युवावस्था को पवित्र बनाए रखा। इसी तरह मैंने अपनी पवित्रता बरकरार रखी।

एक और कहानी अनुकरणीय चरित्र वाले एक संत मठाधीश के बारे में थी।

अभिनेता। भक्तिमय जीवन के बाद वे अपनी मृत्युशय्या पर लेटे थे।

मठ के भिक्षुओं ने उनसे पूछा कि क्या उनकी कोई अंतिम इच्छा है। “मैंने एक जीवन जिया है

उन्होंने कहा, “मैंने इन सभी वर्षों में कड़ाई से धार्मिक जीवन जिया है, और मैंने कभी भी

मैंने एक महिला को नग्न देखा है। यही मेरा एकमात्र अफसोस है। अगर मैं देख पाता...

स्त्री के शरीर में, मुझे संतुष्टि से मरना चाहिए।” वे और भी आश्चर्यचकित हो गए।

उनके पवित्र जीवन पर। “महामहिम की इच्छा पूरी की जाएगी,” उत्तर दिया गया।

भाइयों ने कहा, “हम तुम्हारे सामने एक नग्न स्त्री लाएंगे, क्योंकि

आपको देखना चाहिए ताकि आपकी आत्मा इस सांसारिक जीवन से विदा हो सके।

शांति।" इसलिए वे शहर से एक वेश्या को लाए और उसे निर्वस्त्र कर दिया।

उसके सारे कपड़े उतार दिए गए और उसे मठाधीश के देखने के लिए रख दिया गया।

मठाधीश ने उसकी खुली जांघों को ध्यान से देखा और अंत में कहा...

उनकी आवाज़ में गहरी निराशा थी: "आखिरकार, उसे नहीं मिला।"

जो कुछ भी ननों के पास नहीं है, वो सब उनके पास है। वे बिल्कुल एक जैसी हैं।

कभी-कभी पोया को आनंद और पदिति की कहानी याद आती थी और

मंजुश्री ने कहा कि उन्होंने लाओ पेंग के बौद्ध धर्मग्रंथ में यह पढ़ा था।

पेइपिंग में घर, और उसे ऐसा लगा कि वह आनंद, तनोई है

वह धर्मगुरु की बेटी फचिती और उसके मित्र लाओ पेंग की तरह था।

वह मंजुस्ती की तरह थी जिसने आनंद के प्रेम के जादू को तोड़ दिया था।

« *

*

लोला और उसके रिश्तेदार लगभग मध्य में शंघाई पहुंचे।

जनवरी में, क्योंकि दादाजी फेंग को पूरा यकीन था कि वहां युद्ध समाप्त हो चुका है।

पोया ने लोला से त्सुई मालिन के बारे में पूछा। लोला ने उसके बारे में कभी नहीं सुना था।

जब्त किए गए दस्तावेजों के संबंध में उसने न तो अपना बचाव किया और न ही कुछ जोड़ा।

कुछ भी। आम राय मालिन के खिलाफ प्रतीत हो रही थी।

और पोया ने उसके बारे में अपने विचार अपने तक ही सीमित रखे। "जो भी हो,"

उसने मन ही मन कहा, "मैंने उसके प्यार को पहले ही खत्म कर दिया है।"

कैनान को यह देखकर बहुत खुशी हुई कि एंडे एक

उसके पति में बाहरी बदलाव आया और जब उसने उसे बताया कि

अब वह औरत नहीं रही थी। उसे शंघाई बेहद आकर्षक लगा, क्योंकि वह

कुछ संभ्रांत महिलाओं से उनकी जान-पहचान हो गई थी, और वे इसे एक महान अवसर मानते थे।

अद्भुत ब्रिटिश-भाषी पत्नियों को जानना सम्मान की बात है और

बैंकरों और डिपार्टमेंट स्टोर प्रबंधकों की बेटियाँ। तुच्छ

इन महिलाओं की बकबक, उनका स्वयं में मग्न रहना, उनका

युद्ध के प्रति उनकी उदासीनता और चीनी भाषा के बारे में उनकी चौंकाने वाली अज्ञानता।

जीवन, पोया को आश्चर्यचकित और परेशान कर दिया। उनमें से कुछ ने तो कभी सुना ही नहीं था।

उन चीनी सांस्कृतिक या राजनीतिक नेताओं के नाम नहीं बताए गए

अंग्रेजी अखबारों में दिखाई देते हैं। उन्हें एक बंद डिब्बे में रखा गया था।

और एक आरामदायक दुनिया जो हॉलीवुड या न्यू यॉर्क के करीब थी

यॉर्क, नानकिंग की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण था। यह अपने आप में एक पूर्ण दुनिया थी।

अपने फ्रेंच रेस्तरां के साथ आधुनिक, समृद्ध और जीवंत शहर।

इसके एके-कूल्ड थिएटर, इसकी निजी कारें और इसके कंट्री क्लब।

अपने पति को मिलवाने के कुछ असफल प्रयासों के बाद...

इस दुनिया को, कैनान ने त्याग दिया, और वह अपने रास्ते चली गई और वह अपने रास्ते।

वह अपने पिता की तरह कटी-छंटी मूंछें बढ़ा रहा था।

वह तस्वीर देख रहा था और अपने दोस्तों के साथ व्यस्त था। वह अक्सर

मैं घर पर नक्शे और मोटी-मोटी किताबें लेकर आया और उनमें डूब गया।

रात में। जल्द ही वह तैयारियों के बारे में बात करने लगा।

आंतरिक मृत्यु की यात्रा।

“क्या आप हैंको में किसी के बारे में सोच रहे हैं?” कैनान

पूछा गया।

“मूर्ख मत बनो,” उसने कहा। “मैं एक लंबी यात्रा पर निकल रहा हूँ।”

अंतर्देशीय क्षेत्र।"

वह घिटी नाम के एक इंजीनियर के साथ जा रहा था, जिससे उसकी मुलाकात हुई थी।

कैनान की एक पैटी। वह चिन को कॉलेज में जानता था लेकिन

जब से वह अपनी डिग्री लेकर अमेरिका से लौटा है, तब से मैंने उसे नहीं देखा है।

इंजीनियर श्री क्विन को सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था।

आंतरिक क्षेत्रों में मोटर-सड़कों का विस्तार करने के लिए आयोग। यात्रा

इस आयोग के साथ, पोया को विशेष सुविधाएं प्राप्त होंगी।

ट्रक और गेस्ट हाउस, जो यात्रियों के लिए समस्या थे।

वहाँ। उसकी विचित्र इच्छा को संतुष्ट करने के लिए इससे अधिक कुछ भी उसकी चाहत नहीं थी।

किसी विषय के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान होने की बजाय एक "रणनीतिज्ञ" के रूप में रुचि रखना।

आंतरिक भाग की भूमि, नदियाँ और स्थलाकृति। नियुक्ति-

इस आयोग का गठन एक वादा था जिसकी योजना हीना बना रही थी।

आंतरिक क्षेत्रों में ठिकाने विकसित करना आवश्यक है, जिनके बिना आगे का संघर्ष संभव नहीं होगा।

असंभव रहा है। यह अब तक की सबसे आशाजनक खबर थी जो उसने सुनी थी।

नानकिंग के युद्ध के बाद से। अपने दोस्त के माध्यम से, उसने खुद को

उन्हें इस आधार पर "विशेषज्ञ" नियुक्त किया गया था कि वे

पेकिंग भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्थान से संबद्ध।

इतिहास के लिए वह बेहतर रूप से तैयार थे; कु येनवु का महान ऐतिहासिक

भूगोल उनकी पसंदीदा किताब थी, और तब से उन्हें इसमें रुचि हो गई।

रणनीति के संदर्भ में, उन्होंने ट्वे साम्राज्य को पुनः पढ़ा था और उसका अध्ययन किया था।

प्रसिद्ध ऐतिहासिक अभियान।

जब उनकी नियुक्ति का दिन आया, तो उन्होंने इसे अपनी पत्नी को दिखाया, और उसने

उस पर विश्वास किया।

“कैसा चल रहा है?”

“पूरे दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में। एक नेटवर्क होगा जो इन्हें जोड़ेगा।”

क्वेइलिन, हेंगयांग, कुनमिंग, और क्वेइयांग के साथ चुंगकिंग

केंद्र के रूप में।"

क्वेयांग कहाँ है?

पोया ने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा। 'यह क्वीचो की राजधानी है।'

प्रांत। आप कॉलेज से ग्रेजुएट हैं और आपने इसके बारे में कभी नहीं सुना?

मैंने इसे बचपन में स्कूल में सीखा था। आप क्या उम्मीद करते हैं?

मुझे इसे याद रखने के लिए?

"मुझे उम्मीद है कि आप जानते होंगे कि बर्मा कहाँ है?"

"मैं नहीं जानता—हाँ, मुझे पता है कि यह दक्षिण में इंडो-चीन में है।"

“खैर, यह इंडो-चीन से मिलता-जुलता है, लेकिन यह इंडो-चीन में नहीं है।

हालांकि, यह आपके लिए काफी अच्छा है।

“इतने निराशावादी मत बनो। बुरमा के साथ जो भी हो, किसे परवाह है?”

हमसे हजारों मील दूर?

यह इतना निराशाजनक था कि बाद में पो ने अपनी अन्य महिलाओं पर भी प्रयोग किए।

रिश्तेदार। केवल पाओफेन को पता था कि क्वेयांग कहाँ है। डिम-

fragfancTR को कुछ भी पता नहीं था, और लोला को लगा कि बर्मा

“तिब्बत के पूर्व में कहीं”

चाहे आपको पता हो कि बर्मा कहाँ है या नहीं, इसका मतलब यह होगा

उन्होंने उनसे कहा, "इस युद्ध में चीन के अस्तित्व के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है।"

कैनान से कहा था, और उसने पाया कि वे दोनों समान रूप से हैरान थे।

"हमने खाया था

बर्मा तक सड़क बनाने जा रहे हैं।"

“किसलिए?” लोला ने पूछा।

"क्योंकि हमें एक पिछले दरवाजे की जरूरत पड़ेगी।"

लेकिन यहाँ इतने सारे बंदरगाह हैं। क्या हमें आपूर्ति नहीं मिल रही है?

हांगकांग और कैंटन?

"पूरा चीन सागर देर-सवेर अवरुद्ध हो जाएगा।"

कैंटन शायद हमारे लिए बंद हो।

तुम पागल हो।

"एक ऐसा व्यक्ति है जो पागल नहीं है, और जो मेरी तरह सोचता है।"

"कौन है भाई?"

“स्वयं जनरल चियांग ने सड़क बनाने का आदेश दिया है।”

दो हजार किलोमीटर से अधिक लंबी यह दूरी बर्मा को चुंग से जोड़ती है।

राजा।"

"जब तक वह मेंढक बनकर तैयार होगा, तब तक युद्ध समाप्त हो चुका होगा," टैन ने कहा।

“क्या मैं आपको कहानी सुनाऊं? एक अमेरिकी इंजीनियर ने जनरल को बताया

चियांग, उस सड़क को पूरा करने में पांच साल लगेंगे।

कठिन भूभाग। चियांग ने एक चीनी इंजीनियर को बुलाया और आदेश दिया

उसे एक साल में इसे बनाने के लिए कहा गया। इंजीनियर अचंभित रह गया, लेकिन

जनरल चियांग ने कहा: तुम्हें मेरा आदेश है। एक वर्ष के भीतर।*

“जी सर, जी सर,” इंजीनियर ने कहा और झुककर बाहर निकल गया।

सुनने में तो अजीब लगता है, है ना? लेकिन यह अब तक की सबसे अच्छी खबर है जो मैंने सुनी है।

इसका मतलब है कि हम कई सालों तक लड़ने की योजना बना रहे हैं।

"सालों तक!" लोला ने भयभीत होकर कहा।

मैं कहती हूँ, वर्षों से। जब आप महिलाएं यहाँ बैठी हैं, तब कोई और है।

लंबी अवधि के प्रतिरोध को संभव बनाने के लिए रणनीतिक रूप से पहले से ही फैक्स की योजना बनाना।

यह किसी परी कथा जैसा लगता है, लेकिन यह सच है। आप कहते हैं कि हमें मिल रहा है।

कैंटन से आपूर्ति आती है। ये आपूर्ति हैंकोव तक कैसे पहुंचती है?

"बेशक, रेल मार्ग से।"

क्या आप जानते हैं कि कैंटन-हैनकोव रेलवे का निर्माण किसने किया था?

कब?"

उनमें से किसी को भी पता नहीं था।

"खैर, चियांग ने इसे दिन-रात काम करके बनवाया और पूरा करवाया था।"

श्रम, रात में मशाल की रोशनी में काम करने वाले मजदूर, ठीक समय पर

युद्ध के लिए। उन्होंने शंघाई के नुकसान की आशंका जताई थी, जब कोई भी

अन्यथा - मैं इसके बारे में नहीं सोच रहा था। मान लीजिए कि चियांग ने इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया था।

नाकाबंदी कर दी थी और कैंटन-हैनकोव रेलवे का निर्माण नहीं किया था, और

हांगचो-चांग्शा रेलवे के माध्यम से हम अपना सामान कैसे प्राप्त करेंगे?

अब आपूर्ति की जरूरत है? अब तो वह बर्मा रोड के बारे में सोचने लगा है।

पोया ने अपनी बात कह दी थी और महिलाएं उसे नए नजरिए से देखने लगीं।

प्रशंसा।

"आप क्या कर रहे हो?"

“खैर, मुझे भूगोल का विशेषज्ञ माना जाता है। श्रीमान क्वुन”

और मैं साथ जा रहे हैं।"

"क्या तुम बर्मा जितनी तेज़ी से जा रहे हो?" लोला ने पूछा।

“शायद नहीं। दक्षिण में मोटर सड़कों का पूरा जाल है-

पश्चिम की ओर जाने की योजना बनाई जा रही है, और मैं जगह-जगह यात्रा करूंगा।

उसने प्रांतों और शहरों के नाम तेजी से गिनाए जिनका अर्थ था

उन महिलाओं के बारे में कुछ भी नहीं, सिवाय इसके कि वे सभी दक्षिण-पश्चिम में रहती थीं।

उन्होंने उनसे कहा कि वह पहले हुनान के हेंगयांग जाएंगे, लेकिन

समुद्री मार्ग के बजाय, उनके इंजीनियर मित्रों ने दूसरे मार्ग को प्राथमिकता दी।

हांगडियो-चांग्शा रेलवे जो तीन प्रांतों से होकर गुजरती थी, और

जो कि युद्ध से एक साल पहले ही पूरा हो चुका था।

वह अपने नए शौक में पूरी तरह मग्न था, क्योंकि काम उसके बहुत करीब था।

उसका दिल। इसने उसे किना से परिचित होने का मौका दिया।

उन्हें स्थलाकृति का ज्ञान था और उन्हें यात्रा करना और उसमें भाग लेने का अहसास बहुत पसंद था।

युद्ध में सूचकांक। सर्वेक्षण आयोग ने उसे नहीं बांधा।

ऑफिस की दिनचर्या में ढल जाना, जो असहनीय होता।

वह एक विस्तृत क्षेत्र को कवर कर सकता था और उसका एक सामान्य अवलोकन प्राप्त कर सकता था।

युद्ध की प्रगति। पहाड़ों के नामों का उनका ज्ञान।

और प्रांतों में नदियाँ श्री चिन और श्री मोय को आश्चर्यचकित कर देती हैं।

उनके साथ जा रहे कैंटोनीज़ इंजीनियर श्री चिन के पास एक पत्र था।

मैं कभी इफिनकोव के अलावा कहीं और नहीं गया था, और श्री मोय केवल इतना ही जानते थे।

क्वांगतुंग और क्वांगसी। कैंटोनीज़ में उनका असली नाम मेई था।

लेकिन सभी कैंटोनीज़ लोगों की तरह, वह हठपूर्वक खुद को मोय कहता था।

फरवरी की शुरुआत में, पोया को चिन के साथ रवाना होना था और

मोय ने टान्नी को अपना पत्र दोबारा भेजने के बाद से इंतजार किया था।

उसके स्पष्टीकरण पत्र का बेसब्री से इंतजार था। लेकिन अब तारीख बीत चुकी है।

प्रस्थान का समय तय हो चुका था और वह अब और इंतजार नहीं कर सकता था। जब वह आया

अफेई और अन्य लोगों को अलविदा कहते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि

वे काफी घूमते-फिरते हैं, लेकिन कोई भी पत्र आगे भेजा जा सकता है।

चांग्शा में राष्ट्रीय मोटर-टोड एसोसिएशन।

लाओ पेंग का टेलीग्राम उनके जाने के तीन दिन बाद आया। अफेई

मैंने उसे खोला और उसमें केवल सुरक्षित पहुंचने का संदेश देखकर उसे एक डिब्बे में बंद कर दिया।

मैंने पत्र लिखकर पोया को भेज दिया। दो हफ्ते बाद, टैनी का लंबा पत्र आया।

पत्र आया। कामन बर्लिंगटन में पाओफेन से मिलने गए थे और

यह देखकर कि पत्र हिमकोव की ओर से था, उसने कहा: "मुझे दे दो।"

मैं इसे आगे भेज दूंगा। हालाँकि लिफाफे पर "व्यक्तिगत" लिखा हुआ था,

उसे लगा कि उसे इसे खोलने का अधिकार है।

उस पत्र में टैनी ने अपने दिल की बात खुलकर कह दी थी। यह आधा था।

कथात्मक और अर्धसंयोजक, अपने स्वयं के विचारों से भरपूर।

उसकी भावनाएँ, उसका पश्चाताप और उसके आत्म-आरोप, वास्तव में और

अंतरंगता 5 > व्यक्त की गई। शैली परिचित और स्नेहपूर्ण थी। वह

उसने केवल खुद को दोषी ठहराया और अपने गुस्से और निराशा के बारे में बताया।

डांस हॉल में पोया से मिलने के बाद और उसने कैसे जला दिया था

रेशम पर लिखी उनकी प्रतिज्ञा। उसने उससे क्षमा मांगने को कहा और

उसने अपने प्रेम की प्रतिज्ञा के साथ पत्र बंद किया और अपने हस्ताक्षर इस प्रकार किए: ‘‘तुम्हारा

प्यार, लीएन*एथ।"

किनान जितनी क्रोधित थी, उतनी ही प्रसन्न भी थी कि उसे वह पत्र मिला।

वह उसके हाथों में आ गई थी और अब वह रहस्य जान चुकी थी।

पोया का जीवन। विजय के बाद उसने तानी को एक तीखा पत्र लिखा।

उसे बेहद घटिया शब्दों में अपमानित करना और उसे यह सब खत्म करने की सलाह देना।

क्योंकि उसके पति को इसके बारे में पूरी तरह से याद नहीं था।

निंगपो की यात्रा और वहाँ पहुँचने में हुई देरी के कारण...

रेलवे से, पोया को हेंग्यांग पहुँचने में तीन सप्ताह लगे।

यह दक्षिणी हुनान में, विशाल हेंग पर्वतमाला के दक्षिण में स्थित एक छोटा शहर है।

कुना के पांच पवित्र पर्वतों में से एक, मोइमटेन। यह था

एक सैन्य गढ़ के रूप में इसका बहुत रणनीतिक महत्व है, जो एक छोर पर स्थित है।

ग्मटन-हैनकोव रेलवे दुश्मन के लिए अभेद्य है।

वहाँ एक सेना मुख्यालय और एक हवाई अड्डा था, और हजारों

सैनिकों को सैन्य शिविर में स्थानांतरित कर दिया गया था।

पोया पुरुषों की कंपनी में बदलाव से बहुत खुश थी, नई

काम और पहाड़ी नज़ारे। वह एक बार फिर खुश था।

हालाँकि वह तीन सौ मील से अधिक दूर था

हैनकोव, उसे फिर से टैनी के करीब होने का एहसास हुआ, और एक बार फिर से फी और

रोमांस के लिए तैयार। जब उन्हें अग्रेषित टेलीग्राम प्राप्त हुआ,

चांग्शा, उसके दिल में पुराने प्यार की भावना फिर से जाग उठी। उसने सोचा...

तांग ट्रेन से हैंकोव जाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए छुट्टी की आवश्यकता होगी।

अनुपस्थिति के कारण उन्हें तीन दिनों के भीतर क्वेलिन के लिए खेलना शुरू करना पड़ा।

इंजीनियर के रूप में वह आंशिक रूप से सैन्य प्रत्यय आयोग के अधीन था और

सैन्य अनुशासन के अधीन। आयोग के प्रमुख, अब

क्वेउइन में इंतजार कर रहा एक अमेरिकी प्रशिक्षित इंजीनियर था, जिसके पास

हांगचो-चांग्शा रेलवे को रिकॉर्ड समय में पूरा करने में मदद की।

समय, और सर्वेक्षण दल के लिए उनके निर्देश इस प्रकार थे:

सैन्य आदेश।

इसलिए उन्होंने लाओ पेंग और टान्नी को स्नेहपूर्ण टेलीग्राम भेजा।

उसने उन्हें बताया कि वह क्या कर रहा था, और उसने उसे एक पत्र लिखा।

ए68

अगले दिन उसे एक लंबा संदेश मिला जिसमें उसने बताया कि कैसे

उससे सुनकर वह बहुत खुश हुई और उससे पूछा कि क्या उसे संदेश मिल गया है।

उसने शंघाई को जो लंबा स्पष्टीकरण पत्र भेजा था।

उसने कहा कि उसे यह प्राप्त नहीं हुआ था, उसे उससे प्यार करना चाहिए और उसे माफ कर देना चाहिए, क्योंकि

उसमें उसने सब कुछ स्पष्ट कर दिया था, और यह केवल भाग्य ही था।

इन सबको इतनी परेशानी का कारण बन रही है। उसने उत्सुकता से पूछा कि क्या वह ऐसा नहीं कर सकता।

उससे मिलने आई और यह सुनिश्चित करने के लिए उसका सटीक पता

पूछा कि

उनके मेल में अब और देरी नहीं हुई। उसने उससे अपना मेल भेजने की विनती की।

जब तक वे दोबारा न मिलें, तब तक जितना हो सके लंबे पत्र लिखते रहें।

बुद्ध जयंती के उत्सव के लिए, पोया अपने साथ गया।

दोस्तों को पवित्र देवता के प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन के लिए आमंत्रित किया जाता है।

नान्यो में पहाड़। वहाँ उनका सामना एक बमबारी से हुआ।

उन्होंने रास्ते में पचास बौद्ध तीर्थयात्रियों की हत्या कर दी। तीसरे दिन, उन्होंने

वह आगे बढ़ गया, और एक सप्ताह बाद शाओयांग में ही उसे यह अवसर प्राप्त हुआ।

टान्नी से पहला अक्षर।

डबाह एल्डर ब्रदर पोटा:

मैं आपको बता नहीं सकती कि मैं इस समय कितनी खुश हूँ। जब आपका

हेंगयांग से टेलीग्राम आया था, मुझे तब तक विश्वास नहीं हुआ जब तक उंडे ने मुझे बताया नहीं।

पेंग ने मुझे दिया। ^वह आ गया है," उंडे पेंग ने कहा। मैंने नहीं दिया

पता नहीं क्या कहना है। पोया, किस्मत हमारे साथ बहुत बुरी रही है; सृष्टिकर्ता

वह पुरुषों को कठपुतली की तरह नचाती है। दो लंबे महीनों तक, मैंने इंतज़ार किया।

आपका पत्र आया था, लेकिन वह नहीं मिला। मैंने आपको पत्र नहीं लिखा, यह सोचकर कि...

कि तुम मुझसे नफरत करते थे या तुम्हारी महिला रिश्तेदारों ने मेरे बारे में बातें की थीं

मेरे खिलाफ। मेरे लिए दुनिया बिखर गई थी। मैं एक अकेले इंसान की तरह था।

wa 3 rferer एक पारिवारिक बगीचे में प्रवेश करने के लिए कह रहा है, और बगीचे का दरवाजा

मेरे मुंह पर ही दरवाजा बंद कर दिया गया। सोचो जब मैंने तुम्हें बाहर जाते देखा तो मुझे कैसा लगा होगा।

डांस हॉल में, मुझे अनदेखा करते हुए, मेरे चारों ओर की दुनिया ढह गई।

और उसके बाद के दिनों में, मैं तुमसे नफरत करता था — हाँ, मैं तुमसे नफरत करता था। लेकिन

मैंने तुम्हें कभी "सूअर" नहीं कहा; वो तो युमेई थी, वो मूर्ख लड़की!

अब मैं खुश हूँ और तुम मेरे पास हो, और मैं तुम्हें पत्र लिखने जा रहा हूँ।

हर दिन, या जितनी बार हो सके। युमेई मुझ पर हंस रही है, लेकिन 1

मुझे परवाह नहीं है। मुझे परवाह नहीं है कि कौन हंसता है। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि तुम्हारी पत्नी क्या कहती है।

सोचता है। मुझे परवाह नहीं कि दुनिया क्या सोचती है। जीवन फिर से पटरी पर आ गया है।

मैं। मैं मूर्ख था—कम से कम युमेई तो यही सोचती थी, क्योंकि वह गुस्से में थी।

तुम्हारे साथ हूँ और अभी भी हूँ — ^लेकिन मैं फिर से मूर्खता करूँगा।

ओह पोया, मैं करूँगा...

मैं तुम्हारे साथ दुनिया के छोर तक जाऊंगा, भले ही मुझे अपनी जान क्यों न गंवानी पड़े।

मेरे पैरों में छाले पड़ जाते हैं और त्वचा काली पड़ जाती है, यहाँ तक कि मेरे हाथों से खून निकलने लगता है। इस बात का मुझे ज्ञान है कि

तुम मेरी जिंदगी हो, मैं तुम्हारी पत्नी, तुम्हारी प्रेमिका या तुम्हारी रखैल बनूंगी।

हे स्त्री, काश मैं तुम्हारे पास आ पाता। मुझे खुद पर आश्चर्य हो रहा है।

मुझे लगा कि मैं तुमसे नफरत करती हूँ और तुम्हारे बिना जी सकती हूँ। लेकिन

अब आपके एक टेलीग्राम ने सब कुछ बदल दिया है।

तुम्हारे निकट होने का अहसास मेरे जीवन में नई जान ले आया है। मुझे अवश्य ही

मैं आपको बता दूं कि मुझे तीन दिन पहले आपकी पत्नी का एक पत्र मिला था।

आपका पत्र उसके हाथ लग गया। उसने मुझे गाली देने के लिए ही लिखा था। अब

हमें इसका सामना करना होगा। उसे गुस्सा होने का पूरा अधिकार था, क्योंकि उस पत्र में मैंने

मैंने तुम्हें वही लिखा था जो मैं अब लिख रहा हूँ। मैं तुम्हारे सामने अपने दिल की सारी बातें खोलकर रख दूंगा।

मैंने अपने शरीर को खुशी-खुशी समर्पित कर दिया है। तुम थे

यह गलत था जब आप मेरे अतीत के बारे में सुनना नहीं चाहते थे। ऐसा कैसे हो सकता है?

आप मेरे अतीत के बारे में जाने बिना मुझे समझते हैं? कैसे?

क्या आप बिना घास काटे यह जान सकते हैं कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं?

मैं जिस खाई में डूब गया था? एक लड़की का जन्म हुआ और वह अनाथ रह गई।

सत्रह साल की उम्र में। वह "अच्छे" समाज से दूर हो गई है, उसे फेंक दिया गया है।

पुरुषों की इच्छाओं के कारण। क्या उस लड़की को जीने, प्यार करने का कोई अधिकार नहीं है?

क्या उसे पति और अपना घर पाने का कोई अधिकार नहीं था? मुझे घर चाहिए था।

खुशी, और एक ऐसा आदमी जो मुझे खिलौना न समझे

और जो मुझे पूरी तरह समझता हो। सबसे बढ़कर, मैं चाहता था कि

मेरे साथी मनुष्यों के प्रति साधारण सम्मान। फिर तुम मेरे जीवन में आए।

क्या तुम मुझे तुमसे प्यार करने के लिए दोषी ठहरा सकते हो? मैं चाहती थी कि तुम मुझसे प्यार करो।

और आपने ऐसा किया। उसके बाद जो कुछ हुआ वह बेहद हैरान करने वाला है।

लेकिन मैं इसे पीछे छोड़ दूंगा, और मैं फिर कभी तुम पर शक नहीं करूंगा, नहीं।

चाहे कुछ भी हो जाए, मैं अभी खुश हूँ, यहाँ लाओ पेंग के साथ।

पहाड़ी की ढलान पर बने एक घर में एक दर्जन शरणार्थियों की देखभाल करना।

वुचांग जिले के पास हंगशान में युमेई का बच्चा पैदा हुआ, लेकिन वह

मैंने उसे मार डाला क्योंकि पड़ोसी कह रहे थे कि वह एक जापानी था।

बेबी। लाओ पेंग ने मुझे बदल दिया है और उसने मुझे कुछ सिखाया है।

बौद्ध धर्म के बारे में। अब मैं समझ सकता हूँ कि वह इतना खुश क्यों है। और

मुझे खुशी है कि आप चीन के लिए उपयोगी काम कर रहे हैं। चाहे जो भी हो।

मुझे अपने सभी कार्यों की जानकारी देते रहना। आप कब तक मुझे सूचित करते रहेंगे?

सीपीएमई से हैंकोव तक?

यह पत्र पहले से ही इतना लंबा हो गया है, और मैंने अभी तक आपको इसके बारे में नहीं बताया है।

वह गद्दार जिसके साथ मैं रहती थी। वह सभी टेलीग्रामों में मेरे नाम का इस्तेमाल करता था।

और पत्र, लेकिन मुझे नहीं पता था कि उनके भेजे गए पत्र भी

मेरे नाम से। जब मुझे पता चला कि वह क्या कर रहा है, तो मैंने उसे छोड़ दिया, और

मैंने ही उन्हें जानकारी दी थी ताकि वे छापा मार सकें।

जगह। लाओ पेंग सब जानता है। लाओ पेंग पतला है। प्यार से

अध्याय 15

मार्च में, युद्धकालीन राजधानी हैंकोव एक केंद्र बन गया था।
उग्र गतिविधियाँ। पोस्टर, परेड, जनसभाएँ, और
सैनिकों और युद्ध सामग्री का अंतहीन आवागमन
शहर रंग में रंग गया था। शांसी में भीषण लड़ाई हुई थी।
शान्तुंग और अनहुई। जापानी नीचे की ओर बढ़ रहे थे।
पेइपिंग-हैनकोव रेलवे, लेकिन आठ महीने के युद्ध के बाद, वे
दक्षिणी शांसी पर नियंत्रण हासिल करने से रोक दिया गया था। नियमित
शांसी में सेना और गुरिल्ला पहले से ही प्रदर्शन कर रहे थे।
उनकी लड़ाई की प्रभावशीलता ने दुश्मन को रोक दिया।
पीली नदी पार करते हुए। तियानजिन-पुकोव रेलवे पर,
जापानी लोग नानकिंग से उत्तर की ओर और दक्षिण की ओर बढ़ रहे थे।
तियानजिन। किसी अज्ञात कारण से, दुश्मन ने कोशिश की

आने के बजाय ह्सुचो रेलवे जंक्शन पर अभिसरित हों

नदी के पश्चिम की ओर सीधे हैंकोव की ओर बढ़ते हुए, और इस प्रकार एक और खो गया।

छह महीने। यह चीन के लिए बेहद मूल्यवान था, और इसने तिगुना कर दिया।

यांग्त्से अभियान में जापान को हुए नुकसान। दुश्मन, इसके अधीन-

चीन के प्रतिरोध का अनुमान लगाते हुए, और अभी भी एक छोटे युद्ध की आशा में,

उन्होंने एक के बाद एक सामरिक गलतियां की थीं।

चीन के लिए संकट दूर हो गया था। च्यांग काई ने घोषणा की।

कि दो महीने के भीतर चीनी सेना की ताकत

युद्ध की शुरुआत के समय की तुलना में यह दुगुना होगा। वह घूमने आया था।

विभिन्न मोर्चों पर लड़ाई जारी थी। हर मोर्चे पर चीनी सेना मजबूत थी।

वे ज़मीन पर डटकर मुकाबला कर रहे थे। जापानियों ने कब्ज़ा कर लिया था।

पेंगपु ने 4 फरवरी को एक आधिकारिक बयान जारी किया।

यह अपने najvet6 के लिए शहर में चर्चा का विषय बन गया। इसमें कहा गया था कि चीनी

पेइपिंग-हैनकोव रेलवे और शांसी मोर्चों पर हुए नुकसान के लिए

फरवरी 10 से फरवरी 17 तक के सप्ताह को "कम से कम" क्रमांकित किया गया है।

जापानी सेना के 30,000 सैनिक मारे गए और जापानी नुकसान में 56

लोग मारे गए। लड़ाई जारी थी।

या तो यह एक अभियान होगा या एक झड़प; यह दोनों नहीं हो सकता।

हैनकोव के लोग यह देखकर बहुत प्रसन्न हुए।

नए सैन्य उपकरण युद्ध मोर्चे की ओर उत्तर दिशा में भेजे जा रहे हैं।

सोवियत संघ के आगमन से चीनी वायु सेना मजबूत हुई थी।

विमानों और पायलटों के बारे में। 18 फरवरी को, हैंकोव ने एक

एक शानदार हवाई लड़ाई जिसमें सत्ताईस दुश्मनों में से बारह मारे गए

विमानों को गिरा दिया गया। खबर है कि चीन ने

रक्षात्मक रणनीति को छोड़कर आक्रामक रणनीति अपनाने का निर्णय लेने पर,

यह बदलाव अप्रैल में लागू होगा। चमा सेना को स्थानांतरित कर रहा था।

हाँ

जनरल ली त्स्टमगेन और तांग एनपो की देखरेख में आदेशों का पालन किया जा रहा है।

दोनों मार्ग मोर्चे, और जनरल हू त्सुंगनान और वेई

टी-इहुआग पीली नदी के किनारे दुश्मन के आगमन की जाँच कर रहे हैं।

इसके अलावा, चियांग स्वयं शांसी साम्राज्य की कमान संभाल रहे थे।

और होनान फ्रंटोंट्स। ह्सुचो के आसपास एक भीषण युद्ध हुआ।

अप्रेल में।

पोया का पत्र हेंगयांग से आने के तुरंत बाद, लाओ पेंग चला गया।

वे वहां से चले गए और हैंकोव के एक होटल में रुके। टैनी बता नहीं सकी।

क्या लाओ पेंग के चले जाने के फैसले का इससे कोई संबंध था?

पोया के आंतरिक क्षेत्र में आगमन के साथ, या क्या यह पूरी तरह से एक

संयोग। जब उसने पोया का पत्र उसे सौंपा, तो वह बिल्कुल वैसा ही था।

वह स्पष्ट रूप से परेशान थी। "वह आ गया है," उसने बस इतना कहा, और उसका

आवाज कांप रही थी। तानी खुद भी उत्साहित थी। पो3ा का टेलीग्राम था।

संक्षिप्त, लेकिन शब्द महत्वपूर्ण थे: "हेंगयांग पहुँच गए हैं।"

राजमार्ग आयोग के साथ। आपसे मिलने के लिए मेरा दिल तरस रहा है। आ रहा हूँ।

सर्वेक्षण यात्रा के बाद आपसे मिलने और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए।

जो संगीत समझते हैं। पोया।" "दोस्तों जो" का संदर्भ

"संगीत को समझना" स्पष्ट रूप से उस किंवदंती की ओर इशारा था।

दो संगीत प्रेमी, जो कि आम बोलचाल में तो एक विशेष महत्व रखता है।

टान्नी के लिए इसका बहुत महत्व था। उसकी आँखें नम थीं, और खुशी के मारे वह

उन्होंने लाओ पेंग की भावनाओं को नजरअंदाज कर दिया। वे उसके कमरे में थे।

वह एक चक में डूब गई।

लाओ पेंग ने उसके आँसू देखे और गहरी भावना से कहा: "मैं बहुत

मुझे बहुत खुशी है, आपके लिए बहुत-बहुत खुश हूं।

“ओह, अब सबसे बुरा समय बीत गया है। वह आ रहा है,” उसने कहा।

उसने खुशी से गले से एक घूंट भरी और उसके होंठ हिलने लगे।

मानो वह उस खुशी को धीरे-धीरे, छोटे-छोटे टुकड़ों में चबा रही हो, जैसे कि...

एक शौकीन व्यक्ति बेहतरीन भोजन का स्वाद चखता है।

“और अब जब वह आएगा, तो तुम हमें छोड़कर चले जाओगे,” लाओ पेंग ने कहा।

थोड़ी उदासी के साथ।

“अरे, अंकल पेंग, मैंने आपको पहले ही बता दिया है कि मैं ऐसा कभी नहीं करूँगा।”

तुम्हें छोड़े।"

लेकिन तब उन्होंने कुछ नहीं कहा।

उस रात वह फिर उसके कमरे में गई, नए उत्साह के पतन के साथ।

और बड़ी योजनाएँ। “आपकी इच्छा के अनुसार, पोया आपके काम में

शामिल हो जाएगी।”

उसने कहा, “उसके पैसों से हम एक नहीं, बल्कि सैकड़ों बचा सकते हैं।”

शरणार्थियों का। क्या आपको चांगफ्रत्सन में वो रात याद है जब मैं

मैंने आपसे वादा किया था कि मैं वह पैसा दूसरों की मदद के लिए खर्च करूंगा?

“मुझे उम्मीद है कि वह आपकी बात मानेगा,” उसने कम उत्साह के साथ कहा।

उसकी आवाज उसकी उम्मीद से कहीं अधिक थी।

लेकिन आप इसे मंज़ूर करते हैं। यह आपका ही विचार था।

लाओ पेंग ने केट को अजीब तरह से देखा, मानो वह अपनी किसी बात में लीन हो।

अपने विचार।

“हाँ,” उसने अंत में कहा। “लेकिन बेशक आपको शादी करनी होगी।”

उसे जल्द से जल्द।

हाँ। और हमारे घर में आपका हमेशा स्वागत रहेगा, यह हमारे सबसे पसंदीदा घरों में से एक है।

हमारा परिवार।"

उन्होंने लंबे विराम के बाद उत्तर दिया; “हर एक चीज़ ऐसी होती है

व्यक्ति का भाग्य। शायद हमारा भाग्य अलग-अलग है। शायद मैं

मैं पहाड़ पर जाकर भिक्षु बन जाऊंगा।

टान्नी अचंभित रह गई। “लेकिन, उंडे, मैं इसकी इजाज़त नहीं दे सकती! यह

बौद्ध धर्म डरावना है। यह सच हो सकता है, लेकिन यह वाकई डरावना है।

“आपका मतलब है कि यह मुश्किल है। कोई व्यक्ति शांति बनाए रख सकता है।

एक साल तक बुद्ध के लिए रहा, और एक दिन में सब कुछ खो दिया। नहीं, तान्नी, मुझे मत ले जाओ।

एक बुद्धिमान व्यक्ति के लिए। कभी-कभी मैं भी आपकी तरह ही उलझन में पड़ जाता हूँ।

तान्नी अब जान चुकी थी कि लाओ पेंग उससे प्यार करता है, क्योंकि उसने उससे वादा किया था कि...

उससे शादी कर ली, और इससे उसके लिए बहुत मुश्किल हो गई, और वे

स्वाभाविक होने का दिखावा करते हुए भी आत्म-जागरूक।

अगले दिन वह हैंकोव के एक होटल में रहने चला गया।

उसने बहाना बनाया कि उसे दादी चाओ समेत कई लोगों से मिलना है।

लेकिन उसकी अंतरात्मा ने उसे बताया कि वह उससे दूर भागना चाहता था।

पोया को लिखे अपने अगले पत्र में उन्होंने लिखा;

मुझे नहीं पता उंडे पेंग के साथ क्या हुआ है। कुछ बदलाव आया है।

उस पर ध्यान दो। वह कहता है कि वह भिक्षु बनने जा रहा है। यह असामान्य है।

बिटन। आप जानते हैं कि वह बौद्ध है, लेकिन वह गोमांस भी खाता है।

वह हमेशा से दूसरों के लिए जीने में ही रुचि रखता आया है। अब वह कहता है कि वह जा रहा है।

दूर, भिक्षु बनने की अनुमति। वैसे भी, वह अस्वस्थ प्रतीत होता है और वह

वह ज्यादा बात नहीं करता। वह कहता है कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। दो दिन पहले

वह हैंकोव में एक होटल में रहने गया था और तब से वापस नहीं आया है।

उन्होंने चितुंगशान में विश्राम करने जाने का जिक्र किया। उनके पास अच्छा अनुभव है।

यहां उसके आराम करने की जगह है और मैं उसे हर तरह का खाना दे सकता हूँ जिसकी उसे जरूरत है।

मुझे लगभग ऐसा लगता है कि वह मुझसे बचना चाहता है। यह बौद्ध धर्म तो बिल्कुल अजीब है।

बात यह है कि मैं कल हॉटड गया था और वह मुझे देखकर खुश हुआ।

मेरे अंदर आते ही उसने नाक सिकोड़ी। मैंने उससे पूछा, "क्या आप आराम करना चाहते हैं?"

उन्होंने कहा "हाँ," और मैंने कहा; 'क्या हाई स्कूल में महिलाओं और बच्चों का क्या होगा?'

क्या इससे आपको परेशानी होती है?" और उसने कहा: "नहीं।" वह देखकर खुश लग रहा था।

मैं, और जब मैं जाने लगा, तो मैंने उससे पूछा; 'क्या तुम चाहते हो कि मैं आऊं?'

फिर से?" और उसने कहा: "नहीं," और फिर अपना मन बदल लिया और कहा:

"हाँ, मुझे आपसे मिलकर खुशी होगी।" सोमडिओ ने उससे दूरी बढ़ा दी।

*73

उसने मुझे दो सौ डॉलर दिए और मेरी देखभाल करने को कहा।

शरणार्थियों को, बस कुछ दिनों के लिए। आप जानते हैं कि वह भाग रहा है।

शरणार्थियों के लिए यह घर उन्होंने अपने पैसों से बनवाया है, सिवाय इसके कि मेरे पास

मैंने मदद के लिए अपने कुछ पैसे निकाले। उन्होंने कहा कि दादी

गुरिल्लाओं की मुखिया कियाओ शहर में है और उसे उससे मिलना है।

कुछ अन्य लोग। लेकिन बौद्ध धर्म एक अजीब चीज़ है। मुझे उम्मीद है कि वह

वह इसमें ज्यादा गहराई में नहीं जाता। वह बहुत उदास दिख रहा है। मैं अब भी यही कहता हूँ।

मैंने अपने जीवन में आपसे बेहतर और दयालु व्यक्ति कभी नहीं देखा।

शामिल है। मुझे पता है आप सहमत होंगे।

छोटी बहन लियन-एरह.

कुछ दिनों बाद, पोया को हेंगयांग से दूसरा पत्र मिला।

प्रिय बहन लियन-एरह:

मैंने आपको अपने पिछले पत्र में बताया था कि मैं एक आयोग के साथ हूँ।

इंजीनियरों को आंतरिक क्षेत्रों में राजमार्गों की एक प्रणाली की योजना बनाने के लिए कहा गया। यात्रा

इसमें हमें कई महीने लगेंगे। मई तक, ज़्यादा से ज़्यादा, मैं वहाँ पहुँच जाऊँगा।

हैनकोव।

मुझे आपको बताना होगा कि मैंने नान्यो में क्या देखा। कल मैं वहाँ गया था।

मैं अपने दोस्तों के साथ था क्योंकि यह बुद्ध जयंती थी और कई

तीर्थयात्री पूजा करने के लिए दूर-दूर से आए थे। हम उनमें से अधिकांश के पास से गुज़रे।

रास्ते में शानदार नज़ारे देखने को मिलते हैं। नान्यो मार्ग अपनी कीमत के लायक है।

यह नाम, अपनी विशाल, नुकीली चट्टानों के साथ जो बादलों तक फैली हुई हैं।

सब कुछ भव्य, मजबूत और दृढ़ था। बांस उगते हैं।

अविश्वसनीय ऊंचाई तक। मैंने ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा था।

तीर्थयात्री हर दिशा से पर्वतीय रास्तों पर उमड़ पड़े।

दक्षिण से आए थे, लेकिन कई लोग आसपास के इलाकों से आए थे।

उत्तर में कियांग्शा। सड़क के किनारे हर जगह भिखारी बैठे थे।

मंदिर जाने का रास्ता। उत्सव का माहौल था।

कई चमकीले कपड़े पहने महिलाएं और बच्चे थे, जिनमें से अधिकांश स्थानीय थे।

देश। कुछ धनी महिलाएं पालकी में आईं, लेकिन

भक्तों ने प्रार्थना करना बेहतर समझा और वे हर तीन कदम पर घुटने टेकते थे।

वे सड़क पर लेट गए। सूरज चमक रहा था और

यह एक सुंदर दृश्य था, जिसमें कई तीर्थयात्री चमकीले नीले रंग के वस्त्र पहने हुए थे।

नई पोशाक और लाल स्कर्ट वाली महिलाएं, सभी चमकीले पीले रंग के सामान लिए हुए हैं।

उनके कंधों पर बैग लटके हुए थे। मुझे बताया गया था कि कुछ लोग उन्हें कंधे पर टांगे रहते थे।

वे ऐसे वस्त्र पहनते हैं जिनमें वे देवताओं से मिलने जाते हैं, यानी जब वे...

उन्हें अंतिम संस्कार के लिए तैयार किया जाता है, ताकि देवता उन्हें पहचान सकें।

नान्यो मंदिर विशाल है और इसमें कई हॉल हैं। जब हम

मुख्य मंदिर में शिक्षा दी जा रही थी, एक पूजा-अर्चना चल रही थी। बुद्धों

उन्होंने नए वस्त्र पहन रखे थे। वातावरण अगरबत्ती की सुगंध से भरा हुआ था।

भिक्षु प्रार्थना कर रहे थे और श्रद्धालु सभा स्थल में मौजूद थे।

बुद्धों के सामने मोमबत्तियां और अगरबत्ती जलाकर उन्हें स्थान पर रखना।

लगभग साढ़े ग्यारह बजे मेरे मेंड्स ने सुझाव दिया कि हम चलें

दोपहर के भोजन के लिए शहर की ओर। पुरुषों और महिलाओं की एक धारा बह रही थी।

हम अभी भी रास्ते पर हैं। हमें नहीं पता था कि वहाँ कोई हमला हुआ था।

छापे का अलार्म बजा, लेकिन ऊपर आ रहे लोगों ने हमें बता दिया। थोड़ी देर बाद हमने एक आवाज़ सुनी।

दूर से गड़गड़ाहट की आवाज आई और आसमान में छोटे-छोटे बिंदु दिखाई

दिए। विमान इतनी तेजी से आए।

और एक मिनट से भी कम समय में वे शहर के ऊपर थे और नीचे उतर गए।

वहाँ बम गिरे। अधिकांश तीर्थयात्री आश्रय लेने के लिए चले गए।

जंगल थे, लेकिन पहाड़ी रास्ता संकरा था और भीड़भाड़ वाला था।

लोग। मैं अपने मेंड्स के साथ बांस के झुरमुट में छिप गया, जबकि

हमारे सिर के ऊपर विमानों की गर्जना और मशीनगनों की गरज सुनाई दे रही थी।

विमान जमीन से केवल दो या तीन सौ फीट ऊपर थे।

और इंजनों का शोर कान फाड़ देने वाला था। जब मैंने सोचा कि वे

जब हम जा रहे थे, वे दूसरी बार लौटे और हमारे ऊपर से दरवाजा खटखटाया।

फिर से तीर्थयात्रियों पर मशीन गन से हमला किया जा रहा है।

जब मैं बाहर भागा, तो मैंने महिलाओं के रोने की आवाज़ सुनी और

पुरुषों के चिल्लाने की आवाज़। पचास गज दूर एक खुला मैदान था।

वहाँ अफरा-तफरी मची हुई थी। इस जगह पर बीस से अधिक पुरुष और महिलाएं मौजूद थे।

कई बच्चे मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

आपने शायद हैंकोव में बमबारी देखी होगी, लेकिन यह मेरा पहला अनुभव था।

पहला अनुभव। पहली बार मैंने किसी के कच्चे काम को देखा।

जापानी सेना। उनका उद्देश्य, मकसद और प्रयोजन क्या हो सकता था?

क्या मुट्ठी भर धार्मिक तीर्थयात्रियों की हत्या करके कुछ हासिल किया जा सकता है?

क्या दुश्मन इससे बचने की उम्मीद कर सकता था? यह सच है कि वहाँ कुछ थे।

वर्दी में कुछ ही लोग थे, लेकिन उन चमकीले रंग के लोगों को पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी।

तीर्थयात्रियों को सैनिकों की एक टुकड़ी के लिए तैयार किया गया। दुश्मन को

उन्हें उस इलाके की कुछ जानकारी होनी चाहिए जिसके ऊपर वे उड़ान भर रहे थे;

नान्यो के बारे में अनजान नहीं हो सकता था। थेक के आदेश अवश्य ही

उन्हें हिलने-डुलने वाली किसी भी चीज़ पर गोली चलाने का अधिकार था, और पायलटों को अवश्य ही ऐसा करना चाहिए था।

मैंने भागती हुई भीड़ को देखा जो खुद को अदृश्य नहीं कर सकती थी

एके से।

भिक्षु बाहर आए और मृतकों और घायलों को अंदर ले गए।

मंदिर। इस तरह बुद्ध का एक विचित्र जन्मदिन समाप्त हुआ।

इस युद्ध का स्वरूप स्पष्ट होता जा रहा है। न तो शहर में और न ही गाँव में।

क्या हमारे लोग जानलेवा हमले से सुरक्षित रहेंगे?

जापानी सेना जिसे हम आक्रमण के बाद से जानते हैं

मंडियूरिया आश्चर्यजनक तरीकों से खुद को प्रकट करता रहता है। 1

275

मशीनगन से गोलीबारी के बाद लोगों के चेहरे के भाव देखे।

तीर्थयात्रियों के। उन्होंने इसे दान के रूप में लिया। उन्होंने तो यह भी नहीं किया।

बुद्ध ने फीउंग से उनकी रक्षा करने का अनुरोध किया। बाहरी तौर पर कुछ भी नहीं हुआ।

लेकिन अपरिहार्य को उनकी शांत स्वीकृति में, एक सुलगती हुई आग,

उनकी आत्माओं में मानो खामोश क्रोध समा गया था, जो और भी भयावह था।

क्योंकि उन्होंने न तो कोई हरकत की और न ही गुस्से भरे शब्द बोले।

मरने वाले तो वैसे भी मर चुके थे; जो बच गए वे खुद को भाग्यशाली मानते थे;

इन किसान आत्माओं में एक विशेष प्रकार का बड़प्पन है।

एशिया का सामना नए एशिया से हो गया था। मुझे लगा था कि वे ऐसा करेंगे।

वे इतने भयभीत हो गए थे मानो स्नफ़्टकी से कोई दुष्ट राक्षस आ गया हो।

वे हवा में उछल पड़े। लेकिन ये किसान सचमुच अविचलित थे।

यह कितनी अजीब बात है कि एआईसी द्वारा ऐसी भयावह आपदा, हत्या जैसी घटना घटी।

आधुनिक मशीनों द्वारा इन्हें स्वाभाविक मान लेना चाहिए।

अज्ञानी, धैर्यवान किसानों का सामना पैरों से हुआ, उस पथ से।

यह एआईसी से आ सकता है। उन्होंने इसे देखा था। और उन्होंने देखा था - साथ में

उन्होंने अपनी आँखों से देखा कि यह मृत्यु जापान से आई है। ये पैर थे

अंत में। हर अनपढ़ किसान जानता है कि जापानी लोग...

ऊपर से उड़ रहे विमान उसे और उसकी पत्नी और बच्चों को नष्ट करने पर तुले हुए हैं।

जापानी बमवर्षक विमान उनसे यही कहते हैं। ऐसा कोई सवाल ही नहीं है।

किसी भी प्रांत में रहने वाला एकमात्र चीनी व्यक्ति जिसने कभी किसी जापानी को नहीं देखा हो

अब बमवर्षक। चार सौ लोगों का शांत, सुलगता हुआ क्रोध।

पचास मिलियन लोग एक विशाल ऐतिहासिक शक्ति होंगे। और यह

इसका संबंध हमारे सैनिकों की वीरता से अवश्य ही होगा।

राष्ट्र का मनोबल और एकता। शत्रु वायु सेना है

इसलिए हमारी सरकार के लिए सबसे अच्छा प्रचार दल,

हमारे लिए सबसे अच्छा टॉनिक। यह लाखों लोगों तक पहुँचता है - जो पढ़ नहीं सकते।

और लिखते हैं और अखबारों द्वारा उन तक नहीं पहुंचा जा सकता। की आवाज़

बमवर्षक विमानों का हमला आसमान से प्रसारित होने वाले संदेश की तरह है, जो नस्लीय घृणा को बढ़ावा देता है।

लेकिन अभी अंत नहीं आया है। हमारे लोगों को शायद यह सब सहना

पड़ेगा।

आने वाले वर्षों में हवाई हमले से हत्याएं होंगी। इन लोगों के मल से।

दोस्तों, मैंने चीन के बारे में कुछ नया सीखा है। हमारे लोग

वे हवाई हमलों का सामना कर सकते हैं और उन्हें सहन कर सकते हैं, जैसे उन्होंने बाढ़ को सहन किया है।

और सदियों से नारीत्व के क्षेत्र में. . . .

तानी ने पत्र को अपने पर्स में रखा और लाओ पेंग से मिलने चली गई।

वह डीन के कुछ कपड़े धोने के लिए उसके पास ले जा रही थी। वहाँ की महिलाएँ

घर में उसके कपड़े धुल रहे थे, क्योंकि वांग तमांग ने

उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे भेजना अपराध होगा। रास्ते में, मर जाओ

चिउहू और उसकी नई दोस्त मिस तुआन को लेने गई, जो उसके साथ जुड़ गई थी।

मैडम ओउआंग की युद्ध-क्षेत्र सेवा कोर; वे सहमत हो गए थे

276,

जाओ और किराइगसी गिरि सैनिकों को देखो जो पिछले दिनों आ चुके थे।

उस दिन और शहर में बहुत सनसनी फैल गई। पाँच सौ

ये महिला सैनिक 1^ रास्ते का एक बड़ा हिस्सा पैदल चलकर तय करती हैं, और वे

कियांग्शा में रेलवे को पढ़ाना।

इस समय तक हैंकोव के लोग परेड और अन्य आयोजनों के आदी हो चुके थे।

महिला कामगारों का दृश्य। युद्ध का माहौल और भी तीव्र होता जा रहा था।

हर दिन। नानजिंग के हमले का सदमा खत्म हो गया था और युद्ध समाप्त हो गया था।

एक लंबे संघर्ष के निश्चित स्वरूप को उसने अंत तक पहुंचा दिया था।

शुरुआती भ्रम और उथल-पुथल शांत हो गई थी। शरणार्थियों ने

सड़कों से गायब हो गए, बड़े पैमाने पर वितरित किए जा रहे हैं, अधिकतर द्वारा

प्रांतों में रहने वाले अपने रिश्तेदारों के साथ उनकी अपनी व्यवस्थाएँ।

इसके बजाय, हैंकोव को अब हर दिन सेनाओं का गुजरना दिखाई देता था।

मोर्चे पर युद्ध सामग्री और विजय सामग्री का परिवहन

मशीनरी नदी के ऊपर ले जाई जाती थी। स्टीमर प्रतिदिन घाट से रवाना होते थे।

शरणार्थी, छात्र और शिक्षक, और औद्योगिक उपकरण

क्यूक्सुंगकियाग। सैन्य, राजनीतिक और शैक्षिक नेता थे

मोर्चे के लिए लगातार आगमन और प्रस्थान। दृश्य में

कई युवकों की उपस्थिति से सड़कों का माहौल बदल गया था।

वर्दीधारी महिलाएं — बॉय स्काउट्स, जीटीटीएल स्काउट्स, एआईसी-रेड वार्डन,

सफेद टोपी और सफेद पोशाक पहने नर्सें, मैडवे क्वांगोस युद्ध-

क्षेत्रीय सेवा कार्यकर्ता और सैनमिनचुई युवा इकाइयाँ।

ये लोग कहाँ से आए थे और कैसे आए थे?

संगठन अस्तित्व में आ गए? अजीब बात यह थी कि वहाँ कम से कम

साथ ही साथ बहुत कम और बहुत अधिक संगठन।

पारंपरिक चीनी तरीके के अनुसार, युद्ध संबंधी कोई सख्त उपाय नहीं अपनाए गए थे।

पूर्ण पैमाने पर युद्ध के आधे वर्ष बाद भी; श्रम का कोई नियमन नहीं हुआ।

भोजन का राशनिंग नहीं, कोई प्राथमिकता नहीं, पूंजी पर कोई नियंत्रण नहीं, कुछ भी नहीं

मूल्य स्तरों का निर्धारण, बांडों की कोई अनिवार्य बिक्री नहीं, कोई युद्ध नहीं

अधिभार, विलासिता पर कोई कर नहीं, कोई आयकर नहीं, कोई सीमा नहीं

रेस्तरां के खुलने का समय, डॉक्टरों और नर्सों की भर्ती पर रोक, और कोई भी

आंतरिक प्रांतों को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में अनिवार्य सैन्य सेवा लागू नहीं थी।

औसत घरेलू जीवन को प्रभावित किया। कारखाने के उपकरण ऊपर की ओर चले गए।

नदी क्योंकि व्यक्तिगत मालिक ऐसा चाहता था और उसने गोल चक्कर

लगाकर ऐसा किया था।

व्यक्तिगत व्यवस्थाओं के बारे में ऐसा करने की अनुमति दी गई है। छात्रों

पहाड़ों के पार मिलान किया गया, इसलिए नहीं कि सरकार ऐसा कर सकती थी

उन्हें मजबूर नहीं किया गया, लेकिन क्योंकि वे मुफ्त कक्षाओं में भाग लेना चाहते थे।

चीन। लड़कियाँ नर्स बनीं और युद्ध कार्य में शामिल हुईं क्योंकि वे

वे चाहते थे। हजारों अन्य लोग भी गुरिल्लाओं में शामिल हो गए।

बस खाली पेट और युवा उत्साह से भरे दिल।

बच्चों का संगीत दल, लगभग साठ युवा लड़कों का एक समूह

*77

जो शंघाई से शुरू हुआ और प्रांतों का दौरा करते हुए आगे बढ़ा।

प्रचार का आयोजन और नेतृत्व एक लड़के ने किया था। लड़कियों ने ऐई का आयोजन किया।

हैनकोव और के बीच नौका पर देशभक्ति गीत गाना

वुचांग इसलिए क्योंकि यह उनकी आंतरिक जरूरतों को पूरा करता था।

इन सहज, स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रयासों से ही यह बात सामने आई।

युद्धरत एक संपूर्ण राष्ट्र का विस्मयकारी चित्र, और एक आत्मविश्वास

एकता और विजय का। यह स्पष्ट था कि एक विशाल ऐतिहासिक

पोया के शब्दों में, बल ही सब कुछ कर रहा था। इसका इससे कोई लेना-देना नहीं था।

सरकारी फरमानों के चलते युद्ध जारी था।

आठ लंबे वर्षों तक असहाय अवस्था में इंतजार करने के बाद, लोग स्वयं

1931 से लगातार हो रहे जापानी अतिक्रमणों के खिलाफ आक्रोश।

और सरकार द्वारा "शांत रहने" के लिए कहे जाने पर, अंततः 1 ^

एक ऐसी सरकार और नेतृत्व मिला जो इसे आगे ले जाने के लिए दृढ़ संकल्पित था।

चीन की स्वतंत्रता के लिए अंत तक संघर्ष। वह दबी हुई भावना

जापानियों के खिलाफ राष्ट्रीय आक्रोश, उन्माद की हद तक पहुँच गया, फूट पड़ा।

एक बाढ़ की तरह उमड़ पड़ा जिसने अपने भयानक प्रकोप से स्टील और कंक्रीट को चकनाचूर कर दिया।

कमजोर उप- में एकत्रित परमाणु ऊर्जा का संवेग

पानी नामक स्थिति।

लेकिन पांच हिमद्रे क्वांगसी जीकेएल सैनिकों की उपस्थिति,

उन्हें युद्धक्षेत्र में सेवा करने के लिए नहीं, बल्कि भाग लेने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है।

लड़ाई में, कुछ दिनों में ह्सुचोव फटोंट के लिए प्रस्थान करना है।

इस घटना ने युद्धप्रिय शहर में भी सनसनी पैदा कर दी।

तानी और उसकी सहेलियाँ उनके शिविर देखने गईं, और फिर, साथ में

आधुनिक लड़कियों में संयम का अभाव था, वे लाओ पे से मिलने गईं।

वह अपने होटल में था। होटल बेहद शोरगुल वाला और अव्यवस्थित था।

वर्दीधारी कई अधिकारी और जवान, एक बेतहाशा जीवंत जीवन जी रहे हैं।

सैनिक छुट्टी पर हैं।

लाओ पेंग अपने कमरे में अकेले बैठे थे। पोया का टेलीग्राम और

उसे इस बात का एहसास हो गया था कि वह वापस आ रहा है, जिससे वह काफी परेशान हो गया था।

जिस तरह से उसने उम्मीद नहीं की थी। टान्नी से शादी की संभावना थी।

इससे उसके साथ उसका रिश्ता तुरंत बदल गया। वह उसे एक प्यारी सी लड़की के रूप में देखने लगा।

अपने दिल और भावी पत्नी के बारे में सोचते हुए, उसे एहसास हुआ कि अनजाने में ही वह

उसे व्यक्तिगत रूप से और पूरे दिल से प्यार हो गया था। उन रातों में जब वे

उन्होंने बौद्ध धर्मग्रंथों को एक साथ पढ़ा था।

पहले तो लैंप की रोशनी ने उसे परेशान किया, और फिर उसे राहत दी।

खुशी। वह जानता था कि उसके प्रति उसकी भावनाएँ लगातार बढ़ती जा रही थीं।

वह समय जब वह युमेई के कमरे में उसके बच्चे की देखभाल कर रही थी, और

जब मृत बच्चे के शरीर पर उनकी निगाहें मिलीं, तो वह जान गया कि वह

उसको प्यार करता था।

कम संवेदनशील अंतरात्मा वाला व्यक्ति इस स्थिति को नजरअंदाज कर देता।

बिना किसी हिचकिचाहट के, और इसके अलावा वह बूढ़ा भी था। अचानक उसे महसूस हुआ कि

इसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जुनून के जाल में फंस जाना,

पैंतालीस! युवा और स्नेहशील टैनी के लिए वह हमेशा वही रहेगा।

अच्छा 'टीजेन्डे।' फिर भी प्यार क्या था? सीमा कहाँ थी?

सौहार्दपूर्ण और समर्पित मित्रों के स्वाभाविक स्नेह के बीच

और पुरुष और स्त्री के बीच का गहरा निजी प्रेम?

बुद्ध के निराकार प्रेम का सिद्धांत अविश्वासनीय प्रतीत हुआ।

अब तो निश्चित रूप से वह टान्नी को एक व्यक्ति के रूप में प्यार करने लगा था। भला और कैसे हो सकता था?

क्या ऐसा होना चाहिए? व्यक्तिगत घृणा को समाप्त करना उससे कहीं अधिक आसान था...

व्यक्तिगत प्रेम को समाप्त करो। यदि स्वयं और व्यक्तित्व की धारणा

यह सभी संघर्षों और सभी घृणाओं का मूल था, यह भी वही था।

हमारे सचेतन जीवन का सबसे मजबूत आधार। वह टान्नी को एक व्यक्ति के रूप में प्यार करता था; यह

उसके लिए उसे एक अमूर्त महिला के रूप में या एक के रूप में सोचना व्यर्थ था।

अब जब वह उसे जान चुका था, तो उसके मन में भावनाओं और इच्छाओं का सैलाब उमड़ रहा था।

उसकी आवाज़, उसकी नज़र, उसकी तंदुरुस्ती के लिए उसकी चिंता— वह कैसे...

क्या इन्हें निष्पक्ष और निस्वार्थ प्रेम से देखना चाहिए?

उसने अपनी हिम्मत जुटाकर उससे भाग निकला था। अब वह तड़प रहा था...

उसकी आवाज़ सुनना, उसे स्वतंत्र, मुस्कुराते हुए या विचारों में डूबी हुई देखना

किसी मामूली बात पर, या बीमारों के प्रति गहरी चिंता में डूबे हुए।

पिनपिन। उस यादगार रात से जब उसने देने की पेशकश की थी

उसका बच्चा, उसका नाम, उसके अनौपचारिक शब्द, उसकी अधूरी फुसफुसाहटें,

उसकी सुस्त टिप्पणियाँ, उसके होठों की हल्की सी हरकत भी असर कर गई थी।

उसे बिजली के झटके लग रहे थे। इसमें कोई शक नहीं था कि वह उसमें था।

प्यार।

जब टान्नी और उसके दोस्त अंदर आए, तो वह उनका स्वागत करने के

लिए खड़ा हो गया।

उन्हें। उसने अभी-अभी अपना दोपहर का भोजन समाप्त किया था, और बर्तन अभी भी वहीं पड़े थे।

टेबल। टैनी की चमकदार खालीपन को देखकर मुस्कुराते हुए, वह अपना खाना परोसने के लिए जल्दी से इधर-उधर भागने लगा।

वह हमेशा की तरह मेहमानों को आरामदायक महसूस कराते थे।

चिउहू ने मिस तुआन का परिचय कराया। वह अपनी

प्रशिक्षण पोशाक, नीले ओवरऑल के अंदर एक भूरे रंग का ब्लाउज और

उसने गहरे नीले रंग का स्वेटर पहना हुआ था। उसके बाल पीछे से छोटे-छोटे कटे हुए थे।

गर्दन, एक झुकी हुई टोपी के नीचे दिखाई दे रही थी जो फ्रिटिग टोपी जैसी दिखती थी।

अमेरिकी सैनिकों के। उसके नितंब लगातार उसकी ओर धकेले जाते थे।

पतलून की जेबें। कई लड़कियां राजनीतिक या युद्ध गतिविधियों में भाग ले रही हैं।

काम करते हुए, वह लड़कियों जैसे उत्साह से बातें करती और हंसती रही।

अपने काम से मिलने वाले गर्व और आत्मविश्वास के साथ-साथ

अपनी नई वर्दी को लेकर थोड़ी सी गुप्त खुशी।

मेहमाननवाज़ी के तौर पर लाओ पेंग ने कॉफ़ी मंगवाई। वेटर ने...

चीनी लाना भूल गई, और तुआन ने कहा कि वह इंतजार नहीं कर सकती।

क्योंकि उसे अपनी क्लास में जाना था। उसने अपनी कॉफी पी और

*79

उसे यह कड़वा लगा, और मेज पर एक सैत-सेलेट देखकर उसने उस पर छिड़क दिया।

कॉफी में थोड़ा नमक। जब वे उस पर हँसे, तो उसने छीन लिया

मैंने काली मिर्च ली और उसमें से थोड़ी सी कॉफी में मिलाई और फिर उसे पी लिया।

मैडम कियांग कहती हैं कि युद्ध क्षेत्रों में काम करने का पहला सिद्धांत यह है कि...

“अपनी सूझबूझ से काम लें,” उसने कहा और छींक पड़ी। “लेकिन मुझे जाना होगा।”

अपनी सेना की टोपी झट से उठाते हुए और छींकते हुए भी, उसने खुशी से कहा, "शुभकामनाएं-"

अलविदा कहकर वह लंबी-लंबी छलांगें लगाते हुए चली गई।

तानी ने उसकी ओर प्रशंसा भरी नजरों से देखा। "वह मजाकिया है," उसने कहा। "लेकिन

उसकी तुलना में हम बहुत अधिक परिष्कृत हैं।

"वास्तविक युद्ध कार्य के लिए आप उपयुक्त होंगे," लाओ पेंग ने कहा।

पता नहीं। अगर मेरे पास वो ओवरऑल होते, तो शायद मैं भी उसकी तरह तेज़ी से चल पाती।

हां। वो झुकी हुई टोपी बहुत प्यारी है।

लड़कियाँ बिस्तर पर अपनी-अपनी सीटों पर वापस बैठ गईं, और टैनी ने उन्हें सौंप दिया।

लाओ पेंग को पोया का पत्र मिला।

उसने उसे धीरे-धीरे पढ़ा, धीरे-धीरे मोड़ा और उसे वापस उसे दे दिया।

“बर्बर!” उसने आँखें चौड़ी करते हुए कहा। “हमला करने के लिए।”

मशीनगन लिए धार्मिक तीर्थयात्री। लेकिन पोया सही है।

इस देश के कोने-कोने में जापानी

बमवर्षक विमान जापानी क्रूरता का सबसे अच्छा विज्ञापन हैं।

टैनी ने उसमें इतनी गहरी भावनाएँ पहले कभी नहीं देखी थीं।

आक्रोश एक मिनट में शांत हो गया, लेकिन उसी मिनट में उसने उसे देखा

आत्मा। उसने गौर किया कि उसकी आँखें वास्तव में कितनी बड़ी थीं, अनुपात में।

उसका बड़ा माथा और कमर। उसकी बड़ी-बड़ी आँखें थीं।

आमतौर पर उनके सहज व्यवहार और झुके हुए कद के कारण यह बात

छिपी रहती थी।

“क्या तुम हमारे पास वापस आ रहे हो?” उसने पूछा। “या तुम सचमुच में कहीं और जा रहे हो?”

क्या तुम साधु बनने के लिए जा रहे हो?

लाओ पेंग जोर से हँसा, “इस समय हम जा नहीं सकते।”

भिक्षु स्वयं युद्ध कार्य करने के लिए बाहर आकर भोजन करते थे।

“मुझे बहुत खुशी है,” उसने गर्मजोशी से कहा।

उन्होंने आगे कहा, “करने के लिए बहुत सारी चीजें हैं।

पेइपिम के डॉ. चाउ अपनी पत्नी के साथ आए हैं और उन्होंने खाना खाया।

घायल सैनिकों के लिए उनके अपने लोगों के साथ एक अस्पताल स्थापित करना

पैसा। दादी चाओ शहर में हैं। उनके पास अपने बेटे के साथ कुछ समय बिताने का अवसर है।

शांसी से गुरिल्लाओं के लिए धन जुटाने के लिए। मैंने उन्हें देखा।

कल। उसने मुझे बताया कि हमारे गुरिल्लाओं ने पूरी सर्दी लड़ाई लड़ी।

बर्फीले पहाड़, उनमें से कई तो बिना जूतों के भी। मैं शायद जाऊँगा।

उनके साथ उत्तर की ओर जाओ और एक नजर डालो।"

“तुम पहाड़ी पर बने हमारे घर को नहीं छोड़ोगे?”

“यह तो बस एक छोटी सी यात्रा होगी। मुझे बदलाव की जरूरत है। रुको।”

TattfOHi आपकी मदद कर सकती है। वह एक सक्षम महिला है और उसके साथ काम करने वाले लोग भी।

उसकी बात सुनो, अगर कोई परेशानी हो तो। उसने देखा

फिर क़बिउहू ने तानी की ओर मुड़कर दयालु स्वर में कहा: "तानी,

मुझे नहीं लगता कि आपको चिंता करने की कोई बात है। आपके पास

दोस्तों, और ^uhu आपके साथ आकर रह सकता है। Chiuhu,

क्या आप ऐसा नहीं करेंगे?

चिउहू ने मुस्कुराते हुए सहमति जताई। "क्या आपने महिला सैनिकों को देखा है?"

कुछ देर रुकने के बाद उसने पूछा।

हाँ, मैंने देखा है। कल वहाँ भीड़ थी क्योंकि वे

वे सड़कों पर जुलूस लेकर निकले। उनकी संख्या पांच सौ थी।

infulwarˆearl”

“ओह” टैनी ने अनजाने में कहा।

एक पल के लिए तानी और लाओ पेंग ने एक-दूसरे की ओर देखा।

दूसरी ओर, एक पल भर की निगाह जो बिजली की गति से गुजर गई और

आयोजित नहीं किया जा सकता था या नहीं किया जाना चाहिए था।

"महिला सैनिकों की बात करें तो," उन्होंने कहा, "दादी कियाओ ने मुझे बताया कि..."

लिनफेन में हाल ही में हुए फिगकी-इंग की कहानी। सैकड़ों महिलाएं

जापानी सैनिकों की एक टुकड़ी से उनका सामना हुआ और उन्होंने उनसे लड़ाई की। महिलाओं ने

उनके पास बहुत कम उपकरण थे, और उनमें से कई दुश्मन के हाथों मारे गए।

उनके पास अधिक और बेहतर बंदूकें थीं। कुछ भाग गए और एक छोटी टुकड़ी को बचाया गया।

धान के खेत में घिरे हुए। यह जानते हुए कि अगर वे ऐसा करते तो उनका क्या हाल होता।

आत्मसमर्पण करने के बाद, महिलाओं ने खुद को दो समूहों में विभाजित कर लिया।

और शेष हैंड ग्रेनेड को बराबर भागों में बाँट दिया।

दो समूह। फिर उन्होंने उन्हें एक दूसरे पर फेंक दिया।

जापानी लोग उन तक पहुंच सकते थे।

यह कहानी सुनने के बाद वे सब कुछ देर चुप बैठे रहे, फिर टान्नी ने कहा

कि उन्हें जाना ही होगा।

उन्होंने हमेशा की तरह स्नेहपूर्वक विदाई ली।

तान्नी लाओ पेंग के जीवन में दखल देना नहीं चाहती थी; सबसे अच्छा यही था कि

इन परिस्थितियों में उसके लिए स्वाभाविक रहना ही एकमात्र उपाय था।

उसके जाने का मकसद निश्चित रूप से पता नहीं चल सका।

अकेले रह जाने पर, लाओ पेंग बैठकर ध्यान करने लगे। अपनी इच्छा के विरुद्ध भी,

वह अच्छे मूड में था। उसे लग रहा था कि सब कुछ ठीक है।

कि कुछ भी नहीं बदला था और कुछ भी गलत नहीं हो सकता था; टैनी का

पोया के लिए उसका प्यार गहरा और स्पष्ट था। उसके प्रति उसका लगाव

वह शुद्ध और स्वाभाविक थी, और वह वैसी ही बनी रह सकती थी, भले ही वह

उसने अपनी सहेली से शादी कर ली थी। वह जानता था कि उसके पास उससे लेने के लिए कुछ भी नहीं है।

फिर भी उसे खुद पर इतना भरोसा नहीं था। उसने चारों ओर देखा।

कमरा। उसका शरीर तो चला गया था, लेकिन उसकी उपस्थिति की छाया अभी भी बाकी थी।

शेष रहा। जब उसने उसके लिए छोड़े गए छिले हुए कागजों को देखा, तो

कांपते हुए उसने फुसफुसाकर कहा: "ओटानिल"

z8i

हे मेर्क की बहन देवी! उसके मन के समक्ष, सचेत होकर

प्रयास, उनके साथ बिताए गए कई दृश्यों को पार किया: उसकी

पश्चिमी पहाड़ियों पर पेड़ों के ढेर के नीचे पहला यौन-प्रकटीकरण।

और गर्म? वह मेंढक के जूते का फीता बांधने के लिए उस पर झुकी...

गधे पर सवार होकर, एक ऐसे व्यक्ति के वेश में जो केवल...

उसके स्त्रीत्वपूर्ण आकार... तियानजिन में मरने की रात

होटल, और उसकी हंसी और आंसू जब उसने उसे अपने अतीत के बारे में बताया

... उस रात चांगफेटसन में वह सोफे पर कैसे बैठी थी...

वह अब उसके सामने खड़ी थी, उसकी आँखें नम थीं, उस मृत शरीर के ऊपर।

युमेई का बच्चा। उसे उसकी आवाज़, उसकी आँखें, उसकी हर चीज़ याद थी।

हावभाव, जिस तरह से उसने अपने होंठ काटे। ओह मूर्ख! वह जानता था कि उसने प्यार किया था।

उसे वह जानता था कि वह अब उससे प्यार करता है। दुनिया में रहते हुए

ज़ामा, वह कामा के नियमों के अधीन था। भले ही दुनिया

वह महज एक भ्रम था, उसके लिए उसकी भावनाएँ

बेहद विशाल और अविश्वसनीय रूप से वास्तविक। जितना महान व्यक्ति, उतना ही महान।

वह और भी गहराई से प्यार करता है।

वह भागना चाहता था, उससे दूर भागना चाहता था, और फिर भी केवल उससे ही दूर भागना चाहता था।

वह स्वयं को हजारों गतिविधियों और दृश्यों में लीन कर लेता था।

युद्ध और उथल-पुथल के बीच। उसने फैसला किया कि उसे उत्तर की ओर जाना होगा, साथ में...

दादी चाओ के साथ, या फिर जो भी मोर्चे पर जा रहा था।

अध्याय XVm

पोटा आईसी वेइलिन गया था, और उसकी ओर से कोई पत्र नहीं आया था।

दस दिनों तक। जब भी तानी जाती थी, वह लाओ पेंग से अक्सर मिलती थी।

हैनकोव। एक दिन परिवारों की परेड होगी।

घायल सैनिकों पर, दूसरी ओर एक सार्वजनिक बैठक जिसमें दादी माँ

चाओ को बोलना था। टैनी को सभी बातों में दिलचस्पी होने लगी थी।

युद्ध प्रयासों में, और विशेष रूप से मैडम चियांग के युद्ध-क्षेत्र में

सर्विस कोर। चिउहू के माध्यम से ही वह मिस से परिचित हुई थी।

तुआन अच्छी थी। उसे उसका मज़ाकिया स्वभाव पसंद था, जैसा कि उसे ज्यादातर लोगों में पसंद था।

वह जिन युवा महिला कामगारों से मिली थी। वे सभी उतनी आकर्षक नहीं थीं जितनी कि

मिस तुआन, लेकिन वे उस पीढ़ी के लोग थे जिनसे वह स्वयं संबंधित थीं।

संबंधित।

अब वह मिस तुआन को उनके पहले नाम से पुकारती थी। वेन। वे थे

दोनों फिल्मों के विज्ञापन। आने वाले आकर्षण थे

दोनों लड़कियों के बीच जीवंत चर्चाओं का विषय, और दो के लिए

उन्हें हफ़्तों पहले ही पता चल जाता था और उन्हें याद रहता था कि कौन सी फ़िल्म आने वाली है।

और किस थिएटर में? चूंकि मिस तुआन आमतौर पर दिन में व्यस्त रहती थीं।

उस समय, वह सप्ताहांत को छोड़कर दोपहर के शो नहीं देख पाती थी, लेकिन

कभी-कभी टान्नी शाम को शहर आती थी और

कभी-कभी चिउहू भी उनके साथ चली जाती थी।

एक बार रात में थिएटर से लौटते समय वे मिलने गए।

लाओ पेंग ने उसे थोड़ा नशे में पाया। उसे चुपचाप बैठे देखकर...

जब वह अपनी मेज पर बैठा था, तभी तीनों लड़कियाँ उसे अकेला छोड़कर चली गईं।

बोला जा रहा है।

कुछ दिनों बाद कुछ ऐसा घटित हुआ जिसके कारण यह आवश्यक हो गया।

लाओ पेंग को हंगशान वापस जाना था। वह बूढ़ी औरत जो थी

कोइफिन्स के साथ कमरे में रहने वाली ने कहा कि उसके पास कुछ है

लाओ पेंग से यह कहना बहुत ज़रूरी था। वह अपने काम में असफल हो रही थी।

उसका स्वास्थ्य काफी अच्छा था। वह अन्य शरणार्थियों के साथ घुलमिल नहीं पाती थी।

घर में, और ऐसा लग रहा था कि उसका दिमाग भी उसके शरीर की तरह सिकुड़ गया है।

जब उसने पूछा कि उसने इतने दिनों से पेंग ह्यूब को क्यों नहीं देखा है

कुछ दिनों बाद, टैनी ने उसे बताया कि वह जा रहा है। बूढ़ी औरत ने उसे रख दिया।

उसकी दुबली-पतली, धब्बेदार, झुर्रीदार इम्द ने टैनी पर अपना चेहरा चढ़ा लिया और उसे बिगाड़ दिया।

उसकी आँखों ने उसे देखा।

“आप दया की देवी हैं, है ना? मेरी पुरानी

आँखें धुंधली हैं। कोई अच्छा काम करो और अपने प्रियजनों से मिलने के लिए कहो।

मैं। मैं अब मरने वाला हूँ और मुझे उसे कुछ बताना है।"

इसलिए तानी ने जाकर लाओ पेंग को खबर दी और उसे वापस ले आई।

उसकी।

जब वे उस बूढ़ी औरत के पास गए, तो वह बिस्तर पर लेटी हुई थी।

लाओ पेंग को देखकर वह बहुत खुश हुई।

“मैं मरने वाली हूँ,” उसने कहा। “मैं काफी जी चुकी हूँ।”

एक बूढ़ी औरत, जिसका दुनिया से अब कोई लेना-देना नहीं है। मैंने सुना है कि तुम जा रहे हो।

मैं दूर हूँ, इसलिए मैंने आपसे मिलने का अनुरोध किया है...

अपने कांपते हुए कमजोर हाथों से उसने खुद को उठाया और टटोलने लगी

उसके तकिये के बगल में एक छिला हुआ कपड़ा पड़ा था। उसने धीरे-धीरे गांठ खोली और उसे उठा लिया।

एक पुराने अखबार में लिपटे एक छोटे से पैकेट को बाहर निकाला और उसे पकड़ लिया।

उसने लाओ पेंग से सख्ती से कहा:

“तुम एक अच्छे आदमी हो, पेंग लेथ। तुमने मुझे श्दटर दिया है।”

और अपने अंतिम दिनों में भोजन। अब मुझे बस एक ही काम करना बाकी है।

और मुझे पता है कि मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूँ।

उसने पैकेज खोला।

मेरे पास यहाँ तीन सौ डॉलर हैं, ये मेरी जीवन भर की बचत है।

क्या तुम मुझे एक कॉफ़ी खरीद दोगे?

“तुम मरने वाले नहीं हो, बूढ़ी दादी माँ,” लाओ पेंग ने कहा।

283 ए

“नहीं, मेरे दिन समाप्त हो गए हैं। मेरा बेटा कभी वापस नहीं आएगा। मैं

मैं बस अपने ताबूत का इंतजार कर रहा हूँ, और फिर मैं मर जाऊँगा। क्या मुझे एक अच्छी,

सौ डॉलर में तेज़ कैफीन? मुझे तो अच्छे की उम्मीद भी नहीं है।

मुझे बिल्कुल वैसा ही चाहिए जैसा वहाँ है, लेकिन मुझे इम्मड लकड़ी का चाहिए।

यह बहुत बड़ा होना जरूरी नहीं है, लेकिन जब मैं इसे देखूंगा तो मुझे शांति मिलेगी।"

उसने लाओ पेंग को पैकेट सौंपते हुए कहा: 'तुम इसे गिनो।'

वहाँ सौ डॉलर होने ही चाहिए। मेरी आँखों को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है।

अधिक।"

उन्होंने नोटों की गिनती की। इनमें से अधिकांश नोट उस समय जारी किए गए थे।

बीजिंग शासन के दौरान, वे अब पूरी तरह से बेकार थे, लेकिन उसने ऐसा किया।

notteUherso.

"यह सही है। तीन सौ डॉलर।"

“क्या तुम आज मेरे लिए एक अच्छा ताबूत खरीदोगे? मैं उसे देखना चाहता हूँ।”

एक सौ या एक सौ बीस डॉलर काफी होंगे।

जो भी मेरे शरीर को धोएगा, उसे पच्चीस डॉलर दे दूंगा।

अंतिम संस्कार के लिए अपने बाल संवार रही हूँ। ये कपड़े अब पुराने हो गए हैं। खरीदो।

मुझे एक ड्रेस, जी हाँ, एक रेशमी ड्रेस, रेशमी स्कर्ट और एक जोड़ी नए जूते।

मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी रेशम नहीं पहना। मेरा छोटा सा शरीर

रेशम के कपड़े पहनने के लिए उपयुक्त नहीं है।

मुझे अभी एक बहुत बड़ी रेशमी पोशाक चाहिए। क्या आप मेरे लिए यह बना देंगे?

“बिल्कुल, अगर आपकी यही इच्छा है तो मैं आज ही आपके लिए इन्हें खरीद लूंगा।”

लाओ पेंग ने उत्तर दिया। फिर उन्होंने कहा: "क्या आप चाहते हैं कि भिक्षु कहें?"

आपके लिए प्रार्थना?

"नहीं," बूढ़ी औरत ने कहा। "बुद्ध ने मेरी मदद नहीं की।"

मेरे बेटे को ढूंढो। मेरे अंतिम संस्कार पर लगभग बीस डॉलर खर्च करो। मुझे यह पसंद है।

यहां पहाड़ी का नज़ारा अच्छा है, इसलिए पड़ोसी के घर में ही कब्र खुदवा लो।

हुड। और मैं आपको और जे\फोसी की बहन देवी को धन्यवाद दूंगा।

मुझे मरने के लिए एक शांतिपूर्ण जगह प्रदान करो।"

वह हांफ रही थी, लेकिन फिर भी बोलती रही। "मैं 'बनना' नहीं चाहती..."

आप पर या किसी और पर बोझ मत बनो। यह पैसा लो और मुझे दे दो।

एक सम्मानजनक अंतिम संस्कार। शायद दस लाख पाउंड और % डॉलर बचे हों।

बस। अगर मेरा बेटा वापस आता है तो उनके लिए इन्हें संभाल कर रख लेना।

"आपका बेटा कौन है और वह कहां है?"

“उसका नाम चेन सान है। मुझे नहीं पता वो कहाँ है। मैं

मैं इतने सालों से उसकी तलाश कर रहा था, लेकिन वह कभी वापस नहीं लौटा।

मेरी बूढ़ी माँ। मैंने उसे सोलह साल की उम्र में खो दिया था। जब

मांचू साम्राज्य का अंत हो गया, क्रांतिकारियों ने उसे अपने साथ ले लिया।

"उसकी क्या उम्र है?"

"वह अब Sattf से ऊपर होगा। शायद अब वह एक पंख बन गया हो। या

शायद वह मर गया है, वरना वह अपनी माँ के पास वापस आ जाता।

मैंने उसके लिए ये पैसे बचाए, एक-एक सिक्का करके, एक-एक तांबा करके, जबकि

जेड84

मैं उसके वापस आने का इंतजार कर रहा था। अगर वह आता है, तो बाकी का काम उसे दे देना।

उसे पैसे दे दो। उसे मेरी माँ का प्यार देना और उससे कहना कि मैं

उसके लिए कुछ कपड़े छोड़ दिए थे — ˆयाओ की तीसरी बेटी के पास

बीजिंग में परिवार — ˆवर्षों पहले।"

"बीजिंग का कौन सा याओ परिवार?" तानी ने अचानक पूछा।

इच्छुक।

वे प्रिंस गार्डन में रहते थे, और मैं उनके लिए काम कर रहा था।

परिवार की तीसरी बेटी।

“यह कितने साल पहले की बात है?”

“अब बीस साल हो गए होंगे,” उसने कहा, और कर सकती थी

और कुछ मत बोलो।

लाओ पेंग की मुलाकात क्यूएन सान से सिर्फ एक साल पहले हुई थी और उन्होंने उससे ये सब सुना था।

पोया एक प्रसिद्ध कहानी है जिसमें एक खोए हुए बेटे की कहानी है, जिसकी माँ

याओ परिवार के साथ काम करते हुए। उसने सुना था कि यह महिला

वह रात में काम करती और सिलाई करती थी ताकि अपने बेटे के लिए कपड़े बना सके।

वह उसे कभी ढूंढ पाएगी या नहीं, और हर महीने एक बार, वह पूछती थी

वह चली गई और उसने नए कपड़े को अपनी बगल में दबा लिया और

झाग झाग बनाने लगी।

बीजिंग की सड़कों पर, युवकों और सैनिकों को रोककर इस उम्मीद में कि...

अपने बेटे को ढूंढने के बारे में, और कैसे वह हमेशा उदास और निराश होकर लौट आती थी...

नियुक्त किया गया, और कैसे एक दिन, जब सैनिकों ने शहर को भर दिया, तो वह थी

उसे यकीन था कि उसका बेटा लौट आया है और उसने अपनी मालकिन से विदा ली है।

गायब हो गया और कभी वापस नहीं लौटा। बाद में, कियान सान वापस आ गया।

और उसने कुंग लिफ्टी की बहन से शादी कर ली, जो मोचो का पति था।

लेकिन लाओ पेंग को इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि ये अब कहाँ हैं, और वह जानता था

केवल वे ही शांसी में लड़ रहे गुरिल्लाओं में शामिल हुए थे। उन्होंने बात की।

टान्नी से फुसफुसाते हुए।

“हमें पोया को एक टेलीग्राम भेजना चाहिए,” तानी ने कहा। “लेकिन उसे यह बताना चाहिए।”

पहले। इससे शायद उसे जीने की इच्छा जागृत हो।

लाओ पेंग ने बूढ़ी औरत की ओर मुड़कर कहा: “हम जानते हैं कि

बीजिंग का याओ परिवार। बूढ़ी दादी, आपको मरना नहीं चाहिए।

लेकिन बूढ़ी औरत को ठीक से सुनाई नहीं देता था।

“तुम्हारा बेटा वापस आया और उसकी शादी हो गई,” टैनी ने चिल्लाते हुए कहा।

कान। "पेंग लाएह ने उसे याओ के घर पर देखा है।"

बूढ़ी औरत ने अपना कांपता हुआ हाथ आगे बढ़ाया और पकड़ लिया

टैनी।

“आप कहते हैं कि मेरा बेटा वापस आ गया है? और वह अभी भी जीवित है? कहाँ?”

“क्या वह है?” उसने हैरानी से कहा।

“वह जीवित है,” लाओ पेंग ने कहा। “हम उसे आपके लिए ढूंढ निकालेंगे।”

बुढ़िया रोने लगी, लेकिन उसका रोना भी कमजोर था।

केवल उसका सिर और शरीर सामान्य से अधिक कांप रहे थे।

ए8जे

“वो कहाँ है? क्या तुमने हिउई को देखा?” उसने अपने आँसू पोंछते हुए कहा।

आँखें।

“वह स्वस्थ, लंबा और मजबूत है,” लाओ पेंग ने कहा। “वह ठीक है।”

उत्तर की ओर। हम उनसे कहेंगे कि वे आकर आपसे मिलें। युद्ध

तुम्हें, मोदियर और बेटे को अलग करने वाले इस युद्ध का परिणाम यही होगा।

फिर से एक साथ। मैं याओ परिवार को जानता हूँ। आपका बेटा उनसे संबंधित है।

उन्होंने कुंग परिवार की बेटी से शादी की।

बूढ़ी औरत ने अपना हाथ कान पर रखा और उसकी आँखें टकटकी लगाए

लाओ पेंग, उसकी कही हुई बातों को समझने की कोशिश में...

उसे याददाश्त वापस आ गई और उसने कहा; “तुम्हारा मतलब है कि वह है

क्या उसने मिस्टर कुंग की बहन से शादी की थी? वह एक अच्छी महिला थी, और मैं भी।

उसकी भी सेवा कर रहे हैं। मेरा बेटा कहाँ मिलेगा? मेरा पैसा ले लो और

उसे भेज दो। उससे कहो कि मेरी बहू के साथ आए और देखे।

उसकी माँ के मरने से पहले। मुझे उसका मल देखने दो और उसकी आवाज़ सुनने दो।

और मैं खुशी से मरूंगी।” उसने सिर हिलाया, मुस्कुराई और हांफने लगी।

और फिर मुस्कुराया।

"क्या मैं अभी ताबूत खरीद लूँ?"

^Tfes, मेरा ताबूत खरीद लो। मैं अपने बेटे के आने का इंतजार करूँगा और फिर मैं

क्या होगा।

लाओ पेंग पोया को टेलीग्राम भेजने के लिए हैंकोव गए, और

उसने मेपल की लकड़ी का एक अच्छा ताबूत खरीदा।

अगले दिन जब ताबूत आया, तो कियानमा यह करने में सक्षम थी कि...

इसे देखने के लिए सामने वाले कमरे में आओ। उसका मल गर्व से चमक रहा था।

जैसे ही उसने मेपल की लकड़ी की कठोर सतह को महसूस किया। महिलाएँ और

बच्चे उसे घूर रहे थे और उसने मुस्कुराते हुए उनसे कहा; “यह है

"मेरे बूढ़े शरीर के आराम के लिए अच्छी, मजबूत लकड़ी।" उसने उसे हटवा दिया।

वह उसे अपने कमरे में ले जाती थी, और अक्सर उसकी जांच करती थी, उसे छूती थी और...

खुश।

लाओ पेंग ने कहा कि वह पोया के जवाब का इंतजार करने के लिए

रुकेंगे, लेकिन

जब वह हैंकोव में दूर था, तब बीमार लड़की पिनपिन को

वह अपने कमरे में चला गया, और इसलिए वह अंदर के कमरे में सो गया, जो

बीमार लड़की के पास पहुँचने के लिए तानी को वहाँ से होकर गुजरना पड़ा। उस सुबह

उसने टान्नी को फूलदान में रखने के लिए कुछ जंगली कैमेलिया लाते हुए देखा था।

जो पिनपिन की खिड़की के सामने मेज पर रखा था।

दोपहर बाद, टान्नी बीमार लड़की को देखने आई। उसका बिस्तर पड़ा हुआ था।

खिड़की की ओर, और बाहर की हरियाली सूरज की रोशनी को प्रतिबिंबित कर रही थी।

कमरा काफी रोशन हो गया था। वह बिस्तर पर लेटी हुई थी, उसकी आँखें

गहरा काला और उसका मल खोखला और लाल रंग का था। वह

ताबूत के आने से भयभीत होकर, उसने उस लोमड़ी को आते देखा था जिसे लाया गया था।

सामने वाले कमरे से अंदर आओ।

पिनपिया की छोटी सी बायोलॉजिकल गुड़िया उसके साथ थी। बिस्तर पर लेटी लड़की थी।

उसे गुणा का पहाड़ा सिखाना।

पिनपिन बीच-बीच में रुक जाती और अपने छोटे भाई को आगे बढ़ने देती।

मुख्य भूमिका में। उसने टान्नी को आते देखा, मुस्कुराई और आगे बढ़ गई।

मेज़।

"सात गुना सात सौ उनतालीस। आठ गुना सात सौ छप्पन। नौ गुना

सात सौ तिहत्तर। दस गुना सात सौ सत्तर! हमने इसे पार कर लिया।

समय।"

अंत में दोनों बच्चे विजयी भाव से हँसे। टैनी

वह उनके साथ हंसी। लेकिन उसे याद था कि ये माताएँ थीं-

कम बच्चे थे और उसने उनकी मासूम खुशी के नीचे छिपी करुणा को महसूस किया।

इस छोटी बच्ची के अपने छोटे भाई को सिखाने का दृश्य।

"लेकिन आपको खुद को थकाना नहीं चाहिए," उसने कहा।

पिनपिन ने कहा: "फूलों के लिए धन्यवाद। मैं सो रहा था जब..."

तुम अंदर आए, लेकिन मुझे पता था कि तुमने ही उन्हें वहाँ रखा था। छोटा बदमाश

वह बहुत होशियार है। वह सात तक का गुणा पहाड़ा बता सकता है।

अब। आगे क्या आएगा? बारह गुना सात अस्सी होगा-

चार — और फिर मैं भ्रमित हो जाता हूँ।"

“तुम्हारा दिमाग बहुत सक्रिय है,” टैनी ने कहा। “क्या तुम नहीं चाहते कि...”

अब सो जाओ?

नहीं, आओ और मुझसे बात करो। आज सुबह मुझे पर्याप्त नींद मिली है।

टान्नी पलंग के पास बैठ गई और लड़के से वहां से चले जाने को कहा।

अपनी बहन को आराम देने के लिए कमरा।

बगल के कमरे में मौजूद लाओ पेंग ने बातचीत सुन ली।

“अब आपको कैसा लग रहा है?” टैनी ने पूछा।

मैं बिल्कुल सही हूँ। इंजेक्शन से मुझे फायदा हुआ। सिवाय इसके कि मुझे अभी भी

सुबह-सुबह उसे बहुत खांसी हुई, और फिर

सुबह तक मुझे बहुत थकान और नींद आने लगी थी। हे दया की देवी,

तुम इतने सुंदर क्यों हो?"

"ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम मुझे पसंद करते हो।"

नहीं, यह सच है। मैंने तुम्हारे जैसी खूबसूरत किसी को कभी नहीं देखा।

आप कितने दयालु हैं! आपने हमारी जान बचाई, मेरे पिता, मेरे भाई।

और मैं। मैं तुम्हारे जैसा बनना चाहता हूँ। तुम्हें कितना समय लगेगा?

आपको क्या लगता है कि ठीक होने में कितना समय लगेगा?

मुझे नहीं पता। आपको शांति से आराम करना चाहिए और अच्छा भोजन करना चाहिए।

खूब धूप लें, और आप स्वस्थ हो जाएंगे।

जब युद्ध समाप्त हो जाए, तो आपको चीन में हमसे मिलने अवश्य आना चाहिए।

हां। हमारे पास एक छोटा सा घर और अपना एक छोटा सा बगीचा है।

और हमारा घर यहीं पास में एक नदी के किनारे स्थित है। यह नदी ही है।

वही यांग्त्से, मेरे पिताजी ने मुझे बताया। और वहाँ एक द्वीप है।

28?

नदी को गोल्डन हिल कहा जाता है, जो पेड़ों से भरी हुई है। हम

युद्ध शुरू होने तक हम नदी के किनारे खेला करते थे।

"क्या तुम्हारी मां तुम्हारे साथ थी?"

नहीं, मेरी माँ की मृत्यु तब हुई जब मेरा छोटा भाई बोरा था।

युद्ध समाप्त होने के बाद आप अवश्य हमसे मिलने आइएगा। हमने खाना नहीं खाया है।

मैं अमीर हूँ, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप मेरा घर देखें।"

"हाँ, मैं जीत गया, आपसे मिलने आऊंगा।"

अचानक लड़की ने पूछा: "क्या आपको लगता है कि मैं मरने वाली हूँ?"

“अरे नहीं। तुम बड़ी होकर एक खूबसूरत लड़की बनोगी। तुम ऐसा क्यों सोच रही हो?

क्या आप कोई प्रश्न पूछना चाहते हैं?

मैंने आज सुबह कॉफ़बीएन को देखा, और मैं डर गया हूँ।

“डरो मत। बुढ़िया ने इसे अपनी जेब से खरीदा है।

पैसा। वह बहुत बूढ़ी है, और तुम एक जवान लड़की हो। इसके बारे में मत सोचो।

ऐसी बातें। चलो, फिर से कैट्स-क्रेडल खेलें?

पिनपिन ने दिल से सहमति जताई, और खेलते-खेलते वे आगे बढ़ते चले गए।

मैं तुम्हारे जैसी दयालु और सौम्य बनना चाहती हूँ। मैं चाहती हूँ...

सुंदर हो, लेकिन मैं तुम्हारे जैसी बनने की उम्मीद नहीं कर सकती। फिर मैं बनना चाहती हूँ...

मैं और मेरी नर्स शादी करके सिर्फ दिन भर खूबसूरत दिखना नहीं चाहते।

"तुम बहुत आगे की सोच रहे हो," टैनी ने मुस्कुराते हुए कहा।

लेकिन जब आप खूबसूरत होंगी, तो कोई न कोई आपसे प्यार कर बैठेगा।

और फिर क्या?

"तो फिर भी मैं उससे शादी नहीं करूंगी।"

"तब तुम सचमुच निर्दयी हो जाओगे।"

मैंने कहानियों में सुना है कि प्यार में पड़ा आदमी किसी के लिए अपनी जान तक दे सकता है।

लड़की को देखना, और फिर उसे देखकर ठीक हो जाना— क्या यह सच है?

तानी को पता था कि लाओ पेंग बगल वाले कमरे में है, इसलिए उसने जवाब दिया।

शर्माते हुए; “शायद यह सच है, अगर लड़की बहुत सुंदर हो और लड़का

वह उससे बहुत प्यार करता है।

इस प्रकार वे बैठे रहे, बातें करते रहे और बिल्ली का झूला खेलते रहे जब तक कि टैनी

उसने कहा कि उसे आराम करना चाहिए और मेज पर रखे खाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

और उसे अकेला छोड़ दिया।

अगली सुबह एक सुखद आश्चर्य लेकर आई।

वह लगातार खबर पूछती रही, और टैनी ने उससे कहा कि उसे धैर्य रखना होगा।

उसे इस बात का संदेह था कि पोया शायद पहले ही जा चुकी हो।

क्वेलिन को टेलीग्राम नहीं मिला।

उस सुबह युमेई तानी के पास आई और बोली कि एक प्यारी सी लड़की...

और अधनंगी पोशाक वाली महिला घर आई और देखने के लिए कहा।

पेंग के साथ एक युवक था। टान्नी उसे देखने के लिए बाहर गई।

उन्हें खाली सामने वाले कमरे में ले जाया गया। महिला ने उत्सुकता से उसका स्वागत किया।

निगाहें गड़ाए, होठों पर हल्की सी मुस्कान। उसने काले रंग का गाउन पहना हुआ है।

टैनी देख सकती थी कि वह बेहतरीन सामग्री से बना था, और उस पर एक

यह हैंडबैग निश्चित रूप से शंघाई से आया होगा।

वह अधेड़ उम्र की थी, फिर भी उसका शरीर एकदम सुडौल था।

उसमें कुछ ताजगी और मौलिकता थी, एक सहज और सौम्य स्वभाव था।

व्यवहार, और असाधारण शालीनता और सुंदरता। वह युवक था

वह लंबा, चौड़े कंधों वाला और सुगठित चेहरे वाला था।

चुंगशान की वर्दी में।

जब महिला बोलने लगी, तो टैनी ने विशिष्ट स्वरों को सुना।

पारंपरिक पेकिंग लहजा। **रात 1 बजे, श्रीमती त्सेंग। मुझे आने के लिए खेद है।

बिना किसी औपचारिकता के, लेकिन मुझे पोया से एक टेलीग्राम मिला जिसमें पूछा गया था

मुझे आपसे मिलने आने के लिए प्रेरित करें।

तानी का दिल उछल पड़ा और वह अनजाने में "ओह्ह" चिल्ला उठी।

"क्या आप मिस पेंग हैं? मैं पोया की दूसरी चाची हूँ। यह मेरा बेटा है।"

"हमारा।"

टान्नी ने उसकी ओर एक त्वरित नज़र डाली और मुस्कुराकर सहमति जताई।

"ओह, आप उनकी चाची मुलान हैं! मुझे माफ़ करना।"

इस तरह दिखना। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था..." वह जल्दी से आगे बढ़ी।

कुछ स्टूल हटाते हुए, इतनी हड़बड़ी में कि उसके बाल उसके ऊपर बिखर गए।

उसके कंधे। उसके चेहरे पर उसकी उलझन स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

मुलान ने कहा: मुझे कल रात यह टेलीग्राम मिला, और मैं बहुत उत्साहित थी।

मुझे आज सुबह सबसे पहले आकर आपसे मिलना ही था।"

“हम पोया से खबर सुनने का इंतजार कर रहे थे,” तानी ने कहा।

उसने टीडीग्राम लिया। उसे पढ़ते समय वह सचेत थी।

मुलान उसे दयालुता से देख रही थी, उस आधे-अधूरे चेहरे के साथ-

लगातार उसके मुंह के आसपास मंडरा रहा था।

कृपया हंगशान स्थित शरणार्थी गृह में सुश्री टान्नी पेंग से मिलें।

चेन सान की मां वहां हैं। चेन सान का पता लगाने में मदद करें।

कृपया मिस पेंग को अपने रिश्तेदार की तरह समझें और उन्हें आमंत्रित करें।

मेरे लिए अपना घर दे दो। उसे जानना ही उसकी कद्र करना है। पोटा।

तन्नी जब टीले के अंत तक पहुंची तो उसके चेहरे पर थोड़ी सी शर्म आ गई।

यह उसकी उम्मीद से कहीं अधिक था। उसे यह पता नहीं था कि

मुलान हैंकोव में थी। जब वह शंघाई में थी, पोया ने बताया था।

वह अपनी प्रसिद्ध चाची मुलान के बारे में बड़े गर्व और स्नेह से बात करती थी।

स्नेह व्यक्त किया था और उसके बारे में कहा था कि वह हांगचो में रहती है।

जब आप मेरी सौतेली चाची को जान लेंगे, तो आपको उन पर गर्व होगा।

“मैं,” पोया ने कहा था। सहज रूप से उसे लगा कि यह यात्रा

2एस9

■पोया के साथ अपने भविष्य के लिए गंभीर परिणामों से ग्रस्त।

उत्साह से बेहाल होकर वह लाओ पेंग को बुलाने दौड़ी, और उसने

वह अंदर गई और चेन्मा को बाहर ले आई, जो लड़खड़ाते हुए बाहर आई।

बूढ़े पैर।

मुलान उठी और उसके बहुत करीब गई और अपना हाथ उसके ऊपर रख दिया।

उसके कंधे।

“क्या तुम चेनमा हो? मैं मुलान हूँ, दूसरी बेटी।”

याओ परिवार। क्या आपको मैं याद हूँ?

घेनमा ने अपनी धुंधली आँखों से मुलान की ओर देखा और खाँसी।

और बोलने की कोशिश की, लेकिन उसकी आँखों से आंसू बहने लगे, और वह

उसने अपनी जैकेट का किनारा उठाया और चुपचाप उन्हें पोंछा। मुलान

मैंने उसे उसकी कुर्सी पर बैठने में मदद की, जहाँ वह बैठी रही और रोती रही।

ता^ ने देखा कि मुलान बहुत विचलित थी। क्योंकि मुलान जानती थी कि

इस महिला का पूरा इतिहास, जो तीस वर्षों से खोज रही थी

अपने बेटे के लिए उसने अकेले ही धैर्यपूर्वक इस संकट को सहा था।

कि नियति ने उसके मातृत्व पर यह विपत्ति डाली थी। टान्नी ने एक दया भाव देखा।

मुलान की लंबी और पतली काया झुकते ही उसकी गालों से आंसू बहने लगे।

ओरर चेनमा। अंत में, अपना सिर झुकाए हुए, चेन सान का

पूछा: "मेरा बेटा कहाँ है?"

मुलान की आवाज़ कोमल और धीमी थी जब उसने जवाब दिया: "वह ठीक है।"

वह उत्तर में है। मैं तुरंत एक टेलीग्राम भेजकर उससे अनुरोध करूंगा।

आपसे मिलने आऊंगा।

■ इसमें कितने दिन लगेंगे?

"अगर वह रेल मार्ग से आ सके तो इसमें एक या दो सप्ताह लगेंगे।"

अब उस बूढ़ी औरत ने अपने आंसू पोंछे और पूछा: “मेरी

जब बेटा लौटा तो उसका चेहरा कैसा था?

वह लंबा और बलवान था। उसने लिफू की बहन हुआन-एरह से शादी की।

“हो सकता है वे एक साथ नीचे आ जाएं,” मुलान ने बड़े आत्मविश्वास से कहा।

उसे खुश करने के लिए।

"ओह, मेरी एक बहू है! क्या मेरा कोई पोता है?"

“मुझे तो इसकी जानकारी नहीं है। क्या आप मेरे घर आकर ठहरना चाहेंगे?

जब तक आपके बेटे और बहू नहीं आ जाते, तब तक घर में ही रहें?

बुजुर्ग महिला ने जवाब दिया कि वह जहां है वहीं सहज महसूस कर रही है।

टैनी ने मुलान के कान में फुसफुसाकर कहा कि उस बूढ़ी औरत ने उसे खरीद लिया था।

वे ताबूत के पास गए और रोज़ाना उसकी मृत्यु की बात करते थे। उन्होंने उसे वापस उसके घर तक पहुँचाने में मदद की।

कमरा। जब मुलान ने नया ताबूत देखा तो वह कांप उठी।

“क्या आप उसे इस कमरे से बाहर जाने और हमारे साथ रहने के लिए मना सकते हैं?”

“तुम?” टैनी ने कहा। “उसका बेटा उसके यहाँ रहने से परेशान होगा।”

उस कमरे में तीन ताबूत हैं। अगर आपके पास उसके लिए कोई rcx > m है, तो 'हम

उसे ले जाने के लिए पालकी भेजी जा सकती है।"

अब जब वे दोनों एक साथ मैदानों पर जा रहे थे, मुकन ने बताया

लाओ पेंग, तान्नी और युमेई ने बूढ़े की कहानी का अंश प्रस्तुत किया

महिला। टैनी ने उत्सुकता से सुना और मुलान की तेज़ फुर्ती देखी।

आँखें, कल्पना की एक सुखद रोशनी से जगमगा रही थीं जो हर बात को जायज़ ठहराती थी।

पोया ने उसके बारे में कहा था। जिस तरह से वह लगातार अपना सिर झुकाए रखती थी।

एक तरफ उसके बाहरी रूप के नीचे छिपी एक पथभ्रष्ट आत्मा दिखाई दे रही थी।

परंपरा का स्वरूप। इस दौरान एक सहज प्रतिक्रिया होती है।

किसी महिला की अपने मंगेतर की महिला रिश्तेदारों से पहली मुलाकात,

एक प्राकृतिक रासायनिक अरुचि या आकर्षण जिसका कारण बताया जा सकता है

केवल उच्चतर इंद्रियों द्वारा। टैनी को यह सुनकर रोमांच महसूस हुआ।

मुलान, याओ परिवार की एक अंदरूनी कहानी है, जिसे उनकी राजसी शैली में बताया गया है।

और शालीनता और परिष्कार के आकर्षण के साथ। उसके पास था

पाओफेन और डिमफ्रैग्रेंस से मिलने पर उसे ऐसा कोई रोमांच महसूस नहीं हुआ।

मुलाह एक सच्ची याओ थी। तानी तुरंत समझ गई कि वह उसे बहुत पसंद करती है।

मुलान में, और मुलान के ऊपर एक ऐसी शक्ति महसूस हुई जो उसके

करीब थी और

मानवीय और स्नेही।

यह स्पष्ट था कि मुलान को टान्नी में बहुत रुचि थी, न कि

केवल इसलिए क्योंकि पोया के टेलीग्राम में उससे कहा गया था कि वह उसे रिश्तेदार की तरह माने।

लेकिन वह इस युवती के परोपकारी कार्य से प्रसन्न हुई।

इस सुरम्य पहाड़ी पर काम करना, और विशेष रूप से वह

उसे अपने भाई अफेई से एक पत्र मिला था। उसके पत्र में लिखा था कि

उसे पोया के प्रेम प्रसंग और टान्नी की परेशानी के बारे में बताया।

हालांकि उनका लहजा सहानुभूतिपूर्ण था, उन्होंने संकेत दिया था कि शायद

पोया की पत्नी से परेशानी हो सकती है।

जब मुलान ने टान्नी को इस हालत में देखा तो वह पूरी तरह से हैरान रह गई।

वह शरणार्थियों के बीच रह रही थी, और उसका दिल उनके प्रति स्नेह से भर गया।

उसकी। अधिकांश महिलाओं को रखैल रखने के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं था।

जब वह परिवार के बारे में बात कर रही थी, तो टैनी को लगा कि वह पहले से ही

रिश्तेदार की तरह व्यवहार किया जाना।

फिर वे सामने वाले कमरे में वापस आए, एक विलंबित टेलीग्राम

पोया हिआद से लोग तान्नी से मुलान से संपर्क करने के लिए कह रहे हैं।

क्यूनमा को अपने घर लाने की व्यवस्था करने के तीन दिन बाद

बाद में, मुलान ने तानी से कहा, "आओ और दोपहर के भोजन के लिए रुक जाओ। मैं

मैं आपसे कुछ खास चीजों के बारे में बात करना चाहता हूँ। यह जानते हुए कि...

इस मुलाकात का उसके लिए जो भी मतलब हो, टैनी ने उसकी दयालुता के लिए उसे धन्यवाद दिया।

और उन्होंने सहर्ष सहमति दे दी।

बड़ी मुश्किल से चेन्मा को वह जगह छोड़ने के लिए राजी किया गया।

तीसरे दिन वे बूढ़ी औरत को पालकी में बिठाकर रवाना हुए।

कुर्सी। उन्होंने इसे एक अवसर बना दिया। लाओ पेंग लौट रहा था।

उसका होटल। युमेई धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही थी। तानी

291 के*

उसने सुझाव दिया कि वह एक दिन के लिए हैंको जाकर फिल्म देखे।

वे गोल्ड लक को अपने साथ ले गए, लेकिन उसे फिल्म के बारे में कुछ नहीं बताया।

जब तक वे शुरू नहीं हुए थे, चेनमा अनिच्छा से अपना नया घर छोड़कर चली गई।

पीछे, यह बताए जाने के बाद कि वह वहाँ सुरक्षित रखा गया है, और यह कि

वह इसे मुलान के घर में किसी भी हालत में नहीं ले जा सकती थी।

वे लगभग दस बजे मुलान के घर पहुँचे। यह एक

एक छोटा अलग घर जिसमें पांच या छह कमरे और एक छोटा बगीचा है

पीछे की ओर, हैंकोव के बाहरी जिले में, हैंक नदी के किनारे स्थित।

रिवेट। यहाँ एक व्यावसायिक क्षेत्र विकसित हो गया था और अधिकांश

दुकानें और घर नए थे। लाओ पेंग बाकी लोगों के साथ आगे बढ़ गया।

शहर में, और मुलान, जो एकांत में बात करना चाहती थी

टान्नी ने उनके रुकने पर जोर नहीं दिया।

दोपहर के भोजन के दौरान, तानी की मुलाकात मुलान के पति सिमीआ और उसकी बेटी से हुई।

अठारह वर्षीय अमेई, अपने बेटे अतंग के अलावा, जो गर्भवती थी,

एक महीने की छुट्टी, लड़ाई में भाग लेने के बाद

अनह्वेई। यह एक छोटा, आरामदायक परिवार था। उन्होंने उसे बताया कि उनके पास

पिछले साल के अंत में हांगचो से रवाना होकर हांगचो पहुंचा।

जनवरी का महीना, और वे चार अनाथ बच्चे जिन्हें उन्होंने रास्ते में साथ ले लिया था।

वे अब भी उनके साथ थे।

मुलान ने आठवीं रूट आर्मी के प्रमुख के पते पर एक टेलीग्राम भेजा।

कुछ चौथाई राशि चेन सान को भेजी जानी थी। यह कहना मुश्किल था कि कैसे।

उस तक पहुँचने में कितना समय लगेगा, यह इस बात की मुख्य विशेषता है कि

गुरिल्लाओं की सबसे बड़ी खासियत उनकी अत्यधिक गतिशीलता थी। लेकिन अतंग ने उन्हें आश्वस्त किया।

कि गुरिल्लाओं के पास टेलीफोन संचार की एक उत्तम प्रणाली थी।

अपने ही लोगों का; वास्तव में, गुरिल्लाओं की पूरी आबादी

क्षेत्र उनके संचार माध्यमों के रूप में कार्य करते थे। यह प्रणाली ही थी...

उनकी बुद्धिमत्ता ही उनकी महान सफलता का कारण थी।

चेनमा की कहानी ने पुरानी यादें ताजा कर दीं, और जल्द ही

परिवार पुरानी यादों में खोया हुआ था, जबकि टैनी, एकमात्र सदस्य होने के नाते,

एक बाहरी व्यक्ति बैठा और सुनने लगा। मुलान अपने बच्चों को बता रही थी कि...

सगाई के दौरान सुन्या की शर्म।

"जब मैं गया तो तुम्हारे पंख ने मुझसे एक शब्द भी बोलने की हिम्मत नहीं की।"

उसका घर।"

"हाँ, और तुम्हारे बाद तुम्हारी माँ मेरे घर आने से बचती रही।"

“हम व्यस्त थे,” सुन्या ने जवाब दिया। “समय कैसे एक दूसरे से जुड़ गया है।”

मैं आपके घर गया था। क्या आपको याद है जब तिजेन था?

मैं इंग्लैंड जा रहा था, और मैं आपके घर गया, और आपने मुझसे पूछा

11 1 इंग्लैंड जा रहा था, और तुम्हारा मल पूरी तरह से लाल हो गया था?

"तिजेन कौन है?" तानी ने अपने बगल में बैठी अमेई से फुसफुसाते हुए पूछा।

“तिजेन मेरी मां का भाई है, पोया का पंख है,” अमेई ने उत्तर दिया।

जेडपीए

**18 क्या यह सच है? पिताजी? क्या आप माँ को देखकर शरमा गए थे?” अमेई ने पूछा।

“वह मुझसे ज्यादा शरमा गई,” सुन्या ने जवाब दिया। “वह सच में शरमा गई थी।”

वह खुद ही बाहर आती थी और जब मैं उसे बुलाने जाता था तो वह मुझसे मिलने नहीं आती थी।

नव वर्ष के दिन अपने माता-पिता को।

टैनी चुपचाप परिवार के हंसी-मजाक का आनंद ले रही थी।

एटीटीएमजी ने उसका बहुत ध्यान रखा।

मैंने माँ को कहते सुना कि तुम हमारे पेइपिंग वाले घर में ठहरे हुए हो।

उसने कहा।

टान्नी ने सिर हिलाया।

“क्या घर ठीक है, कहीं जापानी तो नहीं हैं?”

आखिरकार टैनी को कुछ कहने का मौका मिला। उसने उन्हें बताया

जब वह घर से निकली तो घर ठीक था, और फिर उससे पूछा गया

शंघाई में उनके रिश्तेदारों के बारे में प्रश्न। प्रश्नकर्ता

वह लगातार "विवाह के माध्यम से दूसरी मौसी" जैसे शब्दों का प्रयोग करती थी।

और "विवाह द्वारा दूसरी बुआ" होने के कारण, उनका समय काफी व्यस्त रहा।

रिश्तों को सुव्यवस्थित रखना। यह रोमांचक और आकर्षक था।

उसके लिए इन रिश्तेदारों को इस तरह संबोधित किया जाना, बजाय

इसके कि उन्हें किसी और तरीके से संबोधित किया जाए, उसके लिए कष्टदायक था।

यह बाहरी लोगों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला संबोधन का तरीका था, और उसे इस बात पर गर्व महसूस हुआ।

याओ और त्सेंग रिश्तेदारों के बीच समाचार पहुंचाने वाला।

यह उनके लिए कुल मिलाकर एक दिल को छू लेने वाला अनुभव था।

"बड़ी भाभी कौन थीं?" अमेई ने पूछा।

तानी असमंजस में थी। "उसका मतलब पोया की पत्नी, कैनान से है।"

मुलान ने थोड़ी धीमी आवाज़ में समझाया। उसने यह बात केवल अपनी सहेली को बताई थी।

अपने पति को पोया के साथ जटिल रिश्ते के बारे में, जैसा कि अफेई ने बताया था,

उसने यह बात उसे लिखे पत्र में कही थी।

कुछ पल की झिझक के बाद, टैनी ने एक अजीब सी मुस्कान के साथ कहा,

मैंने उससे लगभग एक हफ्ते पहले ही बात की थी। जब किसी ने पूछा नहीं।

इसके अलावा, उसकी क्षणिक शर्मिंदगी दूर हो गई, और मुलान ने शुरुआत की

अपने परिवार को यह बताने के लिए कि टान्नी शरणार्थी शिविर में क्या कर रही थी

घर, जिसका उन्होंने उत्साहपूर्वक वर्णन किया। थोड़ी सी झिझक

टान्नी ने अपनी पहली मुलाकात में जो देखा था, वह अब नहीं था। मुलान ने अभी भी वही पहना हुआ था।

उसके बाल सामने की ओर बिखरे हुए थे, और उसके हाथ और उंगलियां लगातार हिल रही थीं।

सुंदर भाव-भंगिमाओं में।

दोपहर के भोजन के बाद, मुलान तानी को अपने कमरे में ले गई, जहाँ वह

उसने जर्जर फर्नीचर के लिए माफी मांगी और बताया कि उसने ऐसा नहीं किया था।

पता नहीं वे हैंकोव में कितने दिन रुकेंगे। फिर भी यह दुखद है।

एक छोटा सा साफ-सुथरा कमरा, जिसकी पूर्वी दिशा वाली खिड़की से कई दृश्य दिखाई देते हैं।

आड़ू के पेड़ आंशिक रूप से खिल चुके हैं, जिससे हवा में हल्की सी खुशबू फैल रही है।

खुशबू। खिड़की के सामने एक मेज थी, जिस पर कई चीजें रखी थीं।

सुलेख की छाप वाली किताबें और एल्बम फैले हुए थे।

उस पर, बाहर की पत्तियों से परावर्तित हरे रंग में बालिक दिखाई दे रहे थे।

टैनी अपनी सबसे अच्छी गाउन पहनकर आई थी, जो ग्रे ऊनी कपड़े की

थी।

लैवेंडर की सजावट जिसे पोया ने उसके लिए डिज़ाइन किया था और जो

हैंकोव पहुंचने के बाद से उसका वजन नहीं बढ़ा था। उसके लंबे बालों के नीचे

उसकी आस्तीनों से उसका जेड का कंगन दिखाई दे रहा था।

मुलान ने उसे देखा और पूछा, "क्या तुम्हें जेड पसंद है?"

“हाँ। लेकिन मैंने इसे बचपन में पहना था और अब मैं इसे नहीं पहन सकती।”

इसे बंद कर दो।

झिझकते हुए और अभी भी पूरी तरह सहज न होते हुए, टैनी ने पन्ने पलटे।

सुलेख एल्बम।

“क्या आप वेई शिलालेखों का अध्ययन कर रहे हैं?”

मैं जब भी समय मिलता है, उन्हें देखता हूँ। कभी-कभी मैं पंद्रह मिनट के लिए देखता हूँ।

दोपहर के भोजन के बाद व्यायाम करें। यह शरीर को तरोताजा करने और शांत करने के लिए बहुत अच्छा है।

उनकी आत्मा को देखकर, व्यक्ति एक अधिक रहस्यमय दुनिया में लौट जाता है।

लेकिन मुझे लगा था कि वेई शिलालेखों की नकल करना केवल

पुरुषों के लिए, पुराने सेवानिवृत्त sdxokrsl”

मुलान मुस्कुराई और आगे बोली, “अपनी जवानी में मैं प्रशंसा करती थी

किएंग सियाओशु का साहसिक और शक्तिशाली प्रयास। लेकिन बाद में मैंने इसे त्याग दिया।

इसमें मेरे लिए कुछ ज़्यादा ही जोश था। आख़िरकार, यह एक कामुक प्रकार का है।

सुंदरता, शरीर की संपूर्ण गतिशीलता और कोमलता। फिर मैं गया...

वेई रबिंग्स के प्राचीन, अति-संवेदी स्वाद के लिए।

लेकिन उस स्तर की सुंदरता को हासिल करना सीढ़ीनुमा काम है।

अब मुलान ने तानी से अपने भाई के बारे में पूछना शुरू किया।

उसने अपने पत्र में लिखा था, "मुझसे डरो मत।"

उन्होंने कहा, 'टी शायद आपकी मदद कर सकता है।'

मुलान की स्पष्ट दयालुता से प्रभावित होकर, टैनी धीरे-धीरे

उन्होंने अपने और पोया के बारे में कुछ सवालों के जवाब दिए। उनकी कहानी...

गद्दारों के साथ उनके पुराने संबंधों ने मुलान की दिलचस्पी जगा दी, और

उसकी शर्मीली, झिझकती हुई आवाज़ ने मुलान को उसके करीब खींच लिया।

उसे बेहद राहत मिली जब उसे पता चला कि मुलान को काइओन पसंद नहीं था।

"मेरी जैसी लड़की के लिए यह मुश्किल है। कुछ न कुछ तो हमेशा गड़बड़ हो ही जाती है।"

गलत। मेरे पास महिलाओं का एक समूह है।

मुलान ने एक मजाकिया मुस्कान के साथ कहा, "प्यार में पड़ी हर औरत डरती है..."

अन्य महिलाएं।"

“हां, लेकिन मेरा मतलब इससे कहीं अधिक है। मेरा मतलब महिलाओं के प्रति सामाजिक पूर्वाग्रहों से है।”

वे हमेशा मुझे कंपकंपी दिलाते हैं। मुझे पता है कि मैं अच्छा इंसान नहीं रहा हूँ।

आम तौर पर महिला के अर्थ में। मैंने अपने जीवन में मूर्खतापूर्ण काम किए हैं।

युवा। ..."

“जवानी में कुछ नादानी भरे काम जरूर करने चाहिए,” मुलान ने कहा।

"जब आप सोचते हैं तो वे ही चीजें आपको युवा और ऊर्जावान महसूस कराती हैं।"

आपके शांत वृद्धावस्था में उनके बारे में, मेरी उम्र अब चालीस से अधिक हो गई है।

मैंने अपनी जवानी के कई दिन यादों को संजोने के लिए बचाए थे।

मेरे जीवन के अंतिम दिनों में।"

तन्नी उस विचित्र मुस्कान से आश्चर्यचकित और चकित थी

मुलान के होंठ।

“लेकिन तुम तो बिल्कुल अलग हो,” उसने लगभग विरोध करते हुए कहा। “तुम्हारे पास

आपकी चालाकी से।"

“मैं उतना अलग नहीं हूँ जितना आप सोचते हैं। मेरा भी रोमांस था — उप-

जबरदस्ती का रोमांस। उन दिनों ऐसा ही होता था।

उसने तानी की ओर स्नेह भरी नज़र से देखा। "मिस पेंग, आपमें प्यार है, बहुत बढ़िया!"

प्यार।"

टैनी ने ऊपर देखा। 'कृपया मुझे टैनी कहकर बुलाइए। आप पहले व्यक्ति

हैं।'

वह महिला जिसके मन में मेरे प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं रहा है।"

"तुम्हें देखने के बाद मैं ऐसा कैसे कर सकता था? मुझे तो ऐसी लड़कियाँ पसंद हैं जिनमें जोश हो।"

और उनमें थोड़ा रोमांस भी है, और जो असामान्य हैं और बिल्कुल अलग हैं।

महिलाओं, बिलकुल सही। मुझे लगता है कि मैंने यह अपनी माँ से सीखा है।

मैंने पेइपिंग में आपके पैतृक घर में आपके पिता का चित्र देखा।

“हाँ, वह एक महान व्यक्ति थे, और वह एक ताओवादी थे। एक ताओवादी वह होता है जो...

वह व्यक्ति जिसमें कोई सामाजिक पूर्वाग्रह नहीं है। मैंने उससे बहुत कुछ सीखा है।

मेरे पिता।"

“आप एक बहुत ही अनोखा परिवार हैं। आप और पोया में एक जैसी समानताएं हैं।

उनकी व्यापक सोच। शायद यही बात मुझे उनकी ओर आकर्षित करती है।

"हाँ, हमारे परिवार में रोमांस का एक अंश है - मेरे अलावा सभी में।"

बहन मोचो।

टैनी के लिए यह खोज उसकी यात्रा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण थी।

याओ के घर। पेइपिंग में उसने जो देखा था और जिसकी वह प्रशंसा करती थी।

प्रिंस गार्डन, लेकिन अब उसे मुलान में एक डेटर और एक

याओ परिवार की आत्मा। और मुलान के घर से निकलने से पहले।

पॉप के साथ मुलान की शादी के लिए उसे मुलान की सहमति प्राप्त थी।

“पिताजी के अन्य रिश्तेदार क्या कहेंगे?” उसने पूछा।

“पॉप स्वतंत्र है। बाकी लोगों को कुछ नहीं कहना है।”

“वह सिर्फ मेरी बात सुनता है,” मुलान ने मुस्कुराते हुए कहा।

टान्नी जब लाओ पेंग के होटल पहुंची तो उसका मनोबल ऊंचा था।

पार्टी अभी थिएटर से वापस नहीं आई थी। वेटर

उन्होंने उसे लाओ पेंग की नियमित आगंतुक के रूप में पहचाना और उसे प्रवेश दिया।

उसका कमरा। वह एक कुर्सी पर बैठ गई, निराशा से अभिभूत होकर-

मुलान की वापसी से बेहद खुश होकर, परिवार को बहुत खुशी हुई।

उन्होंने उसके साथ इतनी नरमी से व्यवहार किया, यह पारंपरिक व्यवहार से कितना अलग था!

भेदभाव, पुरुषों के अपमानजनक इशारे और वह "देखो

उन पत्नियों की जिन्हें वह इतने लंबे समय से जानती थी।

Z9i

वह मुकन की पूजा करती थी। लेकिन दो रहस्य थे जो वह नहीं जानती थी।

वह मुलान को बता नहीं सकती थी और बताना भी नहीं चाहती थी। एक कारण उसकी गर्भावस्था थी।

दूसरी बात यह थी कि लाओ पेंग के साथ क्या हुआ था।

जब उसने लाओ पेंग के बारे में सोचा तो उसे कोमल और बहुत दुख महसूस हुआ।

उसके लिए। यह महान हृदय वाला व्यक्ति अब निःसंदेह

उन्होंने निस्वार्थ भाव से स्वयं को रास्ते से हटा लिया, जैसा कि उन्होंने पेशकश की थी।

फिरोम पोया शब्द आने से पहले ही उसके नाम की रक्षा करनी थी।

उसकी ओर से आत्म-बलिदान का दूर-दूर तक कोई संकेत नहीं मिला। फिर भी वह

जानती थी। उसके अनकहे दयालु व्यवहार के लिए वह उसका एहसान कैसे चुका सकती थी?

क्या वह महिलाओं के प्रति उसके प्रतिरोध के बारे में बहुत अधिक आश्वस्त थी?

उन दोनों के बीच के वर्षों का क्या अंतर था? क्या वह कुछ ज्यादा ही स्नेहपूर्ण थी?

क्या उसे उसके प्रति स्नेहपूर्ण व्यवहार जारी रखना चाहिए? वह पूरी लगन से

उन्हें उम्मीद थी कि शादी के बाद भी लाओ पेंग एक हिस्सा बने रहेंगे।

परिवार का, जैसा कि वह हमेशा से चाहती थी।

कुछ ही देर में उसे गोल्ड लक और युमेई की हंसने की आवाजें सुनाई दीं।

जो लाओ पेंग के साथ आए थे।

युमेई और गोल्ड लक के लिए इसे छुट्टी का दिन बनाने के लिए वे एक जगह गए।

वे रात के खाने के लिए रेस्तरां गए। उन्होंने तली हुई मिर्च और उबले हुए व्यंजन ऑर्डर किए।

तिर्डे, जिसके लिए हैंकोव कुख्यात थे।

लाओ पेंग के पास युद्ध से जुड़ी कुछ खबरें थीं। युद्ध में बहुत बड़ी तबाही हुई थी।

■शांतुंग में लिनी में जीत, ताइक्रचुआंग की कास्ट। जनरल ली

त्सुनेन की विजय की टेलीग्राफिक रिपोर्ट छपी थी।

अखबारों के अतिरिक्त अंक जो सड़कों पर बेचे जा रहे थे।

"क्या तुम सचमुच उत्तर की ओर जा रहे हो?" टैनी ने पूछा।

**Ye8. दादी चाओ लगभग एक हफ्ते में ऊपर जा रही हैं। वह

पीली नदी के उत्तर में होपेई-होनान सीमा की ओर जा रहे हैं।

लेकिन ह्सुडबो के आसपास एक बड़ा संघर्ष चल रहा है, और इसे देखने के बाद

दादी चाओ के साथ गुरिल्ला, मैं वहाँ जा रहा हूँ, द्वारा

लुंघाई रेलवे।"

'क्या आप पोया के आने पर वापस आ जाएँगे? वह मई में आएगा।'

**! ऐसा लगता है।" *

**उनाए पेंग, तुम्हें याद रखना होगा कि हमें कितनी परेशानी हुई थी जब...'

तुम हमें छोड़कर नानजिंग चले गए। तुम पोया देखना चाहोगे, और

कुछ न कुछ तो घटित होगा। वह ठीक से बता नहीं सकी कि क्या घटित होगा।

उसके मन में यही बात थी कि शादी जल्द से जल्द होनी चाहिए।

संभव है कि कुछ अजीब चीजें हों, जैसे कि सादा, और एक

तलाक की व्यवस्था करने के लिए। उसे उसकी मदद की ज़रूरत होगी, और वह चाहती थी...

उसकी शादी में उसे।

“बेशक मैं तुम्हारी शादी में आऊंगा,” लाओ पेंग ने कहा, मानो

उसने उसकी आँखों में चिंता के भाव पढ़ लिए थे।

296

उसने गहरी कृतज्ञता के भाव से उसकी ओर देखा और

साथ ही दया की भावना भी, ठीक वैसे ही जैसे सोने से तराशी गई बुद्ध प्रतिमा ने उसे नीची दृष्टि से देखा था।

ऊपर से पैरों की धमक और बेहद कर्कश आवाजें आ रही थीं।

हँसी। लाओ पेंग ने ऊपर सेइफिग की ओर देखा और हँस पड़ा।

"तुम्हें रैटडेस्नेक याद है?"

“बिल्कुल, टीएफईएस,” टैनी ने कहा।

“ऊपर रैटलस्नेक है। हम उससे सीढ़ियों पर मिले थे।

आज दोपहर।"

“तुम उसे पहचान नहीं पाओगे,” युमेई ने बीच में कहा। “उसने ऐसे कपड़े पहने थे

पूरी वर्दी में और साथ में एक बड़ी छड़ी लिए हुए। अंकल पेंग

मैंने उसे उसकी आवाज से पहचान लिया।

लाओ पेंग ने कहा, "वह कहता है कि वह छुट्टी पर है, लेकिन किसी को पता नहीं है।"

वह अब एक तरह का अधिकारी बन गया है, हमेशा की तरह अकड़ दिखाता है, बेहद गर्वित।

वर्दी पहने एक मोर, उसके पीछे एक सैनिक, और दहाड़ते हुए

मैंने वेटरों को दाएं-बाएं देखा। उसने मुझे एक मनगढ़ंत कहानी सुनाई।

गलियारे में सबके सामने। युमेई, तुम बताओ।

युमेई कहानी सुनाने के लिए बेताब थी। "किसी को नहीं पता कि क्या होगा..."

यह सच है या नहीं, लेकिन वह एक अधिकारी है, यह मुझे स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उसने कहा कि

दुश्मन के वापस आकर होसिवू गांव को जलाने के बाद,

उन्होंने युवकों के एक समूह का नेतृत्व किया और गुरिल्लाओं में शामिल हो गए। उन्होंने कहा।

जब उन्होंने जापानियों के कब्जे वाले एक शहर पर छापा मारा, तो उसने उन्हें मार डाला।

सूअर। जब जापानियों ने जवाबी हमला किया, तो उसने अपनी जान की बाजी लगा दी।

उसने अपने बड़े चाकू से अकेले ही तीस या चालीस अन्य लोगों को मार डाला।

लेकिन वह अपने आदमियों के पास नहीं लौटा। उसने कहा, 'मैं बस आराम करना चाहता था।'

कुछ दिनों बाद मेरे आदमियों ने मुझे मरा हुआ समझ लिया, उन्हें लगा कि मैं

मारा गया। मारा गया? क्या लो टाको को इतनी आसानी से मारा जा सकता है? मैंने तो बस

मैं जहाँ जाना चाहता था, वहाँ चला गया। जब मैं एक हफ्ते बाद लौटा, तो मुझे पता चला कि

मेरे आदमियों ने मोमबत्तियों और एक अन्य वस्तु के साथ मेरे लिए एक स्मारक सेवा आयोजित की।

सूअर और भेड़ का वध किया गया। मैं अभी अंदर आया और बोला, "हो,

ब्रोमर्स, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? लो टाको तुम्हारे साथ यहीं है।

मांस।" और मेरे आदमियों ने चिल्लाकर उसे एक दावत में बदल दिया।*

अब वह दादी के चबाओ बेटे, चाओ तुंग के साथ है। उनके बैंड में

इनकी संख्या बढ़कर एक हजार हो गई है, और ये आठ जिलों में फैले हुए हैं।

border of Hopei, Honan, and Shansi provinces."

"यह अविश्वसनीय है," लाओ पेंग ने कहा। "वह इसके बाद नशे में धुत था।"

दोपहर। आप सुन सकते हैं कि वह कमरे में कैसे चिल्लाता और मौज-मस्ती करता है।

ऊपर। मुझे नहीं पता कि उसे पैसा कहाँ से मिलता है। फिर भी वह कमाता है।

एक अच्छा योद्धा।

*97

यह अविश्वसनीय लग रहा था, लेकिन चेन सान को टेलीग्राम मिल गया।

पूर्वी शांसी के पहाड़ों में अपनी माँ के बारे में संदेश

कुछ दिनों बाद मुलान ने इसे हैंको-व से भेजा। उसका जवाब कुछ दिनों बाद आया।

बाद में, उन्होंने अपनी अपार खुशी और अपने प्रियजनों को देखने की तीव्र इच्छा व्यक्त की।

अपनी बूढ़ी माँ से अपने पितृहीनता के पापों का प्रायश्चित करने के लिए कहा। उसने कहा कि

हुआन-एरह के साथ तुरंत आने लगा, जिसका अर्थ है "तारों भरी रात में"।

लेकिन वे मेडन पास के पास थे, पहाड़ी क्षेत्र की रखवाली कर रहे थे।

होपेई और शांसी के बीच की सीमा। संचार व्यवस्था खराब थी।

और वहां कई दुश्मन सैनिक थे, जिनकी संख्या दस या बारह हो सकती है।

रेलवे स्टेशन तक पहुँचने में उन्हें कई दिन लग गए। लेकिन वे यात्रा करेंगे।

दिन-रात।

टेलीग्राम मिलने पर मुलान ने लाओ पेंग को संदेश भेजा।

होटल। यह उत्तर की ओर उनके प्रस्थान से एक रात पहले की बात है, और

तानी और उसकी सहेलियाँ, चिउहू और तुआन वेन, एक छोटी सी मुलाकात करने जा रही थीं।

उसे विदाई का एक टुकड़ा दे दो।

अगर आपको बैंक में खाता खोलने की आवश्यकता हो तो आप ऐसा कर सकते हैं।

"शरणार्थियों के घर के लिए पैसों की ज़रूरत होगी," लाओ पेंग ने तानी से कहा।

और चिउहू और मिस तुआन, आपको उससे जितनी बार हो सके उतनी बार मिलना चाहिए।

“उसकी संगति बनाए रखने के लिए,” उसने चौथी या पाँचवीं बार उनसे कहा।

समय।

“मुझे जरूर लिखना,” टैनी ने कहा। “मुझे तुम्हारी चिंता होगी।”

आप।"

“मैं करूँगा,” उसने थोड़ी उदास आवाज़ में कहा। “लेकिन आप परेशान न हों।”

कल मुझे विदा करने आना। मैं तुम्हारे साथ जाऊँगा।

दादी चाओ और उनकी पत्नी और मैं अच्छी तरह से देखभाल किए जाएंगे।

का।"

लेकिन अगले दिन वे सभी स्टेशन गए, यहाँ तक कि वांग तमात भी।

स्वयं, जिसने कहा कि वह अपने उपकारक को बिना किसी सहायता के जाने नहीं दे सकती।

एक उचित फायरवेल और वह शरणार्थियों का प्रतिनिधित्व करेगी।

दादी चाओ को देखने के लिए एक बड़ी शोरगुल वाली भीड़ आई थी।

छात्र निकायों और अन्य संगठनों के विरोध प्रदर्शनों ने

गुरिल्लाओं के लिए सूती जूतों और सूती कपड़ों की भारी मात्रा।

उसके साथ। टैनी ने पहली बार इस बूढ़ी औरत को देखा। वह उम्र में काफी बड़ी थी।

वह देखने में किसी भी पुरानी देहाती महिला जैसी लगती थी, लेकिन उसका मल

वह मुस्कुराती हुई नजर आ रही थी और उसकी आवाज में यौवन का जोश झलक रहा था।

टैनी को उसके बेटे और बेटी से मिलवाया गया और वह बहुत खुश हुई।

जब उसने लिजेन नाम की लड़की से हाथ मिलाया तो वह भावुक हो गई, जो जा रही थी।

सामने की ओर।

वहाँ रैटलस्नेक भी था, जो कार के प्लेटफॉर्म पर खड़ा था।

यूनिफ्ट>आरएम, मुंह में सिगार लिए, और अभी भी एक कोन पकड़े हुए, झुककर अभिवादन करते हुए।

सभी को और मुझे बहुत खुशी है कि इतने सारे लोग आए थे।

उसे ओएस पर देखें।

छात्रों के ब्रास बैंड ने एक धुन बजाई और माहौल खुशनुमा हो गया।

उत्साह से तनावग्रस्त। किसी ने दादी से कुछ बोलने को कहा।

शब्द। वह गई और रैटलस्नेक के साथ कार प्लेटफॉर्म पर खड़ी हो गई।

वह अपनी पांच फीट दस इंच की ऊंचाई के साथ उस छोटी सी आकृति के ऊपर गर्व से खड़ा था।

देशभक्ति के प्रति इस सार्वजनिक श्रद्धांजलि की सारी महिमा का आनंद लेते हुए।

और देश की सेवा। गुरिल्लाओं की माँ ने कहा:

एक ही गर्भ से जन्मे भाई-बहनों, मैं एक पुराना देश हूँ।

मैं स्त्री हूँ और कुछ नहीं जानती। मैं पढ़-लिख नहीं सकती। मुझे केवल इतना ही पता है।

जापान हमारे देश को नष्ट करना चाहता है, और हमें उससे लड़ना होगा।

जापान। मुझे पता है कि सभी आम लोगों को अपने देश से प्यार करना चाहिए।

मैं अपना देश हूं, और एक देशवासी महिला होने के नाते मैं केवल अपना कर्तव्य निभा रही हूं।

मेरे पति बहुत बूढ़े हैं। लेकिन मेरा बेटा और मेरी दोनों बेटियाँ ठीक हैं।

लड़ाई। पूर्वोत्तर में मंचूरिया में हमारी एक कहावत है, 'फाड़ दो'।

मेरे घर में चूहों को भगाने के लिए। ता का। पूरी तरह से सफाई करो।

नौकरी।' मेरा एक और बेटा है; वह बहुत छोटा है, केवल चौदह साल का।

नहीं तो वो भी मेरे साथ आ जाता। मैं बहुत परेशान हूँ।

आपके उपहारों के लिए धन्यवाद। जनरल चियांग ने मुझे एक हजार डॉलर दिए हैं।

अगर हमें और पैसों की या किसी और चीज़ की ज़रूरत पड़ी, तो मैं तुम्हारे पास वापस आऊँगा।

इसके लिए।"

ये सरल शब्द इस व्यक्ति द्वारा हर्षोल्लास साहस के साथ कहे गए थे

एक साधारण बूढ़ी औरत, अपनी उम्र में मोर्चे पर जाते हुए, आगे बढ़ती है।

उसने सुनने वालों को चुप करा दिया और उनमें से कुछ को शर्मिंदा कर दिया। जब वह

समाप्त होने पर, एक लड़की नेता ने दादी चाओ और उनके लिए जयकारे लगाने का आह्वान किया।

गुरिल्लाओं के बाद चीन की जीत पर जोरदार जयकार हुई।

गुरिल्लाओं के मोमर ने मुस्कुराते हुए उन्हें सिर हिलाकर अभिवादन किया और मुड़ गए।

गाड़ी में बैठकर चले गए।

कार के चबूतरे पर अकेला छोड़ा गया रैटलस्नेक चारों ओर का जायजा ले रहा था।

मैंने अपने श्रोताओं से बात की और गला साफ करते हुए बोलना शुरू किया, "मैं, आपका छोटा भाई,

भाई, मुझे भी पढ़ना-लिखना नहीं आता... उह हेमल। तुम्हारा छोटा भाई।

भाई, देखो बड़े भाई, तुम्हारा छोटा भाई...

लेकिन उसकी आवाज शोरगुल में डूब गई, और घेरा

कार प्लेटफॉर्म के आसपास का हिस्सा खिसक गया था। लाओ पेंग ने कहा कि

दादी चाओ के बेटे ने रैटडेस्नेक को हैंकोव छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था।

क्योंकि वह गुरिल्लाओं के लिए पैसे इकट्ठा कर रहा था।

वह ढोंग करता था और महिलाओं के साथ बहुत दुर्व्यवहार करता था।

तूफान आया। लाओ पेंग ने उन सभी से हाथ मिलाया।

उसके गाल नम और चमक रहे थे, और उसने अपने लंबे, झुके हुए शरीर को झुलाया।

बिना मुड़े गाड़ी में बैठ जाना।

ए99

ट्रेन स्टेशन से निकलने लगी। लाओ पेंग का चेहरा...

एक खिड़की पर दिखाई दिया। टैनी चली और फिर कार के साथ दौड़ने लगी।

उसकी आंखें नम थीं।

* *

*

युमेई की मौजूदगी के बावजूद, तानी को अचानक एहसास हुआ कि वह अकेली है।

और अन्य लोगों पर शरणार्थियों की भारी जिम्मेदारी है।

मैं वापस होटल गया और कुछ किताबें और कुछ सामान इकट्ठा किया।

लाओ पेंग द्वारा छोड़े गए कपड़े। फिर उसने अपने साथियों को भेजा

घर को क़िउहू की देखरेख में छोड़कर वह मुलान से मिलने गया।

मुलान का पूरा परिवार घर पर था, और उसने उन्हें सारी बात बताई।

श्री पेंग और गुरिल्लाओं की मां का प्रस्थान।

और जब उसके जाने का समय आया, तो मुलान ने सुन्या से पूछा कि...

और उसने अपनी बेटी अमेई को भी साथ चलने के लिए कहा।

तो तानी सुन्या और अमेई के साथ रवाना हो गई। नौका पर वे अलग हो गए।

लड़कियों का एक समूह "फॉर किना कार्मोट पेरिश" गा रहा है। दृश्य के

बाद

स्टेशन पर पहुँचते ही तानी की रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई जब उसने यह सुना...

धुन और शब्द Cbungkm ptdwei wang फिर से दोहराए गए

और फिर।

उसे सुन्या मिलनसार और सहज स्वभाव की लगी, और उसे उसके साथ समय बिताना अच्छा लगा।

मैं अमेई से बात कर रही थी, जो एक शर्मीली और संवेदनशील लड़की थी। उसने tTiPfn लिया।

मोटाओचुआन, यानी "चाकू तेज करने वाले झरने" को देखने के लिए, जो कि

शरणार्थी गृह से मात्र एक मील दूर। यही वह स्थान था जहाँ

तीन राज्यों में कुआन कुंग सबसे लोकप्रिय सैनिक-नायक हैं।

कोइनीज़ लोगों का, और युद्ध के देवता के रूप में पूजित, तेज किया गया

उसका "ग्रीन-ड्रैगन स्लीपिंग-मून बिग नाइफ" था, और पास ही में था

उनके लिए एक मंदिर।

जब वे घर पहुँचे, तो ग़िउहू ने उनका स्वागत किया और कहा,

"पिनपिन की हालत और खराब होती जा रही है।"

“क्या इंजेक्शन से उसे कोई फायदा नहीं हुआ?” टैनी ने चिंता से पूछा।

मैंने उसे सिर्फ ग्लूकोज दिया। एक नया अमेरिकी प्रीपा है-

लेकिन इसकी एक खुराक की कीमत लगभग बीस डॉलर है।"

"लागत की परवाह मत करो। हमें यह चाहिए ही चाहिए।"

वे बीमार बच्चे को देखने अंदर गए, और सुन्या और अमेई

उनके पीछे-पीछे अंदर आ गए। श्री कु, जो बिस्तर के पास बैठे थे,

जर्जर और दयनीय। उस लड़के के हाथ-पैर बहुत पतले थे।

और बूढ़े बीमार व्यक्ति की तरह दुबली-पतली। लेकिन उसका मल बढ़ गया था।

अधिक आध्यात्मिक।

“चिहू ने पंख से कहा। “मेरी बच्ची की जान बचाओ, कैन।”

क्या हम उसे अस्पताल भेजें?

चिइहु ने अपना सिर हिलाया। "उसे बिल्कुल भी नहीं हिलाना चाहिए।"

और अस्पताल इस जगह जितना शांत या व्यवस्थित नहीं है।

घायल सैनिकों से खचाखच भरा हुआ। यहाँ मैं आ सकता हूँ और

मैं उसे हर दिन देखती हूँ, और एक अच्छी दवा है, जो बहुत महंगी है, लेकिन

दया की देवी ने कहा है कि वह इसकी कीमत चुकाएगी।

पंख ने टान्नी की ओर देखा, उसकी आँखों में मौन कृतज्ञता भरी हुई थी।

“हमारे जाने के बाद से इस बच्ची ने बहुत कष्ट झेला है। मैंने उसे खो दिया।”

बड़े भाई। आपको उसे बचाना होगा।

पिनपिन ने आगंतुकों को देखकर मुस्कुराया। टैनी उसके पास गई और उसे गले लगा लिया।

उसका छोटा, पतला हाथ, पतली उंगलियों वाला, प्याज के संक्रमण की तरह सफेद।

वह छोटा हाथ तन्नी की पकड़ में बेजान पड़ा था।

“क्या तुम मुझे फिर से चुटकी काटना चाहते हो?” टैनी ने पूछा। पिनपिन के लिए

वह टानी को लगभग अपनी माँ की तरह मानने लगी थी। वह अक्सर उसके साथ खेलती थी।

टान्नी की बांह पर कंगन था और वह उसके हरे पारदर्शी हिस्से को घूर रही थी।

चमक। एक बार पिनपिन ने टान्नी की कलाई पर चुटकी काट ली थी।

उससे बात कर रही थी और टैनी ने इसकी अनुमति दे दी थी, इसलिए ऐसा हुआ था।

यह बच्चे के लिए एक खेल और उसे खुश करने का एक आसान तरीका बन गया।

टान्नी के लिए यहाँ।

पिनपिन का हाथ कंगन को ढूंढने लगा और उसने टैनी को चुटकी काटने की कोशिश की।

फिर से, और खुशी से मुस्कुराई। लेकिन अब उसकी उंगलियां कमजोर हो गई थीं।

"और ज़ोर से चुटकी लो।"

नहीं कर सकती।" उसकी छोटी उंगलियां ढीली पड़ गईं और स्थिर हो गईं।

मुझे ईमानदारी से बताओ, क्या मैं मरने वाला हूँ?

सच कहूँ तो, आपने नहीं खाया। Chiimu ehiehebieb आपको एक नया देगा

यह दवा किसी जादू जैसी है। यह अमेरिका से आती है।

"यह बहुत महंगा होगा।"

“यह बहुत व्यापक है। इसीलिए यह अच्छा होना चाहिए।”

"इसकी कीमत कितनी होती है?"

• "प्रत्येक खुराक की कीमत लगभग बीस डॉलर है।"

"तो फिर यह बहुत अच्छी दवा होगी," बच्चे ने धीरे से कहा।

लेकिन हम इसके लिए भुगतान नहीं कर सकते।

आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं आपके लिए भुगतान कर दूंगा। मैं किसी भी चीज के लिए भुगतान कर दूंगा।

पिनपिन को वीयू बनाने के लिए कुछ करना होगा। आप वीयू पाना चाहते हैं, है ना?

“हां, मैं ठीक होना चाहता हूं और बड़ा होकर आपकी तरह बनना चाहता हूं,” उसने कहा।

बच्चा धीरे-धीरे, एक-एक शब्द करके बोला, “मैं आठवें पर रुक गया था।”

पाठक की पुस्तक। मैंने नौवें और

दसवीं किताब जो मेरे बड़े भाई ने घर पर पढ़ी थी। उसने मुझे बताया

कुछ कहानियाँ, लेकिन मैं उन्हें खुद पढ़ना चाहती हूँ। बहन

दया की देवी, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो मैं करना चाहती हूँ।

जब मैं बड़ा हो जाऊँगा।"

“अब तुम्हें ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए,” टैनी ने धीरे से फुसफुसाते हुए कहा।

उसे।

^•नहीं, मुझे आपको बताना होगा कि मेरे मन में क्या है। सिस्टेट देवी

मर्सी, तुमने वादा किया था कि युद्ध खत्म होने पर तुम हमारे घर आओगी।

मैंने रात के खाने का इंतज़ाम कर लिया है। वहाँ वाइन में पकाए हुए केकड़े होंगे और हमारा

rhinlriang sioojo और rU ने हमारी सबसे बड़ी मुर्गी को मार डाला। मुझे पता है कहाँ

मैं आपको, मेरी माँ को, पिएंत्से को और मेरे बड़े भाई को बिठाऊँगा।

अगर हम उसे ढूंढ लेते हैं। हमारी चौकोर मेज पर पाँच सीटें होंगी, लेकिन

मैं आपके साथ एक ही पक्ष में रहूंगा। और मैं लाल कपड़े पहनूंगा।

आपके सम्मान में मैं अपने बालों में एक चमेली का फूल लगाऊंगी। और हम बैठेंगे और

सूर्यास्त को देखो। वहां का सूर्यास्त हमेशा ही शानदार होता है।

बच्चे को अचानक ये बातें कहने की हिम्मत मिली क्योंकि

वे उसके हृदय में बसे थे, और अब वह हांफती हुई लेटी थी, उसकी आध्यात्मिक आँखें

कई ऐसी चीजें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं जो दूसरों को दिखाई नहीं दे रही थीं।

मैं तुम्हारे खाने पर आऊंगा। लेकिन तुम्हें बहुत शांति से आराम करना होगा।

कल नई अमेरिकी दवा आ जाएगी।

“पहले आप मेरे लिए भुगतान कीजिए, क्योंकि मैं जीना चाहता हूँ। मैं आपको समय आने पर चुका दूँगा।”

मैं बड़ा हो जाऊंगा, मैं ऐसा करूंगा।

टान्नी ने अपने होंठ कसकर काट लिए।

“आप रो रही हैं,” बच्चे ने कहा। “आप क्यों रो रही हैं? बहन?”

दया की देवी?

तानी ने अपनी आँखें पोंछीं और मुस्कुराई। "क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूँ और हूँ।"

मुझे आपके लिए खुशी है। नई दवा आपको फायदा पहुंचाएगी।

मैंने आपको बता दिया है कि मैं क्या करना चाहता हूँ। अब मैं सोऊंगा।

पिनपिन की आंखें बंद हो गईं। जब उसकी बड़ी-बड़ी गहरी आंखें खुलीं

तो...

ऐसा प्रतीत होता था कि उसका पूरा कार्यालय उसी से घिरा हुआ था, इसलिए और कुछ दिखाई ही नहीं देता था।

लेकिन अब उसकी नुकीली और धारदार नाक उसके शरीर से काफी ऊपर उभर कर दिखाई दे रही थी।

पीले गाल, सुनाई देने वाली साँसें जो जोश को ज़िंदा रखती थीं

जीवन की चमक से जगमगाती हुई। एक बार उसे दर्दनाक खांसी हुई और उसकी बड़ी-बड़ी आँखें

आँखें खुलीं, और टैनी झुकी और उसे थपथपाकर फिर से बंद कर लिया।

अपने हाथ से।

अगले दिन सीएमहू नई दवा लेकर आया जो आई थी।

पिनपिन जिस देश से समुद्र के उस पार सात हजार मील दूर रहता है, वहाँ से सात हजार मील की दूरी पर एक देश है।

मैंने इसके बारे में सिर्फ स्कूल में सुना था। इसने जादू की तरह काम किया, और उसके बाद

तीन दिनों में, उसकी भूख में सुधार हुआ, वह कम सुस्त महसूस करने लगी और

वह कमजोर हो गई थी, और उसकी ताकत धीरे-धीरे वापस आने लगी।

* *

3|ई

अब लाओ पेंग के प्रस्थान के सातवें दिन^

जापानियों ने एक बार फिर हैंको और वुचांग पर बमबारी की।

30Z

हैंकोव के बारे में पिछली टिप्पणी के बाद से एक महीने से अधिक समय बीत चुका है।

चीन के इतिहास में, सत्ताईसवें मार्च को वाट का उल्लेख है।

हैनकोव पर हुआ हमला हजारों हवाई छापों में से एक था। पोया का

आंकड़े इसे "ए.आर. नंबर 329" या "561" के रूप में दिखा सकते हैं। लेकिन मानवीय

घटनाएँ सांख्यिकी जितनी सरल नहीं होतीं। यह बात, चाहे कितनी भी साधारण क्यों न हो,

और शायद हैंकोव के अधिकांश नागरिक इसे पहले ही भुला चुके हैं।

इससे तान्नी, लाओ पेंग और पोया के जीवन में बदलाव आया।

मानव जीवन अविश्वसनीय रूप से जटिल है। कुछ बमों का निर्माण किया गया।

ओसाका में, अमेरिकी तेल द्वारा उड़ाया गया, और एक गुच्छे के ऊपर गिरा दिया गया

वुचांग की चट्टानों ने एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को बहुत प्रभावित किया।

अब वह होनान में पाँच सौ मील दूर था और एक युवक...

कुनमिंग जाने वाली सड़क पर हज़ार मील दूर, जैसा कि हम आगे देखेंगे।

बाद में।

उस मार्च के दिन कुछ बच्चे अलार्म बजने की शिकायत लेकर आए।

नदी के किनारे एक संकेत फहराया गया था, और जल्द ही एक लंबी झील दिखाई देने लगी।

इसकी पुष्टि हो गई। हमेशा की तरह, लोग जंगल में जाने की तैयारी करने लगे।

पीछे। पियापिन के पिता हमेशा अपने बच्चों को सबसे पहले लेने जाते थे।

दूर।

"पिनपिन का क्या हुआ?" उसने चिहु से पूछा।

उसे हिलना नहीं चाहिए।

पंख, हालांकि खुद भी घबराया हुआ था, फिर भी वहीं रुकने का फैसला किया।

वह अपनी बीमार बेटी के साथ था।

लगभग दो बजे, सत्तर दुश्मन विमान कई स्थानों से आए।

लहरें उठ रही थीं। विमान-रोधी तोपों से तीव्र गोलाबारी हो रही थी।

आकाश में, विमान चार हजार मीटर से ऊपर की ऊंचाई पर उड़ते रहे और

उन्होंने हंकोव और वुचांग पर कई सौ बम गिराए।

दक्षिण झील और ह्सुचियापेंग और युचियातोऊ से टकराते हुए

कई जिलों में घरों को नष्ट कर दिया और कई लोगों को मार डाला।

एक बम हंगशान पर ढलान से पचास गज नीचे गिरा, इसलिए

उसके पास ही पूरा घर हिल गया और खिड़कियों के शीशे टूट गए।

चकनाचूर हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि एक बड़ी चट्टान उड़ गई।

अलग-अलग जगहों पर चालीस या पचास पाउंड वजन का एक टुकड़ा उड़कर आया और टकरा गया।

छत के एक कोने से टकराकर वह अंदर स्थित पत्थर के आंगन में जा गिरा।

पिनपिन अपने बिस्तर पर दुबकी हुई थी, उसकी माँ ने उसके कान बंद कर रखे थे।

एमएस के हाथों से, जब ई रॉक छत से टकराकर अंदर घुस गया और भेज दिया

प्लास्टर गिरने से हवा में घनी, दम घोंटने वाली धूल भर गई।

अपनी पुरानी सहज प्रवृत्ति के चलते, कू ने अपनी बेटी को बाहों में कसकर पकड़ लिया और

गिरती हुई कड़ियों और आंखों को चौंधिया देने वाली धूल के बीच से होते हुए खुले मैदान में झाँकते हुए।

और वह जंगल की ओर चल पड़ा। उसके पैर कांप रहे थे और वह लड़खड़ा गया।

जैसे ही वह मिट्टी की सीढ़ियों पर चढ़ा, उसका शरीर ऊपर की ओर गिर पड़ा।

एस03

बेटी का शरीर, लेकिन उसकी बाहें अब भी उसे कसकर पकड़े हुए थीं।

वह उठा और उस वस्तु को लेकर जंगल में चला गया।

धूल का एक ऊंचा स्तंभ अभी भी हवा में लटका हुआ था, जो उस स्थान से ऊपर उठ रहा था जहाँ से धूल निकल रही थी।

बम गिर चुका था, और एक और छोटा स्तंभ ऊपर उठा।

घर की छत।

“क्या हुआ है?” लोग चिल्लाने लगे।

श्री कु, बीमार बच्चे को अपनी कमजोर बाहों में उठाए, लड़खड़ाते हुए और

कांपते हुए, वह इतनी परेशान थी कि बोल नहीं पा रही थी। कंपनी में सन्नाटा छा गया।

“क्या पिनपिन को चोट लगी है?” टैनी ने अपने चेहरे पर शांति का भाव लाते हुए पूछा।

आवाज़।

“नहीं।” उसने बच्चे को ज़मीन पर लिटा दिया, वह हाँफ रहा था।

भय और परिश्रम। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन बच्चे का चेहरा उससे भी अधिक पीला था।

हालांकि वह एकदम चुप थी। चिउहू आई और उसे महसूस किया।

बच्चे की आंखें भय से चौड़ी हो गईं। क़बिउहू और तान्नी बैठे थे।

घास के पास जाकर उसे शांत करने की कोशिश की।

"पिएंट्से कहाँ है?" पिनपिन ने अपने छोटे भाई के बारे में पूछा।

उन्होंने उससे कहा, "वह वही है।"

विमान अब भी ऊपर से गरज रहे थे और दूर से...

हवाई तोपों की लगातार गड़गड़ाहट से आसमान गूंज रहा था।

घाटी में गूंज उठी। किसी की हिलने की हिम्मत नहीं हुई। अब कु को मिल गया।

बोलने के लिए शब्द। "किसी चीज़ ने हमारे घर पर ज़ोरदार धमाके के साथ टक्कर मारी।"

और छत नीचे गिर गई। मैंने पिनपिन को उठाया और भाग गया।

फिर वांग तामाग ने घर में जाने का साहस किया, और

रिपोर्ट लेकर लौटा कि केवल कुछ ही छत की कड़ियां गिरी थीं।

और एक आदमी की टोपी के आकार का पत्थर आंगन में आकर गिरा था।

शिलाखंड टूट रहे थे। ज़मीन धूल और टूटे हुए टुकड़ों से भरी हुई थी।

काँच।

उन्होंने कहा, "यह सौभाग्य की बात है कि किसी को चोट नहीं आई।"

वे एक घंटे तक बैठे और इंतजार करते रहे, टैनी ने पिनपिन को पकड़ रखा था।

हाथ। अचानक पिनपिन को खांसी आने लगी और खून की एक धारा बहने लगी।

उसके मुंह से तरल पदार्थ रिसने लगा, जिससे घास का रंग बदल गया। फिर वह लेट गई।

जोर-जोर से सांस लेना।

जब विमान चले गए और वह बहुप्रतीक्षित संकेत

श्री कु, जो वास्तव में बहुत कमजोर व्यक्ति थे, ने कहा, '1

उसे दोबारा उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता।"

इसलिए चिउहू और युमेई उसे धीरे-धीरे कदम दर कदम नीचे ले गईं।

ढलान से होते हुए वह अपनी माँ के बिस्तर पर वापस चली गई।

लोगों के दिल अब भी धड़क रहे थे। तनाव का माहौल छाया हुआ था।

घर। पिनपिन, अब आराम से बिस्तर पर लेटा हुआ, ऊंघ रहा था।

अचेतन।

ताओनी और चिइहू पिनपट्न की माँ के साथ बैठे थे, इस उम्मीद में कि वह

वो गहरी नींद में सो जाती। लेकिन उसके हाथ लगातार फड़कते रहते थे।

घबराहट से उसकी आंखें फिर से खुल गईं।

“तैब, मैं अब तुमसे विदा लेता हूँ। मैंने अभी-अभी [नहीं, बड़े भाई] को देखा।”

मुझे पता है। । । ।"

लेकिन इससे पहले कि वह आगे बढ़ती, खून की एक और मोटी धारा बह निकली।

उसके मुंह के कोनों से पानी बह निकला और रिसने लगा, जिससे दाग लग गए।

बिस्तर की चादरें। वह खाँसी कम करने के लिए उठकर बैठना चाहती थी, लेकिन

वह बहुत कमजोर थी और उसे सहारा देना पड़ा। लेकिन पल भर में ही उसकी हालत बिगड़ गई।

शरीर शिथिल हो गया और उसे धीरे से दोबारा लिटा दिया गया। वह लेटी रही।

वह वहीं स्थिर खड़ी थी। उसकी बंद आँखों से कुछ आँसू टपक रहे थे।

यह सिलसिला उस दोपहर के अधिकांश समय तक चलता रहा जब तक टान्नी बैठी रही।

घंटों की पीड़ा से गुज़रते हुए, मृत्यु को प्रत्यक्ष अनुभव करते हुए भी उसे स्वीकार करने से इनकार करते हुए

बच्चे की घबराहट भरी हरकतें एक चौथाई समय के लिए बंद हो जाती थीं।

एक घंटा और फिर से शुरू करो। कुहु ने उसे मोर की थोड़ी सी खुराक दी।

पिएंट्से को कमरे से दूर रखा गया, और तीनों बैठे रहे।

चुपचाप, जीवन के बीच के उस मौन, नाटकीय संघर्ष को देखते हुए

और सोते हुए व्यक्ति की मृत्यु।

फिर, जैसे-जैसे दिन ढलता गया और शाम ढलने लगी, दोपहर के भोजन का समय आ गया।

घंटे भर में, बच्चा एक बार जागा और पूछा, "इतना अंधेरा क्यों है?"

उन्होंने कमरे को रोशन करने के लिए कुछ अतिरिक्त मोमबत्तियां जलाईं।

तभी टैनी ने उसके होंठ हिलते हुए देखे। वह कुछ कहना चाहती थी-

टान्नी ने मोमबत्ती को अपने मल के पास रखा। उसकी आँखें खुल गईं।

लेकिन उनमें जो प्रकाश था वह दूरस्थ और अलौकिक था। उसने अपनी बात कही।

शब्द बहुत धीरे-धीरे, एक-एक करके, उसकी निगाहें चारों ओर घूम रही थीं।

कंपनी:

“ये लोग यहाँ क्या कर रहे हैं? हम सब तो यहाँ मेहमान हैं।”

हमारा घर यहाँ नहीं, बल्कि यांग्त्से नदी के उस पार है... रोना मत।

दया की देवी बहन। जब युद्ध समाप्त हो जाएगा, हम सब चले जाएंगे।

घर। मुझे अभी नौवीं पाठक पुस्तक का अध्ययन करना बाकी है।

उसकी आँखें फिर से बंद हो गईं। थोड़ी देर बाद, वे फिर से खुलीं, और

इस बार ऐसा लग रहा था कि वह उन व्यक्तियों को पहचान रही है और उसका मन भी उन्हें पहचान रहा है।

वह और भी प्यारी लग रही थी। उसने अपने पंख से कहा, ‘टीब, मैं तुम्हें छोड़कर जा रही हूँ।’

अब... मेरे लिए मत रोओ। पिएंत्से का ख्याल रखना। वो कहाँ है?

चिउहू छोटे भाई को लेने गई, और जब वह आया तो...

पिनपिन के हाथ उसके हाथों को टटोलने लगे।

“अच्छे बच्चे बनो, टिटी,” उसने कहा। “दया की देवी बहन।”

आपको गुणा तालिका सिखाएंगे।

पिएंट्से चुपचाप और बिना कुछ बोले खड़ी रही, उसे कुछ समझ नहीं

आया।

मृत्यु। फिर उसने थोड़ी सी रोशनी मांगी।

305

"दया की देवी बहन, मुझे आपका चेहरा देखने दीजिए।"

ताओनी ने मोमबत्ती की बूँद को अपने मल के पास रखा, ताकि बच्चे...

हो सकता है कि आप इसे देख लें।

बच्ची ने उसकी तरफ देखा, मुस्कुराई और फिर अपनी आँखें बंद कर लीं।

यह कहते हुए, “Cbiehebieh, तुम खूबसूरत हो...”

उसके मुंह से खून की एक धीमी धार रुक-रुक कर बह रही थी।

लेकिन वह पतली थी और उसका आयतन कम था, और वह अब नहीं रही।

उसे इसका एहसास था। कुछ मिनट बाद उसकी सांस रुक गई।

छोटी सी जिंदगी टिमटिमाती हुई मोमबत्ती की छोटी सी लौ की तरह बुझ गई। एक सफेद

खिड़की पर लटका हुआ रूमाल हवा में लहरा रहा था।

पिनपिन का निधन हो गया।

बच्चे का हाथ धीरे-धीरे छोड़ते हुए, तानी को एक गहरा दुख महसूस हुआ।

उसे वहाँ कोई आँसू नहीं मिले। क्योंकि वह उसके प्रति बहुत ही करीबी थी।

और वह उन अनेक चीजों को जानता था जो बच्चे ने करने की योजना बनाई थी,

शानदार, छोटी-छोटी चीजें, जैसे कि अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी करना और मेजबानी करना।

टान्नी को उसके चिनकियांग स्थित घर पर, जिसे उसने अब अधूरा छोड़ दिया था।

और जो अब कभी नहीं हो सकता था, उसकी मृत्यु उसके लिए अपरिहार्य थी।

जैसे किसी फूल को निर्मम तूफान से कुचल दिया जाता है, या जैसे

एक अधूरे सपने का लुप्त हो जाना। पिनपिन के लिए भी, वह एक पत्ता ही था।

तूफान में, एक छोटा सा पत्तागोभी का बच्चा अपनी युवा यात्रा पर बहता हुआ जा रहा है।

दुनिया से दूर, अब वह अकेले ही नाच रही है, थोड़ी सी खुशी से भी।

तूफान से बहकर आए इन लाखों पत्तों में से कुछ भाग्यशाली रहे।

दूसरों की तुलना में, और महज एक दुर्घटना, एक बेमतलब उड़ता हुआ पत्थर था

आशा और लालसा से भरे इस युवा जीवन को कुचल दिया गया।

सुंदर के लिए, जो खेल खेलने के लिए इतने इच्छुक हैं। मुसाफिरों के पैर

वह उस पर पैर रखेगा, और सफाईकर्मी उसे एक तरफ हटा देगा, थोड़ा

सा

यह जानते हुए कि इसमें इतनी सुंदरता और साहस निहित है और

जीवन के नियमों के प्रति उचित सम्मान।

"बेचारी बच्ची, हमारे घर छोड़ने के बाद उसे बहुत कष्ट सहना पड़ा, और वह

“कभी शिकायत नहीं की,” पंख ने कहा और वह रोने लगा।

तानी खुद को और रोक नहीं पाई और जोर-जोर से रोने लगी।

पिता।

अंधेरा हो चुका था, लेकिन वांग तमांग अंदर आया और बोला कि

वह शहर जाकर ताबूत खरीदती थी। पंख था

बिल्कुल कंगाल, और सारा खर्चा टान्नी को अपनी जेब से ही उठाना पड़ा।

तो वांग टैम्फमग गोल्ड लक के साथ शहर के लिए रवाना हो गया।

वह लालटेन लेकर साथ गया और नौ बजे लौटकर बोला कि

कोफ़्लबन की डिलीवरी सुबह हो जाएगी। पिनपिन के पास कोई नई जानकारी नहीं थी।

उसके कपड़े धोए गए और उसके शरीर को नहलाकर फिर से वैसे ही कपड़े पहनाए गए जैसे वह पहले थी।

नीली जैकेट और पतलून पहने हुए। लेकिन वांग तनुमग ने कंघी की।

उसके हाथों में एक कैमेलिया का फूल रखा, जो बच्चे को बहुत प्रिय था। मोमबत्तियाँ

■ रोशनी जल रही थी, और घर में मातम की आवाज आ रही थी, लेकिन

पिएंट्से को रोने की समझ नहीं थी। पंख आधे समय तक टिका रहा।

उस रात, जब तान्नी शोक से व्याकुल और थकी हुई थी,

चिउहू के साथ सोने के लिए बिस्तर पर चली गई।

अगली सुबह तड़के कोफीन आ गया। कुछ ग्रामीणों ने भेंट चढ़ाई।

घर के पीछे से कुछ ही दूरी पर कब्र खोदना, ताबूत

टैनी ने फटी-पुरानी और किनारों से मुड़ी हुई आठवीं पुस्तक को रख दिया था।

पिनपिन के साथ उसकी प्रवास यात्रा पर आइए और उस टुकड़े का

वह डोरी जिससे वे बिल्ली का झूला खेलते थे। एक चमकीला, सौम्य

बच्चे के ऊपर खड़े समूह पर सूरज की रोशनी विडंबनापूर्ण ढंग से पड़ रही थी।

गंभीर। तानी को रोते हुए देखकर, अन्य महिलाओं से भी अधिक, महिलाओं ने

वे भी रोए, क्योंकि रोना संक्रामक था, और इसलिए, हालांकि वहाँ

कोई औपचारिक समारोह नहीं हुआ, मृत बच्चे को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

उसके दोस्तों और पड़ोसियों से। वांग तमांग ने उससे कहा

पड़ोसियों ने कहा, 'बच्चे की मृत्यु सम्मानजनक हुई है, उसके पास इतने सारे अवसर थे।'

उसके लिए आंसू बहाए गए। दया की देवी बहन वास्तव में बहुत अच्छी हैं।

दयालु व्यक्ति।

दफ़नाने का काम दस बजे से पहले ही पूरा हो गया था, लेकिन पूरे समय

दिन भर टैनी उदास बैठी रही, सब कुछ भूल गई। यहाँ तक कि कमरा भी।

जहां चट्टान गिरी थी, वहां का मलबा अपनी मूल स्थिति में ही रह गया था।

“अगर वह अपने पंखों वाले कमरे में सो रही होती, तो...”

उस पूर्वी कमरे में, शायद उसे इतनी उज्ज्वल रोशनी नहीं मिली होती।

और वह ऐसा नहीं करती," टैनी ने अपने बिस्तर पर लेटे हुए कहा।

सोच।

“अपने दुख को शांत करो,” युमेई ने कहा। “कौन जान सकता था कि

क्या पत्थर उस कमरे पर गिरेगा?

लेकिन घटनाओं का कारण-कार्य संबंध ऐसा है कि हर छोटी घटना

हजारों पूर्ववर्ती कारकों से वातानुकूलित। लेखक

बौद्ध कर्म सिद्धांत में अवश्य ही कुछ ऐसे कारण का उल्लेख किया गया होगा।

दूरस्थ घटनाओं के बीच प्रभाव-और-अंतर संबंध। यदि लाओ पेंग ने ऐसा

किया होता

अगर पिनपिन वहां से नहीं गया होता, तो उसे वहां स्थानांतरित नहीं किया गया होता।

कमरा। और लाओ पेंग के जाने पर कई अन्य लोगों का भी प्रभाव था।

इसके कारणों में टैनी की गर्भावस्था और शादी का वादा शामिल हैं।

जिससे उनके आपसी संबंधों पर असर पड़ा। लेकिन ऐसा होगा

यह कहना ज्यादा आसान है कि अगर ऐसा हुआ होता तो पिनपिन की मौत नहीं होती।

समुद्र पार साम्राज्यवादी स्वप्नद्रष्टाओं के एक समूह द्वारा कोई युद्ध शुरू नहीं किया गया था।

जो उसे कभी नहीं जानते थे। और अगर पिनपिन की मृत्यु न हुई होती, तो तान्नी शायद

बाद में युद्ध में नहीं गए होते।

लाओ पेंग सही थे। उस दिन अखबारों ने खबर दी थी कि

कंधे। टैनी ने दिल से मुस्कुराते हुए माफी मांगी कि वह भी ^ ^

जब वे आए, तो उसका चेहरा पीला और पतला था। मुलान ने देखा

युमेई से उसने जो कुछ सीखा था, उसके प्रकाश में उसे कुछ समय पहले;

बहुत पहले, और इसलिए, जब वह बोल रही थी, तो उसकी आवाज गहरी और धीमी थी और

संयमित।

"बमबारी ने आपको काफी झकझोर दिया होगा। ऐसा कैसे हुआ कि

पेंग लायोएब ऊपर चले गए हैं और इस पीकेसीई का प्रभार आपको सौंप गए हैं?

वह युद्ध और गुरिल्लाओं को देखना चाहता था। वह उनके साथ गया।

दादी चाओ— ओह, मुझे नहीं पता... उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा...

चिंता भरी आह।

“तानी, तुम्हें आराम की ज़रूरत है। मेरे यहाँ आने के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?

कुछ दिनों के परीक्षण के लिए घर?

अपनी असीम खुशी को दबाते हुए टैनी ने कहा, "लेकिन मुझे इसे संभालना होगा।"

यह घर।"

अंततः मुलान ने टान्नी को आसानी से काबू में आने के लिए मना लिया।

घर छोड़कर कुछ समय के लिए उसके साथ रहने आने का विरोध।

कुछ दिनों बाद। जब वांग तातनांग को बुलाया गया, तो वह तुरंत सहमत

हो गईं।

टान्नी को कुछ दिनों के लिए छुट्टी दे दी और कहा कि वह और युमेई ऐसा कर सकती हैं।

जगह की आसानी से देखभाल की जा सकती है। गोल्ड लक संदेश पहुंचा सकता है।

मुलान का घर, और ब्रोकेड ने कहा कि उसका बेटा, लिटडीसी पाई, भी ऐसा कर सकता है।

कुछ काम निपटाने के लिए। टैनी उसी दोपहर मुलान और टेर के साथ चली गई।

बेटी। ।

वो चार शानदार दिन थे जो टान्नी ने मुलान के घर पर बिताए।

घर। उसके मन में हमेशा पिनपिन की मौत का ख्याल रहता था।

इस साल वह वसंत ऋतु के आगमन का स्वागत करने के मूड में नहीं थी।

लेकिन स्प्रिंग के पास उसे सौहार्दपूर्ण बनाने की एक गुप्त जादुई शक्ति थी, इसके अलावा

उसकी आत्मा में बेचैनी पैदा हो रही थी। हर जगह उसकी साँसें महसूस हो रही थीं।

हवा, नन्ही कलियों को बिना किसी डर के बाहर आने के लिए प्रेरित करती है, सहलाती है

पर्वतीय अज़ालिया आत्म-प्रसार के लापरवाह परित्याग में डूब जाते हैं, आग्रह करते हुए

आड़ू और बच्चों को डांटना, और सुनहरे बालों को संवारना

रोते हुए विलो वृक्षों की कोमल, लंबी रेखाओं में चित्रकारी। ऐसा लग रहा

था मानो कोई चित्रकार

डिपम ने अपने ब्रश से वुहान के परिदृश्य को चित्रित किया।

हल्के पीले-हरे रंग के साथ उदारतापूर्वक, और फिर झाड़ी जोड़ दी गई

जगह-जगह गुलाबी और लाल रंग के धब्बे। लोग वापस आ रहे हैं

देश की सड़कों पर लंबे, भारी सामान ले जाते हुए लोग देखे गए।

पर्वतीय अज़ालिया की लदी शाखाएँ।

टान्नी शहर में वापस आकर और इतनी नज़दीक रहकर बहुत खुश थी।

व्यस्त सड़कों पर रहना आसान था। मुलान के परिवार के साथ रहना आसान था और

बिना किसी खास बंधन के, और वह परिवार को काफी हद तक जान गई।

ठीक है। मुलान ने उसे कभी यह जताने नहीं दिया कि वह उसे जानती है।

फियो

यह स्थिति ऐसी थी कि टैनी को कभी इस पर शक भी नहीं होता।

उसने वही ढीले-ढाले गाउन पहने हुए थे जो उसने पहाड़ी पर पहने थे।

लेकिन कभी-कभी जब वह कमरे में चुपचाप बैठी होती थी, मुलान

उसकी आँखों में एक उदासी भरी अभिव्यक्ति दिखाई दे रही थी।

पोया के पास अपने प्रतिद्वंद्वी की घोषणा करते हुए एक टेलीग्राम आया था

कुनमिंग, जहाँ वह दो सप्ताह तक रहने वाला था। बिना

तान्नी की जानकारी के अनुसार, कुनमिंग से और कुनमिंग को टेलीग्राम भेजे जाते थे।

एक दिन जब सुन्या टेलीग्राम भेजने के लिए बाहर जा रही थी, तभी तानी

मुझे इसके बारे में पता चला और मैंने उससे पूछा कि वह क्या कर रहा है। सुन्या ने जवाब दिया

कि वह कुनमिंग को एक टेलीग्राम भेज रहा था और उसने बस इतना ही किया।

“लेकिन किसे?” टैनी ने थोड़ी घबराहट से पूछा।

"बेशक, पोया को।"

टैनी शरमा गई और बोली, "और कुछ नहीं।" एक दिन उसने सुना कि

शंघाई को एक टेलीग्राम भेजा गया।

ये सभी रहस्यमय टेलीग्राम क्या हैं? क्या उनमें कुछ छिपा हुआ है?

"क्या इसका मुझसे कोई लेना-देना है?" तानी ने मुलान से पूछा।

मुलान ने शरारती और जिज्ञासु नज़र से उसकी ओर देखा और कहा, "यहाँ एक है..."

याओ परिवार में चल रही साजिश। आपको जानने की ज़रूरत नहीं है।" एक संक्षिप्त बातचीत के बाद

"थोड़ा रुको," उसने अपनी लंबी आँखों के कोने से टैनी की ओर देखते

हुए कहा।

आँखों में देखते हुए, "मेरी बेटी के बारे में आपकी क्या राय है?"

मुझे वो बिल्कुल पसंद है।

"मेरा मतलब है, दुल्हन की सहेली के रूप में आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?"

टैनी का चेहरा थोड़ा लाल हो गया। "मुझे समझ नहीं आ रहा है।"

मेरा मतलब उसकी चचेरी बहन की शादी से है। वे चचेरी बहनें हैं, आप समझ रहे हैं ना?

जानना।"

"कौन सा चचेरा भाई?" टैनी ने अनुमान लगाया, लेकिन मासूमियत का दिखावा किया।

अपनी उत्तेजना को छुपाने के लिए, उसने झुंझलाहट भरी नज़र डाली।

मुलान।

“क्या आप अनुमान नहीं लगा सकते? हमें आपकी शादी के बारे में सोचना होगा।”

मुलान ने आखिरकार उसे यह खबर बड़े ही शरारती और रोमांचक अंदाज में सुनाई।

मुस्कान।

टैनी के लिए "शादी" शब्द में एक जादुई शक्ति थी।

ऐसा लग रहा था मानो वह अवाक हो गई हो। उसका गला सूख गया था।

खुशी से उसका मल कृतज्ञता के प्रकाश से भर गया।

"ओह, श्रीमती त्सेंग," उसने चमकती आँखों से कहा।

“क्या आप अब भी मुझे श्रीमती त्सेंग कहकर बुला रहे हैं? मैं जल्द ही पोयू की हो जाऊंगी।”

शादी में 'अभिभावक' बनकर। मैं तुम्हें सरप्राइज देना चाहता था। ये विचार...

दुल्हन की पीठ के पीछे साजिश रचनी चाहिए थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।

आपको बहुत लंबे समय तक सस्पेंस में रखा जाएगा।"

लेकिन क्या यह सब इतना आसान है? उसकी पत्नी और बाकी सब कुछ?

3 ”

“इसकी व्यवस्था की जा रही है। अफेई इसे संभाल रही है। क्या अब आपकी बारी नहीं है?

अपनी चाची को धन्यवाद देने के लिए?

टान्नी खुशी के आंसू बहाने लगी। "मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या कहूँ।"

“मेरे धन्यवाद के लिए,” उसने कहा।

* *

*

हंगशान स्थित घर को लेकर चिंतित तानी वापस लौट गई।

चौथा दिन। मुलान से मुलाकात ने स्थिति को काफी हद तक सुधार दिया था।

उसकी आत्मा को ठेस पहुंची, लेकिन जब वह वापस आई, तो उसे एक अजीब सी अनुभूति हुई।

वीरानगी का। घर अपने आप में ही अद्भुत था। लेकिन लाओ पेंग

और पिनपिन जा चुके थे। लाओ पेंग कब लौटेगा, और कब?

इस जगह का क्या होने वाला था? उसे किसी विपत्ति का आभास हो रहा था।

लाओ पेंग के साथ कुछ होने वाला है।

सुश्री के प्रस्थान के बारे में सोचते-सोचते, वह और भी आश्वस्त हो गई कि

उसने उसे निर्वासन में जाने के लिए मजबूर कर दिया था। वह केवल उसे याद ही नहीं करती थी;

अब उनकी अनुपस्थिति में, इस व्यक्ति के महान गुण

उसे याद है कि उसने उसे नशे में धुत और अकेले उसके होटल में देखा था।

वह बार-बार उस कमरे के ख्याल से घिरी रहती थी और उसे बेचैन कर देती थी।

शायद अब वह किसी होटल में अकेले कष्ट झेल रहा होगा। जब वह

वह संयोगवश उसके कमरे में दाखिल हुआ और उसने उसका बिस्तर और बंडल देखा।

उसके कपड़ों को देखकर, उसे उसके प्रति बहुत स्नेह महसूस हुआ और वह

आत्मनिंदा की भावना के साथ। जब पोया का टेलीग्राम और पत्र

जब वह आई, तो उसने कभी यह विचार भी नहीं किया कि क्या उसकी

लाओ पेंग के प्रति दायित्व समाप्त हो गया था। उसकी तरह, उसके भी शरीर पर टैटू थे।

इसे हल्के में लिया गया था और यह बस चला गया था। उसके द्वारा किया गया यह बलिदान

उस हिस्से ने उसे उसके फेथपी बनने के प्रस्ताव से भी कहीं अधिक गहराई से प्रभावित किया।

उसका डिल्डो।

उसने पोया की वापसी और उसकी शादी की कल्पना करने की कोशिश की। उसे ऐसा करना चाहिए था।

उसे खुश होना था, लेकिन वह खुश नहीं थी। हाँ, उसकी शादी पोया से होनी थी।

वह जवान, सुंदर और धनी था, और वह उससे शादी करना चाहती थी।

मुलान के घर जैसा आरामदायक घर। लेकिन वह कितना जानती थी?

पोया? वह उसके लिए कपड़े डिजाइन करता और उसे सबके सामने पेश करता, और

वह उसके लिए मनोरंजनकर्ता का जीवन व्यतीत करेगी। उसे अचानक घृणा का अनुभव हुआ।

वह प्यार जो उसने शाग के साथ साझा किया था।

वह अब उसे संतुष्ट नहीं कर सकता था। उस रात का सदमा उसे अभी भी सता रहा था।

डांस हॉल ने उस पर एक अमिट छाप छोड़ दी थी, जिससे मात्र

इंद्रियों के प्रति प्रेम अरुचिकर था। उसने खुद को नग्न अवस्था में मुड़ते हुए देखा।

कामचक्र... क्या उसे फिर से ब्रा पहननी पड़ेगी...?

उसने युमेई से बात करने की कोशिश की, हालाँकि उसने उसे अपने बारे में कुछ नहीं बताया।

मुकन क्या योजना बना रहा था।

“क्या तुमने अंकल पेंग से शादी करने का वादा नहीं किया था?” युमेई ने कहा।

हमने शादी न करने का फैसला किया है।

“त्सेनमो? तुमने उसे धोखा दिया? तुम तो उस अच्छे इंसान को धोखा दे रही हो।”

आदमी"

टान्नी ने अपने अंतरात्मा को शांत करने की बहुत कोशिश की। वह देखने गई।

पिनपिन का पंख, लेकिन उनके बीच कहने को कुछ नहीं था।

उसे पिनपिन की इच्छा याद आ गई और उसने अपने भाई को सिखाना शुरू कर दिया।

गुणन सारणी में आठ के गुणज दिए गए हैं। "दो गुना

आठ कला सोलह . . .”

लेकिन पिनपिन की आवाज वापस आ गई और वह आगे नहीं बोल सकी।

अपनी बहन की मृत्यु के बाद, उसने आगे कुछ भी सीखने से इनकार कर दिया।

यह दो बच्चों के बीच का खेल नहीं रह गया था, बल्कि केवल

सतही तौर पर सीखने की प्रक्रिया।

कभी-कभी रात के समय, टैनी दबी हुई आवाज़ में कुछ गर्म करती थी।

कु अपनी खोई हुई बेटी पिनपिन के लिए शोक मना रहा था, और आवाज़ थी

पहाड़ी पर अंधेरी रात में रहना मुश्किल था। वह जगह बन गई थी।

उसके लिए असहनीय। अचानक उसे एहसास हुआ कि हर बार लाओ

पेंग ने उसे छोड़ दिया, वह मुसीबत में पड़ गई। अगर लाओ पेंग अभी यहाँ होता,

घर में फिर से रौनक लौट आएगी।

उसी दिन कुनमिंग से पोया का पहला पत्र आया।

हवाई डाक द्वारा, और एक लाओ पेंग से किएंगचो से। उसके लिए

अपने आश्चर्य के साथ, तानी ने लाओ पेंग का पत्र खोला। जब उसने

दोनों को पढ़ने के बाद, उसे कारण समझ में आ गया। फ़्टोम पोया का पिछला

पत्रों से उसे यह पता चल गया था कि क्या उम्मीद करनी है: मोइम की गणना-

अजीब नामों वाली झीलें और नदियाँ, विभिन्न ऊँचाइयाँ

चोटियाँ, खूबसूरत दृश्यों के संदर्भ, शानदार चट्टानें,

जलविभाजन, घुमावदार मोड़, उसे अजीब तरह से उदासीन कर देते थे। वह कर सकती थी।

उसने पोया का पत्र दोबारा नहीं पढ़ा, लेकिन उसने लाओ पेंग का पत्र फिर से पढ़ा।

बार-बार। इससे उसे अपनेपन और साझेदारी का एहसास हुआ।

वह बातचीत स्नेहपूर्ण और मानवीय थी। उन्होंने युमेई और वांग के बारे में बात की।

तनुओ और पिनपिन, जिनकी मृत्यु के बारे में उसे पता नहीं था, और वह

उसने युएह-ओ, बदसूरत लड़की की उपेक्षा करने के लिए उसे थोड़ा फटकारा।

वह लड़की जो एक ईसाई स्कूल में पढ़ती थी। उसने लगभग कुछ नहीं कहा।

अपने बारे में उसे बस इतना ही पता था कि वह उस क्षेत्र से वापस आ गया था।

पीली नदी के उत्तर में।

इसके बाद उसने जिस तरह से नई रुचि दिखाई, उससे वह खुद भी हैरान रह गई।

युएह-ओ में, क्योंकि यह लाओ पेंग की इच्छा थी। और जैसे-जैसे दिन बीतते गए।

उसे पता चला कि जिस लड़की के पास से वह लगभग अनदेखे ही गुज़री थी,

उसे कुछ सिखाने के लिए। उसे खुश करने के लिए, उसने थोड़ी सी किताब पढ़ी।

यूएह-ओ के पास जो ईसाई बाइबिल थी, उसमें से उसने यह अंश पढ़ा:

51 }

मेरी यही आज्ञा है कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो, जैसे मैंने तुमसे प्रेम किया है।

इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं हो सकता कि कोई व्यक्ति अपना प्राण त्याग दे।

उसके दोस्तों।

उन शब्दों ने उसे लाओ पेंग के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया, और उन शब्दों ने...

उसके तेज दिमाग में "प्यार" का एक नया अर्थ उभर आया।

* ♦

*

हैनकोव की आबादी में युद्ध का बुखार फैल चुका था। दिन-ब-दिन,

मैटडी से अप्रैल तक, एक महान व्यक्ति की अविश्वसनीय खबर।

जीत फारोंट की ओर से आई। इतिहास में पहली बार,

चीनी सेना का जापानी सेना से युद्ध के मैदान में सामना हुआ था और

बेहतर रणनीति से उसे हरा दिया।

अप्रैल में किए जाने वाले वादे के अनुरूप आक्रमण के अप्रत्याशित परिणाम सामने आ रहे थे।

शहर में बिजली सी दौड़ गई थी और जाल बिछाने की खबरों से हलचल मची हुई थी।

शत्रु का संहार। मैदानों में एक भीषण युद्ध शुरू हो गया था।

24 मार्च को ताइरचुआंग के आसपास आग लगी और यह कुछ समय तक जारी रही।

दो सप्ताह तक चली। शंघाई वाट के बाद यह सबसे भीषण लड़ाई थी।

दुश्मन ने एक लाख सैनिक भेजे थे, जिनमें शामिल थे:

शान्तुंग से प्रसिद्ध पाँचवीं और दसवीं डिवीजनें, अभिसरण कर रही हैं

तीन दिशाओं में ह्सुचोव के महान रेलवे जंक्शन की ओर-

उत्तर से आ रही टुकड़ियाँ। उनकी बाईं ओर की टुकड़ी उत्तर से आ रही है।

पंद्रह तारीख को लिनी में पूर्व को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

जनरल कियांग और पांग के हाथों, जिसने आधारशिला रखी।

बाद में विजय प्राप्त हुई। तियानजिन-पुकोव से दो मुख्य दल नीचे आए।

रेलवे। ह्सुचो तक रेलवे पहुंचने से पहले, वहां एक बटांडी थी।

एक रेखा जो पूर्व की ओर l(K > p) बनाती है, जिससे वह अक्षर b के समान दिखती है।

इसके दो निचले बिंदु लुंघाई रेलवे पर टिके हुए हैं।

यह पूर्व और पश्चिम दिशा में चलता है। h की सीधी रेखा दर्शाती है कि...

तियानत्सिन-पुकोव, जिसके निचले सिरे पर ह्सुचोव स्थित है। घुमावदार

यह कतार पूर्व दिशा की ओर ब्रांडी की बोतलों को ले जाती है और ताइरचुआंग की ओर नीचे की ओर मुड़ती है।

ग्रैंड कैनाल के उत्तरी किनारे पर, जो क्षैतिज रूप से चलती है

एच के दोनों पैरों के पार। पश्चिम में तीन बड़ी झीलें स्थित हैं।

तियानजिन-पुकोव रेलवे की पूरी लंबाई के साथ-साथ ऐ

सीधी रेखा। दुश्मन की एक टुकड़ी सीधी रेखा में आगे बढ़ी।

और हानचुआंग पहुंचे, जो ग्रैंड के उत्तर में भी स्थित है।

नहर। यहाँ का भूभाग ऊँची पहाड़ियों में बदल जाता है, इसलिए दुश्मन को कोई आपत्ति नहीं थी।

नहर पार करने का प्रयास। मुख्य केंद्रीय स्तंभ पूर्व की ओर स्थित है।

फिकॉम लिनचेंग ने घुमावदार शाखा रेखा का अनुसरण किया, जिसका लक्ष्य था

ताइरचुआंग पर कब्जा। ऐसी रणनीति को इस प्रकार माना जा सकता है

तकनीकी रूप से सही, क्योंकि ताइरचुआंग के आसपास का इलाका समतल है।

ह्सुचो तक पहुंचने का एक आसान घुमावदार रास्ता पेश किया। नियंत्रण

इससे चीन का दाहिना किनारा कट जाएगा और साथ ही साथ यह भी संभव हो जाएगा कि...

दुश्मन के बाएं हिस्से पर हमला करके मुख्य स्तंभ से जुड़ना।

लेकिन रणनीतिकार योजना बनाते हैं, जबकि उसे लागू करने का अधिकार सैनिकों के पास होता है।

लड़ाई लड़ो। चीन ने दुश्मन के केंद्रीय सैन्य बलों को अनुमति दी।

उत्तर-पूर्वी और पूर्वी उपनगरों तक प्रवेश करने के लिए

ताइरचुआंग। दुश्मन 28 मार्च को शहर के द्वार तक पहुँच गया।

और एक सप्ताह तक युद्ध क्षेत्र में सड़कों पर भीषण लड़ाई चलती रही।

शहर, और पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में आगे-पीछे होता रहा।

उपनगरों में। कुछ समय के लिए, चीनियों को दक्षिण की ओर पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

नहर के किनारे पर, और फिर उन्होंने इसे पार किया और पुनः कब्जा कर लिया।

दूरदराज के गाँव। लेकिन जबकि केंद्र, जनरल तांग के अधीन

दुश्मन के सबसे भीषण हमले के सामने डटकर खड़ी रही एनपो,

चीन में दक्षिणपंथी और वामपंथी दल चुपचाप एक व्यापक रणनीति को अंजाम दे रहे थे।

आंदोलन। बाएँ हिस्से ने नहर और झीलों को पार किया।

सबसे भीषण शत्रु गोलाबारी के बावजूद पश्चिम की ओर बढ़े और रास्ता काट दिया।

तियानजिन-पुकोव रेलवे और इसके कई बिंदुओं पर बने पुल

ताई-आन से पूरे साठ मील का सफर। आठ सौ स्वयंसेवक।

जब तीन सौ लोगों से एक समिति बनाने के लिए कहा गया, तो वे आगे आए।

आत्मघाती दस्ते ने उन्हें हथगोले से लड़ते हुए पकड़ लिया।

ताइर के ठीक उत्तर में स्थित स्कंक-हेड हिल (चांगटौशान)

चुआंग को सुदृढीकरण से अलग करके और उसे घेरकर

उत्तर में यिह्सिएन में दुश्मन। 30 मार्च तक घेराबंदी।

लगभग काम पूरा हो चुका था, और दुश्मन खुद को एक हताश स्थिति में पाया।

भोजन और गोला-बारूद की घटती संख्या के साथ, स्थिति भयावह होती जा रही थी।

इस लड़ाई में पहले ही पंद्रह हजार दुश्मन सैनिक हताहत हो चुके थे।

घिरी हुई सेना का तीन-चौथाई हिस्सा। से अतिरिक्त सहायता।

पूर्व से आ रहे खतरे को देखते हुए, बचाव के लिए बेताब होकर लोगों को भेजा गया।

ताइरचुआंग के उत्तर में लानलिंग में लड़ रहे चीनी सैनिकों के पीछे।

लेकिन जनरल चांग त्सेचुंग के नेतृत्व में चीनी सेना ने कड़ी टक्कर दी।

उन्होंने इस बल का पुरजोर पीछा किया और 5 अप्रैल को तेजी से हमला किया और

निर्णायक रूप से लानलिंग में दुश्मन को खदेड़ दिया, खतरे को समाप्त कर दिया।

बाहरी घेराबंदी अब पूरी हो चुकी थी। जब चीनी

5 अप्रैल को तीसरा जवाबी हमला शुरू किया गया, दुश्मन

पहले से ही एक खतरनाक मौत के जाल में फंसे हुए थे। केवल कुछ सौ लोग ही बचे थे।

शहर के उत्तरी कोने पर कब्जा जमाए हुए, उनका गोला-बारूद लगभग

खर्च हो चुका था। इस बीच, चीनी घेराबंदी लगातार बढ़ती गई।

चारदीवारी से कुछ मील बाहर स्थित नानलो, लिउचियाहू और च्मग्लू तक।

शहर। छठी रात को, बचे हुए कुछ सौ लोगों ने कब्जा कर लिया।

एक्स।

उड़ान में भारी अफरा-तफरी मची हुई थी, लेकिन उन्हें रोक लिया गया और नष्ट कर दिया गया।

उत्तरी गाँव में। सातवीं की सुबह यह देखा गया कि

दुश्मन उत्तर की ओर भागने के लिए भाग गया। बीस हजार में से

इन लड़ाइयों में शामिल जापानियों में से मुश्किल से तीन हजार ही बच पाए।

वे जीवित बच गए, और इतनी जल्दी में भागे कि उन्हें दफनाने का समय ही नहीं मिला।

या तो उनके मृतकों को ले जाएं, या उनके घायलों को ले जाएं।

दिन-प्रतिदिन दुश्मन की करारी पराजय और भारी नुकसान की खबरें आती रहीं।

हताहतों की संख्या, सैनिकों का फँसना और कस्बों पर पुनः कब्जा करना

ताइरचुआंग के आसपास, उम्मीदों का चरमोत्कर्ष बन गया था।

जब दुश्मन की अनदेखी की खबर के साथ यह मामला चरम पर पहुंच गया...

छोटे से पीछे हटने के बाद, हैंकोव एक जयंती शहर बन गया। पहला ऐतिहासिक

जापान पर विजय का वादा किया गया था और उसे पूरा भी किया गया।

19 अप्रैल को वुचांग में अफरा-तफरी मची हुई थी। तड़के सुबह,

पटाखों की गूंज हवा में फैलने लगी। साढ़े सात बजे, मिस तुआन

पागलों की तरह शरणार्थी शिविर की ओर बढ़ते हुए, खबर लेकर

उस जीत के बारे में जो उसने पिछली रात रेडियो पर सुनी थी।

चिउहू रात भर टैनी के साथ रुकी हुई थी। खबर के अनुसार

सभी लड़के उत्साहित थे, बूढ़े और जवान सब। लड़कों ने मिट्टी के तेल का डिब्बा लिया और दौड़ पड़े।

पहाड़ी से नीचे उतरते हुए, तेज रफ्तार से। घंटों, ढोलों और पटाखों का शोरगुल।

घाटी से ऊपर की ओर गति बढ़ती है। तीन बजे तक, देवदार के पेड़ों की आवाज...

पटाखे लगातार और निर्बाध रूप से चुगली करते रहते थे। इसके अलावा

लगातार अंगूर की लपटों की तरह 'व्हिप फायर-क्रैकर्स' की आवाजें आ रही थीं, वहाँ टाई लगी हुई थी।

आसमान और धरती पर पटाखों के धमाके, ज़मीन पर एक ज़ोरदार आवाज़

इसके बाद हवा में एक दरार सी सुनाई दी।

"हाओ!" तीनों लड़कियां चिल्लाईं।

"मैं शराब पीकर नशे में धुत होने जा रहा हूँ," चिउहू ने घोषणा की।

सभी शरणार्थी पहाड़ी से नीचे जाकर शामिल होना चाहते थे

शहर में हंगामा मचाने वालों के लिए। यह आवश्यक नहीं था।

सरकार द्वारा अवकाश घोषित किया जाएगा। अवकाश घोषित कर दिया गया है।

कोई भी छात्र कक्षा में उपस्थित नहीं हुआ, कोई भी कर्मचारी काम पर नहीं गया।

काम। सड़कों पर उमड़ती-घुमड़ती भीड़ जमा हो गई और लोग इकट्ठा हो गए।

चौकोर खानों में। लड़के बांस के टुकड़ों, केतलियों, झांझों और अन्य चीजों को पीटते हैं।

पीतल की मेज़पोशें, कोई भी ऐसी चीज़ जो घंटा बजाने के काम आ सके।

अव्यवस्थित, सहज, शोरगुल वाला, अव्यवस्थित और भावुक, जैसे

यह होना चाहिए।

तुआन वेन अपनी ओवरऑल ड्रेस में आई थी, और इससे तारमी को कुछ संकेत मिले।

और चिउहू ने सुझाव दिया कि उन्हें अधिक आराम के लिए ओवरऑल भी पहन लेने चाहिए।

मार्च करते हुए। तान्नी ने अपने सिर पर एक चमकीला लाल स्कार्फ बांधा, और

वे तीनों पहाड़ी से नीचे उतरे और नदी पार की, और

वे एक-दूसरे के कंधों पर हाथ रखे सड़कों पर चल रहे थे।

कागज पर छपे झंडे पच्चीस सेंट में बिक रहे हैं।

महिलाएं और बच्चे हरे और नीले रंग के कपड़ों में लिपटे हुए बाहर निकले और

लाल रंग का बैंड सड़कों पर मार्च करता हुआ निकला।

चियांग काइशेक ने एक अत्यंत गरिमापूर्ण घोषणा जारी की।

चीनी सेना के सभी अधिकारियों और सैनिकों को संबोधित,

पार्टी कार्यालयों, प्रांतीय और स्थानीय सरकारों और सभी लोगों

जीना के बारे में:

युद्ध शुरू होने के बाद से, कई प्रांतों में

शत्रु, और राष्ट्रीय सरकार की सीट रही है

भावुक कर देने वाला पल। अधिकारियों और सैनिकों का बलिदान महान रहा है।

और वे कठिनाइयाँ जिन्होंने एक ही गर्भ से जन्मे हमारे लोगों को झेलना पड़ा है

ये भयावह रहे हैं। अतीत का सर्वेक्षण करते हुए आगे की ओर देखना।

भविष्य के बारे में, हम केवल अपने सामने निर्धारित कार्य की विशालता को ही महसूस कर सकते हैं।

हमें। ताइरचुआंग में हाल ही में मिली जीत, जो वीरतापूर्ण प्रयासों से हासिल हुई।

हमारे सैनिकों और अधिकारियों का संघर्ष और जनता का समर्थन

पीछे से मिली जीत मैदान पर केवल प्रारंभिक जीत ही मानी जाएगी।

यह तो पूरे देश की उम्मीदों को थोड़ा-बहुत ही संतुष्ट करता है।

पिछले आठ महीनों में हुई पीड़ाओं की थोड़ी भरपाई करने के लिए और

हमारे देश को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। लेकिन

यह जश्न मनाने लायक नहीं है। अंत अभी नहीं आया है और हमारा

सबसे कठिन कार्य हमारे सामने है। हमारे नागरिकों और हमारी सेना को चाहिए कि...

विशेषकर इस समय, व्यर्थ के अहंकार से दूर रहें और संयम बरतें।

आगे आने वाले महान संघर्ष के लिए खुद को तैयार करना होगा। केवल वे लोग जो तैयार नहीं हैं

विजय के क्षण में अभिमानी लोग अपने सिर को ऊँचा रखेंगे

ये अस्थायी रुकावटें हैं। हमें और भी अधिक मेहनत करनी चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए।

बिना विचलित हुए और बिना ढिलाई बरते, और भी अधिक प्रयास करते रहना होगा।

आगे आने वाले संघर्ष के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ, हमें फिर से विचार करना चाहिए-

हम स्वयं को मौन, शांत वीरतापूर्ण जीवन के लिए समर्पित करते हैं, कोई भी नहीं

कठिनाइयों से बचते हुए और हर कोई अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए

राष्ट्र, ताकि हम अंतिम दम तक लड़ें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।

हमने अपने लिए विजय का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुझे आशा है कि

राष्ट्र मेरे साथ इस राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करेगा और प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करेगा।

अन्य से अधिक प्रयासों तक। याग (सातवां दिन),

च्यांग काइशेक.

लेकिन चियांग की घोषणा के बावजूद, उत्सव जारी रहे।

दोपहर के भोजन के बाद तीनों लड़कियाँ मुलान से मिलने गईं, जो वहाँ मौजूद थी।

उनकी उपस्थिति और उनकी अविवेकी प्रकृति से पूरी तरह से आश्चर्यचकित।

जिम्मेदार उल्लास। टैनी अपने ओवरऑल में थी, उसकी सफेद मुस्कुराती हुई आँखें।

टेड स्कार्फ द्वारा मल त्याग किया गया। लेकिन इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला व्यक्ति...

युवा मित्र मुलान की अपनी बेटी अमेई थी।

"हमारे साथ बाहर चलो। हमारे जैसे कपड़े पहनो!" टैनी ने आवेग में आकर कहा।

“माँ, क्या मैं कर सकती हूँ?” अमेई ने पूछा। उसकी बहन के Jq j

कुछ साल पहले पेइपिंग में हुए राजनीतिक प्रदर्शन के दौरान, उसकी माँ ने उसे संभाल कर रखा था।

शर्मीली और संवेदनशील लड़की सार्वजनिक जुलूसों से दूर रहती थी, और उसके पास

उसने उसकी थोड़ी ज्यादा ही सुरक्षा कर दी थी। लेकिन आज मुलान ने न केवल सहमति दी

उसे बाहर भेजने की इच्छा तो थी ही, साथ ही यह भी चाहा कि वह उसी तरह के कपड़े पहने हो।

अन्य। अतंग अपनी बहन के लिए ओवरऑल खरीदने दुकान पर गया।

और मुलान ने अपने चारों ओर एक चमकीला लैवेंडर रंग का स्कार्फ लपेट लिया और

उनकी हरी ब्लाउज के साथ उनका गला एक सुखद विरोधाभास पैदा कर रहा था।

चारों लड़कियां पूरी दोपहर सड़कों पर घूमती रहीं।

अपने रंगीन पहनावे और उत्साह से कुछ ध्यान आकर्षित करते हुए-

ज़ोरदार हंसी। शनिवार की दोपहर थी, और सड़कों पर

हालांकि पटाखों का शोर थोड़ा कम हो गया था, फिर भी हॉल भरे हुए थे।

उन्हें पता चला कि लालटेन और मशाल की रोशनी में एक जुलूस निकाला जाना था।

उस रात हुए समझौते और श्रमिकों के विभिन्न संगठनों के कारण,

छात्र, सैनिक और सरकारी कर्मचारी जा रहे थे

मार्च। और उन्होंने एक नोटिस देखा जिसमें स्वयंसेवकों की मांग की गई थी।

युद्ध-क्षेत्र सेवा कोर को ह्सुडक्सोव जाकर मरात को लाना होगा।

युद्धग्रस्त क्षेत्र से बाहर निकाले गए अनाथ बच्चे।

तुआन वेन ने कहा, "मैं स्वयंसेवक के रूप में काम करने जा रहा हूँ।"

मुलान ने लड़कियों को रात के खाने के लिए वापस आने को कहा था, और उसके बाद-

पूरा परिवार टान्नी और चिहू के साथ बाहर गया, जबकि

तुआन वेन जुलूस में अपनी टुकड़ी में शामिल होने चली गई। बैनर,

लालटेन, मशालें, ब्रास बैंड और वर्दीधारी समूह नारे लगा रहे थे

युद्ध के नारे, निरंतर प्रवाह में प्रसारित होते रहे, और एक अव्यवस्थित

उनके बगल में छुट्टी मनाने वालों का जुलूस चल रहा था। जब तुआन

वेन की सेना आगे बढ़ी, तान्नी ने चिउहू और अमेई को अपने साथ घसीट लिया।

और तीनों लड़कियां हंसती-खेलती गली में चली गईं।

दस ब्लॉक तक कंधे से कंधा मिलाकर चले। फिर वे अलग हो गए और ले आए...

वे अमेई को घर ले गए और तुआन वेन को भी अपने साथ ले गए।

मुलान का परिवार पहले ही लौट चुका था। जब टान्नी अंदर आई,

मुलान उत्साह से चप-नमा को एक टेलीग्राम पढ़कर सुना रही थी जिसमें

लिखा था...

यह जानकारी उसके बेटे से मिली है।

उसने टान्नी की ओर मुड़कर कहा, “चेन सान का एक टेलीग्राम अभी-अभी आया है।”

वह चेंगचो से आ रहे हैं। उन्हें दो दिन में पहुंचना है। और वह

कहते हैं कि आपके श्री पेंग बीमार हैं और बिस्तर पर पड़े हैं।

टैनी के फ्री ने अपना समलैंगिक रूप छोड़ दिया, और मुलान में चिंता देखी गई।

ओह, वह कितनी स्वतंत्र थी! पल भर में ही उसने अपना मन बना लिया।

}I8

उसने तुआन वेन की ओर मुड़कर पूछा, "क्या मैं आपके दल के साथ उत्तर की ओर जा सकती हूँ?"

उसने पूछा।

“मुझे नहीं पता। क्या आप सच कह रहे हैं?” तुआन वेन ने जवाब दिया।

"बिल्कुल।"

“यह खतरनाक हो सकता है,” मुलान ने कहा। “क्या आपको लगता है कि आप कर सकते हैं?”

खड़े होना?"

“युद्धग्रस्त क्षेत्र में रहना कठिन है,” अतंग ने चेतावनी दी।

लेकिन हम पहले ही जीत हासिल कर चुके हैं। जापानी पीछे हट रहे हैं।

मैं युद्धक्षेत्र देखना चाहता हूँ।

जब तीनों लड़कियां आधी रात के करीब वुचांग लौटीं,

तानी चुप थी। लाओ पेंग की बीमारी की खबर उसके लिए अप्रत्याशित थी।

उमंग भरे उल्लास से भरे दिन का निराशाजनक अंत। जब aU बिस्तर पर लेटा हुआ था

फिर से शांत होकर, वह धीरे-धीरे चलने लगी। वह स्वार्थवश आनंद ले रही थी।

जबकि लाओ पेंग चेंगचो में अकेले और बीमार होकर कष्ट झेल रहे थे, वहीं वह स्वयं पीड़ित थीं।

* *

*

दो दिन बाद चेन सान और हुआन-एरह पहुंचे। सुन्या और

अतंग उनसे स्टेशन पर मिलने गया, जबकि महिलाएं वहीं रुक गईं।

घर पर स्वागत की तैयारी कर ली थी। टैनी, खबर जानने के लिए उत्सुक थी।

लाओ पेंग आ गया था। चेन सान की माँ ने पहना हुआ था।

नई रेशमी पोशाक जो उसने लाओ पेंग से अपने लिए खरीदी थी

उसके अंत की उम्मीद। ट्रेन में देरी हो गई थी और पुरुषों

लगभग रात के खाने के समय तक नहीं आया। पूरे दो घंटे तक।

चेनमा बार-बार दरवाजे पर जाकर खड़ी हो जाती थी। वह अंदर आई और

वह इतनी बार बाहर जाती थी कि मुलान को डर था कि बाहर जाने का रोमांच

यह बैठक उसके बूढ़े शरीर के लिए बहुत भारी होगी। वह तो बस

साठ से कुछ अधिक, लेकिन यह स्पष्ट था कि उसकी ताकत

लगभग सब कुछ खत्म हो चुका था। केवल अपने बेटे के लौटने की उम्मीद ही उसे सहारा दे रही थी।

वह ऊपर उठी, और हठपूर्वक टिकी रही, उधार के समय पर जी रही थी।

यों कहिये।

"अंदर आओ और आराम करो," मुलान ने कहा।

वैसे भी, सैक्सोफोन बहुत अच्छा लगता है। जब आपका बेटा और बहू आएँगे,

आपको सबसे अच्छे रूप में दिखना चाहिए और शांति से बैठना चाहिए।

फिर उसे एक नीची कुर्सी पर बैठने के लिए राजी किया गया।

हॉल से बाहर निकलकर, सामने के दरवाजे की ओर मुड़ते हुए, उसने फिर से बोलना शुरू किया।

उस समय के किनारे पर जब उसका बेटा गायब हो गया था, जब वह केवल

सोलह। *मैं उसे एक छोटे लड़के के रूप में देख सकता हूँ। और मुझे अभी भी याद है

उसकी आवाज, लेकिन... मैं उसे क्या दे सकता हूँ? मैं उसे अभी क्या दे सकता हूँ?

अंत में अतंग दौड़कर अंदर आया। "वे यहाँ हैं।"

मुलान जाकर उस बूढ़ी औरत के पास खड़ी हो गई। पल भर में

जेआई9

चान सान दौड़ते हुए अंदर आई, उसके पीछे हुआन-एथ भी थी।

कुर्सी पर अपनी विशेष स्थिति के कारण, ओएन सान अपनी माँ से गिर पड़ी।

अपने घुटनों पर बैठकर और अपनी बाहों को उसके घुटनों पर टिकाकर वह जोर-जोर से रोने लगा।

हुआन-एरह भी उसके बगल में घुटनों के बल गिर पड़ी।

स्तनों से निकले हुए निपल्स उसके गालों से नीचे बह रहे थे, बूढ़ी औरत के हाथ...

उसने अपने बेटे के बालों और उसकी झुकी हुई गर्दन को अपनी गोद में महसूस किया, उसे टटोलते हुए।

और उसके चौड़े कंधों को थाम लिया। एक शब्द भी न कह पाने के कारण, वह...

उसने झुककर उसे ऐसे सूंघा मानो वह अब भी उसका छोटा बच्चा हो, कोमलता से, जैसे

अगर वह अपनी ढलती हुई जिंदगी को उसके बालों, उसके सिर, उसके चेहरे पर बिखेर दे। तब

मां और बेटे ने एक-दूसरे की हथकड़ी पकड़ी और गले लगा लिया।

उन्हें कसकर पकड़ रखा है।

चेन सान ने अपनी मां के हाथों को ऊपर उठाया और उन्हें चूमा।

"मां, तुम्हारा नालायक बेटा लौट आया है।"

“मेरे बेटे, उठो। मुझे तुम्हें देखने दो,” उसने अंत में कहा।

वह खड़ी हुई और बोली, “ये रही आपकी बहू।” हुआन-एथ

अभी भी घुटनों के बल बैठी हुई है।

"आओ, मुझे तुम्हें देखने दो," चेनमा ने कहा।

तभी हुआन-एरह खड़ी हुई।

“हुआन-एरह, मैं तुम्हें अच्छी तरह जानती हूँ। तुम एक अच्छी लड़की हो और तुमने खाना खाया।”

मेरे बेटे के लिए एक अच्छी बहू चाहिए। आपकी माँ कैसी हैं?

उसकी आवाज आश्चर्यजनक रूप से स्पष्ट थी।

"वह मर गई।"

"और आपकी भाभी कैसी हैं, मोचो?"

वह इस समय अपने पति के साथ चुंगकिंग में हैं।

अब हुआन-एरह ने दो छोटी कुर्सियाँ खींचीं और वह और चेन सान...

वे अपनी माँ के सामने पास में बैठे थे, और चेन सान ने अपने बारे में बताना शुरू किया।

याओ परिवार में वापसी और वह कैसे रहा था

पूरा परिवार अंदर आ गया था और कमरे में भर गया था, वाटडबंग

मां और बेटे का पुनर्मिलन।

लेकिन, थोड़ी देर बाद, जैसे-जैसे चान सान कहानी सुनाता गया,

मां की आंखें बंद हो गईं और उनका सिर एक तरफ झुक गया।

जो उसकी हथेली में शिथिल, बेसुध पड़ा था।

सुन्या पास आई और उसे देखकर बेटे को गोद में उठा लिया।

saidgMtljr,“यह खत्म हो गया है। ज्यादा कड़वाहट महसूस मत करो। वह रही थी

आपके आने से बहुत पहले ही इसकी उम्मीद थी। अब वह अपने साथ मर गई है।

इच्छा पूरी हुई।

लेकिन चसान अपनी माँ के शव पर एक बेटे की तरह विलाप करते हुए गिर पड़ा।

उसे ऐसा करना चाहिए था, और उसने अपनी छाती पीटी और रोया और वह नहीं होगा

मुझे तसल्ली मिली। “मुझे तो यह जानने का भी मौका नहीं मिला कि वह कैसे रहती थी।”

“उसके जीवन के अंतिम वर्ष,” वह रोते हुए बोला।

इसलिए

“सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसकी मृत्यु सुखी और संतुष्ट होकर हो,” कहा गया

हुआन-एरह ने अपने पति को सांत्वना दी।

“वह अपने अंतिम दिनों में शांति से रह सकीं,”

मुलान। "और इसके लिए तुम्हें टान्नी का शुक्रिया अदा करना चाहिए।"

मुलान ने उसे बताया कि उसकी माँ कैसे मिली और उसकी देखभाल कैसे की गई, और

उसने बताया कि उसने अपना कॉफ़बीएन पहले ही खरीद लिया था। चेन सैन ने टान्नी को धन्यवाद दिया।

औपचारिक और विनम्रतापूर्वक, उन्हें मिस पेंग कहकर संबोधित करते हुए और यह कहते हुए

कि वह लाओ पेंग से एक साल पहले मिला था। और चेन सान अब

उसने अपनी माँ के छोटे से शरीर को उठाया और उसे एक बगल के कमरे में लिटा दिया, और

हुआन-एरह उसके पीछे-पीछे गया। वहाँ उसने चुपके से अपनी माँ को चूमा।

लंबे समय तक उसके चेहरे को अपने आंसुओं से धोते हुए, जब तक हुआन-एर

उसे ऊपर उठा लिया।

उनके स्वागत के लिए एक भव्य भोज तैयार किया गया था, लेकिन अब

उन्होंने कुछ ही व्यंजन परोसे। मुलान ने चेन सान से आग्रह किया।

वह खा रहा था, और हालाँकि उसे बहुत ज्यादा नहीं खाना चाहिए था, फिर भी वह बहुत भूखा था।

भूख लगी थी और उसने चावल खाकर अपना पेट भर लिया।

रात के खाने के बाद, तान्नी ने उसे तीन सौ का चारा दिया।

उसने अपनी माँ द्वारा छोड़े गए डॉलरों के बारे में बताया और समझाया, "तुम्हारी माँ

उन्होंने कहा कि ये उनकी जीवन भर की बचत है, और उनके पास

मैंने इन्हें आपके लिए एक-एक सिक्का, एक-एक तांबा करके बचाया है। श्री पेंग

जाते समय उसने मुझे वह पैकेट दे दिया।

लेकिन ताबूत का खर्च किसने उठाया?

“श्री पेंग ने ऐसा किया। इनमें से कुछ पुराने नोट हैं, जो अब बेकार हो चुके हैं।”

आप इन्हें अपनी मां की स्मृति चिन्ह के रूप में संभाल कर रख लें तो बेहतर होगा।

जैसे ही चेन सान की नज़र कागज़ के उस पार्सल पर पड़ी - जो उसके लिए एक प्रतीक था

माँ का जीवन भर का, अटूट प्यार— उसकी आँखों में आँसू भर आए।

दोबारा।

फिर तानी ने उससे लाओ पेंग के बारे में पूछा, और चेन सान ने बताया

उसने बताया कि चेंग जाते समय ट्रेन में उनकी मुलाकात कैसे हुई थी।

चॉ। लाओ पेंग को उत्तरी होनान में सर्दी लग गई थी, और

वह अकेले यात्रा कर रहा था। चेन सान ने उसे होटल तक पहुँचाने में मदद की, लेकिन

अपनी माँ को देखने की तीव्र इच्छा में, उसे उसे छोड़ना पड़ा था।

अगले दिन।

अब तानी ने पूरी तरह से मन बना लिया था। उसे लाओस जाना ही होगा।

पेंग ने उसकी एकांतता और बीमारी में उसे सांत्वना दी। यह सबसे कम था

वह उसके प्रति और उसके प्रति दिखाई गई उसकी महान दयालुता के बदले में क्या कर सकती थी?

कई दूसरे।

अगले दिन, चेन सान सुबह-सुबह हंगशान के लिए रवाना हो गई।

हुआन-एरह और टान्नी, ब्रोकेड के पति के साथ,

ताबूत ले आओ। अंतिम संस्कार की रस्में पूरी हो चुकी हैं।

अगले दिन, चेन सान और हुआन-एथ मुलान के घर पर रुके।

घर लौटकर शोक मनाने लगे।

* ♦

*

तानी की घोर निराशा के लिए, तुआन वेन ने नॉट जीता।

शाम को उसे यह बताने के लिए कि एकर में बहुत सारे स्वयंसेवक चिंतित थे

जीत का दृश्य देखने के लिए। पहली सात लड़कियां पहले ही जीत चुकी थीं।

मिस तुआन का चयन हो चुका था और उन्हें बाहर कर दिया गया था। वाट के अलावा-

क्षेत्रीय सेवा कोर, अनेक विभिन्न संगठनों के सदस्य

वे जाने का मौका पाने के लिए होड़ कर रहे थे, ताकि मरते हुए सैनिकों को उपहार दे सकें।

मौके पर मौजूद कई पत्रकार प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए रवाना हो रहे थे।

अधिकारियों और सैनिकों की कहानियां।

युद्ध की कहानी धीरे-धीरे जुड़ने लगी।

28 मार्च को जापानी तोपखाने ने उत्तर में सेंध लगा दी थी।

ताइरचुआंग की पूर्वी दीवार, जो मिट्टी की ईंटों से बनी थी और

प्राचीन डाकुओं के गढ़ की तरह असामान्य रूप से मोटा, लेकिन बंदूक से लैस

उस दिन से लेकर 5 अप्रैल तक, वहाँ तैनाती की गई थी।

सड़कों पर लड़ाई जारी है और चीनी सेना दुश्मन को सख्ती से रोके हुए है।

शहर के उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी कोने। प्रत्येक

दिन के समय जापानी सेना गोलाबारी की आड़ में आती थी।

लेकिन हर रात फिर से उनका सफाया हो जाता था, क्योंकि जापानी सेना

रात में आमने-सामने की लड़ाई में विशेष रूप से अक्षम होना। कुछ-

कई बार तो दुश्मनों के सिरों की पूरी कतारें काट दी जाती थीं।

अंधेरे में चीनी बड़े चाकू। अक्सर लड़ाई होती थी

घर की दीवार के दोनों ओर, दोनों तरफ से इसका उपयोग करने की कोशिश की जा रही है।

दीवार में एक जैसे छेद किए गए थे। एक बार जब एक जापानी ने

एक चीनी सैनिक ने चीनी पक्ष में संगीन घुसा दी, जिसे उसने जब्त कर लिया था।

उसने संगीन को पकड़ा और उसे कसकर थामे रखा जबकि उसका साथी चारों ओर घूम गया।

दीवार फांदकर दुश्मन पर हथगोला फेंका। चीनियों ने मोर्चा संभाला।

जापानी ब्लॉक-हाउसों में आग लगा दी गई, जबकि जापानियों ने आग लगा दी।

अंधेरे में हमले के डर से वे रात में अपने ही घरों में नहीं रहते।

चौदह दिनों तक चीनियों ने दुश्मन की ओर से भारी गोलाबारी का सामना किया।

मैदानी तोपें और भारी तोपें। एक भी घर सही सलामत नहीं बचा।

दूसरी ओर, पूर्वी उपनगर खून-खराबे में तब्दील हो गया।

बेहतर चीनी उपकरणों ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी, जिनके आगमन के साथ ही

रूसी हल्के टैंक और जर्मन टैंक रोधी बंदूकें। सत्रह दुश्मन

सत्ताईस तारीख को टैंक शहर की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एक

चीनी तोपखाना इकाई पिछली दोपहर को आ चुकी थी, और

दुश्मन को आश्चर्यचकित करते हुए, दस टैंकों को उनके सामने से ही वापस भेज दिया गया।

उपनगर तक पहुँच गए, और उनमें से सात जो शहर तक आए

रक्षापंक्ति के छह ढांचे जर्मन टैंक-रोधी हथियारों द्वारा आसानी से ध्वस्त कर दिए गए।

बंदूकें। दो, जो कम गंभीर रूप से घायल थे, उन्हें खींचकर ले जाया गया, लेकिन चार

क्षतिग्रस्त टैंक चीनियों के लिए जिज्ञासा का विषय बने रहे।

सैनिकों। अंत में, दुश्मन हवाई जहाजों का इस्तेमाल कर रहा था।

गोला-बारूद की आपूर्ति का परिवहन। उनके पास आखिरी गोला-बारूद भी था।

डंप को उड़ा दिया गया और उनकी घेराबंदी पूरी हो गई,

बाहरी सुरक्षा घेरे में तैनात जापानी सैनिक जल्दबाजी में पीछे हट गए।

तानी ने लाओ पेंग को एक टेलीग्राम भेजा था, और तीन दिन बाद एक

पत्र आया, जिसमें लिखा था कि उसकी बीमारी कुछ भी नहीं थी और वह नहीं थी।

चिंता करने की बात थी। लेकिन चेंगचो में उसका अभी भी मौजूद होना उसे यह बताता था कि

वह अभी भी बिस्तर पर ही थे और ह्सुचोव जाने में असमर्थ थे।

कुछ दिनों बाद, तुआन वेन दोपहर में दिखाई दिए।

यह रोमांचक खबर थी कि वह उत्तर की ओर जा रही थी। पहली पार्टी

स्वयंसेवकों ने टेलीग्राम भेजकर बताया था कि वे लगभग वापस ला रहे हैं।

चालीस अनाथ बच्चे थे, और गांवों में ऐसे और भी बहुत से बच्चे थे।

ताइरचुआंग-ह्सुचो जिले के कस्बे। एक दूसरा दल था।

इसे तुरंत भेजा जाना है, और सुश्री तुआन, पहले आवेदकों में से एक के रूप में,

मुझे और पांच अन्य लोगों को दो दिन बाद काम शुरू करने के लिए चुना गया था।

“क्या मैं आपके साथ आ सकती हूँ?” टैनी ने पूछा। “मैं युद्ध देखना चाहती हूँ।”

मैं कुछ अनाथों को इकट्ठा करना चाहता हूँ।"

"जब हम उन्हें वापस लाएंगे तो हम आपको कुछ अनाथ कुत्ते दे सकते हैं।"

नहीं, मैं इन्हें खुद चुनना चाहती हूँ। मुझे उम्मीद है कि मुझे एक GHL मिल जाएगा।

लगभग दस, पिनपिन की तरह।"

"अच्छा, शायद आप भी उसी ट्रेन में साथ आ सकते हैं। जब

हमने खेत में ही खाना खाया, आप भी हमारे साथ शामिल हो सकते हैं। हमारी नेता, मिस टिएन, ने...

मैंने आपको देखा है और वह यहां आपके काम के बारे में जानती है। मैं उससे बात करूंगी।

तो यही निर्णय लिया गया।

पार्टी तीसरे दिन शुरू होनी थी। मुलान को यह मंजूर नहीं था।

जब टैनी ने उसे बताया।

"तुम्हें नहीं जाना चाहिए," उसने कहा। "पोया जल्द ही यहाँ आ जाएगी।"

लेकिन टैनी जिद्दी थी।

“मुझे जाना होगा,” उसने कहा। उसका लहजा दृढ़ था। “पहली पार्टी

पूरी यात्रा में केवल दस दिन लगे। मैं उसके आने से पहले ही वापस आ जाऊँगा।

आता है। इसके अलावा, श्री पेंग उत्तर में हैं, और मैं उन्हें मनाना चाहता हूँ।

पोया के आने से पहले मेरे साथ वापस आ जाओ। किसी को तो ले जाना ही होगा।

घर का प्रभार उनके पास है, और वे मिलकर इस पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं।

आपको पता है, अंकल पेंग और मेरे पेइपिंग छोड़ने के बाद से उनकी

मुलाकात नहीं हुई है।

छह महीने पहले? और मुझे उम्मीद है कि मैं कुछ अनाथों को घर ला सकूंगा या अपने

“खुद की,” उसने आगे कहा।

"मुझे यकीन है कि पोया आपको युद्ध कार्यकर्ता के रूप में देखकर आश्चर्यचकित होगा।"

32} एल*

मुकन ने उदास मुस्कान के साथ कहा, "लेकिन जल्दी वापस आना। वहाँ..."

एक शादी आपका इंतजार कर रही है।

उस सुबह टैनी बैंगनी रंग के कपड़े पहनकर निकली, जैसा कि उसने हमेशा पसंद किया था।

सर्ज ब्लाउज और ओवरऑल। शरणार्थी गृह को r>iarjˆ में छोड़ दिया गया था।

वांग तानियांग और युमेई के बारे में, और मुलान ने मदद करने का वादा किया अगर

उसकी ज़रूरत थी। सफेद शोक वस्त्र पहने हुआन-एरह, अमेई के साथ आई।

टान्नी को देखने के लिए। चिउहू भी आया था, और टान्नी ने खुशी से कहा

उन सभी को अलविदा।

अध्याय XX

अगली दोपहर देर से टान्नी ने चेंगचो को तट पर पहुँचाया, और

अपने दल के साथ एक होटल में ठहरने के बाद, वह तुरंत चली गई।

लाओ पेंग से उनके होटल में मुलाकात हुई।

“मैं किसे बताऊँ कि कौन फोन कर रहा है?” फेट क्लर्क ने पूछा, देखते हुए।

उसे उत्सुकता से।

मैं उनकी भतीजी हूँ।

उन्होंने हमें बताया कि उनकी देखभाल करने के लिए उनका एक भी रिश्तेदार नहीं है।

“वह हमें डराना नहीं चाहता था—इसीलिए उसने हमें जाने नहीं दिया।”

उसके रिश्तेदारों को पता है। क्या वह बहुत बीमार है?

“वह दस दिन पहले उत्तर से आया था और तब से बिस्तर पर है।”

ज्यादातर समय। मैं तुम्हें ऊपर भेज दूंगा।

एक लड़का टान्नी को सीढ़ियों से ऊपर ले गया और एक अंधेरे गलियारे से नीचे ले गया।

आखिरी कमरे में जाकर लड़का रुका और दरवाजा खटखटाया। वहाँ कोई नहीं था।

उसके दस्तक देने पर लड़के ने दरवाजा खोला। कमरा

हालांकि अभी केवल पांच बजे थे, फिर भी अंधेरा था। टैनी दबे पांव अंदर आई।

पर्दे नीचे थे, और केवल कुछ ही प्रकाश की किरणें खिड़की पर पड़ रही थीं।

दीवार। उसने लाओ पेंग का बड़ा सिर और बिखरे हुए भूरे बाल देखे।

छोटा तकिया। उसकी आँखें बंद थीं। चुपचाप वह...

वह बिस्तर के पास पहुंचा और उसे देखने लगा। वह गहरी नींद में था।

सो गया। ,

तानी का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। वह धीरे से और चुपचाप पास आई।

वह उसके बिस्तर के पास खड़ी हो गई और उस आदमी को देखने लगी जो उसकी नजरों में था

बिना किसी भय और बिना किसी निंदा के, जिन्होंने इतना कुछ किया था

वह उसके कारण अब एकांत में रहने लगी थी।

उसने कमरे में चारों ओर देखा। यह एक बहुत छोटा आयताकार कमरा था।

कमरा, जिसमें एक सिंगल बेड और एक छोटी मेज थी, जिस पर एक पुराना

टूटे ढक्कन वाली चायदानी और दागदार ट्रे पर रखे दो छोटे कप

चाय गिर गई। वहाँ एक लकड़ी की कुर्सी थी जिस पर लाओस की चीजें बिखरी पड़ी थीं।

पेंग का पुराना नीला सूती गाउन जिसे वह बहुत अच्छी तरह जानती थी और

वह हैंडबैग जिसे उसने उसे सड़कों पर कई बार ले जाते हुए देखा था,

और कपड़ों का एक छोटा सा ढेर। वही जाना-पहचाना सूटकेस जो पहले था।

पेइपिंग से यात्रा पर उनके साथ गया व्यक्ति पास में खड़ा था

3ie मॉडेम एनैम्ड वॉशस्टैंड। बिस्तर बीच में था।

कमरा था और उसके अंत तक पहुँचने के लिए मुश्किल से ही जगह थी।

खिड़की। दीवार पर पड़ रही तेज रोशनी के घेरे उसके चेहरे पर पड़ रहे थे।

एक सुंदर आकृति में, नियमित रूप से और स्पष्ट रूप से हिलते हुए।

सांस ले रही थी। उसने उसे कभी बीमार बिस्तर पर नहीं देखा था; अब वह शांति से सांस ले रहा था।

नींद में उसने उसकी हड्डियों की मजबूती और विशाल हृदय की महानता देखी।

उसकी धड़कती छाती में।

उसे यकीन था कि पोया के आने के बाद से वह बदल गया था, उदास था।

यार। अगर पोया न आती तो क्या होता? यह आदमी होता...

उसका पति। उसे यकीन था कि वह उससे प्यार करता है। वह सांस ले रहा था।

वह शांति से सो रहा था; जागने पर वह क्या सोच रहा था?

वह झुकी और उसने उसके बड़े माथे पर चमकती हुई नम रेखाएं देखीं।

हल्के पसीने के साथ। वह उसके माथे को छूना चाहती थी,

उसका तापमान महसूस करने की हिम्मत नहीं हुई। वह उसके लिए क्या कर सकती थी?

उसका गला सूख रहा था, उसने एक रुमाल लिया और धीरे से...

उसने अपनी नाक साफ की।

हल्की सी आवाज से वह चौंक गया। थोड़ी देर बाद उसकी आंखें खुल गईं।

“अंकल पेंग, मैं तानी हूँ। मैं आ गई हूँ।” अचानक उसके गले से आवाज़ निकली।

उसका गला भर आया और आखिरी वाक्य बोलते समय उसकी आवाज लड़खड़ा गई।

लाओ पेंग की आंखें खुशी भरी हैरानी से उसकी ओर टकटकी लगाए हुए थीं।

“तन्नी, तुम कब आई?” उसकी आवाज़ धीमी और चौड़ी थी।

और यह उसके कानों को सुखद रूप से परिचित लगता है।

अभी-अभी। तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? ये क्या है?

बीमारी?” • _ ^

उसने उठकर बैठने की कोशिश की। “कुछ नहीं है। तुमने ऐसा क्यों किया?

आना?"

तानी ने आँसुओं के बीच मुस्कुराते हुए कहा, "ओह, उंडे पेंग, यह अच्छा है।"

आपको फिर से देखने के लिए।"

लाओ पेंग ने उसकी आँखों में आँसू देखे और वह अवाक रह गया।

एक दूसरा।

“तन्नी, मैं ठीक हूँ। मुझे बताओ तुमने मुझे क्यों बुलाया?”

क्योंकि मुझे पता था कि तुम बीमार हो।

लेकिन क्या आपको मेरा पत्र नहीं मिला? मैंने आपको बताया था कि मैं ठीक हूँ।

“मैंने किया था। लेकिन इसे इस जिले से हटा दिया गया था, और आपने मुझे बताया था।”

आप लोग ह्सुचोव जा रहे थे। इसलिए मैंने अनुमान लगाया कि कुछ गड़बड़ थी।

ऐसा हुआ। मुझे तुम्हारी इतनी चिंता थी कि मुझे आना पड़ा।

क्या आपकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था?

नहीं, मुझे किसी की ज़रूरत नहीं थी। मुझे बस सर्दी-जुकाम है।

सिंसियांग। मैं पिछले हफ्ते उठने में सक्षम थी और उसके बाद मुझे कमरे में ही रहना पड़ा।

मुझे फिर से बिस्तर पर जाना है। पता नहीं क्यों मुझमें उठने की ताकत नहीं है।

आप कौन सी दवा ले रहे हैं?

मुझे किसी दवा की जरूरत नहीं है। मैं उपवास कर रहा हूं और कान्हो चाय पी रहा हूं।

बस। मैं एक-दो दिन में ठीक हो जाऊंगा।

“अरे, तुम्हें इस जगह अकेले ही क्यों आना पड़ा?”

उसकी आवाज में एक दुख भरी, दयनीय स्वर थी।

उसने खांसा और उसे लाइट जलाने को कहा। फिर उसने देखा

उसने सफेद सूती जैकेट पहनी हुई थी, और उसका मल एक

थोड़ा दुबला, लेकिन बाकी सब कुछ पहले जैसा ही था।

अपनी बीमारी को कमतर दिखाने के लिए वह थोड़ा खुशमिजाज स्वभाव का था और खूब घूमता-फिरता था।

उसे इस बात का एहसास था कि वह उसके पहनावे को लेकर असमंजस में था।

“मुझे देखकर तुम्हें खुशी नहीं हुई?” तारमी ने वापस आकर पूछा।

कुर्सी पर बैठना।

“तानी, तुम मुझे बिल्कुल वैसी ही दिख रही हो—इस ड्रेस में भी,” उसने कहा।

लाओ पेंग। उसका चेहरा मुस्कुरा रहा था।

“तुम्हें यहाँ आने की क्या ज़रूरत थी?” उन्होंने एक ही समय पर कहा।

वह नापसंदगी से और वह चिढ़े चेहरे से। यह एक संयोग था।

इससे उन्हें हंसी आ गई, और एक पल के लिए वे एक-दूसरे को देखने

लगे।

एक ऐसा भाव जो सुखद और आश्वस्त करने वाला था, जिससे उन्हें यह पता चलता था कि वे खुश हैं।

फिर से एक साथ होने के लिए।

“अंकल पेंग, मुझे आना ही पड़ा। बहुत सी बातें हैं।”

आपके जाने के बाद से ये सब हुआ। हमारे घर पर हमला होने से पिनपिन की मौत हो गई।

बमबारी के दौरान उड़ते हुए पत्थर से।

उसने उससे विवरण पूछा और उसने उसे सब कुछ बता दिया और आगे बढ़ गई।

“बहुत कुछ हो रहा है। पोया मई में आ रहा है। उसके पास है

मैं पहले ही कुनमिंग छोड़ चुका हूँ। आपको वापस आना होगा। वह जगह अब वैसी नहीं रही।

तुम्हारे जाने के बाद से सब कुछ वैसा ही है।

छत से लटकती हुई तेज बिजली की रोशनी...

बिस्तर पर लेटी हुई, उसकी नज़र सीधे उसकी आँखों में जा रही थी। उसने देखा कि उसने अपना सिर ऊपर उठाया।

फिर छाया करने के लिए एक हाथ का इस्तेमाल करें।

क्या रोशनी से आपको तकलीफ हो रही है?

"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

टान्नी ने एक रुमाल लिया और उसे दीपक के चारों ओर बांध दिया।

छाया।

“देखो, अब ठीक है? मैं इसे बाद में और बेहतर कर सकता हूँ।”

5z6

मुझे बताओ, पोया कब आ रहा है? उसने क्या कहा?

पत्र?"

"अरे, वही रोज़मर्रा की बातें। इसमें कुछ खास नहीं है।"

"क्या तुमने उसे बताया था - मतलब

ताहनी ने नज़रें फेर लीं। “नहीं। वह पत्र तो पूरी तरह से उसके काम के बारे में था।”

युन्नान में इस पर्वत की 6000 फीट की ऊंचाई और 1000 फीट की ऊंचाई

क्वेइचो में उस पहाड़ की ऊंचाई। वहाँ कुछ भी नहीं था।

इसे पढ़ो। बर्मा रोड के बारे में पूरा एक पृष्ठ — ˆवह तो पूरा है

इसका। आप जानते हैं मेरा मतलब क्या है - कोई भी गर्मजोशी और व्यक्तिगत बात नहीं है।

एक लड़की को पढ़ना अच्छा लगता है।

तानी वहीं बैठी रही और उसे कियान सान के बारे में कई बातें बताती रही।

वापसी और उनकी माँ की मृत्यु, उत्सव के बारे में

हैनकोव के बारे में, और इस बारे में कि वह मिस टुआन की पैटी लेकर कैसे आई थी।

जब उसने शुरुआत की थी तब उसे पक्का पता नहीं था कि वह ऐसा करेगा या नहीं।

क्या वह अब भी यहीं रहेगी या उसे ह्सुचोव में उसे ढूंढना था।

"ह्सुचोव के लिए वे कब शुरू कर रहे हैं?"

कल। मैंने सोचा कि हम कुछ अनाथों को वापस ले आ सकते हैं।

लेकिन मैं उनके साथ नहीं जा रहा हूँ। मैं तो असल में आपसे मिलने आया हूँ।

यह कहते हुए वह किसी तरह शरमा गई और उसकी नजरें उससे मिलीं।

यह वही नज़र थी जो उन्होंने एक-दूसरे को तब दी थी जब वह

उसने उसके बच्चे का पिता बनने का वादा किया था। अचानक उसने अपनी नज़रें घुमा लीं।

वह बगल की ओर देखने लगी और चुप रही। कुछ शर्मिंदा सी लग रही

थी।

उसने कपड़ों के ढेर को देखा और यह सोचने लगा कि क्या कहे।

"तुम अपने साफ कपड़े वहाँ क्यों रखते हो?"

मैं इसे आसानी से पढ़ सकता हूँ। इसे रखने के लिए कोई और जगह नहीं है।

सूटकेस को छोड़कर।"

टैनी उठी और छोटे से कमरे में इधर-उधर घूमने लगी, लेकिन

उसके कदम सुस्त थे और वह फिर से कुर्सी पर बैठ गई। लाओ पेंग

उससे पूछा कि क्या वह अभी खाना नहीं खाना चाहती, और उससे ऑर्डर देने को कहा।

उसने अपने लिए भोजन रखा, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि वह अपने भले के लिए ही दावत मना रहा था।

जब लड़का अंदर आया, तो उसने उससे हरे रंग का एक टुकड़ा लाने को कहा।

लैंपशेड को ठीक करने के लिए कागज और कुछ पिन। प्रतीक्षा करते समय

खाना खाने के लिए, वह गई और खिड़की के पर्दे खोल दिए, फिलहाल तो...

अंधेरा हो रहा था। लाओ पेंग ने उसे चुपचाप सामने खड़े देखा।

खिड़की पर, विचारों में डूबी हुई, उसकी परछाई ऐ के सामने पड़ रही थी।

गोधूलि बेला का आकाश। उसे एक अजीब सी अनुभूति हुई कि किसी न

किसी तरह कुछ

कुछ असामान्य हो रहा था, कि उसका भाग्य उसके साथ जुड़ा हुआ था, कि

वह जीवन भर उसके करीब रहने वाली थी।

जब खाना आया, तो तान्नी को इसकी जानकारी नहीं थी, या उसने इस पर ध्यान नहीं दिया।

वो खिड़की पर एकदम स्थिर खड़ी थी, उसके हाथ उसकी पैंट में थे।

5^7

जेबें, जैसे कोई गणितीय समस्या के हल तक पहुँचने ही वाला हो

समस्या। तीन मिनट बाद, लाओ पेंग ने कहा, "तुम्हारी समस्या।"

खाना ठंडा हो रहा है।

फिर अंत में वह मुड़ी। उसका चेहरा रूपांतरित हो गया था। बिना

उसे अपने साथ थोड़ा खाने के लिए मनाने की कोशिश करते हुए, उसने कटोरा उठाया।

और चॉपस्टिक से चुपचाप, यंत्रवत, कभी-कभार खाना खाते रहे।

उसे देखते हुए। जाहिर तौर पर उसके भीतर एक गहरा संघर्ष चल रहा था।

मन में। जब उसका काम समाप्त हो गया, तो वह कपड़े धोने की जगह पर गई, और

धोने के बाद, बिना कुछ कहे उसने अपने नीचे से एक रुमाल निकाला।

मैंने उसका तकिया धोया और उसे दीवार पर चिपका दिया।

यह हो जाने के बाद, उसने हरे रंग का रैपिंग पेपर और पिनें लीं।

नौकरानी लाई थी। उसे बिस्तर पर लेटकर उसे पिन करना पड़ा।

लैंप-शेड के चारों ओर कागज, जो हर समय बेहद भद्दा दिखता है

ताकि उसकी आंखों में कोई रोशनी न पड़े।

"यह कैसा है?" उसने खत्म करने के बाद पूछा।

तभी उसने उसे मुस्कुराते हुए देखा।

फिर उसने अपना मेकअप बॉक्स निकाला और अपने चेहरे पर पाउडर लगाने लगी।

चेहरा, बिस्तर के छोर पर प्रकाश के सामने खड़ा है, जहाँ

कागज ने उसे ढका नहीं था। बिस्तर के छायादार कोने से,

लाओ पेंग उसे देख रही थी। उसकी भौंहें झुकी हुई थीं और उसका...

चेहरे पर गंभीर भाव थे।

“तुम क्यों आई हो?” उसने उसे कहते सुना। वह देख नहीं पा रही थी।

उसका चेहरा तो बदल गया था, लेकिन उसकी आवाज़ में निंदा का भाव

था, लगभग क्रोध का।

उसने उसकी ओर देखा, अपने होंठ दबाए, लेकिन चुप रही।

नौकर अब चाय का एक गर्म बर्तन लेकर आया था। फिर भी

चुपचाप, उसने अपना मेकअप पूरा किया और चाय की मेज की ओर चली गई।

वह उसके बिस्तर के पास खड़ी थी। जैसे ही उसने बर्तन को हिलाया, टूटा हुआ ढक्कन गिर गया।

उसमें। लेकिन वह दो कप भरती रही, और एक कप दूसरे को देते हुए।

उसने उससे कहा:

मुझसे नाराज मत हो।

“मैं नाराज नहीं हूं,” उसने कहा और काफी औपचारिक ढंग से उसे धन्यवाद दिया।

कमरे का वातावरण अचानक तनाव से भर गया।

फिर उसने बर्तन में गिरे ढक्कन को बाहर निकालना शुरू किया।

चाय से उसकी उंगली जल गई, और उसे बिस्तर के चारों ओर घूमकर जाना पड़ा।

बर्तन को आधा दूर हटा दें। बर्तन को पाँच बार इधर-उधर करने के बाद।

कुछ मिनटों के बाद, आखिरकार वह किसी की मदद से ढक्कन को बाहर निकालने में सफल हो गई।

एक haiiˆln का।

“क्या आपके पास धागे का एक टुकड़ा है?” उसने लगभग गुस्से से कहा।

उसकी अपनी आवाज।

“यह सूटकेस में है।”

वह गई और मोटा धागा लेकर आई और बोली,

उसने बर्तन उठाया और फिर से कुर्सी पर बैठ गई। कोशिश करते हुए

धागे को ढक्कन के मुंह से बांधें और उसे अच्छी तरह से कस दें।

उस छायादार हरी रोशनी में दो पीतल के हुकों को देखकर, उसने केएसटी पर तोड़ दिया।

खामोशी।

उनकी चाची शादी की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

उसके आने के तुरंत बाद। मुझे पता चला है कि वह इतनी मोटी हो गई है

कि...

उसके तलाक की व्यवस्था करो।"

लाओ पेंग कुछ पल चुप रहे; फिर उन्होंने कहा, "मैं इतना

यह सुनकर खुशी हुई। मैं शादी में आने की कोशिश करूंगा।

वह अब भी अपना सिर झुकाए हुए थी और हाथ में धागे से खेल रही थी।

उसने धीमी, गंभीर और स्नेहपूर्ण फुसफुसाहट में कहा, "मुझे बताओ,

आपने हैंकोव से मुंह क्यों मोड़ लिया?

हरे कागज की छाया से अपनी निगाहें हटाए बिना, लाओ पेंग

उसने उत्तर दिया, "क्योंकि मैं युद्ध का मोर्चा देखना चाहता था।"

उसने गांठ बना ली थी और अब धागे के सिरों को काट रही थी।

अपने दांतों को चटकाते हुए। अपनी आँखें सीधे उसकी ओर घुमाते हुए,

उसने कहा:

“यह सच नहीं है। मुझे पता है कि यह सच नहीं है।”

"तो क्या?"

“यह उस कारण से जरा भी सच नहीं है जो मैंने देखने आने के लिए दिया था।”

क्या आप मुझसे पूरी ईमानदारी से बात करेंगे और मुझे बताएंगे कि हमारे बाद

सुना था पोया अंदरूनी इलाके में आई है, तुमने जानबूझकर उससे दूरी बनाए रखी।

मुझे देखने से बचने के लिए वे हंगशान से भाग गए।

उसकी निगाहें उसकी मुक्त आँखों में टिकी थीं, जो अब उसके बहुत करीब थीं।

गहरी लगन से दमकता हुआ।

"प्लीज ऐसा मत करो, टैनी," उसने कहा।

लेकिन उसने दयनीय, लगभग पीड़ादायक स्वर में बोलना जारी रखा। "चलो

अब और दिखावा मत करो। तुमने मुझसे दूरी इसलिए बनाई क्योंकि तुम बलिदान कर रहे थे-

खुद को सज़ा देकर, पोया को मुझसे शादी करने देना। तुम खुद को यातना दे रहे थे-

मैंने तुम्हें उस रात अकेले ही नशे में देखा था। . . . तब से

उस रात मुझे एक पल भी चैन नहीं मिला।

पेंग, तुम मुझसे प्यार करते हो।

"आप मुझसे ऐसा क्यों कहलवाना चाहते हैं?"

क्योंकि अब मुझे पता है कि मैं तुमसे प्यार करता हूँ। तुमने वादा किया था...

आप मेरे पति बनिए, और मैंने आपकी पत्नी बनने का वादा किया। फिर हमने...

पोया से, और तुम चले गए और खुद को छिपा लिया। तुम बना रहे हो

एक गलतफहमी। तुम मुझे अब यातना दे रहे हो।

लाओ पेंग स्तब्ध रह गई। लेकिन उसने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया।

यह मेरी मूर्खता थी। मुझे लगा कि मैं पोया से प्यार करता हूँ।

"बेशक, तुम उससे शादी करोगी। तुम उससे शादी करने वाली हो।"

हमें इस बात को स्पष्ट करना होगा। मैं शादी आगे नहीं बढ़ा सकती।

जब तक हम ऐसा नहीं करते।"

लाओ पेंग ने कांपती हुई आवाज में कहा, "तन्नी, मैं कबूल करता हूँ कि..."

मैं तुम्हारे लिए तीव्र प्रेम से तड़प रहा हूँ। लेकिन और क्या हो सकता है?

आप मुझसे क्या करने की उम्मीद करते हैं? आपको मेरे लिए दुख हो रहा है क्योंकि आपने देखा है

मुझे तकलीफ हुई। हाँ, मैंने तुम्हें भूलने की बहुत कोशिश की है... लेकिन

एक महीने में तुम पोया की पत्नी बन जाओगी। इस मूर्खता को भूल जाओ।

इस क्षण। तुम खुद को नहीं जानते। तुम्हें अपने किए पर पछतावा होगा।

अब वे यही कह रहे हैं।"

"ओह, पेंग," तानी ने कहा। "मैं मूर्खता नहीं कर रही हूँ। मुझे पता है..."

तुम ही हो जिससे मैं प्यार करता हूँ।

“आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। पोया मेरी दोस्त है। आप दोनों जवान हैं।”

वह तुमसे प्यार करता है और तुम्हें पूरी तरह समझता है।

लेकिन मैं उसे पूरी तरह से नहीं समझ पाता। मैं उसे पूरी तरह से नहीं समझ पाता-

तुम खड़े हो। ओह, पेंग, तुम वहाँ खिड़की से बाहर देख रहे हो।

रात के खाने से पहले ही मुझे सब कुछ स्पष्ट हो गया। पोया मुझसे प्यार करती है क्योंकि

मेरे शरीर के बारे में। मुझे पता है कि वह मुझसे क्या उम्मीद करता है। लेकिन मैं अब और नहीं कर सकती।

मैं उसकी रखैल बनकर रहूंगी। मैं खुद को उससे शादी करते हुए देख सकती हूं।

और यद्यपि मैं विवाहित हूँ, मैं एक रखैल से अधिक कुछ नहीं रहूँगी

मैं उसकी इच्छाओं की पूर्ति करता था और उसकी मर्जी के आगे झुकता

था। नहीं, मैंने कहा।

मुझे लगता था कि वह मालिन से प्यार करता था। मैं उससे प्यार करता था और हमेशा करता रहूंगा।

मालिन उसके लिए। तुम्हारे लिए मैं टान्नी हूँ। तुम ही हो जिसने टान्नी को चाहा था।

मेरा नाम और मेरी आत्मा। क्या तुम्हें नहीं दिखता कि मैं बदल गया हूँ?

तुम देख रहे हो कि मैं तुमसे ही प्यार कर सकता हूँ?

जैसे ही उसने अपना काम खत्म किया, उसने अपना सिर बिस्तर पर रख दिया और रोने लगी।

आप मेरे लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। आपको इसका फायदा नहीं उठाना चाहिए।

“जब मैं बिस्तर पर होता हूँ तो मुझे देखो,” लाओ पेंग ने दृढ़ता से कहा, लेकिन स्पर्श करते हुए।

उसके बाल उसकी रजाई पर फैले हुए थे।

अपना सिर उठाते हुए, उसने धीरे-धीरे कहा, मानो उसके मल से...

वह आध्यात्मिक और एकांतप्रिय था: 'तुम्हें नहीं पता कि मैं क्या कर रहा था'

जब मैं खिड़की के सामने खड़ा था। आपने मुझे ‘अचानक* के बारे में बताया है।

रूपांतरण और ज्ञानोदय। मैं आपको इसका वर्णन करूँगा।

उस धुंधलके में घरों के कमरों को देखते हुए, लेकिन मेरा मन

बहुत दूर तक यात्रा की। मैंने पिनपिन और चेन की मृत्यु के बारे में सोचा।

सान की माँ। अचानक सब कुछ मेरे सामने पिघल गया, और

खाली हो गया। पिनपिन और चेन सान की माँ की आकृतियाँ।

और पोया, मैं और कैनान अब अलग-अलग व्यक्ति नहीं रह गए थे।

हम सब एक ही जन्म चक्र में समाहित प्रतीत हो रहे थे।

मृत्यु। क्या चान बौद्धों का 'अचानक' धर्मांतरण मात्र मृत्यु नहीं है?

क्या ऐसा? और अजीब बात है, मेरी आत्मा को सुकून मिला और मैं भर उठी।

खुशी के साथ— भीतर से। अब से मैं कुछ भी सहन कर सकता हूँ।

ऐसा होता है।

लाओ पेंग कुछ पल चुप रहे। धीरे-धीरे उनके हाथ मिले।

और लाओ पेंग ने एक पल के लिए उसका हाथ पकड़ा। तानी झुकी और

उसने उसका हाथ चूमा, जिससे वह उसके आंसुओं से भीग गया।

“ओह, पेंग, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मुझे बचाओ। मुझे बहुत सारी पोया मत होने दो।”

मुझसे नाराज मत होइए।

उसकी आवाज रूखी थी और उसकी भौंहें किसी चिंता के भाव से सिकुड़ी हुई थीं।

अपनी ही दुविधा का विरोधाभास। "तानी, मैं नाराज़ नहीं हूँ। लेकिन तुम्हें..."

मुझे पता है कि यह मेरे लिए आपके मुकाबले ज्यादा मुश्किल है। पोया मेरी दोस्त है।

मैं इसकी अनुमति नहीं दूंगा। तुम्हें उससे शादी करनी ही होगी। मैं तुम्हें उससे शादी करने से मना करता हूँ।

मेरे लिए यह प्यार।"

उसकी आँखों में आँसू भर आए। 'लेकिन मैं तुमसे प्यार करती हूँ। ओह, पेंग, मैं तुमसे प्यार करती हूँ।'

आपकी हर एक पंक्ति में दम है। आपने कहा था कि प्रेम करते रहना पाप नहीं है।

“लेकिन यह अलग है। मूर्ख मत बनो। तुमने पोया से प्यार किया है।”

सचमुच। मैंने तुम्हारे चेहरे पर देखा था जब हेंग से उसका टेलीग्राम आया था।

यांग। और अब तुम्हारे शरीर में उसका बच्चा है। यह ऊपर नहीं जा सकता।

हो गया।” उनकी आवाज गंभीर थी।

यह हो सकता है। ओह, मैं आपसे विनती करता हूँ, आपने बहुत अच्छा किया।

मुझसे शादी करने का वादा करो, यह जानते हुए कि मेरे गर्भ में उसका बच्चा है।

आप अभी भी ऐसा कर सकते हैं।

लेकिन यह इस शर्त पर निर्भर था कि वह अपना मन बदल ले।

अब वो तुमसे शादी करने आ रहा है।

“हो सकता है उसने अपना मन बदल लिया हो,” उसने हैरानी से कहा। “क्यों?”

क्या मुझे नहीं करना चाहिए? उसे मुझ पर शक था। तुम्हें कभी नहीं था। मैं तुम्हें बताता हूँ क्यों।

मैंने आपसे संपर्क करने का फैसला किया। आपका और उनका पत्र एक ही दिन में आया था।

उसी दिन। मैंने सबसे पहले आपका पत्र खोला - यह एक अनौपचारिक बातचीत थी।

क्षणिक चुनाव—लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि मैंने ऐसा कर दिया है, तो मुझे पता चल गया

कि मैंने तुम्हें उससे कहीं अधिक सच्चे दिल से प्यार किया। पढ़ने के बाद

उसके और तुम्हारे पत्रों में, मुझे पता था कि मैंने ऐसा क्यों किया था। उसका मन, उसका

मेरे विचार मुझसे हज़ार मील दूर थे। एक अजीब सी बात थी।

उनके पत्रों में आत्मीयता का अभाव है। वे सभी उनकी अपनी गतिविधियों के बारे में हैं।

बेशक वह हमारे देश के बारे में बात कर रहा था, लेकिन मुझे कुछ चाहिए-

यह निजी मामला है। आप अपने बारे में नहीं, बल्कि मेरे बारे में बात कर रहे थे।

युमेई, चिउहू, पिनपिन और यहाँ तक कि युएह-ओ के बारे में भी। आपने कहा था।

मैंने युएह-ओ की उपेक्षा की थी—वह भी अन्य आत्माओं की तरह ही एक आत्मा थी। आप जानते हैं।

मैंने आपकी बात मानी और युएह-ओ से दोस्ती कर ली और मुझे खुशी मिली।

मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि तुमने मुझे ऐसा करने को कहा था। पोया इसे कैसे समझ सकती थी?

क्या आप ऐसी बातें बर्दाश्त कर सकते हैं? और आपने हंगशान पर हमारे घर की बात की थी।

जिसने इसे मेरे लिए आकर्षक और प्यारा बना दिया और मुझे एक एहसास दिलाया।

घनिष्ठ परिचय और साझेदारी। जब मुलान ने मुझे बताया कि वह

शादी की तैयारियों के लिए पहले से ही कदम उठाते हुए, मैं बेकिरो

मैं बहुत उत्साहित था। इसीलिए मुझे आपसे मिलने आना पड़ा।

“तन्नी,” उसने थोड़ी थकी हुई आवाज़ में कहा। “मेरी बात ध्यान से सुनो। मैं

जान लो कि तुम पोया से प्यार करते हो और तुम्हें यह बात जल्द ही पता चल जाएगी।

तुम उसे देखोगे। तब तुम्हें अपने सच्चे मन का पता चलेगा। क्या है?

आपको इस बात का डर सता रहा है कि आप फिर से वही बन जाएंगे जो आप पहले थे।

थे — कि तुम फिर से लिन बन जाओगे! लेकिन तुम एक टैनी हो।

अब तुम टैनी ही रह सकती हो। अगर मैंने तुम्हारे लिए कुछ किया है तो।

इसका उद्देश्य आपको यह सिखाना है कि ऐसा कैसे किया जाए। आपने अपने दिमाग को इसके लिए प्रशिक्षित किया है।

एक बार पोया के प्रति अपने प्रेम को भूल जाओ। तुम इसे यह भूलने के लिए प्रशिक्षित कर सकते हो—

मेरे लिए तुम्हारा यह प्यार, जब तुमने उससे शादी कर ली। तुम मजबूत हो।

अब बस बहुत हो गया — इतना मजबूत कि न केवल आपके समय का साथी बना रहे

लेकिन इतना मजबूत कि पोया का नेतृत्व कर सके और उसे अपने साथ ले जा सके।"

तान्नी ने उसकी बात नहीं सुनी। वह फिर से रोने लगी, अपने आँसू छिपाते हुए।

उसका सिर बिस्तर पर था।

“बहुत देर हो चुकी है,” लाओ पेंग ने अड़ियल लहजे में कहा।

ऐसा नहीं है। तुम मुझे खुद से दूर नहीं कर सकते। जब हम जाते हैं

मैं उसे साफ-साफ बता दूंगी कि मैं तुमसे प्यार करती हूं, इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है।

गलती मेरी है। अगर तुम मुझे तुमसे प्यार करने की इजाज़त दोगी तो मैं सारा दोष अपने ऊपर ले लूंगा।

"यह नहीं हो सकता," लाओ पेंग ने दृढ़ता से कहा।

अब तानी ने देखा कि वह उसका मन नहीं बदल सकती और गिर पड़ी।

फिर से रोने लगी।

“रो मत, टान्नी,” उसने कहा, लेकिन उसकी आवाज़ कांप रही थी और उसका

हाथ ने उसके झुके हुए सिर को हल्के से दबाया।

उसने अपना सिर उठाया और देखा कि उसका मल गीला था। सिर उठाते हुए...

उसने नम्र निगाहों से उसकी ओर देखते हुए कहा, 'मुझे पता है कि हम एक दूसरे से प्यार करते हैं।'

हमें इस प्रेम से खुद को वंचित नहीं करना चाहिए।

वह जमीन पर घुटनों के बल बैठी हुई स्थिति से उठी और बैठ गई।

बिस्तर पर। उसका चेहरा उसके करीब आ गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, वह

उसने झुककर उसके चेहरे पर चुंबन दिया।

“मुझसे नाराज़ मत हो,” उसने दूर हटते हुए कहा।

तान्नी और लाओ पेंग अपनी समस्या का कोई समाधान नहीं निकाल पाए थे।

जबकि टान्नी ने प्रेम की घोषणा करने के लिए दबाव डाला था और इसे पूरा किया था

सतह के ऊपर, लाओ पेंग ने किसी भी प्रकार के समझौते को सख्ती से खारिज कर दिया।

सिद्धांत।

हालांकि वह बाहरी तौर पर उसकी बात मानती थी, लेकिन वह तब तक इंतजार करना चाहती थी जब तक वह उसे देख न ले।

पोया, जब उसे विश्वास हो गया कि वह उसे मना सकती है। उसके पास

उन्होंने "अंकल" शब्द हटा दिया और उन्हें "पेंग" कहकर पुकारने लगे। लेकिन खुले तौर पर

एक-दूसरे के प्रति अपनी गुप्त भावनाओं की घोषणा ने इसे संभव बना दिया था।

यह आसान हो गया, और वे एक-दूसरे के साथ पहले की तरह ही व्यवहार करते रहे।

समर्पित मित्र।

टैनी वहीं रुक गई थी और उसने मिस तुआन को बताया था कि वह

कुछ दिनों बाद श्री पेंग ह्सुचो में उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे।

यात्रा करने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होना चाहिए। तीन दिन बाद,

दो लोगों ने ट्रेन ली और 25 अप्रैल को ह्सुचोव पहुंचे।

उपलब्ध होटल के कमरे अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भरे हुए थे।

कर्तव्य। मिस तुआन का दल ह्सुचो नॉर्मल में ठहरा हुआ था।

महिला विद्यालय, और विशेष व्यवस्थाओं के माध्यम से, श्री पेंग

छात्रों द्वारा स्कूल खाली कर दिए जाने के कारण, उसे एक कमरा दिया गया।

जबकि टैनी मैडम चियांग की युद्ध-क्षेत्र सेवा में रहीं।

कोर.

हालांकि ईंटों से बनी स्कूल की इमारत बड़ी नहीं थी, फिर भी उसमें एक सुखद वातावरण था।

बगीचा, जिसमें फलों के पेड़ और फूल लगे हुए हैं, अब खिल चुके हैं।

जीकेएलएस के कुछ लोग आसपास के तबाह ग्रामीण इलाकों में गए थे।

ताइरचुआंग से पंद्रह या सोलह बच्चों के साथ वापस लौटे थे।

तबाह हुए गाँव, अपने साथ अद्भुत कहानियाँ लेकर आए।

जो कुछ उन्होंने रास्ते में देखा और सुना था।

लेकिन सबसे बेहतरीन कहानियां क्वांग्सी की महिला सैनिकों ने सुनाईं।

वे स्वयं, जिनमें से कुछ नॉर्मल स्कूल में रह रहे थे।

ये पाँच सौ महिला सैनिक थीं जो हैंकोव से होकर गुज़री थीं।

पिछले महीने, उन्होंने ताइरचुआंग बाटडे में भाग लिया था।

नियमित भूरे रंग के सैनिकों की वर्दी को दुश्मन के लिए पहचानना मुश्किल था।

उन्हें महिलाओं के रूप में देखा। लेकिन जब आमने-सामने की लड़ाई शुरू हुई, तो वे

उनकी चीखों से लड़कियों की पहचान हुई। मांसपेशियों में असमानता

पुरुषों के साथ आमने-सामने की लड़ाई में निपुणता रखने वाली महिला सैनिकों में से आधी महिलाएं पुरुषों से बेहतर हैं।

उन्हें जापानी घुड़सवार सेना की एक ब्रिगेड ने मार गिराया। उसके बाद,

लड़कियों की बटालियन को भंग कर दिया गया और उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

युद्ध में भाग तो लिया गया, लेकिन शेष सदस्य युद्ध मोर्चे पर ही रहे और

अपनी वर्दी बरकरार रखते हुए, उन्होंने युद्ध संबंधी अन्य प्रकार के कार्यों को अपनाया।

घायलों को ले जाना और उनके बीच युद्ध का प्रचार करना

ग्रामीण लोग।

पोया के हैंकोव पहुंचने की खबर सुनकर टैनी उत्सुक हो गया और उसने टेलीकास्ट किया-

उन्होंने मुलान को एक संदेश भेजा, जिसमें उन्होंने अपना ह्सुचो पता दिया।

दो दिन बाद, टान्नी को एक टेलीग्राम पाकर आश्चर्य हुआ।

फोया स्वयं। उसने मुलान की बात मानी थी और हैंकोव के लिए उड़ान भरी थी।

चुंगकिंग से।

जेजे 5

“देखो, वो तुम्हारी शादी में आने के लिए कितनी जल्दी वापस आया है।”

लाओ पेंग ने तन्नी से कहा।

अगले ही दिन लाओ पेर्न को संबोधित एक टेलीग्राम प्राप्त हुआ।

और तानी ने उनसे कहा कि वे ह्सुचो में उसका इंतजार करें, sinr<. ijg ^

एक-दो दिन में उनसे मिलने आऊंगा। बोली समझ गया।

एक रणनीतिकार के रूप में, पोया का यहाँ आना अनिवार्य था।

युद्धक्षेत्र में, खासकर जब वे वहां मौजूद थे।

* ♦

*

जब पोया हैंकोव पहुंचे, तो वे तुरंत देखने गए

मुलान के घर पर रुका। उसने वहाँ के बारे में बहुत कुछ सीखा।

टान्नी शरणार्थी गृह में जो कर रहा था, वह जोर से हँस पड़ा।

जब अतंग और अमेई ने बताया कि तान्नी और अन्य लोगों ने कैसे कपड़े पहने थे

ताइरचुआंग विजय के उत्सव की रात को।

कैनान द्वारा तलाक और समझौता की व्यवस्था की जा रही थी।

उसे बताया गया कि अफेई... निजी तौर पर, मुलान ने उसे बताया कि टान्नी...

बच्चे की उम्मीद कर रही हैं।

उसका चेहरा लाल हो गया और उसने एक पल के लिए दूसरी ओर देखा। "मुझे लगा शायद

उन्होंने कहा, “यह तब हुआ जब आपने इतनी जल्दी इसकी योजना बना ली।”

शादी। लेकिन क्या उसने खुद आपको बताया था?

“नहीं, उसने एक शब्द भी नहीं कहा। वह गाँव की लड़की थी जो साथ रह रही थी।”

जिसने मुझे बताया।

“युमेई,” पोया ने कहा। “मुझे उससे मिलने जाना चाहिए और उससे पूछना चाहिए।”

खुद।"

तो अगली सुबह, वह हंगशान के लिए रवाना हो गया। मुलान और

चेन सान और हुआन-एरह उसके साथ गए, क्योंकि मुलान ढूंढ रही थी।

टान्नी की अनुपस्थिति में शरणार्थी गृह के बाद।

पोया ने युमेई से अकेले मिलने का पहला मौका लपक लिया। युमेई ने भी ऐसा ही किया।

उसे रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया, लेकिन काफी दिखावटी सहायता के बाद

अंत में उसने कहा, "पोया की ओर से सौम्य भाव से की गई विनती।"

“याओ शकीब, मैं तुम्हें बता दूंगा, लेकिन तुम सियाओकिख को यह मत बताना कि

मैंने ये कहा है। ‘एक बार शुरू हो जाए तो उसे पूरा कर लेना ही बेहतर है।’ मैं कभी भी

इतनी भरोसेमंद सहेली—और आप भी शादीशुदा हैं।

मैंने भी कभी किसी सियाओकबीब को आपके पत्र का इतनी बेसब्री से इंतजार करते नहीं देखा।

अरे, किसी ने तुम्हें उसके पास आने दिया था, और फिर तुम भूल गए।

तीन महीने तक सब कुछ उसी के बारे में था।” फिर अपनी आवाज़ धीमी करते हुए ^

अपने पैरों की ओर देखते हुए उसने आगे कहा, “उसे खुशी मिल रही है k htf

शरीर। सोचो वह कितनी चिंतित रही होगी।” उसने उसे बताया कि

उस घटना के बारे में बात करते हुए, उसने अपनी सामान्य आवाज़ में कहा, "और वह

अभी तक आपसे कोई जवाब नहीं मिला। आप किस तरह की स्थिति में थे?

सियाओसिनैब का उत्पादन करना? अगर आप होते तो आपको कैसा लगता?

क्या वह लड़की अपनी जगह पर है?

“सच कहूँ तो मुझे पता नहीं था। उसने मुझे बताया ही नहीं,” पोया ने कहा।

आत्मरक्षा में।

“एक सियाओकमेब को ऐसी बात कैसे पता चल सकती है?”

पोया को अपनी आंखों के कोने से बाहर देखते हुए, युमेई ने आगे कहा, 'यह सौभाग्य की बात है कि

आखिरकार तुम आ ही गए, और smcbieb को बहुत राहत मिली। अन्यथा

आपके अपने बच्चे का उपनाम कुछ और होने वाला था।

अब पोया सचमुच तंग आ गई थी। "किसी और का नाम?"

उन्होंने इनकार किया।

“बेशक। क्या आप उम्मीद करेंगे कि सियाओएब एक बच्चे को जन्म देगी?”

बिना पिता के?

"तो कौन?"

“क्या तुम अनुमान नहीं लगा सकते? सियाओबीब बुद्ध का अध्ययन करने के लिए अपने कमरे में चला गया।”

मैं हर रात धर्मग्रंथ पढ़ती थी। और एक रात उसने मुझे बताया कि उसकी

समस्या हल हो गई। क्या आपने कभी इतने नेक दिल इंसान के बारे में सुना है?

क्या वह व्यक्ति अंकल पेंग है?

"क्या आपका मतलब यह है कि उसने उससे शादी का प्रस्ताव रखा?"

“क्या आपको आश्चर्य हुआ? वह हमेशा अच्छे काम करता है। लेकिन दूसरे

पुरुष ऐसा करने को तैयार नहीं होते।

और उसने उसे स्वीकार कर लिया?

“क्या आप अन्यथा प्रभाव डालेंगे? लेकिन आखिरकार, सियाओएब था।”

मैं हर समय आपके बारे में सोचता रहता हूँ। आपका पत्र आने के बाद, मैंने पूछा

सियाओबीब ने अंकल पेंग के बारे में पूछा, और उसने कहा कि बेशक वह

मैं उससे तभी शादी करने वाला था जब तुम उसे भूल गए होते। मैंने कभी नहीं।

मैंने उंडे पेंग जैसे सरल हृदय वाले व्यक्ति के बारे में सुना है।

युमेई ने जिस तरह से इंजन की आवाज़ की, उससे पोया इतना चकित हो गया कि वह

उसकी बातें मुश्किल से ही सुनाई दे रही थीं। "अब तुम महीनों की गिनती करो।"

आप एक सम्मानित व्यक्ति हैं। जब सियाओएबिएब वापस आएगा, तो क्या ऐसा नहीं होगा?

समय ^? चावल तो पहले से ही बर्तन में है; यह नहीं हो सकता

बिना पका हुआ।

“हाँ, हाँ, बिल्कुल,” पोया ने नीरस स्वर में उत्तर दिया। “उंडे ने ऐसा क्यों किया?”

पेंग, क्या तुम उत्तर की ओर जाओगे?

कौन जानता है? वह हैंकोव के एक होटल में रहने गया और चला गया।

बाद में उत्तर की ओर। फिर सियाओबीब ने सुना कि वह बीमार है और वह चली गई।

उसके साथ शामिल हो जाओ। लेकिन मैं नहीं चाहता कि तुम सोचो कि इसमें कुछ भी है।

उनके बीच अनुचित व्यवहार था। सियाओएब सिर्फ तुम्हारे बारे में सोच रही थी और

अगर मैं उसकी जगह होती तो मैं इतना कुछ नहीं करती।

इस आखिरी वार पर वह मुस्कुराया और व्यंग्य से बोला, "मैं तुम्हें हमेशा से जानता था।"

अगर तुम सियाओएब होते तो मुझसे शादी नहीं करना चाहते।

55जे

मुझे कभी किसी सज्जन व्यक्ति से शादी करने का सौभाग्य नहीं मिलेगा, लेकिन अगर मैं

अगर होती, तो मैं निश्चित रूप से किसी विवाहित व्यक्ति को नहीं चुनती।" वह थोड़ी देर हिचकिचाई।

एक पल रुककर, फिर सीधे उसकी ओर देखते हुए कहा, "लेकिन मुझे अवश्य ही..."

सियाओचीब ने कहा, मुझे आपको बताना होगा कि यह वह नहीं, बल्कि मैं था जिसने

मैंने तुम्हें फोन पर 'सूअर' कहा।

पोया मुस्कुराई। उसे धन्यवाद देते हुए, वह फिर से विजय प्राप्त करने के लिए रवाना हो गई।

उसके मन में बहुत सारे विचार चल रहे थे।

* *

♦

पोया ने तातिनी से मिलने के लिए ह्सुचो जाने का दृढ़ निश्चय कर लिया था और

लाओ पेंग। अपनी अधीरता के कारण, वह प्रतीक्षा नहीं कर सका।

वह देखना चाहता था कि युद्ध क्षेत्र में सेवा करते समय टैनी कैसी दिखती है; वह देखना चाहता था

उसके और लाओ पेंग के बीच सटीक संबंध को स्पष्ट करने के लिए; वह

युद्धक्षेत्रों और स्थलाकृति का और भी अधिक अध्ययन करना चाहता था।

ताइरडिउआंग के आसपास।

हैरानी की बात यह है कि थपथपाते हुए उसने मुलान से कहा: "आगे बढ़ो..."

तलाक। लेकिन शादी की तैयारियां तो चल ही रही हैं — कम से कम

जब तक मैं वापस नहीं आ जाता।"

वह मई के महीने में सूर्यास्त के समय ह्सुचो पहुंचे।

उसका टेलीग्राम आया, जिसमें उसके आने की सूचना दी गई थी, लाओ पेंग के पास

मैंने तानी से गंभीरता से कहा: “तुम्हें उसके साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। मैं ऐसा नहीं करूँगी...”

अगर तुम ऐसा नहीं करते तो तुम्हें अपनी भावनाओं को मेरे लिए दबाना होगा।

तानी बैठी रही और सुनती रही, अजीब तरह से अविचलित। अचानक वह

भड़क उठी। “मैं नहीं कर सकती,” उसने दृढ़ता से कहा। “क्या तुम नहीं देखते कि मैं

उसके आने को लेकर बिल्कुल भी उत्साहित नहीं? मुझे तो ऐसा बिल्कुल भी महसूस नहीं हो रहा।

यह तुम्हारी गलती है। जब तुमने पहला बलिदान दिया था, तब मैं तुमसे प्यार नहीं करता था।

मैं आभारी और बेहद भावुक थी। लेकिन मैं तुमसे तब भी प्यार करती थी जब तुम...

तुमने दूसरा बलिदान तब दिया, जब तुमने मुझसे अपने आप को छिपा लिया, जब

जब मैंने तुम्हें बीमार और अकेला पड़ा हुआ देखा, तब तुम हैंकोव छोड़कर चले गए थे।

चेंगधो होटल का सारा खर्च मैंने खुद उठाया।"

लेकिन, टैनी, निस्वार्थ प्रेम के बारे में मैंने जो कहा था, उसे याद रखना। सोचो

पो;^ का, मेरा नहीं। मैं खुश रह सकता हूँ, भले ही तुम प;

वह शादीशुदा है। वह तुम्हारे बिना खुश नहीं रह सकता। तुम दोनों शादीशुदा हो।

स्वार्थी।"

"हाँ, मैं स्वार्थी हो रहा हूँ। क्योंकि तुमने मुझे एक अलग नज़रिया दिखाया है।"

एक तरह का इबवे। क्योंकि मैं अब उस तरह के से संतुष्ट नहीं हो सकता।

वह मुझे कितना प्यार दे सकता है। क्योंकि तुमने मुझे बदल दिया है। योई

मुझे इस बात पर गर्व महसूस हुआ—और अंदर से अच्छा लगा। उसने कभी ऐसा नहीं किया।

शुरू से ही ऐसा था। मैं उसे अब जानती हूँ। वह शादी करेगा।

मुझे सजाकर अपने दोस्तों के सामने परेड कराओ, और मुझे एक उपहार दो।

खर्च करने के लिए बहुत पैसा है। मुझे पता है, मैंने कभी किसी आदमी को ऐसा करते नहीं देखा।

खुद में मग्न। मालिन शायद इससे संतुष्ट हो जाती।

वो, टैनी नहीं, तुम्हारी टैनी नहीं। ओपनिंग..."

“उसके सामने मुझे पेंग कहना बंद करो। मुझे उंडे कहो।”

यह रुकने वाला नहीं है।

लाओ पेंग का चेहरा तन गया। "तानी, इसे ज़्यादा मुश्किल मत बनाओ।"

मैंने फैसला कर लिया है कि मैं तुमसे शादी नहीं कर सकती। तुम्हें कोशिश करनी होगी।

उसके प्रति स्नेहपूर्ण रहें और स्वाभाविक रहें...

तानी को हार का एहसास हुआ। थकी हुई आवाज़ में उसने कहा: “बिल्कुल सही। मैं करूँगी।”

उससे शादी कर लो, लेकिन मैं तुमसे प्यार करना जारी रखूंगी।

जिस दिन पोया ह्सुचो पहुंची, उस दिन वहां बारिश हो रही थी।

वे दोनों उसे लेने के लिए थाने गए।

“ओह, पोयाल,” टैनी ने एक पुराने दोस्त की तरह खिलखिलाती मुस्कान के साथ कहा।

प्लेटफॉर्म पर, पोया ने उसे बाहों में भर लिया और उसे चूमा।

और टान्नी ने उसे अनुमति तो दे दी, लेकिन उसे लौटाया नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।

उसे आश्चर्यचकित करना, क्योंकि उससे सार्वजनिक रूप से ऐसा करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती थी।

उसने घुड़सवारी की पैंट और रेनकोट पहन रखा था। उसे ऐसा लगा कि

उनकी सलीके से कटी हुई मूंछों को छोड़कर उनमें कोई बदलाव नहीं आया था।

और उसका सांवला चेहरा। लेकिन उसने देखा कि उसके पास एक नया रिवॉल्वर था।

उसकी कमर पर एक होल्स्टर में हथियार था। उसने लाओ पेंग से गर्मजोशी से हाथ मिलाया।

और फिर, शांत होकर, उसने टान्नी का बारीकी से निरीक्षण किया। वह अपनी

उसने ओवरऑल पहन रखी थी और गले में लाल रंग का स्कार्फ बांध रखा था। उसने एक नज़र डाली।

जल्दी से उसकी कमर पर। अब वह छोटी नहीं थी। उसे याद आया।

युमेई के शब्द: "चावल पहले से ही कड़ाही में हैं; उन्हें हटाया नहीं जा सकता।"

बिना पका हुआ।

स्टेशन शहर के उत्तर में स्थित था, जो शहर से एक अलग मार्ग द्वारा अलग था।

खाली मैदान और मिट्टी के घरों का एक इलाका। हल्की-हल्की बारिश हो रही थी।

गिर रहा था, और हालांकि अभी केवल छह बजे थे, फिर भी सूरज पहले से ही

अंधेरा। तीनों चकाचौंध भरी बिजली की रोशनी से बाहर निकले।

स्टेशन और किराए पर लिए गए रिक्शा।

पोया ने पूछा, "त्सेफिंशान कहाँ है?"

“मुझे नहीं पता, क्या तुम्हें पता है, पेंग?” तानी ने जवाब दिया।

पोया ने दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण लहजे को महसूस किया।

लाओ पेंग ने जवाब दिया कि उन्हें नहीं पता और उन्होंने इसके बारे में सुना भी नहीं है।

ओफ़ाइट।

“क्या आप त्सेफांगशान जा रहे हैं?” रिक्शा में बैठे एक व्यक्ति ने पूछा।

माल ढोने वाले अपनी कमाई के लिए बोली लगा रहे हैं, जाहिर तौर पर कुछ पैसे कमाने से खुश हैं।

कुछ शहर के छोटे-छोटे इलाकों से कहीं अधिक लंबी यात्रा के लिए पैसे।

“नहीं, मैं बस पूछ रही थी,” पोया ने कहा।

“तुम त्सेफांगशान के बारे में क्यों पूछ रहे हो?” तान्नी ने पूछा।

क्या आपको नहीं पता? वह पहाड़ी ह्सुदाओ के ठीक बाहर है।

इसका नाम महान विद्वान कियांग लियांग या चांग त्सेफेंग के नाम पर रखा गया है।

त्सिन-हान दा3र्स के रणनीतिकार।"

उन्होंने तीन रिक्शा किराए पर लिए। त्सेफेंगशान, इत्यादि,

बहुत पास, दिन के उजाले में दिखाई देता था, लेकिन अब धुंध में छिपा हुआ है।

बाईं ओर इशारा करते हुए खींचने वाले ने कहा: “यह वहाँ है। बस एक

यह तियानजिन-पुकोव रेलवे के दूसरे स्टेशन से कुछ दूरी पर है।

शहर के पूर्वी हिस्से में। अगर आप चाहें तो मैं आपको कल वहाँ ले जाऊँगा।

इसे देखने के लिए।"

"क्या तुमने इसके बारे में नहीं सुना, टान्नी?" पोया ने चिल्लाकर पूछा।

तान्नी, जो आगे वाले रिक्शा में बैठी थी।

टान्नी ने लाल स्कार्फ से ढके अपने सिर को घुमाया और कहा: "नहीं।"

लेकिन ह्सुचो कई महान ऐतिहासिक स्थलों का स्थान है।

यहां से उत्तर की ओर, पेइह्सिएन, प्रथम बीएम भाग का जन्मस्थान है।

हान राजवंश।"

अब तान्नी ने ह्सियांग यू और लियू के युद्धों के बारे में पढ़ लिया था।

पैंग, जो बाद में हान सम्राट बने, जब दोनों

महान त्सिन साम्राज्य के अवशेषों पर लड़ाई। यह उनमें से एक था।

i'Aiifo' के सबसे प्रसिद्ध अध्यायों में से एक, और यह एक लोकप्रिय अध्याय रहा है।

स्कूल में पढ़ने के लिए चयन, और वह जानती थी कि W9II के रूप में वह भी जानता था कि

प्रथम हान सम्राट पेइह्सिएन से आए थे। लेकिन वह चुप रहीं।

अधिक अतर्कसंगत विचारों में लीन।

महिला सामान्य विद्यालय में पोया को उसी कमरे में रखा गया था।

लाओ पेंग के साथ एक कमरा, जहां एक अतिरिक्त बिस्तर उपलब्ध कराया गया था।

उन्होंने साथ में सादा भोजन किया। तानी ने देखा कि पोया

वह निःसंदेह पहले की तरह ही उससे प्यार करता था। वह तो उत्साहित भी था।

उसके युद्धकालीन परिधान के ऊपर, और उसका व्यवहार गर्मजोशी भरा और मनमोहक था।

वह शंघाई में था। टैनी उसे स्तब्ध भाव से देख रही थी।

दबाव। वह उतनी खुशमिजाज नहीं थी, और पोया को उसमें एक गहराई दिखाई दी।

और उसकी आँखों में उदासी की एक झलक थी जो उसने पहले कभी नहीं देखी थी।

अजीब बात यह थी कि वह ज्यादा देर नहीं रुकी और जल्द ही वहां से

चली गई।

लाओ पेंग और पोया बिस्तर पर बैठकर बातें कर रहे थे, बत्ती बंद थी और बाहर पत्तियों पर हल्की-हल्की बारिश हो रही है।

मेरी दूसरी चाची ने मुझे बताया है कि वह गर्भवती हैं।

बेबी। मैं इसे आज रात देख सकता हूँ।

“हाँ। वह हर समय तुम्हारे बारे में सोच रही थी, और यह बंद जगह उसकी चिंता। तुमने तब क्यों नहीं लिखा?”

“तुम्हें पता है कि मेल कैसे गलत तरीके से पहुंचे,” पोया ने बेजान स्वर में कहा।

"मैंने इससे अधिक समर्पित प्रेमिका कभी नहीं देखी।"

"उसका इतना अच्छा ख्याल रखने के लिए धन्यवाद।" पोया रुक गई।

“ओह, वह अद्भुत है, बस अद्भुत।”

मुझे लगता है तुम्हें जल्दी करनी चाहिए। उसने मुझे बताया कि तुम्हारी चाची...

शादी की तैयारियां पहले से ही चल रही हैं। जल्द ही मुश्किलें शुरू हो जाएंगी।

दुल्हन की हालत छुपाना।

"हाँ बिल्कुल।"

वे अन्य कई चीजों के बारे में बात करने लगे, और लाओ पेंग

कुछ देर बाद पोया के शांति से खर्राटे लेने की आवाज सुनाई दी।

अगले दिन, वसंत ऋतु की बारिश थोड़ी कम हुई, लेकिन आसमान में बादल छाए रहे।

महंगा नहीं। चूंकि बाहर जाना असंभव था, इसलिए टैनी कैंप, कुछ समय के लिए बंद।

बातचीत। वह अब भी अपनी युद्ध-सेवा की वर्दी में थी, जिस पर गहरा लाल रंग लगा हुआ था।

उसके होठों पर कुछ और लगा हुआ था। उसके बाल अच्छे से बंधे हुए थे, पीछे की ओर मुड़े हुए थे।

मुझे पता था कि उसे यह पसंद है, और वह उससे भी ज्यादा खूबसूरत थी।

मैंने उसे पिछली रात देखा था।

“मेरी दूसरी चाची ने तुम्हारी बहुत तारीफ की थी,” पोया ने उसे देखते हुए कहा।

गर्व से। "उसने कहा कि अगर वह होती तो वह भी तुम्हारी तरह ही कपड़े पहनती।"

अब एक युवा लड़की।

“बताओ तुमने यात्रा में क्या-क्या देखा?” उसने मुस्कुराते हुए पूछा।

उसने प्यार से उसकी ओर देखा। "तुमने पूरा दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र अवश्य देखा होगा।"

उन्होंने कहा, "यह तो सिर्फ एक प्रारंभिक सर्वेक्षण यात्रा थी।" "लेकिन मेरे पास

पिछले ढाई महीनों में दो हजार मील की दूरी तय की।

उन्होंने बेतरतीब ढंग से उन सुंदरताओं के बारे में टिप्पणी करते हुए शुरुआत की।

नान्यो और कुनमिंग की झीलें, लेकिन जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता गया, उसे जल्द ही पता चला कि...

वह वाचाल, लगभग प्रेरित हो गया। वह दक्षिण-पश्चिम की ओर चला गया था।

ताली की तरह, लेकिन वह "युन्नान रोलिंग के जलविभाजक" से भरा हुआ था।

"शानदार ढंग से सिचुआन के मैदानों में और पर्वत के"

फ्यूरीज़ और फोर-कोबरा ग्रेट स्नो माउंटेन, सैंडविच

फ्यूरीज़ के रिवेट और लैंटसांग रिवेट के बीच जो फैला हुआ था

&r को सिकंग में।

“सिकंग कहाँ है?” तानी ने भोलेपन से पूछा। अपने स्कूली दिनों में,

सिकंग को अभी तक प्रांतीय दर्जा नहीं दिया गया था, और किसी को भी

मैंने इसके बारे में कभी सुना भी नहीं था, और यह अभी भी लगभग अज्ञात ही है।

तिब्बत के पूर्व में स्थित प्रांत। भूगोल की अज्ञानता को याद करते हुए-

शंघाई में रहने वाली महिला रिश्तेदारों की आईडी की ग्राफी देखकर पोया को हंसी आ गई, और

पूछा गया:

"क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपसे भूगोल विज्ञान पर एक प्रश्न पूछूं?"

तानी ने उसकी ओर देखा और कहा: "बिल्कुल नहीं।"

क्वेयांग कहाँ है?

दरअसल, टैनी दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र को काफी अच्छी तरह जानती थी।

अब, क्योंकि वह मानचित्रों को देख रही थी, जबकि वह कोशिश कर रही थी कि...

उसके यात्रा कार्यक्रम का पालन करें। वह सिकंग ओमी को याद कर रही थी, क्योंकि यह £ir है।

5जे9

उसके यात्रा मार्ग के पश्चिम में। लेकिन वह थोड़ी चिड़चिड़ी थी।

आज उसके द्वारा उससे पूछताछ किए जाने के विचार से वह घबरा गई थी। उसे पता नहीं था कि...

पाओफेन, डिमफ्रैग्रेंस, लोला और केन को निम्नलिखित परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था।

वही परीक्षण। तो उसने कहा droUy:

"अगर मुझे पता ही न हो तो क्या होगा?"

"अच्छा, क्या आप ऐसा नहीं करते?"

"यह क्वेइचो की राजधानी है।"

“ओह, तुम तो कैनान से भी बेहतर हो,” उसने हैरानी से कहा।

टान्नी नाराज थी।

आपको पता है, मैंने यह सवाल अपने सभी दोस्तों से पूछा था।

और लोला और कायनान का, और केवल पाओफेन न्यु का

है।"

टैनी को थोड़ा बेहतर महसूस हुआ।

मुझे आपसे एक और सवाल पूछने दीजिए। क्वीचो कहाँ है?

क्या यह स्वयं प्रांत है?

यह एक पेचीदा सवाल था, जो शायद किसी महान व्यक्ति को भी हैरान कर देता।

स्कूल और कॉलेज से स्नातक करने वालों में से अधिकांश।

“मुझे ऐसे सवालों का जवाब क्यों देना चाहिए?” टैनी ने पूछा, देखते हुए।

उस पर तीखी नजर डाली।

“मैं ‘दुल्हन से सवाल-जवाब कर रहा हूँ’—यह एक पुरानी परंपरा है,” वह हँसते हुए बोले।

“आप गलत हैं,” उसने कहा। “पुरानी प्रथा ज्वार के लिए थी।”

दूल्हे से सवाल पूछना, कभी भी इसका उल्टा नहीं। अगर मैं

पन्नी?

मैं तो बस मजाक कर रहा था। आप चाहें तो इसका जवाब दें या न दें -

यह आपकी मर्जी है।

“क्या मुझे उसके सवाल का जवाब देना चाहिए, पेंग?” तानी ने मुड़कर कहा।

लाओ पेंग.

"अगर आप कर सकते हैं, तो क्यों नहीं?"

"क्वेउ, सिचुआन के दक्षिण-पूर्व और उत्तर में स्थित है।"

क्वांगसी।”

“थोड़ा गलत,” पोया ने सुधार करते हुए कहा। “यह बिल्कुल गलत है।”

क्वांग्सी के उत्तर में। लेकिन यह सिचुआन के दक्षिण में भी है। अधिकांश

लोगों का मानना है कि यह सिचुआन के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

“हाँ, मुझे भी ऐसा ही लगा था,” लाओ पेंग ने बीच में टोकते हुए कहा।

“एक तरह से, आप दोनों सही हैं। देखिए, उत्तरी क्षेत्र को लुभाने के लिए

क्वेडाओ की सीमा पूर्व और पश्चिम दिशा में लगभग सीधी रेखा में फैली हुई है और

यह सिचुआन प्रांत से सटा हुआ है। इसीलिए मैं कहता हूँ कि यह अवश्य ही होना चाहिए।

इसे सीधे सिचुआन के दक्षिण में माना जाता है। हालाँकि, ऐसा होता है;

कि सिचुआन एक बहुत बड़ा प्रांत है और इसका पश्चिमी कोना नीचे की ओर झुका हुआ है।

दक्षिण में युन्नान प्रांत में गहराई तक, ताकि आपका भोजन उचित हो।

यह कहना कि क्वेडिओ प्रांत समग्र रूप से दक्षिण-पूर्व में स्थित है

340

आंटियां

जहां क्वेयांग

एक संपूर्ण सिचुआन के रूप में। लेकिन पश्चिमी छोर आपस में मेल नहीं खाते, क्योंकि

अलग हो गए...

“क्या अब मैं दुल्हन बनकर असफल हो गई हूँ?” टैनी का लहजा थोड़ा नरम था।

व्यंग्यात्मक।

पोया हँसा। “नहीं, नहीं,” उसने कहा। “तुम्हें तो कमाल की तरकीब पता

है।”

मानचित्र पढ़ते समय, जिगसॉ के कोनों और पैनहैंडल पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए, हम अभी कहाँ हैं?

“हसुचो, बिल्कुल।” तानी की आवाज़ तेज़ हो गई, और उसकी आँखें

अपमान की भावना से वह स्पष्ट रूप से चमक उठा।

"हां, लेकिन सवाल यह है कि हम किस प्रांत में हैं?"

"ज़ाहिर है, होनान में।"

सवाल और भी पेचीदा था। ह्सुचो और जिले

ताइरचुआंग वह स्थान है जहाँ शान्तुंग, होनान,

अनह्वेई और कियांगसू मिलते हैं, और संयोगवश ह्सुचो भी उसी क्षेत्र में स्थित है।

कियांगसू का एक लंबा, आसानी से अनदेखा किया जाने वाला संकरा हिस्सा, जहां शंघाई स्थित है।

“नहीं, कियांगसू में, मुझे खेद है।” उनकी आवाज़ में एक तरह का संशय था।

विजयी।

“क्या मैं एक दुल्हन के रूप में असफल हो गई हूँ?”

“क्या बात है, टैनी? अगर तुम्हें पसंद नहीं है तो हम इसे छोड़ देंगे।”

उसने देखा कि वह थोड़ी घबराई हुई थी।

"तानी, मेरे पास एक सुझाव है," लाओ पेंग ने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

जब तुम उससे शादी करो, तो तुम्हें एक काला रजाई काट कर निकाल लेना चाहिए, जो कि...

मानचित्र पर प्रांतों को दर्शाने वाले रंग नारंगी, नीले और हरे हैं।

हीना के बारे में पढ़ें और हर सुबह कोई भी निर्णय लेने से पहले इसका ध्यानपूर्वक अध्ययन करें।

बिस्तर।"

“अब क्या मैं दूल्हे से कुछ सवाल पूछ सकती हूँ?” तानी ने पूछा। पोया ने सुना।

उसकी थोड़ी कठोर आवाज सुनकर, मुझे लगा कि वह मुझसे नाराज है।

परीक्षा के कारण। इसलिए उन्होंने हंसमुख भाव से...

उसने उसे परीक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

“बिल्कुल। लेकिन केवल भूगोल के आधार पर।”

“ठीक है, मुझे देखने दो,” टैनी ने बहुत धीरे से कहा। उसने देख लिया था।

उस दिन अखबार में हिटलर के मार्च के बारे में एक खबर छपी थी।

ऑस्ट्रिया का नक्शा था, और मध्य यूरोप का भी नक्शा था।

“चेकोस्लोवाकिया कहाँ है?” उसने पूछा।

अब पोया का भूगोल का ज्ञान केवल चीन तक ही सीमित था।

लेकिन उसे इस बारे में अस्पष्ट जानकारी थी।

"जर्मनी के पूर्व में, निश्चित रूप से ऑस्ट्रिया के उत्तर में।"

यह पूरी तरह सही नहीं है। इसका पश्चिमी आधा भाग उत्तर, दक्षिण और पूर्व है।

जर्मनी का, मानो उसमें समाहित हो। vbokˆ पर

बेशक, आपको यह कहने का अधिकार है कि यह पूर्व दिशा में है।"

वह खिलखिलाकर हंसी, लेकिन उसका लहजा निश्चित रूप से शत्रुतापूर्ण था।

“तुम्हें इतनी सटीक जानकारी कैसे है?” उसने हंसते हुए कहा।

बहुत बढ़िया। आप मुझे इस पर फेल कर सकते हैं। अब मुझे एक और दीजिए।

मौका।"

सब कुछ ठीक है। लेकिन यह भूगोल से परे कुछ होना चाहिए।

कुछ हद तक मानवीय।

"आगे बढ़ो।"

"उंडे पेंग की उम्र कितनी है?" उसने पूछा।

पोया असमंजस में थी, स्तब्ध थी, और थोड़ी डरी हुई भी थी।

"ओह, सैंतालीस या अड़तालीस।"

^‘तुमने गलत खाना खाया। मुझे अफसोस है कि मुझे तुम्हें फेल करना ही पड़ेगा।’ हेब

पैंतालीस।" उसके स्वर में विजय का भाव स्पष्ट रूप से झलक रहा था।

पोया का चेहरा लाल हो गया और वह खुद पर हंसने लगा। "तुम्हें पता है कभी-कभी..."

हम अपने सबसे अच्छे और करीबी दोस्तों की उम्र भूल जाते हैं।

उस बातचीत ने पोया के मन पर बुरा प्रभाव छोड़ा, यहाँ तक कि

टैनी के यहाँ से भी ज़्यादा। पोक बनाने से उसका क्या मतलब था?

क्या लाओ पेंग पैंतालीस साल की थी? उसका पूरा रवैया, खासकर...

जिस विजयी लहजे में उसने यह बात कही थी, उससे भी यही संकेत मिलता है!

उसे चेतावनी दी कि वह अपनी आँखें थोड़ी सी खोल ले। ... एक बलवान-पाँच आदमी

वह प्रेम करने में असमर्थ नहीं थी।

* *

*

यह विचित्र है कि हमने बौद्ध शब्द 'फोई' को अपनाया है।

"कारणता" (pra^^a), otjifgiua», और एक स्त्रीलिंग मूल जोड़कर

चीनी अक्षर फोटजिन को "रोमांस" के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा है।

दरअसल, दोनों शब्दों का उच्चारण s^ke होता है। इसका तात्पर्य यह है कि

कि विवाह स्वर्ग में तय होते हैं, या यूँ कहें कि वे निर्धारित होते हैं-

मलद्वारों द्वारा चुपचाप और सख्ती से कार्य-कारण के नियमों का पालन करते हुए खनन किया गया।

घटनाओं के, चाहे कारण कितने भी सूक्ष्म और अदृश्य हों और चाहे

ये घटनाएँ भले ही आकस्मिक प्रतीत हों।

कारणता के सिद्धांत के प्रख्यात लेखक को पता था कि मनुष्य

घटनाएँ ऐसे कानूनों द्वारा नियंत्रित होती हैं जो किसी औषधालय के तराजू जितने ही नाजुक होते हैं।

कहावत है, "स्वर्ग का न्याय एक पैसे से भी नहीं चूकता।"

टैनी का लहजा व्यंग्यपूर्ण और उल्लासपूर्ण था; शत्रुता एक तरह से उसकी भावनाओं को व्यक्त करने का जरिया थी।

पोया से उसे जो भी कष्ट सहने पड़े थे, उनके लिए वह...

अब अनजाने में उससे बदला ले रहा है। अगर उसे एहसास हुआ कि उटडे

बाद में मुझे एहसास हुआ कि तान्नी, लाओ पेंग के प्रति उससे कहीं अधिक उदासीन लग रही थी, यह केवल तभी था जब

क्योंकि वह रुचि रखने के स्वाभाविक परिणामों को स्वीकार कर रहा था।

अपने काम और योजनाओं पर पहले ध्यान केंद्रित करना और बाद में इस पर ध्यान न देना।

टैनी के शंघाई छोड़ने के तुरंत बाद, या कम से कम उससे पहले, हैंकोव ने ऐसा किया।

उसने किया। अगर उसे टान्नी पर शक न होता, तो कम से कम वह...

उसने उनके अलग होने के शुरुआती महीनों के दौरान उसे पत्र लिखे थे। अब वह

उसे एक और संदेह ने सताया, इस बार यह एक अधिक व्यक्तिगत संदेह

था।

उस शाम बारिश रुक गई थी। पोया उनके साथ बाहर गई।

वे एक रेस्तरां में गए, लेकिन टान्नी के प्रति उनका व्यवहार बदला हुआ प्रतीत हुआ।

वह पहले से कहीं अधिक स्नेही और विचारशील था। भोजन करते समय वह उसे बार-बार थपथपाता रहता था।

मानो उसे एक बार फिर उससे प्रेम निवेदन करने की आवश्यकता महसूस हो रही हो। वह

उसके साथ दुल्हन और प्रेमिका दोनों की तरह व्यवहार करना। खाना ऑर्डर करते समय, वह

सबसे पहले उससे पूछा कि उसे क्या पसंद है। यह सब शायद इसलिए क्योंकि उस सुबह

उसने बिना किसी सचेत प्रयास, शब्द या कर्म के ही सुझाव दिया था

कि वह उसकी बराबरी की थी, और यह हमेशा से अलग था

जिस मधुर और विनम्र तरीके से उसने उससे बात की थी

अब जब उसे उसकी घबराहट की पूरी कहानी पता चल गई थी

और वह उसका इंतजार कर रही थी, उसे भी बहुत दुख हुआ और

शायद वह इसकी भरपाई करने की कोशिश कर रहा था। लाओ पेंग की बातचीत

जिससे उसे इस बात में कोई संदेह नहीं रह गया था कि वह उसके प्रति वफादार थी।

और वह जल्द ही उससे शादी करने वाला था।

तो मेज पर तीनों एक साथ बहुत खुश थे। पॉप ने पूछा

टैनी ने अपनी विभिन्न सहेलियों और शरणार्थियों के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

पोया और लाओ पेंग ने एक बार फिर एक-दूसरे के सामने बैठकर शराब पी, जैसा कि वे पहले भी पी चुके थे।

पेइपिंग में ऐसा अक्सर होता था, लेकिन अब वे यहाँ शराब पी रहे थे।

जैसा कि उन्होंने तय किया था, और इस बार टान्नी तैयार थी।

उन्हें।

लाओ पेंग ने उनकी आगामी शादी के लिए टोस्ट प्रस्तावित किया और

पोया के साथ खुशी से, जबकि टान्नी ने बस अपने होठों को छुआ।

कप का किनारा।

“ओह, हाँ, मैं भूल ही गई थी,” पोया ने कहा। “मुझे आपको कुछ दिखाना है।”

आप/'

धीरे से उसने अपनी जेब से चमड़े की एक छोटी पुस्तिका निकाली। जैसे ही उसने

मैं इसे आज़मा रहा था, तभी इसमें से कुछ गिर गया, जिसे मैंने पहचान लिया।

जैसे उसके द्वारा उसे लिखे गए पत्र का लिफाफा, थोड़ा मैला और छिला

हुआ।

कोनों पर।

“यह मेरा पत्र है!” टैनी ने हैरानी से कहा।

हाँ, मैं इसे हमेशा अपने साथ रखता हूँ। यहाँ कुछ ऐसा है जो मैं चाहता हूँ।

आपको दिखाऊंगा।” . , जे .1,

जैसे ही उसने पर्स खोला, उसने उसमें से टेड सिल्क का एक टुकड़ा निकाला।

उसने इसे सावधानीपूर्वक मोड़ा था, जो प्रेम प्रतिज्ञा की उसकी प्रति थी।

वह शरमा गई। धीरे-धीरे उसे खोलते हुए उसने टान्नी से प्यार से कहा: "देखो।"

मैंने इस पर एक वकील से गवाही दिलवाई थी।

उसकी आँखें चमक उठीं। "तुमने वो डोनर कब लिया था?"

जब मैं शंघाई में था।

मुझे लगा था कि तुम शंघाई में मुझे पूरी तरह से भूल गए हो।

“मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ, लियन-एथ? मैं इसे हमेशा अपने साथ रखता आया हूँ।”

मैं यात्रा के दौरान गया था।

टैनी को अपनी ही कॉपी जलाने पर पछतावा हो रहा था।

उसने उसे लगातार देखा, लेकिन एकदम शांत रही।

“आओ, मुझे कुछ गा कर सुनाओ?” लाओ पेंग की ओर मुड़ते हुए,

उसने पूछा: "क्या तुमने कभी उसे ढोल की कहानी गाते हुए सुना है?"

लाओ पेंग ने मना कर दिया, और तानी ने कहा कि उसे ऐसा महसूस नहीं हुआ।

गायन। "संगीत का स्तर जितना ऊंचा होगा, उतने ही कम लोग होंगे।"

“प्रतियोगिता में शामिल हो जाओ,” उसने एक पुरानी कहानी उद्धृत करते हुए कहा।

संगीत प्रेमियों के बारे में। रेशम को देखकर वे भावुक हो गए,

उसने अपना रक्षात्मक रवैया बरकरार रखा। उसकी टिप्पणी ने एक s]y को प्रभावित किया।

पोया की उसे और युद्ध कार्य को समझने में असमर्थता का संदर्भ

जिसे वह लाओ पेंग के साथ साझा कर रही थी। लेकिन पोया ज़िद कर रही थी।

"इतने लंबे समय के बाद हम पहली बार एक साथ आए हैं।"

"अलगाव। क्या तुम नहीं करोगे?" उसकी आवाज़ कोमल थी।

पोया पर स्नेह भरी नज़र डालते हुए, तानी मान गई और उसने एक छोटा सा गीत गाया।

उसकी आवाज कांप रही थी। उसके बाद, तीनों अपने-अपने घर लौट गए।

कमरे।

अगली सुबह आसमान साफ और सुहावना था। पोया जाना चाहती थी।

ताइरचुआंग को देखने के लिए। बाकी दोनों में से कोई भी नहीं गया था।

हालाँकि मिस तुआन की पार्टी जा चुकी थी और तीस लोगों को इकट्ठा कर चुकी थी

अनाथ बच्चों को स्कूल ले आए। आने-जाने की यात्रा

ताइरचुआंग पहुँचने में पूरा दिन लग गया, और वे केवल सात या सात ही ला सके।

आठ अनाथ बच्चे अपनी दो कारों में सवार होकर बाहर जा रहे थे।

आज ताइरचुआंग के उत्तर में, e3j > इकट्ठा करने की उम्मीद है

बच्चों को लेकर, फिर हैंकोव लौट आएंगे।

ह्सुचो से ताइरचुआंग तक की यात्रा में लगभग तीन घंटे लगे।

वे हरे गेहूँ के खेतों से गुज़रे जो लहरों की तरह झुके हुए थे।

बारिश के बाद वसंत की हवा, चमकदार और सुहावनी। दस बजे तक

वे मिट्टी की विशाल दीवारों वाले कस्बे में पहुँचे। कई सैनिक

नहर के किनारे बैठे हुए कुछ लोग पाइप पी रहे थे।

और बातें करते हुए, कुछ लोग कपड़े धो रहे थे, कुछ लोग पानी भर रहे थे।

नहर के पानी को टिन के डिब्बों में भरकर खुली आग पर उबालने के लिए रखा जाता था।

यह कस्बा दरअसल युद्ध मोर्चे का हिस्सा था। यहाँ लड़ाई जारी थी।

जापानी सेना की वापसी के बाद से यह सिलसिला बिना किसी रुकावट के जारी है।

एक महीने पहले। दुश्मन अधिक पहाड़ी इलाकों में पीछे हट गया था।

यिह्सिएन से बीस मील उत्तर में, जहाँ वे पहुँचने में सक्षम थे।

अतिरिक्त सैनिकों के साथ मोर्चा संभालें। अपने बुरी तरह खोए हुए "मल" को वापस पाने के लिए।

माजोई की पराजय पर, उन्होंने मजबूत टुकड़ियाँ नीचे भेजी थीं।

तियानजिन-पुकोव रेलवे और ताई-वेई राजमार्ग से

शान्तुंग में भी चीनी सेना की तैनाती कर दी गई थी। लेकिन चीन ने वहां और भी सैनिक भेज दिए थे।

क्षेत्र। युद्ध रेखा आगे-पीछे होती रही, और गाँव

और पहाड़ियों पर कई बार कब्ज़ा बदल चुका था। दो दिन पहले वहाँ

निकौ के पास, पांच या छह सीएनएस उत्तर में एक भीषण तोपखाने की लड़ाई हुई थी।

ताइरडिउआंग में पिछली रात भीषण युद्ध हुआ था।

लीनफेंगशान पर, जो दस मील दूर है, सुबह तक जारी रहा।

पूर्व की ओर। वास्तव में चीनी और जापानी रेखाएँ अभी भी एक दूसरे से जुड़ी हुई थीं।

एक दूसरे से अत्यंत जटिल तरीके से जुड़े हुए हैं।

नहर के किनारे पार्टी के लोग अपनी कारों से बाहर निकल गए, जैसे ही आग लगी...

पुल पार करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं था। कुछ ही कदम दूर

पुल के नीचे से उन्होंने पश्चिमी द्वार देखा। द्वार पर अभी भी एक पुराना पत्थर लगा हुआ था।

“ताइचेंग का पुराना स्थल” शिलालेख वाला पैनल। एक शाखा

रेलवे लाइन शहर के पश्चिम में चलती थी, और इमारत की ऊपरी दो मंजिलें

तीन मंजिला साउथ स्टेशन को ध्वस्त कर दिया गया था।

कस्बे में एक भी घर साबुत नहीं बचा था। मलबा लगभग पूरी तरह से नष्ट हो चुका था।

सड़कें पूरी तरह से नष्ट हो गईं। केवल एक या दो मेंढकों को ही हटाया जा सका।

महान उत्तरी द्वार की ओर जाने वाला मार्ग। हर जगह टूटा-फूटा पड़ा था।

फर्नीचर, टैग, जले हुए लकड़ी के डिब्बे, खाली खोल और झुलसे हुए

दीवारें और दरवाजे। मिट्टी की ईंटों से बने अवरोधों के अवशेष।

लकड़ी के तख्ते अभी भी कुछ-कुछ गज की दूरी पर सड़कों को अवरुद्ध कर रहे थे।

दल कन्फ्यूशियस मंदिर ताचेंगटियन गया, या जो भी हो।

इसका शेष भाग बचा था। अधिकारियों ने युद्ध-क्षेत्र सेवा को मान्यता दी।

उनकी वर्दी से ही पहचान हो जाती है।

“क्या आज आपको कुछ और अनाथ बच्चे चाहिए?” एक अधिकारी ने पूछा।

मुस्कुराते हुए।

नेता, मिस टिएन ने सिर हिलाया।

“आप निकौ की ओर उत्तर दिशा में जा सकते हैं। कई घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

पिछले दो दिनों में वहां काफी नुकसान हुआ है।

लेकिन पोया आस-पास के दृश्य को और अधिक देखना चाहता था, और यह था

इस बात पर सहमति बनी कि वे केवल उत्तर की ओर लिउचियाहू तक ही जाएंगे, लगभग दो

कुछ ही मिनटों में पोया को पता चल गया कि शहर के दक्षिण-पूर्व में पिहसिएन स्थित है।

चांग लियांग, या चांग त्सेफेइग से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ,

महान विद्वान और रणनीतिकार, जिनके नाम पर त्सेफेंगस्ट का नाम रखा गया है।

ह्सुचोव का नाम लिया गया, जो पहले गुरिल्ला भी थे।

चीन का इतिहास। इस नायक का जीवन हमेशा से ही उसे प्रेरित करता रहा है।

ओइयांग लियांग के पूर्वज पाँच पीढ़ियों से प्रधान मंत्री रहे थे।

सात युद्धरत राज्यों के छोटे हान राज्य का, और जब यह

शक्तिशाली तानाशाह त्सिन राज्य द्वारा नष्ट किए जाने के बाद, चांग ने इसे बेच दिया।

345

उसने अपनी सारी पारिवारिक संपत्ति हड़प ली और तानाशाह के खिलाफ साजिश रची।

जिसके बाद अंततः उन्होंने बाद में चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में पदभार संभाला।

हान वंश के प्रथम सम्राट। चांग लियांग का सेवानिवृत्त होना ही उनका

कारण था।

वृद्धावस्था और ताओवादी बनने से वे पोया के और भी करीब हो गए।

क्योंकि उनके दादाजी ने भी यही किया था। उन्हें याद आया।

यह विचित्र ऐतिहासिक तथ्य है कि ताओवादियों ने हमेशा सर्वश्रेष्ठ विवाह किया था।

रणनीतिकार और प्रशासक, अपनी शांति और अपने

दूरदृष्टि और व्यापक सोच।

उत्तरी द्वार से बाहर निकलते ही उन्होंने एक लंबा समतल मार्ग देखा।

हरे-भरे गेहूं के खेतों का एक लंबा हिस्सा दिखाई दिया, और जल्द ही चार क्षतिग्रस्त वाहन दिखाई दिए।

जापानी टैंक। लिउचियाहू में उन्हें पता चला कि हर कोई क्या

जिन लोगों को देखने के लिए वे आए थे, वे जापानी सैनिकों की विशाल कब्रें थीं, जहाँ

लकड़ी के टीले में पाँच से सात सौ लोगों को दफनाया गया था।

उनके ऊपर लगाई गई छड़ियों से संकेत मिलता है।

लिउचिआहू में, पोया, टैनी और लाओ पेंग पीछे मुड़े

लड़कियों के समूह से अलग हो गईं। यह तय किया गया कि वे

उन्हें परिवहन के अपने साधन खुद ढूंढने होंगे, क्योंकि दो छोटी कारें

उस जगह को अनाथों से भरना होगा।

शहर लौटकर उन्होंने अपना दोपहर का भोजन किया, जो वे अपने साथ

लाए थे।

उनके साथ। पोया ने सैनिकों से बात करने का हर मौका लिया और

अधिकारियों। हर सैनिक जिसने एक महीने पहले लड़ाई में भाग लिया था

कुछ समय पहले बात करने में खुशी होती थी। उनके चेहरे हमेशा मुस्कान से भरे रहते थे।

जब उन्होंने दुश्मन के पीछे हटने की सूचना दी। केवल उनके फटेहाल कपड़े

सूती वर्दी और चमड़े की बेल्ट उन्हें दूसरों से अलग करती थी।

वे वास्तव में साधारण किसान ही थे; और

उन्होंने अपने पुआल के सैंडल ऐसे पहने हुए थे मानो वे अभी भी लैंटल पर काम कर रहे हों।

पोया ने कहा कि वह पूर्व की ओर जाना चाहता है।

“तुम्हें ज्यादा आगे नहीं जाना चाहिए,” एक अधिकारी ने कहा। “वहाँ

पहाड़ियों में लड़ाई।

ध्यान से सुनने पर उन्हें दूर से गोलियों की आवाज सुनाई दी।

"लड़ाई कितनी दूर है?"

यह साएहु और लियनगशान के बीच स्थित है, लगभग दस मील दूर।

यहाँ।"

हम इतने मोटे नहीं होंगे।

"ग्रैंड कैनाल के किनारे-किनारे चलते रहें, आप सुरक्षित रहेंगे।"

अधिकारी ने कहा।

वे एक चौड़ी सड़क पर पिहसिएन की दिशा में चलने लगे।

सड़क। यह एक खूबसूरत वसंत की दोपहर थी और वे चले गए।

■आरामदायक, खासकर इसलिए क्योंकि टैनी उनके साथ थी। कभी-कभार

शांति के क्षणों में तोपों की गड़गड़ाहट से एक रहस्यमय माहौल बन जाता था।

346

यह सबसे भीषण लड़ाई का स्थल रहा है। मैदानों में गोले के गड्ढे बिखरे हुए थे।

और सड़क के किनारे खाली कारतूस बिखरे पड़े थे। छोटे-छोटे दस्ते

भूरे रंग के असंगठित सैनिक उनके पास से गुज़रते हुए पिह्सियन की ओर चले गए।

और मोटरसाइकिलें दोनों दिशाओं में आ-जा रही थीं। एक अकेला

जापानी टोही विमान उनके ऊपर बहुत ऊँचाई पर उड़ रहा था। पोया

वह बहुत उत्साहित था क्योंकि यह पहली बार था जब वह युद्ध में जा रहा था।

सामने।

उसने अपनी बेल्ट से पिस्तौल निकाली और उसे विमान की ओर तान दिया।

हंसते हुए कहा, "काश मैं उस छोटे से बच्चे को नीचे गिरा पाता।"

ऊपर एक ड्रैगनफ्लाई है।

लगभग एक घंटे बाद उन्होंने एक पत्थर की बनी पाइकु को थोड़ी दूर खड़े देखा।

राजमार्ग, जो एक जर्जर गांव के प्रवेश द्वार पर स्थित है।

गोले के गड्ढे, गिरी हुई दीवारें और टूटे हुए पेड़ इस बात के गवाह थे।

कुछ सप्ताह पहले हुई लड़ाई।

उन्होंने एक पेड़ देखा जिसका एक हिस्सा गोलियों से झुलस गया था।

और दूसरी तरफ नए हरे पत्ते निकल रहे थे।

लाओ पेंग ने कहा, "यह क़ैना का प्रतीक है।"

वे अब चार-पाँच मील चल चुके थे और टैनी काफी

थका हुआ। पोया ने राजमार्ग से हटकर एक नज़र डालने का सुझाव दिया।

पत्थर के स्मारक पर।

“क्या तुम पिहसीन तक जाने के लिए बहुत थक जाओगे?” पक्या ने पूछा।

तान्नी। "या फिर हम इस गाँव में रुककर वापस लौट जाएँ?"

"पिहसिएन कितनी दूर है?"

लगभग एक घंटे की पैदल दूरी। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत ज़्यादा होगा।

आप।"

अगर वे पिहसिएन चले जाते, तो उनके लिए वहाँ से निकलना बहुत देर हो चुकी होती।

उसी रात वे ह्सुचो वापस गए, और वे इस बात पर सहमत हो गए।

गांव और विश्राम।

'vˆge' की ओर जाने वाले रास्ते में एक बड़ा गोले का गड्ढा था।

अब उसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। टैनी उसके चारों ओर से जाने लगी, लेकिन

पोया ने कहा: “नहीं। मुझे तुम्हें ले जाने दो।” वह विशेष रूप से

स्नेहपूर्ण। उसने थोड़ा विरोध किया, शर्मिंदगी के कारण ज्यादा।

सच्ची असहमति जताते हुए, और जब वह उसे उठाकर ले जा रहा था, तो उसने उसे लात मारी।

पैर अप्रभावी रूप से।

ग्रामीण घटना के बाद पहले ही अपने घरों को लौट चुके थे।

एक महीने पहले लड़ाई हुई थी।

वे एक घर में बैठे और एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति से बात कर रहे थे-

एक बुजुर्ग महिला ने महान युद्ध के दौरान अपने अनुभवों के बारे में बताया।

मोटरसाइकिलों और साइकिलों पर सवार सैनिकों की एक टुकड़ी आगे बढ़ी।

गांव में।

.347

यू

अगर आप यहाँ से निकलना नहीं चाहते तो बेहतर होगा कि आप निकल जाएं।

“गोली चली,” एक अधिकारी चिल्लाया। “जापानी घुड़सवार सेना की एक टुकड़ी आ रही है।”

पहाड़ियों से नीचे आ रहे हैं। हम उन्हें यहीं रोकेंगे।

पल भर में, शांत गांव का रूप बदल गया।

महिलाएं और बच्चे जल्दी से अपने कपड़े और सामान समेटने लगे।

बिस्तर और छोटी कीमती चीजें ऐसे पैकेटों में पैक कर लें जिन्हें वे साथ ले जा सकें।

उन्हें।

"जल्दी जाओ," गांव की महिला ने टान्नी से कहा और दौड़कर बाहर चली गई।

घर। चाय की केतदे अभी भी लाल-गरम आग पर बज रही थी।

कोयला।

जैसे ही वे राजमार्ग पर निकले, उन्होंने तीन और दुश्मनों को देखा।

आसमान में विमान उड़ रहे थे। पैदल सेना गेहूं के खेतों को पार कर रही थी।

कई दिशाओं से खेत।

पोया ऊपर गया और अधिकारी से बात की। उसने पैटी देखी थी।

आज सुबह कन्फ्यूशियस मंदिर पहुंचे और उन्हें पता चला कि वे

वह युद्ध क्षेत्र सेवा कोर के साथ आया था, और वह विनम्र था।

लेकिन थोड़ा अधीर।

“हमें कहाँ जाना चाहिए?” पोया ने पूछा।

"नहर के किनारे-किनारे चलो," अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

लाओ पेंग ने पोया से कहा: "एक साइकिल उधार लो और टान्नी को ले जाओ।"

वह इतनी दूर तक पैदल नहीं चल सकती।

"क्या करेंगे आप?"

लाओ पेंग ने शांत भाव से कहा, "मैं चल सकता हूँ।"

अधिकारी अपने आदमियों को आदेश देने में व्यस्त था। उसके पास समय नहीं था।

dvUians के लिए। लेकिन लाओ पेंग उसके पास गया और उसके कान में फुसफुसाया कि

वह लड़की गर्भवती थी। लेफ्टिनेंट ने उसकी ओर देखा और

उसने झुंझलाहट में अपना सिर हिलाया।

“सब ठीक है, इनमें से एक साइकिल ले लो। लेकिन तुमने ऐसा क्यों किया?”

इस जगह पर आए हो? यही तो युद्ध का मैदान है।

उसने एक साइकिल की ओर इशारा किया और लाओ पेंग जाकर उसे ले आया।

पोया के लिए। उसने धीरे से अपना गाउन उतारा और उसे मोड़कर ठीक कर दिया।

टान्नी के लिए तकिया बनाने के लिए सीट के पीछे।

“हम तुम्हें छोड़कर नहीं जा सकते,” पोया ने कहा। “बेहतर होगा कि हम सब आगे बढ़ें।”

• पैर।"

लाओ पेंग ने मुस्कुराते हुए कहा, "आगे बढ़ो और बहस मत करो।"

"हम पालन करेंगे।"

गोलियों की आवाज नजदीक आती जा रही थी। ग्रामीण...

दोनों दिशाओं में तेजी से भागते हुए।

टैनी आँखों में स्तन लिए खड़ी थी। "चलो हम तीनों एक साथ चलते हैं।"

और झाड़ियों में छिप जाऊंगी। अगर लाओ पेंग नहीं जाएगा, तो मैं भी नहीं जाऊंगी,” उसने कहा।

“मुझसे झगड़ा मत करो,” उसने लगभग गुस्से में कहा।

टान्नी की हालत बहुत खराब थी, क्योंकि पोया और लाओ पेंग उसे उठाकर ले जा रहे थे।

वह आसन जो लाओ पेंग ने उसके लिए बनाया था। वह बुरी तरह रो रही थी।

और फिर नीचे कूद गया।

“क्या तुम पागल हो?” लाओ पेंग ने गुस्से से उससे कहा। “अगर तुम्हें परवाह है तो।”

मेरे लिए, मेरी बात मानो। आगे बढ़ो और उसे कसकर पकड़ लो। FU आओ

और आपके साथ जुड़ेंगे।

उसके चेहरे पर हताश और पीड़ादायक भाव थे, टैनी

उसने आंसुओं के बीच से लाओ पेंग को भावुक निगाहों से देखा।

“सावधान रहना,” वह सिसकते हुए बोली। उसकी आवाज कांप रही थी।

“नहर के किनारे आओ और हमारे साथ जुड़ो,” पोया ने चढ़ते हुए कहा।

लाओ पेंग ने साइकिल को स्थिर रखते हुए उसे नीचे गिरा दिया।

“ध्यान से जाना, और गड़बड़ मत करना,” लाओ पेंग ने इतनी खुशी से कहा मानो

कुछ नहीं हुआ था। वह एक तरफ खड़ा होकर उन्हें जाते हुए देखता रहा।

“अलविदा,” उसने पुकारा। “मैं आकर तुमसे मिलूंगा। हाय।”

अगर मैं ह्सुचो में तुमसे न मिल पाऊं, तो मुझे अपने यहाँ ढूंढ लेना।

शादी।"

टान्नी इतनी बेतहाशा रो रही थी कि उसके हाथ कांप रहे थे।

पोया की कमर के चारों ओर एक अंगूठी थी। साइकिल की रफ्तार बढ़ गई। वे

डिएम के पीछे वाले गाँव से मशीन के भौंकने की आवाज़ सुनाई दी।

गोलियों की आवाज, फिर चीख-पुकार, और कई घोड़ों के दौड़ने की आवाज। टैनी

चीख पड़ी।

सड़क के एक मोड़ पर उसकी पकड़ छूट गई और वह लगभग गिर ही गई।

पोया रुक गई, ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रही थी, और उसने चारों ओर देखा।

उसकी आँखें परेशान थीं। उसने अपराधबोध से भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।

"वह ठीक हो जाएगा," पोया ने कहा। उसने असहाय होकर उसकी ओर देखा।

अचानक समझ आने पर, "अब आपको उत्सव मनाना होगा।"

जब उसने दोबारा चलना शुरू किया, तो उसे उसकी दबी हुई सिसकियाँ सुनाई दीं।

उसी क्षण उसे पता चल गया कि वह लाओ पेंग से प्यार करती है।

वे गांव से लगभग एक मील दूर निकल चुके थे, और

गोलियों की आवाज अभी भी बहुत पास सुनाई दे रही थी। सैनिकों के समूह

खेतों में दूर-दूर स्थित स्थानों पर छिपे हुए देखे जा सकते थे।

लगभग एक मील तक किनारे-किनारे चलते रहे। लड़ाई की आवाज़ सुनाई दी।

अब दूरियां और बढ़ गईं।

सड़क के किनारे एक गड्ढा था जहाँ बारिश का पानी जमा हो गया था।

एकत्र किया। पोया रुकी और टान्नी को एक खेत में ले गई, उसे वहीं छोड़कर।

सड़क किनारे साइकिल खड़ी थी। वह अभी भी बुरी तरह रो रही थी।

वह दुःख से व्याकुल थी। दोनों में से किसी ने कुछ नहीं कहा।

वे गेहूँ के खेत में दुबके बैठे थे; खेत केवल दो या तीन फीट ऊँचा था।

लेकिन रास्ते से दूर ढलान होने के कारण उन्हें छिपने की उत्तम जगह मिल गई।

तनोई जमीन पर बैठी बेबस होकर रो रही थी, जबकि पोया उसे देख रही थी।

उसे चुपचाप देखती रही।

"उसे मर जाना चाहिए," उसने अंत में अपनी आँखें पोंछते हुए कहा।

शोकपूर्वक।

आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। वह सुरक्षित रहेगा।

अचानक उन्हें फिर से घोड़ों के खुरों की आवाज सुनाई दी। पोया ने झाँककर देखा।

गेहूं की बालियों के बीच में। दस या बारह जापानी लोगों का एक समूह।

घुड़सवार सैनिक नदी के किनारे आ रहे थे।

उसने अपनी पिस्तौल निकाली और खड़ा हो गया। घुड़सवारों ने...

डेढ़ सौ गज दूर। वह टान्नी को चूमने के लिए झुका, फिर

वह नपे-तुले कदमों से दबे पांव खेत पार कर गया।

“पोया, तुम क्या कर रही हो?” उसने सिर उठाकर चिल्लाते हुए कहा।

वह पीछे नहीं मुड़ा, बल्कि जाकर सीधे वहीं खड़ा हो गया।

पथ।

“पोया! वापस आ जाओ!” वह चिल्लाई।

अब वह मुड़ा और उसने उसे इशारा किया कि वह पास ही रहे।

जमीन पर, और मुस्कुराई। टैनी अपने घुटनों पर बैठी रही, स्थानांतरित।

घुड़सवार सेना धूल उड़ाते हुए उनकी ओर बढ़ी।

पोया सीधा खड़ा होकर, हाथ में बंदूक लिए आगे बढ़ा। जब घुड़सवार सेना

पच्चीस गज के दायरे में आते ही उसने गोली चलाना शुरू कर दिया। पहला घोड़ा

आदमी गिर गया। गड्ढे से पानी हवा में उछल गया।

घोड़ा उछला और तेजी से भागा। गोलियां पीछे की ओर चलाई गईं। धीरे-धीरे,

पोया ने व्यवस्थित ढंग से निशाना साधा और एक और गोली चलाई।

एक और। उसका शरीर चक्कर खा रहा था और हिल रहा था।

तान्नी भय से अवाक रह गई; घुड़सवार सैनिक भाग गए।

वे जहाँ खड़े थे, वहाँ से बिना रुके आगे बढ़ गए। जैसे ही वे आगे बढ़े...

वह चली गई, और खुद को घसीटते हुए पतिब तक पहुंची।

पोया सड़क पर पड़ा था, उसका सिर जमीन पर टिका था, बंदूक अभी भी उसके हाथ में थी।

हाथ। उसने बड़ी ताकत से उसे पलट दिया। खून से सना हुआ M

बनियान। जब उसने उसे पलटा तो उसके पैर आपस में उलझे हुए थे। उसने धीरे से कोशिश की:

उसने अपना दाहिना पैर नीचे रखा। पोया दर्द से चीख पड़ी। एक खुर की आवाज आई।

उसकी जांघ कुचल गई।

"ओह, पोयाल!" वह रो पड़ी।

उसकी आँखें खुलीं और उसने दूर नीले आकाश की ओर देखा।

उसे।

वह उसके ऊपर झुक गई और सिसकियों के बीच उसका नाम पुकारने लगी।

"तानी, रोना मत," उसने हांफती हुई फुसफुसाहट में कहा। "मुझसे शादी करो।"

पेंग।" वह रुका और बड़ी मुश्किल से फिर से शुरू किया। "सब कुछ

पैसा तुम्हारा है। हमारे बच्चे का पालन-पोषण करो।" अपनी जेब की ओर इशारा करते हुए,

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा: "यह रहा। हमारा वादा!"

उसकी आँखें झपकीं और उसका सिर एक तरफ झुक गया। उसकी धड़कन

रुक गया।

तनोई ज़मीन को घूरता हुआ बैठा था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है।

हुई थी।

वह लगभग आधे घंटे तक इसी तरह बैठी रही होगी, जिसके दौरान और

अंतरिक्ष का सारा अर्थ खो गया था। फिर वह एक फैटनीलियाफ से उत्तेजित हो गई।

वॉइस कॉलिंग; "टैनिल, क्या हुआ है?

वह मुड़ी और उसने देखा कि लाओ पेंग उसकी ओर दौड़ रहा है।

जैकेट और पतलून पहने हुए। उसने पोया का शव देखा और उसके बगल में घुटने टेक दिए।

इसे। टैनी ने बिना कुछ कहे उसकी ओर देखा।

"वह मर चुका है।"

उसने सिर हिलाया।

लाओ पेंग ने मुड़कर तीन जापानी सैनिकों के शवों की ओर इशारा किया।

सड़क पर पड़े हुए, उनमें से एक आधा पानी में डूबा हुआ था।

खोल का छेद।

और ये?

“टाई ने उन्हें मार डाला,” टैनी ने संक्षेप में कहा। “मैं अभी आपको नहीं बता सकती।”

जो मेरी आँखों ने देखा है।"

अब लाओ पेंग का हृदय गहरे दुःख से भर गया और उसका

उसकी आंखों से आंसू बहने लगे और उन्हें रोकने की कोशिश में उसके होंठ कांपने लगे।

लड़ाई खत्म हो गई थी। जापानी घुड़सवार सेना, जो

चीनी ठिकानों का परीक्षण करने के लिए भेजे गए मिशन को रोक लिया गया था और

तितर-बितर हो गए। जो लोग बचे थे वे भाग गए, और चीनी

गेहूं के खेतों में स्नाइपर खड़े होने लगे और फिर से इकट्ठा होने लगे।

टान्नी ज़मीन पर बैठी इंतज़ार कर रही थी, उसके पैर इतने कमज़ोर थे कि वह चल भी नहीं पा रही थी।

लाओ पेंग ने खड़े होकर सैनिकों के एक समूह को राजी किया।

आओ और उन तीनों जापानी लोगों को देखो और उनसे उनकी खुशियाँ पाओ।

उन्होंने पूछा कि ये तीनों जापानी कैसे हैं।

इस क्षेत्र में कोई स्नाइपर तैनात नहीं था, इसलिए उसे मार दिया गया था।

तान्नी ने पोया के शव की ओर इशारा करते हुए कहा, “उसने ही उन्हें मारा है।

एक आदमी पिस्तौल लेकर बारह लोगों के खिलाफ खड़ा होकर उनसे लड़ रहा था।

घुड़सवारों।"

जब सैनिकों को पता चला कि पोया की मृत्यु कैसे हुई, तो उन्होंने पेशकश की कि...

उसका शव ले जाओ। उन्होंने कहा कि ह्सुचो लौटने का यही सबसे आसान तरीका है।

चाओतुन के लिए लगभग पंद्रह मील दक्षिण में एक नाव ढूंढना होगा और

फिर लुंघाई रेलवे पर ट्रेन में सवार हो जाएं।

सैनिक नहर के किनारे चले गए और आधे घंटे बाद लौट आए।

एक छोटी मछली पकड़ने वाली नाव के साथ एक घंटा। उन्होंने शव को कार्ड से ढक दिया।

नाव, जिसके बगल में टान्नी जोर-जोर से रो रही थी, और लाओ पेंग सिल^ टी

मौत।

मछुआरा उस लावारिस लाश को देखकर बहुत भयभीत हो गया था।

लेकिन उससे भी ज्यादा डरी हुई दस साल की एक बच्ची थी जो वहां मौजूद थी।

यह नाव पिह्त्सिएन के एक शरणार्थी परिवार द्वारा किराए पर ली गई थी।

बीमार बूढ़ी औरत माँ बच्ची को लेकर भाग रही थी और...

दो बेटे, एक वयस्क और एक अठारह साल का, एक नाज़ुक लड़का।

व्यापारी वर्ग।

“इन लोगों से पैसे मत लो,” एक कॉर्पोरल ने कहा।

नाविक से। “इस आदमी ने तीन जापानियों को मार डाला है और खुद मर गया है।”

अपने देश के लिए।"

लाओ पेंग ने सैनिकों को धन्यवाद दिया और उनसे आगे जाने के लिए कहा।

अधिकारी के पास साइकिल वापस ले गई। नाव के गिरने पर टैनी ढेर हो गई।

नहर के किनारे-किनारे आगे बढ़ गया।

काफी देर बाद वह उठ बैठी और अपना लाल स्कार्फ उतारकर...

लाओ पेंग ने पोया के मल को ढका, और फिर उसने बीमार से बात की।

माँ।

“तुम कहाँ जा रही हो, बुढ़िया?”

“हम कैसे जान सकते हैं? बम हमारे घर से टकराए थे।

मैंने अपने बेटों से कहा कि मैं नहीं आना चाहती, लेकिन उन्होंने मुझे ले जाने की ज़िद की।

मुझे यहाँ से दूर जाना होगा क्योंकि वे कहते हैं कि हम अब पिहसिएन में नहीं रह सकते, इसलिए

युद्धक्षेत्र के करीब।"

लड़की अपनी माँ के पास दुबकी हुई थी, उसकी पीठ माँ की ओर थी।

लाश ने टन्नी को घूरकर देखा।

“मैं छप्पन वर्ष का हूँ और मैं पहले ही काफी उम्रदराज हो चुका हूँ,” बूढ़े ने कहा।

माँ आगे बोलीं, “यह केवल तियान्तिएन-एरह की वजह से ही है कि मैं

आने के लिए राजी हो गई। वह बहुत छोटी है।

लड़की ने अब एक दरवाजे के पैनल की ओर इशारा किया जिस पर रस्सियाँ बंधी हुई थीं।

जो नाव के किनारे खड़ा था।

“यह हमारा पहला दरवाजा है,” उसने कहा। “हम इस पर बिस्तर बिछाते हैं और

मेरे भाइयों ने मेरी माँ को उठाया।

“देखो, मेरी जैसी बुढ़ापे की जिंदगी कैसी होती है,” माँ ने कहा। “मैं

मुझे चलना पड़ता है और मेरे बेटों को मुझे उठाना पड़ता है। मैं कैसे कर सकती हूँ?

क्या वे अपनी बूढ़ी माँ को लेकर यात्रा कर रहे हैं? क्या मेरा बूढ़ा शरीर बोझ नहीं है?

उन्हें?"

मछुआरा धीरे-धीरे नाव को चप्पू से आगे बढ़ा रहा था और

उनकी पत्नी। लाओ पेंग ने कहा कि इसमें उन्हें बाद तक का समय लगेगा।

आधी रात को पंद्रह मील की लालसा। लेकिन मछुआरा -म.

वह शव ले जाने के लिए अनिच्छुक था और उसने रविवार के बाद नाव चलाने से इनकार कर दिया।

लाओ पेंग ने कहा कि सैनिकों के कहे अनुसार वह भुगतान करेगा।

35ए

“नहीं, मैं कोई पैसा नहीं लूंगा। वह हमारे देश के लिए शहीद हुए।”

लेकिन मछुआरे की पत्नी ने बीच में दखल दिया और कहा कि वे ऐसा करेंगे।

चाओतुन पहुँचने के लिए पूरी रात नाव चलानी पड़ी, अतिरिक्त वेतन मिलने से दोनों खुश थे।

और शव को यथाशीघ्र ठिकाने लगाना।

तान्नी एक तख्ते पर लेट गई लेकिन उसे नींद नहीं आ रही थी। लाओ पेंग

वह उसके पास बैठ गया और उसने उसे पोया की वीर मृत्यु की कहानी सुनाई। लेकिन

अजनबियों की मौजूदगी में वह उसे पोया के बारे में नहीं बता सकी।

न तो उसका मकसद, न ही उसका विदाई संदेश। तभी उसे याद आया

पोया ने अपनी जेबों की ओर इशारा करते हुए कहा था कि वे

सामग्री ले लो। लाओ पेंग ने जाकर उनकी तलाशी ली और उसे

उसने उसे वह सब दिखाया जो उसे मिला था, एक नक्शा, टैनी का एक पुराना पत्र।

और एक पर्स। उसमें कुछ पैसे और उसकी एक प्रति थी।

उनके शाश्वत प्रेम की लिखित प्रतिज्ञा।

कुछ देर बाद टान्नी ने बूढ़ी माँ से फिर से बात करना शुरू कर दिया।

और वह छोटी लड़की, जो दुबली-पतली, नाज़ुक और बड़ी-बड़ी आँखों वाली थी।

पिनपिन की तरह। जब उसने उन्हें बताया कि वह उनके साथ आई थी

युद्धक्षेत्र सेवा कोर युद्ध क्षेत्रों से अनाथ बच्चों को अपने यहाँ लेगी।

और मैडम चियांग के बारे में बात करते हुए, लड़की ने कहा:

आपने मैडम चियांगल को देखा है।

माँ भी उत्साहित हो गई और बोली: 'टिएंटियन-एरह, मैं हूँ'

बूढ़े और बीमार। मैं लंबे समय तक आपकी देखभाल नहीं कर सकता, और आप केवल

अपने भाइयों पर बोझ बनो। मैं तुम्हें उनके सामने क्यों न पेश करूँ?

मैडम चियांग, क्या आप इस अच्छी बहन के माध्यम से ऐसा करेंगी?

तियान्तिएन-एरह की बड़ी-बड़ी आँखें तान्नी की ओर मुड़ गईं। यही तरीका था।

पिनपिन ने उसकी ओर देखा था।

“ओह, क्या तुम उसे मुझे दे दोगे?” वह चिल्लाई। “क्या तुम मेरे साथ आओगे?”

मुझे, तियान्तिएन-एरह?”

छोटी बच्ची अपनी मां की छाती से लिपट गई।

“टिएंटियन-एरह, अगर आप साथ जाओगे तो आपको मैडम चियांग दिख जाएंगी।”

अच्छी बहन। तुम अपनी बूढ़ी माँ को खुश नहीं कर सकती। जाओ।

उसकी।"

“मेरे पास आओ,” टैनी ने अपनी बाहें फैलाते हुए कहा।

बच्ची। धीरे-धीरे और शर्माते हुए, अपनी माँ के धक्के से, तियान्तिएन-एरह आई।

वह आगे बढ़ी और टैनी ने उसे अपनी गोद में ले लिया।

रात हो गई और नाविक ने घोषणा की कि उनके पास अभी भी आठ या उससे अधिक लोग हैं।

अभी नौ मील बाकी थे। वे पूरी रात नाव नहीं चला सकते थे।

आखिरकार वे आधी रात तक टो करने और फिर सुबह जल्दी शुरू करने के लिए सहमत हो गए।

भोर होने से पहले बची हुई थोड़ी सी दूरी तय करें।

पोया के लिए उन सभी के लेटने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी।

शरीर ने धनुष का आधा हिस्सा घेर लिया था, लेकिन किसी तरह वे मुड़कर उसमें समा गए।

dflfV तंग जगह और छोटी लड़की और उसके भाई सो गए।

फिर अंत में, तान्नी ने लाओ पेंग के कान में फुसफुसाकर बताया कि पोया की मृत्यु कैसे हुई।

संदेश था। कहानी उसे लगभग अविश्वसनीय लग रही थी।

वह विचित्र अंधकार, जिसमें पोया का शरीर इतनी सफाई से ढका हुआ पड़ा था।

उन्हें और फिर भी इतनी दूर।

आखिरकार तानी रोते-रोते सो गई, उसकी सिसकियाँ आवाज़ों में घुलमिल गईं।

मछुआरे के चप्पूओं की लयबद्ध चरमराहट और टकराने की आवाज

पानी और नाव के फिसलते समय पानी की लहरों की आवाज

चांदनी रात में साथ-साथ चलते हुए। लाओ पेंग को तभी नींद आती थी जब...

पानी की लहरें थम गईं और उसे पता चल गया कि वे नाव को किनारे पर ले जा रहे हैं।

नदी के किनारे-किनारे।

सब कुछ शांत था।

कुछ समय बाद अचानक पानी की छप-छप की आवाज से उसकी नींद खुल गई।

जैसे कोई अंदर गिर गया हो। डरा हुआ, उसने टान्नी को टटोलना शुरू

किया और

मुझे उसका हाथ मिला। वह जाग नहीं पाई।

उस धुंधली चांदनी में, जिसमें किनारे पर स्थित विलो के पेड़

पानी में प्रतिबिंब दिखाई दे रहे थे, उसने चारों ओर देखा। उसने बच्चे को देखा।

वह करवट लेकर सो रही थी, लेकिन वहीं पर जहां मां लेटी हुई थी।

वह केवल मुड़ा हुआ ढक्कन था। उसने उसकी ओर हाथ बढ़ाया। माँ

चला गया था।

उसने भाइयों को जगाया।

“तुम्हारी माँ चली गई। मुझे किसी के गिरने की आवाज़ सुनाई दी।”

पानी में कूद गए, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।

बेटे रेंगते हुए नाव के अगले हिस्से तक पहुँचे, और शरीर पर झुककर बैठ गए।

पोया ने बेचैनी से पानी की ओर देखा। लेकिन उन्हें केवल एक कोमल आकृति ही दिखाई दी।

टिपल दूर-दूर तक यात्रा कर रहा है, चमकती रोशनी को पकड़ते हुए।

अत्यंत सुंदर चांदी जैसी चांदनी।

नाविक और तानी रोने की आवाज़ से जाग गए।

भाइयों के सिसकने की आवाजें आ रही थीं। केवल तियान्तिएन-एरह ही शांति से सो रहा था।

उसके सपने में।

नाविक ने एक तेल का लालटेन जलाया जिससे हल्की रोशनी फैली।

दुखद कंपनी।

अब योजनाओं में बदलाव करना पड़ा। दोनों भाइयों ने जाने से इनकार कर दिया।

आगे। उन्होंने कहा कि उन्हें किनारे जाना होगा। नहर wm

यहां सुस्ती है, और वे निश्चित रूप से इससे उबरने में सक्षम होंगे।

मां के शव को, ताकि उनका विधिवत अंतिम संस्कार किया जा सके।

दूसरी ओर, लाओ पेंग और तानी आगे बढ़ने के लिए उत्सुक थे।

पोया के शरीर को जितना हो सके उतना पतला करें।

भोर होते ही तियान्तिएन-एरह को जगाया गया और बताया गया कि क्या हुआ था।

ऐसा हो चुका था। जब उसके भाई और टान्नी ने कोशिश की तो वह दयनीय ढंग से रोने लगी।

उसे दिलासा देने और उसे टान्नी के साथ आगे बढ़ने के लिए राजी करने के लिए।

वह दयनीय हालत में था कि नाविक और उसकी पत्नी भी उसे देखकर दयनीय महसूस कर रहे थे।

आंसू बहाए। सुबह की हवा ठंडी थी, और टैनी ने खुद को ढक लिया।

तियान्तिएन-एरह ने अपनी बाहों को फैलाया और भाइयों से कहा कि वे निश्चिंत रहें।

उनके दिल।

लाओ पेंग की ओर मुड़ते हुए उसने कहा, "भाइयों को कुछ दो।"

उन्हें पैसे दिए गए हैं ताकि वे अंतिम संस्कार के बाद हैंकोव में हमारे साथ शामिल हो सकें।

उनकी माँ।"

“बिल्कुल,” लाओ पेंग ने कहा।

नाविक की पत्नी लाओ पेंग को यह देखकर घोर आश्चर्य हुआ।

उसने पोया के पास मिले दो सौ डॉलर ले लिए।

उसने अपनी जेब-पुस्तक तियान्तिएन-एरह के भाइयों को दे दी।

हैनकोव का पता।

तभी लड़की को कुछ राहत महसूस हुई, और

उन सभी के लिए आवागमन आसान बना दिया गया था। और उस धुंधली सुबह में

सूरज उगने से पहले ही नाविक ने अपना जई उठाया और

उन्होंने नदी के किनारे खड़े भाइयों को अलविदा कहा।

नाश्ते के समय वे चाओटुप पहुँचे। उन्होंने भुगतान किया।

नाविक ने तीस डॉलर लिए, लेकिन पत्नी असंतुष्ट थी, क्योंकि उसने देखा था

लाओ पेंग के पास बहुत पैसा था। वह लगातार और पैसे की मांग करती रहती थी।

शत्रु के शव के कारण, जब तक कि शत्रु नाविक ने क्रोधित होकर उसे चुप नहीं करा दिया।

अब टार पेंग गया और एक ताबूत खरीदा और उसे मंगवाया।

और पोया के शव को जल्दबाजी में उसमें रख दिया गया। तान्नी नहर के किनारे बैठी थी।

वह रो पड़ी, अपना सिर ताबूत पर पटकते हुए, जैसे कई महिलाएं रोती हैं।

अपने दुःख में उसने दुश्मन के ताबूत पर अपना हाथ पटका।

जेड का कंगन टूट गया। उसने टूटे हुए कंगन को देखा और फिर

उसने अपनी लाल स्कार्फ से उसे पोया के हाथ के पास रख दिया। फिर उसने नीले रंग का स्कार्फ पहनाया।

ऊनी धागा लाया गया और उसे गांठ लगाकर उसके अंदर डाल दिया गया

शोक के प्रतीक के रूप में बाल।

उनका इरादा दुश्मन के ताबूत को पहले ह्सुचोव ले जाने का था, जो कि

ट्रेन से लगभग दो घंटे की दूरी पर। लेकिन दुश्मन का ताबूत ठीक से नहीं रखा गया था।

वार्निश और पुट्टी से सील किया हुआ, और स्टेशन-मास्टर के लिए, एक छोटा,

एक सुरक्षित और कल्पनाहीन चालीस वर्षीय व्यक्ति ने इसे लेने से इनकार कर दिया। वे बुरे थे।

या तो इस आदिम कस्बे में किसी छोटे से सराय में ठहरें जबकि

ताबूत पर वार्निश लगाकर उसे अच्छी तरह बंद कर दिया गया, जिसमें बीस दिन लग गए।

चार घंटे, या उन्हें एक ट्रक किराए पर लेना होगा जिसके लिए उनके पास पहले से कोई व्यवस्था नहीं थी।

पर्याप्त धन बचा है।

उन्होंने दुश्मन स्टेशन मास्टर के साथ बहस में काफी समय बिताया।

35एस

जो कभी कोई गलती नहीं कर सकता था और कोई नियम नहीं तोड़ सकता था, उसे यह बताते हुए कि

मृत व्यक्ति ने अकेले ही तीन जापानी सैनिकों को मार डाला था और

उसने

इससे ठीक पहले एक ट्रेन यात्रा के दौरान लड़ते हुए उनकी मृत्यु हो गई थी।

केवल दो घंटे के लिए। अंततः स्टेशन मास्टर ने टेलीकास्ट करने की सहमति दे दी।

ह्सुचो में रेलवे प्रशासन को फोन करें और

अनुमति मिल गई और चार बजे वे जहाज पर सवार हो गए।

ताबूत और तियान्तिएन-एरह के साथ ट्रेन।

ह्सुचो पहुँचने पर उन्हें पता चला कि तुआन वेन के दल ने

जब तीनों ने रसीद वापस नहीं की तो मुझे बहुत चिंता हुई।

रात। उनका इंतज़ार न कर पाने के कारण, पार्टी चलती रही,

चालीस से अधिक अनाथ बच्चे थे, और केवल मिस तुआन ही पीछे रह गईं।

उन्होंने मुलान को एक टेलीग्राम भेजा, जिसमें उन्होंने उसे संक्षेप में बताया कि क्या हुआ था।

ऐसा हुआ। ह्सुचो में रहते हुए, तानी ने पोया का सूटकेस खोला और

अन्य चीजों के साथ-साथ उनकी यात्रा की एक डायरी भी मिली, जो नीचे की ओर जाती थी।

जब उन्होंने हैंकोव को छोड़ा था, तब यह एक तरह से चौंकाने वाला अनुभव था।

उसके लिए; उसके पत्रों के विपरीत, इसमें उसके कई गुप्त विचार शामिल थे।

और खुद के बारे में बेहद स्नेहपूर्ण शब्दों में बात करती हैं।

28 अप्रैल के बाद की नवीनतम प्रविष्टियाँ, स्पष्ट रूप से उनकी बातचीत के बाद की गई हैं।

युमेई का विवरण इस प्रकार था:

आज हंगशान का दौरा किया। ओह, मैं कितना मूर्ख था!

लिएन-एरह में काफी बदलाव आ गया होगा। वह बहुत आगे बढ़ चुकी है।

मुझे अभी भी उसे बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करनी होगी - यह बौद्ध धर्म और

युद्ध संबंधी कार्यों में उसकी रुचि। मुझे लगभग लगता है कि मैं उसके लायक नहीं हूँ। लेकिन क्या?

युमेई ने कहा, "मुझे खुद पर गुस्सा आता है।"

मेरे गाल जलने लगे। मुझे माफ़ कर दो, लीन-एरह। मैं कोशिश करूँगा।

अब से मैं आपके योग्य हूँ। मैं अंधा था और शायद मैं हार जाता।

अगर मैं अंदर नहीं आता तो वह मुझसे प्यार करती। मुझे यकीन है कि वह अब भी मुझसे प्यार करती है।

मुझे अभी। लेकिन अगर नहीं... तो मैं कभी दूसरी औरत से शादी नहीं करूंगा।

अब मैं किसी और से प्यार नहीं कर सकती। उम्मीद है कि बहुत देर नहीं हुई है।

टान्नी स्तब्ध रह गई। उसकी मृत्यु का मकसद स्पष्ट नहीं था।

पहले से ज़्यादा स्पष्ट। उसने लैप को डायरी न दिखाने का फैसला किया।

पेंग ने आंसू भरी आंखों से उसे अपने सूटकेस में छिपा लिया।

वे मिस तुआन और तियान्तिएन-एर्ब के साथ हैंकोव लौट आए।

और ताबूत। लाओ पेंग और तानी दोनों पूरी बैठक में बैठे रहे।

एक-दूसरे से बहुत कम शब्द बोलते हुए, स्तब्ध और मग्न।

उनके अपने विचार।

मुलान अपने शोक संतप्त परिवार के साथ उनसे मिलने आई। उप्पा

मुलान को देखकर तानी फिर से फूट-फूटकर रोने लगी। यह जानते हुए कि ओई 4 पर

जब मुलान ने देखा कि तानी थक गई है, तो उसने उसे अपने घर में रहने के लिए कहा।

फिलहाल के लिए। जब तानी घर पहुंची, तो उसने तोड़ दिया।

पूरी तरह से नीचे गिर गई। अगले दिन, उसे बुखार आ गया और उसने सांस लेना बंद कर दिया।

प्रलाप।

भयभीत और व्याकुल मुलान ने लाओ पेंग को बुलवाया, जो

अंतिम संस्कार के सिलसिले में अस्थायी रूप से हैंको में रुका हुआ हूँ। लाओ

पेंग आया, उसका मल मौत की तरह सफेद था। अंदर जाकर देखने के बाद

टान्नी, जो अभी भी बेहोशी की हालत में था, उसे मुलान दूसरे कमरे में ले गई।

जहां वे अकेले में बात कर सकें। कुछ पल के तनावपूर्ण क्षण के बाद।

उसने उससे कुछ जानकारी मांगी। उसने उसे कुछ बातें बताईं।

पोया की मृत्यु के बारे में और प्रेम की प्रतिज्ञा के बारे में जो विचार थे,

अब यह टैनी की देखरेख में है।

"हम ऐसा क्या कर सकते हैं जो उसके लिए सबसे अच्छा हो?" मनलान ने कहा।

लाओ पेंग ने गहरी आह भरते हुए उत्तर दिया, "मुख्य फाइलिंग यह है..."

कि वह एक सीएमडी को बाहर निकाल रही है।"

“अगर लड़का हुआ तो वह अपने माता-पिता का इकलौता पुरुष परपोता होगा।”

याओ परिवार। मेरे भाई अफेई की केवल बेटियाँ हैं। हम कर सकते हैं।

शादी को कानूनी मान्यता दे दो, लेकिन इतनी कम उम्र की लड़की से ऐसा करने के लिए कहना मुश्किल है।

विधवा ही रहना। यह उसका अपना फैसला होना चाहिए। लेकिन अगर वह विधवा ही रहती है, तो भी।

अगर वह स्वतंत्र रहना पसंद करता है, तो मैं बच्चे का अच्छे से पालन-पोषण करूँगा।

लाओ पेंग काफी देर तक सोचते रहे। फिर उन्होंने कहा,

"बच्चे के लिए सबसे अच्छी बात यह होगी कि वह याओ नाम धारण करे, यदि ऐसा हो।"

वह मान जाएगी। अन्यथा, कोई पुरुष वंशज नहीं होगा।

याओ नाम को आगे बढ़ाने के लिए। हम एक साधारण समारोह के माध्यम से आगे बढ़ सकते हैं।

धन, जिससे पोया की आत्मा-पट्टिका से पहले ही उसकी शादी हो गई,

निकटतम रिश्तेदारों की उपस्थिति। लेकिन निश्चित रूप से, हम ऐसा नहीं कर सकते।

विधवा होने का विकल्प उसके लिए उपयुक्त नहीं है। हमें तब तक इंतजार करना होगा जब तक वह ठीक न हो जाए।

बेहतर होगा। उसे धीरे से यह सुझाव दें और देखें कि वह कैसी प्रतिक्रिया देती है।

“अगर वह सहमत होती है, तो यह जल्दी करना होगा। हमें अवश्य ही करना होगा।

अंतिम संस्कार की रस्मों को स्थगित कर दें, यहां तक कि अंतिम संस्कार की सूचना को भी, क्योंकि हमारे पास

नोटिस में विधवा का उल्लेख अन्य रिश्तेदारों के साथ किया जाए।"

अगले दिन, टैनी का दिमाग पहले से ज़्यादा साफ़ था, हालाँकि वह अभी भी

बिस्तर पर पड़ी हुई, और बहुत कमजोर। मुलान उसके पास गई और बोली:

“तन्नी, मुझे तुमसे बात करनी है। पोया मर गया है, और हमें...”

हम आपके और बच्चे के बारे में सोच रहे हैं। अगर आप चाहें तो हम शादी करवा सकते हैं।

पूरी तरह से कानूनी। अगर लड़का हुआ तो वह इकलौता पुरुष पोता होगा।

याओ परिवार की ओर से। याओ परिवार को आपका स्वागत करके गर्व होगा।

एक सदस्य के रूप में, और मुझे आपसे संबंधित होने में खुशी होगी। यदि ऐसा है

तो फिर हमें अंतिम संस्कार की सूचना में आपका नाम लिखना होगा।

लेकिन अगर आप पाँच में भुगतान करना पसंद करते हैं, तो हमें खुशी होगी।

357

पोया के बच्चे के लिए। इस बारे में सोचो और मुझे बताओ। खुद को समय दो।

समय। जब आप निर्णय ले लें, तो उचित रंग चुनें।

तुम्हारे बालों की गांठ के लिए शोक मनाओ, और मैं जान जाऊंगा।"

टान्नी बिस्तर पर लेटी हुई थी, उदास और चुपचाप। परिवार का ˆte y

उसके लिए मांद खुली थी, और मुलान उसका स्वागत करने के लिए वहीं खड़ी थी।

काफी देर बाद उसने कहा, "मुझे श्री पेंग से बात करने दीजिए।"

जब लाओ पेंग कमरे में आया, तो बाकी लोग एकांतवास में चले गए।

धीरे-धीरे तानी ने अपना हाथ बढ़ाया और लाओ पेंग का हाथ पकड़ लिया।

हाथ मिलाया और वे एक मिनट तक चुप रहे। उसका अतीत, वर्तमान

और भविष्य उस एक पल में केंद्रित थे। उसे ऐसा महसूस हुआ...

उस क्षण उसे उन दोनों की सारी ताकत की जरूरत थी।

एक ऐसा निर्णय लेना जिससे बहुत कुछ तय होना था — उसका संघर्ष

पोया के लिए पुराना जुनून और उसके सामने खड़े पुरुष के लिए संयमित प्रेम

मृतकों के प्रति उसके दायित्व और उसकी भविष्य की योजनाओं के बीच का संघर्ष

जीवितों के प्रति और अजन्मे बच्चों के प्रति उसके कर्तव्य के प्रति।

लाओ पेंग ने सबसे पहले बोलना शुरू किया। “तानी, किस्मत तुम्हारे साथ बहुत कठोर है।”

आप जानते हैं कि मेरी एकमात्र रुचि आपकी मदद करना, आपके लिए सर्वोत्तम कार्य करना है।

आपके लिए। हमने पो3रा को पूरी तरह से गलत समझा है। उसका प्यार ही था।

सच्चा, निस्वार्थ प्रेम। उन्होंने बलिदान में अपनी जान दे दी...

यह सुनकर टैनी फूट-फूट कर रोने लगा। कुछ देर बाद उसने आगे कहा।

“टैनी, अभी तुम्हारे लिए सोचना मुश्किल है। मेरा प्रस्ताव अभी भी तुम्हारे पास है।”

शादी के बारे में। लेकिन अब हमें सिर्फ उसके बच्चे के बारे में सोचना चाहिए। उसके पास

वह आपके अयोग्य नहीं रहा है। यदि आप उसकी विधवा बनना पसंद करती हैं, तो

अंतिम संस्कार की सूचना जारी होने से पहले भी विवाह को वैध बनाया जा सकता है।

यह अनुभव आपके और मेरे लिए बहुत कठिन रहा है। लेकिन अगर आप

यदि आपने बौद्ध धर्म को सही मायने में समझ लिया है, तो आपमें पर्याप्त शक्ति होनी चाहिए।

अब से कुछ भी सहन करने के लिए तैयार रहना होगा।"

“लेकिन तुम्हारा क्या?” टैनी ने कमजोर आवाज में पूछा।

मैं जारी रखूंगा। टीबी के समय आपके मन में जो विचार आया था, उसे याद रखने की कोशिश करें।

चेंगचो होटल। हिम्मत रखो, टैनिल। जल्द ही तुम्हें मिल जाएगा।

बच्चा पैदा करो और वह तुम्हारी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देगा। अपने आप को काम में इतना मग्न कर लो कि कुछ और न हो सके।

और आपको वह परम सुख प्राप्त होगा जो इससे भी ऊपर है।

हमारे व्यक्तिगत जीवन के दुख।"

क्या मैं अब भी आपके काम में आपका साथ दे सकता हूँ?

क्यों नहीं? इसके बाद, हम दोनों को ही बेहतर नौकरी ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए।

ख़ुशी।"

अगली सुबह मुलान ने देखा कि टान्नी में नीली गांठ थी।

बाल सफेद हो गए थे और वह जानती थी कि टैनी ने ऐसा किया था।

3जे8

यह उसकी पसंद थी। तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और शादी होने वाली थी।

तीसरे दिन पीकेसीई।

इस अवसर को और भी खास बनाने के लिए, लाओ पेंग ने श्री तुंग से अनुरोध किया।

समारोह का संचालन करने के लिए। श्री तुंग उस समय हैंकोव में थे, और

लाओ पेंग उन्हें बौद्ध रेड कोस के निदेशक के रूप में जानते थे।

आपातकालीन स्थिति के कारण, "आत्मा का आह्वान" करना पड़ा।

दफ़नाने से पहले यह रस्म अदा की जानी थी। इसके लिए शुभ मुहूर्त छह बजे चुना गया था।

शाम के समय। नीले अक्षरों वाले दो सफेद लालटेन।

हाउ में याओ का नाम निलंबित कर दिया गया था, और सफेद मोमबत्तियाँ

आत्मा-स्तंभ के आले के सामने अल्टाक्स पर जलाए गए थे।

एक आले में पोया का एक बड़ा चित्र लटका हुआ था, जिसके ऊपर सफेद रंग का कपड़ा लगा था।

रेशम की मालाएँ।

समारोह के संचालक के निर्देश पर श्री तुंग खड़े हो गए।

प्रार्थना करने और सिंदूर लगाने से पहले वह दक्षिण-पूर्व की ओर जा रहा था।

आत्मा-पट्टी के शीर्ष पर बिंदी। ऐसा करने पर, स्वामी

समारोहों में पट्टिका के लिए दूसरा निर्देश दिया गया था -

उसे आले में रखा गया। फिर समारोह के संचालक ने पुकारा।

दुल्हन बाहर आने वाली थी। तानी पूर्वी कमरे से प्रकट हुई।

युमेई की सहायता से और पूर्ण शोक के सफेद वस्त्र पहने हुए,

आँखें धुंधली, चेहरा पीला और उदास, बर्फीले वातावरण में सपने देखते हुए दलदली पेड़ की तरह।

खिल उठा, और उसे धीरे-धीरे, सधे हुए कदमों से सबसे आगे ले जाया गया।

वेदी। मुलान द्वारा सुझाई गई एक प्राचीन प्रथा के अनुसार,

उसे पो ं की आत्मा-पट्टिका के समक्ष दो बार झुकने के लिए मजबूर किया गया, और एक

मुलान की देखरेख में रहने वाले अनाथ लड़कों में से एक ने प्रतिनिधि के रूप में काम किया।

आत्मा (सबिब) की ओर से प्रणाम किया और बदले में दो बार झुककर अभिवादन किया।

दिवंगत दूल्हा। साधारण समारोह समाप्त हो गया।

शादी के प्रमाण पत्र पर अपनी मुहर लगाने से पहले, श्री तुंग

उन्होंने गंभीर मुस्कान के साथ दुल्हन से कहा, "मैंने एक बड़ी समस्या का समाधान कर लिया है।"

कुछ रहस्य। • केवल तुम ही मुझसे सफलतापूर्वक बच निकले। मुझे लगा था कि तुम

हम हर समय पेइपिंग में रहते थे। अब मैं तुम्हें यहाँ पाता हूँ। मेरा

बधाई हो।"

युमेई, जिसने शादी में मौजूद रहने पर जोर दिया था, "विज़

लाओ पेंग, मुलान और अन्य लोगों के अलावा, गवाहों में से एक बनने के लिए कहा गया।

सुन्या। जब उसने शादी के कागज पर अपने नाम के ऊपर एक गोला बनाया,

प्रमाण पत्र देखकर उसकी आंखों से बड़े-बड़े आंसू बहने लगे।

टान्नी फूट-फूटकर रोई।

* *

*

जब जून का महीना आया, तो टैनी हंग्स के पास गई और उसे ले गई।

सफेद वस्त्र पहने, शोक में डूबी, शरणार्थियों के साथ अपने पुराने काम को दोहराती हुई।

उसके पति के लिए पचास हजार डॉलर का समझौता हुआ था।

कैनान के लिए बनाया गया था, और अब टैनी के पास अपनी जरूरत का सारा पैसा था।

उनके काम को आगे बढ़ाने के लिए।

जैसे-जैसे महीने बीतते गए, टैनी धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगी।

जब बच्चे के जन्म का समय निकट आया, तो वह चली गई

पहाड़ी से नीचे उतरकर वे मुलान के घर पर रुके। सितंबर में

जब दुश्मन हैंकोव की ओर बढ़ रहा था, तब एक लड़के का जन्म हुआ।

उसे।

इस बीच, तियान्तिएन-एरह ने गर्व से पिनपिन का स्थान ग्रहण कर लिया

था।

तानी का दिल और उसके भाई हंगशान पहुँच गए थे।

और उनके साथ शामिल हो गया। शरणार्थी गृह में शांति छा गई थी।

हंगशान। लाओ पेंग और तान्नी ने अपनी साझा भक्ति में सफलता पाई।

एक ऐसी खुशी जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी।

पहाड़ी पर थोड़ी ही दूर पर पोया की कब्र थी। उसके ऊपर एक स्मारक था।

तान्नी द्वारा चुना गया और लाओ पेंग द्वारा अनुमोदित समाधि-लेख। यह एक था

गैर-बौद्ध, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से सार्वभौमिक पाठ:

इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं हो सकता कि कोई व्यक्ति अपने प्राणों की आहुति दे दे।

उसके दोस्तों।

, समाप्त।'*' •